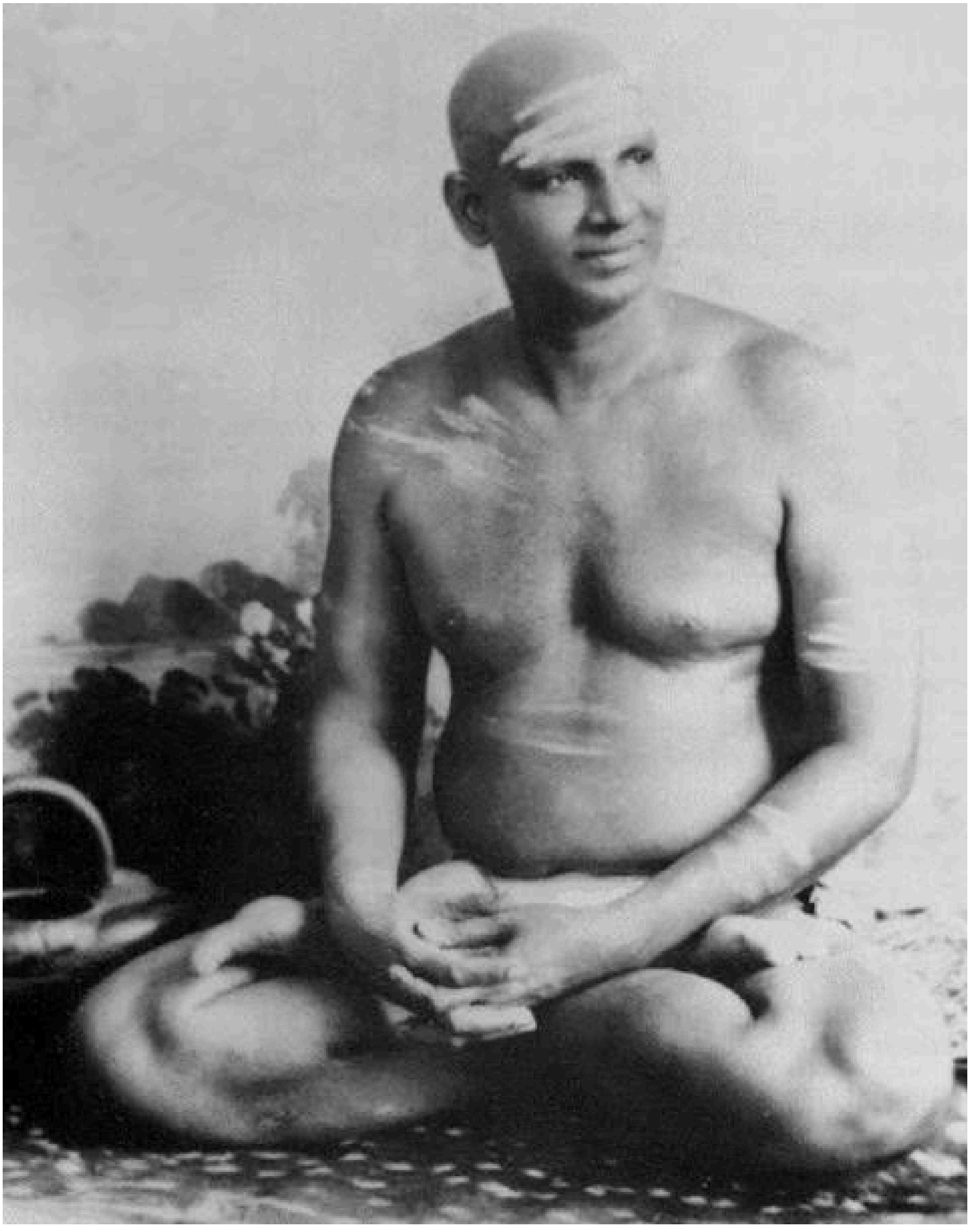
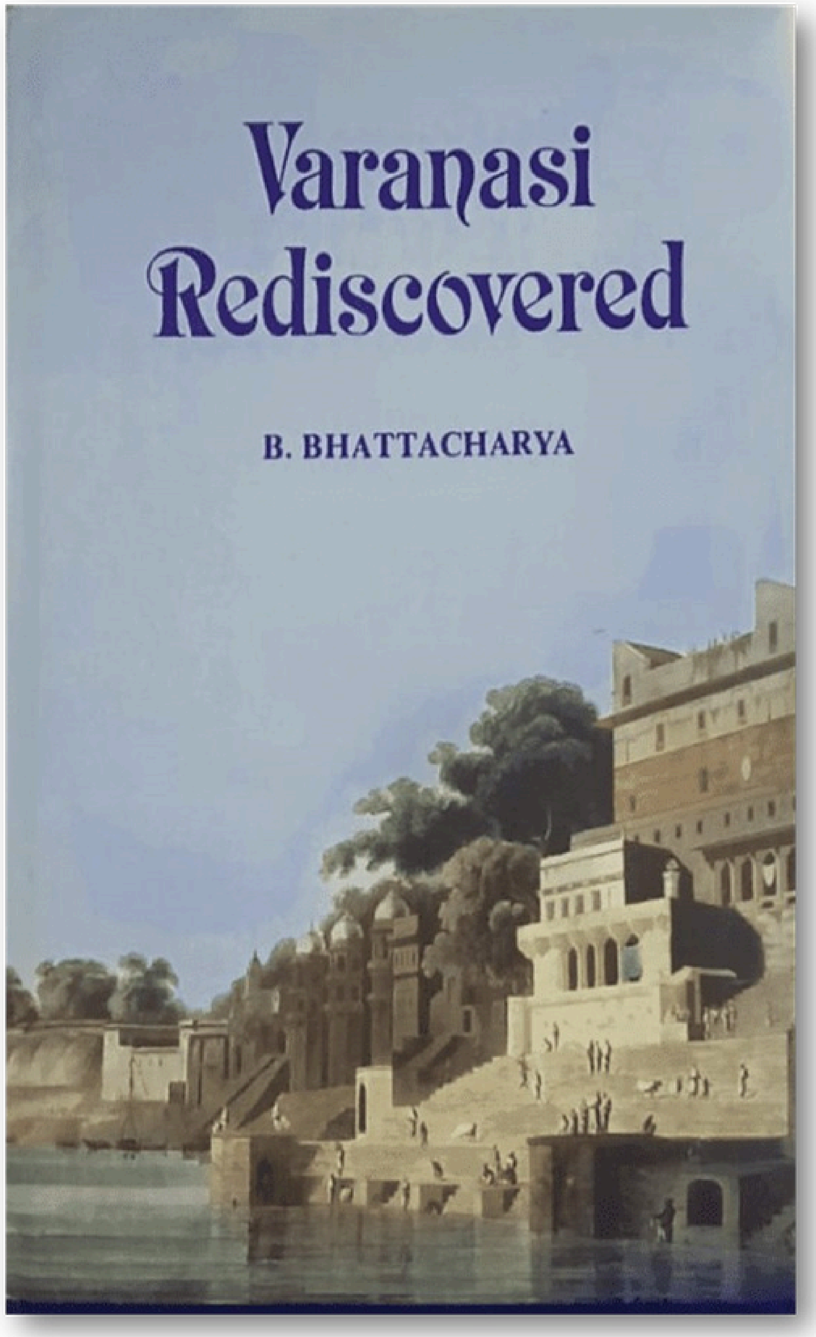


वा रा णसीपुन र्खो ज



अन वा दक: रामे श चौ हा न

Varanasi Rediscovered

B. Bhattacharya

वा रा णसीपुन र्खो ज

अन वा दक़ रामेश चौ हा न

With 40 black & whiteillustrations and 12 maps

Munshiram Manoharlal
Publishers

To the Peopleof Varanasi

विवाषय-सीचौ

मे नविचौत्र

1. क श दपु ण्पु रा पुरिराक मे नविचौत्र, विजसी आज भू श्रद्धा लु ते थय त्र र्खो$जते हा&

2. वा रा णसी क पुयट क) क रा र्खो विचौत्र: अमेरि राक*, फ्रां सी सी , ज पु न औरा ग्री क

3. वा रा णसी : शहारा, मेदि दरा दिदर्खो ते हुए

4. विवाश्वन थ, मेविणकर्णिणक , दश श्वमेध औरा आसीपु सी

5. रा जघा ट पुठा रा क सी थ बन रासी, विजसीमे :शरु आते जलु विनक सी दिदर्खो ई गई हा>

6. जम् सी प्रिंBसीपु क बन रासी क मे नविचौत्र, विजसीमे :क श क ते लु ब औरा झी लु: दिदर्खो ई गई हा&

7. ज्ञा नवा पु औरा मेदि दरा

8. चौ क क्षेत्र -पुरा न औरा नए मेदि दरा

9. क्रविमेक पुरिरावाते न क सी थ वा रा णसी

10. शहारा क विवाक सी: बन रासी 1822

11. वा रा णसी : एक सीमेग्री सीज्ञा न त्मेक मे नविचौत्र-रा र्खो विचौत्र

12. अग्री ज) द्वा रा सीड़क औरा रा लुमे ग विनमे ण द्वा रा इसी ब विधते करान क ब द वा रा णसी क विवास्ते रिराते शहारा क एक मेल् यवा न पुरा न मे नविचौत्र

रा र्खो कन

1. इस्लु मे श सीन क अते मे :एक अज्ञा ते सीवि>नक द्वा रा पुवा P तेट सी दर्खो गई वा रा णसी , विवाक्ट$रिराय मेमे $रिरायलु सीग्री हा लुय, कलुकत्ता मे :मेलुटिं:टग

2. चौ क* घा ट य न ग घा ट सी वा रा णसी मे :गग क दश्0य

3. पुरा न विवाश्वन थ मेदि दरा क र्खोड हारा, ज्ञा नवा पु मे :मेविस्जद क विपुछलु भू ग

4. क0वितेवा सीश्व रा मेदि दरा, आज क* तेराहा

5. र्खोड हारा हा$ चौक प्रिंसीविधय घा ट क सी थ दत्ता त्र य औरा यमे घा ट

6. हारिराश्चं द्र अत् यवि V घा ट: उन्नी सीवाY सीद क अते मे:

7. बकरिराय क ड (बराक रा क ड): उन्नी सीवाY सीद क अते मे :लु गई तेस्वा रा। लुर्खो क न 1929 तेक इसी दर्खो औरा इसी बदल पु य । अब कलु क0वितेय) क क$ई विनश न नहाY हा>

8. ओंक रा श्वरा प्रिंलुगमे

9. रा न भूवा न क* मेविहामे क स्मे राक: दग मेदि दरा

10. रा न भूवा न क* मेविहामे क स्मे राक: दग क ड

11. मे नमेदि दरा घा ट: जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा पुटिं:टग

12. मे नमेदि दरा क Bविसीद्धा झीरा$र्खो , विवावाराण, जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा बन ई गई पुटिं:टग

13. नपु लु र्खोपुरा घा ट, वा रा णसी

14. श ते गग बहाते हा>

15. रा जघा ट दिकलु ट लु -जहा [र्खोद ई हुई थ

16. मेविणकर्णिणक घा ट

17. मेविणकर्णिणक , चौक्रते थ औरा ब्रा ह्मण लु

18. लुविलुते घा ट

19. ओंक रा श्वरा मेदि दरा

20. मेध्यमेश्वरा मेदि दरा विजसीक पु छ मेत्0यज य मेदि दरा हा>

21. कविपुलुध रा , जसी> दिक जम् सी प्रिंBसीपु न दर्खो

22. क0वितेवा सीश्व रा आज: आलुमेविगरा मेविस्जद क आ तेरिराक भू ग, दिदर्खो राहा हा >'स्ट पु' जहा मे न ज ते हा >दिक गभूग 0 औरा अब विशवारा वित्र क दिदन इसीक* पुज क* ज ते हा>

23. पुहा ड़ पुरा आदिद विवाश्वन थ

24. जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा एदर्खों विवाश्वन थ मेदि दरा क खोंड हारा।

ते न कब्रा) पुरा ध्य न द:

25. मेहा न मेद दिकन ते लु वा: जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा बन य गय। बड़ गणश मे न ज ते हा >दिक यहा द विहान हा थ क ग्री$वा क
पु छ हा>

26. ज्ञा नवा पु क हामेश चौ कन्नी राहान वा लु बलु> नद

27. जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा यदर्खों लु ज घा ट

28. जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा यदर्खों भू मे घा ट

29. दश श्वमेध घा ट

30. ते थय त्र गग मे :स्ना न कराते हा &(उन्नी सीवाY सीद क मेध्य मे):।

31. चौते प्रिंसीहा (दिकराक* घा ट) मे :बढ़ वा मेग लु मेलु

32. विसीर्खो मेहा रा ज राणज ते प्रिंसीहा द्वा रा सी$न सी ढं क विवाश्वन थ मेदि दरा क टbवारा

33. क श विवाश्वन थ

34. पुक्की*-मेहालु, चौ र्खोब , उन्नी सीवाY सीद क मेध्य: जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा बन ई गई पुटिं:टग

35. लु ट भूरा>)

36. गग पुरा मे लुवा य पुलु , अग्रीभू विमे मे :मे रा रुस्तेमे अलु क* कब्रा क सी थ

37. कपु लुमे$चौन ते लु ब क* सीमे विd क* अवास्थ

38. बन मे धब मे :औरा गजब क* मेविस्जद, अग्रीभू विमे मे :ब लु ज क मेहालु, जसी> दिक जम् सी प्रिंBसीपु न दर्खो

39. औरा गजब क* मे न रा) सी दर्खो गय आधवि नक वा रा णसी शहारा।

40. जम् सी प्रिंBसीपु द्वा रा यदर्खों रा ण मे :भूरातेविमेलु पु मेलु

भूवि मेक

भू राते मे :क$ई औरा ऐसी शहारा नहाY हा >ज$ विवाचौ राश लु पुयट क) मे :वा रा णसी विजतेन उत्सीक ते जग ते हा$। यहा रुविचौ क वालु
आधवि नक नहाY हा,> बविल्क भू राते क इवितेहा सी क* नसी) मे :B चौ न क लु सी बहा राहा हा।> इवितेहा सी क ज्ञा ते सीमेय सी, औरा भू राते
मे :य वित्रय) क इवितेहा सी मे,: हामे पु ते हा &दिक चौ न सी लुक रा विब्रारिटश द्वा पु) तेक, अफ्रां*क सी लुक रा रूसी -जमेन क्षेत्र) तेक, औरा यहा [तेक दिक विवाद्वा न अराब क्षेत्र) सी भू व्या पु रा , विवाद्वा न, द शवि नक औरा घामे क्कीड़ जन वा रा णसी क Bविसीद्धा शहारा क* ओरा
प्रिंर्खोचौ चौलु आते थ।

यहा Bवावि0त्ता आज भू थमे नहाY हा,> बविल्क बढ़ राहा हा।> एक क ब द एक दिकते ब :इसी अमेरा शहारा, भूव्या,

राहास्यमेय , आकष क
वा रा णसी पुरा Bक विशते हा$ राहा हा &— एक ऐसी B चौ न नगरा ज$ कभू अपुन यवा वास्थ नहाY र्खो$ते ।
विजन्हा :इसी ज दई शहारा क* धड़कन) क$ 'मेहासीसी ' करान क सी भू ग्य विमेलु हा,> वा अक्सीरा अपुन पुहालु

मेलु क ते क*
Bवितेदिकय ओं क$ विलुर्खोन क* Bबलु इच्छ सी Bरि राते हुए हा &— एक ऐसी शहारा ज$ ज्ञा न, सी हासी औरा स्पुVवा दिदते क Bते क
हा।>

वा रा णसी पुरा विवादश लुर्खो क) क* सीबसी पुरा न पुस् तेक: चौ न औरा अराब य वित्रय) क* हा।& इसीक ब द

अफ्रां*क*, फ्रां सी सी ,
जमेन औरा असी ज य वित्रय), अविधक रिराय) औरा विवाद्वा न) क* राचौन ए [सी मेन आईं। इसी शहारा क सी विहात्य मे :फो$टे$ग्री फीरा,
विचौत्रक रा, कलु क रा भू श विमेलु हा,& विजन्हा :इसी B चौ न नगरा क$ क>द करान , विचौवित्रते करान , ग न य

व्याग् य करान सी र्खोद क$
रा$क पु न असीभू वा लुग ।
वा रा णसी पुरा विलुर्खो गई पुस् तेक) क* सीचौ पुष्ठ0 दरा पुष्ठ0 भूरा सीकते हा।> हा लु क* एक व्या पुक पुस् तेक,

"Varanasi, the City
of Light" (वा रा णसी : Bक श क नगरा) ड यन एलु. एक द्वा रा विलुविर्खोते हा,> विजसीन वा रा णसी क$ उन विवाह्नवि शर्थ) सी
पुरिराविचौते करा य ज$ पुयट क क दवि0Vक$ण सी शहारा क* ज नक रा चौ हाते थ। हा लु दिक, उन्हा)न अपुन

सी मे ओं क भू तेरा एक
सीरा हान य क य दिकय , लुदि कन एक गरा>-प्रिंहाद औरा विवाशष रूपु सी एक श्वते मेविहालु हा$न क क राण, वा उन छ पु हुए स्थ न) तेक
नहाY पुहुचौ[सीकq, विजन तेक क वालु एक दढ़0 प्रिंहाद क* हा पुहुचौ[हा$ सीकते थ । वा रा णसी पुरा सीबसी

रासीपुण राचौन ओं मे :सी एक हा >डb. मे$ते चौद द्वा रा विलुविर्खोते "क श क इवितेहा सी"। यदिद उन्हा

:स्वातेत्र ते क
क द विलुर्खोन क अवासीरा विमेलु हा$ते , ते$ वा विनविश्चंते रूपु सी विवाषय पुरा औरा विवास्ते रा सी विलुर्खो सीकते थ विब्रारिटश रा ज क
द रा न लुर्खो न आसी न नहाY थ , विवाशष रूपु सी एक सी मे विजक आलु$चौक क विलुए। औरा इवितेहा सी क्य हा,>

यदिद वाहा अपुन
सीमेय क* आलु$चौन न करा ? उनक क य , विजतेन भू Bशसी न य औरा विवास्ते0ते हा,> वाहा अविधक ते व्र औरा वा$जपुराक हा$ सीकते

विवाश्वन थ मेर्खो जP क* "क श " औरा एलु. पु . विवाद्या थP क* "The Sacred Complex of Kashi", सी थ हा क . एन. शक् लु क* "Varanasi: Down the Ages", आलु$चौन त्मेक दवि0V सी मेहात्वापु ण हा।& औरा विनविश्वंते रूपु सी ई. ब . हावा>लु एमे. ए. शटिं राग क क य आज भू श स्त्री य मे न ज ते हा।&

दिफोरा भू , यहा Bय सी एक बहा न पुश करा सीकते हा।> यहा विनविश्वंते रूपु सी पुहालु दिकए गए क यx क* पुन रा वावि0त्ता सी ब क न उन क्षेत्र) क$ छु न क क$विशश कराते हा,> लुदि कन यहा एक पुरा ते वित्वाक दवि0V सी पुरा तेराहा मे विलुक क य नहाY हा।> लुर्खो Bय सी दिकय हा,> विजन्हा :श यद अत्यविधक विवावा द स्पुद मे नकरा कभू छ आ हा नहाY गय ।

इसी पुस् तेक न वा रा णसी क अते ते क 'क्य ', 'क्य)' औरा 'क>सी' क* गहारा ई मे :ज न क Bय सी दिकय हा।> वा रा णसी क* विवा सी मे विजक मे न्यते ए,[स्वारूपु, जरिटलुते ए[, जनसीख् य -विवातेराण, विवाशष रूपु सी इसीक* बहु-आय मे मे नवा सीमेस्य ए [औरा उपुलुविzधय ,[ज$ अवाध औरा बन रासी क रा ज बलुवाते प्रिंसीहा क* Bभू वाश लु सीस् क0वितेय) क सी य मे :पुनपुY, न लुर्खो क व मेदि दरा), मे$हाल्लु) औरा घा ट) क* मे त्र सीचौ सी कहाY अविधक आकर्णिषते दिकय हा।>

यहा पुस् तेक वा रा णसी क$ ह)) पुरा ग्ई बहुलु ते यवातेमे न तेक दर्खो ज नक रा , इलु क) क न मे, भूलु -विबसीरा B क0वितेक स्थलु) क मे ध्यमे सी शहारा क* वा स्तेविवाक B चौ न विस्थविते क$ एक नए दवि0Vक$ण सी Bस्तेते करान क* क$विशश कराते हा।>

कई वा रा णसी य [राहा हा;& आज ज$ शहारा खोंड़ हा,> वाहा कभू क वा स्तेविवाक स्थ न सी विभून्नी हा,> विजसी अब क$ई य द करा ते । शहारा आज भू अपुन कई न मे) क$ द$हारा ते हा,> विबन यहा सीमेझी दिक वा न मे क्य दश ते हा &औरा उनक भू तेरा क न ऐवितेहा विसीक सीक ते विछपु हा,& ज$ एक नए, अद्भुभू ते वा रा णसी क$ उज गरा करा सीकते हा,& जसी> दिक पुहालु दिकसी कल्पुन नहाY क* थ ।

यहा पुस् तेक स्थ न य क्षेत्र) क न मे) क$ गभू राते सी लुते हा,> खों$ई हुई नदिदय) औरा झी लु) क$ पुन } खों$जन क Bय सी कराते हा,> औरा विगरावा ण पुदमेज रा , क0त्य कल्पुतेरु, ते थ विवावाचौ न क ण्ड, क श मेहा त्म्य, अवि पुरा ण, वा य पुरा ण, मेत्स्य पुरा औरा विवाशष रूपु सी स्क द पुरा ण क क श खोंड जसी> मेहात्वापु ण ग्रीथ) क मे ध्यमे सी वा रा णसी क वा स्तेविवाक B चौ न स सीहा पुरिराBक्ष् य मे :पुन स्थ विपुते करान क Bय सी कराते हा।>

इसी पुस् तेक क* ट कण Bदिक्रय मे :श्र शक रासीन ब विणक क* सीहा यते B d हुई हा,> औरा लुर्खो क श्र विबक श विबस्वा सी क Bवि अपुन हा र्दिदक क0तेज्ञाते व्याt कराते हा,& विजन्हा)न हारा कदमे पुरा सीहाय$ग दिदय ।

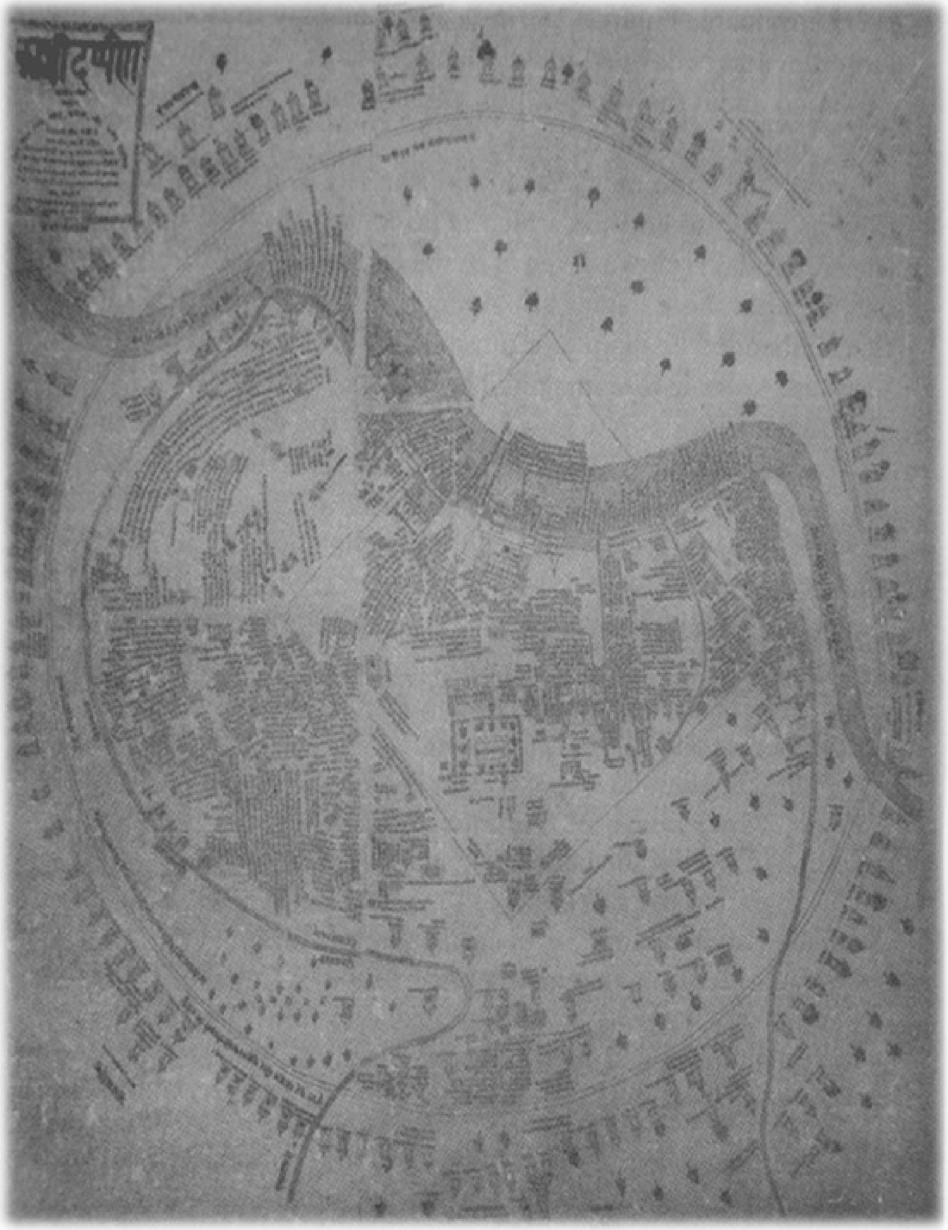
'रिटप्पुविणय '[पु ठा क अते मे :द गई हा,& ज$ क छ विवावा द स्पुद औरा अस्पुV प्रिंबदओं क$ स्पुV करान औरा पु ठाक) क ध्य न मे विलुक स्त्रो$ते) क* ओरा आकर्णिषते करान क विलुए हा।&

नई दिदल्लु

फो ल्ग न पुर्णि णमे , 1998

ब . भूट्टा चौ य

मे नविचौत्र



मे नविचौत्र1. क श दपु ण: पु रा पुरिराक मे नविचौत्र विजसी आज भू श्रद्धा लु र्खो$जते हा &।

1. सीन तेन विनवा सी

I

क न नहाY ज नते वा रा णसी क$? य , क न ज नते हा?> वान् सी, क विहारा , बगद द, दविमेश्क, पुइ प्रिंचौग, रा$मे — य वा$ न मे हा &ज$ मेहा क व्या), कथ ओं औरा दते कथ ओं मे :'B चौ न' क
रूपु मे :Bविसीद्धा हा,& लुदि कन वा रा णसी क सी मेन य सीब आधवि नक लुगते हा।& य शहारा ज विवाते हा,& आज भू हालुचौलु सी भूरा हुए हा।&
हामे उन शहारा) क* ब ते नहाY करा राहा ज$ इवितेहा सी क पुन्नी) मे :दब चौक हा:& थz सी, उरा, nbस्सीसी, ट्रॉbय, पुसीपुu$विलुसी, ब$ग$ज- क$ई, मे$हानज$दड़$, लु$थलु, क लु बग न। हामे मेरा हुई सीस् क0वितेय) क* ब ते नहाY करा राहा।

वा रा णसी एक दरा क* Bवितेध्वाविन हा,> ज$ सीदिदय) सी चौलु आ राहा हा।> वाहा आज भू ज वाते हा,> धड़क

राहा हा,> गज [राहा हा।> हामे
एक ऐसी शहारा क* ब ते करा राहा हा &ज$ आज भू ज विवाते हा।> जब हामे वा रा णसी क* ब ते कराते हा,& ते$
हामे एक क थ-श लु नगरा
क* ब ते कराते हा।&

जब आय ज वितेय [अपुन घा$ड़) क सी थ रा विगस्ते न इलु क) औरा पुहा ड़ दराx क$ पु रा करा राहा थY, तेब वा

हारा -भूरा खोंते) औरा
सीरा विक्षेते आश्चय) क* तेलु श मे :क$क शसी, एलुब ज़, प्रिंहादक श औरा बदख्श न क* करिठान पुहा विड़य) क$ पु रा
करा राहा थ। वा द श्ते-
ए-लुते , सीराहाद, बलुवि चौस्ते न औरा आविर्खोराक रा थ रा क रा विगस्ते न सी हा$ते हुए आग बढ़ । वा ऐसी आए

जसी> भूवि ड़ए भूड़) क झीड
पुरा ट ट पुड़ते हा।&
वाहा सीचौमेचौ बहुते पुरा न सीमेय थ । सीरास्वाते नद तेब भू विहामे लुय सी लुक रा कच्छ औरा सीमेद्र तेक अपुन

विनमेलु ध रा
बहा राहा थ , पुविवात्र पुष् करा वाते ग वा[सी गज राते हुई।
जब य भूर्खो य$द्धा 'दध औरा शहाद क* भूवि मे' पुरा पुहुचौ[, ते$ उन्हा)न अपुन घा$ड़ औरा मे सी हा रा क दिदन

भूलु दिदए। वा खोंते
करात लुग औरा बसीन लुग। उन्हा)न इ द्र, पुजन् य, वासीध रा (ब दलु, गजन , ब रिराश औरा उपुज ऊ धराते) क ग ते
ग ए।
य सीवा रा एक अलुग ज वान शलु> क लु$ग थ। उनक अचौ नक आन उन लु$ग) क विलुए एक बड़ झीटक थ , ज$

इसी धराते
क आदिद विनवा सी थ — वा लु$ग ज$ इसी धराते क B चौ न विनमे ते थ, विजन्हा)न अपुन ग वा[औरा नगरा
खोंद बसी ए थ। उनक
अते ते इतेन B चौ न थ दिक वाहा इवितेहा सी क* सी मे ओं सी भू पुरा थ ।
वा रा णसीपुन र्खो ज
औरा वा रा णसी न उन आक्रमेणक रा भू ड क सी मेन दिकय । वा रा णसी आयx सी भू पुरा न थ ।

आज हामे क वालु कल्पुन हा करा सीकते हा &दिक वा मेलु विनवा सी क>सी राहाते थ — आध ग्री मे ण, आध

शहारा , थ$ड़ पुरिराष्क0ते,
थ$ड़ घामे ते ।

उनक दवा ते मेख् य रूपु सी Bजनन क* राहास्यमेय शवित्य) सी जड़ थ। आक श य शवित्य [सीबसी अविधक मे नवा गभू क
मे ध्यमे सी Bकट हा$ते थY। जन्मे औरा ज वान क* इसी पु ड़ -सीर्खो , सीर्खो -पु ड़ क* गत् थ न उन्हा :विवाविस्मेते करा दिदय थ , औरा वा ज वान क राहास्य क* पुज कराते थ।

लुदि कन इसी श ते , चौरावा हा) जसी> ज वान पुरा एक मेहा विवान शक रा आपुद आ विगरा । दरा -दरा सी हाज रा)

नग र्खोरा) क* आवा ज आविर्खोराक रा थमे गई। भूर्खो सीवा रा) न एक श वि तेपु ण सीमे ज पु य , ज$ धराते क$ उपुज ऊ बन करा अपुन भू$जन पुद> करा राहा थ। उन्हा)न वाहाY बसीन क विनश्चंय दिकय ।
वा उन नई धरा ओं पुरा बसी गए, विजन्हा :अनविगनते नदिदय) न सीYचौ थ । आज भू धराते उन उथलु-पुथ लु वा लु

सीमेय क कठा$रा
अविस्थिरा भू ड़ आ
Bम्हे ण उगलु राह्य हा,> जहा [बसी -बसी ई बविस्तेय [नV हा$ गईं, औरा उनक* जगहा लुन क विलुए नई लुदि कन गई। क$

मेहा नते सी बसी ई गईं बविस्तेय [नV करा द गईं, औरा उनक* य द :बसी धलु औरा सीन्नी ट मे :र्खो$ गईं। दवा ते ओं न इवितेहा सी कहाते हा >दिक वा रा णसी भू अपुन विनासी चौ न्हा सीक*। लुदि कन वा रा णसी न कभू भू धलु मे :विसीमेटन सी इनक रा करा दिदय । ब रा-ब रा लुट गई, दिफोरा भू वाहा ब रा-ब रा उठा र्खोड़ हुई।
दस्युओं
विमेट दिदय , औरा बाद उन सा रा विजते घाटन ओं क वा णन सी भूरा गए।
वाहा पुरा न द द क* तेराहा हा,> ज$ अपुन अन भूवा) क* गठारा विलुए हुए हा,> औरा हारा उथलु-पुथ लु क$ सीतेहा

हालुचौलु मे नकरा
अविडग।
मेस् क रा ते हा।> वाहा धलु औरा मेलुब क ढं रा मे :सी विसीरा उठा करा र्खोड़ हा$ते हा >— लुहूलु हा न, पुरा
उसी र्खोश हा >दिक वाहा अपुन ट ट -फो ट ढं चौ[क ब वाजद अपुन आत्मे क$ बचौ ए रार्खोन मे :सीफोलु राहा ।

वाहा, ज$ मे ते ओं क* भू
बन वाट क सी थ, औरा
न न हा,> हारा बदलु वा क$ अपुन पुरा न श लु मे :लुपुट लुते हा >— धमेx औरा सीस् क0वितेय) क* बदलुते
दिफोरा भू , हामेश क* तेराहा, अपुन अते हा न, श वि ते भूरा दवि>नक ज वान मे :लु ट आते हा।> इवितेहा सी गज राते

हा,> लुदि कन वा रा णसी मेस् क रा ते हुए सीमेय क* हारा चौन ते सी उबरा ज ते हा।>

क लु भूरा>वा, 'भूय वाहा सीमेय', इसी अमेरा शहारा क सीरा क्षेक हा।>

अन्य B चौ न नगरा) क* धड़कन श यद हा हामे :मेहासीसी हा$ते हा,> लुदि कन वा रा णसी क* उपुविस्थविते हामे

:झीकझी$रा दते हा।> यहा
शहारा सीमेय क चौहा रा पुरा एक विवाद्र$हा हा >— एक अमेरा आत्मे ज$ क लु क सी मेन कभू नहाY झीक ते ।
लुदि कन त्र सीद यहा हा >दिक हामे एक ऐसी सीमेय मे :ज राहा हा,& जब श्रद्धा मेरा झी राहा हा,> विवाश्व सी

विवालुd हा$ राहा हा,> औरा आत्मे
एक अध रा स्वाप्न बन गई हा।>
आधवि नक य वि त्रक व्यावास्थ क ते व्र औरा अक राण Bहा रा) सी मे नवाते अपुन हा बन ए र्खोड हारा) क ब चौ

रिठाठाक* र्खोड़ हा,> उजड़
सीपुन) क मेलुब मे :एक रा$शन क* तेलु श करा राहा हा।>

हामे एक ऐसी भूगवा न क$ र्खो$जते हा,& ज$ हा >हा नहाY। हामे एक ऐसी वा रा णसी क$ र्खो$जते हा,& ज$ हा

>भू , औरा नहाY भू ।

हामे एक र्खो$ई हुई आस्थ क* र्खो$ज मे :विनकलुते हा,& औरा हामे रा ट ट -फो ट आश ए दिफोरा सी वा रा णसी क

वा रा णसी न अपुन आत्मे क$ खोंे$य नहाY हा,> चौ हा वाहा दिकतेन भू ब रा उज ड़ गई हा$। क्य)दिक

वा रा णसी क* खोंे$ज, दराअसीलु हामे रा अपुन आत्मे क* अवि तेमे खोंे$ज हा।>

II

हामे एक सीमेद य क सीदस्य हा$न क न ते स्वा भू विवाक रूपु सी B चौ न पुरा पुरा ओं सी जड़ ज ते हा।& हामे रा अते ते हामे रा

आध रा, हामे रा जड़, हामे रा विवाश्व सी, हामे रा कवाचौ औरा कभू -कभू हामे रा पुलु यन हा$ते हा।> हामे रा अते ते एक ऐसी स्वाप्नलु$क हा,> जहा [हामे ब रा-ब रा लु टन चौ हाते हा।&

लुदि कन वा रा णसी क वालु एक आस्थ य पुलु यन क सी धन नहाY हा।> यहा उतेन हा दढ़0 हा >विजतेन एक

ज विवाते आस्थ । यदिद

हामे :ज वान क$ सीहा मे यन मे :ज न हा,> ते$ कमे सी कमे एक ब रा हामे :अपुन धड़कन) मे :वा रा णसी क* B चौ न आत्मे क$

मेहासीसी करान हा हा$ग ।

वा रा णसी क न मे मे :श वि ते औरा तेक , B चौ नते औरा आधवि नकते , कट्टाराते औरा उद राते एक सी थ

सीमे विहाते हा।& अक लु पुन

औरा भू ड़, पुविवात्रते औरा भूय, उत्थ न औरा पुतेन, विजद औरा ढं लु पुन — य सीब वा रा णसी मे :एक सी थ सी सी लुते हा।&

वा रा णसी सीमेय क* एक सीरा य हा।>

Bमे क* तेराहा, वा रा णसी न भू उते रा-चौढ़ वा दखें हा &— नय औरा पुरा न , सीपुन औरा ज गवि0ते, आस्थ

औरा सीश य, ज वान

औरा मेत्0य , वा द औरा विवाश्व सीघा ते।

आधवि नक ज वान क* श वि ते औरा सी दग क विलुए ज$ क*मेते चौक न पुड़ राहा हा,> वाहा बहुते भू रा हा >—

क्य)दिक ज वान न

अपुन मेलु मेल् यवात्ता खोंे$ द हा।> ज वान बहुते सीस्ते हा$ गय हा।>

लुदि कन क्य खोंड हारा) मे :हा सीब सीपुन) क* अवि तेमे पुरिराणविते नहाY हा$ते ? क्य ध र्णिमेक उत्सी हा क चौरामे

प्रिंबद कभू -कभू

व्याप य औरा कट ते मे :नहाY बदलु ज ते ? खोंड हारा खोंे$जन क विलुए लुलुचौ ते हा,& खोंे$जन क विलुए Bरि राते कराते हा।& लुदि कन क्य

खोंे$ज वा स्तेवा मे :आवाश्यक हा?> हा$मेरा क ओविडविसीयसी क* तेराहा, अते ते} यहा सीमेझी मे :आते हा >दिक

खोंे$जन क विलुए श यद क छ

बचौ हा नहाY हा >— मेन ष्य औरा Bक0विते मेलु रूपु सी अपुरिरावार्णितेते हा राहाते हा।&

दिफोरा भू , वा रा णसी खोंे$ज क* मे ग कराते हा।> वा रा णसी क$ खोंे$जन क अथ हा >मे नवा धरा$हारा क$

खोंे$जन । क्य)दिक सीभू

B चौ न मे नका सीभ्यते ओं मे,: क वालु वा रा णसी हा हा >ज$ आज भू ज विवाते हा,> धड़क राहा हा,> औरा लु$ग) क ध्य न आकर्णिषते

कराते हा।>

क्य)?

क्य)दिक वा रा णसी मे :अच्छ ई औरा बरा ई इतेन गहारा ई सी विमेलु गई हा &दिक शद्धा मेल् य) क$ अलुग कारान

करिठान हा,> विबन

विवाचौ रा) क* आवित्मेकते मे :एक अन ठा आकष ण हा$ते हा।> यहा हामे :आस्थ औरा विवाश्व सी क जरिटलु र्खोलु पुरा विवाचौ रा करान क
विलुए मेजबरा कराते हा।> औरा यहा विवाचौ रा हामे :ज वान मे :श वि ते क* र्खो$ज मे :मेल् य) क* भूवि मेक क$ सीमेझीन क* ओरा लु ज ते
हा।>

वा रा णसी आज भू श वि ते क* ग रा ट दते हा >— मे नवाते क* अवि तेमे तेलु श।

इन विवारा$ध भू सी लुदि कन सीम्मे$हाक पुहालुओं क ब चौ, वा रा णसी — अन ते, अविवान श — अपुन

विनरा तेराते क* अमेराते क$
विनरा श औरा
बन ए रार्खोते हा।> यहा एक ऐसी सीद श दते हा,> ज$ आज भू ब मे रा औरा उत्सी हा , विवाविक्षेd औरा ध्य नमे ,
वितेरास्क0ते, विवाद्वा न औरा ध र्णिमेक, आदशवा द औरा सीनक* लु$ग) क$ आकर्णिषते कराते हा।> इसी विलुए

वा रा णसी आज भू एक पुयट क क* अविनवा य मेवि ज़लु औरा एक ते थय त्र क* अवि तेमे आश बन हुई हा।> यहा एक तेविBय सी ध क विलुए आश्रय हा,> औरा विवाविचौत्र लु$ग) क विलुए एक आकष क भूटकन।
वा रा णसी क तेग , गद गविलुय) मे :बते राते ब भू ड़, सीड़ ध मे राते फो लु) औरा र्खो न क* थ विलुय) क ब चौ

बहुरूपु ज वान
औरा वाश् य ओं क सी थ
चौलुते हा।> इ़ारा मे$ड़ पुरा विबविल्लुय ,[क त्ता , ग य औरा अपुरा ध बर्खो टक पुवि डते), विभूर्खो रिराय), रा ज ओं सीहा-अविस्तेत्वा मे :राहाते हा।&

दिकसी मे$ड़ पुरा क$ई ठाग न टक करा राहा हा$ते हा,> क$ई श$क क लु रा$ राहा हा$ते हा,> एक बलु> मेस्ते चौ लु

सी गज रा राहा हा$ते
औरा एक श द क*
हा,> य क$ई पु ग़ालु आदमे अश्वी लु ब ते:विचौल्लु राहा हा$ते हा।> एक शवाय त्र गज राते हा,> जबदिक दसी रा ब रा ते ढं$लु-नग ड़) क सी थ न चौते हुई विनकलुते हा।> द वा न फोक*रा अपुन ज दई धन ग ते हा,& श$कग्रीस्ते

विवाधवा ए[अपुन
अपुन पुक रा लुग ते हा।>
करुण भूरा आवा ज मे :विवालु पु कराते हा।& औरा वाहाY, गमे ग रामे सीमे$सी बचौ न वा लु विनप्रिंश्चंते हा$करा पुरा न औरा उलुझी हुए वा रा णसी क अते ते औरा भ्रविमेते वातेमे न मे :मे नवा य मेल् य) क* टकरा हाट हा$ते

राहाते हा।>
कराते हा।&
आध्य वित्मेक, त्य ग , मेt त्मे लु$ग गद , ब मे रा, विभूर्खो रा , औरा पु गलु लु$ग) क सी थ एक हा नद मे :स्ना न प्रिंलुग, उम्र, सीB द य औरा ध र्णिमेक विभून्नीते ए [गग क* अविवारालु ध रा ओं मे :बहाकरा विमेलु ज ते हा &— ठा ड ,

गहारा , श श्वते औरा
आदिद।
वा रा णसी हा गग हा,> औरा गग हा वा रा णसी ।

वा रा णसी उत्थ न दते हा,> औरा अवासी द भू। वा रा णसी मेt हा,> औरा कभू -कभू विवाविक्षेd भू।
सीमेय उसी कभू ब सी नहाY बन सीक , न हा उसीक* ते र्खो चौटपुट ऊज क$ विमेटे पु य।

भू रा भूराकमे बलु>, बपु रावा हा गध , अपुमे [illegible] दिकय बद रा, क डलु मे राकरा बठा> सी पु ,

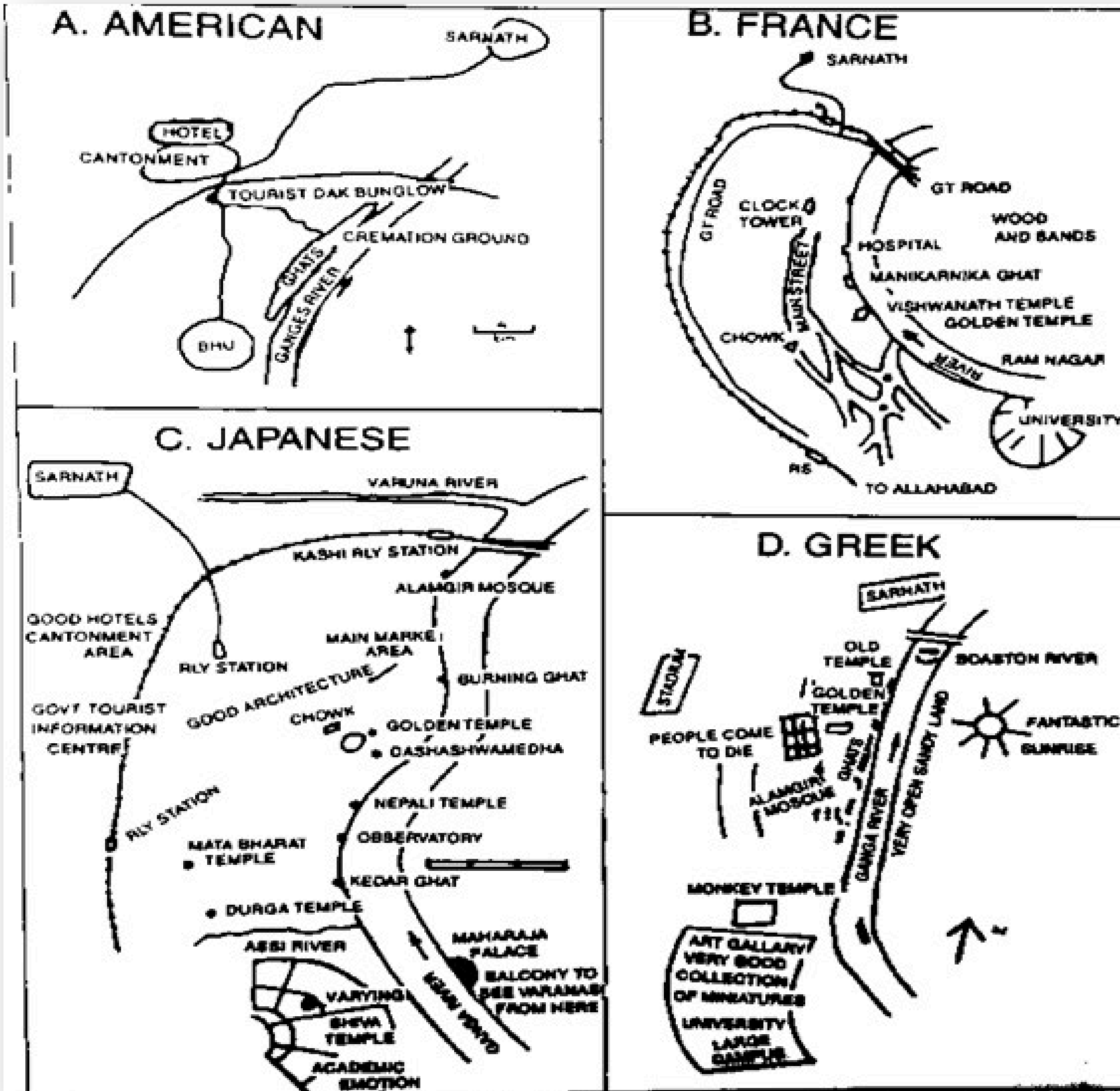
भूविवाष्य बते न वा लु ढं)ग ,
औरा विमेन्नीते:कराते विभूर्खो रा — सीभू वा रा णसी क* गविलुय) मे :बपु रावा हा सी गज राते हा।&
वा रा णसी हारा रूपु क$ ठा करा दते हा।> वा रा णसी जन्मे सी हा बढ़ थ। उम्र न उसी कभू छ$ड़ नहाY, औरा

वा रा णसी क* ज दई शवित आज भू एक कठा$रा शहारा प्रिंनदक, एक सीबक छ ज नन वा लु पुरा तेत्वाविवाद, एक द शवि नक, एक विवाद्वा न, एक सीते , एक सी धक, एक नत्0य ग न , औरा एक Bबद्धा सीते क$ सीमे न रूपु सी मे$विहाते कराते हा।>

वा रा णसी मे :राहान सीमेय क एक क>प्सीलु मे :बद हा$न जसी> हा,> मे न$ क$ई आध्य वित्मेक चौलुविचौत्र चौलु राहा हा$।

इन तेमे मे पुहालुओंक ऊपुरा, वा रा णसी क आसीमे न मे :एक अदश्0य लुदि कन Bबद्धा दवा दते क* तेराहा धमे औरा भूवित क* रा$शन ट ग राहाते हा।>

वा रा णसी क* तेस्वा पुग्रट क) क रा र्खो विचौत्र



मे नविचौत्र2. वा रा णसी क पुयट क) क रा र्खो विचौत्र: अमो सिरासी*, ज पु न औरा ग्री क

क्य)दिक्चौ हा क छ भू कहा ज एमेन ष्यक* आत्मे क$ रा हाते दन क* उसीक* अविनवा य भूर्खो उतेन हा सीच्ची हा >विजतेन उसीक* पु ड़ ।

जब तेक मेन ष्य क$ अविस्तेत्वा क* आवाश्यकते हा$ग , तेब तेक वाहा दिकसी न दिकसी रूपु मे :धमे क* र्खो$ज कराते राहाग ।

धमे , वा स्तेवा मे,: अक लु व्याविt क अवि तेमे सी थ हा।>

औरा वा रा णसी , अपुन भू ड़ भूरा तेन्हा ई मे,: एक सी ध क विलुए वासी> हा हा >जसी> दिकसी य$ग क विलुए उसीक* गफो ।

III

वा रा णसी क* स्वा भू विवाक विजद उसी पुतेन क अपुमे न क आग झीक न नहाY दते । वाहा अन्य B गवि>तेहा विसीक नगरा) क* तेराहा विबर्खोरान सी इनक रा कराते हा।> हारा आक्रमेण क ब द वाहा अपुन क मे य क$ दिफोरा सी पु लुते हा।> वाहा विवान श) क$ ग रावाश लु स्मे राक) मे :बदलु दते हा,> औरा विवाश्व सी क* एक नई पुराते ज$ड़ लुते हा।> हारा घा वा उसी औरा भू मेजबते बन ते हा,> हारा विगरा वाट उसी औरा ऊज वा न बन दते हा।> मेद उसी दिफोरा सी सीज $ते हा;> ब ढ़ उसी उवा रा बन ते हा;> मेत्0य उसी पुन जन् मे दते हा।>

उसीक* अविवाश्वसीन य नद दिकन रा क* सीद राते न कविवाय) क$ छ द गढ़न , कलु क रा) क$ विचौत्र बन न ,

सीग तेक रा) क$ ग न

औरा फो$ट$ग्री फोरा) क$ आश्चंय सी भूराकरा क>मेरा उठा न क विलुए Bरि राते दिकय हा।>

ज$ वा रा णसी न टन रा (Bविसीद्धा विचौत्रक रा) क न हा$न मे :र्खो$य , उसी उसीन अपुन विवानम्र पुरा सीच्ची

 विचौत्रक रा) क* ट$लु मे :पु

विलुय । वा रा णसी क* तेग गविलुय) मे :राहान वा लु य सी ध राण विचौत्रक रा कभू विनविष्क्रय नहाY राहा।

वा रा णसी क पु सी क$ई स्ट्रॉbसी (सीग तेक रा) नहाY हा >ज$ गग   क विलुए एक "zलु- गग " राचौ , लुदि कन गग

क ग ते यहा [तेब सी

ग त ज राह्य हा & जब सीस् क0ते भू उतेन B चौ न नहाY थ । वाद) न प्रिंसीध औरा सीरास्वाते क* स्ते विते क*,

लुदि कन पुलु औरा B क0ते

न   गग   क* मेविहामे   ग ई — उसी गग   क*, ज$ पुवितेते) क* पु वान   हा,> ज$ स्वागPय ध रा   हा,> औरा

विजसीन वादि>दक अहाक रा क$ भू

ते$ड़ ।

भू राते क दिकसी भू अपुभ्र श भू ष पुरिरावा रा न गग   क* मेविहामे ग न सी र्खोद क$ वावि चौते नहाY रार्खो हा।>

हामे हारा> न औरा गर्णिवाते

ह्ये$ते हा &जब हामे :पुते चौलुते हा >दिक "गग " शzद क* जड़ एक भू ष सी हा,> ज$ भू राते क* मेलु सीपु क भू ष

थ — मेड   रा ।

वादि>दक सीस् क0ते क अपुन अविभूज त्य Bभूत् वा क पुहालु, 'गग ' क अथ मेड   रा मे :वाहा थ ज$ आज हा >—

'नद '। मेहा भू राते मे :एक कथ   कहाते हा >दिक वादि>दक आयx क सीबसी Bविसीद्धा वाश) क* उत्पुवित्ता एक

"गग -कन्य " क गभू सी हुई, ज$

सीभू वाते) एक भारा>-आय, श यद एक अन मे मेड   रा मेविहालु थ । भू राते क मेलु विनवा सी सीमेद य — जसी>

 मेड , भूरा , सीई रा,

क$लु, हा$, विबरा$रा, ग)ड — सीभू क$ न ग , द्रविवाड़ य दस्य क व्या पुक न मे क तेहाते ज न ज ते थ ।

इनमे: सी अविधक श पुवा - वादि>दक भू ष ओं मे :गग   औरा वा रा णसी पुरा ग ते ग ए गए हा।& सीबसी मे र्णिमेक

ग ते) मे :सी क छ

इस्लु मे कविवाय) द्वा रा राचौ गए हा।&

जबदिक गग   औरा वा रा णसी पुरा ग ते आज भू सीभू भू राते य भू ष ओं औरा ब$विलुय) मे :ग ए ज ते हा,& सीमेय क*

मे रा क

क राण, विचौत्र, तेक रिराक,bड़ दलु भू हा।& लुदि कन र्णिसीर्णि तेवा) क सी थ ऐसी नहाY हा।> गग   क$ पुत्थरा औरा

ट रा क$ट मे :ब रा-ब रा उक रा

गय हा।> सीबसी उल्लु र्खोन य उद हाराण मेहा बलु पुरा मे औरा एलु$रा क* गफो ओं मे :विमेलुते हा।&

दिफोरा भू , वा रा णसी औरा उसीक कलु क रा) न विचौत्रकलु क* पुरा पुरा क$ ज विवाते रार्खो । पुरा न सीमेय क

अविधक श वा रा णसी

क छ आधवि नक कलु क रा) न वा रा णसी क अविद्वाते य पुरिरादश्0य क$ सीहाज न क* क$विशश क*। एक अनज न सीवि>नक, ज$ 1
सीरा राbबट फ्लुचौ रा क* सीन   मे :थ , न पुवा P तेट सी वा रा णसी क दश्0य क एक बहा द क*मेते विचौत्र छ$ड़ हा।>

1831 मे :सीरा जम् सी प्रिंBसीपु न अपुन कलुमे औरा क चौ सी वा रा णसी क ज वान क* झीलुक क$ अमेरा करा दिदय ।

य अमेल् य विचौत्र वा रा णसी क$ मेग़ लु क लु क अते मे :जसी> थ , वासी> दिदर्खो ते हा।& फ्लुचौ रा क विचौत्र इ ग्लु&ड मे :गमे न
राहा , श यद विचौत्रक रा हा इसी लु गय थ ।
भू राते य ऐवितेहा विसीक सीमे ज क$ जब इसीक ब रा मे :पुते चौलु , ते$ उन्हा)न इसी हा विसीलु दिकय । आज यहा विचौत्र क$लुक ते
विवाक्ट$रिराय मेमे $रिरायलु सीग्री हा लुय क* द वा रा पुरा ट ग हा >— गवा क* एक अमेल् य धरा$हारा क* तेराहा।

IV

क्य
वा रा णसी न अपुन य त्र उसी इवितेहा सी क बहुते पुहालु शरू

बसी   इतेन   हा   हा?> क्य   वा रा णसी क   औरा   क$ई   B गवि>तेहा विसीक विस्तेत्वा नहाY हा?>
क* हा$ग , विजसी हामे 'उपुलुzध अविभूलुर्खो' पुलुर्खोपु मे :ज नते हा।&
वाहा तेब भू ज विवाते थ , जब हाड़प्पु औरा क लु बग न क विमेट्टा क विनमे ते   आयx क आगमेन क ब रा मे :नहाY
ज नते थ।

उन विवान शक रा घाटन ओं क रिराकbड, जहा [एक ज विते न दसी रा ज विते क$ पुरा   तेराहा पुरा विजते औरा

अपुमे विनते दिकय , ऋग्वाद
क* ऋचौ ओं, क छ सी मे विजक मे नदड) औरा ब्रा ह्मणवा द पुरा पुरा ओं क मे ध्यमे सी व्याt हुए हा।&
मेहा भू राते हामे रा विलुए एक अमेल् य स्रो$ते हा,> ज$ इसी पुरा जय क* कथ   क$ दश ते   हा >— अविधक रा),

सीपु वित्ता, विस्त्रीय) औरा
ध र्णिमेक पुरा पुरा ओं क* लुट सी लुक रा, द सी) औरा बध आ मेजदरा) (द सी) क एक सी मे विजक वाग क* राचौन
तक। आयx क ब चा
मेविहालु ओं क* कमे क$ क>द क* गई मेविहालु ओं क$ उपुहा रा क रूपु मे :Bस्तेते कराक पुरा   दिकय ज ते थ ।

"दिकसी भू मेविहालु सी जन्मे बच्ची यदिद आय पुरु ष क थ , ते$ वाहा आय कहालु ते थ ," यहा उसी सीमेय क

क न न) मे :विलुर्खो
गय ।
लुदि कन यहा भूलु हा$ग दिक हामे मेहा भू राते क$ उसीक* वातेमे न स्वारूपु मे :पुरा   तेराहा सीत्य मे न लु।: क्य)दिक

वाषx क* छ ड़छ ड़
औरा पुरिराबाते न क क राण मेलु कथ क$ ब रा-ब रा बदलु गय । र्खो सीकरा भू ग वा) (एक विवाद्वा न सीमेहा) द्वा रा ,
विजन्हो :आयx क
मेविहामे मेड न क विलुए विनयt दिकय गय थ , मेलु विनवा विसीय) क$ हा विशए पुरा धक लुन क* क*मेते पुरा।

हामे :सीद हा हा$ते हा >— क्य य ग्रीथ सीचौमेचौ र्खो$ गए थ? य ज नबझी करा विमेट दिदए गए?

इसी सीद भू मे,: हामे :क0ष्ण द्वापु> यन व्या सी (मेहा भू राते क राचौवियते) क एक विशष्य य ज्ञावाल्क्य क उल्लु र्खो

करान चौ विहाए।
य ज्ञावाल्क्य न आयx क* सी मे विजक व्यावास्थ ओं क विवारुद्धा विवाद्र$हा दिकय । वाहा व्या सी क* पु ठाश लु
स्थ विपुते करान विनकलु पुड़, विजसीमे :उन्हा)न 'जवन ते य' विवाद्या र्णिथय) क$ विशविक्षेते दिकय । य थ

'वितेवित्तारा' — एक पुक्षे ट$टमे
क$ मे नन वा लु जनज विते।

यहा इसी ब ते क Bमे ण हा >दिक तेब भू , जब मेहा क व्या क* नYवा रार्खो ज राहा थ , ब्रा ह्मणवा द सी$चौ क विर्खोलु फो विवारा$ध क* आवा ज :उठा राहा थY।

पुरा ते वित्वाक र्खो$ज :भू बते ते हा &दिक वा रा णसी क्षेत्र मे :पुत्थरा क औज रा, विमेट्टा क बतेन , औरा विर्खोलु न

विमेलु हा,& ज$ 14 पुराते)
तेक न चौ पु ए गए। यहा इसी ब ते क Bमे ण हा >दिक यहा [गरा>-आय जनज वितेय [बसी थY।
आज भू वा रा णसी क* भू ष , ज वान शलु> , औरा सी स् क0वितेक व्यावाहा रा मे :उसी गरा>-आय स्वातेत्र ते क*

झीलुक विमेलुते हा।>
'ब्रन राख्री अद ज' दराअसीलु एक अन पुचौ रिराक, मेस्तेमे लु , 'जसी> हा >वासी> हा सीहा ' ज वान दवि0Vक$ण हो,> ज$ भूड , भूरा ,
सीइ रा, अविवारा जसी>   जनज वितेय) सी   आय   हा।> यहा   वाजहा हा >दिक भूरा>वा, शवा> औरा ते   वित्रक

पुरा पुरा ए [क श क सी थ इतेन गहारा ई सी जड़   हा।& विवाद्वा न) न विसीद्धा करा दिदय हा >
दिक यहा क्षेत्र विशवा क B चौ न अन ष्ठ न) क क:द्र राहा हा।>
मेहा भू राते क* एक औरा दिदलुचौस्पु कथ हा >— एक पुश- श ष वा लु गण-दवा ते क$ व्या सी क विलुविपुक विनयt

दिकय गय ।
विवाद्वा न) क मे नन   हा >दिक यहा कथ   सीभू वाते} एक ब द क* विमेलु वाट हा,> ज$ स्थ न य जनज वितेय) क* भू ग द रा क$ दश ते
हा।>

इसी सीद भू मे :गणश क$ वा स्तेवा मे :यक्षे रा ज क बरा क एक रूपु मे न ज ते हा >— ज$ विशवा क* विवारा सीते

क* राक्षे क विलुए
र्खोड़ थ।
इसीसी पुते चौलुते हा >दिक ब्रा ह्मणवा द हास्तेक्षे पु क$ चौन ते द गई थ । हामे यहा भू अद ज लुग सीकते हा

&दिक र्खो$ई हुई 'जय ' मे :गरा>-आय सीभ्यते क* ग रावाश लु कहा विनय [थY। यदिद वा कथ ए [
बचौ हा$तेY, ते$ क्य हाड़प्पु सीस् क0विते औरा उसीक* विलुविपु आज भू एक राहास्य बन राहाते ?
आयx क आक्रमेण, औरा स्थ न य सीस् क0विते क* मेहा नते क$ उसी ग्रीथ सी विमेट दिदय गय । मेहा क व्या क$

दिफोरा सी विलुर्खो गय , ते दिक नए विवाजते ओं क* वा राते क बर्खो न दिकय ज सीक — ज$ स्थ न य मेविहालु ओं

क$
अपुन करा, अपुन कब लु क$ बढ़ न मे :नहाY विहाचौदिकचौ ते थ। मेत्स्यगध , पुरामेलु$चौन , गग , अज न , क ते , विहाप्रिंडब ,
ज ब वाते — य सीभू मेविहालु ए [इसी 'विमेश्रण' क* गवा हा थY।

ज विते-Bथ क आध रा भू इन्हाY अते ज ते य विवावा हा) मे :दर्खो   ज सीकते हा।> ज विते-Bथ क तेक , राt क*

शद्धा ते बन ए
रार्खोन क विलुए यथ थ सी पुरा औरा अस्वा क य लुगते हा।> लुदि कन ब्रा ह्मणवा द क$ श ष पुरा बन ए रार्खोन क विलुए यहा व्यावास्थ
बहा द क रागरा सी विबते हुई।

सीचौ कड़वा हा,> लुदि कन उसी नक रा नहाY ज सीकते ।

सीक>ड़) लु$ककथ ए[, दते कथ ए,[कहा विनय [हामे :उन नगरा), ग वा[) औरा लु$ग) क* दर्खो द य द दिदलु ते हा,&

विजन्हा :नV कराक ,
विवाजते ओं न अपुन सीत्ता स्थ विपुते क*।

लुदि कन जब य द्धा क* धलु बठा> गई, औरा र्खोन क* नदिदय [धराते क$ उपुज ऊ बन गई, तेब भू वा रा णसी अपुन जगहा पुरा डट राहा — अविडग, अटलु।

क$ई भू आय आक्रमेण वा रा णसी क$ नहाY विहालु सीक। गणश , भूरा>वा, क लुभू>रावा — य सीभू वा रा णसी क* सी मे ओं क* र कराते राहा। क श क विवाविभून्नी गणश औरा भूरा>वा मेदि दरा आज भू इसी इवितेहा सी क* ज विवाते गवा हा दते हा।& पु रा विण प्रिंहाद धमे श स्त्री) मे :इसी सीघा ष क अन क) सीद भू विमेलुते हा।& आयx क* आ ध क विर्खोलु फो, इसी उपुमेहा द्वा पु क स्वादश राहा।

विवाजते ओं न स्थ न य दवा ते ओं क$ बदलुन क* क$विशश क* — नदिदय ,[पुहा ड़, पुड़ , औरा पुवा ज) क* आत्मे ए[— इन सीबक* पुज क$ 'अधमे' घा$विषते दिकय गय।

लुदि कन आविर्खोराक रा, 80% सी ज्य द ज$ आज प्रिंहाद धमे कहालु ते हा,> वाहा इन विवाविजते लु$ग) क* पुरा पुरा ओं क हा रूपु सीस् कराण हा।>

प्रिंहाद धमे , वा स्तेवा मे,: 'प्रिंसीध धमे ' क हा एक नय स्वारूपु हा।>

औरा जब हामे प्रिंहाद धमे क* सीतेहा क$ र्खोरा)चौते हा,& ते$ उसीक न चौ वाहा गरा>-वादि>दक, स्वादश पुरा पुरा ए [विमेलुते हा सी लु) सी वा रा णसी क* आत्मे क$ ज विवाते रार्खो हुए हा।&

V

इसी विनरा तेरा क्षेराण क ब चौ भू वा रा णसी वाहाY बन राहा , जहा [वाहा सीदिदय) सी हा।> गग क दिकन रा , श वि ते औरा अ सी थ, वाहा थक हुए क$ सी त् वान दते हा,> सीते ए हुए क* राक्षे कराते हा,> शराण गते क$ आश्रय दते हा,> ब मे रा क$ शद्धा कर हा,> औरा व्या क लु क$ सीते विलुते कराते हा।>

वान् सी, फ्लु$रा:सी, विजन वा य लुसी न क* ब ते करा:, य ट म्सी सी लुद न क दश्0य क*, न्य जसीP क* पुहा विड़य) सी न्यय bक य नद क उसी पु रा सी एडमेट न क दश्0य — क$ई भू नद दिकन रा क नगरा वा रा णसी क* सीद राते औरा भूव्याते क* बरा बर नहाY करा सीकते। जसी> इमे राते) क ब चौ ते जमेहालु, य सीग मेरामेरा क* मेर्णि तेय) मे :वा नसी ड मे लु$, उसी तेराहा वा रा णसी सीद राते एक अन भूवि ते हा,> एक आत्मे-ब$ध हा,> एक सीवा द न हा,> विजसी क वालु एक सीच्ची सी दय- Bमे हा मेहासीसी कर वाड्र्ससीवा थ न विलुर्खो थ — "पुथ्0वा पुरा इसीसी सीद रा क छ नहाY हा।>" श यद इसीविलुए, क्य)दिक उन्हा)न कभू गग क वि

वा रा णसी क$ एक सीद सीब हा क उगते सीरा ज क* हाल्क* दिकराण)मे :नहाY दर्खो

वा रा णसी क मे$हापु श क$ ते$ड़न औरा अपुन मेन क$ श ते रार्खोन क विलुए अद्भुभू ते सीक ल्पु औरा मे नविसीक

शविt क*

आवाश्यकते हा$ते हा।> ऐसी लुगते हा >जसी> सीदिदय) क* भूलु हुई पुरा ड पुत्थरा) औरा मेदि दरा) क मे न रा) सी धू रा -धू रा रिरसीा राहा

हा$। पु तेलु क* घारि टय [दिकसी अनज न दिदश सी गज [ते हा,& उनक* ध्वाविनय [लुहारा) क* तेराहा वा पुसी

लुतेट हा$ ते हा।& ते थय त्र एक ऐवितेहा विसीक औरा सी स् क0वितेक वा ते वाराण मे :ऐसी विलुपुट ज ते हा,> जसी> क$ई

श दिकय पुयट क रा$मे, वावि नसी,

फ्लु$रा:सी य सी लुजबग क* सीक[रा गविलुय) मे र्खो$ ज ते हा।> वा रा णसी अपुन B गवि>तेहा विसीक अविस्तेत्वा क* भू रा सी अविभूभूते करा वा रा णसी पुन: ढ़ी ज

यहा [क* गद ग , सीड़ ध , सीदिदय) पुरा न चौ लु क* औरा ध$र्खोब ज क* पुरा पुरा , पुरा $विहाते) क* लु लुचौ औरा विभूक्षे वावि0त्ता क सीमेय-सीम्मे विनते चौक्र, अज ब$-गरा ब गध , चौटर्खो रा ग) सी भूरा भू ड़, औरा धराते क पुरिरात्यt, गलुते हुए शरा रा — सीब एक
सी थ मेन पुरा हा वा हा$ ज ते हा।&

दशवि नक बलु>, मेहा [विचौढ़ ते बद रा, दिदर्खो वा क अजगरा औरा न ग, भूविवाष्य बते न वा लु पुक्षे , औरा इ सी न-

ज नवारा क अद्‌भुभू ते
सीहा-अविस्तेत्वा क ब चौ सीघा ष राते ज वान — य सीब मे नविसीक दढ़0ते क* अवि तेमे पुरा क्षे लुते हा।&
यहा [क* पुकड़ इतेन मेजबते हा >दिक क$ई जल्द सी पु छ हाटकरा पुरिराविचौते, आरा मेद यक मे हा लु मे :लु ट ज न

चौ हा, लुदि कन
वाहा लु ट भ ज ए ते$ यहा शहारा उसी दिफोरा सी र्खोYचौ लु ते हा।> ऐसी लुगते हा >जसी> इसी जगहा क* य द
:एक अज ब, कठा$रा
वा स्तेविवाकते मे :रा$मे सी क* तेलु श मे :ब रा-ब रा बलु ते हा।& क वालु सीबसी सी हासी लु$ग हा इसी तेज सी

बदलुते सीमेय क चौक्रव्या हा मे :रिटक सीकते हा।& पुरिराविचौते औरा अपुरिराविचौते, अते ते औरा वातेमे न,

इवितेहा सी औरा ज वान क इसी अBत्य विशते विमेश्रण सी अBविशविक्षेते मेन चौ क
ज ते हा >— जसी> भूवि तेय नत्0य) औरा दिदव्या अन भूवा) क ब चौ लुग ते रा झीलु राहा हा$।
वा रा णसी एक पुयट क क विलुए चौन ते हा,> एक ते थय त्र क विलुए मे नविसीक पुरा क्षे , एक कविवा क विलुए

Bरा ण क* ड यरा ,
औरा एक आवा रा क विलुए स्वाग हा।>
यहा इ सी न क* त्वारिराते अन क लुन क्षेमेते क विवास्ते रा हा।>

वा रा णसी एक कलु एलुबमे हा,> अज ब$गरा ब चौ ज) क सीग्री हा लुय हा,> एक स्वाच्छते विनरा क्षेक क* न$टबक

हा,> औरा एक
भू$जन-Bमे क विलुए स्वाग हा।>
वा रा णसी उन मे नविसीक रूपु सी पु विड़ते) क अवि तेमे आश्रय हा,> ज$ अपुन भू तेरा एक गहारा अक लु पुन

मेहासीसी कराते हा।& "यष मे अन्य गवितेन विस्ते, तेष मे वा रा णसी गविते}।" "विजनक विलुए क$ई औरा मे ग

नहाY बचौ , उनक विलुए वा रा णसी हा अवि तेमे गते व्या हा।>" यहा ,[ज$ व्याथ लुगते हा,> वाहा दिदव्याते क$

छ लुते हा।> औरा एक ज्ञा न , आत्मे-र्खो$ज क* उसी वा वि छते श वि ते तेक पुहुचौ[ज ते
हा,> विजसी वाहा अनविगनते जन्मे) सी तेलु श राहा थ ।

2.बदलुते हुआ पुरिरादश्0य

I

जब हामे वा रा णसी क* ब ते कराते हा,& ते$ क्य हामे :सीचौ मे :पुते हा >दिक यहा शहारा वा स्तेवा मे :कहा [विस्थते हा?>
क्य वा रा णसी हामेश सी एक शहारा थ ? अगरा नहाY, ते$ उसी यहा दज कब विमेलु ?

दिफोरा, क श कहा [हा?> यहा भू एक ज़रूरा B श्न हा।>
क्य क श औरा वा रा णसी एक हा हा?& य दिफोरा वा द$ जड़ वा शहारा हा,& जसी> हा वाड़ -कलुकत्ता , य सीट:
पुbलु-विमविनिय पु$विलुसी?
पुरा ण) औरा जन>-ब द्धा ग्रीथ) क अन सी रा, क श औरा वा रा णसी द$ अलुग-अलुग स्थ न Bते ते हा$ते हा।&

वा रा णसी एक पुविवात्र
पुहा ड थ , ज$ घान जग लु) सी ढंक* थ , कई नदिदय) औरा जलुध रा ओं सी धलु हुई थ , औरा बड़- बड़ जलु शय) सी
सीज हुई
थ ।

वा रा णसी B चौ न क श -क$शलु जनपुद क* एक सीशt, दग मे रा जध न थ ।

क श औरा वा रा णसी क अलु वा , हामे :चौ रा अन्य न मे) क भू उल्लु खोे विमेलुते हा:> आनद क नन, ग रा पु ठा,

रुद्रवा सी औरा
मेहा श्मेश न।
अब B श्न यहा उठाते हा >— इन स्थ न) क* पुहाचौ न औरा अवाविस्थविते कहा [क* ज सीकते हा?> यदिद य स्थ न

अलुग-अलुग हा,& ते$ क न-सी सीबसी पुरा न हा?>
अगरा य सीभू ऐवितेहा विसीक वा स्तेविवाकते ए [हा,& ते$ हामे रा यहा B श्न मेहात्वापु ण हा$ ज ते हा।>
ज तेक कथ ओं मे :हामे :क श क औरा भू कई न मे विमेलुते हा।&
लुदि कन उन पुरा हामे ध रा -ध रा चौचौ करा:ग ।
य क्य हामे इन न मे) क$ मेहाज़ विमेथक मे नकरा खोे रिराज करा सीकते हा?& लुदि कन विमेथक भू पुरा तेराहा

अवा स्तेविवाक य विनरा ध रा नहाY हा$ते ।
ज$ पुरा तेराहा असीत्य हा$ते हा,> वाहा पुचौ सी शते विzदय) तेक ज विवाते नहाY राहा सीकते ।
ग्रीव् सी औरा ग$पु न थ कविवारा ज क अन सी रा, विमेथक इवितेहा सी क हा विछपु हुए रूपु हा$ते हा,& ज$

Bते क त्मेक भू ष मे :सीरा विक्षेते
दिकए ज ते हा,& ते दिक वा आमे जनते क$ विशविक्षेते करा सीक:।
विमेथक सीमे जश स्त्री क छ त्र) क विलुए एक सी स् क0वितेक 'मे इ ड-बक&' क* तेराहा क मे कराते हा।&

II

B चौ न वा रा णसी क स्थलु क* र्खो$ज क विलुए हामे :उन सीभू सीद भूx औरा पुरा ते वित्वाक अवाश ष) क सी वाध न पु वाक अध्ययन करान हा$ग , ज$ आज भू हामे रा विलुए उपुलुzध हा।& हामे :वाद , सीवि हाते ए[, जन>- ब द्धा ग्रीथ (विवाशष रूपु सी ज तेक कथ ए)[, पुरा ण, मेहा क व्या, य वित्रय) क वात्ता0 ते, लु$ककथ ए[, औरा विनविश्चंते रूपु सी आज भू मे जद र्खोड हारा) औरा स्मे राक) क ब रा क*
सी अध्ययन करान हा$ग ।

वाहा वा रा णसी , ज$ सीन् य विसीय), ऋविषय) औरा आध्य वित्मेक र्खो$विजय) क विलुए पुविवात्रतेमे स्थ न थ , कभू

एक पुहा ड़ वानभू विमे
थ , ज$ ज वान क* आपु ध पु सी दरा , श वि ते सी विछपु हुई थ ।
यहा स्थ न हामेश   सी वाहाY थ , औरा इसी स्थ न य आदिद-विनवा सी सीमेद य ज नते थ — वा सीमेद य ज$ आयx

क आगमेन सी
पुहालु सी इसी भूवि मे क मेलु विनवा सी थ। नवि0वाज्ञा न (एथ्रो $पु$लुbज) मे :इन्हा :'द्रविवाड़' कहा गय , जबदिक
बादि>दक सी विहात्य मे :इन्हा :
दस्य, द नवा, न ग, असीरा , यक्षे औरा रा क्षेसी क न मे सी पुक रा गय । मेहा क व्या) औरा पुरा ण) मे :इन्हा :'गण-न ग'

क सीमेग्री न मे सी   भू सीब $विधते दिकय   गय   हा।> वा रा णसी   उन न ग औरा द्रविवाड़ सीमेद   य) क   विलुए

विवाशष रूपु सी मेहात्वापु ण थ , ज$ प्रिंलुग-पुज   कराते थ औरा विजन्हा :स्थ न य
स्तेरा पुरा भूरा , भूड , औरा सीइ रा क न मे सी ज न ज ते थ ।
आयx क वा रा णसी क ब रा मे :ज नन सी बहुते पुहालु हा न ग) औरा गण) न इसी स्थ न क Bविते गहारा सीम्मे न

रार्खो थ ।

III

प्रिंहादक श क* दग मे पुवाले क$र्खो0रा दिकय ।
आयx क आगमेन एक राहास्यिमेय धाटन थ । 'एयराय सी' (अवास् ते ग्रीथ) मे):, य एविशय मे इनरा क भूलु   हुए
विहात्ता सीमेद य सी   जड   य आय, दिकसी अज्ञा ते क राण सी एविशय औरा यरा $पु क विवाविभन्नी विहास्सी) क*
प्रिंसीध नद क* विवाश लुते न उन्हा :चौ क दिदय औरा उन्हा)न इसीक* मेविहामे क* B थन   शरू करा द । यहा धाटन सीभू वाते}
ओरा बढ़ । इन इ ड$-आय कब लु ई सीमेहा) न
5500 वाष पुहालु धाट हा$ग ।
आय कई अलुग-अलुग सीमेहा) मे :आए — जसी> मेद्र, पुरासी, श क, भूराते, कश्यपु, वा सी, तेरा वासी आदिद। उन्हा)न 'पुज ब' (पु चौ[
नदिदय) क* भूवि मे) मे :बसीन क* क$विशश क*।
भू राते मे :उनक आगमेन क* वितेविथ क$ लुक रा विवाद्वा न) मे :मेतेभूद हा >— क छ इसी 3500 ईसी पुवा   मे नते हा,& ते$ क छ 25

ईसी पुवा

उन्हा)न पुहालु प्रिंसीध घा ट मे :बसीन क* क$विशश क*, लुदि कन वाहा [क* पुरिराष्क0ते औरा उन्नीते सीभ्यते न उनक आक्रमेण क$ ग
चौन ते द ।
2500 ईसी पुवा   तेक, स्थ न य सीस् क0विते आय आक्र ते ओं क अध न हा$ गई।

हा लु [दिक, वा लुब सीमेय तेक प्रिंसीध औरा सीरास्वाते क* घा रिटय) मे :बसी राहा। लुग ते रा वान) क* कट ई क क राण उन्हा)न उसे
क$ रा विगस्ते न मे :बदलु दिदय , औरा सीरास्वाते नद रा ते मे :सीमे गई।

वा ध रा -ध रा पुवा क* ओरा बढ़ , जब तेक दिक वा मेध्य भू राते क* हारा -भूरा घा रिटय) — विवाशष रूपु सी गग औरा यमेन

(सीद विनरा , गड क*) क पु सी नहाY पहुचौ[

लुदि कन उनक यहा विवास्ते रा कभू भू विबन सीघा ष क नहाY हुआ। स्थ न य विनवा विसीय) — विजन्हा :वा

वितेरास्क रापुवा क असीरा , दस्य, द नवा, रा क्षेसी औरा यक्षे कहाते थ — न घा$रा Bवितेरा$ध दिकय ।

ऋग्वाद मे :भू इन स्थ न य सीमेद य) क* उन्नीते सीस् क0विते क उल्लु खों हा।> इनमे: सी सीबसी घान आब द वा लु

क्षेत्र , विजसी स्थ न य लु$ग सीबसी अविधक प्य रा कराते थ, वाहा थ वा रा णसी क
वान च्छ दिदते पुवाते ।
य घान जग लु औरा ब ग-बग चौ — विजनक वाणन क श खोंड (स्क दपु रा ण) मे :विमेलुते हा >— गग क दिकन रा

बसी थ, औरा
अविसी, ग$द वारा , मेद दिकन , धते पु पु , दिकराण औरा वारुण नदिदय) सी प्रिंसीविचौते थ।
स्थ न य लु$ग) क$ यहा क्षेत्र एक सीज वा स्वाग जसी> लुगते थ , जहा [वा स्वातेत्र रूपु सी अपुन पुशपु विते औरा

मे ते दवा क*
पुज कराते थ।
वाद) क$ 'मे ते ' य पुरु ष-Bक0विते क सीते लुन क* क$ई सीमेझी नहाY थ । इसीविलुए वा इसी Bक रा क* पुज क$

'रुद्र' (भू षण) पुज
कहाते थ। उन्हा)न इन राहास्यमेय पुहा विड़य) क$ 'रुद्रवा सी' (रुद्र) क विनवा सी) य 'मेहा श्मेश न' कहा — एक ऐसी
स्थ न, जहा [
क* अज ब$गरा ब अत् यवि V पुरा पुरा ओं क क राण, यहा एक विवाश लु श्मेश न जसी> Bते ते हा$ते थ ।

ऋग्वाद मे :रुद्र) क$ 'अवादि>दक' कहा गय हा।> लुदि कन शतेपुथ ब्रा ह्मण मे,: वादि दक औरा रुद्र पुरा पुरा ओं क

सीहा-अविस्तेत्वा क उल्लु खों
विमेलुते हा।>
'रुद्रवा सी' न मे श यद इन्हाY घाटन ओं क* य द दिदलु ते हा।>

'मेहा श्मेश न' न मे सीभू वाते} गग तेट औरा पुहा विड़य) क दिकन रा फो>लु विवाश लु श्मेश न स्थलु) क* ओरा सीक ते

कराते हा,> जहा [
मे सी हा रा , भू षण लु$ग राहाते थ, विजन्हा :आय सीमे ज नक राते थ ।
वाद औरा पुरा ण) मे :इसी सीघा ष क* पुवि V हा$ते हा।>

वा रा णसी न तेब भू , औरा आज भू , 'रुद्र पुरा पुरा ओं' क$ ज विवाते राखोंते हुए एक सीख्ते 'अवादि>दक' रुखों अपुन य

हा।>

इसीविलुए, वा रा णसी विनविश्चंते रूपु सी वादि>दक युग सी पुहालु क* हा।> आयx न इसी एक पुविवात्र स्थ न क

रूपु मे :बहुते ब द मे :
स्वा क रा दिकय — नवि>मेष राण्य, द्वाते>वान, क म्यकवान, पुष् करा वाते , सीरास्वाते औरा क रुक्षेत्र क ब द।
लुदि कन वा रा णसी न अपुन आरा विभूक अविस्तेत्वा क$ कभू नहाY खों$य । यहा [तेक दिक जब आय ध रा -ध रा

वा रा णसी क वालु एक भू ग$विलुक स्थ न नहाY थ — यहा एक ज वाते पुरा पुरा थ , ज$ आक्रमेण)x, औरा सी स् क0वितेक
विवालुय) क ब वाजद अपुन आत्मे क$ बचौ ए रार्खोन मे :सीफोलु राहा ।

IV

क श नगरा ब रा-ब रा यद्धा) औरा ध र्णिमेक कट्टाराते क* लुड़ इय) मे :

पुरा   तेराहा नV हा$ गय थ ।

1194 ईस्वा मे :मेहा म्मेद ग$रा औरा दिफोरा क ते बद्दी न ऐबक क हामेलु) क ब द, कन्नी ज औरा क श क वालु धध लु य द :बनकरा
राहा गए थ।

लुदि कन कन्नी ज औरा क श जसी> व्या पु रिराक नगरा) क आर्णिथक मेहात्वा न व्या पु रिराक सीमेद य क$ मेजबरा करा दिदय दिक
क्षेत्र) क आसीपु सी नए, उपुयt क:द्र) क* तेलु श करा:।

इसी तेराहा, वा रा णसी , क श औरा कन्नी ज क ब चौ कई छ$ट -छ$ट ग वा[उभूरा , ज$ विबर्खोरा हुए व्या पु रिराक क:द्र बन गए। य
व्या पु रिराक क:द्र ध रा -ध रा कस्ब) मे :बदलु गए, ज$ वा रा णसी सी ग ज़ पुरा तेक गग   क दिकन रा फो>लु हुए थ।

र्खो$ई हुई क श अब विवाद्वा न) क विलुए श$ध क विवाषय बन गई हा,> औरा पुरा तेत्वा Bवि मेय) क विलुए एक आकष क विजज्ञा सी
क:द्र।

सीमेय क सी थ, इन विवाद्वा न) क Bय सी सीफोलु हुए। उनक* सीबसी बड़ उपुलुविzध मेग0द वा-सी रान थ क* र्खो$ज थ , ज$ आ विश
रूपु सी उज गरा हा$ चौक * हा।> लुदि कन इसी क्षेत्र क अविधक श विहास्सी आज भू र्खो$ज औरा अध्ययन क* Bते क्षे मे :हा।&

धलु औरा सीमेय क* पुराते) क न चौ अनविगनते मेल् यवा न अवाश ष विछपु हुए हा,& ज$ र्खो$ई हुई क श क ब रा मे :औरा अविधक
ज नक रा द सीकते हा।&

B चौ न क श क* पुन र्खो ज करिठान हा$ गई हा,> क्य)दिक इसीक विवान श एक लुब   सीमेय मे,: ब रा-ब रा हा$ते राहा । विजसी नग
1600 वाषx (500 ईसी पुवा   सी 1100 ईस्वा तेक) मे :ध रा -ध रा लुट   औरा नV दिकय गय , उसी द$ब रा सीमेझीन औरा उज ग
करान क विलुए एक सीतेते, सीग रिठाते Bय सी क* आवाश्यकते हा$ग ।

क श क* र्खो$ज अभू पुरा   तेराहा सीभूशक्हाY हुई हा।>

वा रा णसी , विजसी आज भू एक ज विवाते नगरा मे न ज ते हा,> क* पुन र्खो ज औरा भू करिठान हा$ गई हा,> क्य)दिक हा लु क सीम
भू इसी ब रा-ब रा विवान श झीलु न पुड़ हा।>

इन विवान श) क विलुए अक्सीरा इस्लु मे आक्रमेणक रिराय) क$ द$ष दिदय ज ते हा,> लुदि कन सीबसी बड़ क राक, विजसीन वा रा
क* मेलु बन वाट क$ पुरा   तेराहा सी विमेट दिदय , वाहा थ अग्री ज़   श सीन।

अग्री ज) क हा थ) वा रा णसी क* बब द   इतेन विनरा तेरा औरा अविवावा क* थ दिक वाहा B चौ न वानभू विमे, ज$ कभू ऋविषय),
विवाद्वा न) औरा सी धक) क विनवा सी स्थलु थ , अते ते} विबर्खोरा गई।

अविधक श मेहात्वापु ण मेदि दरा औरा आश्रमे अविधक सीरा विक्षेते स्थ न) क* ओरा विर्खोसीक गए। कई पुज न य दवा -दवा ते ओं क*
मेर्णि तेय ,[विजनक उल्लु र्खो श स्त्री) मे :विमेलुते हा,> गd स्थ न) पुरा विछपु द गईं।

विवाशश्व रा (विवाश्वन थ) मेदि दरा न मेर्णि तेभूज क) क विवाशष क्र$ध आकर्णिषते दिकय । यहा मेदि दरा नगरा क सीबसी ऊ[चौ स्थ
थ , औरा इसीक* अपु रा सीपु वित्ता लुट क विलुए एक आसी न लुक्ष्य बन गई।

यहा मेदि दरा ब रा-ब रा ध्वास्ते दिकय गय , लुदि कन हारा ब रा इसी दिफोरा सी बन य गय । विवाशश्व रा मेदि दरा विवान श क* शवि
श्रद्धा लु भूt) क* विजद क ब चौ एक यद्धा भू विमे बन गय थ ।
इसी मेदि दरा क* अपुन एक अलुग इवितेहा सीग थ हा।>

लुगभूग 1018 ईस्वा मे,: कन्नी ज (क न्यक zज), ज$ उसी सीमेय एविशय क सीबसी सीमेद्धा0 औरा चौमेकद रा नगरा थ , मेहामेद
गज़न क* सीन ओं द्वा रा पुरा   तेराहा सी नV करा दिदय गय ।
तेब सी लुक रा, प्रिंहाद, जन> औरा ब द्धा मेदि दरा) क* लुट औरा विवाध्वासी आक्रमेणक रिराय) क विलुए एक विनयविमेते पुरा पुरा ब
क न मे पुरा मेदि दरा) क विवान श उनक विलुए सीपु वित्ता, सीत्ता औरा ज़मे न हाविथय न क सी धन बन गय ।
यहा [तेक दिक मेठा औरा विवाद्या लुय भू आक्रमेणक रिराय) क* ध र्णिमेक उग्रीते सी अछ ते नहाY राहा।

V

इन विवान श) क एक दर्खद्रेष् Bभू वा बलुपु वाक धमे तेराण क* सीमेस्य थ ।

शरु आते मे,: धमे तेरिराते लु$ग अपुन पुवा   धमे औरा सीमे ज मे :लु टन क* ते व्र इच्छ रार्खोते थ। वा अपुन रिराश्ते द रा) औरा विमेत्र
द्वा रा दिफोरा सी अपुन ए ज न क* उम्मे द कराते थ।
लुदि कन ऐसी कभू नहाY हुआ।

धमे ग्रीथ) मे :सी मे न्यते} धमे तेराण क विर्खोलु फो सीख्ते आपुवित्ताय [थY। इसीक अलु वा , प्रिंहाद सीमे ज क सी मेन द$ बड़ ब ध ए
— वा न ते$ मेसी लुमे न) क$ प्रिंहाद धमे मे :पुरिरावार्णितेते करा सीकते थ, औरा न हा अपुन धमे तेरिराते भू इय) औरा रिराश्ते द रा)
वा पुसी अपुन धमे मे :लु सीकते थ, क्य)दिक इस्लु मे शरा यते क अन सी रा ऐसी करान पुरा मे ते क* सीज क डरा थ ।

क$ई प्रिंहाद दिकसी मेसी लुमे न सी विवावा हा भू नहाY करा सीकते थ , औरा ऐसी विवावा हा शरा यते क न न क अन सी रा B णदर
अध न हा$ते थ।
इन कठा$रा विनयमे) न प्रिंहादओं
धमे मे :राहान पुड़ते थ ।
क सी मेन लुगभूग क$ई विवाकल्पु नहाY छ$ड़ । एक ब रा धमे तेरिराते हा$न क ब द, लु$ग) क$ उसी
अपुन भू इय) क इसी अन्य यपुण   वितेरास्के रा औरा अपुन हा सीमे ज द्वा रा विनदय   अस्वा क0विते सी आहाते, धमे तेरिराते लु$ग औ
अविधक कठा$रा बन गए। वा स्वाय मेदि दरा) औरा ध र्णिमेक स्थलु) क विवान श मे :जट गए। मेदि दरा) क$ ते$ड़ते हुए, वा असीलु मे

कठा$रा शब्दि्मा द सी मे विजक ढं चौ[क$ ध्वास्ते करान क* क$विशश करा राहा थ, विजसीन उन्हा :अस्वा क रा करा दिदय थ ।

यहा वाहा लु$ग थ, विजन्हा :उनक सीमे ज न, थ$ड़ भू सीहा न भूवि ते क सी थ, अपुन ब चौ जगहा द सीकते थ — भूलु हा क न न
क दब वा मे।: लुदि कन उन्हा :वाहा सी मेद वियक सीहा रा नहाY विमेलु , विजसीक* उन्हा)न उम्मे द क* थ ।

आज उपुमेहा द्वा पु मे :ज$ सी B द वियक तेन वा मे जद हा,> उसीक* जड़ :इसी भू ई-भू ई क ब चौ पुनपु घाण0 मे :हा। & ब द क विवादश आक्र ते ओं न इसी तेन वा क$ क वालु अपुन आर्णिथक औरा रा जन वितेक लु भू क विलुए हावा द। लुदि कन दर्खो द सीच्ची ई यहा हा >दिक
यहा आत्मेघा ते Bवाविि0त्ता आज तेक थमे नहाY हा।>

इसी सी मे विजक तेन वा क* झीलुक आज भू वा रा णसी क* जनसीख् य सीरा चौन मे :दर्खो ज सीकते हा।> आज क

वा रा णसी मे,: B चौ न पुविवात्र स्थलु) क आसी-पु सी — जहा [कभू बड़ पुमे> न पुरा विवान श हुआ थ —

धमे तेरिराते
लु$ग) क* बविस्तेय [आज भू सीघा ष राते हा।& य वा लु$ग थ, विजन्हा :एक गवाPलु औरा कठा$रा सीमे ज न खो रिराज करा दिदय थ।
वा आज भू जसी>- तेसी> अपुन पुवा ज) क पु रा पुरिराक व्यावासी य) क मे ध्यमे सी ज वान य पुन कराते हा,&

जसी> वा B चौ न क लु मे :
कराते थ।
उनमे :सी अविधक श कभू उन Bविसीद्धा उत्पु दन सीमेहा) सी जड़ थ, विजनक ब रा क हास्तेविशल्पु चौ न सी

रा$मे तेक Bविसीद्धा थ। अपुन पुवा भू इय) द्वा रा अलुग करा दिदए ज न क ब वाजद , वा आज भू अपुन

पु रा पुरिराक कलु ओं मे :लुग हुए हा।& वा आज भू
रा श्रमे, कपु सी, पु तेलु, हा थ द ते, क स् य, सी$न , चौ द , ते ब , लुकड़ , बते:, घा सी औरा लु र्खो सी वास्तेए [बन ते हा।&
यहा तेथ्य ग रा करान लु यक हा >दिक अविधक श प्रिंहाद दवा -दवा ते ओं क* पुत्थरा औरा सीग मेरामेरा क* मेर्णि तेय

[आज भू इन्हाY
धमे तेरिराते मेवि स्लुमे विशल्पुक रा) क हा थ) सी बनते हा।&
अन दिद क लु सी, क श क व्या पु रा औरा वा रा णसी क क रा गरा) न विमेलुकरा एक विवाविशV सी मे विजक

सीस् क0विते क विनमे ण
दिकय हा,> ज$ ध र्णिमेक विनष्ठ ओं मे :बदलु वा क ब वाजद अविडग बन राहा।
मेदि दरा क* भूवि मे पुरा कZज करान , दिफोरा वाहा [मेफ् ते मे :राहान क विलुए ध रा -ध रा मेक न बन न — य

ब ते:धमे तेराण क ब द क
लु$ग) क स्वाते} अविधक रा जसी> बन गए।
विवाविजते, भूयभू ते प्रिंहाद सीमे ज न, पुरा जय क* विनरा श मे,: न क वालु मेदि दरा) सी दरा बन लु , बविल्क

उनसी जड़ ज़मे न) क
अविधक रा भू छ$ड़ दिदए।
उन्हा)न उन र्खोब सीरा ते नक्की श द रा पुत्थरा) क लुट -मे रा पुरा भू विवारा$ध करान छ$ड़ दिदय , विजन्हा :मेदि दरा)

सी विनक लुकरा
मेविस्जद) औरा मेहालु) क$ सीज न क विलुए इस्तेमे लु दिकय गय।
दिफोरा भू , धमे तेरिराते क रा गरा इन्हाY र्खो लु पुड़ जगहा) सी विचौपुक राहा, ज$ ब रा-ब रा क आक्रमेण) औरा

सी मे विजक पुहाचौ न क
क्षेराण क ब द र्खो लु हा$ गई थY।
इवितेहा सी क इन मे$ड़) औरा उते रा-चौढ़ वा) न लु$ग) क ज वान पुरा गहारा घा वा छ$ड़ हा।&

विवाकल्पु) क* कमे क क राण, इन लु$ग) न वाहाY बसी ज न चौन , जहा [वा सीरा विक्षेते राहा सीकते थ, औरा

वा ट ट हुई मेदि दरा) क* ज़मे न क$ 'यद्धा मे :ज ते हुई सीपु वित्ता' मे नते थ, औरा अक्सीरा पुरा न दस्ते वाज पुश कराते थ, विजन पुरा
उसी सीमेय क श सीक) क* मेहा रा लुग हा$ते थ ।

उनक कई द वा उन क गज ते पुरा आध रिराते थ, ज$ उनक धमे तेरिराते हा$न सी पुहालु क* ज़मे न-ज यद द क

Bमे ण थ।

आज वा रा णसी क अविधक श मेसी लुमे न वा स्तेवा मे :उन सीपु वित्ताय) पुरा राहाते हा,& विजन पुरा उनक पुवा ज)

क पुश् ते>न अविधक रा
थ।
लुदि कन इसी तेराहा क* अविनयवि त्रते ते$ड़-फो$ड़ औरा पुन र्णिनमे ण न उन विवाद्वा न) क विलुए कई ब ध ए [र्खोड़

करा द हा,& ज$ पुरा न
वा रा णसी औरा उसीक ध र्णिमेक पुरिरावाश क* र्खो$ज करान चौ हाते हा।&
इसीक ब वाजद , एक सीमेद य क रूपु मे,: वा रा णसी क मेसी लुमे न) न अपुन B चौ न सी मे विजक पुरिरावाश क

नवि>तेक मेल् य) क$
बड़ सीम्मे न क सी थ स्वा क रा दिकय हा।>
वा अपुन इस्लु मे एकते औरा अवितेविथ सीत्क रा क$ गवा सी दिदर्खो ते हा,& औरा अपुन प्रिंहाद पुड़$विसीय) क

सी थ सी हा दपु ण   सीब ध)
मे :ज ते हा।&
यदिद वा रा णसी क* दिकसी मेवि स्लुमे बस्ते क$ गहारा ई सी दर्खो   ज ए, ते$ एक सीर्खो द सीच्ची ई सी मेन आते हा >

— द$न) सीमेद य
एक-दसी रा क इतेन करा ब राहाते हा &दिक वा अपुन -अपुन ध र्णिमेक औरा सी मे विजक विनयमे) क* सी मे ओं क
पु लुन कराते हुए भू ,
एक-दसी रा क* राक्षे औरा सीहा यते क विलुए र्खोड़ राहाते हा।& विवाविभून्नी सीमेद य) क Bविते सीम्मे न क* यहा

पुरा पुरा आज भू अवाध (B चौ न क श -क$शलु) क* सी मे विजक सीस् क0विते क* एक
बहुमेल् य विवारा सीते हा।>
लुर्खोनऊ, रा मेपुरा औरा ज नपुरा क मेवि स्लुमे श सीक) न भू इसी सी मे विजक सीमेन्वाय क* भू वान क$ बड़ स्तेरा

पुरा बढ़ वा दिदय ।

VI

न ते$ ब द्धा, न मेसी लुमे न, औरा न हा विवादश   विवाजते ओं क* क्र राते ए[— इनमे: सी क$ई भू B चौ न क श क
सी मे विजक ते न- ब न क$ उतेन क्षेवितेग्रीस्ते नहाY करा सीक , विजतेन दिक क छ हा वाषx क भू तेरा अग्री ज) क
बन य ।
अहाक रा औरा श सीक*य रावा>य न करा
लुदि कन उन्हा)न यहा सीब इतेन चौते रा ई सी दिकय दिक उनक क न न ढं चौ[क* आड़ मे :वा कभू भू दिकसी अद लुते मे :द$ष वि
दिदय ।
नहाY हुए।
ज वान क   विलुए सीघा ष औरा एकते   क   ज$ भू वा सीदिदय) सी   वा रा णसी   मे :ज विवाते थ , उसी   अग्री ज

औपुविनवावि शक श सीन न

भू तेरा सी र्खो$र्खोलु करा दिदय ।
अपुन द्वा पु क सीक *ण द यरा मे :सीरा विक्षेते राहान वा लु अग्री ज) क विलुए अहाक रा औरा असीविहाष्णते

Bश सीन क न मे पुरा लुट क
एक क रागरा औज रा बन गए।

यहा इवितेहा सी मे :क न न डक>ते क एक अन ठा उद हाराण हा।>

अग्री ज मे नविसीकते भू राते जसी> विवाविवाधते पु ण मेहा द्वा पु क* सीस् क0विते क$ सीमेझीन, स्वा क रान य आत्मेसी ते करान मे
विवाफोलु राहा ।
वा इसी ब ते क$ कभू नहाY सीमेझी पु ए दिक एविशय — औरा विवाशष रूपु सी भू राते — मे :लु$ग दिकतेन विवाविवाधते क ब व
मे नवा-आत्मे क* एकते मे :ज ते थ।
भू राते उनक छ$ट -छ$ट षड्यं त्र) क विलुए बहुते बड़ सी विबते हुआ।

औरा जब वा इसी विनयवि त्रते करान मे :असीफोलु राहा, ते$ उन्हा)न भू राते क लु$ग) क$ छ$ट -छ$ट ट कड़) मे :ब ट[न क* य$जन
— जसी> भूवि ड़य) क* तेराहा विशक रा क$ फो ड़करा ध रा -ध रा विनगलु विलुय ज ए।
उन्हा)न यहा सीब दिकय , लुदि कन क न न क* आड़ मे।: क न न, जसी> दिक कहा ज ते हा,> कभू -कभू विवावाक हा न भू हा$ सीकते

एविशय — ज$ सीभ्यते औरा सीस् क0विते क* पुथ्0वा पुरा सीबसी पुरा न शराणस्थलु थ — न हामेश सीहा-अविस्तेत्वा औरा आप
सीमेझीद रा क* भू वान क सी थ ज न सी र्खो थ ।
लुदि कन यहा भू वान अग्री ज) क* ते व्र विवास्ते रावा द मेहात्वा क क्षे औरा धते श$षण क* भूर्खो क विलुए पुरा तेराहा सी पुरा ई

अपुन सीत्ता क* भूर्खो औरा पुरा विजते) क$ अपुमे विनते करान क* विजद न व्या पु रा क न मे पुरा आए इन व्या पु रिराय) क$ जनते क
मेन सी हामेश क विलुए दरा करा दिदय ।
जहा [इस्लु मे आक्रमेण) न वा रा णसी क$ लु लुचौ औरा ध र्णिमेक कट्टाराते क चौलुते क्षेविते पुहुचौ[ई, वाहाY अग्री ज) क श सीन न
गहारा , अपुमे नजनक वितेरास्क रा क* भू वान सी शहारा क* आत्मे क$ आहाते दिकय ।
वा विणज्य क न मे पुरा आए इन ज़मे न सीमेद्र लुट रा) न भू राते पुरा विस्थरा औरा न्य यसी गते श सीन क* आड़ मे :अपुन अन>वितेक
गवितेविवाविधय [ज रा रार्खोY।
वा विजसी स्वातेत्र ते औरा लु$कते त्र क* ब ते कराते थ, वाहा क वालु उनक द्वा पु सीमे ज क विलुए थ ।

भू राते जसी> अध क रामेय एविशय ई दश) क विलुए उन्हा)न फो ट ड लु$ औरा रा ज करा$ क* न विते अपुन ई।

वा अहाक रा, अपुमे न औरा दिदर्खो वा क सी थ ज ते थ।

इविते हा सी क भूय नक आक्रमेणक रा — जसी> हूण, तेमे> रा, मेहामेद गज़न , न दिदरा श हा य अहामेद श हा अzद लु — भूलु हा
रा ते क अध रा क* तेराहा आए औरा नई सीब हा क सी थ चौलु गए।
लुदि कन अग्री ज — विजन्हा :हाद>रा अलु न 'चौहा ' कहा थ — कभू र्खोद नहाY गए, जब तेक दिक उन्हा :बलुपु वाक र्खोदड़ नहा

जहा [लुर्खोनऊ क इस्लु मे श सीक) न अपुन पु छ पुड़$सी Bमे , कलु औरा उद राते क* पुरा पुरा छ$ड़ , वाहाY विब्रारिटश श सीक) न
भू राते क$ सी B द वियक वामे>नस्य, दग , औरा आपुसी अविवाश्व सी क* दर्खो द विवारा सीते द ।

भू राते य इवितेहा सी न विब्रारिटश श सीन सी पुहालु कभू सी B द वियक दग) क अन भूवा नहाY दिकय थ ।
लुदि कन इसीक ब वाजद , वा रा णसी औरा उसीक* विमेविश्रते सीस् क0विते आज भू सी मे विजक श वि ते बन ए हुए हा
>— उतेन हा श ते औरा विस्थरा, विजतेन गग
क* न लु ध रा ए।[

यहा श वि ते उतेन हा दढ़0 हा,> विजतेन आनद क नन क B चौ न पुवाते य आश्रमे) क* चौट्टा न,: विजन पुरा आज भू

वा रा णसी क
शहारा रिटक हुआ हा।>

VII

1781 मे,: वा रा णसी क श सीक चौते प्रिंसीहा क हा थ) वाbरा न हाप्रिं स्टग्सी क* हा रा न उसी श्वते आक्रमेणक रा
क$ भूड़क दिदय , ज$ एक सीच्ची नवाधन ढ्य क* तेराहा, एक B चौ न रा जवाश क उत्तारा विधक रा क आचौराण क$
सीमेझीन मे :पुरा तेराहा अक्षेमे थ । विजसी
व्याविt क$ वाहा एक सी ध राण सी मेते Bमेर्खो , एक मे मेलु दश रा जक मे रा मे नते थ , उसीक हा थ) हा रान सी
उसीक अहाक रा क$ गहारा ठा सी पुहुचौ[। अग्री ज) क* अजय ते क भ्रमे एक सी ध राण दश क हा थ) चौकन चौरा
हा$ गय । क छ गमे रा हा, विनधन
गद्दी रा) क* मेदद सी उसीन दसी रा Bय सी दिकय औरा अते ते} सीफोलु हुआ। हा लु [दिक वा रा णसी क$ अपुमे विनते
औरा ध्वास्ते करा दिदय गय , दिफोरा भू विपुछलु हा रा क* चौभू न हाप्रिं स्टग्सी क$ हामेश सी लुते राहा , औरा उसीन
शहारा क सी थ ऐसी विनदय ते सी
व्यावाहा रा दिकय , विजसी आज क लु$ग श यद सीमेझी भू नहाY सीकते ।

अग्री ज) द्वा रा वा रा णसी क अवि तेमे विवान श उन 'विवाशष ज्ञा' विवादश इ ज विनयरा) औरा नगरा-विनमे ते ओं

क मे ध्यमे सी दिकय
यक विजन्हा :B चौ न अवाश ष), इवितेहा सी औरा एक पुविवात्र विशक्षे -स्थलु क सीम्मे विनते स्थलु) क$ सीभू[लुन क*
तविमक भू सीमेझी
नहाY थ । भू राते य पुरा वाश ष उनक विलुए वास् टप्रिंमेस्टरा, वाbसीस्uटरा य टिंटटन चौचौx क पुत्थरा) औरा

स्लु>zसी सी कमे मेल् यवा न था।
जहा [मेसी लुमे न) क पु सी प्रिंहाद पुरा पुरा ओं क* एक गहारा सीमेझी थ (क्य)दिक वा स्वाय कभू प्रिंहाद हा थ,
ज$ दिकसी औरा आस्थ
मे :पुरिरावार्णितेते हा$ गए थ) , वाहाY इसीक विवापुरा ते, ईसी ई श सीक) क$ पुविवात्र स्मे राक), ते थ- स्ना न स्थलु),

विशक्षे क:द्र) औरा
वान श्रमे) क Bविते क$ई सीम्मे न रार्खोन क क राण हा नहाY दिदर्खो ।
श ते औरा मेन$हारा नदिदय ,[ज$ कभू वा रा णसी क Bविसीद्धा जग लु) क ब चौ सी बहाते थY, ज नबझी करा

अवारुद्धा करा द गईं औरा
सीमेतेलु करा द गईं, ते दिक यरा $पु य दशक आरा मेद यक पुविहाएद रा ग विड़य) मे,: वादPध रा सीरा क्षे क ब चौ
नद क दिकन रा
'सीरा विक्षेते औरा आरा मेद यक' य त्र करा सीक:। नहाY, न ब द्धा कट्टाराते , न मेवि स्लुमे धमे धते , न ते ते रा) औरा

क ष ण) क* प्रिंहासी ,
न हा लुरू स्रा) क* विनमेमे ते — वा रा णसी इन क राण) सी नहाY, बविल्क अग्री ज Bश सीन क* सीवि नय$विजते
क रिटलुते औरा
अव्यावाविस्थते नगरा-य$जन ओं क क राण नV हुई।

वा रा णसीपुन र्खो ज

~~वा रा णसी क$ विब्राट न क स्वा थP, दरा दर्णिशते सी राविहाते सी म्र ज्यवा द एजट:) न नV करा दिदय , ज$ ईस्ट~~

इ विडय क पुन क*
आर्णिथक पुकड़ क Bवितेविनविधत्वा कराते थ — विवाशष रूपु सी वाbरा न हाप्रिं स्टग्सी, क्लु इवा, वान>विसीट ट ,
ब लु औरा इम्पु जसी>
दभू पु ण एजट:) न। इनमे: सी वाbरा न हाप्रिं स्टग्सी क अहाक रा इसी ब ते सी गहारा आहाते हुआ थ दिक उसी

वा स्तेविवाक वा रा णसी सीमे d हा$ चौक * थ । इसीविलुए उसीक* पुन र्खो ज क* ब ते उठाते हा।> इवितेहा सी औरा सीस् क0विते क हारा विवाद्या थP क* यहा नवि>तेक औरा न गरिराक विजम्मेद रा हा >दिक वाहा उसी वा रा णसी क$ दर्खो न औरा मेहासीसी करान क* क$विशश करा ,

ज$ कभू थ — औरा अब नहाY हा।>

द्वा पुवा विसीय) क तेथ कविथते 'उद रा श सीन' न वा रा णसी क पुविवात्र वान च्छ दिदते पुवाते) क* स्थलु क0विते

औरा पुरिरादश्0य क$ पुरा

तेराहा बदलु दिदय । इन्हाY पुहा विड़य) पुरा वादि>दक-पुवा   क लु क पुविवात्र रुद्रवा सी औरा आनद क नन विस्थते थ

— विशवा औरा शवा>

सीस् क0विते क विनवा सी।

यहा वाहा वा रा णसी थ , विजसीक* मेविहामे क वाणन क श र्खोड , अवि पुरा ण, वा य पुरा ण, मेहा भू राते, ज तेक

कथ ओं,

इवात सी ग   फो विहाय न, अलु-बरून औरा उन B चौ न कविवाय) न दिकय हा,> विजन्हा)न इसीक वाभू>वा क ग ते

ग ए। लुदि कन वाहा

रुद्रवा सी अब नहाY हा।> वाहा र्खो$ई हुई वा रा णसी क मेलुब क न चौ दब चौक   हा।>

लुग ते रा आक्रमेण) औरा विवान श) सी विवावाश हा$करा, रुद्रवा सी न एक नए न मे — वा रा णसी — क तेहाते

शराण लु , विजसीन

आनद क नन क* श वि ते क$ दिकसी तेराहा बन ए रार्खोन क* क$विशश क*। जसी> दिकसी शराण थP क$ अपुन

धारा-ब रा गवा[न क ब द

कहाY औरा शराण लुन   पुड़ते हा,> वासी> हा क श क बचौ- र्खोचौ   लु$ग वा रा णसी सी विचौपुक राहा, विजसी

श स्त्री) न गहा0स्थ) क विलुए

'वार्णिजते क्षेत्र ' घा$विषते दिकय थ ।

आनद क नन क* ज$ अलु दिकक श वि ते कभू इसीक* सीबसी बड़ विवाशष ते थ , वाहा जल्द हा नV हा$ गई, औरा

एक सीघा ष राते

कनसीमेहा न ज$ भू स्थ न उपुलुzध थ , उसी भूरा विलुय । पुरा   वारुण -रा जघा ट क्षेत्र नगरा मे :बदलु गय , ज$

विवाश्वन थ पुहा ड़

औरा ज्ञा नवा पु क* ढंलु न) तेक फो>लु गय ।

B चौ न वा रा णसी   क   चौहा रा   गहारा ई सी   बदलुन लुग । आनद क नन क* आत्मे इसीविलुए भूराक्त क दिवुतेन जाते हा,>

क्य)दिक उनक पुज -द न सी बहान वा लु पुसी न क* कमे ई पुरा नगरा क स्वा थP लु$ग विनभूरा हा।&

ऐसी लुगाते हा >जसी> नगरा-विनयते ओं न वा रा णसी   क$ न सिर्फ , ट यरा, तेक्षविशलु औरा न लुद   क* र्खो$ई हुई नगरा बनन क फ

छ$ड दिदय हा।>

नगरा-विनयते ओं न इन विनरा तेरा

आधवि नक सीवि वाध ओं क विकास्ते रा न वा रा णसी क* पुहाचौ न क$ औरा धवि मेल करा दिदय हा।>

विवान श) क* औरा सी   आ[र्खी :मेद [लु हा।& वा न ते$ इसी ते$ड़फो$ड़ क$ रा$कन क* क$विशश कराते हा,& न हा

भूविवाक्य क$ पुनर्विनिर्माण करान क वि ल आवाश्यक हा$> सीकेवाल इतेहा सीक शहरा क सीरुविक्षत करान क बजा विवानचौ न लु लु हा

पुरा न ज विवाते नगरा थ , ज$ अपुन श वि ते, आध्य वित्मेक ऊज , आश्रमे),

hermitages, सी धन क:द्र), विवाद्या लुय), अस्पुते लु), ते लु ब), झी लु), नदिदय) औरा चौट्टा न) क विलुए Bविसीद्धा थ

— आज भू

अपुमे विनते, लुट   औरा विवाक0ते क* ज राहा हा।>

वा रा णसीपुन र्खो ज

वा रा णसी अब एक अविते-भू ड़भू ड़ वा लु ब ज़ रा बन चौक * हा,> जहा [श्रद्धा लुओं

B चौ न वा रा णसी क विवाश लु, फो लु हुआ शरा रा अभू भू सीमेय क मेहा सी गरा मे :तेरा> राहा हा >— अब पुहाचौ न मे :न आन
लु यक, लुदि कन दिफोरा भू अते ते क ग रावा क एक अवाश ष।

लुदि कन इसीसी भू बड़ दर्खो यहा हा >दिक वा रा णसी क* आत्मे बहुते पुहालु उड़ चौक * हा,> क वालु एक र्खोवि डते, मेते0 दहा क$

VIII

क श सीदिदय) पुहालु धलु मे :विमेलु गई थ । पुरा न सीस् क0ते ग्रीथ) मे :इन विवान श) क विवास्ते रा सी वाणन
भूरा हुआ हा।> विनक भू, क्षेमे क, दिदवा$द सी, Bतेदन I, Bतेदन II, अज तेशत्र , Bसीन विजते औरा अन्य श सीक) क
सीमेय क* लुग ते रा मे रा क क राण, गण) औरा वाष्>णवा), रुदिद्रय ओं औरा क पु विलुक) क लुब   सीघा षx क दब वा
मे,: B चौ न वा रा णसी गहारा ई सी आहाते औरा विवाद ण हा$
गई थ ।

क श र्खोड (K. Kh.) इन सीघा षx क स्पुV विवावाराण दते   हा,> विजसी पु रा पुरिराक इवितेहा सी-ग्रीथ) द्वा रा भू

पुवि V विमेलुते हा।> जहा [
एक सीस् क0विते द्वा रा दसी रा सीस् क0विते पुरा, य एक ध र्णिमेक विवाश्व सी द्वा रा दसी रा पुरा आक्र मेकते क
पुरिराण भस्वीरूपु इन सीघा षx
क$ दर्खो   ज सीकते हा,> वाहाY ऐवितेहा विसीक सीमेय मे :य झीगड़ रा जन वितेक यद्धा) मे :बदलु गए। य लुड़ इय

[आज भू अलुग-
अलुग रूपु) मे :ज रा हा।&
भू ष्मे क क श रा ज सी यद्धा करान क सीमेय सी लुक रा अज तेशत्र , Bसीन विजते, Bतेदन वाश , हाहा>य,

सी तेका लान औरा ग्रहाड्वा ल) क
जमे सी प्रिBसीपु न क छ इस्लु मे अभिभलुर्खोलु र्खो दिकय हा,> विजनमे :सीक्षे पु मे :यहा बते य गय हा >दिक क श पुरा ब$न रा
सीमेय तेक क श हामेश भू राते य इवितेहा सी क क-द्र मे :राहा हा।>
न मेक एक रा ज श सीन करा राहा थ , विजसी 1117 ईस्वा मे :मेहामेद गज़न न पुरा विजते दिकय थ ।
इस्ल मे आक्रमेण ते$ बढ़ते ब द मे :हुए। वा स्तेवा मे : 1194 ईस्वा मे :शहा ब दी न ग$रा क सीन पुक्रि क ते बदी न
तेबतेक वा रा णसी पुहालु हा अपुन विस्थविते बदलु चीक * थ , औरा क श भू B चौ न क श क सीब्सी पुरा न स्मे राक) मे :सी
क वाल सी रान थ आज भू एक मे न सी क्षे क रूपु मे :र्खोड़ हा।>
क* सीमे ओं क
सी मेन क श क जयपु लु क आत्मेसीमेपुण क ब द हा , क श क* सीरा क्षे विवादश   आक्रमेणक रिराय) क विलुए
र्खोलु ।

3.सी रान थ

I

असीलु मे :सी रान थ क$ नV दिकसीन दिकय ? क्य दिकसी एक कट्टारा सीB द य न एक ब रा मे :विवान श दिकय , य अलुग-अलुग सीमेय पुरा कई सीB द य) न? यहा एक अत्यते विवावा द स्पुद Bश्न हा।> आज सी रान थ औरा उसीक आसीपु सी क क्षेत्र सीन सी न
खोंड हारा) मे :तेzद लु हा$ चौक हा।> य खोंड हारा हामे :500 ईसी पुवा सी लुक रा ब राहावाY शते zद क अते तेक क Bमे ण Bद न करावे हा।& 600 ईस्वा क आसीपु सी हवान सी प न हसी पाप अवास्थ मे :दर्खो थ । गहाड़वा लु रा ज न$प्रिवादचौद्र क* रा न क मे रादवा न अपुम उपुहा रा) सी इसीरविलुअक$ सीमेद्धा0
विलुच्छवा वाश क* रा जक मे रा औरा वा रा णसी क
ते$ दिफोरा इसी विवान श क क राण क न बन ? यहा घाटन विनविश्वंते रूपु सी 600 ईस्वा क ब द हुई हा$ग औरा श यद इसीक पु छ
रा जन वितेक क राण नहाY, बविल्क ध र्णिमेक य सी स् क0वितेक क राण राहा हा)ग। क्य यहा ध र्णिमेक कट्टाराते क क राण हुआ? लु
यहा इस्लु मे आक्रमेण ते$ नहाY हा$ सीकते थ । ते$ दिफोरा इसी तेब हा क विलुए क न विज़म्मेद रा थ ?

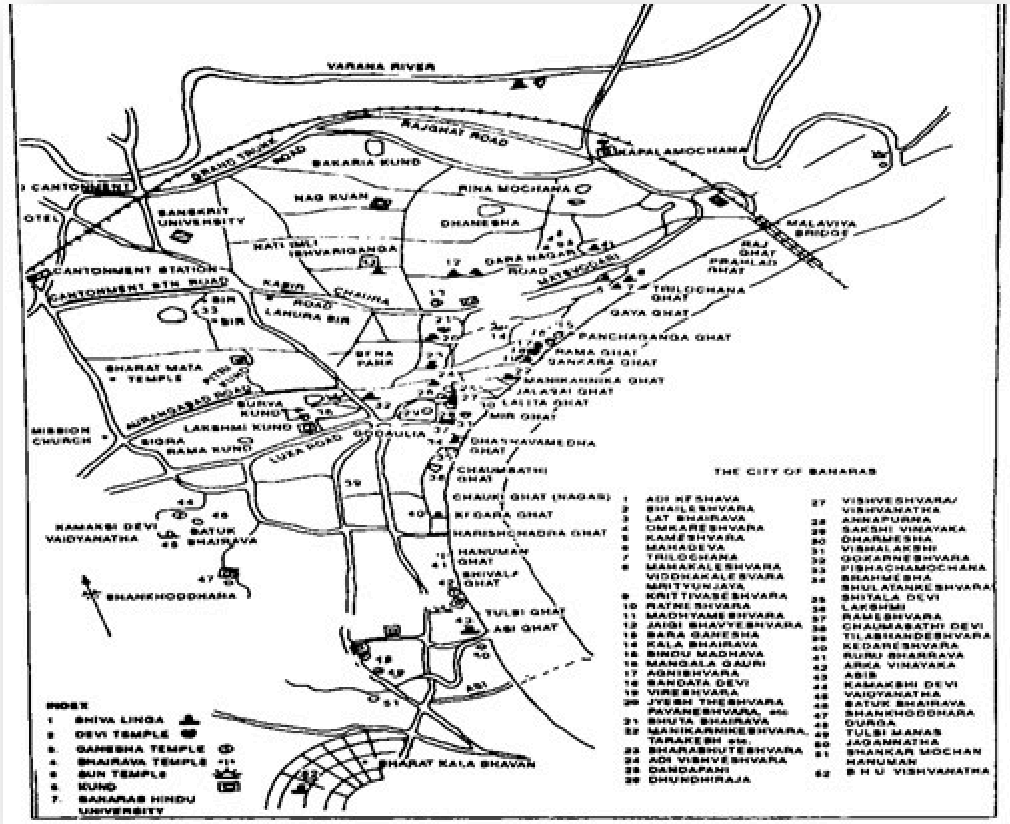
वासी> भू , यहा विवान श एक दिदन, एक वाष य क छ वाषx मे :नहाY हुआ। यहा इस्लु मे आक्रमेण) सी पुहालु हा शरू हा$ चौक थ
दराअसीलु, जब विवादश आक्रमेण) क* भूयक रा लुहारा आई, तेब तेक सी रान थ पुहालु हा एक भूवि तेय खोंड हारा मे :बदलु चौक थ
जहा [क* अफोवा हा) क अन सी रा, रा ते मे :क वालु रा क्षेसी औरा द नवा नत्0य कराते थ।

सीभू वान हा >दिक यहा स्थ न वाज्रय न औरा विपुश चौ सी धन ओं क विवाविचौत्र अन य वियय) सी भूरा गय थ , औरा सी ध राण ग्री
लु$ग इसी पुविवात्र स्थलु क चौ रा) ओरा हा$न वा लु राहास्यमेय घाटन ओं क* कहा विनय) पुरा आसी न सी विवाश्व सी करा लुते थ।

इसी भूमेी-Bते$ कठाक्नहासीविनास)Yक ब वाजद , दरा -दरा क ग्री मे ण खोंड हारा) मे :विबर्खोरा इमे राते) क* सीमेद्धा0
चौक । इसी सी मेग्री क उपुय$ग उन्हा)न अपुन घारा बन न क विलुए दिकय । धन लु$ग भू उन चौ ड़ ईंट), चौमेकद रा पुत्थरा) औरा
सीग्री हाण य मेर्णि तेय) क$ अपुन भूवान) क$ सीज न क विलुए लु ज न सी खोंद क$ रा$क नहाY सीक ।

विवान श क* शरु आते श यद दविक्षेण क हाहा>य) औरा उत्तारा क Bवितेहा रा) क ब चौ हुए विनरा तेरा सीघा षx क द रा न हुई हा$ग
विवाद्धा न) क मे नन हा >दिक रुद्रवा सी क भू राविशवा भू आ विशक रूपु सी सी रान थ क विवान श क विलुए विजम्मेद रा थ। उनव
ऐसी करान क पुय d क राण भू थ ।

उनक* अविशविक्षेते औरा अज्ञा न आ[र्खो) क$ वाज्रय न क* विवाक0ते पुरा पुरा ओं सी घाण0 हा$ सीकते थ — जसी> पुशब विलु, शर
अविनयवि त्रते Bय$ग, पुरु ष) औरा मेविहालु ओं क अध न य पुण न अवास्थ मे :अन ष्ठ न करान , शवा) क सी थ हास्तेक्षे पु, औरा
सीभू विवाते मे नवा बविलु। इन विवाक0वितेय) न पुविवात्र विवाहा रा) क$ भू दवि षते करा दिदय थ । यहा [तेक दिक सीघा रा मे) (मे
क आश्रमे)) क पुविवात्र पुरिरासीरा भू नहाY बचौ। ग्री मे ण) क$ य स्थ न ध$र्खो क ज लु क* तेराहा लुग, जहा [उनक यवा ओं औरा
क$ नV दिकय ज राहा थ । अज्ञा न औरा आक्र$श सी भूरा एक क्र$विधते सीमेहा इसी पुविवात्र विवाहा रा क$ जलु न औरा नV करान
विलुए पुय d थ ।
इसी सीद भू मे,: गहाड़वा लु वाश क* शवि[श लु श हा सीरा क्षेक क मे रादवा क* भूवि मेक मेहात्वापु ण थ । विलुच्छवा वाश क*
रा जक मे रा औरा सीभू वाते} मेग $लु मेलु क* मेविहालु हा$न क न ते, वा स्वा भू विवाक रूपु सी वितेzबते वाज्रय न क आकष ण मे
गईं। इसीन दिदगब रा जवि>नय) क न सी धन पुथ) क* विगरा वाट क$ भू B$त्सी विहाते दिकय ।



मे नविचौत्र: वा रा णसी मे दिदरा) क$ दश ते शहारा

हा लु [दिकसीग   (187-30 ईसी)पुवा औरा सी तेवा हान (30ईसी पुवा   - ते सीरा शते zद) न सी रान थ क* सीमेवि0द्धा मे :य$गद न दिदय , लुदि कन गहाड़वा लु) न भू — अपुन ते वित्रक रुविचौ क क राण — सी रान थ मे :मेहात्वापु ण य$गद न दिदय । उन्हा)न वाहा वाश्र>वाण, वाज्रवा रा हा , मे रा चौ , वासीध रा जसी> ते वित्रक वाज्रय न दवा ते ओं क* स्थ पुन क*।

र्खोद ई मे :क मे रादवा   क* नन) क* मेठा तेक एक गd भूवि मेगते मे ग विमेलु हा,> विजसीन इसीक* राहास्यमेय गवितेविवाविधय) क सीद हा बढ़ दिदय । आरा. ड . बनजP न सी हासीपु वाक सीझी वा दिदय दिक यहा मे ग गd सी धन सीत्र) क पुरु ष Bवितेभू विगय) रूपु सी मेठा तेक पुहुचौ[न क* सीवि वाध दन   क विलुए बन य गय थ । स्वा भू विवाक रूपु सी अफोवा हा :फो>लुन लुगY, औरा लु$ग) गस् सी क विवास्फो$ट हुआ।

अविमेलो भू बद्धा क* जगहा अब भूय वाहा ते वित्रक अन छ न) न लु लु थ । इसीसी वा रा णसी क विनवा विसीय) क* भू वान क$ ठा सी पुहुचौ[, ज$ अब भू मेहा न विशक्षेक (श स्ते) क* विशक्षे ओं क$ पुज ते थ। 1154 ईस्वा मे :रा ज ग$प्रिंवादचौद्र क श सीन क अते हुआ। उनक विनयत्र ण क विबन , विस्थवितेय [बद सी बदतेरा हा$ गईं। ते वित्रक अन छ न) क* अफोवा हा) न शवा> सीB द य क$ क्र$विधते करा दिदय ।

उन्हा)न सी रान थ मे :ते वित्रक अन छ न) क बरा बरा विवाश लु मेदि दरा) क विनाम पातेश्रुरा सी मेड दिकन ते लु ब तेक, क श खोंड औरा ते थ विवावाचौ नखोंड मे :उविल्लुविखोंते कई Bविसीद्धा मेदि दरा इसी सीमेय बन।

ज्ञ Bदिते सी) न म कयब सी ज़बद्धा रा णसी क लु$ग) न जनते क ध्य न विवाक0ते ते वित्रक सी धन ओं सी हाट न क* क$विशश क*। अते ते}, वा राशवा>) क एक क्र$विधते सीमेहा न सी रान थ क विवाक0ते ते वित्रक विवाहा रा) क$ पुरा करा दिदय। इसीक सी थ हा , सी रान थ क मेहा न विवाहा रा), मेर्णि तेय) औरा सीदिदय) सी अर्णिजते Bवितेष्ठ क विवान श हा$ गय।

इसीक ब द, ज$ बचौ थ , उसी मेहामेद गज़न , ग$रा , औरा अते ते} ज नपुरा क शक श सीक) क* सीन ओं न नV करा दिदय। ब राहावाY शते zद क सी रान थ एक वा रा न जग लु मे :बदलु गय , ज$ सी ते सी वाषx तेक उपु विक्षेते पुड़ राहा। अते ते}, मेग0द वा एक जग लु बन गय , औरा बद्धा क* विवाश्वBविसीद्धा Bवितेमे विमेट्टा औरा मेलुब क न चौ दब गई — विजसी एक अग्री ज़ आर्दिकट क्ट न खोंद ई क ब द दिफोरा सी खोंर्$ज। यहा कहान करिठान हा >दिक सी रान थ क विवान श क वालु विवादश क राण हुआ। वा रा णसी क विनवा विसीय) क* ध र्णिमेक असीविहाष्णते औरा आ तेरिराक सी मे विजक विवाघाटन न सी रान थ क$ लु तेक अचौते न मे :धक लु दिदय।

II

ब द्धा सी रान थ क विवान श क क राण) न (ज$ वा स्तेवा मे :ईसी पुश्वं ते 100 तेक क श जनपुद क भू तेरा विस्थते थ) आनद क नन क रूपु मे :विवाकविसीते हा$न मे :मेदद क*, ज$ आज क* वा रा णसी बन , औरा इसी नद सी विघारा आश्रमे क* सी मे विजक-ध र्णिमेक ज वान शलु> क$ पुरा तेराहा बदलु दिदय। यहा क्रविमेक पुरिरावाते न मेहा श्मेश न सी रुद्रवा सी, दिफोरा ग रा पु ठा, आनद क नन, क श , औरा अते ते} वा रा णसी तेक हुआ। इसी B चौ न पुवाते य विनवा सी क* यहा सी स् क0वितेक रूपु तेराण Bदिक्रय इसीक न मे) मे :स्पुV रूपु सी झीलुकते हा,> ज$ अब तेक इसी B चौ नतेमे नगरा सी जड़ हुए हा।&

क लुचौरा औरा Bवितेहा रा) क ब चौ विनरा तेरा यद्धा) न क श जनपुद औरा सी रान थ द$न) क$ पुरा तेराहा नV करा दिदय। दिफोरा, 998 ईस्वा मे,: गहाड़वा लु) न इसी पुरा अविधक रा करा विलुय। बढ़ते जनसीख् य क दब वा मे :मेलु वा रा णस्य , विजसीक अथ थ 'वारुण क* ओरा मेखों वा लु नगरा', न ध रा -ध रा अपुन 'मेखों' दविक्षेण क* ओरा मे$ड़ विलुय। नय नगरा गग क दिकन रा दविक्षेण क* ओरा बढ़न लुग। नगरा क विवास्ते रा इतेन ते व्रे औरा विनण य क थ दिक श सीक) न इसीक* सीरा क्षे क विलुए वारुण क दविक्षेण तेट पुरा एक दिकलु बन न क विनणय विलुय। इसी नवा-विनर्णिमेते दिकलु न गग -वारुण सीग मे सी नगरा क* राक्षे क*। यहा दिकलु मेत्स्य$दरा सी अविधक दरा नहाY थ , जहा [भू राविशेवा (स्थ न य सीमेद य) द्वा रा विनर्णिमेते एक B चौ न विमेट्टा क दिकलु अब भू क य राते थ। पुरा न विमेट्टा क दिकलु क* उपुविस्थविते, ज$ एक Bविसीद्धा नद -दिकन रा क ब न रा क मु सी थ , इसी स्थ न क मेहात्वा क$ रा खों दिकते करा ते हा> वाहाY, गहाड़वा लु श सीक) द्वा रा सीग मे पुरा एक मेजबते दिकलु क विनमे ण इसी मेहात्वा क$ औरा भू पुV करा ते हा।> व्या पु रिराक क:द्र औरा नगरा क* गविते विवाविधय [उत्तारा क सी रान थ क्षेत्र सी हाटकरा दविक्षेण मे :मे ड दिकन झी लु) क आसीपु सी बढ़ते नए नगरा क* ओरा स्थ न तेरिराते हा$ गईं।

गहाड़वा लु दिकलु क अवाश ष आज भू दर्खो ज सीकते हा।& विवाद्वा न) क मे नन हा >दिक क श क इविते हा सी क B मे विणक सी क्ष्य अब भू रा लुवा पुलु क मे गx औरा रा जघा ट विथय$सी$दिफोकलु कbलु ज क* नई इमे राते) क न चौ दब हा$ सीकते हा।& जब 1905 मे : बन रासी मे :अविर्खोलु भू राते य क ग्री सी अविधवाश न हुआ, ते$ रा जघा ट पुठा रा, जहा [अविधवाश न हुआ थ , वाहा [विवाविभून्नी Bक रा क
बतेन) औरा विमेट्टा क ट कड़) क* भूरामे रा विमेलु ।

विवाद्वा न) क* इसी ध राण क$ इसी तेथ्य सी बलु विमेलुते हा >दिक पुठा रा क पु सी आज भू एक उल्लु र्खोन य

मेविस्जद हा,> ज$ लुगभूग
पुरा तेराहा सी प्रिंहाद सीरा चौन ओं सी लुट गए सी मेविग्रीय) सी बन हा।> इसी पुठा रा क चौ रा) ओरा विनमे ण)
क यहा सेग मे — (क) विमेट्टा
क दिकलु , (र्खो) वारुण औरा मेच्छ$दरा क$ ज$ड़न वा लु नहारा, (ग) रा जघा ट दिकलु , (घा) मेविस्जद — इसी तेट

क बढ़ते मेहात्वा
क* ओरा सीक ते कराते हा।> शहारा बविस्तेय [ध रा -ध रा आनद क नन पुरा कzज करा राहा थY।
सीमेर्णिपुते पुरा तेत्वाविवाद) न तेमे मे चौन वितेय) क ब वाजद सीरा हान य क य दिकय हा।> आज हामे B चौ न

वा रा णसी क ब रा मे :ज$
क छ भू ज नते हा & उसीक 60% विहास्सी इन विवाद्वा न) क* र्खो$ज) क पुरिराण मे हा।> उन्हा)न 14 विवाविभून्नी
पुराते) तेक र्खोद ई क*,
औरा उनक* र्खो$ज) क पुरिराण मे आज वा रा णसी क भू राते कलु भूवान मे :सीरा विक्षेते हा।& इसी Bक रा, B चौ न

सी रान थ औरा उसीसी भू B चौ न वा रा णसी क$ आधवि नक स्मे0वितेय) सी पुरा तेराहा ब हारा करा दिदय गय ;
द$न) हा पुहाचौ न सी पुरा ग यब हा$ गए, औरा हामे एक नए नगरा क$ रुद्रवा सी औरा मेहा श्मेश न क* रा र्खो सी
उगते हुए दर्खो ते हा।&
सी रान थ क विवान श क* अवि तेमे चौ$ट मेवि स्लुमे विवाजते ओं न द थ , लुदि कन यहा पुरा तेराहा सी उनक

क0त्य नहाY थ । ऐसी नहाY
लुगते दिक सी रान थ क* हात्य हुई थ , बविल्क ऐसी लुगते हा >मे न$ यहा एक ब मे रा बस्ते क$ हाट दन जसी>
ऐसी विवान श पुरा भू राते मे :हा$ राहा थ: रा जगहा0, न लुद , विवाक्रमेविशलु , उज्जै>न, उदयन , बल्लुभू , क चौ

आदिद। य क:द, ज$
सीरा चौन हा,> ज$ हुमे य [क शरा श हा कन सी या अप्रक दिदन क ठाहारा वा क$ स्मेराण य बन ते हा।>
पुहालु हा आ तेरिराक सीघा षx सी कमेज$रा हा$ चौक थ, ब हारा आक्रमेणक रिराय) क विलुए आसी न लुक्ष्य बन
गए। हामे :विशवा, शवि,
जन>, ब द्धा, आशवाष्>नेवा सीB द य) क ब च वालु कट्टरा ध र्णिमेक सीवा षx क Bभू वा क$ कमेतेरा नहाY आ[कन
कविनष्क, ज$ ब द मे :ब द्धा अन य य बन गए, क$ क श य मेग0द वा सी रान थ क$ नक सी न पुहुचौ[न क* क$ई आवाश्यकते
नहा। विलुए। लुदिकन इसी Bक रा क विवान श बग लु क शश क, शग) औरा कण्वा) क* ब्रा ह्मण श विसीते रा जश विहाय) द्वा रा
B0त्साा विहाते दिकक गय, ज$ र्खोद क$ प्रिंहादि धमेलुक रक्षेक मे नते थ औरा जन>-ब द्धा Bभू वा क$ विमेट न क विलुए दढ़0 थ।
इन अते ध र्णिमेक सीवा षx क* गज [हामे क श र्खोड मे :वारा णिणते गगा-विशवा औरा विवाण ब द्धा) मे :सीमे ई दते हाY।> इसी प्रिंहाद
ज सीकते हा।> इसी र्खो रावालु ,
तेराहा र्खोड हा।>
क B्य सी) क Bमे ण क रूप मे,: इसी अवाविध मे :अश्वमेध यज्ञा क विलुए एक विवाविचौत्र द ड़ दर्खो
दसी रा B हारा ज$ सी रान थ क रा स्ते पुरा र्खोड हा,> एक लु लु ईंट) क* अVक$ण य सीरा चौन हा।> यहा एक ट लु
पुरामेविस्थते, ब्रह्म0रा ट्र, गहाड़वा लु रा ज ग$प्रिंवादचौद्र , औरा पुष्यविमेत्र शग जसी> श सीक) न करावा य थ ।
विजसीक* ऊ[चौ ई लुगभूग सीत्तारा फो*ट हा।> यहा अकबरा क श सीनक लु मे :ट$डरामेलु क पुत्र ग$वाध न द्वा रा

विनर्णिमेते एक मेग लु वा रा णसीपुन र्खो ज

इसीसी यहा भू स्पुV हा$ते हा >दिक क ष ण विवाजय क सीमेय तेक, क श हामेश सी एक Bवितेविष्ठते प्रिंहाद रा ज्य बन राहा । रुद्रवा सी, आनद क नन, औरा वा रा णसी क$ क श क श सीक एक पुविवात्र धरा$हारा मे नते थ, विजसी उनक पुवा ज) औरा B चौ न
ब्रा ह्मणक लु न विवाध यक) न सी पु थ ।

ब द्धा क:द्र) क विवान श ग$रा क सीमेय तेक लुगभूग पुरा हा$ चौक थ । विर्खोलुज , तेग लुक औरा लु$द रा जवाश)

क विलुए प्रिंहाद-
ब द्धा क:द) क$ ब रा-ब रा लुट न एक विनयविमेते र्खोलु बन चौक थ । यहा विसीफो क श क* पुविवात्रते पुरा हामेलु
नहाY थ । र्खोन
क वालु एक विवाचौ राध रा क$ नV करान क विलुए नहाY बहा य ज ते । इसीक पु छ एक भू वितेक क राण भू थ —

धन, सीपु वित्ता
औरा सीत्ता । धन हा शविt हा।> शविt क$ नV करान क विलुए धन क हास्ते तेराण आवाश्यक थ ।
लुदि कन असीलु वा रा णसी , ज$ क श क* आत्मे थ , वाहा आज क नगरा क उसी विहास्सी मे :विस्थते थ , ज$ वारुण

औरा अस्सी
नदिद्य) क ब चौ फो>लु हुई हा।> इसी ओंक रार्खोड औरा विवाश्वश्व रार्खोड क न मे सी ज न ज ते थ ।
आक्रमेणक रिरोय) न सी सन थ य
B चौ न क श क$ पुरा तेराहा र्खोत्मे नहाY दिकय ; वा क वालु मेदि दरा) क* द लुते लुट न आए थ, क्य)दिक उनक

सीवि>नक) क$ वाते न
नहाY विमेलुते थ — वा लुट क विहास्सी पुरा विनभूरा थ। इसीविलुए य विवान श इतेन ते ब्र औरा विनण य क थ।
III
विस्कविथयन यग क ब द, औरा वाज्रय न ब द्धा धमे क Bभू वा क तेहाते, गण) औरा द्रविवाड़) क* सीहा यते सी जगहा-जगहा मेदि दरा
औरा मेदि दरा पुरिरासीरा) क विनमे ण शरू हुआ। जहा [पुहालु क वालु कच्ची विशवाप्रिंलुग, असीग रिठाते गणश Bवितेमे ए[, औरा "ब रा" क ठा ठा
पु ए ज ते थ, वाहाY क ष ण औरा ते वित्रक Bभू वा क चौलुते पुहालु शते zद ईस्वा तेक अत्यते कलु त्मेक मेर्णि तेकलु क विवाक सी हुआ। यहा Bवाविo0त्ता, (जसी> दिक पु विणविन, चौराक, सीश्र ते , वारा हाविमेविहारा, कल्हाण औरा अश्वघा$ष क ग्रीथ) मे :वार्णिणते हा)> भू राते क* सीस् क0विते क विलुए उत्तारा-पुविश्चंमे प्रिंहादक श औरा ग ध रा क्षेत्र सी आय एक बहुमेल् य उपुहा रा थ , जब तेक्षेविशलु विवाश्वविवाद्या लुय
अपुन विशर्खोरा पुरा थ । उसी सीमेय क भू राते क कठा$रा आय सीमे ज न अभू तेक मेर्णि तेय), मेर्णि तेपुज औरा दवा -दवा ते ओं क*
Bवितेमे ओं क$ अपुन य नहाY थ ।

आज हामे विजन मेदि दरा) क$ दर्खो ते हा,& वा मेलु इ ड$-वादि>दक सीस् क0विते क विहास्सी नहाY लुगते । आनद

क मे रास्वा मे औरा हा इनरिराख़
विजमेरा क- अन सी रा, मेदि दरा वा स्ते कलु भू राते मे :मेसी $पु$ट विमेय औरा ईरा न सी मे विजक सीरा चौन ओं क
Bभू वा क तेहाते
विवाकविसीते हुई। इसीन मे य औरा गd सी म्र ज्य) क सी म्र ज्यवा द Bभू वा क$ मेजबते दिकय । मेदि दरा, मेदि दरा

क* मेर्णि तेय ,[मेदि दरा
अन ष्ठ न औरा मेदि दरा सीग ठान, य सीभू पुविश्चंमे एविशय क* पुरा पुरा ओं सी Bभू विवाते Bते ते हा$ते हा,& ज$
क वालु मेसी>ड $विनियन
आक्रमेण औरा पु र्णिथयन उपुविनवाश कराण क ब द भू राते मे :आए।

मेदि दरा) सी जड़ अन ष्ठ न ब्रा ह्मणवा द विवास्ते रावा द क अध न हा$ते गए। मेदि दरा क* औपुचौ रिराकते ओं क*

वा रा णसी औरा उसीक आसीपु सी क क्षेत्र) मे :विवाविभून्नी Bक रा क* विवास्ते0ते अन ष्ठ विनक पुरा पुरा ओं न नई ऊ[चौ इय) क$ छ आ। जहा [रुद्रवा सी मे :क वालु अवि क ड, नद औरा क ड) मे :जलु, औरा क छ विशवाप्रिंलुग, न गदवा ते , गणदवा ते य ब रा हा थ, वाहाY गd क लु
क ब द क* वा रा णसी मे :भूव्या स्थ पुत्य औरा मेर्णि तेकलु क* श्रर्खो0 लु न जगहा बन लु । इसी क लु क* भू राते य मेर्णि तेकलु औरा
क स् य Bवितेमे ए[मे नवा सीभ्यते क* उत्क0V उपुलुविzधय [थY।

वाष क Bत्यक दिदन क$ दिकसी न दिकसी विवाशष B थन   क विलुए विचौविह्नते दिकय गय । Bत्यक विवाशष

[illegible] क$ जन्मे दिदय , औरा मेदि दरा सीस् क0विते न एक शवितश लु सीमेहा क$ जन्मे दिदय , विजसीक [illegible] d हा$ गई, औरा उसीक स्थ न अनवाराते
उपुवा सी, पुवा, स्ना न,
[illegible] B थन - पुरा पुरा ओं न लु विलुय ।
ब द्धा स्ते पु औरा चौत्>य, भूव्या रूपु सी विनर्णिमेते Bभू वाश लु मेदि दरा) क विलुए रा स्ते छ$ड़न लुग, विजनमे

भूविा क* इसी
:अविधक श मे :बड़- बड़
[illegible] विजनक* पुक्की* सी दिढ़य [पु न तेक ज ते थY। क श मेहा त्म्य, क श र्खोड , मेहा भू राते, औरा ते थ
विवावाचौ नर्खोड एक
स्वारा मे :इन मेदि दरा), उनक* Bवितेमे ओं, औरा क ड) क जलु क* "चौमेत्क रा शवित" क* मेविहामे क गण ग न

कराते हा।&

यहा य द रार्खोन आवाश्यक हा >दिक इस्लु मे विवान श क* अविधक श कहा विनय [मेख् य रूपु सी ते थ क:द्र

वा रा णसी सी सीब वि धते हा,&
सी रान थ सी नहाY। वाषx मे :पुविवात्र वानस्थलु एक भू ड़भू ड़ वा लु औरा व्यास्ते शहारा बन गई थ । B रा विभूक
मेग लु क लु (अकबरा
क$ छ$ड़करा) औरा ब द क मेग लु श सीक) क सीमेय मे :रा जपुते औरा मेरा ठा) न प्रिंहाद धमे क* र्खो$ई हुई Bवितेष्ठ

क$ पुन } B d
करान क विलुए एकजट हा$करा वा रा णसी क$ पुन जPविवाते करान क Bय सी दिकय । उन्हा)न घा ट) क विनमे ण
दिकय , कई मेदि दरा
बन ए, औरा पुविवात्र क ड) क* मेराम्मेते क*। इनमे: सी, विवाश्वश्व रा मेदि दरा क पुन र्णिनमे ण क Bय सी) क*

विवाशष चौचौ क* ज न
चौ विद्धाए। पुरिराण मेस्वारूपु, क श नगरा य वा रा णसी नगरा भू राते क सीबसी आकष क शहारा) मे :सी एक बन
गई, औरा यहा
Bवितेष्ठ आज भू बराकरा रा हा।>

हा लु [दिक, इसी विवाक सी मे :एक गहारा त्र सीद विछपु थ । पुरा न आनद क नन, रुद्रवा सी, विजसी विशवा अत्यते

विBय मे नते थ, औरा
विजसीे मे नवा हास्तेक्षे पु सी बचौ करा रार्खो गय थ , वाहा शहारा कराण क* व्या वासी वियक लु लुसी क द ते[) मे
:विपुसीन लुग ।
पुय वा राण य आपुद न पुरा न आनद क नन क$ विनगलु विलुय । मे नवा य Bगविते एक र्खोतेरान क द नवा क* तेराहा

सी विबते हुई। जसी>- जसी> जग लु, झी लु:, पुहा विड़य [औरा नदिदय [ग यब हा$ते गईं,
वासी>- वासी> मेदि दरा) क$ सीन , चौ द[, राला, रा [illegible] जद ते[औरा विवाविभून्नी सीज वाट वास्तेओं सी लु द
दिदय गय । दश भूरा सी
चौन   हुई सीवा त्तामे कन्य ओं क$ एकत्र दिकय गय औरा दवा -दवा ते ओं क दिदव्या आनद क विलुए सीमेर्णिपुते

दिकय गय । यहा रा हाते
क* ब ते थ दिक प्रिंहाद अन ष्ठ न) मे :क वालु कन्य ओं क$ अर्णिपुते दिकय ज ते थ , न दिक ब लुक) क$, जसी> दिक
B चौ न औरिरएंट लु

ऐसी शहारा विवादश य वित्रय) औरा विवाद्वा न) जसी> अलु-विबरूनि फ़ोज़्बी, अर्तोनिकन,यरा औरा टवार्णिनयरा क* Bशसी क क:द्र बन गय।

IV

मेदि दरा न एक औरा उपु विक्षेते सीत्य क$ उज गरा दिकय। वादि>दक दवा ते ते$ लुd हा$ गए, लुदि कन वादि>दक लु$ग दिकसी तेराह राहा, क्य)दिक वा अविनवा य रूपु सी उसी दश जनसीख् य क सी थ घालु -विमेलु गए, विजसी उन्हा)न पुहालु क सीमेय मे :वितेरा दिदय थ औरा यज्ञा स्थलु) सी दरा रार्खो थ। (दर्खो : मेन स्मे0विते औरा य ज्ञावाल्क्य क विनयमे)।

इ द्र, वारुण, Bज पुविते, अयमे न, अवि , न सीत्य, यमे, अविश्वन जसी> वादि>दक दवा ते ओं क विलुए कभू मेदि दरा नहाY बन, लुदि क गणदवा ते , भूरा>वा, दवि वाय [औरा विशवाप्रिंलुग) क सी थ उनक पुश सी थ क विलुए कई मेदि दरा बन ए गए। जब यहा सीब हा$ वादि>दक दवा ते मे न$ इन बदलु वा) सी एक सीरा विक्षेते औरा सीतेक दरा बन ए रार्खोन क विनणय करा चौक थ।

इसी Bक रा क* दवा> य अवाध राण ओं मे :हुए इसी रूपु तेराण न विवाद्वा न) क$ मेहा य न औरा हाड़प्पु क उन दवा ते ओं क* य द दिदलु ई, विजन्हा :वादि>दक ब्रा ह्मणवा द क दिदन) मे :सीमे न रूपु सी नक रा दिदय गय थ।

ब्रा ह्मणवा द औरा ज विते व्यावास्थ , विजन्हा :कभू ब द्धा धमे न हाट य थ , ध रा -ध रा दिफोरा सी लु$कविBय मे न्यते औरा भू) क* श्रद्धा B d करान लुग। चौत्>य मेदि दरा) क* जगहा भूव्या प्रिंहाद मेदि दरा) न लु लु , औरा ते थक रा औरा ब$विधसीत्वा) क* जगहा प्रि अवाते रा) न ग्रीहाण करा विलुय। ब्रा ह्मणवा द श्रष्ठ ते क तेमे मे चौते रा द वा) क ब वाजद , आय पुरा पुरा क* एक पुतेलु पुराते हा बचौ राहा गई थ , ज$ अब तेज सी क्षे ण हा$ते हुए वादि>दक Bभू वा क$ ढं[कन क* क$विशश करा राहा थ।

तेत्र ग्रीथ) क विवास्ते0ते अध्ययन सी यहा स्पुV हा$ ज ते हा >दिक वातेमे न प्रिंहाद ब्रा ह्मणवा द अन ष्ठ न) क* पुरा पुरा पुरा तेत्र -मे दशन औरा विवाविधय) क बहुते बड़ Bभू वा हा।> वातेमे न प्रिंहाद अन ष्ठ विनक स्वारूपु वा स्तेवा मे :तेत्र , मेहा य न, वाज्रय न, औरा B चौ न B क-द्रविवाड़ औरा द्रविवाड़ जनज ते य पुरा पुरा ओं क विमेलु -जलु पुरिराण मे हा,> ज$ कभू दश ज पुज क मेलु स्वारूपु था। हावान क स्थ न पुज न न लु विलुय।

इसी सीद भू मे :सीते औरर्खोरिराय वार्खो> नसी क मेहात्वापु ण य$गद न य द आते हा,> विजनक औरर्खोरिरायसीत्र (ईसी पुवा क लु) पुरा पुरा क लुगभूग विवालुd हा$न क ब द क वाष्>णवा अन ष्ठ विनक पुज क विलुए आध रा बन।

V

इसीविलुए, हामे :यहा [B चौ न प्रिंहाद अवाश ष) क विनश न विमेलुन पुरा विबल्क लु आश्चंय नहाY हा$ते। सी रान थ मे :विस्थते विश विजसी सी रा गश्व रा क न मे सी ज न ज ते हा,> औरा उसीक मेदि दरा, विजसीक* वा स्ते कलु इसी क्षेत्र क सी मे न्य मेदि दरा) क* मे मेदि दरा क* य द दिदलु ते हा।> यहा इसी ब ते क स्पुV सीक ते हा >दिक यहा मेदि दरा

रूपु सी विभून्नी हा,> हामे :ते म्रविलुविd क वाग भू

वाज्रय$विगन मेहा य न पुरा पुरा सी जड़ हुआ थ।

लु$कविBय मे न्यते क अन सी रा, यहा सी रा गन थ प्रिंलुग औरा सी रा ष्ट्र क सी$मेन थ प्रिंलुग एक हा क लु क था। क श मेहा त्म्य मे :

एक प्रिंलुग, सी गरूमक उल्लु र्खो हा,> विजसी सीयरासीश्वरा गरूमक न मे सी ज न गय हा।>

सी रान थ पुरिरासीरा मे :मे जद यहा ट लु औरा मेदि दरा, ज$ आज भू सीदिक्रय हा,& अत्यते B चौ न Bते ते हा$ते हा। & वातेमे न मे :मेदि दरा क

सी मेन क ते लु ब कभू एक विवाश लु झी लु हुआ कराते थ (3000 x 1000 फो*ट) औरा इसी नरा$करा (न -क्र$ध य अक्र$ध)

य सी रा गते लु कहा ज ते थ। इसीक पु सी एक छ$ट झी लु थ , ज$ अब बद हा$ चौक * हा,> विजसी नय ते लु कहा ज ते थ , विजसीक अथ हा >'ब द क* झी लु'। इसी क्षेत्र क एक ग वा[वारा हा क न मे सी ज न ज ते थ , औरा एक पुड़$सी ग वा[अब भू गरा नपुरा य गरु पुरा क न मे सी ज न ज ते हा,> ज$ उसी सीमेय क ते वित्रक गरु ओं क Bभू वा क$ दश ते हा।> सी रान थ क र्खोड हारा क न दिकतेन हा ब रा सी रान थ क हारा -भूरा क्षेत्र मे :घामे ते लुड़क क$ दिकतेन

हुए एक सुखद अनुभूव इवितेहा सी क* धड़कन क* तेरहा Bते ते हा$ते हा,> विपद्धा विभूक्षे एक सीस् क0ते बड़बड़ न वा लु अज ब

1922-23 सी* अमुनवेनिगे(श्वेत)$पुह्रा(क* मेश्र लुप्विक्रयो(ब) सी ले) मे, लुब र्खोदि$पुहारा: क मे रादवा क* राहास्यमेय नन) क

मेठा) औरा विभूक्षे ओं

क विनवा सी) क* भूवि मेगते सीरा ग) क* र्खो$ज मे :ब ते ज ते थY। पु पुलु, रा ठा , न मे, औरा इमेलु क पुड़ ते लु ब क दिकन रा क*

श वि ते बन ए रार्खोते, जबदिक मे$रा) क* अचौ नक तेज पुक रा सी पु) क* उपुविस्थविते क* चौते वान दते थ। अब

वाहा पुरा दवि नय जसी> रा$मे रि टक दश्0य, मेहा नते ग वा[क* लुड़दिकय [औरा उनक सी थ , सीब क छ एक

अमे रा शहारा कराण क

न चौ ढं[क दिदय गय हा,> ज$ क वालु क्षेविणक पुयट क) औरा विवाद्वा न) क विलुए एक सीज वाट स्वा गते Bस्तेते कराते हा।>

क लु विमेलु करा, सी रान थ, ज$ कभू वा रा णसी क विनकट एक मेहात्वापु ण क:द्र थ , क लुचौरा -हाहा>य सीघा षx

क ब द ध रा -ध रा

वा रा न हा$ गय । यहा क्षेत्र इवितेहा सी सी पुरा तेराहा विमेट गय , जब तेक दिक 1815 मे :कन लु मेक>:ज न इसी द$ब रा र्खो$ज नहाY।

लुगभूग 1500 वाषx तेक विवान श क* ते कते:यहा बरा $कट$क अपुन र्खोलु र्खोलु ते राहाY। 1815 क ब द हा यहा

र्खोड हारा Bक श मे :आए, जब मेक>:ज न दर्खो दिक अमेल् य स्थ पुत्य सी मेग्री औरा सीज वाट पुत्थरा) क$

अमे रा औरा गरा ब द$न) हा विबन दिकसी रा$क-ट$क क अपुन विनमे ण क यx क विलुए उठा राहा थ। उन्हा)न इसी लुट क$ रा$कन

क सीक ल्पु विलुय । उन्हा)न पु य दिक जगते प्रिंसीहा, ज$ क श क रा ज चौते प्रिंसीहा क सीविचौवा थ, स्वाय

व्याविtगते उपुय$ग क विलुए

अपुन अले ते क* पुराछ इय [झीलुकते थY। बु कुचौ य ते$ ज विन्हे र्खो नधो। बेसमेल, य सी मेग्री औरा राही थी इसीक ब द, जते>पुरा , बिसीसरा$लु औरा अलुईपुरा क मेवि स्लुमे विनवा सी भू बसीकरा रिराक ड औरा

1850 के: मेज रा दिकटू$ नेइक्म मेसी क) ने वितेहा विशेषक क* न्ही लु ब लु ज क हा b वैशिक र्खोस्रा फौन्हे क* विनमेगुण औरी विलुए सी रान थ

मेर्णि तेय [औरा अन्य सीज वाट वास्तेए [लुY। उन्हा)न एक पुरा अश$क स्ते भू उठा करा कbलु ज क र्खोलु मेद> न क दिकन रा लुग कलु त्मक उत्क0Vते क विलुए

उन्हा)न एक सीग्री हा लुय भू बनवा य , जहा [उन्हा)न बचौ हुए ट कड़) क$ सीरा विक्षेते दिकय । (क्मे सी क्मे उसी व्याविt मे :मेल् य क* सीरा हा गय हा।> दभू ग्यवाश, इन द$न) स्थलु) क$ पुरा तेराहा नV करा दिदय गय , क्य)दिक क$ई क्रिनघामे, सीविवास्त$रा ;भूलु हा सीवा द नश लुते क* नहाY।)

सीरनाथ वास्तुकलेर नी अपुन विनर्माण $र्खोज नहाY हुए। इन पुविवात्र स्थलु) पुरा हुए इन विवाध्वासी) क विलुए क वालु

ब हारा आक्रमेणक रा य अविवाश्व सी हा विजम्मेद रा नहाY थ। इन

B चौ न ध र्णिमेक अवाश ष) पुरा प्रिंहासी करान वा लु कई ब रा स्वाय प्रिंहाद य धमे तेरिराते प्रिंहाद थ। कई मे मेलु) मे :र्खोड हारा) मे :उनक

वा रा णसीपुन र्खो ज

जब एक ओरा सी रान थ अपुन ऐवितेहा विसीक मेविहामे क क राण खोंं$जकते ओं, गहा0-विनमे ते ओं औरा कलु -चौ$रा) क$ आकर्णिषते कराते राहा , ते$ दसी रा ओरा सीरालु ग्री मे ण, ज$ इन अवाश ष) क मेल् य सी अनज न थ, लुदि कन Bश सीविनक शवित्य) क$ दरा रार्खोन चौ हाते थ, उन्हा)न वाहा [क* ज़मे न क ब रा मे :अज ब$गरा ब कहा विनय [गढ़ लुY — दिक वाहा [भूते , Bते , आत्मे ए[औरा
कब्रा) पुरा नत्0य करान वा लु रा क्षेसी राहाते हा।&

वा कहाते थ दिक वाहा [क* ज़मे न सी ईंट: खोंद उगते हा।& विजतेन ईंट: उठा ओ, उतेन औरा विनकलु आते हा।&

इसी चौते रा ई न 700
बाषx तेक श$धकते ओं क$ दरा रार्खो । विवाश लु खोंड हारा) क ब चौ क वालु एक स्ते पु, एक मेदि दरा, एक बड़ ते लु ब औरा क छ छ$ट
ते लु ब, जहा [प्रिंसीघा ड़ उगते थ, बचौ राहा।

सी रान थ सी लुक रा मे क डय क्षेत्र तेक पुरा इलु क़े मे :हारा जगहा ट लु , ट ट हुई द वा रा:, औरा अधर्खोलु स्थ न

विबर्खोरा हुए थ, ज$
सीदिदय) सी अमे रा औरा गरा ब ग्री मे ण) क विलुए विनमे ण सी मेग्री क असी विमेते स्रो$ते बन हुए थ।

VI

पुरा न क श सीमे d हा$ चौक * थ । सी रान थ, ज$ वातेमे न वा रा णसी सी क वालु 16 मे लु क* दरा पुरा विस्थते हा,> अब वातेमे न शहारा क दविक्षेण मे :हा।> पुरा न शहारा औरा उसीक उपुनगरा उत्तारा-पुवा क* ओरा फो>लु हुए थ; चौ खोंड , भू तेरा , क>थ , मे क डय , सी$दपु रा , सीभू वाते} वातेमे न ग ज पुरा तेक।

जब ह्वान त्सी ग वा रा णसी आए, ते$ उन्हा)न सी रान थ औरा विवाश्वन थ मेदि दरा द$न) क द रा दिकय ।

उन्हा)न कई मेदि दरा दर्खो ।
इसीसी पुते चौलुते हा >दिक द$न) शहारा) क ब चौ क* भू ग$विलुक औरा सी स् क0वितेक विवाभू जन ध रा -ध रा धीध लु हा$ राहा थ ।
उनक सीमेय मे :वा रा णसी क ब ज रा) मे :सी$न , चौ द , रा शमे, हा थ द ते औरा हास्तेविशल्पु जसी> क*मेते

सी मे न) क* भूरामे रा
थ । ब द मे : अलु-बरून (1030 ईस्वा) आए, लुदि कन उनक अविभूलुर्खो वा रा णसी क* शवि>क्षेक औरा आध्य वित्मेक सीपु द पुरा
अविधक ज$रा दते हा।& गग औरा वारुण क सीग मे सी लुक रा गग औरा ग$मेते क सीग मे तेक, यहा पुरा क्षेत्र

क श -क$सीलु रा ज्य क विहास्सी थ , जसी>
रा भू हा$ सीकते हा।> विवाश्वन थ हामेश प्रिंलुग रूप मे :पुज ज ते
दिक मेहा क व्या) मे :वार्णिणते हा।> जन> औरा ज तेक ग्रीथ) क अन सी रा, यहा शहारा लुगभग 900 वा ग मे लु (लुगभग आधुविनक विदिलु
राहा हा,& लुदि कन ज$ मणि ते ह्वान त्सी ग न दर्खो , वाहा ठा$सी ते ब (क स् य) क* बन हुई थ औरा 100 फो*ट ऊ चौ थ । यहा
क क्षेत्र मेलु क ब्सी बरा) मे फो>लु हुआ थ । यहा विवाश लु क्षेत्र वातेमे न वा रा णसी मे :सीमे पुन असीभू वा लुगते
वारुण नद क* पुसी विस्थते दिकसी मेदि दरा क मणि ते हा$ सीकते हा,> क्य)दिक वाहा वा रा णसी क उत्तारा सी Bवाश करा राहा

हा,> जब तेक विक
एक Bम्वी मे औरा विवास्ते0ते शहारा क पुतेन क ब द, यहा स्वा भू विवाक थ दिक विनकटवातेP आनद क नन ध रा -ध रा लु$ग) सी भू सुना भू तेरा औरा सी$दपु रा तेक चलुY गए>लु हा$,
लुग। शरीण थP पुहा।विड़य) क इधरा-उधरा बसीन लुग। पुड़) क$ क ट दिदय गय , औरा उत्तारा-दविक्षेण क* गविलुय जसी> दिक विश्वना थ गा लु
विबसीसी रा ग ज सी आविसी-लुक थ क लुभू>रावा, चौ र्खोभू , कचौ ड़ गलु, बग लु ट$लु , पु ते बरापुरा , औरा विशवा लु सी पु क
फो>लुन लुगY।

शहारा द$ भू ग) मे :बट गय । एक क श , ज$ रा जघा ट क दिकलु क आसीपु सी विवाकविसीते हुई, जहा B चौ न गहाड़वा लु वाश क रा ज राहाते थ। पुरा न दिकलु आज भू खोंड़ हा,> जसी> एक मेक ग यक, ज$ ब ते हुए वाभू>वा औरा विगरा हुई B चौ रा) क*

वाहामे न रा लुवा कुलुली थ'रा जघा ट' न मे आज भू उसी श हा विनवा सी क* विनकटते क* य द दिदलु ते हा,> ज$ वारुण नद औरा

दरा उत्तारा मे :एक ब हारा शहारा विवाकविसीते हुआ — ग ज पुरा , विजसी भू तेरा , क>थ औरा सी$दपु रा न पुर्खो दिदए। पुरा न जसी> दिक पुरा ण) औरा ब द्धा क लु क ग्रीथ) मे :वार्णिणते हा,> सीभू वाते} इसी क्षेत्र क ब चौ मे :विस्थते राहा हा$ग । जनसीख् य औरा मेहात्वा क क राण, ग ज पुरा औरा सी$दपु रा क विवास्ते रा नद क पु रा हुआ, विजसीसी एक औरा नय शहारा — बक्सीरा — विवाकविसीते हुआ। इन द$न) इस्लु विमेक न मे) क* उपुविस्थविते B चौ न क श -क$सीलु क मेहात्वा क$ दश ते हा।>

इसी Bक रा, क श औरा सी रान थ ध रा -ध रा वा रा णसी क सी थ विवालु न हा$ गए। पुरा न शहारा औरा मेठा एक धध लु स्मे0वि बनकरा राहा गए। उसी तेराहा आनद क नन क वान च्छ दिदते आश्रमे भू य द) मे :र्खो$ गय ।

य द :र्खोड हारा) सी Bमे कराते हा।& इन खोंड हारा) क* र्खो$ज पुहालु ब रा 1815 मे :कन लु मेक>:ज न क* थ , लुदि कन वाहा Bहा स्थलु क सीक ते दते थ , मेहा न धमे क स्ते पु थ , विजसी सीम्र ट अश$क (269-232 ईसी पुवा) क* उद राते सी खोंड़

इसी सीमेद्धा0

दिकय गय थ । इसी सीमेय-सीमेय पुरा रा ज ओं क द न सी सीरा विक्षेते औरा सीमेद्धा0 दिकय गय थ । इनमे:

अवि तेमे औरा राहास्यमेय य$गद न गहाड़वा लु वाश क रा ज ग$प्रिंवाद चौद्र क* पुत्र विलुच्छवा क मे रादवा क

थ । हामे :उनक*

य द उनक मेठा, उसी गd सीरा ग क विलुए आते हा,> ज$ मेठा तेक ज ते थ , औरा उनक रा वित्रक लु न वारा हा क* उपु सीन क

विलुए, विजसीक* Bवितेमे आज भू सी रान थ सीग्री हा लुय क* श$भू बढ़ ते हा।>

4.मेविण-न विमेते वा रा णसी
I

अब सीमेय आ गय हा >दिक वा रा णसी सी जड़ न मे) क* श्रर्खो0 लु क$ उसीक* वा स्तेविवाक सी स् क0वितेक दवि0V मे :दर्खो ज ए लु सी जड़ हुए हा,&

कथ ओं मे :उविल्लुविर्खोते क श क कई क व्या त्मेक न मे) क अलु वा , क छ न मे ऐसी हा &ज$ उसी पुहा ड़ श्रर्खो0 ज$ नद क* अध चौद्र क रा मे$ड़ क$ घारा ते हा >औरा विजसीक ऊपुरा आज क* वा रा णसी क भूव्या दश्0य आलु$दिकते हा$ते हा।> य न मे हा &— मेहा श्मेश न, रुद्रवा सी, आनद क नन, ग रा पु ठा, अविवामे t, वा रा णसी औरा क श ।

इनमे: सी पुहालु पु चौ न मे आज भू Bचौविलुते हा,& विजसीक श्रय वा रा णसी क पु रा पुरिराक पुज रा सीमेद य क$ ज ते हा,> ज ध र्णिमेक अन ष्ठ न) क द रा न इन न मे) क ज पु कराते हा &ते दिक श्रद्धा लु ते थय वित्रय) क$ आध्य वित्मेक लु भू विमेलु सीक । इसी तेकन क क मे ध्यमे सी, उन्हा)न शहारा क सी स् क0वितेक क्रमे क* एक मेहात्वापु ण कड़ क$ ज विवाते रार्खो हा।> इन न मे) मे :B चौ शहारा क* सी स् क0वितेक रूपु तेराण क* पुरा कथ विनविहाते हा।>

मेहा श्मेश न

B चौ न क लु मे,: जब य पुहा विड़य आदिदमे विनवा विसीय) द्वा रा बसी हुई थY, उनक अध -घामे ते ज वान क क राण इसी क्षेत्र क$ मेहा श्मेश न कहा गय , य न एक विवाश लु द हा सीस् क रा क्षेत्र । वातेमे न हारिराश्चं द्र घा ट सी लुक रा आदिद क शवा घा ट तेक, सीपु नद तेट एक विवाश लु श्मेश न क रूपु मे :Bयt हा$ते थ ।

आज क मेविणकर्णिणक घा ट, ज$ द हा सीस् क रा क विलुए Bविसीद्धा हा,> वा स्तेवा मे :अपुक्षे क0ते आधवि नक स्थलु हा।> एक रा ज अविधक रा औरा एक अत् यवि V कमेP क ब चौ हुए विवावा द क क राण, एक B चौ न औरा पुविवात्र स्ना न स्थलु क$ श्मेश न भूवि मे मे पुरिरावार्णितेते करा दिदय गय ।

'मेहा श्मेश न' मे :'मेहा ' शzद क वालु आध्य वित्मेक उच्चीते क Bते क नहाY थ , बविल्क इसीक अथ थ विवाश लु क्षेत्र , जहा लु$ग अपुन विBयजन) क द हा सीस् क रा कराते थ, य जहा सी धक आत्मे क* मेवि t क विलुए तेपुस्य कराते थ।
इसी क्षेत्र मे :गहा0स्थ) क$ बसीन क* अन मेविते नहाY थ , क्य)दिक यहा क्षेत्र विवाशष रूपु सी सीन् य विसीय) औरा सी धक) क विलुए आराविक्षेते थ । यहा क राण हा >दिक B चौ न क लु मे :वा रा णसी क शहारा भू ग वारुण नद क द$न) दिकन रा) पुरा बसी हुआ थ , औरा शहारा भू तेरा औरा सी$दपु रा तेक फो>लु हुआ थ । सी रान थ भू क श क विनकट विस्थते थ ।

रुद्रवा सी

ग तेमे बद्धा क उपुदश) क एक बड़ भू ग विनराग्री थ औरा दिदगब रा सी ध ओं क विवारुद्धा थ । य सी ध , ज$ अक्सीरा न य भूस्मे- विलुd हा$ते थ, अपुन सी धन क विलुए इन पुहा विड़य) क$ उपुयt मे नते थ।

सीमेय क सी थ, रुद्र क अन य य , जसी> गण , दिकरा ते, विपुश चौ, न ग, रा क्षेसी औरा विसीद्धा, इन पुहा विड़य) क$ अपुन आश्रय स्थलु बन न लुग। वा सीभू गरा>-वादि>दक सीमेद य) सी सीब वि धते थ। इन सीमेद य) क* उपुविस्थविते क क राण इसी स्थ न क$ 'रुद्रवा सी' कहा
ज न लुग , विजसीक अथ हा >'रुद्र क विनवा सी'।

आनद क नन पुरा ण) मे :वाणन हा >दिक इसी क्षेत्र क$ विवाशष रूपु सी मे ते पु वाते   क$ Bसीन्नी करान क विलुए

चौन   गय थ । उन्हा)न इसी स्थलु क$
इसीविलुए पुसीद दिकय क्य)दिक यहा वान) सी आच्छ दिदते, श ते औरा दवा ते ओं क* भूव्याते सी दरा एक विनज आनद स्थलु थ ।
इसी कथ सी यहा स्पुV हा$ते हा >दिक यहा क्षेत्र आयx क Bभू वा सी अछ ते थ , औरा यहा   सीद एक ते औरा

श वि ते क वा ते वाराण
बन राहाते थ । इसी क राण इसी क्षेत्र क$ 'आनद क नन' कहा गय — आनद क उपुवान।
ग रा पु ठा

जब विशवा न अपुन गण क सी थ इसी क्षेत्र क$ अपुन विनवा सी बन य , औरा मे ते ग रा न इसी स्थ य रूपु सी

अपुन न क
वित्तणय विलुय , ते$ यहा स्थ न 'ग रा पु ठा' कहालु य ।
ज ते थ । यहा क्षेत्र ध रा -ध रा तेत्र सी धन क एक Bमेखु केन्द्र बन गय ।
इसी न मे न इसी क्षेत्र क$ एक मेहात्वापु ण ते वित्रक पु ठा क रूपु मे :Bवितेविष्ठते दिकय , जहा   विशवा औरा शवित क* अविवामे t

सीय t सी धन क*
सीदिदय) क आध्य वित्मेक अन भूवा) सी यहा विवाश्व सी Bबलु हुआ दिक वा रा णसी विशवा औरा शवित क* अविवाविच्छन्नी उपुविस्थवि
हा।> इसी विवाश्व सी क क राण इसी 'अविवामे t' कहा गय , य न ऐसी स्थ न जहा   दिदव्या यग लु कभू अलुग नहाY हा$ते ।
वा रा णसी

'वा रा णसी ' न मे क* व्यात् पुवित्ता क$ लुक रा कई मेते हा।& सीबसी Bविसीद्धा व्या ख्य यहा हा >दिक यहा न मे वारुण औरा अविसी न
न मे) सी बन हा।> हा लु दिक, क छ विवाद्वा न) क मे नन हा >दिक यहा न मे 'वारुण क सीम्मेखों विस्थते' शहारा सी आय हा।>
क श

'क श ' न मे मेलु रूपु सी एक जनपुद क न मे थ , न दिक दिकसी एक शहारा क । ज तेक कथ ओं मे :इसी नगरा क$ हामेश
'वा रा णसी ' कहा गय हा,> न दिक क श ।
इसी Bक रा, क लु क थपुड़) औरा सी स् क0वितेक पुरिरावाते न) क ब वाजद , वा रा णसी न अपुन B चौ न न मे) क मे ध्यमे सी अपुन
आध्य वित्मेक विवारा सीते क$ आज तेक ज विवाते राखों हा।> हारा न मे, हारा कथ , इसी अमेरा शहारा क* अविद्वाते यते क* गवा हा द

II

ऐसी कथ ओं क* लु$कविBयते औरा वाहा राहान वा लु अन ठा आध्य वित्मेक सी धक) क क राण, इसी क्षेत्र क$ 'रुद्र लु$ग) क घारा' कहा ज न लुग , ज$ एक B चौ न आयपु वा जनज विते थ। उमे -मेहाश्व रा पुथ क सी थ विमेलुकरा, इन द$ ध रा ओं न उन लु$ग) क* आध्य वित्मेक आक क्षे ओं क$ पुरा दिकय।

वादि>दक लु$ग अभू तेक इसी राहास्यमेय , सीद रा, औरा नद दिकन रा फो>लु हुए जग लु क ब रा मे :पुरा तेराहा अनज न थ, ज$ आमेते रा पुरा अवि तेमे सीस् क रा) क विलुए उपुय$ग दिकय ज ते थ। सीमेय-सीमेय पुरा, विवाविभून्नी आय रा जक मे रा) क नते 0त्वा वादि>दक) न रुद्रवा सी सी रुदिद्रय ओं औरा ग न (भू रा) विशवा) क$ हाट न औरा इसी आकष क स्थ न पुरा कzज करान क Bय सी दिकय।
अब तेक, वा सीमेझी चौक थ दिक विवाष्ण , सीय , Bचौते , यमे औरा अवि जसी> दवा ते ओं क स्थ य मेदि दरा बन न , औरा वा ज अश्वमेध , अवि V$मे, सी त्रमेविण जसी> बड़ यज्ञा आय$विजते करान , अविधक स्थ वियत्वा औरा उद्दी श्यपु णते लु एग। दश श्वमेध घ इसी सी$चौ क एक स्मे राक हा।>

पुरा ण औरा विमेथक*य सीद भू इन सीघा षx क* गज सी भूरा पुड़ हा,& ज$ गहाड़वा लु) (1090) क सीमेय तेक अनवाराते ज रा रा B चौ न ध र्णिमेक सीघा षx क अते मे,: एक अध -रा जन वितेक सीमेझी ते क मे ध्यमे सी सीहा-अविस्तेत्वा स्थ विपुते हुआ, विजसीन वा क$ स्थ न य गण) क$ वा रा णसी मे :श वि ते बन ए रार्खोन क विलुए अवि तेमे B विधक रा क रूपु मे :स्वा क रा करान क विलुए मेजब दिकय।

यक्षा थक हुए वादि>दक) न मेहासीसी दिकय दिक इसी भूवि मे क लु भू) क$ सी झी करान क एकमे त्र तेरा क स्थ न य लु$ग) क अविधक रा) क$ मे न्यते दन औरा उनक सीम्मे न करान थ। इसी सीहा-अविस्तेत्वा क लु भू) क$ सी झी करान क विलुए, द$ स्थ य 'राक्षेक' विनयt दिकए गए। इन द$ गरा>-आय यक्षे-राक्षेक) क नते 0त्वा स्वाय यक्षे) क स्वा मे क बरा न दिकय , विजन्हा :गणश य विवान यक क रूपु मे :ज न ज न लुग , अथ ते एक विनयt 'मे गद शक ' ज$ स्थ न य श वि ते क Bभू रा थ (मेत्स्य पुरा ण)।
पुरा पुहा ड़ स्थलु औरा सी मे ए गण-दवा ते ओं क मेदि दरा) सी विघारा हुई थY। इसी श वि ते क एकमे त्र ग रा टरा क रूपु मे,: यक्षे- क बरा , गणपुविते क रूपु मे,: गण) क स्वा मे , न इसी क्षेत्र क* सीरा क्षे क* विजम्मेद रा सीभू लु (शतेपुथ ब्रा ह्मण; मेत्स्य पुरा ण)। उनक सी थ, द$ औरा Bक रा क राक्षेक मे न गए: एक भूरा>वा, औरा दसी रा 'ब रा'। ब रा क अपुन लुट-आक रा क Bते क विचौन्हा हा$ थ, ज$ मे$ट , छ$ट र्खोभू क रूपु मे :हा$ते थ, विजन्हा :प्रिंसीदरा (पु रा ऑक्सी इड) सी ढंक ज ते थ , औरा रा शमे कपुड़ औरा फो मे लु सी सीज य ज ते थ।

आज भू वा रा णसी क अद रा औरा ब हारा दिकलु बद मे :फो>लु इन भूरा>वा), ब रा) औरा गणपुवितेय) क कई मेदि दरा चौपु चौ पु सीतेते सीघा षx क* गवा हा दते हा,& ज$ इसी भूवि मे पुरा अवि तेमे कzज क विलुए द$ ऐवितेहा विसीक नस्लु) क ब चौ लुड़ गए थ। इवितेहा सी औरा पुरा ण द$न) हा इन सीघा षx क* कहा न बते ते हा।& इन लुड़ इय) क विनश न सीभू वाते} चौ रा सी अविधक पु दि तेक चौलु यद्धा) क$ दश ते हा &— हाहा>य, पुरामे रा, विवाटहाव्या, हायश्व , दिदवा$द सी, औरा आलुक। इन यद्धा) क$ क वालु पुरा रूपु मे :र्खो रिराज नहाY दिकय ज सीकते , क्य)दिक ऐवितेहा विसीक Bमे ण पुरा तेराहा सी अन पुविस्थते नहाY हा।&

इसी तेराहा क यद्धा यक्षे हारिराक सी औरा पुण भू द्र क ब चौ भू हुए थ। मेद्दी विशवा थ, विजनक* भूवित हारिराक सी कराते थ। उनक सी थ उनक* शवा> पुरा पुरा सी न रा ज थ, औरा इसी तेराहा यक्षे औरा शवा>) क ब चौ यद्धा विछड़ गय। यहा यद्धा वाषx तेक चौलु, जब तेक

दिक स्वाय विशवा क लु$ग) (भू रा -विशवा) न हास्तेक्षे पु नहाY दिकय। हारिराक सी क$ क श क मेख् य राक्षेक बन य इन द्र$म) क B भू वाश लु Bविते मे ए दर्शासीकते हा।&

द$ सी थ उद्धमे औरा सीभ्र मे विशवा मेदि दरा क द्वा रापु लु बन (मेत्स्य पुरा ण)। आज भू, वा रा णसी क क द रान थ रा क्षेसी क्षे औरा हाहा>य) क ब चौ क* लुड़ इय (भूद्रसीन् य य आलुक, क श खोंड) रा क्षेसी सीस् क0विते क अते मेदि दरा क भू तेरा

क सी थ सीमे d हुईं,

औरा दिदवा$द सी क पु$ते आलुक न क श क$ रा क्षेसी Bभू वा सी मेt करा य। (रा क्षेसी एक शवितश लु ज विते थ, न दिक

ब्रा ह्मण य पुरा ण) मे :वार्णिणते 'आदमेर्खो$रा'। यक्षे औरा रा क्षेसी एक दसी रा क विनकट सीब ध थ।)

इसी यक्षे-रा क्षे सीस् क0विते सी विशवा सीस् क0विते मे :यहा पुरिरावाते न, रुद्रवा सी क$ आनद क नन मे :बदलुन क*

Bदिक्रय थ। हामे :इसी विसीफो विमेथक मे नकरा र्खो रिराज नहाY करान चौ विहाए। इवितेहा सी इन पुरा ण य

कथ ओं क* पुवि V कराते हा।> पुरा ण अपुन

सीमेय क अन रूस् क व्या त्मेक शलु> मे :ऐवितेहा विसीक घाटन ओं क$ Bस्तेते कराते हा।& लुदि कन क्य)दिक य घाटन ए अलुक रिराक

भू ष मे :व्याt क* गई हा,& हामे उन्हा :पुरा तेराहा नक रा नहाY सीकते। हामे :अन ज क सी थ भूसी क$ उड़ दन क*

बज य, इवितेहा सी

क सीचौ क$ र्खो$जन क Bय सी करान चौ विहाए।

गd क लु क अते तेक, वा रा णसी विवाविभून्नी ध र्णिमेक सीघा षx मे :उलुझी राहा। जन> औरा ब द्धा धमे क सी थ-

सी थ, B चौ न ते वित्रक

सीमेह य (ब द मे :ब द्धा हा नय न-यक्षे अन छ न) क अन य य) द$ विवाविशV सीB द य) मे :बट गए — शवा> औरा शt। विस्कविथयन,

ग्री क औरा फो रासी Bभू वा) सी आई नई ध र्णिमेक ध राण ओं न वा रा णसी क ते वित्रक सीमे ज मे :विनते नई

उपु सीन ओं क$ जन्मे

दिदय। य सीभू वा रा णसी मे :एक स्थ न क विलुए सीघा ष राते थ, ज$ प्रिंहाद धमे क सीबसी मेहात्वापु ण क:द्र बन चौक थ।

इसी Bक रा, पुरा ण य कथ ओं मे :वार्णिणते य सीघा ष मेहाज कविवाय) क* कल्पुन नहाY थ, बविल्क इवितेहा सी क*

वा स्तेविवाकते क$

पुकड़न क एक क व्या त्मेक Bय सी थ।

III

छठा सी तेरा हावाY शते zद क ब चौ वा रा णसी पुरा एक ब्रा ह्मणवा द वाश, गहाड़वा लु) क श सीन थ। उनक सीरा क्षेण मे :

सीमेय मे :सीवा ह्नीते विनर्णिवावा द हा$ गई।

वा रा णसी एक ब्रा ह्मणवा द गढ़ बन गई। इसी क लु मे :वा रा णसी क* अविधक श पुरा ते विल्वाक र्खो$ज : इसी क लु क विलुए एक सीबसी विवाश्वसीन य स्रो$ते एक विशलु लु र्खो हा,> विजसी एक य त्र 'पुथ' न छ$ड़ थ। इसी विशलु लु र्खो मे मेर्णि तेकलु औरा

भूवा न, ये चौड़ क* मेर्णि ते क* स्थ पुन क वाणन हा।> इसी दवा क उनक वाणन स्पुV रूपु सी उनक शवित क* वा रा-सी धन क* वा स्ते कलु क अवाश ष उभूराकरा सी मेन आए। इसी सीमेय तेक सीमेस्ते प्रिंहाद भू राते न वा रा णसी क$ प्रिंहाद धमे क सीवा ह्नी क:द्र क

वा रा णसीपुन र्खो ज

रूपु मे :मे न्यते द। विवाद्वा न औरा छ त्र वा रा णसी मे :एकत्र हा$ते थ। पुरा ण) क* राचौन हा$ राहा थ, औरा

मेहा न मे मे सी आचौ यx द्वा रा ध र्णिमेक अन छ न) पुरा ग्रीथ विलुर्खो ज राहा थ।

गहाड़वा लु) क श सीन क एक सीद ब द, चौ न य त्र विवाद्वा न फो विहाय न औरा ह्वान त्सी ग न वा रा णसी क

ओरा ज्ञीक वा क$ दश ते हा।> यहा विशलु लु र्खो वा रा णसी मे :B चौ न ते वित्रक पुरा पुरा क उदय क सीबसी ठा$सी Bमे ण हा।> आठावाY शते zद तेक ते वित्रक पुरा पुरा ए वा रा णसी मे :पुरा तेराहा स्थ विपुते हा$ चौक * थY। यहा इसी ब ते क पुक्की सीक ते हा >दिक वाज्रय न न मेहा स्मेश न, ग रा पु ठा क विनवा विसीय) पुरा गहारा Bभू वा छ$ड़ थ । 'पुथ ' चौ हा ज$ भू राहा हा), वा चौड , चौ मेड क उपु सीक थ, ज$ तेत्र पुरा पुरा क* विवाविशV दवा थY, विजन्हा :श्मेश न, बविलु क राt औरा मे नवा अवाश ष विBय थ।

ग्य राहावाY शते zद मे :गहाड़वा लु वाश क श सीन स्थ विपुते हुआ। सी वाषx सी अविधक सीमेय तेक, उनक श सीन

मे :वा रा णसी न

मेहा न ऊ चौ इय) क$ छ आ। शहारा मेदि दरा), ते थय वित्रय), ब ज रा), य वित्रय), छ त्र), विवाद्वा न), औरा विनपुण सीदि रिरीय) सी भूरा

हुआ थ ।

हामे पुथ विशलु लु र्खो सी उद्भुध0ते कराते हा:& "उसी सीमेय क* वा रा णसी धमे , अथ औरा क मे क ते न) लु$क) क

सीमे हा रा थ ।"

दसी रा शzद) मे : यहा विशलु लु र्खो पुवि V कराते हा >दिक वा रा णसी न क वालु ध र्णिमेक रूपु सी मेहा न थ , बविल्क एक व्या पु रिरीक औरा

वा विणविज्यक क:द्र क रूपु मे :भू सीपु न्नी थ । 'अच्छ सीमेय विबते न ' क विलुए भू यहा शहारा अविद्वाते य थ ।

"श्रद्धा लु यहा [ज न औरा

मेराब आते थ; विशवा कभू अपुन विBय स्थलु क$ नहाY छ$ड़ते थ. .. सीड़क: चौ ड़ औरा भू ड़-भू ड़ वा लु थY... ऊ चौ मेदि दरा) क

विशर्खोरा औरा सीद रा मेविहालु ए सीमे न रूपु सी शहारा क* श$भू बढ़ ते थ। वा रा णसी क ते थ इतेन Bभू वा थ

दिक वाहा सीभू

पु पु) क$ नV करा सीकते थ , यहा तेक दिक ब्राह्महात्य जसी> मेहा पु पु क$ भू ।"

ब द्धा धमे औरा जन> धमे दश्0य सी लुd हा$ चौक थ, लुदि कन तेत्र ज विवाते राहा , जसी> दिक आज भू

ज विवाते हा।> वा रा णसी औरा सीपु ण सिंहाद सीसी रा क ब रा मे :हामे :गहाड़वा लु रा ज मु$र्विकादचौद क अविधक श मेदि दरा) क अवाश ष अब र्खो$ज पु न करिठामे हा,> क्य)दिक इस्लु मे आक्रमेण) क ब द अग्री ज) क

'शहारा बसी न ' क उत्सी हा न इन B चौ न स्थलु) क$ विमेट दिदय । दिफोरा भू , ज$ मेदि दरा आज भू बचौ हा,& वा दराब रा क Bध न पुवि डते लुक्ष्मे धरा क* एक

यहा सीक ते दते हा &दिक य मेदि दरा B चौ न बस्ते क* सी मे ओं क सी थ व्यावाविस्थते रूपु सी फो>लु हुए थ। विवाश्वक$श य रा चौन, सी ज नक रा विमेलुते हा।> उनक* पुस तेक क0त्य कल्पुतेरु मे :सीभू सीभू विवाते प्रिहाद आज क गहारा सी क:द्र मे :मे जद क छ मेदि दरा, जसी> दवा रिरीय -ब रा य र्खो$जवा , हामे :यहा नहाY भूलु न दन

चौ विहाए। विमेहालु ए,& औरा सीयलु पुत्री दहा र्खोड़ मे कविल्कर्खो क ई पुत्रा । लुदि क न उनक ज भू जन-ब सी,हलु रिाय -बी श

जसी> बविस्तेयु इसीक* गवा हा दते हा।&

'ते थ विवावाचौ नर्खोड ' (1150)

यहा भू सी विबते कराते हा >दिक B चौ न वा रा णसी क* मेब्र य बस्ते ओंक रार्खोड सी आप वहाY फो>लु थ । क* भू उल्लु र्खो आवाश्यक हा,> विजसीमे :वा रा णसी क 550 स्थ विपुते प्रिहाद ते थx क वाणन हा।>

IV

ओंक रार्खोड सी लुक रा

विवाश्वन थर्खो ड तेक क विवास्ते रा ध रा -ध रा हुआ लुगते हा।>

ओंक रार्खोड क* सी मे क सी थ आज भू कई गणश मेदि दरा विमेलुते हा,& ज$ अभू भू 'ज विवाते' हा &औरा

विवान यक, हास्ते

विनयविमेते रूपु सी पुज ज ते

विवान यक, प्रिसीदरा विवान यक, धड विवान यक, अर्घ्यय विवान यक, दग विवान यक, भू मेचौड विवान यक, उद्दी ड हा।& य मेदि दरा हा:&

विवान यक, पु शपु विणु विवान यक, र्खोवा विवान यक, औरा विसीविद्धाविवान यक।

सीवि0V विवान यक, सी क्ष विवान यक, क$न विवान यक, दद्वा लु विवान यक, प्रिचौते मेविण विवान यक, ग$Bक्षे

वा रा णसीपुन र्खो ज

यदिद हामे वातेमे न शहारा क अविसी छ$रा सी वारुण छ$रा तेक य त्र करा: औरा पुचौ क$श क्षेत्र क* सी मे ओं क चौ रा) ओरा एक चौक्र
य चौ पु र्खोYचौ,: ते$ हामे :यहा स्पुV हा$ ज एग दिक इन सी मे ओं क$ दिकतेन सी वाध न सी सीरा विक्षेते दिकय गय थ। अविसी क पु सी
अक विवान यक हा,> औरा पुविश्चंमे क* ओरा चौक्कीरा लुग ते हुए उत्तारा मे :वारुण तेक आते- आते य विवान यक मेदि दरा एक क ब द एक
विमेलुते हा,& ज$ आठा दिदश ओं क$ घारा ते हा:&

(1) अक विवान यक, (2) दग विवान यक, (3) भू मेचौड विवान यक, (4) दहा लु विवान यक, (5) उद्दी ड विवान यक,

(6) पु शपु विण
विवान यक, (7) र्खोवा विवान यक, (8) विसीविद्धा विवान यक।
इसीक अलु वा , एक आ तेरिराक चौक्र भू थ , ज$ अते रागहा0 य विवाश्वन थर्खो ड क* आ तेरिराक पुविवात्रते क* राक्षे

कराते थ। इसी
आ तेरिराक चौक क* राक्षे करान वा लु गणपुविते मेदि दरा थ: धड विवान यक, सी क्षे विवान यक, मेहा रा ज (डठा हास्ति) विवान यक (बड़
गणश), औरा मे$ड़ विवान यक। इसी तेराहा, गणदवा ते ओं क मेदि दरा भू आज तेक मे जद हा,& ज$ हामे

:वा रा णसी क यक्षे-वाश य अते ते क* य द दिदलु ते हा।& इनमे:
Bमेर्खो हा:& शलु पु विण, मेद्व रापु विण, विवान यक, क स्मे ड , गजते ड, जयते , मेद$ल्कट आदिद।
(सीभू वान हा >दिक गणदवा ते ओं क न मे मेलु रूपु सी गणभू ष मे :राहा हा)ग, क्य)दिक गण सीस् क0ते नहाY

ब$लुते थ। ब द मे :य न मे
सीस् क0ते मे :बदलु दिदए गए औरा आज उसी रूपु मे :Bचौविलुते हा।& लुदि कन इसीसी हामे :ज्य द प्रिंचौते करान क* जरूराते नहाY हा।>)
इन गणदवा ते ओं क सी थ-सी थ, हामे :क श क भूरा>वा मेदि दरा) क* उपुविस्थविते भू ध्य न मे :रार्खोन चौ विहाए। य

64 हा,& विजनक सी थ
64 य$क्किगविन्य भू जड़ हा।& लुदि कन इनमे: सीबसी मेहात्वापु ण आठा भूरा>वा हा:& कपु विलु, अविसीते ग, रुरु, चौंड , क्र$धन, उन्मत्ता,
भू षण, औरा सीहा रा।

जहा यक्षे) औरा न ग) क* पुज B चौ न पुवा - आय सीस् क0विते क* उपुविस्थविते क$ दश ते हा,> वाहाY एक औरा

सीस् क0विते भू राते मे :
Bवाश करा चौक * थ — सीय क* पुज । सीय क* पुज क चौलुन सीभू वाते} विमेस्रो औरा ईरा न सी आय थ। अपु$लु$, विमिविक्षा (...)
गवाविस्ते क* पुज आदिद>दक नहाY थ , र्खो सीकरा उनक मेदि दरा सी जड़ अन ष्ठ न) मे।: वादि>दक धमे ग्रीथ) मे
:सीय पुज क मेदि दरा-
आध रिराते स्वारूपु नहाY विमेलुते।
लुदि कन ग्री क, क ष ण औरा शक) क Bभू वा सी यहा पुरा पुरा भू राते मे :जड़ :जमे चौक * थ। वा रा णसी मे :हामे
:ब राहा सीय मेदि दरा
विमेलुते हा,& ज$ इसी पुरा पुरा क बन राहान क Bमे ण हा।& स्थ न य विनवा सी आज भू इन मेदि दरा) मे
खो सीकरा मे गश ष औरा मे घा मेहा न) मे।: इन ब राहा सीय मेदि दरा) क स्थ न इसी Bक रा हा:&

1. लु$लु क (भुदन> , अविसी कु पु सी)
2. उत्तारा क (बक्करिराय क ड)
3. सीब लु दिदत्य (सीय कुंड)
4. द्र पुद दिदत्य (वातेमे न विवाश्वन थ मेदि दरा क पुविश्चंमे मे):
5. मेयुख (मेग ल ग रा)
6. र्खो खो$ल्के दिदत्य (क मे श्वरा)
7. अरुण दिदत्य (वित्रलु$चौन)
8. वृद्धदित्य (मे रा घा ट)
9. क शवा दिदत्य (आदिदक शवा)
:विनयविमेते दशन करातेे हा,&

वा रा णसीपुन र्खो ज

10.गध दिदत्य (लुविलुते घा ट)
11.यमे दिदत्य (ब रा श्वरा मेदि दरा)
12.विवामेलु दिदत्य (ग$ध विलुय , ग$द वारा क पु सी)

अब तेक हामे :यहा सीमेझी मे :आ गय हा >दिक वा रा णसी क* Bमेर्खो सी स् क0वितेक पुहाचौ न हामेश   एक गरा>-वादि>दक, विशवा
सीस् क0विते हाY हारा हा,> ज$ वादि>दक रूदिढ़वा दिदते क$ चौन ते दते   राहा हा।> वा रा णसी कभू भू शद्धा
हा$ग । यहा स्थ न आज भू एक ऐसी आध्य वित्मेक क:द्र हा,> जहा   वादि>दक विसीद्धा ते) क$ स्थ न य पुरा पुरा ओं क सी थ विमेलु क
अन ठा औरा सीते विलुते ध र्णिमेक अन भूवा बन य ज ते हा।>
दसी रा शzद) मे,: रुदिद्रय ओं औरा शद्धा वादि>दक) क ब चौ सीदिदय) तेक चौलु लुड़ ई क ब द, वादि>दक सीस् क0विते क$ सीमे विह
वातेमे न प्रिंहाद सीस् क0विते क$ गढ़न क* Bदिक्रय क$ वा रा णसी न सीबसी बड़ सीमेथन दिदय ।
इसीविलुए, वा रा णसी क$ प्रिंहाद धमे क मेहा न क:द्र मे न ज ते हा।> वा स्तेवा मे,: यहाY पुरा प्रिंहाद धमे क$ पुरार्खो , पुरिराष्क0ते
नय स्वारूपु दिदय गय । वा रा णसी क आध्य वित्मेक स्वारूपु आज भू उद रा, सीमे वाश   औरा ज वान सी भूरापुरा हा।> रूदिढ़वा द
इसी श स्त्री-विवारा$ध मे न सीकते हा,& लुदि कन सीच्ची आध्य वित्मेक सी धक) क विलुए यहा अब भू मेवि t क* शराणस्थलु हा।> क श
स्थ न आज भू आध्य वित्मेक मेवि t क* सी धन क क:द्र क रूपु मे :सीवा च्ची हा।>
V
वा रा णसी मे :ते वित्रक पुरा पुरा क विवाक सी न यहा [क* सी स् क0वितेक सीरा चौन औरा ज वानशलु> क$ अत्यविधक Bभू विवा
विजसीक Bभू वा) क$ आसी न सी पुहाचौ न य सीरा हा नहाY ज ते । 'अविवामे t' शzद अपुन भू तेरा एक गहारा ते वित्रक ध्वाविन स
हुए हा,> विजसी सीमेझीन क विलुए वा रा णसी क राहास्यमेय स्वारूपु क* गहारा ई मे :उतेरान हा$ग ।

पुहालु हा यहा स्पुV दिकय ज चौक   हा >दिक 'आनद क नन' औरा 'ग रिरापु ठामे' जसी> न मे) मे :विछपु हुए राहास्यमेय अथ हा$ते
विजन्हा :सी मे न्य व्याविt य अBविशविक्षेते सी धक आसी न सी नहाY सीमेझी सीकते । य न मे वा रा णसी क* आध्य वित्मेक विवाविश
क$ इ विगते कराते हा।&

वा रा णसी क* पुहा विड़य) औरा आसीपु सी क* घा रिटय) क$ श स्त्री य सीद भूx मे :ते न र्खोड) मे :विवाभू विजते दिकय गय हा:> क द
विवाश्वन थर्खो ड, औरा ओंक रार्खोड । य ते न) र्खोड एक विवाशष भू ग$विलुक क्षेत्र क$ पुरिराभू विषते कराते हा,& विजसीमे :पुहा विड़
उनसी जड़   घा रिटय [श विमेलु हा।&

B चौ न क लु मे,: इन ते न) र्खोड) क$ सी मेवि हाक रूपु सी 'रुद्रवा सी' कहा ज ते थ । उसी सीमेय यहा क्षेत्र घान जग लु) औरा झी लु)
सी आच्छ दिदते थ , इसीविलुए इसी 'क नन' (उद्या न) कहा ज ते थ । इसी स्थ न क$ 'आनद ' (आनद) क्य) कहा गय , इसीक
विवावाराण पुहालु हा दिदय ज चौक   हा।> लुदि कन अब हामे :ठाहाराकरा, विवाचौ रा कराक , औरा ते वित्रक राहास्य) क* गहारा ई
'अविवामे t' न मे क* गढ़ ते वित्रक मेहात्ता क$ सीमेझीन हा$ग ।
पुरा ण) औरा ऐवितेहा विसीक ग्रीथ) मे :क श -क$सीलु क* भू ग$विलुक औरा रा जन वितेक सी मे स्पुV क* गई हा।> इसीक विवास्ते र
गड क* औरा ग$मेते नदिदय) क ब चौ बते य गय हा,> जबदिक दविक्षेण क* ओरा इसीक* सी मे गग   द्वा रा विनध रिराते हा$ते हा।>
ज तेक) क अन सी रा, यहा जनपुद लुगभूग 300 य$जन (2400 वाग मे लु) मे :फो>लु हुआ थ । B चौ न इवितेहा सीक रा अल्ते करा क

अन सी रा, क श जनपुद क विवास्ते रा आधवि नक क नपु रा सी बविलुय तेक थ , विजसीमे :विमेज पु रा, ट ड , चौन रा, प्रिंवाध्य चौलु
भूद$हा , ग ज पुरा औरा सी$दपु रा श विमेलु थ।

इसी क्षेत्र मे :एक मेहात्वापु ण नद , 'बग ग ', गग   क* एक उपुध रा थ , ज$ आग चौलुकरा 'मेते0क गग ' क न मे सी ज न गई। यहा
ध रा अब सीर्खो चौक * हा,> लुदि कन इसीक* विनश विनय [आज भू स्पुV रूपु सी दर्खो   ज सीकते हा।& पुरा ण) मे :वार्णिणते 'मेते0
क* उपुविस्थविते क श क* भू ग$विलुक मेहात्ता क$ औरा भू गहारा ई सी सीमेझीन मे :मेदद कराते हा।>

पुरा ण) मे :वा रा णसी क$ हामेश   एक नगरा क रूपु मे :वार्णिणते दिकय गय हा।> आज भू वारुण नद क दिकन रा एक B चौ न वि
  ज सीकते हा,> विजसी मे नसीन क द रा न गग   क* ब ढ़ सी शहारा क* राक्षे क विलुए बन य गय थ ।
क* ब क्षान मे सीरा चौन दर्खो
यहा सीरा चौन आज भू जते>पुरा , न ट इमेलु , आदमेपुरा , जगतेगज औरा चौ क घा ट क आसीपु सी ब ढ़ सी बचौ वा कराते हा।>
'घा ट' शzद स्पुV रूपु सी नद क दिकन रा ठाहारान क स्थ न क$ दश ते   हा।>

यहविसीस्ते नगौना दाश, तेविजसी>B रिकरावितेवगजसीपुदाओंसीयाचौ न क विलुए विवाशष Bय सी
दिकए गए थ। यहा न क वालु इसी शहारा क* भू ग$विलुक मेहात्ता क$ रा खर्खो दिकते कराते हा,> बविल्क इसीक* सी स् क0वितेक औरा
आध्य वित्मेक विनरा तेराते क$ भू दश ते   हा,> ज$ ते वित्रक पुरा पुरा ओं औरा राहास्यमेय सी धन पुद्धावितेय) सी गहारा ई सी जड़

VI

बद्धा क इविसीपुत्तानमे इसी क्षेत्र क$ श विमेलु कराते हा,> विजसीमे :उत्तारा आनद क नन भू सीविम्मेविलुते हा।> दिकसी भू विस्थवि
वा रा णसी औरा इविसीपुत्तानमे क ब चौ एक सीक्ष् मे अते रा थ । इविसीपुत्तानमे क न मे ऋविषय) य 'पुविवात्र पुरु ष)' क* बसी वाट क
दश ते   हा।>

ब द्धा ख्य विते वा लु सी रान थ इविसीपुत्तानमे क पुड़$सी मे :थ , ज$ एक वान्य आश्रमे थ , औरा वाहा [क जग लु) मे :ज नवारा विनडर
सी घामे ते थ, विजसीसी इसी एक औरा वाणन त्मेक न मे विमेलु , मेग0द वा (जहा [ज नवारा घामे ते हा)&। सी रान थ विनविश्चंते रूपु
क* तेराहा सीन   औरा वा रा न नहाY थ , बविल्क मेग0द वा सी लुक रा वारुण नद क दिकन रा तेक क क्षेत्र अच्छ तेराहा बसी हुआ थ

जनसीख् य क वालु विनरा तेरा हामेलु) क र्खोतेरा क क राण स्थ न तेरिराते हुई, जब तेक दिक गहाड़वा लु श सीक) क सीमेय मे,: उनक*
बवि द्धामेत्ता न नगरा क$ स्थ न तेरिराते करान , एक दिकलु औरा पुलु क विनमे ण करान , औरा कई स्थ न) क$ विवाकविसीते करान
विनणय नहाY विलुय । चौ क घा ट उन स्थ न) मे :सी एक थ ।

आज विजसी हामे सी रान थ क रूपु मे :ज नते हा,& वाहा सीभू वाते} इविसीपुत्तानमे क उत्तारा छ$रा राहा हा$ग । बद्धा क सीमेय, व
'ब ज़ रा' क्षेत्र आज क* तेराहा नहाY थ । एक सीमेय, बद्धा न स्वाय भूरा>वा) क कठा$रा मे ग क$ अपुन न क* क$विशश क* थ , लुदि
ब द मे :उन्हा)न इसी त्य ग दिदय । उन्हा)न आत्मे-सीवा ध न क विलुए पुण   एक ते क* विवाक0ते विवाचौ राध रा क$ छ$ड़ दिदय । उ
सीमे ज क* आवाश्यकते थ , जसी> सीमे ज क$ उनक* आवाश्यकते थ ।
ब द मे :उन्हा)न मेग0द वा मे :अपुन पुचौ वागPय विशष्य) क$ उपुदश दिदय दिक क्य) उन्हा)न कठा$रा मे ग छ$ड़ दिदय । मेग0द वा
विनविश्चंते रूपु सी वातेमे न सी रान थ क चौ रा) ओरा क वान क्षेत्र थ , विजसीमे :आ विशक रूपु सी वाहा क्षेत्र भू श विमेलु थ , ज$
कप्रिंनघामे उत्र्खोनन क अते गते हा।> सी ते सी आठा सी वाषx तेक, मेहा न स्ते पु क आसीपु सी क विवाहा रा) क$ उत्तारा औरा दविक्षे

विवाविभून्नी श हा घारा न) सी उद रा अन द न B d हा$ते राहा। यहा विवाश्व सी करान असीभू वा हा >दिक मेहा न विवाहा रा क्षेत्र मे
मे नवा बविस्तेय [नहाY राहा हा)ग , ज$ उत्तारा मे :वारुण नद क दिकन रा तेक फो>लु हुई थY।

सी रान थ क आश्रमे वा स्तेवा मे :मेग0द वा क पु सी विस्थते थ । लुदि कन इविसीपुत्तानमे? यहा स्थ न वारुण क करा ब राहा हा$ग अ
द$न) तेट) पुरा फो>लु हुआ हा$ग । ऐसी Bते ते हा$ते हा >दिक उत्तारा तेट) सी लुक रा वा स्तेविवाक मेग0द वा-सी रान थ तेक, नद व
दिकन रा क* भूवि मे, स्ते पु क्षेत्र क* सी मे तेक, अच्छ तेराहा सी व्यावाविस्थते ब ग) औरा विवाविभून्नी Bक रा क पुड़) सी आच्छ दिद
औरा मेहा न श्रवि छय) (व्या पु रिराय)) न इसी क्षेत्र मे :अपुन विवाश्र मे गहा0 औरा उद्या न बन ए थ। इसी क्षेत्र मे :बड़ उद्या न औरा
विवाश्र मे गहा0 बन न क* पुरा पुरा आज भू बन हुई हा।>

वासी> भू , यहा क्षेत्र , ज$ आज इतेन वा रा न औरा उज ड़ दिदर्खोते हा,> कभू एक लु$कविBय नगरा क विवास्ते रा क विहास्सी राह
हा$ग , ज$ एक शहारा व्या पु रिराक सीमेद य द्वा रा बसी हुआ थ , ज$ मेख् यते} नद व्या पु रा पुरा विनभूरा थ , जहा [वारुण उनक*

मेख् य 'रा जमे ग ' थ । दिकसी Bक रा क* विवापुवित्ता, जसी> विनरा तेरा अका खोत्तेरा य लु$ग) क$ दविक्षेण तेट पुरा ज न
क विलुए मेजबरा करा सीकते थ , जहा [उन्हा :श हा सीरा क्षेण B d थ ।
वा रा णसी क$ हामेश एक नगरा क रूपु मे :सीद र्णिभूते दिकय गय हा।> यहा भू दश ते हा >दिक जहा [मेग0द वा

एक उद्या न स्थलु
Bद न कराते थ, वाहाY इविसीपुत्तानमे पुरा तेराहा सी आश्रमे) सी बन हुआ थ । द$न) क ब चौ यहा सीक्ष् मे अते रा,
विवाशिष रूपु सी
सी रान थ क नV हा$न क ब द (पुहालु (क) ब्रा ह्मण य क्र$ध द्वा रा , औरा ब द मे :(र्खो) इस्लु मे आक्रमेण) (1018)

द्वा रा पुरा
तेराहा सी जमे न पुरा सीमेतेलु करा दिदय गय थ) धध लु हा$ सीकते थ । ज$ इस्लु मे नहाY करा पु य , वाहा स्थ न य
लुट रा) न
लुब सीमेय तेक क* लुट क मे ध्यमे सी पुरा करा दिदय ।

नगरा वा रा णसी , विजसी वा राणस्य (वारुण + अस्य = वाहा नगरा ज$ वारुण क* ओरा मेर्खो कराते हा)> क रूपु मे

:भू ज न ज ते
थ , एक लु$कविBय व्या पु रा क:द्र थ , ज$ नद क द$न) तेट) पुरा फो>लु हुआ थ ।
वा रा णसी शzद क* व्या ख्य वारुण औरा असी शzद) क* मेदद सी करान श यद क व्या त्मेक छ ट क पुरिराण मे राहा

हा$ग । यहा
क व्या त्मेक हा$ सीकते हा:> दिफोरा भू , यहा आविर्खोरा व्या ख्य कल्पुन मे :बसी गई हा,> जसी> दिक कविवाते
कराते हा।> हामे इसी सीद भू मे :
क छ अन्य क व्या त्मेक न मे) क उल्लु र्खो कराते हा,& विजन्हा :सीमेय-सीमेय पुरा वा रा णसी पुरा आरा$विपुते दिकय

गय हा:> सीद शन ,
सीरा धन, ब्राह्मावाधन , पुष् पुवाते , रा मे (य राम्य) औरा मे विलुन य मेक विलुन । जनपुद क न मे क विशपु रा थ ,
विजसीक* रा जध न
पु$टलु थ (इसीक न मे विवाविभून्नी ज तेक) मे :विमेलुते हा)>।

हा लु [दिक पुरा ण (ज$ हामेश ब द्धाक लु क ब द क हा)& वा रा णसी औरा क श क विवाविनमेयश लु रूपु सी

उपुय$ग कराते हा,&
वा स्तेवा मे : वा रा णसी हामेश सी क श जनपुद क* रा जध नी राहा हा।> जब गहाड़वा लु रा ज ओं न वारुण क
पु रा एक दिकलु

बन न , औरा पुड़$सी शवि{य) क लुग ते रा हामेलु) सी श्हारा क* राक्षे करान क विनणय विलुय , ते$ उन्हा)न द$

नदिदय) क सीग मे
पुरा एक मेजबते दिकलु बन य , ज$ सीय $गवाश, शहारा औरा उसीक Bमेर्खो ब ज़ रा क विलुए एक मेहात्वापु ण
Bवाश द्वा रा भू थ।

दवा औरा (2) क श दवा , (3) खोंवा विवान यक, (4) रा जरा ज विवान यक, (5) मेहा न प्रिंलुगमे, आदिद मेहा दवा , औरा (6) आदिद

क शवा। हा लु [दिक आसीपु सी क$ई भूरा>वा राक्षेक नहाY हा,> दिफोरा भू यहा उल्लु खोंन य हा >दिक यहा [आज भू एक श्मेश न सीचौ विलुते हा$ते हा,> औरा सीभू भूरा>वा अन य वियय) क 'रा जक मे रा' दत्ता त्र य क$ यहा [एक विवाशष मेदि दरा मे :सीम्मे विनते दिकय गय हा।>

'रा जघा ट' क न मे आज भू इसी क्षेत्र सी जड़ हुआ हा,> हा लु [दिक शहारा खोंद बहुते दरा दविक्षेण क* ओरा

विर्खोसीक चौक हा।> सीमेय क

सी थ हुए तेज शहारा विवास्ते रा क ब वाजद , यहा ध्य न दन य$ग्य हा >दिक उत्तारा क वान क्षेत्र , ज$ आध्य वित्मेक सी धक) द्वा रा

बसी य गय थ , अब तेक सी भू ग्य सी सीरा विक्षेते राहा हा।> लुदि कन अते ते}, सीमेय क जबड़ उसी भू विनगलु

लुग:।

VII

गहाड़वा लु) न इसी स्थ न क$ अपुन दिकलु क विलुए चौन न क एक औरा मेहात्वापु ण क राण थ। वारुण नद क एक मे$ड़ पुरा,

मेच्छ$दरा क पु सी, B चौ न क लु मे :भूरा -विशवा ओं द्वा रा विनर्णिमेते एक विमेट्टा क दिकलु मे जद थ। क श क गण हामेश अपुन

अविधक रा) क* राक्षे क Bविते सीजग राहाते थ, ज$ नगरावा विसीय) औरा मेदि दरा विनमे ते ओं द्वा रा लुग ते रा उल्लु विघाते दिकए ज राहा

थ। भूरा सीमेद य न हामेश इसी ब ते क$ मेहासीसी दिकय दिक उन्हा :'हा न' सीमेझीकरा उपु विक्षेते दिकय ज राहा हा।> इसी अपुमे न क उन्हा)न हामेश विवारा$ध दिकय औरा अपुन अविधक रा) क विलुए दढ़0ते सी सीघा ष दिकय। भूरा -सी क$ अनदर्खो करान कभू भू

सीरा विक्षेते नहाY सी विबते हुआ।

दसी रा ओरा, मेदि दरा विनमे ते 'असीभ्य' लु$ग) क$ सीभ्य बन न क र्खोलु मे :लुग हुए थ; औरा इसी Bदिक्रय मे,: वा

'सीम क0विते फो>लु न '

अनदर्खो करान गभू रा न गरिराक अश विते क$ जन्मे द सीकते हा।>

("क ज्ञान ते-विवाश्रमे आयमे ") क अपुन पुरा न उद्दी श्य पुरा चौलु राहा था। यहा र्खोलु वा रा णसी क चौ रा) ओरा लुग ते रा खोलु ज राहा

नहाY विशवा-पशुष विते-भरा>वा क अन य य आज भू वा रा णसी क वा ते वारण पुरा उसी तेराहा हा वा हा

थ। लुदि कन वा अते ते} भूरा -विशवा ओं क$ हाट न मे :असीफीलु राहा औरा एक सीमेझी ते पुरा सीहामेते हा$ गए

&जसी> B चौ न क लु मे :थ।

हामे पुहालु हा दर्खो चौक हा &दिक वा रा णसी क* आमे जनते , श्रविमेक वाग, आज भू भूरा -विशवा ओं क B चौ न वा रा णसी मे :ब्रा ह्मणवा द न वाद) क* Bवितेष्ठ क$ एक अन ठा सीमेन्वाय Bदिक्रय क मे ध्यमे सी ज विवाते राखों हा।>

VIII

य) क$ Bदर्णिशते

कराते हा।> वा आज भू उन B चौ न रुदिद्वय) क* तेत्मसाते औरा कठा$रा स्वाभू वा क$ ध राण कराते हा &

[illegible] इसी सीघा ष पुण विस्थविते क$ उज गरा कराते हा।& ब्रा ह्मणवा द शविय) द्वा रा

[illegible]

Bभू विवाते दिकय। आज, वाहा विवाशष ते ए[स्वाय ब्रा ह्मणवा द मे :भू सीमे विहाते हा$ गई हा,& जसी> दिक वाहा लु$ग) क* नसी) मे :

[दर्खो न क$ विमेलुते हा।>

ज विवाते हा & जसी> दिक आज भू पु ड वा), गग पुत्र), आभू रा) क व्यावाहा रा पुट>न मे :दर्खो ज सीकते हा।> यहा स्वाभू वा अन्य स्थ न य

सीमेद य) जसी> भूड , मेरा मे , क वाट, क म्हा रा, अहा रा औरा ड$मे मे :भू दर्खो ज ते हा।> इन सीमेद य) क$ आज

स्थ न य रा जक मे रा धते0रा ष्ट्र औरा उनक वादि>दक यज्ञा करान क Bय सी इसी ब ते क उद हाराण हा।& वादि>दक पुरा पुरा द्वा रा स्थ न य लु$ग) क$ सीमे न रूपु सी स्वा क रा न करान क क राण, स्थ न य लु$ग विजन्हा :भूरा>वा-विशवा कहा ज ते थ , एक वादि>दक विवारा$ध

भू वान   विवाकविसीते करान लुग,   चौ हा   ब्रा ह्मण) क   Bभू वा दिकतेन   भू   व्या पुक क्य) न हा$। यहा तेथ्य दिक अविधक श विनवा सी , यहा [

तेक दिक ब्रा ह्मणवा द सी$चौ वा लु लु$ग भू , आसी न सी शवा> धमे क* ओरा आकर्णिषते हा$ गए, इसीक एक औरा सीक तेहा> कर्म$ई भू

ना क मे :हामे दर्खो दिक रा जक मे रा धते0रा ष्ट्र क यज्ञा ब विधते करा दिदय गय थ । उन्हा :सी$मेपु न करान क* अन मेविते नहाY द ग

थ । विल न तेरा-औरा उनक* अन$ध ज नविते क* न सी दिकलु र्ई गई औरा कन्हा :सी विकोते यरा मे :राहान क विलुए मेजबरा दिकय गय ।

ध्याविल कोराते औरा अपुन न क$ अपुन विवारा सीते कलु र्पु मे :सेवा क न्हा नहाY करातेत ।

जसी> दिक हामेन दर्खो , रुद्रवा सी अपुन भूरा>वा-विशवा पुरा पुरा ओं क विलुए ज न ज ते थ , ज$ हारिराक श औरा क्षेमे क क* वादि विवारा$ध पुरा पुरा ओं क सीमे न थY। मेहा मे यरा   जन लु मे :उल्लु र्खो विमेलुते हा >दिक दसी रा शते zद मे :रुद्रवा सी क अविधपुवि मेहा क लु (एक ते वित्रक दवा ते) थ , ज$ एक यक्षे थ (15.27.12)। हामेन दर्खो   दिक हारिराक श, उद्धमे, विवाभ्रमे, औरा स्वाय यक्षेरा ज क बरा न भू गण) क Bमेर्खो पुद क$ अपुन विलुए सीरा विक्षेते रार्खो थ । विशवा भूवित मे :पुरिरावार्णितेते हा$न क ब द क ब पुद तेक पुहुचौ[औरा एक Bक रा सी सी मे ओं क Bमेर्खो क रूपु मे :विनयत दिकए गए।

ऐसी कई उद हाराण विमेलुते हा &जब भूरा>वा-विशवा) न क वालु आयx क विलुए आराविक्षेते अन ष्ठ न दिकए। रा जघा ट क* र्खोद ई

काशि) सी वा,भूरा>वा-विशवा) ओं पुरा B रा विभूक विनयत्र ण क Bमे ण विमेलुते हा।& वा क टक अविभूलुर्खो

अश्वमेध यज्ञा) क आय$जन दिकय थ । (पुरा ण) मे :कहा गय हा >दिक ब्राह्म न इन्हा :दिकय थ । क्य ब्रा ह्मण लुर्खो क) न इसी Bक रा अन य Bय सी) क$ विमेट न क* क$विशश क* थ ?)

विशवाप्रिंलुग$द्वाहान रा जवाश न मे... दश श्वमेध -स्ना न न मे भूरा>वाविशवा न मे...!

यहा घाटन Bविसीद्धा दश श्वमेध घा ट क$ एक मेहात्वापु ण अथ Bद न कराते हा।> यहा प्रिंलुग पुरा ण औरा क श र्खोड मे :ब्राह्म द्वा दसी अश्वमेध दिकए ज न क सीद भू क$ भू क छ हाद तेक स्पुV कराते हा।> वा रा णसी क भू राते कलु भूवान मे :एक र्खोवि डते Bविते मे जद हा,> विजसीक विसीरा पुरा एक प्रिंलुग स्थ विपुते हा,> जसी> दिक भूरा>वा-विशवा) क* पुरा पुरा थ ।

अविभूलुर्खो :वार्णिणते 'अवाभ्रते' शzद एक अन ष्ठ विनक स्ना न क$ दश ते   हा,> ज$ दिकसी सीक विल्पुते यज्ञा क* पुण ते   क ब द दिकय ज ते हा।>

हामे :रुद्रसीरा$वारा औरा ब्राह्मवा सी क ब रा मे :भू ज नक रा हा।> ब्राह्मवा सी वा स्तेवा मे :एक छ त्र वा सी थ , जहा [यवा   ब्रा ह्मण) वादि>दक विशक्षे द ज ते थ । ब द मे,: यहा छ त्र वा सी औरा सीरा$वारा एक रा मे मेदि दरा औरा ब ज रा क विनमे ण क क राण दब — औरा यहा दिकसी इस्लु मे आक्रमेण क पुरिराण मे नहाY थ ।

हामेन मेच्छ$दरा चौन>लु-बड: पुरा भूरा>वा-विशवा) द्वा रा बन ए गए विमेट्टा क दिकलु क भू उल्लु र्खो दिकय हा।> यहा चौन>लु-ब श$ध क विलुए मेहात्वापु ण हा,> औरा हामे ब द मे :इसीक विनविहाते थx पुरा चौचौ   करा:ग ।

स्थ न य विनवा विसीय) द्वा रा वादि>दक यज्ञा) क$ अस्वा क रा करान क विवारा$ध भू दज दिकय गय हा,> क्य)दिक ब्रा ह्मण पुरा $ उनक सी थ सी$मेपु न सी झी करान सी मेन करा दिदय थ । यहा आपुसी भू$जन, विवावा हा, औरा सी मे विजक सीब ध) पुरा लुग रा आज भू ब्रा ह्मण) क* पुविवात्रते क* पुरा पुरा क$ सीरा विक्षेते रार्खोते हा।>

भूरा>वा-विशवा) द्वा रा ब्रा ह्मणवा द आडब रा औरा उच्ची विधक रा क विवारुद्धा Bवितेरा$ध कभू सीमे d नहाY हुआ। वा रा णसी क*
विनरा तेरा उथलु-पुथ लु मे :राहा , औरा अते ते} शवा> औरा गणश उपु सीन क$ एक सीते विलुते सीहा-अविस्तेत्वा क मे ध्यमे बन विलु
गय ।

मेलु विनवा विसीय) क विलुए यहा तेन वा असीहान य हा$ गय थ । उन्हा)न हामेश क विलुए एक ते र्खो , विवाद्र$हा दवि0Vक$ण अ
ज$ कविथते 'उच्ची सीस् क0विते' औरा विवाविशVते क सीमेथक) क विवारुद्धा बन राहा । शद्धा आय पुरा पुरा कभू भू उनक* Bक0
नहाY र्खो ई।

जन>-ब द्धा य ग मे :ज विते व्यावास्थ क* सी मे ओं क विवारुद्धा उठा आवा ज) न भू विस्थविते मे :सीध रा नहाY दिकय । ब्रा ह्मणवा द
व्यावास्थ क विवारुद्धा बहुते श$रा मेचौ , औरा स्थ न य लु$ग अपुन यग) सी चौलु आ राहा रुद्र पुरा पुरा क Bविते औरा भू राक्षे त्मे
हा$ गए। उनक विलुए वाण श्र मे क* अवाध राण अस्वा क य थ । यहा सीभू वा हा >दिक वा रा णसी क* बदन मे 'अरा जकते ', छलु-
कपुट, दिदर्खो वा , डक>ते , धमेक*, औरा यहा [तेक दिक हात्य क* Bवावि0त्ता — य पुरा$पुक रा बनन क द वाद रा) क विर्खोलु फो त
आक्र मेक रुर्खो — वा स्तेवा मे :इन्हाY ऐवितेहा विसीक दमेन क* पुराछ इय [हा)।

वान क्षेत्र क मेलु विनवा सी ध रा -ध रा पुहा ड़) सी न चौ धक लु गए। वा दलुदलु, जग लु, औरा क श क विवास्ते0ते हा$ते शहारा
सी मे ओं क उत्तारा-पुविश्चंमे औरा पुविश्चंमे वा रा न) मे :करिठान ज वान ज न क$ मेजबरा हा$ गए।

IX

वा रा णसी मे :गग क दिकन रा चौलुते हुए कभू -कभू क छ अनपुवि क्षेते, चौट्टा न औरा क करा लु पुहा विड़य) क विवास्ते रा विमेलुते
य पुहा विड़य [प्रिंवाध्य श्रण क अविनयविमेते, उग्री विवास्ते रा जसी> Bते ते हा$ते हा।&

हामे ज नते हा &दिक पुहा विड़य [औरा उनक विशलु र्खोड य विवास्ते रा हामेश सी जनज ते य सीमेद य) क विBय स्थलु राहा हा।&
दवा ते ओं क Bविते आभू रा व्याt करान क विलुए ऊ[चौ पुहा विड़य) पुरा विवाशष पुज स्थलु) क* स्थ पुन कराते हा।& इन विवाविशV
स्थ न) मे :सी अविधक श एक दवा क$ सीमेर्णिपुते हा$ते हा,& जहा [प्रिंवाध्यवा विसीन उनक* Bध न मे ते मे न ज ते हा।& गय औ
न क$ विमेलुते हा।>

हाज रा ब ग विजलु) मे :भू इसी तेराहा क* पुहा विड़य) पुरा दिकसी न दिकसी ध र्णिमेक स्मे राक क मेक ट दर्खो
वा रा णसी मे :विशवा औरा मे ते सीवा च्ची दवा ते मे न गए हा,& औरा तेत्र पुरा पुरा यहा [क* वा स्तेविवाक मे गद शक राहा हा।>

गग क* सीतेते पुविश्चंमे-पुवा ध रा इन क करा लु पुहा विड़य) सी ब विधते हा$ते हा,> ज$ मेख् यते} बलुआ पुत्थरा क ढं रा) पुरा आ
हा।& इसी श्रण सी ब विधते हा$करा पुवा क* ओरा बहाते गग अचौ नक उत्तारा क* ओरा मेड़ ज ते हा >औरा दिफोरा सी$डपु रा मे
विमेलुकरा अपुन पुवा क* ओरा बहान क मे ग क$ पुन } अपुन ते हा,> ज$ मे क डय औरा क>थ क आग विस्थते हा।>

हामे इसी पुवाते श्रर्खो0 लु पुरा वा रा णसी क उन न मे) क विनविहाते थ र्खो$ज राहा हा,& जसी> — मेहा स्मेश न, ग रा पु ठा, रुद्रव
आनद क नन, औरा अविवामे t। क्य य न मे आयx द्वा रा ध रा -ध रा गरा>-वादि>दक, आदिदमे मे ते -विपुते क* सीक ल्पुन क$
स्वा क रान, आत्मेसी ते करान औरा सीम्मे विनते करान क* ओरा सीक ते नहाY कराते ? क्य इसी एक पुरु ष-मेविहालु क सीहा-अविस्ते
रूपु मे :नहाY दर्खो ज सीकते , विजसीसी सीज0न क* Bदिक्रय B रा भू हुई? यहा अवाध राण इतेन सीरालु, वा स्तेविवाक औरा

व्या वाहा रिराक हा >दिक यहा वादि>दक विवाऔराYधर्खो ते सी मेलु

चौदि [क य न मे सीस् क0ते मे :दज हा,& हामे अन मे न लुग सीकते हा &दिक य न मे उत्तारा-आयक लु न हा)ग। हामे ज नते हा &दिक विवाजते अक्सीरा अपुन कzज वा लु भूवि मे पुरा नए न मे थ$पुन क इच्छ क हा$ते हा।& हा लु [दिक, वा मेण् ड रा भू ष मे :'गग ' शzद क$ बदलु नहाY सीक , लुदि कन उन्हा)न उसी 'गग ' न मे दिदय औरा नद क विलुए कई वाणन त्मेक न मे ज$ड़ दिदए। पुरा न न मे जबरान कzज क* कड़वा य द :सीज $ते हा।& आज भू अमेरि राक , कन ड , ऑस्ट्रॉ विलुय औरा न्यज़ लुड& जसी> दश) क शहारा) क न मे इसी Bवाविo्ता क उद हाराण हा।& विसीक दरा न भू कई शहारा) क न मे बदलुकरा यन न न मे राखों ते दिक उसीक सीवि>नक) मे :अपुन मेलु दश क* य द : बन राहा।: तेक , अफोग न औरा मेग़ लु आक्रमेणक रिराय) न भू भू राते क कई शहारा) क न मे बदलु। मेहा स्मेश न औरा रुद्रवा सी क
न मे भू श यद इसी Bक रा क* ऐवितेहा विसीक ब ध्यते ओं क पुरिराण मे हा।&

सीमेय क सी थ नवा गते क) न रुद्र-ज वान शलु> क$ आत्मेसी ते करा विलुय औरा ध रा -ध रा द$न) सी स् क0वितेक

ध रा ओं क$ एक
Bमेखों Bवा हा मे :विमेलु दिदय , विजसी 'विसीन्ध धमे ' य 'विहान्द धमे ' कहा गय — ज$ उन लु$ग) क ज वान दर्शन क$ पुरिराभू विषते
कराते थ , ज$ प्रिंसीध (इ डसी) नद क पु रा राहाते थ।

वा रा णसी क पुशपु ते, उमे -मेहाश्व रा औरा क पु विलुक पुरा पुरा ओं क Bमे ण क विलुए अविधक खों$ज क*

आवाश्यकते नहाY हा।> इन
सीB द य) सी जड़ ज$ मेदि दरा आज भू मेहा स्मेश न, आनद क नन औरा सीमेग्री वा रा णसी मे :विबखोंरा हुए हा,& वा यहा स्पुV कराते हा &
दिक यहा स्थ न मेलु ते} ऐसी लु$ग) क थ , ज$ वादि>दक पुरा पुरा ओं क विवापुरा ते ज वान ज ते थ।

विनक भू श्वरा औरा ग$कणश्वuरा जसी> गरा>-वादि>दक मेदि दरा) क अलु वा , यहा [क्षेमे क श्वरा, दत्ता वाक्त्र, औरा

सी$लुहा विवाविवाध गण-दवा भू
विमेलुते हा & विजन्हा :'दवा ' कहा ज ते थ । ब रा -दवा आज भू ग$ध विलुय मे :एक पुड़ क न चौ विस्थते हा,> जहा [कभू ग$द वारा नद
बहाते थ , औरा विजसीक आसीपु सी अगस्त्य क पुविवात्र क ड थ। विशवा स्वाय क$ 'मेहा दवा ' य न सीभू दवा) क

दवा क रूपु मे :मे न्य
दिकय गय थ ।
वारुण क* सी मे ओं क सी थ विस्थते विवान यक मेदि दरा) क अलु वा , यहा [नदि दक श्वरा, क टगण, पुष् पुदते जसी>

मेहात्वापु ण गण-दवा
भू हा।& पुष् पुदते , गणश मे$हाल्लु क* ढंलु न) पुरा विस्थते हा,> विजसी गणश क विनवा सी कहा ज ते हा।>
हारिराक श औरा दिदवा$द सी जसी> ऐवितेहा विसीक-आध रिराते किंकवादवि तेय) क मे ध्यमे सी, हामे :उन सीमेय) क

पुते चौलुते हा,> जब
विबाषण (वादि>दक धमे) न रुद्र औरा यक्षे) क$ खोंदड (जसी> मेविणकर्णिणक कथ मे :वार्णिणते हा)>। लुदि कन इसी पुराणतेरुस्वा[वा,Y वाल्लुदद औरा अविसी इस द$ ध रा ओं क$ कई राहास्यमेय औरा क व्या त्मेक व्या ख्य ओं क मे ध्यमे सी सखोंविशवा पुरा>पुरा व्या राख्य ते[ज्ञ न सीरा विमेले हा$ईचौक *औरा (मेहा कथ क उश रा न्हा0सिक औरा) अथवा वा न दक*
राचौन ए [Bते ते हा$ते हा।& पुहा विड़य ,[
विपप्पलु द श खों)। हामेन पुहालु हा दखों हा >दिक इसी आपुसी सीहा-अविस्तेत्वा क* Bदिक्रय न वा रा णसी क वानस्पुविते सी आच्छ दिदते भूविक मे औरा जलुध रा ओं [विनविवाश्वन] ज सी आय आक्रमेण) सी भू पुहालु क* हा।&
ज वान क$ दिकसी Bक रा Bभू विवाते दिकय ।

अन क भूसा>वा, गण विवान यक, औरा ब रा सी जड़ मेदि दरा आज भू वा रा णसी मे :मे जद हा।& य सीभू मेदि दरा वा रा णसी क* रुद्र-विशवा
पुरा पुरा क* B चौ नते क अविमेट Bमे ण हा।&

आज वा रा णसी आन वा लु पुयट क औरा विवाद्वा न, इन द$ Bविसीद्धा ध रा ओं क अलु वा , इसी ब ते क$ भूलु चौक हा &दिक कई अन्य ध रा ए [भू वा रा णसी क* पुहा विड़य) क$ प्रिंसीविचौते कराते थY। इनमे: सी क छ — जसी> मेन्द दिकन , ग$द वारा , औरा धते पु पु — मेहात्वापु ण ध रा ए [थY, विजन पुरा कभू पुलु बन हा$ते थ। य ध रा ए [1090 सी लुक रा 1290 तेक सीदिक्रय थY, औरा ब द मे : अकबरा औरा औरा गज़ब क सीमेय तेक इनक उल्लु खों ब्रिमेलुते ओं। > ब्रह्मा मैं लग क पुय d क राण हा &दिक स्वाय वाbरा न हाप्रिं स्टग्सी न भू
इनमे धुरा ओं क$ दखे हा$ग

ध्य न दन   वा लु   ब ते हा >दिक यहा क वालु विब्रारिटश कzज औरा उसीक पुरिराण मेस्वारूपु वा रा णसी क*

सी स् क0वितेक विवारा सीते पुरा हुए

आघा ते क ब द हा हुआ, जब इन ध रा ओं क$ 'सी दयPकराण' औरा 'स्वाच्छते ' क न मे पुरा बद करा दिदय गय ! वा
पुलु , ज$

कभू इन ध रा ओं क$ ज$ड़ते थ, अब क वालु न मे) मे :हा ज विवाते हा।& अगविस्ते पुलु , दरा सी (दवा रा -विशवा) क

पुलु , पुलु -क*-

क लु आदिद न मे उन पुरा न दिदन) क* मेद0 य द दिदलु ते हा।&

पुठा न औरा मेग़ लु, ज$ शष् क औरा बज रा भूवि मे सी आए थ, हामेश   सी वाक्षे0), ध रा ओं औरा झी लु) क Bविते

विवाशष सीम्मे न रार्खोते

थ। उन्हा)न Bविसीद्धा मेदि दरा) क$ लुट   औरा नV दिकय , पुरा ते उनक उद्दी श्य मेख् यते} सी$न , चौ द   औरा
आभूष ण) क* सीपु वित्ता

हाविथय न थ । उन्हा)न ध र्णिमेक कट्टाराते क चौलुते मेर्णि तेय) क$ अपुविवात्र दिकय , लुदि कन वा दिकसी सीद रा

B क0वितेक पुरिरादश्0य क*

स्थलु-क0विते क$ विबग इन सीद नहाY कराते थ, विजसी वा सी दय क* दवि0V सी सीरा हाते थ। वा स्तेवा मे,:
भू सते क क छ सीबसी Bविसीद्धा

ब ग़-बग चौ इसी इस्लु मे सी दयब $ध क* दन हा।& इसीक विवापुरा ते, इ ग्लु&ड सी आई व्या पु रा सीमेद य न

कभू भू इसी Bक रा क* सी दयपु राक सीवा द न ओं क$ मेहात्वा नहाY दिदय ,

र्खो सीकरा उन क्षेत्र) मे :ज$ पुहालु सी हा 'क लु स्थ न य विनवा विसीय)' क* भू ड़ सी भूरा हुए थ।

5.एक न वा य त्र

I

हामेन वा रा णसी क$ दिफोरा सी र्खो$जन क* य त्र शरू

क*। अब यहा क य शरू दिकय ज सीकते थ । इसीक विलुए, हामेन वाष
1070 क आसीपु सी एक क ल्पुविनक न वा य त्र करान क विवाचौ रा दिकय , ज$ वारुण नद क अविधक शवा प्रिंबद सी लुगभूग दसी
मे लु आग शलु> श्वरा, आजमेगढ़ रा$ड-जक् शन, छ वान बस्ते औरा अदलु ब ज रा क पु छ तेक ज ते हा।> इसी य त्र क द रा न,
हामे द$न) दिकन रा) पुरा ज वान क धड़कते न ट्य क$ चौर्वे हाते हा।&

हामे इसी य त्र क पुरा तेराहा सी आनद लुन चौ हाते हा।& इसीक विलुए हामे :अपुन मेन क$ वातेमे न शहारा क* मे$हाक सीद राते
मेt करान हा$ग , ज$ आध घारा मे :पुहा विड़य) पुरा बसी हा।> हामे :उसी आकष क अध चौद्र क रा पुवाते -श्रण क$ भू भूलु न हा
ज$ नद क$ उत्तारा क* ओरा मे$ड़न क विलुए मेजबरा कराते हा।>

जब हामे अपुन मेन क$ उसी सीम्मे$हाक आकष ण सी मेt करा लुग:, ते$ हामे अपुन आ[र्खो) क$ उसी वा स्तेविवाक शहारा क* ओरा मे$
सीकते हा,& विजसीक* स्ते विते यग) सी भूt), तेपुविस्वाय), सीते), विवाद्वा न) औरा कविवाय) द्वा रा क* ज ते राहा हा।> इसी विBय
मेविहामे क गण ग न कभू थमे नहाY। जन>, ब द्धा औरा पुरा ण ग्रीथ) मे :इसीक विलुए सीरा धन , सीद शन , पुष् पुवाते औरा राम्य
(सीद रा) जसी> भू वापुण औरा क व्या त्मेक न मे) क वाणन विमेलुते हा।>
इन मेध रा न मे) क* तेलु न मे,: वा रा णसी क दविक्षेण क्षेत्र क$ एक अपुक्षे क0ते श ते , अन य न मे सी ज न ज ते थ —
सीक ण , ज$ एक विपुश चौ य यक्षे क न मे हा।> (ज$ लु$ग भूवाभू विते य भूट्टान रा यण क न टक) सी पुरिराविचौते हा,& वा ज नते
अन य पु त्र) क विलुए क>सी विवाविचौत्र न मे गढ़ ज ते थ। स्वाय मेहार्णिष वा ल्मे दिक न अन य वाश क पु त्र) क विलुए शपु ण ख
क म्भूकण जसी> न मे) क Bय$ग दिकय ।)
बद्धा घा$ष क अन सी रा, कश्यपु बद्धा क जन्मे वा रा णसी मे :हुआ थ , औरा उन्हा)न मेग0द वा मे :मेहा पुरिराविनवा ण B d दिकय ।
Bमे ण स्पुV रूपु सी दश ते हा >दिक वा रा णसी औरा मेग0द वा (सी रान थ) क$ अलुग-अलुग नगरा) क रूपु मे :दर्खो ज ते थ ।
बद्धा घा$ष क अन सी रा, उसी सीमेय वा रा णसी मे :मेख् य ते थस् थलु विगन -चौन हा थ — मेविणकर्णिणक , ज्ञा नवा पु , पुचौ गग
बराक रा क ड, प्रिंबदमे धवा औरा विवाश्वन थ। क द रार्खोड क उसी सीमेय क$ई उल्लु र्खो नहाY विमेलुते ।
यहा द$ मेहात्वापु ण तेथ्य) क* ओरा सीक ते कराते हा:>

1. मेख् य वा रा णसी नगरा मेन्द दिकन औरा मेच्छ$दरा क ब चौ क* पुट्टा मे :विवाकविसीते हुआ थ , औरा जहा [सी ग$द वारा
   बहाते थ , वाहा [मेख् य चौ क पुहा ड़ थ ।
2. इसीसी पुते चौलुते हा >दिक दश श्वमेध औरा अगस्त्यक ड क दविक्षेण मे :विस्थते नगरा क्षेत्र अविधकतेरा अविवाकविसीते थ ,
   इसी ज नबझूकरा एक वान च्छ दिदते पुहा ड़ क्षेत्र क रूपु मे :छ$ड़ दिदय गय थ ।

इसीक अथ हा >दिक वा स्तेविवाक वा रा णसी अत्यविधक जनसीख् य वा लु ओंक रार्खोड मे :फोलु -फो लु , ज$ वारुण क तेट पुरा फो
औरा आ विशक रूपु सी गग क दिकन रा वित्रलु$चौन-पुचौ गग तेक फो>लु हुआ थ ।

आधवि नक वा रा णसी क मेनमे$हाक नद दिकन रा क* सीद राते हामे :B चौ न क लु क Bविसीद्धा श सीक) — धन्वाते रिरा, हाय श्व
विवातेहाव्या, Bतेदन औरा दिदवा$द सी क यग क* सीद राते सी विवाचौविलुते नहाY करा सीकते। हामे :य द रार्खोन चौ विहाए दिव
औरा रुद्रवा सी क* ऐवितेहा विसीक घाटन ओं क* तेलु न मे,: रा जघा ट पुरा दिकलु क विनमे ण औरा उसीक अविधग्रीहाण बहुते ब द क
घाटन ए [हा।&

हामे अपुन न वा य त्र इसी शहारा क द$न) ओरा फो>लु ज वान क$ दर्खो न क विलुए करा राहा हा।& क छ लु$ग) क मे नन हा >दिक
शहारा वा स्तेवा मे :ग$मेते क सीग मे सी लुक रा वारुण क सीग मे तेक औरा दविक्षेण मे :मेन्द दिकन ते लु ब क दिकन रा) तेक फो>लु
थ। वा स्तेविवाक विवाश्वश्व रा पुहा ड़ औरा भू ऊपुरा थ , ज$ नगरा क विशर्खोरा प्रिंबद थ।

यहा वाहा शहारा थ विजसी क$शलु क रा ज क श न बसी य थ। रा ज क श क पु$ते धन्वाते रिरा थ, औरा उनक पु$ते दिदवा$द सी
'रूर्खो' विशवा (भू रा) तेत्वा) क$ वा रा णसी सी ब हारा करान क* य$जन बन ई थ , विजसीक विर्खोलु फो हाहा>य वाश क रा जक
विवातेहाव्या औरा हायश्व न Bवितेरा$ध दिकय।

1027 ईस्वा क एक ते म्रपुत्र मे :उल्लु र्खो विमेलुते हा >दिक क>सी प्रिंहाद पुन ज ग राण न लुगभूग ब द्धा धमे क$ उर्खो ड़ फो:क थ ,
लुदि कन नब पु लु क श सीन मे :इसी पुन } स्थ विपुते दिकय गय। दिफोरा 11वाY शते zद क अते मे :कन्नी ज क रा ज चौद्र दवा
(1072-96) न शवा> धमे क$ दिफोरा सी स्थ विपुते दिकय , औरा नवा-ब द्धा धमे क बढ़ते Bभू वा क$ पुरा तेराहा विमेट दिदय।

इसी Bक रा, इस्लु मे आक्रमेण) सी पुहालु वा रा णसी मे :ध र्णिमेक सीघा ष क न टक*य इवितेहा सी स्पुV रूपु सी सी मेन आते हा।> ह
सीमेझी नहाY पु ते दिक वाहा क न-सी शविtय [थY विजन्हा)न उसी B चौ न वा रा णसी क$ नV करा दिदय , विजसीक वाणन बद्धा न
दिकय थ औरा ज$ सी रान थ क मेहा न क:द्र क आसीपु सी विस्थते थ।

इसी B चौ न नगरा क सीहा रा इस्लु मे हामेलु) सी बहुते पुहालु हा$ चौक थ। इसीक Bमे ण आज भू ब राक रा क ड क आसीपु सी
ज सीकते हा,& विजन्हा :ब द मे :इस्लु मे सीन ओं न ध्वास्ते करा दिदय। इन बचौ- र्खोचौ र्खोड हारा) क

मेदि दरा) क* वा स्ते कलु मे :दर्खो

भू वाशष आज भू ब राक रा क ड क पु सी क* मेविस्जद) मे :दर्खो ज सीकते हा।&

इन सीब सी क्ष्य) सी यहा सी विबते हा$ते हा >दिक B चौ न वा रा णसी , विवाशष करा ओंक रार्खोड , रुद्रवा सी औरा आनद क नन, सीते
विनवा सी स्थलु थ, विजन्हा :रा जन वितेक पुरिरावाते न)रसीभिज्ञ लेबसार्खो गय थ।

आग चौलुकरा, जब गहाड़वा लु रा ज चौद्र दवा (1080) न अपुन दिकलु बद क$ दविक्षेण तेट पुरा स्थ न तेरिराते करान क विनणय
विलुय औरा एक मेजबते दिकलु बन य , ते$ व्या पु रिराक औरा सीपु न्नी लु$ग भू दविक्षेण तेट पुरा बसीन लुग। इसी Bक रा, वारुण क
उत्तारा तेट क मेहात्वा ध रा -ध रा कमे हा$ते गय।

हामे :यहा य द रार्खोन चौ विहाए दिक हा लु [दिक नए नगरा मे :ज्य द तेरा 'शराण थP' बसी थ, लुदि कन वा पुविवात्र पुहा विड़य) क*
औरा पुविवात्रते बन ए रार्खोन क Bविते बहा द सीतेक थ। इसी विलुए, ईसी ई यग क* दसी रा शते zद तेक य पुहा विड़य [लुगभूग
अछ ते राहाY।

अते ते}, शराण र्णिथय) क* मेख् य बस्ते ओंक रार्खोड क उत्तारा भू ग औरा विवाश्वश्व रार्खोड क दविक्षेण छ$रा क ब चौ क* भूवि मे पु
गई। इसीन वा रा णसी क* सी स् क0वितेक, ध र्णिमेक औरा व्या पु रिराक ध रा क$ सीदिदय) तेक बन ए रार्खो।

अब हामे रा न वा य त्र क द रा न, हामे इसी इवितेहा सी क* पुराते) क$ छ ते हुए, उसी शहारा क* झीलुक पु न क* क$विशश करा:ग , विजसी यग)-यग) तेक सीते), कविवाय) औरा भू(t) न अपुन शzद) मे :अमेरा करा दिदय ।

II

जब हामे वा रा णसी क Bमेर्खो पुविवात्र मेदि दरा), झी लु) औरा नदिदय) पुरा विवाचौ रा कराते हा,& ते$ हामे पु ते हा &दिक य लुगभूग
वित्रलु$चौन पुहा ड़ , ओंक रा पुहा ड़ , प्रिंबदमे धवा पुहा ड़ औरा सीबसी ऊ[चौ , विवाश्वश्व रा पुहा ड़ क आसीपु सी विस्थते थ।

यहा एक बहुते मेहात्वापु ण स्थलु हा,> विजसीक वाणन पुरा ण) मे :विमेलुते हा।> इसी क्षेत्र क$ विनम्नविलुविर्खोते विवाशष ते ओं द्वा
दिकय गय हा:>

1. पुचौग क* पु चौ[दिदय [
2. नगरा क* दवा क श दवा
3. मेद दिकन नद औरा झी लु
4. मेच्छ$दरा जलुग्रीहाण क्षेत्र

पुरा क्षेत्र क$ ओंक रार्खोड कहा ज ते हा।> इसी अत्यते पुविवात्र भूवि मे, ओंक रार्खोड क भू तेरा, वा रा णसी क लुगभूग सीभू मेहात
मेदि दरा विस्थते हा:& वित्रलु$चौन, क लुभू>रावा, ओंक रा श्वरा, कलु श्वरा, वित्रपुरा भूरा>वा , क लुक पु, क0वितेवा सीश्व रा, मेध्य श्वरा
मेग लु ग रा , दत्ता हास्ते विवाघ्ने श्वरा (बड़ गणश), विवाश लु क्षे , भूवा न , सीक ट, वा रा हा , कपुदPश्वरा, बराक रा क ड, प्रिंबदमे धव
अ श्व रा, वा रा श्वरा, भूते श्वरा, चौरा श्वरा, मेविणकर्णिणक , चौक्रते थ, दड पु विण, लुविलुते दवा , धवि डरा ज, सी क्षे विवान यक,
ते राक श्वरा, धमेuश्वरा, मेत्0यज य। यहा सीचौ वा रा णसी क ते थ य त्र क दवि0Vक$ण सी हारा मेहात्वापु ण

स्थलु क$ सीमेट हुए हा।> इसीक* तेलु न मे,: क द रार्खोड मे :
क द रा न थ क अलु वा क$ई बड़ मेदि दरा नहाY हा।> दग य सीक टमे$चौन जसी> मेदि दरा आधवि नक क लु क
हा।& क द रार्खोड मे :क छ
अपु रा पुरिराक भूरा>वा, ब रा औरा ते वित्रक मेदि दरा हा,& जसी> बज>न थ, बट क भूरा>वा, औरा कमेच्छ । य

मेदि दरा उन स्थ न) क$ दश ते हा,&
जहा [उमे -मेहाश्व रा, वा मेमे ग, विपुश चौ, औरा भूते सीB द य) क सी धक अपुन सी धन दिकय कराते थ। सी सी लु
पुहालु तेक यहा
क्षेत्र घान जग लु सी ढंक हुआ थ । पुविश्वंमे क* ओरा सीमेतेलु भूवि मे पुरा पुहुचौ[न पुरा, हामे विपुश चौमे$चौन झी लु

औरा विपुते0क ड पुहुचौ[ते हा,& जहा [ते न वा रा मेदि दरा हा।&
कब रा चौ रा सी लुक रा क द रा पुहा विड़य) तेक, वातेमे न शहारा क* पुविश्वंमे सी मे क सी थ चौलुते हुए,
दश श्वमेध श्वरा, भूते श्वरा,
औरा ग$द वारा क अलु वा क$ई Bमेर्खो मेदि दरा नहाY विमेलुते । इसी नद क पु सी अगस्त्यश्व रा क उल्लु र्खो क श

र्खोड मे :विमेलुते
हा।>
क द रा औरा हारिराश्चं द्र घा ट) क अलु वा , इसी क्षेत्र क$ क श र्खोड मे :ज्य द मेहात्वा नहाY विमेलु हा।> कमेच्छ सी

पुविश्वंमे औरा
ग$ध विलुस सी पुवा क ब चौ क क्षेत्र मे :विवाविभान्न आकारा क* झी लु: औरा ते लु ब थ। वा रा णसी क पुरा
दविक्षण-पुविश्वंमे भू ग, वा रा णसी पुरा वीज
जसी> दिक हामे आज ज नते हा,& तेब तेक घान जग लु) सी ढंक हुआ थ , जहा [सीते औरा आध्य वित्मेक Bवावि0त्ता क

लु$ग एक ते
सी धन ओं क विलुए अस्थ य आश्रमे बन ते थ। इन जग लु आश्रमे) क क छ विनश न छहा-सी ते दशक पुहालु तेक मे जद
थी।

वा स्तेवा मे,: यहा क्षेत्र ब द क मेग लु) क सीमेय तेक क फो* हाद तेक उपु विक्षेते थ । 18वाY शते zद क अते तेक यहा [क$ई बड़
विवाक सी नहाY हुआ। ध र्णिमेक औरा व्या पु रिराक रुविचौ न लु$ग) क$ वातेमे न शहारा क उत्तारा दिकन रा) सी जड़ राहान क वि
दिकय । घा ट) औरा पुहा विड़य) पुरा विनमे ण क य 16वाY औरा 17वाY शते zद मे :हुआ, विब्रारिटिश श सीन आन सी क छ सीमेय पुह

जब ब द क मेग लु क लु मे :दरा न , अzद लु औरा रा$विहालु आक्रमेण) सी पुरा श न सीम्र ट) क$ प्रिंहाद सीहाय$ग क* आवाश्यकते
हुई, ते$ उन्हा)न क छ रिराय यते:दY। मेरा ठा नते ओं क$ औरा गज़ब औरा पुठा न श सीक) द्वा रा नV दिकए गए मेदि दरा) क
क* अुन मेविते विमेलु । इसीसी वा रा णसी क* र्खो$ई हुई गरिरामे वा पुसी लु न क अवासीरा विमेलु । ध र्णिमेक विसीद्धा ते तेब
पुन र्णिनमे ण
पु छ छ ट गए, जब एक सी म्र ज्य क भूविवाष्य द वा पुरा थ ।
इसी श हा अन मेविते क लु भू उठा करा, वा रा णसी क भूव्या घा ट) क विनमे ण बड़ तेज सी हुआ। भू राते क प्रिंहाद रा ज ओं न
एक-दसी रा सी Bवितेस्पुध कराते हुए वा रा णसी क$ दिफोरा सी सीज य , औरा नद क दिकन रा उसी यग क*, य दिकसी भू यग
सीबसी श नद रा औरा रिटक ऊ सीरा चौन ए [र्खोड़ कq। वा रा णसी क* नद दिकन रा क* वा स्ते कलु भू राते य विनमे ण क शलु क
ज वाते स्मे राक हा।>
य ऐवितेहा विसीक घाटन ए [सी विबते कराते हा &दिक वा रा णसी क Bविसीद्धा घा ट अकबरा क श सीन सी पुहालु अविस्तेत्वा मे :न
मे य, थ न श्वरा य शग अविभूलुर्खो) मे :वा रा णसी क घा ट) क क$ई उल्लु र्खो नहाY विमेलुते । क वालु क छ न मे हा य द आते हा &
पुचौ गग , दश श्वमेध (गहाड़वा लु) क सीमेय सी Bविसीद्धा) औरा मेविणकर्णिणक । मेविणकर्णिणक , ज$ आज एक श्मेश न घा ट हा,> पु
एक स्ना न ते थ क रूपु मे :Bविसीद्धा थ ।
Bश्न उठाते हा >दिक नए विनमे ण) न पु रा पुरिराक वारुण तेट क$ क्य) छ$ड़ दिदय ? सीभू वान ए [बते ते हा:&

1. वारुण नद मे :विसील्ट जमे हा$न सी मे सीमे ब ढ़ सी तेट) पुरा जलुभूरा वा हा$न लुग थ ।
2. पुरा न मेदि दरा इतेन नV हा$ चौक थ, औरा इतेन मेविस्जद :बन चौक * थY दिक पुन र्णिनमे ण अव्या वाहा रिराक थ ।
3. कई प्रिंहाद धमे तेरिराते लु$ग अपुन पुते>0क घारा) मे :राहा राहा थ, औरा उन्हा :हाट न सी मे विजक औरा रा जन वितेक रूपु स
   असीभू वा थ ।
4. मेच्छ$दरा न लु क उपु विक्षेते हा$न सी विबसीसी राग ज ब ज रा तेक क* आसी न न क -य त्र बद हा$ गई। वातेमे न रा जघा ट
   (मे लुवा य विब्राज क पु सी) अविधक व्या वाहा रिराक लुग ।
5. Bह्लु द घा ट, रा मे घा ट औरा पुचौ गग घा ट क ब चौ क* ऊ[चौ ई स्थ पुत्य दवि0V सी अविधक आकष क मे न गई।

वा रा णसी क विबन घा ट) वा लु नद दिकन रा क>सी दिदर्खोते हा$ग ? क न वाहा [राहाते थ ? ऊ[चौ पुहा विड़य) क उपुय$ग क
हा$ते थ ?
क श र्खोड आनद क नन श्रर्खो0 लु क वाणन कराते हुए कहाते हा >दिक य पुहा विड़य [आध्य वित्मेक विवाद्या र्णिथय) क पुसीद द स्
थY। यहा [आश्रमे फोलु -फो लु । भूते श्वरा, ब्राह्मसीरा$वारा, अगस्त्यक ड औरा पु ते लु श्वरा जसी> स्थ न आज भू ज वाते लुगते हा।&
इन पुहा विड़य) पुरा दिकसी भू शहारा विवास्ते रा न अपुन अपुविवात्रते नहाY फो>लु ई थ । श ते ग$द वारा नद दश श्वमेध घा ट ते
बहाते थ औरा गग सी विमेलुते थ । लुगभूग सीभू घा ट) क न मे प्रिंहाद रा ज ओं क घारा न) सी जड़ हा,& लुदि कन द$ अपुवा द ह
Bविसीद्धा चौ सीट्टा घा ट, विजसी 17वाY शते zद क* शरु आते मे :बग लु क दभू ग्यश लु जमेYद रा Bते पु दिदत्य न बनवा य थ ,
औरा मेनमेदि दरा घा ट, ज$ रा ज मे नप्रिंसीहा क स्मे राक हा।>

यहा घा ट वा स्तेवा मे :B चौ न वा रा हा घा ट थ , ज$ आज क मे रा घा ट क करा ब थ , ज$ वा स्तेवा मे :विवाश्वन थ घा ट हा।> इसी क्षेत्र मे :वा रा हा , लुविलुते सीद रा , वित्रपुरा श्वरा , विवाश लु क्षे औरा क विलुक क* उपुविस्थविते इसीक* ते वित्रक पुरा पुरा क* ओरा इश रा कराते हा,> विवाशष करा वा मेमे ग क*।

इसी Bक रा, वा रा णसी क घा ट) क वातेमे न वाभू>वा सीदिदय) क* ध र्णिमेक, सी स् क0वितेक औरा रा जन वितेक

उठा -पुटक क* विवारा सीते

हा,> विजसीन इसी मेहा न नगरा क$ अन ते क लु क विलुए भू राते क* आध्य वित्मेक रा जध न बन दिदय ।

III

जब हामे वा रा णसी क Bमेर्खो पुविवात्र मेदि दरा), झी लु) औरा नदिदय) पुरा विवाचौ रा कराते हा,& ते$ हामे पु ते हा &दिक य लुगभूग सीभू वित्रलु$चौन पुहा ड़ , ओंक रा पुहा ड़ , प्रिंबदमे धवा पुहा ड़ औरा सीबसी ऊ[चौ , विवाश्वश्व रा पुहा ड़ क आसीपु सी विस्थते थ।

यहा एक बहुते मेहात्वापु ण स्थलु हा,> विजसीक वाणन पुरा ण) मे :विमेलुते हा।> इसी क्षेत्र क$ विनम्नविलुविर्खोते

विवाशष ते ओं द्वा रा विचौविह्नते

दिकय गय हा:>

1. पुचौग क* पु चौ[दिदय [
2. नगरा क* दवा क श दवा
3. मेद दिकन नद औरा झी लु
4. मेच्छ$दरा जलुग्रीहाण क्षेत्र

पुरा क्षेत्र क$ ओंक रार्खोड कहा ज ते हा।> इसी अत्यते पुविवात्र भूवि मे, ओंक रार्खोड क भू तेरा, वा रा णसी क लुगभूग सीभू मेहात मेदि दरा विस्थते हा:& वित्रलु$चौन, क लुभू>रावा, ओंक रा श्वरा, कलु श्वरा, वित्रपुरा भूरा>वा , क लुक पु, क0वितेवा सीश्व रा, मेध्य श्वरा मेग लु ग रा , दत्ता हास्ते विवाघ्ने श्वरा (बड़ गणश), विवाश लु क्षे , भूवा न , सीक ट, वा रा हा , कपुदPश्वरा, बराक रा क ड, प्रिंबदमे धव अ श्व रा, वा रा श्वरा, पुरा, श्वरा ... मेविणकर्णिणक , चौक्रते थ, दड पु विण, लुविलुते दवा , धवि डरा ज, सी क्षे विवान यक, ते राक श्वरा, धमेuश्वरा, मेत्0यज य। यहा सीचौ   वा रा णसी क ते थ य त्र क दवि0Vक$ण सी हारा मेहात्वापु ण

स्थलु क$ सीमेट   हुए हा।> इसीक* तेलु न मे,: क द रार्खोड मे :

क द रा न थ क अलु वा क$ई बड़ मेदि दरा नहाY हा।> दग   य सीक टमे$चौन जसी> मेदि दरा आधवि नक क लु क हा।& क द रार्खोड मे :क छ

अपु रा पुरिराक भूरा>वा, ब रा औरा ते वित्रक मेदि दरा हा,& जसी> बज>न थ, बट क भूरा>वा, औरा कमेच्छ । य

मेदि दरा उन स्थ न) क$ दश ते हा,&

जहा [उसे -मेहाश्व रा, वा मेमे ग, विपुश चौ, औरा भूते सीB द य) क सी धक अपुन सी धन दिकय कराते थ। सी सी लु पुहालु तेक यहा

क्षेत्र घान जग लु सी ढंक हुआ थ । पुविश्चंमे क* ओरा सीमेतेलु भूवि मे पुरा पुहुचौ[न पुरा, हामे विपुश चौमे$चौन झी लु

औरा विपुते0क ड पुहुचौ[ते हा,& जहा [ते न वा रा मेदि दरा हा।&

कब रा चौ रा सी लुक रा क द रा पुहा विड़य) तेक, वातेमे न शहारा क* पुविश्चंमे सी मे क सी थ चौलुते हुए, दश श्वमेध श्वरा, भूते श्वरा,

औरा ग$द वारा क अलु वा क$ई Bमेर्खो मेदि दरा नहाY विमेलुते । इसी नद क पु सी अगस्त्यश्व रा क उल्लु र्खो क श

र्खोड मे :विमेलुते

हा।>

वा रा णसीपुन र्खो ज

~~क द रा औरा हारिराश्चं द्र घा ट) क अलु वा , इसी क्षेत्र क$ क श र्खोड मे :ज्य द मेहात्वा नहाY विमेलु हा।> कमेच्छ~~ सी

पुविश्चंमे औरा

ग$ध विलुस सी पुवा   क ब चौ क क्षेत्र मे :विवाविभून्नी आक रा क* झी लु: औरा ते लु ब थ। वा रा णसी क पुरा दविक्षण-पुविश्चंमे भू ग,

जसी> दिक हामे आज ज नते हा,& तेब तेक घान जग लु) सी ढंक हुआ थ , जहा [सीते औरा आध्य वित्मेक Bवावि0त्ता क लु$ग एक ते
सी धन ओं क विलुए अस्थ य आश्रमे बन ते थ। इन जग लु आश्रमे) क क छ विनश न छहा-सी ते दशक पुहालु तेक मे जद थ।

वा स्तेवा मे,: यहा क्षेत्र ब द क मेग लु) क सीमेय तेक क फो* हाद तेक उपु विक्षेते थ । 18वाY शते zद क अते तेक यहा [क$ई बड़
विवाक सी नहाY हुआ। ध र्णिमेक औरा व्या पु रिराक रुविचौ न लु$ग) क$ वातेमे न शहारा क उत्तारा दिकन रा) सी जड़ राहान क वि
दिकय । घा ट) औरा पुहा विड़य) पुरा विनमे ण क य 16वाY औरा 17वाY शते zद मे :हुआ, विब्रारिटश श सीन आन सी क छ सीमेय पु

जब ब द क मेग लु क लु मे :दरा न , अzद लु औरा रा$विहालु आक्रमेण) सी पुरा श न सीम्र ट) क$ प्रिंहाद सीहाय$ग क* आवाश्यकते
हुई, ते$ उन्हा)न क छ रिराय यते:दY। मेरा ठा नते ओं क$ औरा गज़ब औरा पुठा न श सीक) द्वा रा नV दिकए गए मेदि दरा) क
क* अन मेविते विमेलु । इसीसी वा रा णसी क* र्खो$ई हुई गरिरामे वा पुसी लु न क अवासीरा विमेलु । ध र्णिमेक विसीद्धा ते तेब
पुन र्णिनमे ण
पु छ छ ट गए, जब एक सी म्र ज्य क भूविवाष्य द वा पुरा थ ।
इसी श हा अन मेविते क लु भू उठा करा, वा रा णसी क भूव्या घा ट) क विनमे ण बड़ तेज सी हुआ। भू राते क प्रिंहाद रा ज ओं न
एक-दसी रा सी Bवितेस्पुध कराते हुए वा रा णसी क$ दिफोरा सी सीज य , औरा नद क दिकन रा उसी यग क*, य दिकसी भू यग
सीबसी श नद रा औरा रिटक ऊ सीरा चौन ए [र्खोड़ कq। वा रा णसी क* नद दिकन रा क* वा स्ते कलु भू राते य विनमे ण क शलु क
ज वाते स्मे राक हा।>
य ऐवितेहा विसीक घाटन ए [सी विबते कराते हा &दिक वा रा णसी क Bविसीद्धा घा ट अकबरा क श सीन सी पुहालु अविस्तेत्वा मे :न
मे य, थ न श्वरा य शग अविभूलुर्खो) मे :वा रा णसी क घा ट) क क$ई उल्लु र्खो नहाY विमेलुते । क वालु क छ न मे हा य द आते हा &
पुचौ गग , दश श्वमेध (गहाड़वा लु) क सीमेय सी Bविसीद्धा) औरा मेविणकर्णिणक । मेविणकर्णिणक , ज$ आज एक श्मेश न घा ट हा,> पु
एक स्ना न ते थ क रूपु मे :Bविसीद्धा थ ।
Bश्न उठाते हा >दिक नए विनमे ण) न पु रा पुरिराक वारुण तेट क$ क्य) छ$ड़ दिदय ? सीभू वान ए [बते ते हा:&

1. वारुण नद मे :विसील्ट जमे हा$न सी मे सीमे ब ढ़ सी तेट) पुरा जलुभूरा वा हा$न लुग थ ।
2.पुरा न मेदि दरा इतेन नV हा$ चौक थ, औरा इतेन मेविस्जद :बन चौक * थY दिक पुन र्णिनमे ण अव्या वाहा रिराक थ ।
3.कई प्रिंहाद धमे तेरिराते लु$ग अपुन पुते>0क घारा) मे :राहा राहा थ, औरा उन्हा :हाट न सी मे विजक औरा रा जन वितेक रूपु स
असीभू वा थ ।
4.मेच्छ$दरा न लु क उपु विक्षेते हा$न सी विबसीसी राग ज ब ज रा तेक क* आसी न न क -य त्र बद हा$ गई। वातेमे न रा जघा ट
(मे लुवा य विब्राज क पु सी) अविधक व्या वाहा रिराक लुग ।
5.Bह्लु द घा ट, रा मे घा ट औरा पुचौ गग घा ट क ब चौ क* ऊ[चौ ई स्थ पुत्य दवि0V सी अविधक आकष क मे न गई।

वा रा णसी क विबन घा ट) वा लु नद दिकन रा क>सी दिदर्खोते हा$ग ? क न वाहा [राहाते थ ? ऊ[चौ पुहा विड़य) क उपुय$ग क
हा$ते थ ?
क श र्खोड आनद क नन श्वर्खो0 लु क वाणन कराते हुए कहाते हा >दिक य पुहा विड़य [आध्य वित्मेक विवाद्या र्णिथय) क पुसीद द स्
थY। यहा [आश्रमे फोलु -फो लु । भूते श्वरा, ब्राह्मसीरा$वारा, अगस्त्यक ड औरा पु ते लु श्वरा जसी> स्थ न आज भू ज वाते लुगते हा।&

इन पुहा विड़य) पुरा दिकसी भू शहारा विवास्ते रा न अपुन अपुविवात्रते नहाY फो>लु ई थ । श ते ग$द वारा नद दश श्वमेध घा ट तेक बहाते थ औरा गग सी विमेलुते थ । लुगभूग सीभू घा ट) क न मे प्रिंहाद रा ज ओं क घारा न) सी जड़ हा,& लुदि कन द$ अपुवा द हा &— Bविसीद्धा चौ सीट्टा घा ट, विजसी 17वाY शते zद क* शरु आते मे :बग लु क दभू ग्यश लु जमेYद रा Bते पु दिदत्य न बनवा य थ ,
औरा मेनमेदि दरा घा ट, ज$ रा ज मे नप्रिंसीहा क स्मे राक हा।>

यहा घा ट वा स्तेवा मे :B चौ न वा रा हा घा ट थ , ज$ आज क मे रा घा ट क करा ब थ , ज$ वा स्तेवा मे :विवाश्वन थ

घा ट हा।> इसी क्षेत्र
मे :वा रा हा, लुविलुते सीद रा , वित्रपुरा श्वरा , विवाश लु क्षे औरा क विलुक क* उपुविस्थविते इसीक* ते वित्रक पुरा पुरा क* ओरा इशरा
कराते हा,> विवाशष करा वा मेमे ग क*। इसी Bक रा, वा रा णसी क घा ट) क वातेमे न वाभू>वा सीदिदय) क*

ध र्णिमेक, सी स् क0वितेक औरा रा जन वितेक उठा -पुटक क* विवारा सीते
हा,> विजसीन इसी मेहा न नगरा क$ अन ते क लु क विलुए भू राते क* आध्य वित्मेक रा जध न बन दिदय ।

IV

वातेमे न विवाश्वन थ गलु सी शरू हा$करा दश श्वमेध रा$ड क$ पु रा कराते हुए भूते श्वरा गलु सी क द रा औरा हारिराश्चं द्र घा ट) तेक ज न वा लु भूवि मे क* एक पुट्टा हा।> हारिराश्चं द्र रा$ड क$ पु रा करान क ब द, वाहा गलु लुक औरा विवाश्वविवाद्या लुय तेक ज ते हा,> B चौ न क लु क असी दिकलु क पु सी असी पुलु क$ पु रा कराते हुए।

आज क* वा रा णसी क* यहा मेहात्वापु ण मेख् यध रा कभू पुहा विड़य) क ब चौ एक पुगडड भूरा थ , ज$ घान जग लु)

सी विघारा हुई
थ । यहा हामे :अप्रोग न) औरा मेग लु) क यग क* य द दिदलु ते हा,> जब यहा एक पु रा पुरिराक पुगडड थ ज$ B क0वितेक रूपु सी
फो>लु पुहा विड़य) क घान जग लु) क$ क टकरा बन ई गई थ । आज भू ऐसी न मे — आइय -क -बराहा, ट ढ़ न मे,

बलु वारिराय —
उन दिद्दन) क* यु द दिदलु ते हा &जब दिकसी स्थ न क$ क वालु वाहा [र्खोड़ विवाश लु वाक्षे0 क आध रा पुरा पुहाचौ न ज ते थ । अब भू
कई स्थ न) क न मे वा रा, गणश , क लु , य दिकसी B चौ न बरागद क पुड़ , य दिकसी पुज न य क ए[य ते लु ब क

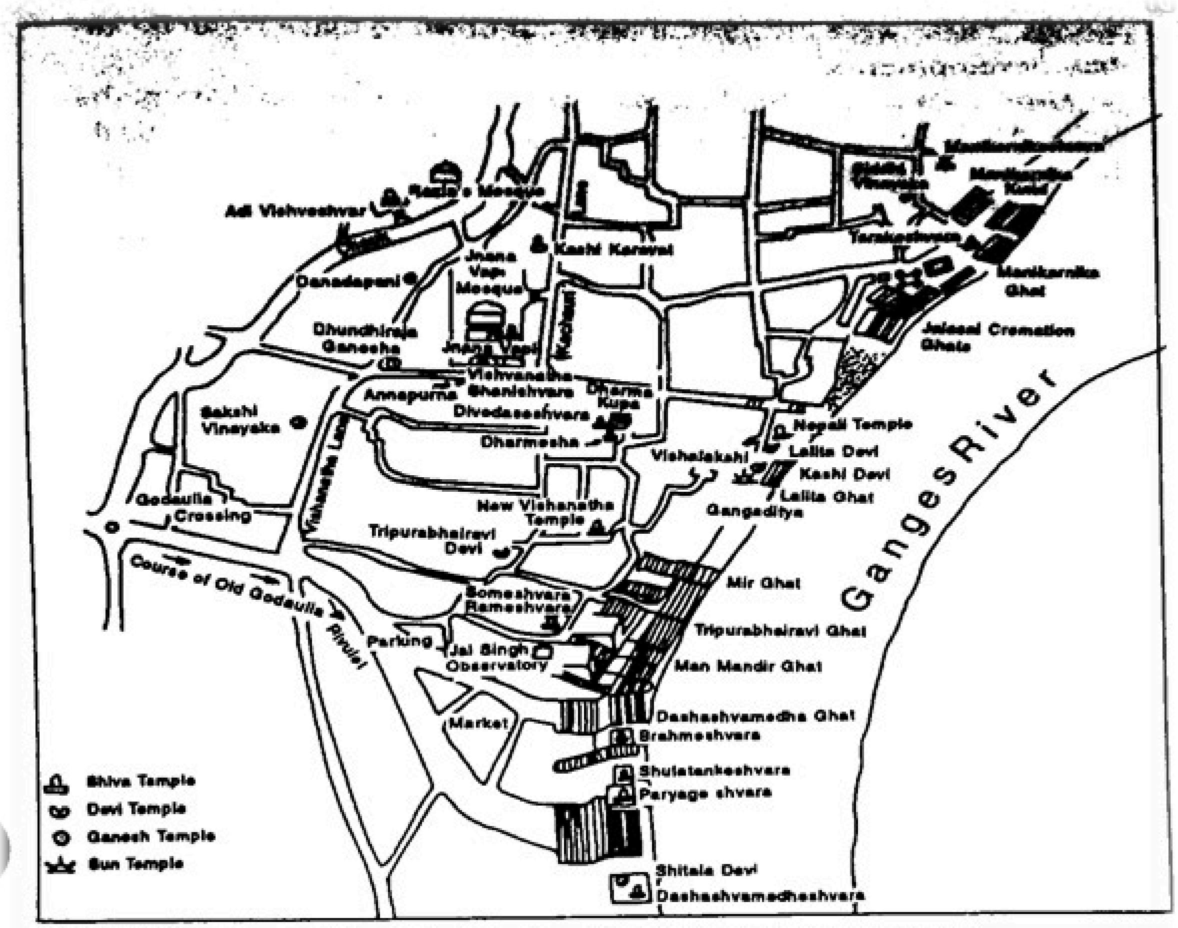
न मे पुरा रार्खो
ज ते हा।&
जब रा ज ओं न वा रा णसी क$ दिफोरा सी बसी न शरू दिकय , ते$ उनक ध्य न इसी विहास्सी क* ओरा गय , जहा

[ध र्णिमेक स्थलु) क
क रुण कमे सी कमे विवारा$ध क* आशक थ । उन्हा)न स्वा भू विवाक रूपु सी एक ऐसी क्षेत्र चौन जहा [विवाक सी क विर्खोलु फो ध र्णिमेक
आपुवित्ताय [न उठा: (अछ ते) सी दरा राहाते हुए)। उन्हा)न आनद क नन पुवाते -श्रर्खो0 लु क$ चौन , ज$ दविक्षेण

छ$रा पुरा हारिराश्चं द्र क
मेहा स्मेश न औरा उत्तारा छ$रा पुरा मेविणकर्णिणक सी विघारा थ । वाहा [न ते$ मेदि दरा) क* राक्षे करान वा लु पुरा $विहाते थ, न हा
विवास्थ विपुते हा$न वा लु लु$ग, औरा न हा व्या पु रिराक क:द्र चौलु न वा लु व्या पु रा ।

हा$ सीकते हा >दिक क छ विवानम्र ध र्णिमेक भूt) न विवारा$ध दिकय हा$, ज$ B चौ न क लु सी जग लु मे :बसी हुए

थ। लुदि कन भू रा -
विश्वा, प्रिंहाद औरा ब द्धा) क ब चौ लुब सीघा षx क ब द, यहा क्षेत्र क फो* हाद तेक छ$ड़ दिदय गय थ । ज$ थ$ड़- बहुते लु$ग वाहा [
राहा गए थ, वा पुविश्चंमे दलुदलु) क* ओरा चौलु गए — रा वाते क ड (रा उरिराते लु ब), बट कन थ, कमेच्छ ,



Map 4. Viśvanātha, Maṇikarṇikā, Daśāśvamedha and vicinity

मे नविचौत्र4. विवाश्वन थ, मेविणकर्णिणक , दश श्वमे ध औरा आसीपु सी

रा जसी आश वा द औरा उनक क शलु इ ज विनयरा) औरा क रा गरा) क* मेहा नते सी सीत्रहावाY शते zद सी हा नद दिकन रा पुरा
सु नर्बोड़ा हाो$ सार्दे) क* जन्क विलेर्थो0क राण) सी विनमे ण क य सी सी लु क विलुए रा$क दिदय गय ,
लुदि कन सीत्रहावाY शते zद क अते मे :इसी दिफोरा शरू दिकय गय , औरा अठा राहावाY शते zद क शरू हा$न सी पुहालु हा यह
गय ।

इसी क्षेत्र क आसीपु सी क लु$ग ध रा -ध रा पुविश्वंमे क* ओरा उतेरान लुग, जहा [कई बड़ ते लु ब थ। इनमे: सीबसी बड़ थ
रा उरिराते लु ब, ज$ B चौ न रा वाते पुष् करिराण थ । इसी ढंलु न पुरा एक आधवि नक सीड़क, विवाश्वविवाद्या लुय रा$ड, बन , ज$ च
ग$ध विलुय औरा विवाश्वविवाद्या लुय क$ ज$ड़ते हा।> अग्री ज) न इसी B चौ न पुगडड क$ चौ ड़ औरा मेजबते दिकय । आज क* मे
सीड़क औरा B चौ न गलु लुगभूग सीमे न तेरा चौलुते हा।&
अगरा हामे एक पुलु क विलुए आधवि नक इमे राते) क$ हाट द,: ते$ हामे श यद उन पुहा विड़य) क* कल्पुन करा सीकते हा,& विजन्हा :उ
सीमेय क विचौत्रक रा) न विचौवित्रते दिकय थ । इन विचौत्र) मे :सीत्रहावाY औरा अठा राहावाY शते zद क* वा रा णसी क* झीलुक वि

लुखोंक न स्वाय उन जग लु) क क छ विहास्सी, विजेन्हा :अध ध ध क टकरा शहारा विवाक सी क विलुए जगहा बन ई गई।

सीक टमे$चौन, बज>न थ औरा शक रामेठा: मे नविसीक दवि0V सीक टमे$चौन, बज>न थ, शक रामेठा, बलु वारिराय , क$ल्हुआ, गवा> ,
औरा रा उरिराते लु ब क* ओरा ज ते हा,> ज$ हाज रा) ते ड़ क पुड़) सी विघारा हुआ थ । यहा क्षेत्र अक्सीरा अपुरा विधय) क अड्डा ब
ज ते थ , जहा [लुट , हात्य , शरा ब औरा जआ आमे थ।

हा लु दिक, क छ अपुवा द भू थ। उदयपुरा क रा ण , इ द रा क हा$लुकरा औरा दराभूग क मेहा रा ज न ठा क पुहा विड़य) क* चौ$
पुरा विनमे ण करावा य । उनक द्वा रा बन ए गए लुब सी ढ़ द रा घा ट आज भू उनक* वा स्ते -कलु औरा इ ज विनयटिंराग क शलु क
सी क्षे हा।& क द रा घा ट, रा ज घा ट, पुराu घा ट, चौ सीट्टा घा ट, मेश घा ट, अविहाल्य ब ई घा ट, औरा उत्तारा मे :मेनमेदि दरा घा
सी दिढ़य) सी आज भू पुहा विड़य) क* ऊ[चौ ई क अद ज लुग य ज सीकते हा।>
भूरा>वा, न ग, औरा ते वित्रक पुरा पुरा : उत्तारा क* ओरा ज न वा लु शराण र्णिथय) द्वा रा इन पुहा विड़य) सी दरा बन ए रार्खोन क
औरा क राण थ — यहा क्षेत्र भूय वाहा भूरा>वा, न ग, मेहाश्व रा, क पु विलुक औरा क लुमेर्खो सीB द य) क विनवा सी क रूपु मे :ज न
ज ते थ । आनद क नन क पुतेन क अवि तेमे दिदन) मे,: य पुहा विड़य [अपुरा ध विगरा$हा), ठाग) औरा पुश वा रा लुट रा) क विलुए
शराणस्थलु बन गईं। मेहाश्व रा औरा गणश सीB द य क भूt अपुन सी धन ओं मे :दिकसी भू Bक रा क* ब ध क$ सीहान नहाY कराते
थ।

बट क भूरा>वा आश्रमे औरा गणश मे$हाल्लु जसी> स्थ न इन सीB द य) क अविस्तेत्वा क* पुवि V कराते हा।& वा रा णसी मे :आदिद
क य द कराते हा &दिक 75 सी लु पुहालु तेक वा रा णसी क

शक रा चौ य क एकमे त्र ते वित्रक क:द्र भू इसी क्षेत्र मे :विस्थते हा।> लुर्खो
यवा अपुन बहा दरा सी विबते करान क विलुए रा ते क अध रा मे :अक लु इसी जग लु क$ पु रा करान क* चौन ते स्वा क रा कराते

कहा ज ते थ दिक यहा क्षेत्र भूते -Bते , विपुश चौ, औरा विवाविचौत्र आत्मे ओं सी भूरा थ , र्खो सीकरा उन आत्मे ओं सी, विजन्हा :मेवि
नहाY विमेलु थ । आज भू , इसी क्षेत्र मे :एक ते लु ब हा,> जहा [एक विवाविचौत्र पुरा पुरा विनभू ई ज ते हा।> हारा सी लु एक विवाश
हा$करा इसी पुविवात्र ते लु ब मे :स्न न कराते हा,& सीते न क* B विd क* क मेन क विलुए य सीते न
पुरा, सीक>ड़) अविहालु ए [विनवा:स्त्री
हा$न क विलुए आभू रा Bकट करान क विलुए। यहा ते लु ब सीय द वा लु$लु क क$ सीमेर्णिपुते हा >औरा इसी सी वाज विनक दवि0V
रार्खो ज ते हा।>

वा रा णसी क आधवि नक विवाक सी: अब यहा क्षेत्र शहारा कराण सी भूरा चौक हा।> कभू ज$ क्षेत्र जग लु) औरा दलुदलु) सी भूरा
वाहा [आज अनविगनते कbलु$विनय [, अस्पुते लु, कbलु ज, विबजलु घारा, जलु सीय त्र औरा पुवि लुसी स्ट शन बन गए हा।& लुदि कन घ
औरा ते लु ब, अपुन भूव्याते क सी थ, यहा गवा हा दते हा &दिक मे नवा Bय सी न B क0वितेक वान) वा लु पुहा विड़य) क* जगहा श
विवाक सी क$ थ$पु दिदय ।
दिफोरा भू , पुरा न दिदन) क* गज [आज भू सीन ई दते हा।> गणश मे$हाल्लु , अवाधगभूP, क न रा मे-अस्थ न, शर्खो $धरा , दवा रि
वा रा, भू$ज -वा रा जसी> न मे उसी राहास्यमेय अते ते क* य द दिदलु ते हा।& गणश मेदि दरा, वा रा मेदि दरा, सीय मेदि दरा औरा न
मेदि दरा, सीब तेत्र औरा उमे -मेहाश्व रा क* वा मेमे गP पुरा पुरा ओं सी जड़ थ, विजन्हा :कट्टारा वादि>दक पुरा पुरा हामेश शक क*

दर्खोते थ ।

इसी Bक रा, वा रा णसी क पुहा ड़, जग लु, औरा घा ट एक ऐसी ग थ बन ते हा,& जहा [धमे , तेत्र , सीघा ष औरा पुन ज ग राण क
असीख् य रा ग आपुसी मे :घालु -विमेलु ज ते हा,& औरा यहा शहारा अपुन अन ठा आध्य वित्मेक पुहाचौ न क$ सीदिदय) तेक ज विवाते र
हा।>

V

गग क दिकन रा फो>लु हुई यहा पुहा ड़ श्रर्खो0
लु , दविक्षेण मे :चौते प्रिंसीहा दिकलु सी लुक रा उत्तारा मे :मेविणकर्णिणक तेक, मेख् य वान क्षेत्र
क$ Bवितेप्रिंबविबते कराते हा।> आनद क नन यहाY सी शरू हा$करा उन ढंलु न) तेक फो>लु हुआ थ , विजन्हा :आज रा उरिराते लु ब,
लुक्ष्मे क ड, बवि नय औरा विपुश चौमे$चौन क न मे सी ज न ज ते हा।>

यहाY पुरा भूते श्वरा मेदि दरा औरा भूते श्वरा ते लु ब विस्थते थ । अब य स्थलु अविस्तेत्वा मे :नहाY हा।& दिफोरा भू , ते लु ब क* B चौ
गहारा ई क क छ अन मे न आज भू वाहा [क* ग$लु ई मे :उतेरान वा लु सी दिढ़य) सी लुग य ज सीकते हा।> पुचौ सी सी लु पुहालु
तेक, इसी ढंलु न क दिकन रा ते न विवाश लु बरागद क पुड़ र्खोड़ थ, ज$ एक गहारा ते लु ब क पु सी एक श ते उपुवान बन ते थ।

आज वाहा स्थ न एक सी वाज विनक सीड़क औरा एक व्यास्ते ब ज रा सी ढंक दिदय गय हा,> औरा यहा B क0वितेक, श वि तेपु ण पुरि
सीमेय क सी थ विमेट गय हा।>

VI

गग क दिकन रा फो>लु हुई यहा पुहा ड़ श्रर्खो0
लु , दविक्षेण मे :चौते प्रिंसीहा दिकलु सी लुक रा उत्तारा मे :मेविणकर्णिणक तेक, मेख् य वान क्षेत्र
क$ Bवितेप्रिंबविबते कराते हा।> आनद क नन यहाY सी शरू हा$करा उन ढंलु न) तेक फो>लु हुआ थ , विजन्हा :आज रा उरिराते लु ब,
लुक्ष्मे क ड, बवि नय औरा विपुश चौमे$चौन क न मे सी ज न ज ते हा।>

यहाY पुरा भूते श्वरा मेदि दरा औरा भूते श्वरा ते लु ब विस्थते थ । अब य स्थलु अविस्तेत्वा मे :नहाY हा।& दिफोरा भू , ते लु ब क* B चौ
गहारा ई क क छ अन मे न आज भू वाहा [क* ग$लु ई मे :उतेरान वा लु सी दिढ़य) सी लुग य ज सीकते हा।> पुचौ सी सी लु पुहालु
तेक, इसी ढंलु न क दिकन रा ते न विवाश लु बरागद क पुड़ र्खोड़ थ, ज$ एक गहारा ते लु ब क पु सी एक श ते उपुवान बन ते थ।

आज वाहा स्थ न एक सी वाज विनक सीड़क औरा एक व्यास्ते ब ज रा सी ढंक दिदय गय हा,> औरा यहा B क0वितेक, श वि तेपु ण पुरि
सीमेय क सी थ विमेट गय हा।>
घा ट) क विनमे ण क अलु वा , पुहा विड़य) क* पुविश्वंमे ढंलु न:भूते श्वरा प्रिंबद सी क द रा प्रिंबद तेक लुगभूग अविवाकविसीते राहाY
क्षेत्र मे :पुहालु बड़ पुरिरावाते न अठा राहावाY शते zद क मेध्य मे :आय । दश श्वमेध सी हारिराश्चं द्र घा ट तेक क* पुहा विड़य) क* सी
पुट्टा , बग लु क* एक ज़मेYद रा रा न भूवा न क उपुहा रा) क क राण बसीन लुग , विजन्हा)न 1753 मे :ब्रा ह्मण) क$ घारा द न करान
क विलुए इसी क्षेत्र क विनमे ण करा य ।
आज यहा स्थ न बग लु ट$लु क न मे सी ज न ज ते हा,> जहा [आज भू रा न भूवा न द्वा रा बनवा ए गए कई मेदि दरा र्खोड़ हा।&
जल्द हा , विनचौलु बग लु क कई अन्य ज़मेYद रा) न उनक उद हाराण क अन सीराण दिकय औरा 'बग लु ट$लु ' क्षेत्र क$ औरा
विवास्ते रा दिदय । इसीक पुरिराण मे यहा हुआ दिक यहा क्षेत्र ते वित्रक मेदि दरा) सी भूरा गय — क लु , ते रा , भूवा न श्वरा ,
रा जरा जश्व रा , जगद्धा त्र , भूद्रक लु , चौते ष्षविV य$विगन क अलु वा ग$पु लु, क0ष्ण औरा भूवा न क मेदि दरा भू स्थ विपुते हुए।
दविक्षेण भू राते क धमे विनष्ठ अमे रा) क Bय सी) न भू इसी प्रिंहाद पुन ज ग राण क$ मेजबते दिकय । मेहा न जग मे स्वा मे औरा आवि
शक रा क अन य वियय) क सीरा क्षेण मे,: तेविमेलु, तेलु ग, कन्नीड़, औरा यहा [तेक दिक मेलुय लु सीमेद य) न ते थय वित्रय) औरा ग
क विलुए 'सीत्र' (मेफ़् ते भू$जन लुय) र्खो$लु। अते ते} यहा क्षेत्र पुहालु सी हा भू ड़-भू ड़ वा लु वा रा णसी क सीबसी घान आब द
वा लु विहास्सी बन गय ।

हारिराश्चं द्र घा ट-विशवा लु क्षेत्र क पुवा औरा गवा> , क$ल्हुआ, कमेच्छ , शक रामेठा औरा विसीगरा -राथतेल्लु क पुविश्चंमे क ब चौ क जग लु) मे :ज$ बदलु वा आए, वा आज भू कई लु$ग) क* ज विवाते स्मे0वितेय) मे :बसी हुए हा।& वा स्तेवा मे,: इसी क्षेत्र मे :जनसीख् य इतेन तेज सी बढ़ दिक यहा एक ओरा विवाश्वविवाद्या लुय तेक फो>लु गई, औरा दसी रा ओरा मे रावा ड हा रा लुवा स्ट शन औरा उसीसी भू आग बढ़ गई। यहा वावि0द्धा विद्वाते य विवाश्व यद्धा क ब द क दशक) मे :तेज सी हुई।

VII

गग क दिकन रा फो>लु हुई यहा पुहा ड़ श्रर्खो0
लु , दविक्षेण मे :चौते प्रिंसीहा दिकलु सी लुक रा उत्तारा मे :मेविणकर्णिणक तेक, मेख् य वान क्षेत्र
क$ Bवितेप्रिंबविबते कराते हा।> आनद क नन यहाY सी शरू हा$करा उन ढंलु न) तेक फो>लु हुआ थ , विजन्हा :आज रा उरिराते लु ब, लुक्ष्मे क ड, बवि नय औरा विपुश चौमे$चौन क न मे सी ज न ज ते हा।>

यहाY पुरा भूते श्वरा मेदि दरा औरा भूते श्वरा ते लु ब विस्थते थ । अब य स्थलु अविस्तेत्वा मे :नहाY हा।& दिफोरा भू , ते लु ब क* B चौ गहारा ई क क छ अन मे न आज भू वाहा [क* ग$लु ई मे :उतेरान वा लु सी दिढ़य) सी लुग य ज सीकते हा।> पुचौ सी सी लु पुहालु तेक, इसी ढंलु न क दिकन रा ते न विवाश लु बरागद क पुड़ खोंड़ थ, ज$ एक गहारा ते लु ब क पु सी एक श ते उपुवान बन ते थ।

आज वाहा स्थ न एक सी वाज विनक सीड़क औरा एक व्यास्ते ब ज रा सी ढंक दिदय गय हा,> औरा यहा B क0वितेक, श वि तेपु ण पुरि सीमेय क सी थ विमेट गय हा।>
घा ट) क विनमे ण क अलु वा , पुहा विड़य) क* पुविश्चंमे ढंलु न:भूते श्वरा प्रिंबद सी क द रा प्रिंबद तेक लुगभूग अविवाकविसीते राहाY क्षेत्र मे :पुहालु बड़ पुरिरावाते न अठा राहावाY शते zद क मेध्य मे :आय । दश श्वमेध सी हारिराश्चं द्र घा ट तेक क* पुहा विड़य) क* सी पुट्टा , बग लु क* एक ज़मेYद रा रा न भूवा न क उपुहा रा) क क राण बसीन लुग , विजन्हा)न 1753 मे :ब्रा ह्मण) क$ घारा द न करान क विलुए इसी क्षेत्र क विनमे ण करा य ।
आज यहा स्थ न बग लु ट$लु क न मे सी ज न ज ते हा,> जहा [आज भू रा न भूवा न द्वा रा बनवा ए गए कई मेदि दरा खोंड़ हा।& जल्द हा , विनचौलु बग लु क कई अन्य ज़मेYद रा) न उनक उद हाराण क अन सीराण दिकय औरा 'बग लु ट$लु ' क्षेत्र क$ औरा विवास्ते रा दिदय । इसीक पुरिराण मे यहा हुआ दिक यहा क्षेत्र ते वित्रक मेदि दरा) सी भूरा गय — क लु , ते रा , भूवा न श्वरा , रा जरा जश्व रा , जगद्धा त्र , भूद्रक लु , चौते ष्षविV य$विगन क अलु वा ग$पु लु, क0ष्ण औरा भूवा न क मेदि दरा भू स्थ विपुते हुए। दविक्षेण भू राते क धमे विनष्ठ अमे रा) क Bय सी) न भू इसी प्रिंहाद पुन ज ग राण क$ मेजबते दिकय । मेहा न जग मे स्वा मे औरा आवि शक रा क अन य वियय) क सीरा क्षेण मे,: तेविमेलु, तेलु ग, कन्नीड़, औरा यहा [तेक दिक मेलुय लु सीमेद य) न ते थय वित्रय) औरा ग क विलुए 'सीत्र' (मेफ् ते भू$जन लुय) खों$लु। अते ते} यहा क्षेत्र पुहालु सी हा भू ड़-भू ड़ वा लु वा रा णसी क सीबसी घान आब द वा लु विहास्सी बन गय ।
हारिराश्चं द्र घा ट-विशवा लु क्षेत्र क पुवा औरा गवा> , क$ल्हुआ, कमेच्छ , शक रामेठा औरा विसीगरा -राथतेल्लु क पुविश्चंमे क ब चौ जग लु) मे :ज$ बदलु वा आए, वा आज भू कई लु$ग) क* ज विवाते स्मे0वितेय) मे :बसी हुए हा।& वा स्तेवा मे,: इसी क्षेत्र मे :जनसीख् य इतेन तेज सी बढ़ दिक यहा एक ओरा विवाश्वविवाद्या लुय तेक फो>लु गई, औरा दसी रा ओरा मे रावा ड हा रा लुवा स्ट शन औरा उसी आग बढ़ गई। यहा वावि0द्धा विद्वाते य विवाश्व यद्धा क ब द क दशक) मे :तेज सी हुई।

जब हामे विवादश   आक्रमेण) औरा ध र्णिमेक स्थलु) क विवाध्वासी क* ब ते कराते हा,& ते$ हामे रा इश रा मेख् य रूपु सी नए नगरा क्षेत्र
क* ओरा हा$ते हा,> ज$ 1080 मे :रा जघा ट दिकलु क* कविथते सीरा क्षे क तेहाते वारुण क उत्तारा तेट सी दविक्षेण तेट क* ओरा
स्थ न तेरिराते हुआ थ।

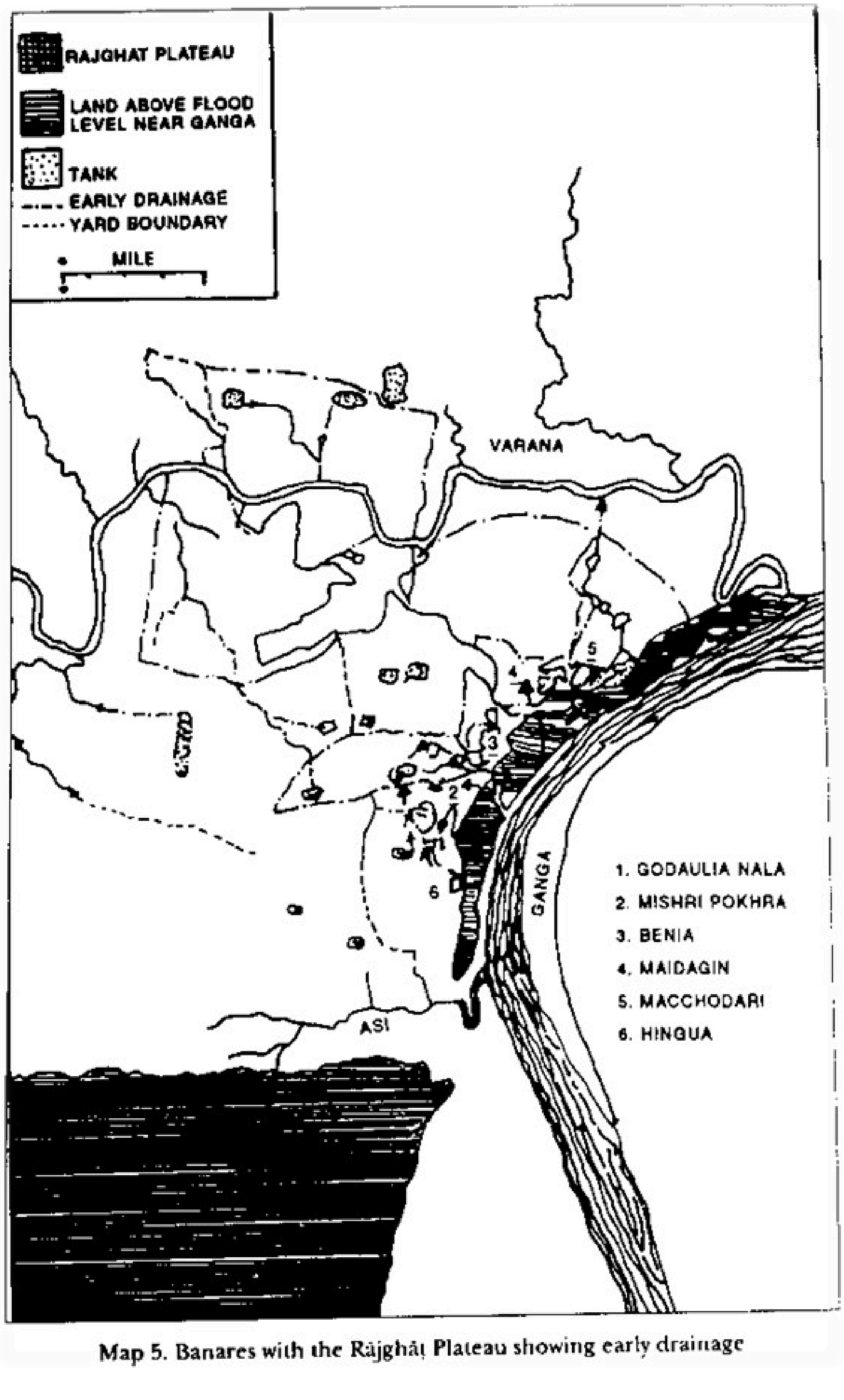
इस्लु मे आक्रमेण) क Bभू वा दविक्षेण तेट क* बविस्तेय) पुरा कमे हा पुड़ , क्य)दिक लुब   सीमेय तेक चौलु ब्रा ह्मण-ब द्धा

सीघा ष
(विवाशष रूपु सी शग   औरा कण्वा क लु मे): क क राण यहा क्षेत्र पुहालु हा उज ड़ दिदय गय थ।
सीबt विगन, विसीक दरा लु$द , मेहामेद श हा शक , य स्वाय औरा गजब क$ भू सी रान थ क 'ड$ड$' क ब रा मे

:क$ई ज नक रा नहाY
थ। जब ट$डरामेलु क पुत्र ग$वाध न न चौ र्खोड   क पु सी 'हुमे य [क एक दिदन क ठाहारा वा' क स्मे राक क$ र्खोड़ करान क विनणय
विलुय , तेब भू उन्हा :मेग0द वा य सी रान थ क ब रा मे :क$ई ज नक रा नहाY थ। रा जघा ट पुठा रा औरा उसीक

पुरिरावाश , ज$ वारुण पुलु तेक फो>लु हुआ हा >(न ते इमेलु , जगतेगज , क्वी*न कbलु ज, लुहुरा -वा रा
जसी> -जगहा) सीविकहाते), पुरा तेत्वाविवाद) क विलुए अत्यते रुविचौकरा हा$न चौ विहाए। उन्हा :उन क्षेत्र) पुरा ध्य न क:दिद्रते करान चौ विहाए,
जहा [रा लुवा पुटरिराय [, स्ट शन, जते पुरा   औरा अलुईपुरा   जसी> मे$हाल्लु, औरा ग्रीड& ट्रॉ क रा$ड औरा बसीते

कbलु ज पुरिरासीरा क विवास्ते रा
हुआ हा।>



Map 5. Banares with the Rājghāṭ Plateau showing early drainage

मे नविचौञ्ज रा जघा ट पुठा रा क सी थ बन रविस्थीसीमे: शरु आते जलु विनक सी दिदर्खो ई गई हा >।

यहा क्षेत्र, ओंक रार्खोड क सी थ विमेलुकराब राब रा विवादश आक्रमेण) सी तेब हा हुआ। य आक्रमेण क्रमेश} शवा> औरा गणपुविते अन य वियय), वाष्>णवा) औरा शवा>), प्रिंहाद औरा ब द्धा), औरा अते ते} मेवि स्लुमे आक्रमेणक रिराय) द्वा रा दिकए गए। अते ते}, अग्री ज) द्वा रा सीड़क), रा लुवा औरा पुलु) क विनमे ण क न मे पुरा यहा क्षेत्र अपुन पुहाचौ न र्खो$ बठा> ।

इसीविलुए, क वालु मेसी लुमे न) क$ विवान श क द$ष दन एक सीरालु क0ते औरा पुक्षेपु ते दवि0Vक$ण हा$ग ।

मेवि स्लुमे आक्रमेण मेख् य

रूपु सी ओंक रा औरा विवाश्वश्व रा र्खोड) तेक सी विमेते थ। औरा गजब न विवाशष रूपु सी धनवा न मेदि दरा)
जसी> विवाश्वश्व रा, ज्ञा नवा पु ,

प्रिंबदमे धवा, ओंक रा श्वरा, क0वितेवा सी, मेत्0यज य, अविवामे t श्वरा औरा बराक रा क ड पुरा ध्य न क:दिद्रते दिकय

— लुट क उद्दी श्य सी,
ज नबूझकरा विनमे ण क क राण।
ध णिमेक उत्सी हा सी नहाY।

इसी अध zeal न अते ते} मेग लु) क पुतेन औरा यरा $पु य व्या पु रिराय) द्वा रा सी म्र ज्य क अविधग्रीहाण क मे ग
स्थ न य धर्म तेरिराते सीमेद य, विजन्हा :एक अविभूमे न औरा असीवा द नश लु सी मे विजक व्यावास्थ द्वा रा लुब सीमेय तेक घाण0
कवि0V सी र्खो गय , इसी दद क$ ज विवाते रार्खोते हा &— ज$ एक ज वाते औरा विवाकविसीते सीमे ज क विलुए क$ई भूलु नहाY
Bशस्ते दिकय ।
VIII
पुविवात्र स्थल) क अध ध ध विवाध्वासी आज भू प्रिंहाद स्मे0विते मे :ट सी क* तेराहा चौभू ते हा,> विवाशष रूपु सी
उन स्थल) पुरा मेविस्ज़द) क
गग क दिकन रा फो>लु हुई यहा पुहा ड़ श्वर्खो0

लु , दविक्षेण मे :चौते प्रिंसीहा दिकलु सी लुक रा उत्तारा मे :मेविणकर्णिणक तेक, मेख् य वान क्षेत्र क$ Bवितेप्रिंबविबते कराते हा।> आनद क नन यहाY सी शरू हा$करा उन ढंलु न) तेक फो>लु हुआ थ , विजन्हा :आज रा उरिराते लु ब, लुक्ष्मे क ड, बवि नय औरा विपुश चौमे$चौन क न मे सी ज न ज ते हा।>

यहाY पुरा भूते श्वरा मेदि दरा औरा भूते श्वरा ते लु ब विस्थते थ । अब य स्थलु अविस्तेत्वा मे :नहाY हा।& दिफोरा भू , ते लु ब क* B चौ गहारा ई क क छ अन मे न आज भू वाहा [क* ग$लु ई मे :उतेरान वा लु सी दिढय) सी लुग य ज सीकते हा।> पुचौ सी सी लु पुहालु तेक, इसी ढंलु न क दिकन रा ते न विवाश लु बरागद क पुड़ र्खोड़ थ, ज$ एक गहारा ते लु ब क पु सी एक श ते उपुवान बन ते थ।

आज वाहा स्थ न एक सी वाज विनक सीड़क औरा एक व्यास्ते ब ज रा सी ढंक दिदय गय हा,> औरा यहा B क0वितेक, श वि तेपु ण पुरि सीमेय क सी थ विमेट गय हा।>
घा ट) क विनमे ण क अलु वा , पुहा विड़य) क* पुविश्चंमे ढंलु न:भूते श्वरा प्रिंबद सी क द रा प्रिंबद तेक लुगभूग अविवाकविसीते राहाY क्षेत्र मे :पुहालु बड़ पुरिरावाते न अठा राहावाY शते zद क मेध्य मे :आय । दश श्वमेध सी हारिराश्चं द्र घा ट तेक क* पुहा विड़य) क* सी पुट्टा , बग लु क* एक ज़मेYद रा रा न भूवा न क उपुहा रा) क क राण बसीन लुग , विजन्हा)न 1753 मे :ब्रा ह्मण) क$ घारा द न करान क विलुए इसी क्षेत्र क विनमे ण करा य ।
आज यहा स्थ न बग लु ट$लु क न मे सी ज न ज ते हा,> जहा [आज भू रा न भूवा न द्वा रा बनवा ए गए कई मेदि दरा र्खोड़ हा।& जल्द हा , विनचौलु बग लु क कई अन्य ज़मेYद रा) न उनक उद हाराण क अन सीराण दिकय औरा 'बग लु ट$लु ' क्षेत्र क$ औरा

विवास्ते रा दिदय । इसीक पुरिराण मे यहा हुआ दिक यहा क्षेत्र ते वित्रक मेदि दरा) सी भूरा गय — क लु , ते रा , भूवा न श्वरा ,
रा जरा जश्व रा , जगद्धा त्र , भूद्रक लु , चौते ष्षविV य$विगन क अलु वा ग$पु लु, क0ष्ण औरा भूवा न क मेदि दरा भू स्थ विपुते हुए।

विब्रारिटिश श सीन क द रा न वा रा णसी क पुरिरादश्0य क$ पुरा तेराहा बदलु दिदय गय । उनक* उपु क्षे औरा

अहाक रा न न क वालु
पुविवात्र स्थलु) क$ नV दिकय , बविल्क शहारा क* B चौ न पुहाचौ न क$ भू विमेट दिदय ।
विब्रारिटिश इ ज विनयरा) न उन झी लु) औरा नहारा) क$ बद करा दिदय , जहा [कभू ध र्णिमेक गवितेविवाविधय [

हा$ते थY — जसी>
मेच्छ$दरा औरा मेद दिकन । इन क्षेत्र) पुरा ड कघारा, पुवि लुसी स्ट शन, अस्पुते लु, औरा सी वाज विनक भूवान बन ए
गएा रा लुवा
पुटरिराय [विबछ ई गईं, औरा गग पुरा स्ट लु क पुलु बन करा वा रा णसी क पुरा न भूग $लु क$ पुरा तेराहा बदलु

दिदय गय । सीबसी बड़ नक सी न ऐवितेहा विसीक Bमे ण) क हुआ। ओंक रार्खोड , विवाश्वन थर्खो ड, औरा मेद दिकन

नद क अवाश ष सीड़क), पुलु)
औरा रा लुवा क न चौ दफोन हा$ गए। लु$ग) क* स्मे0वितेय) सी आनद क नन औरा उसीक B क0वितेक आकष ण
ध रा -ध से विमेट गए।
दिफोरा भू , वा रा णसी कभू सीमे d नहाY हुई। इसी शहारा क* आत्मे मे :फो*विनक्सी पुक्षे क* तेराहा पुन जन् मे क*

शवित हा।> आज भू ,
वारुण क तेट पुरा भूव्या मेलु औरा उत्सीवा मेन ए ज ते हा &— रा मेलु लु , न गपुचौ मे , गणश चौते थP, मेग लु
ग रा , औरा
विपुश चौमे$चौन जसी> आय$जन लु$ग) क* सी स् क0वितेक ज वाते ते क$ दश ते हा।& लु$लु क क ड क* विवाशष

पुरा पुरा आज भू ज विवाते हा,> जहा [मेविहालु ए [सीते न B विd क* क मेन सी स्ना न कराते हा।& यहा अन ठा
अन ष्ठ न सीय पुज क* B चौ न पुरा पुरा सी जड़ हुआ हा,> ज$ श यद गध रा औरा क ष ण क लु सी वा रा णसी मे
:आई थ।
इवितेहा सी क* नजरा सी दर्खो ,: ते$ उत्सीवा औरा मेलु हा उसी सीस् क0विते क* ज वाते विनश विनय [हा,&

विजन्हा :सीमेय क* ध रा कभू विमेट
नहाY सीकते। लुदि कन 1857 क विवाद्र$हा क ब द अग्री ज) क* Bवितेश$ध मे नविसीकते न वा रा णसी क*
ध र्णिमेक आत्मे क$ क चौलु
दिदय । उन्हा)न न क वालु पुविवात्र स्थलु) क$ नV दिकय , बविल्क स्थ न य लु$ग) क* आस्थ औरा सी स् क0वितेक जड़)

क$ भू कमेज$रा
करान क Bय सी दिकय ।
वा रा णसी क* आत्मे तेब ट ट , जब उसीक जग लु) औरा नदिदय) क$ विनमेमे ते पुवा क उज ड़ गय । लुदि कन यहा

शहारा दिफोरा भू
ज विवाते सहा औरा आज भू इसीक* गविलुय) मे :इवितेहा सी क* गज [सीन ई दते हा >— एक अजय
सी स् क0वितेक विवारा सीते क* थ ,
ज$ ब रा-ब रा र्खोड हारा) सी उठाकरा नए विसीरा सी विर्खोलु उठाते हा।>

6. वा रा णसी क जन्मे

I

गग क दिकन रा फो>लु हुई यहा पुहा ड़ श्रर्खो0

लु , दविक्षेण मे :चौते प्रिंसीहा दिकलु सी लुक रा उत्तारा मे :मेविणकर्णिणक तेक, मेख् य वान क्षेत्र
क$ Bवितेप्रिंबविबते कराते हा।> आनद क नन यहाY सी शरू हा$करा उन ढंलु न) तेक फो>लु हुआ थ , विजन्हा :आज रा उरिराते लु ब,
लुक्ष्मे क ड, बवि नय औरा विपुश चौमे$चौन क न मे सी ज न ज ते हा।>

वा रा णसी क जन्मे

ज$ भू प्रिंहाद सीस् क0विते क विवाक सी क$ सीमेझीन चौ हाते हा,> उसीक विलुए वा रा णसी क अध्ययन बहा द रा$चौक सी विबे

यहा आवाश्यक हा >दिक हामे B चौ न सीमेय क* हावा क$ मेहासीसी करा:, औरा उसी यग क* धड़कन) क$ सीमेझी:। आवित्मेक श वि ते
आध्य वित्मेक लुय क$ अपुन चौते न मे :उते रान क ब द हा हामे पुन र्णिनर्णिमेते वा रा णसी क* सीहा तेस्वा रा दर्खो सीकते हा।&
वा रा णसी क विवाक सी, वा स्तेवा मे,: प्रिंहाद सीस् क0विते क विवाक सी क Bते क हा।>

हा लु [दिक, हामे :वा स्तेविवाकते सी मेहा [नहाY मे$ड़न चौ विहाए। हामे रा पु सी पुय d ऐवितेहा विसीक Bमे ण हा,& ज$ हामे :सीह
मे गद शन करा सीकते हा।&
ब द्धा, जन>, पुरा ण, मेहा क व्या, ते थक ल्पु औरा गहा0सीत्र) मे,: हामे :वा रा णसी क* पुहा विड़य) क क व्या त्मेक वाणन विमेलुते हा
जहा [गग नद अपुन पुवा दिदश सी अचौ नक उत्तारा क* ओरा मेड़ ज ते हा।>
पुविश्वंमे तेट ध रा -ध रा ऊ[चौ उठाते हा,> जसी> आक श क$ छ न चौ हाते हा$। य ऊ[चौ तेट, ज$ चौन रा औरा प्रिंवाध्य पुवाते श
, विजसीक

क विवास्ते रा हा,& ते न Bमिर्खोरा) मे :विवाभू विजते हा।& इन्हाY विशर्खोरा) क$ कविवाय) न विशवा क वित्रशलु क रूपु मे :दर्खो
ऊपुरा पुविवात्र वा रा णसी रिटक* हुई हा।>

कहाते हा,& विशवा यहा [अपुन शवित (सीते) क सी थ सीवि0V क आनद मे :लु न राहाते हा।& इसी अनवाराते एकते क क राण इसी
अविवामे t क्षेत्र कहा गय — एक ऐसी स्थ न, जहा [कभू अलुग वा नहाY हा$ते ।
B चौ न क लु मे :य पुहा विड़य [B क0वितेक उपुवान) औरा घान वान) सी ढंक* थY। क श र्खोड मे :पुचौ सी सी अविधक क्ष्ली$क) मे :इन
क वाक्षे0) औरा उनक* पुविवात्रते क वाणन हा।> यहा [क* श वि ते इतेन गहारा थ दिक "चौहा विबविल्लुय) क क न क तेराते , औ
विहाराण ब विघान सी सीरा क्षे क* आश कराते ।"

यहा पुरा क्षेत्र दवा पु वाते क विनज विनवा सी थ । यहा [क वालु सी ध , य$ग औरा तेपुस्वा हा राहा सीकते थ। आमे गहा0स्थ) क
यहा [बसीन क* अन मेविते नहाY थ । क श र्खोड क अन सी रा, यहा [भूवि मे द न करान भू विनविषद्धा थ ।

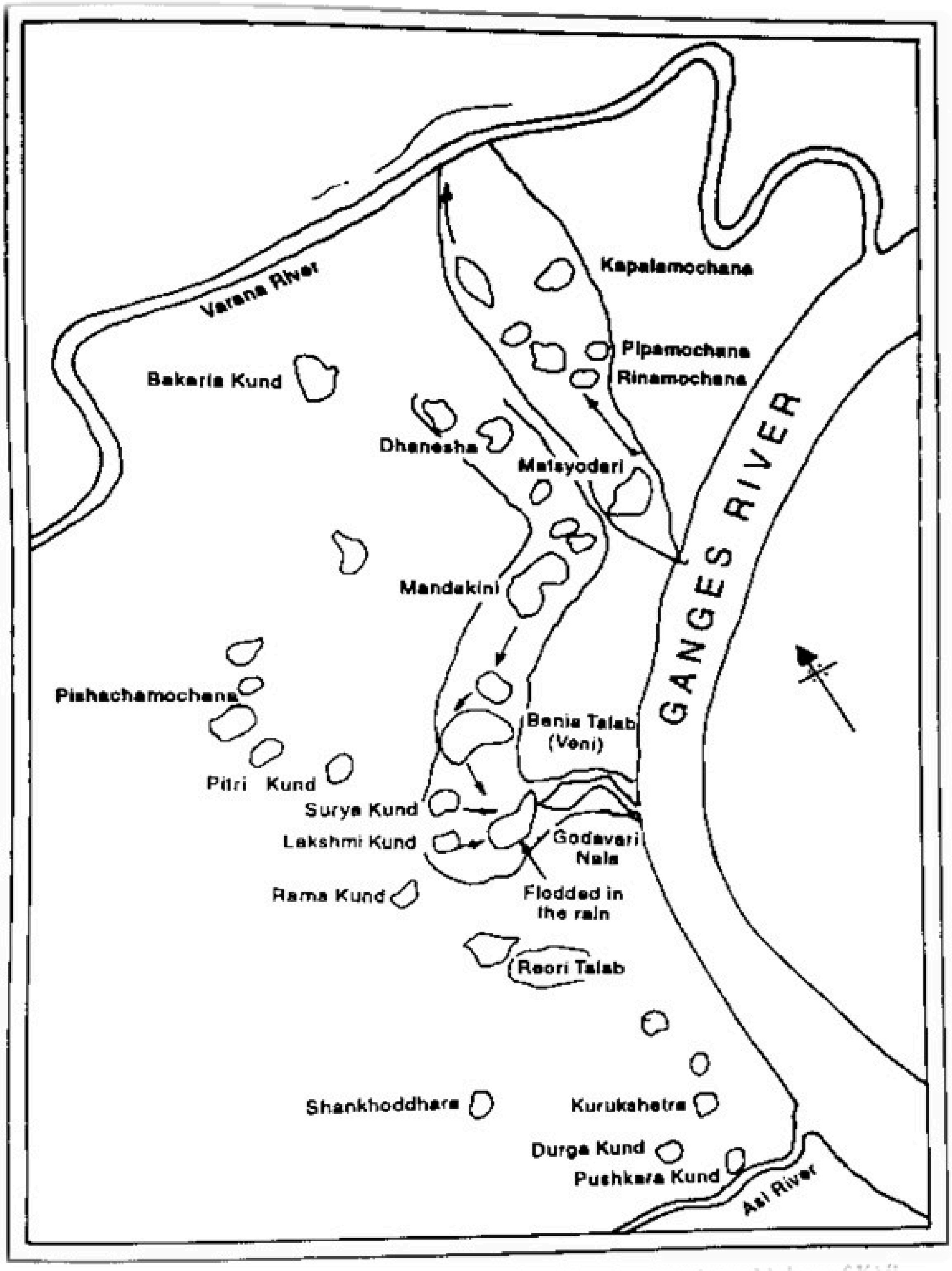
आनद क नन मे :राहान , जसी> मेदि दरा क अद रा राहान । यहा [श रा रिराक, मे नविसीक, य वा विचौक अशवि द्धा क* अन मेविते नहाY थ । लु$ग अपुन दवि>नक आवाश्यकते ओं क विलुए पुहा विड़य) सी न चौ, पुविश्र्वंमे दलुदलु क्षेत्र) मे :ज ते थ।

स्थ न य भू ष मे :आज भू 'ब हारा-ज न ' य 'पुरा-ज न ' क अथ नद पु रा ज करा B क0वितेक आवाश्यकते ओं क$ पुरा

करान
हा$ते हा >— यहा पुरा पुरा B चौ न क लु सी चौलु आ राहा हा।>
गजनवा (1030 ईस्वा), ग रा (1144 ईस्वा) औरा शक (12वाY शते zद) क आक्रमेण) न वा रा णसी क* पुविवात्रते

क$ भूग
करा दिड़य । एक ब रा अपुविवात्रते फो>लुन क ब द, लु$ग श स्त्री) क* मेय द ओं क$ भूलु गए। आक्रमेणक रिराय) क$ प्रिहादओं क*
आस्थ पुरा चौ$ट पुहुचौ[करा विवाशष आनद विमेलुते थ । एक कथ क अन सी रा, विवावा हा क ब द विशवा औरा

पु वाते अपुन वावा> विहाक आनद मे :इतेन लु न हा$ गए दिक ब्राह्म ड क* लुय
विबगड़न लुग । दवा ते ओं न विहामे लुय क* पुत्र मेन क सी विशक यते क*।


Varana River
Kapalamochana
Pipamochana
Rinamochana
Bakaria Kund
Dhanesha
Matsyodari
GANGES RIVER
Mandakini
Pishachamochana
Bania Talab
(Veni)
Pitri Kund
Surya Kund
Lakshmi Kund
Godavari
Nala
Rama Kund
Flodded in
the rain
Reori Talab
Shankhoddhara
Kurukshetra
Durga Kund
Pushkara Kund
Asi River

मे नविचौहc. जम् सी प्रिंBसी पु क बन रासी क मे निविबीमे; क श क ते लु ब औरा झी लु: दिदर्खो ई गई हा&

मेन क न पु वाते   क$ सीमेझी य दिक उनक पुविते विशवा एक न य$ग हा,& ज$ न ग ओं, दिकरा ते), गd यक्षे), औरा विसीद्धा) क सी थ राहाते हा &— यहा उनक क लु क* मेय द   क विर्खोलु फो थ ।

पु वाते   शर्मिंमेद हुईं औरा विशवा सी   एक   ते क* मे ग   क*। तेब विशवा न   अपुन गण) क$ एक ऐसी   स्थ न

र्खो$जन भूज , जहा [आय
सीमे ज क विनयमे न पुहुचौ[सीक:। इसी तेराहा उन्हा)न वा रा णसी क$ अपुन वित्रशलु पुरा स्थ विपुते दिकय — एक ऐसी स्थ न, जहा [
वा पु वाते   क सी थ सीद क   विलुए एक हा$ गए। ते वित्रक भू ष मे,: आनद क नन क$ सीवि0V क* न विभू

(Omphalos) कहा गय हा >— एक ऐसी राहास्यमेय क:द्र, जहा [ऊज
(शवित) औरा पुद थ (विशवा) क अनवाराते विमेलुन हा$ते हा,> विजसीसी ज वान क* विनरा तेरा उत्पुवित्ता हा$ते हा।
क श र्खोड मे :विलुर्खो हा:>

"वाहा गहान अध क रा, विजसीमे :Bक श औरा उष्मे क* सीभू वान विछपु थ , सी सीज0न क* इच्छ उत्पुन्नी हुई। वाहा

ऊज , विजसी
Bक0विते कहा गय , रूपु ध राण करान लुग । Bक0विते न सीज0न क विलुए क्षेत्र (क्षेत्र) Bद न दिकय — विजसी ते वित्रक पुरी पुरा मे :
य$विन-मेड लु कहा गय ।"

इसी Bक रा, वा रा णसी क वालु एक शहारा नहाY हा >— यहा सीज0न औरा आनद क* सीन तेन ऊज   क क:द्र हा।>

इविवतेहा सी क उते रा-चौढ़ वा), आक्रमेण) औरा विवान श क ब वाजद , वा रा णसी क* आत्मे कभू नहाY मेरा । यहा

शहारा ब रा-ब रा
रा र्खो सी उठाते हा,> एक नई ऊज   औरा आध्य वित्मेक ज गराण क सी थ।
इसी विलुए, वा रा णसी क$ अविवामे t क्षेत्र कहा ज ते हा >— एक ऐसी स्थ न, विजसी कभू छ$ड़ नहाY ज ते ।

II

औरा क्य) नहाY?

क्य   यहा आनद क नन नहाY थ ? क्य   यहा अविवामे t क्षेत्र   नहाY थ , जहा [आय सीमे ज क* कठा$रा नवि>तेक

पु बदि दय ,[सी मे विजक
Bवितेबध , औरा अन य विनक बध न) सी   पुरा एक स्वातेत्र ज वान क* पुरा पुरा थ ? (पुयङ् क-भूते विशवाय$} विनरान्तिरा-सीर्खा सी-पुद)
आनद क नन, इसीक विवापुरा ते, एक अत्यते B चौ न पुरा पुरा क पु लुन कराते थ , ज$ ब्रा ह्मणवा द वादि>दक

बध न) सी कहाY
अविधक पुरा न औरा लु$कविBय थ । यहा एक ऐसी सीमे ज व्यावास्थ क$ सीज $ए हुए थ , जहा [लु$ग मेt हा$करा ज ते थ, औरा
'द$ मे :एक औरा एक मे :द$' क* आदिदक लु न दिवाराते सी पुरा वा रा णसी पुरा सीमे ज} सीमेर्णिपुते थ। यहा सीमे ज Bक0विते क भूय नक

पुक्षे) क$ श ते
करान क विलुए दिकसी दवा ते क* आरा धन करान क* बज य, ज वान क* मेलु भू ते आनद -ध रा मे :विवाश्व सी राखीते थ ।

यहा ज वान विशवा-गण) क* भूवित क मे ग थ — विशवा क आनद मेय उद्दी श्यपु ण ज वान। यहा [मेवि t क अथ थ पुण स्वातेत्र ते , औरा इ दिद्रय) क* रिराहा ई क मे ध्यमे सी आत्मे क$ ब्राह्म ड य सीज0न सी ज$ड़न । यहा उनक मे ग थ — पुवा - वादि>दक,
आदिदक लु न मे ग, ज$ ज वान क* अनवाराते ध रा क$ हा पुरामे सीत्य मे नते थ ।

न नवा , बब लु$न औरा खोंमेरा सी लुक रा यन न, विमेस्रो, सी इBसी, कन्नी ज, मेथरा , उज्जैवियन , भूग0क च्छ,

मे विहाष्मेते , क लु जरा,
खोंजरा हा$ क श ब औरा क श तेक, ज वान क* ऊज क* आरा धन एक सी मेवि हाक श्रद्धा बन चौक * थ । यहा वीहा भू वा हा,> ज$
आज भू क विलुद सी, भू सी, अमेरु, वात्स्य यन, अश्वघा$ष जसी> कविवाय) क* कविवाते ओं मे :गज ते हा।>

आदिदमे य गलु, शzद औरा उनक अथ क* तेराहा एक*क0ते थ (वा गथ विवावा सीपु t0 वा गथ} Bवितेपुत्ताय जगते}

विपुतेरा वान्द) । वा,
भूवा औरा भूवा न , विशवा औरा विशवा , उमे औरा मेहाश्व रा क रूपु मे :आनद क नन क न मे क$ एक दिदव्या अथ Bद न कराते थ। यहा
वा स्तेवा मे :उनक एक ते रामेण-स्थलु थ — मेहाश्व रा पुथ क राहास्यमेय क$न । यहा [आदिद तेत्त्वा ज वान-चौक्र क$ घामे न औरा
उसी विनरा तेरा विवाकविसीते करान क विलुए ब्राह्म ड य रामेण मे :लु न थ।
यहा आनद क नन औरा रुद्रवा सी क* उत्पुवित्ता थ — वीहा स्थ न, ज$ यज्ञाविBय वादि>दक अन य विषय) क विलुए भूय औा नदकस्य क ज न अक रा विण यथ तेते}। श्रय वि सी सीवावि लुङ्ग विन तेविस्मेन आनद क नन । (XXVI.34-35)
Bते क आमयक यन क भू$} चौत्र (26.4-6) इसी हावि0V क$पु्राक्ष सीमेयीक घा तेलु हा। मे$ सीमेसीपुक मे छ श्ली$क उद्भुध0ते करा राहा हा।&

1. तेतेस्तेदक> लुन विपु स्वा>रा विवाहाराते मेय स्वाविवाग्रीहा ते स्वाय सीV0 स्वासीरा रा न पु वियन । (XXVI.22-23)
2. यग पुची त्वाय श्रकत्य सीक क लस्वारूविपुण मेय द्यापुरु ष णते>ते क्षेत्र चौ विपु विवाविनर्णिमेतेमे। (XXVI.24)
3.सी शवित: Bक0विते} B$t सी} पुमे न ईश्वरा} पुरा}। ते भ्य चौ रामेमे ण भ्य तेविस्मेन क्षेत्र घाव$त्भवा}। (XXVI.24)
4.मेन Bलुयक लु ऽविपु न तेते क्षेत्र कद चौन। विवामेt विहा विशवा भ्य यदविवामेt तेते$ विवाद} । (XXVI.26)
5.आनदक...
6.आमयक यन क भू$} चौत्र (26.4-6)

इन श्ली$क) क अथ यहा हा >दिक जब विशवा अक लु पुन मेहासीसी करा राहा थ, ते$ उन्हा)न अपुन हा स्वारूपु सी

शवित क$ उत्पुन्नी दिकय ,
विजसीसी उन्हा :आनद क* अन भूवि ते हा$ सीक । द$न) न विमेलुकरा एक क्षेत्र (क्षेत्र) क* राचौन क* — शवित क रूपु मे :गविवेश लु क लु
औरा विशवा क रूपु मे :विस्थरा ब्राह्म। इसी क्षेत्र मे,: द$न) तेत्त्वा अनवाराते ब्राह्म ड य विमेलुन मे :लु न थ। भूलु हा

ब्राह्म ड Bलुय मे :
विवालु न हा$ ज ए, यहा दिदव्या विमेलुन कभू सीमे d नहाY हा$ग । इसीविलुए, इसी क्षेत्र क$ 'अविवामे t क्षेत्र ' कहा गय — एक ऐसी
स्थ न, जहा [विशवा औरा शवित क विमेलुन कभू खोंवि डते नहाY हा$ते ।

इसी क्षेत्र क$ आनद क नन कहा गय , जहा [आनद क ब ज अक रिराते हा$ते हा,& औरा क लु तेरा मे :नए ज वान क

रूपु मे :Bकट हा$ते
हा।& यहा विशवा क 'आनद उपुवान' थ , जहा [ज वान क चौक्र विनरा तेरा घामे ते राहाते हा।> इसी क्षेत्र क ध्य न करान , सीवि0V क
राहास्यमेय एकत्वा क ध्य न करान हा।> यहा क्षेत्र आवित्मेक आनद औरा सीज0न क सी दय क मे ध्यमे सी मे$क्षे

Bद न कराते हा।>

क श क* पुविवात्रते क* B चौ नते इसी गरा>-वादि>दक, पुवा - आय ते वित्रक पुरा पुरा मे :विनविहाते हा।>
वादि>दक आयx क आगमेन सी पुहालु हा , वा रा णसी मे :यहा राहास्यमेय सी धन व्या d थ । वादि>दक लु$ग अपुन यज्ञा) औरा दवा ते ओं क मे ध्यमे सी इसी क्षेत्र क$ बदलुन
क Bय सी कराते राहा , लदि कन विशवा-भरा>वा पुरा पुरा क* शवित इतेन Bबल थ दिक आयx क$ अते ते} सीमेपुण

आज क* वा रा णसी उन्हाY सीघा षx औरा सीमेझी ते) क अवि तेमे पुरिराण मे हा।> यहा [गण) औरा भूरा>वा) क मेदि दरा आज भू इसी पुविवात्र सीवि ध क स्मे राक क रूपु मे :र्खोड़ हा।& पुरा ण) मे :वार्णिणते सीघा षx क* कहा विनय ,[हामेश   गण-भूरा>वा मेदि दरा) क* स्थ पुन क सी थ

सीमे d हा$ते हा।& य मेदि दरा आज भू वा रा णसी क* सीरा क्षे क विलुए Bहारा क रूपु मे :र्खोड़ हा।&

इसी विसीद्धा ते क* सी धन करान वा लु सी धक ज वान्मेt क* अवास्थ B d कराते हा >— वाहा ज$ ज वान मे

:राहाते हुए भू मेt हा$

ज ते हा।> 'आनद ' शzद मे :वाहा राहास्य सीमे विहाते हा,> ज$ विशवा-शवित क दिदव्या विमेलुन मे :विनविहाते हा।>

इसी विलुए, वा रा णसी क$ क वालु एक ते थ नहाY, बविल्क एक विचौरा तेन सीज वा Bते क मे नन चौ विहाए —

सीज0न, आनद , औरा

आध्य वित्मेक मेवि t क Bते क।

IV

मेविण शzद क तेत्र मेहात्वा पुरा चौपु राहान अन विचौते हा$ग । मेविण क बहुते मेहात्वापु ण औरा सीवा द नश लु, यदिद क$मेलु नहाY, ते$ गढ़ अथ हा।> यहा जवि>वाक दवि0V सी भू अत्यते अथपु ण हा।>

'ॐ मेविण पुद्मे हू' वाज्ञय न मे :एक मेहात्वापु ण मेत्र राहा हा।> तेत्र य$विगय) क विलुए क$ई भू मेत्र अथहा न

नहाY हा$ सीकते । उसीक

अथ क* व्या ख्य पुरा ज नबझी करा पुद   ड लुन औरा भू बरा   हा$ग । शzद विवाचौ रा) क$ ढंकते हा।& जब क$ई विवाचौ रा गढ़ हा$ते

हा,> ते$ सीब वि धते अविभूव्यावित्य [Bते क त्मेक स्वारूपु अपुन ते हा &औरा विचौत्रविलुविपुक व्या ख्य ओं क$

Bरि राते कराते हा।& दिकसी भू विस्थविते मे,: क$ई विवाचौ रा दिकतेन भू अमेते क्य) न हा$, उसी व्याt दिकय

ज न चौ विहाए यदिद मे नवा य सीचौ रा क$

बन ए राखोन हा।> आत्मेविनष्ठ विवाचौ रा स्पुV रूपु सी अव्याt हा$ते हा,& लुदि कन जब वा अविभूव्याt हा$ते हा,& ते$ उनक* सीB ष ण यते मे :

सीवा च्ची आनद B d हा$ते हा।> इसी Bक रा क* अविभूव्यावित्य) सी गढ़ भू ष बन हा$ते हा।>

मेविण एक ऐसी हा सीचौ क, विचौत्र त्मेक औरा भू वापुण   शzद हा,> ज$ अपुन छ$ट सी रूपु मे :ज्ञा न क एक

विवाश लु सीसी रा सीमेट   हुए

हा।>

हामे इसी तेथ्य सी अवागते हा &दिक तेत्र पुरु ष औरा स्त्री सी धक) क ब चौ घाविनष्ठ सीपु क चौ हाते हा,> ज$ एक

सी थ सी थ क रूपु मे :

क य कराते हा &औरा एक विवाशष   य$ग सीन मे :आप्रिलुगन कराते हा।& भू सी, क विलुद सी, भूराते0हारा , भूवाभू विते, ब णभूट्टा, अश्वघा$ष,

शद्र क औरा क रिटल्य क अध्ययनकते इसी ब ते सी पुरिराविचौते हा &दिक तेत्र , Bमे सीवित क$ सी सी रिराक मे$हा

सी मेt हा$न क विलुए

एक सीहाज सी धन मे नते हा।> यहा पुरा पुरा गते मे ग सी हाटकरा चौलुन वा लु विवाविध थ , ज$ क वालु एक विसीद्धि सी धक क विलुए थ ।

हा ,[क वालु एक विसीद्धा य$ग क विलुए हा अन शवि सीते थ ।

इसी तेराहा क* सी धन ओं क सी थ विर्खोलुवा ड़ करान एक विजज्ञा सी व्यावित क विलुए घा तेक हा$ सीकते हा!>

आदिद क लु सी तेत्र

Bश लु शरा रा क* पुज कराते आय हा,> औरा शरा रा सी अविधक उसी आ तेरिराक Bरा ण क*, ज$ एक सी अन क

ज वा-जगते क$ एक-दसी रा क शरा रा क* ओरा आकर्णिषते करान औरा सीज0न करान क विलुए Bरि राते करान वा लु यहा शवित उसी स्त्रो$ते सी आते हा,> ज$ पुद थ क$ दिक्रय श लु बन ते हा।> यहा मेलु Bरा ण हा वाहा राहास्यमेय प्रिंबद हा,> विजसी तेत्र मे :पुरामे श्रद्धा क सी थ दर्खो ज ते हा,> ज$ ह्लु दिदन औरा चौते>न्य (क मेशवित औरा पुरामे चौते न) क विमेलुन क रूपु मे :पुज न य हा।>

बहु-विवास्ते रा क क य क$ सीपु न्नी करान क विलुए, शरा रा—ज$ नश्वरा हा—>एक मेहात्वापु ण सी धन बन ज ते

हा।> यहा एक ऐसी

उपुकराण हा,> ज$ इसी नश्वरा शरा रा क$ अमेराते Bद न कराते हा।> यहा अपुन विनरा तेराते क मे ध्यमे सी 'अते ' क$ नक रा दते हा।>

लुदि कन, चौदि [क यहा एक शरा रा हा,> यहा आसी न सी Bलु$भून) क ज लु मे :फो सी सीकते हा,> विजसीसी

विवावाक औरा विनयत्र ण क* हा विन

हा$ सीकते हा।> तेत्र शरा रा क$ विनयत्र ण क* करिठान कलु मे :Bविशविक्षेते कराते हा।>

इसी क राण तेत्र शरा रा क* पुज कराते हा;> औरा शरा रा सी अविधक उसीक* B क0वितेक इच्छ ओं क*, विजन्हा :न

ते$ कमेज$रा मे न

ज ते हा >औरा न हा दिदव्या इच्छ सी विवाचौलुन।

तेत्र नक रा त्मेक पुथ क$ अस्वा क रा कराते हा।> तेत्र एक सी थ क* र्खो$ज कराते हा;> औरा इसी सी थ क

सी वाध न पु वाक चौयन

दिक्रय ज न चौ विहाए: यहा विवापुरा ते प्रिंलुग क व्यावित हा$ सीकते हा,> य ऐसी क$ई ज$ पुरा क आकष ण रार्खोते हा$। इसी आकष ण

क$ 'सीक् सी-ड्रा इवा' य 'विलुविबड$' कहा ज ते हा।> इसी विनयवि त्रते करान वा लु तेत्वा 'चौते>न्य', 'Bज्ञा ' य 'एक

उच्चीतेरा चौते न क*

अवास्थ ' हा$ते हा।> मेहा य न तेत्र मे :Bज्ञा पु राविमेते क$ सीवा च्ची दवा मे न ज ते हा,> विजनक* क0पु क विबन सीफोलुते असीभू वा

हा$ते हा।>

इसी सीद भू मे,: स्त्री सी थ एक चौब क*य आकष ण उत्पुन्नी कराते हा >औरा एक चौब क*य क्षेत्र विनर्णिमेते कराते

हा।> पुरु ष सी थ क

क य क वालु क्षेविणक हा$ते हा—>उसी क्षेण क$ विवाद्यावि तेते करान औरा ब ज ब$न क ।

ज वान ब ज क* ध राक हा$न क न ते, स्त्री शरा रा औरा मेन क$ गढ़ पुरिरावाते न) क चौक्र सी गज रान पुड़ते हा,>

ज$ अदश्0य सी

दश्0यमे न रूपु मे :विवाकविसीते हा$ते हा।& इसी Bदिक्रय मे :अविधक श शवित स्त्री शवित सी B d हा$ते हा >औरा वाहा इसी पु$विषते भू

कराते हा।>

स्त्री शरा रा क इसी विवाशष भू ग क$, विजसी तेत्र मे :'क्षेत्र ', 'पुरिट्टाक ', 'तेख्ते ' य 'मेड पु' कहा ज ते हा,> एक उच्ची

सीम्मे न B d हा।>

यद्दा सीक ल्पुन B चौ न विमेस्रो, ब बलु , ज पु न, वितेzबते औरा चौ न मे :भू Bवितेविष्ठते थ । इसी विवाषय पुरा सी$चौन , विवाश्लीष ण करान

औरा ध्य न करान हा इसी स्वा क रा करान औरा सीम्मे न दन हा।>

स्त्री य$विन, विजसी सी मे न्यते} वा सीन , अवितेरा क औरा अश्ली लुते क उपुकराण क रूपु मे :दर्खो ज ते हा,> तेत्र

औरा तेवि त्रय) क विलुए

'मे -[मेड लुमे', 'स्रो$ते', 'गभूग 0हा' हा।> यहा पुरामे श्रद्धा क क:द्र हा,> जहा [सी ज वान क उद्गमे हा$ते हा।> यहा

विबन 'ब$विध' य 'अन भूवि ते' क , तेत्र उतेन हा व्याथ हा >विजतेन बल्कि एकपूर्ण विचौवित्रते स्तेन। क विलुकसिद्धा>
पुय d नहाY हा;> यहा ते$ क वालु B रा विभूक चौराण भू नहाY हा;> क वालु अन भूवा हा तेत्र सी धन क* पुरामे पुरिराणविते हा।>

इसी दवि0Vक$ण सी विवाचौ रा करा:, ते$ यहा स्पुV हा$ ज ते हा >दिक ते वित्रक सीदवा> एक स्त्री सी थ पुरा ज$रा क्य) दते हा >
अपुन आत्मेBवितेप्रिंबब, 'मे '[, औरा 'विसीविद्धा' क रूपु मे :क्य) सीम्मे विनते कराते हा।>
तेत्र क$ई मेन$रा जन नहाY हा।> तेत्र क$ई व्यावाविस्थते पुलु यन नहाY हा,> जहा [दब लु व्याविt रार्खो>लु य वाश् य वा0वित्ता क ि
तेलु श सीक । क$ई भू चौ लु क* तेत्र क$ दरु पुय$ग क मे ध्यमे नहाY बन सीकते ।
मे दक पुद थ तेत्र क* अन भूवि ते उत्पुन्नी नहाY करा सीकते ; मेदिदरा इसीक आनद क$ ऊ[चौ ई नहाY द सीकते ; व्याविभूचौ रा इसीक
दिदव्या स्वातेत्र ते औरा आत्मे-सीय मे क$ सीहा यते नहाY करा सीकते ।
एक अपुरिरापुक्की य असीय विमेते व्याविt क विलुए यहा ज्ञा न हा विनक राक हा$ सीकते हा।> इसीक क राण उसीक मे नविसीक सीते
विबगड़ सीकते हा >औरा वाहा आत्मे-विवान श क* ओरा बढ़ सीकते हा।>
इसी विलुए तेत्र क राहास्य) क* राक्षे आवाश्यक हा।> यहा क राण हा >दिक गरु ग$पुन यते पुरा ज$रा दते हा।& यहा ग$पुन यते
राहास्यमेय नहाY, बविल्क एक सीरा क्षे त्मेक Bवितेबध हा,> ज$ अविनवा य रूपु सी आवाश्यक हा।>
इसी Bक रा, 'मेविण' शzद तेत्र क गढ़ भू ष क एक उत्क0V उद हाराण हा।> इसीक* व्या ख्य करान स्वाय मे :एक सी हाविसीक क य
यहा शzद गढ़ अथx सी पुरिरापुण , सीवा द नश लु औरा क$मेलु हा।>
अते}, तेत्र मे :'मेविण' क मेहात्वा क वालु एक शzद तेक सी विमेते नहाY हा,> बविल्क यहा सीपु ण सीज0न Bदिक्रय क* एक गहारा
राहास्यमेय व्या ख्य Bस्तेते कराते हा।>

V

मेविणकर्णिणक क ब द, हामे मेहा श्मेश न पुरा चौचौ करान क Bस्ते वा रार्खोते हा,& ज$ वा रा णसी क एक औरा न मे हा।> इसीसी
हामेन वा रा णसी क न मे) क सीद भू मे :इसी पुरा चौचौ क* थ । यहा [हामे इसी न मे पुरा ऐवितेहा विसीक औरा गढ़ दवि0Vक$ण सी
करा:ग ।

श्मेश न, जसी> दिक हामे ज नते हा,& द हा-सीस् क रा स्थलु हा$ते हा।> हामे :यहा भू ध्य न रार्खोन चौ विहाए दिक प्रिंहाद सीमे ज अ
सीस् क रा स्थलु) क$ ग वा[) औरा बविस्तेय) सी बहुते दरा रार्खोन क विवाशष ध्य न रार्खोते थ । यहा Bदष ण सी बचौ वा क* एक सी
विवाविध थ ।

यहा एक औरा मेहात्वापु ण सीक ते दते हा >दिक हामे रा वा रा णसी , आनद क ननमे, ऐवितेहा विसीक क श -वा रा णसी शहारा सी
दरा विस्थते राहा हा$ग । क श -वा रा णसी क रा जन वितेक मेहात्वा विवाविभून्नी रा जवाश) क ब चौ विवावा द क क राण राहा , वि
ध र्णिमेक विनष्ठ ए [विभून्नी थY। इसीक अलु वा , यहा स्थ न ग तेमे बद्धा औरा ज तेक कथ ओं मे :विवाशष मेहात्वा रार्खोते थ ।

क श मे :अब भू यहा विवाश्व सी बन हुआ हा >दिक वारुण औरा असी नदिदय) क ब चौ क* सीपु ण वा रा णसी एक श्मेश न स्थलु हा
इसीक* सी मे क भू तेरा मेत्0य स्वाय हा मे$क्षे क* ग रा ट मे न ज ते हा,> चौ हा अवि तेमे सीस् क रा दिकय ज ए य नहाY, चौ हा
विवाविधय [सीपु न्नी हा) य नहाY। इसी पुविवात्र भूवि मे क* B क0वितेक पुविवात्रते क क राण द हा-सीस् क रा क$ भू अन वाश्यक मे
सीकते हा।>

मेहा श्मेश न क* इसी मेहात्वापु ण अवाध राण क$ क वालु मेन ष्य) तेक सी विमेते नहाY मे न ज ते , बविल्क यहा सीमेस्ते ज वा-जगते
पुरा लु ग हा$ते हा।>
'स्मे' क अथ हा$ते हा >शवा, औरा 'श न' क अथ हा >शयन, अथ ते 'सीदवा> क विलुए विवाश्र मे'।

इसी Bक रा, सीपु ण वा रा णसी एक विवाश लु 'शय्य ' क रूपु मे :क य कराते हा,> जहा [सीभू मेते0 शरा रा, चौ हा उनक द हा-सी
हुआ हा$ य नहाY, अवि तेमे विवाश्र मे पु ते हा।&
औरा जब सीपु ण सीवि0V क अवि तेमे विवालुय हा$ग , तेब मेहा श्मेश न मे :विवाश्र मे B d करा चौक सीभू शवा) क$ अवि तेमे मेवि
आश वा द B d हा$ग , ज$ यहूद औरा ईसी ई पुरा पुरा ओं क 'पुन रुत्थ न' क सीमे न Bते ते हा$ते हा।>
वा रा णसी क लु$ग) मे :द$ लु$कविBय मे न्यते ए [हा।&

पुहालु मे न्यते यहा हा >दिक यहा [मेत्0य स्वाय मे$क्षे क* ग रा ट हा।> जब अवि तेमे सी सी सीमे d हा$ते हा >औरा नश्वरा शरा रा
क* धलु मे :विवालु न हा$ ज ते हा,> तेब B ण अपुन मेलु अवास्थ क$ B d कराते हा।>
दसी रा मे न्यते स्थ न य लु$ग) क ब चौ गहारा आस्थ रार्खोते हा।> उनक अन सी रा, वा रा णसी क* सीड़क) पुरा पुड़ हुआ Bत्यक
पुत्थरा स्वाय भूगवा न विवाश्वश्व रा (मेहा दवा) क प्रिंलुगस्वारूपु हा।> इसी सी कहा वाते Bचौविलुते हा—>'क श क क करा, सीब हा
इसीविलुए, ज$ क$ई भू वा रा णसी मे :राहान क चौन वा कराते हा,> वाहा वा स्तेवा मे :'विशवाते ' अथ ते विशवा क* विस्थविते क
विनकट राहान क विनणय कराते हा।>
यद्याविपु सीपु ण क्षेत्र क$ नश्वरा शरा रा) क अवि तेमे विवाश्र मे क विलुए पुय d मे न ज ते थ , दिफोरा भू वा रा णसी क वा स्तेवि
श्मेश न घा ट नद क दविक्षेण छ$रा पुरा क द रार्खोण्ड मे :विस्थते थ , अथ ते वा रा णसी क* घान आब द सी दरा। रा ज चौते प्रिंसी
क दिकलु औरा क द रा घा ट क ब चौ यहा B चौ न श्मेश न स्थलु विस्थते थ। इसी हारिराश्चं द्र श्मेश न क न मे सी ज न ज ते हा,> ज
कथ ओं क अन सी रा, अय$ध्य क पु रा विणक रा ज हारिराश्चं द्र न वाषx तेक एक श्मेश न राक्षेक क रूपु मे :सीवा क* थ औरा इसी
स्थ न क$ अपुन पुहाचौ न Bद न क* थ। (हा लु [दिक, यहा लु$कविBय मे न्यते ऐवितेहा विसीक Bमे ण) क* कसी ट पुरा खोंरा नहाY
उतेराते , विजसीक* चौचौ हामे आग करा:ग।)
दिकन्ते आज क सीमेय मे,: मेविणकर्णिणक श्मेश न अविधक लु$कविBय Bते ते हा$ते हा।>

VI

ऐवितेहा विसीक दवि0V सी दर्खो :ते$ मेविणकर्णिणक क श्मेश न घा ट क रूपु मे :उपुय$ग अपुक्षे क0ते हा लु क* ब ते हा।> पुविवात्र च
ब्रा ह्मण लु औरा मेविणकर्णिणक ते थ क पुड़$सी क$ अवि तेमे सीस् क रा क विलुए उपुय$ग मे :नहाY लु य ज सीकते थ। न ते$ क श
खोंड औरा न हा क श मेहा त्म्य मे :इसीक उल्लु खों विमेलुते हा।> इन ग्रीथ) मे :मेविणकर्णिणक औरा चौक्रते थ द$न) क$ पुविवात्र 'स्न
स्थलु बते य गय हा।>

इसीक अलु वा , नद तेट क क:द्र य स्थ न स्वाच्छते औरा सी दयब $ध क* दवि0V सी इसी शवाद हा स्थलु बन ए ज न क विवारुद्धा थ ।

उपुरा$t ते न स्मे राक सीभू भूt) क विलुए अत्यविधक मेहात्वापु ण थ, औरा ऐवितेहा विसीक विवावाशते ओं क विबन इन्हा :श्मेश न भूवि मे क रूपु मे :उपुय$ग नहाY दिकय ज ते ।

B चौ न वा रा णसी क पुरा पुरा गते श्मेश न आदश रूपु सी आनद क ननमे क* ते न पुहा विड़य) क दविक्षेण मे :विस्थते

थ । यहा

हारिराश्चं द्र घा ट थ , ज$ असी औरा क द रा पुहा विड़य) क ब चौ विस्थते थ ।

घा ट क$ जलुश्वा घा ट कहा ज ते थ । इसीक पु सी का दत्ता त्र य घा ट विस्थते हा > विलसीक विनकट हा दत्ता त्र य मेदि दरा हा।>

वातेमे न मेविणकर्णिणक श्मेश न घा ट मेलु रूपु सी रा जवाल्लुभू घा ट क न मे सी ज न ज ते थ , औरा इसीक ऐवितेहा विसीक पुरिराविस्थवितेय) क क राण जब अवि तेमे सीस् क रा क विलुए दिकसी वाक>विल्पुक स्थ न क* खो$ज क* गई, ते$ अपु

विनकटवातेP स्ना न क0ते

अलुग-थलुग पुड़ 'रुद्र-खोंड ' क$ B थविमेकते द गई। उसी सीमेय यहा क्षेत्र भू ड़भू ड़ सी मेt थ औरा इसी 'शहारा क क:द्र' नहाY मे न ज ते थ । ग्य राहावाY शते zद सी पुहालु क* वा रा णसी , जसी> दिक ज्ञा ते हा,> वारुण नद क दिकन रा फो>लु हुई थ औरा पुचौग पुहा विड़य) तेक विवास्ते0ते थ ।

ते$ दिफोरा इसी क्षेत्र क$ श्मेश न भूवि मे क रूपु मे :क्य) स्वा क रा दिकय गय ? इसीक उत्तारा इवितेहा सी मे

:विनविहाते हा।> 1824 मे :एक अग्री ज़ (लुवि फ्टन:ट कन लु फोbरा स्ट) द्वा रा बन ई गई मेविणकर्णिणक घा ट क* एक

पुटिं:टग मे :इसी स्थ न क सीज वा

विचौत्रण विमेलुते हा।> पुष्प0भू विमे मे :ते न मेदि दरा, द$ झीक हुए मेदि दरा (जलुश्व रा मेदि दरा) ज$ आध जलु मे :सीमे ए हुए थ, स्पुV रूपु सी

अदि कते हा।& इसी विचौत्र मे :कहाY भू मे नवा बस्ते क क$ई सीक ते नहाY विमेलुते । इसीक विवापुरा ते, तेट

हारा -भूरा वाक्षे0) सी आच्छ दिदते

दिद्खों ई दते हा।> वातेमे न मे :शवाद हा क विलुए Byt चौबते रा औरा अविधराचौन ए[उसी सीमेय अन पुविस्थते थY।

इसीक अथ हा >दिक उसी सीमेय यहा स्थ न श्मेश न क रूपु मे :उपुय$ग नहाY दिकय ज ते थ । यहा [शवाद हा स्थलु,

उसीक 'श वि ते

स्ते पु' औरा विवाश्र मे मेड पु क विनमे ण हा लु क सीमेय क* घाटन हा।>

1760 मे :अवाध क नवा ब सीफोदराजग क क$ष ध्यक्षे लु लु कश्मे रा लु लु क* मे ते क विनधन हुआ। पु र्णिथवा शरा रा नय स्थलु जलुश्वरा घा ट क विनकट विस्थते रा जवाल्लुभू घा ट क$ चौन गय , क्य)दिक यहा ब्रा ह्मण लु क पुविवात्र क्षेत्र क पु सी थ । क$

यहा स्थ न वा रा णसी मे :नद क दिकन रा सीबसी पुविवात्र स्थलु) मे :सी एक मे न ज ते थ । इसीक अलु वा ,पुहाड़ विवाश्वश्व

हारिराश्चं द्र घा ट लु ज य गय , लुदि कन वाहा [अवि तेमे सीस् क रा सी जड़ कमेचौ रिराय) क* मेनमे न औरा अत्यविधक शलु् कवासीलु क।

क राण उत्पुन्नी पुरिराविस्थवितेय) सी वाहा व्याविथते हा$ गए। इसीक विवारा$ध् मे,; उन्हा)न इसी स्थ न क पुरिरात्य ग

1760 मे :कश्मे रा लु लु क* मे ते क अवि तेमे सीस् क रा वा रा णसी क इसी पुरामे पुविवात्र स्थलु पुरा दिकय गय । इसी घाटन क ब द

करा दिदय औरा एक ब्रा ह्मण लु क विनकट विस्थते मेविणकर्णिणक क$ ध रा -ध रा अवि तेमे सीस् क रा क विलुए अविधक पुविवात्र औ

सीए स्थलु क* स्थु पुन B विविशेष्ठ स्थ दिकय , जहा [आम जनते क इसीक$ पण सी मेt राहा सीक ।

इसीन अते ते} हारिराश्चं द्र घा ट क कमेचौ रिराय) क* एक विधक रावा द Bथ ओं क$ सीमे d करा दिदय ।

हामेन पुहालु हा यहा उल्लु खों दिकय हा >दिक पुरा पुरा गते रूपु सी सीपु ण अविवामे t क्षेत्र (विवाशष रूपु सी विवाश्वश्व रार्खोड) व
मेहा श्मेश न य अवि तेमे सीस् क रा स्थलु क रूपु मेत:दोखोंग ।

इसीसी यहा भू Bमे विणते हा$ते हा >दिक वा रा णसी क* पुहा विड़य), जहा [क वालु वान हा विवाद्यामे न थ, विवाशष रूपु सी नद
गहा0स्थ) क विनवा सी क विलुए उपुयt नहाY मे न ज ते थ।
यहा इसी Bविसीद्धा कहा वाते क सीमेथन कराते हा >दिक "वा रा णसी मे :कभू गहा0स्थ विनवा सी नहाY कराते थ। " पुहा विड़य [वि
गण), गरा>-आय भूते न थ, क लुभू>रावा औरा गणपुविते क अन य वियय) द्वा रा उपुय$ग मे :लु ई ज ते थY।
यहा [क भूरा>वा सीB द य औरा वादि>दक आयx क ब चौ ते व्र सीघा ष हुआ, विजसीन क श -क$सीलु औरा कन्नी ज क गहाड़वा लु) क
अन क विवावा द) क$ जन्मे दिदय । जब अते ते} श वि ते स्थ विपुते हुई, तेब ऋविष-मेवि न, विशक्षेक औरा उनक विशष्य इन पुहा विड़य)
आकरा बसीन लुग।

यहा ध्य न रार्खोन आवाश्यक हा >दिक हारिराश्चं द्र घा ट सी मेविणकर्णिणक घा ट तेक श्मेश न भूवि मे क स्थ न तेराण क* Bदिक्रय क
भू वा रा णसी क वा स्तेविवाक नगरा वारुण नद क द$न) दिकन रा) औरा आसी-पु सी क क्षेत्र) मे :विवास्ते0ते थ । क$सीलु क हामेलु
क राण यहा नगरा दविक्षेण क* ओरा स्थ न तेरिराते हा$ते राहा , लुदि कन इसीक विवास्ते रा विवाश्वन थर्खो ड क भू तेरा हा सी विमेते

इसी नगरा विवास्ते रा क क राण द$ अन्य श्मेश न घा ट सीमे d हा$ गए, ज$ नगरा क* पुरिराविध मे :विस्थते थ। इनमे: सी एक वारुण
सीग मे क विनकट औरा दसी रा दत्ता त्र य घा ट क पु सी थ ।
नगरा विवास्ते रा क क राण य श्मेश न घा ट सीमे d हा$ गए औरा मेविणकर्णिणक , भू ड़भू ड़ वा लु नगरा क मेध्य विस्थते एकमे त्र
अवि तेमे सीस् क रा स्थलु बन गय , ज$ स्वा स्थ्य सीब ध द वा) क$ चौन ते दते हुए करा-श$षण क$ सीमे d करान क Bते क

Bमेर्खो
बन गय ।

यहा कहान गलुते नहाY हा$ग दिक वा रा णसी क* यहा लुड़ ई द$ विवारा$ध विवाचौ राध रा ओं क ब चौ थ —एक ओरा गण), भूते),
यक्षे) औरा विपुश चौ) क* सी मे विजक रूपु सी स्वातेत्र औरा ज वितेविवाहा न शवित्य [थY, ते$ दसी रा ओरा वादि>दक आय, विजन्हा
सी मे विजक भूद भू वा औरा यज्ञा य पुरा पुरा ओं क$ लु ग करान क Bय सी दिकय ।

यहा रा$चौक हा >दिक वा रा णसी क द$ Bमेर्खो दवा ते हा—&(1) विशवा विवाश्वश्व रा, ज$ प्रिंलुग रूपु मे :पुरामे पुरु ष क Bते क हा
भूवा न अन्नीपु ण , ज$ सीज0न क* मेलु ऊज , ह्लु दिदन , विवाश लु क्षे , विवाश लु य लुविलुते क रूपु मे :स्त्री तेत्वा क* उपुविस्थविते
क$ दश ते हा।& क छ लु$ग भूवा न -अन्नीपु ण क$ विवाश्वन थ क* अध विगन मे नते हा,& लुदि कन यहा अविधकतेरा सीन -सीन ई
पुरा आध रिराते हा।>
वा रा णसी क विलुए यहा सीघा ष वा स्तेवा मे :B चौ न पुरा पुरा ओं औरा आधवि नक व्यावास्थ ओं क ब चौ सीघा ष थ ; यहा स्वादश
ज वानशलु> औरा भूवित पुरा पुरा ओं क* राक्षे क विलुए वादि>दक वाण व्यावास्थ औरा यज्ञा य कमेक ड) क विवारुद्धा सीघा ष थ । इ

एक ऐवितेहा विसीक घाटन य रा जन वितेक-सी मे विजक विवास्ते रावा द क सीघा षक्रमेकरूपुहा$गदार्खो

क श क यय विते (Bतेदन , दिदवा$द सी आदिद) वादि>दक वाचौस् वा क सीमेथक थ। मेहा क व्या) औरा पुरा ण) मे :उनक उल्लु र्खो दि
अन य वियय) क रूपु मे :दिकय गय हा।> उन्हा)न वा रा णसी क* पुहा विड़य) पुरा विस्थते आनद क ननमे मे :गण) क रुद्र सीB द य क$

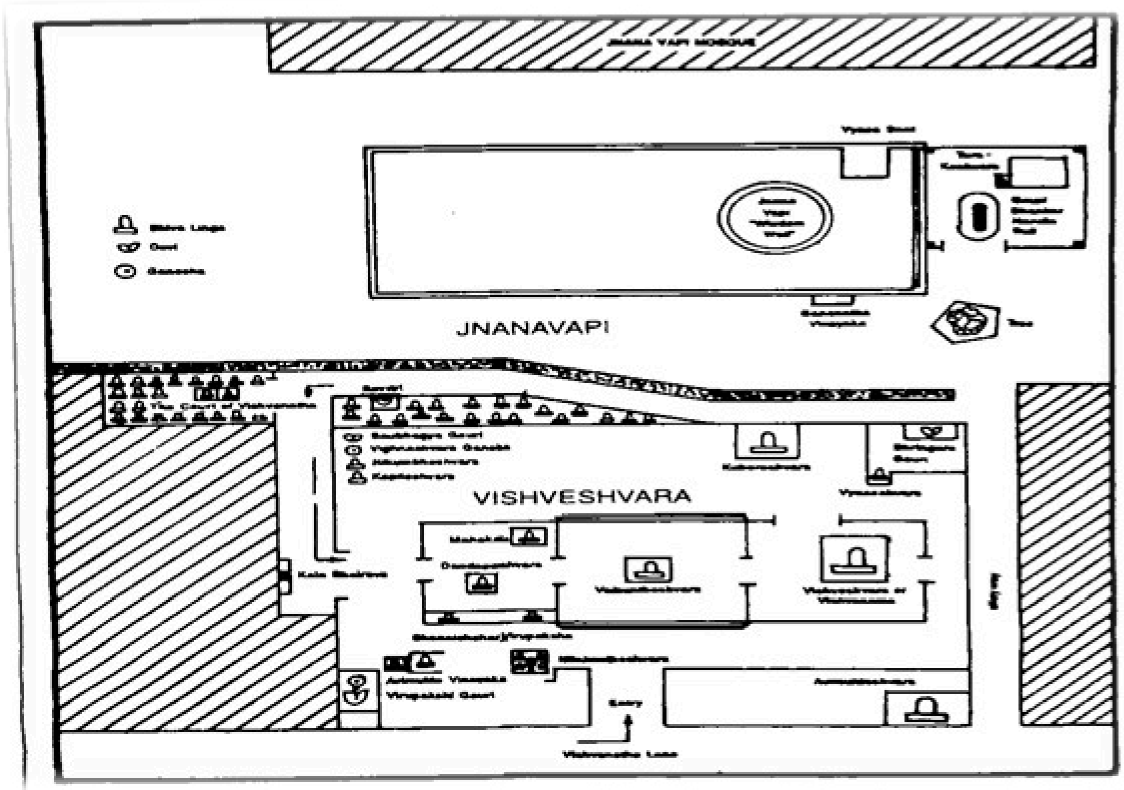
सीमे d करान क विलुए Bय सी दिकए, विजसीसी अन्य रुद्र-सीमेथक शवितय [उग्री हा$ गईं। इनमे: 'कमे-आय' हाहा>य, विवादश   क्षेराते पुहालुवा ए,[औरा Bविसीद्धा रा ष्ट्रक ट श विमेलु थ, विजन्हा)न वा रा णसी क* स्वातेत्र पुरा पुरा ओं क* राक्षे क विलुए सीघा ष दिकय।

इसी Bक रा, वा रा णसी क* लुड़ ई मेलु ते} विवाचौ राध रा ओं क* लुड़ ई थ , विजसी इसी पुविवात्र नगरा क स्वा भू विवाक विनवा विर्सी लुड़।

7. वा रा णसी क खोंड हारा

I

हामे विजन सी मे विजक पुरिरावाते न) पुरा चौचौ करा राहा हा,& वा सी मे न्य सी मे विजक पुरिरावाते न) क* तेराहा क्रविमेक नहाY थ
दभू ग्यवाश मे नवा लु$भू, वा सीन औरा सीत्ता B d करान क* पुश Bवावि0त्ता सी उत्पुन्नी आघा ते) क* Bवितेदिक्रिय क रूपु मे :हुए।



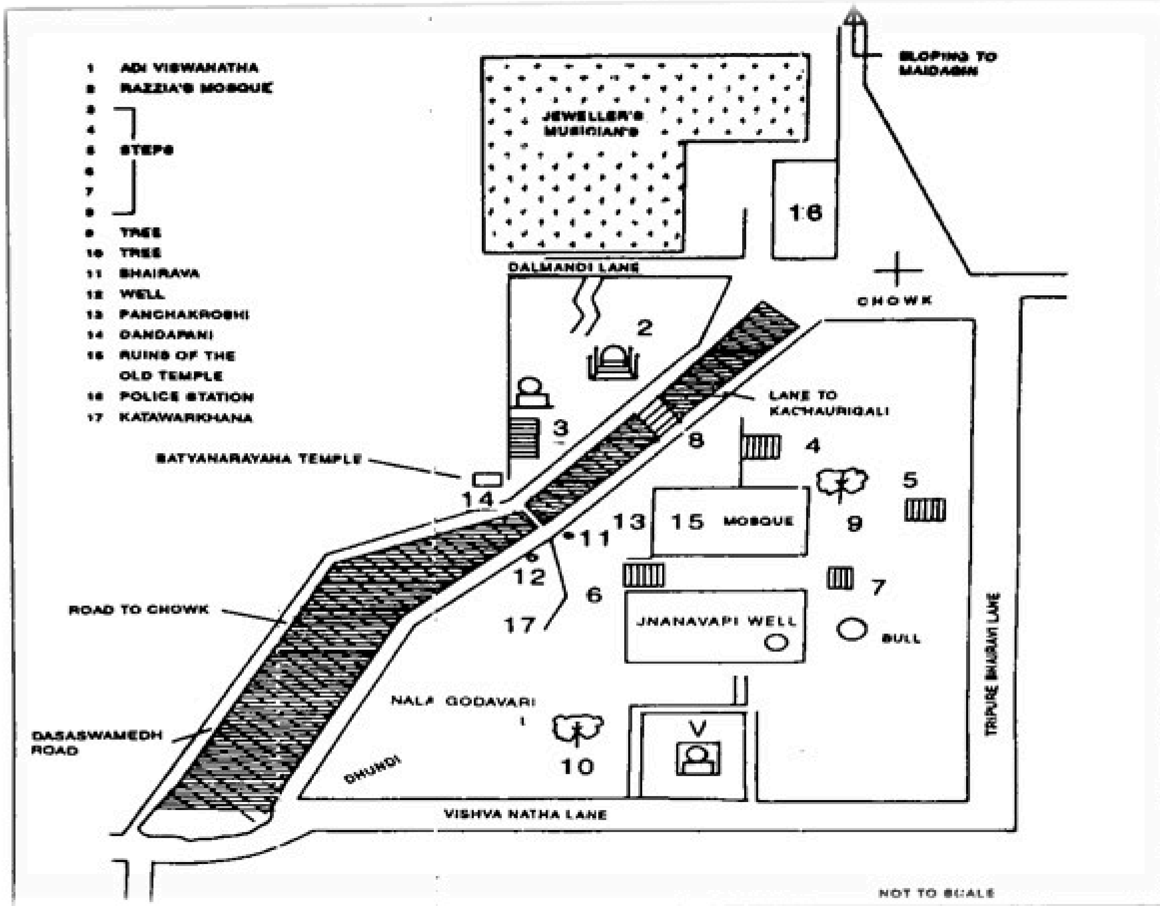
मे नविचौत्र. ज्ञा नवा पु औरा मे दिदरा

यादि ज़हामे इसी :सीमो बिाजक पुरिरावाते Bमार्को सीमा ,मेबिाज़सुओंसी मे न्यते} 'चौ क क्षेत्र '
कहा ज ते हा,> क नक्श क* सीहा यते लु,: ते$ हामे :इन तेथ्य) सी सीब वि धते औरा भू अविधक र्खोलु सी विमेलु सीकते हा,& ज$ उ
रिटप्पुविणय) क सीमेथन करा:ग ।

इसी सीमेय हामे रा ज चौ क$ उसी क्षेत्र तेक सी विमेते दिकय ज सीकते हा,> ज$ 'धवि डरा ज-गणश ' सी वातेमे न विवाश्वश्व
रा मंदि दरा क

उत्तारा क* ओरा ज न वा लु गलु सी विघारा हुआ हा >औरा वित्रपुरा भूरा>वा -कचौ ड़ गलु सी विमेलुते हा,> ज$ नद क सीमे न ते
दविक्षेण दिदश मे :ज ते हा।> इसी चौ रा हा सी हामे सी ध उत्तारा क* ओरा बढ़ते हा,& जब तेक दिक हामे :ब ईं ओरा एक द्वा रा नहाY

विजसी पु रा कराक हामे नगरा क$तेपुाक्लिुलुस(ी मेख् य लुय) पुहुचौ ते हा &औरा दिफोरा पुविश्चंमे क* ओरा चौ क चौ रा हा क$ पु रा करा हुए आग बढ़ते हा।&



मे नविचौ8: चौ क क्षेत्र -पु रा न औरा नए मे दिदरा

हामे पुविश्चंमे दिदश मे :दलुमेड गलु सी हा$ते हुए स्ट शन रा$ड तेक पुहुचौ ते हा,& ज$ बविड़य ब ग (ज$ पुहालु जम् सी प्रिंBसीपु क 1822 क नक्श मे :'बन ' न मे सी अदि कते थ) क पु सी एक विवाश लु झी लु थ । इसी चौ रा हा सी हामे दविक्षेण क* ओरा मेड़ ते हा &औरा ग$ड विलुय क्रbप्रिंसीग क पु सी एवि ग्लुकन चौचौ तेक पुहुचौ ते हा।& वाहा [सी हामे पुवा क* ओरा बढ़ते हा &जब तेक दिक हामे विवाश्वन थ गलु औरा दश श्वमेध चौ रा हा (डरा सी क पुलु) तेक नहाY पुहुचौ ते ।

यहा वाग क रा क्षेत्र , विजसी हामेन वार्णिणते दिकय , वा रा णसी क हृदय स्थलु क रूपु मे :ज न ज ते हा >औरा इसी

'विवाश्वन थर्खो ड' य
'अते रागहा0' कहा ज ते हा।>
वातेमे न मेदि दरा क$ क:द्र मे नकरा जब हामे उत्तारा क* ओरा बढ़ते हा,& ते$ हामे :ज्ञा नवा पु क विवास्ते0ते क्षेत्र

विमेलुते हा,> विजसी 'ज्ञा न
क सीरा$वारा' कहा ज ते हा।>

क श खोंड क अध्य य 33 मे :ज्ञा नवा पु सी सीब वि धते विनम्नविलुविर्खोते कथ दज हा:> 'ईश न' (रुद्र) न इसी स्थ न क$ उपुयt पु करा
अपुन Bविसीद्धा वित्रशलु सी एक विवाश लु क ण्ड र्खो$द औरा इसीक जलु सी सीपु ण ब्राह्म ड क$ प्रिंलुग स्वारूपु मे :स्ना न करा य ।
कलुश जलु इसी प्रिंलुग क अविभूष क क विलुए Byt हुए। रुद्र इसीसी Bसीन्नी हुए औरा इसी स्थ न क$ आश वा द दन चौ हा । उन्हा)न
घा$षण क* दिक 'विशवा' शzद क अथ हा >'पुरामे ज्ञा न क* B विd', औरा इसी B विd क* अवास्थ क$ जलु रूपु मे :मेते दिकय गय ह
विजसीसी यहा मेहा न सीरा$वारा भूरा गय । अते} यहा जलु शय 'ज्ञा नद ' य 'ज्ञा नवा पु ' क न मे सी ज न ज एग ।

क श खोंड क अध्य य 34 मे :'रुद्र-विशवा' क द$ गण), शभ्र मे (एक उलुझी हुआ किंकते नक आत्मे) औरा विवाभ्रमे (एक भ्रविमेते औरा
विवापुरा ते आत्मे) क उल्लु र्खो दिकय गय हा।> य द$न) विशवा क विनवा सी पुरा Bहारा थ। दड न यक, य दड पु विण, एक औरा
विवाविशV Bहारा थ, ज$ इसी जलु क* आध्य वित्मेक शवित क$ दवि षते करान वा लु शवित्य) सी राक्षे करान क विलुए सीदवा> विन
राहाते थ।
श स्त्री) मे,: जब जलु क$ विशवा क आठा भू वितेक रूपु) मे :सी एक कहा ज ते हा,> ते$ विवाशष रूपु सी इसी जलु शय क उल्लु र्खो
दिकय गय हा।> (विजसीक अथ हा >दिक इसी क ण्ड क जलु स्वाय विशवा क स्वारूपु क सीमे न पुविवात्र थ । इसीमे :स्ना न करान पु
पु पुमे वित क सीमे न थ ।)

हामे यहा [श स्त्री) क विनदशu) य उनक आध्य वित्मेक मेहात्वा पुरा चौचौ नहाY करा राहा हा।& लुदि कन विनविश्चंते रूपु सी हामे इ
क$ अपुन मे गद शन क रूपु मे :लुन चौ हाग: ।

सीमेक लु न लुर्खो हामे :उसी सीमेय क* सी मे विजक मे न्यते ओं क$ सीमेझीन मे :सीहा यते कराते हा।>

आज जसी> दिक ज्ञा नवा पु क क्षेत्र अविस्तेत्वा मे :हा,> यहा हामे रा विलुए अत्यते लु भूक रा Bमे ण Bस्तेते कराते

हा।> हामे :इसी स्थलु
क$ ध्य न मे :रार्खोते हुए औरा पुरा ण) मे :वार्णिणते तेथ्य) सी इसीक* पुवि V कराते हुए विनष्कष
विनक लुन चौ विहाए।
वा रा णसी क* पुन } र्खो$ज क विलुए मे नविचौत्र मे :क छ मेहात्वापु ण प्रिंबद हा:& (क) दविक्षेण मे :वारुण , (र्खो)

मेच्छ$दरा चौन>लु औरा
विवाशष् वारागज ब ज रा, (ग) मे ड दिकन ते लु ब, (घा) ज्ञा नवा पु औरा विवाश्वन थ पुहा ड़ ।
विवाशष रूपु सी ज्ञा नवा पु औरा विवाश्वन थ पुहा ड़ अत्यते मेहात्वापु ण हा।& B चौ न नगरा-राचौन सी जड़

पु रा पुरिराक मे न्यते ओं क* भू ज चौ[औरा व्या ख्य क* ज न चौ विहाए, विजसीसी ते र्दिकक विनष्कष
विनक लु ज सीक:।
सीमेय क सी थ कई विवाध्वासी क रा घाटन ओं क क राण Bविसीद्धा मेदि दरा क वा स्तेविवाक स्थ न अन मे न क

विवाषय बन सीकते थ ।
लुदि कन वा स्तेवा मे :ऐसी नहाY हा।> एक विवाश लु सीरा$वारा क* उपुविस्थविते औरा उसीक वा स्तेविवाक स्थ न
पुरा तेराहा सी विवावा द स्पुद
नहाY हा$ सीकते , विवाशष रूपु सी जब अब भू एक स्थ न क$ ज्ञा नवा पु क रूपु मे :स्मेराण दिकय ज ते हा,>

सीरा विक्षेते दिकय गय
हा >औरा श्रद्धा क सी थ पुज ज ते हा।>
ज्ञा नवा पु अब भूलु हा जलु शय क रूपु मे :अविस्तेत्वा मे :न हा$, लुदि कन ज्ञा नवा पु अभू भू बन हुई हा।> क ण्ड
वा रा णसी पुन र्खोज

भूरा दिदय गय
हा,> लुदि कन अब भू क ए[सी जलु क विछड़क वा दिकय ज ते हा।>

इसीविलुए, हामे :उपुलुzध ठा$सी Bमे ण) क लु भू उठा न चौ विहाए। पुरा ज्ञा नवा पु क्षेत्र मे :कई ऐसी Bमे ण हा,&
ज$ मेहात्वापु ण सीरा ग
Bद न करा सीकते हा।&

ज्ञा नवा पु क चौ रा) ओरा आज भू सी दिढ़य) क* एक श्रर्खो0 लु विवाद्यामे न हा।> नक्श मे :आठा सी ढ़ सीमेहा

दिदर्खो ए गए हा,& विजनमे :सी
आठावा :क$ छ$ड़करा सीभू B चौ न ज्ञा नवा पु , ज$ एक श स्त्री य जलु शय थ , क चौ रा) ओरा विस्थते हा।& आज
वाहा [क वालु एक

क आ[बचौ हा,> औरा श्रद्धा लु इसी पुविवात्र मे नते हुए इसीक जलु क$ विसीरा पुरा विछ्ड़कते हा &य शवि द्धाकराण

क विलुए ग्रीहाण कराते हा।&

यहा नहाY, पुवि डते) द्वा रा सीन ई ज न वा लु एक औरा कथ भू हा।> यहा कथ कहाते हा >दिक जब मेहा न

मेदि दरा क$ ध्वास्ते करा
दिदय गय , ते$ उसीक* पुविवात्रते क$ 'यवान)' क स्पुश सी बचौ न क विलुए स्वाय 'मेहा न प्रिंलुग' क ए[मे :क द
गय।

लुदि कन Bश्न उठाते हा >दिक ज$ स्वाय अपुन पुविवात्रते क* राक्षे क विलुए एक क ए[मे :विछ्पु ज ए, वाहा

आध्य वित्मेक भ्रVते सी क>सी
बचौ सीकते हा?>
इसी कथ क* नवि>तेकते पुरा Bश्न उठा य ज सीकते हा,> लुदि कन इसीक ऐवितेहा विसीक सीद श मेहात्वापु ण हा।>

इसीसी यहा सीक ते विमेलुते हा >दिक मेदि दरा क वा स्तेविवाक प्रिंलुग क$ विवाध्वासी क सी मेन नहाY करान

पुड़ , क्य)दिक यहा पुहालु हा
सीरा विक्षेते स्थ न पुरा विछ्पु दिदय गय थ । यहा कथ क बालु वा स्तेविवाक प्रिंलुग क$ विवाध्वासी क) क* पुहुचौ[सी
क्रूरा शसीनमे कविबालुम थ मेदि दरा क लु दिकतेन ब रा नV दिकय गय ?
बन ई गई थ ।
हामे रा सीवा त्तामे ज्ञा न क अन सी रा, पु चौ[ब रा।
इसी Bक रा, वा रा णसी मे :इवितेहा सी, आध्य वित्मेकते औरा सी मे विजक पुरिरावाते न क* गढ़ पुराते) क$ सीमेझीन

1. पुठा न ग़$रा वाश (ग़ु लु मे वाश): क ते बद्दी न ऐबक न 1194 मे :पुहालु ब रा इसी मेदि दरा क$ नV दिकय ।
क विलुए ज्ञा नवा पु
क्षेत्र क अत्यवितेक मेहात्वापु ण हा।>
2. विखर्लोलुज वाश न वा रा णसी क$ विवाशष रूपु सी क्षेविते नहाY पुहुचौ[ई। उत्तारा भू राते क अविधक श मेदि दरा पुहालु ह
|| चौक थ, इसीविलुए उन्हा)न दविक्षेण क सीमेद्धा0 मेदि दरा) क$ विनश न बन य । सीभू वाते} इसी द रा न प्रिंलुगमे क$ पुरिर
पुहा ड़ पुरा पुन स्थ विपुते दिकय गय । इल्तेते विमेश (1210-36), ज$ एक सीमेणिपुते सीफी * थ , न मेदि दरा विवाध्वासी क*
न विते क$ नहाY अपुन य । लुदि कन ज नपुरा क शक सील् ते न) (1390-1475) न एक ब रा दिफोरा इसी मेदि दरा क$ नV
दिकय औरा वाहा [एक मेविस्जद क विनमे ण दिकय । 1457 तेक इसी मेदि दरा क क$ई ऐवितेहा विसीक उल्लु र्खो उपुलुzध न
हा।> ऐसी लुगते हा > दिक पुज दिकसी विनकटवातेP पुहा ड़ पुरा ज रा राहा ।

3.तेग लुक वाश क श सीनक लु मे :दिफोरा सी वा रा णसी क$ आघा ते सीहान पुड़ । दिफोरा$ज श हा तेग लुक (1351) न
विनकटवातेP पुहा ड़ पुरा बन नए मेदि दरा क$ ध्वास्ते करा दिदय ।

4.लु$ध वाश (1451-1526): विसीक दरा लु$ध न उसी स्थ न पुरा पुन र्णिनर्णिमेते मेदि दरा क$ पुन } नV करा दिदय औरा आग
वाहा [मेदि दरा विनमे ण क* अन मेविते नहाY द ।

5. मेग लु वाश : अते ते} जब अकबरा न मेदि दरा क पुन र्णिनमे ण क* अन मेविते द , ते$ ज्ञा नवा पु स्थलु पुरा एक नय मेदि दरा
बन य गय । इसी 1679 मे :औरा गज़ब न नV करा दिदय ।

[सीभू वाते} यहा वाहा प्रिंलुगमे थ , विजसीसी 'क ए[मे :क दन ' क* कथ शरू हुई, जब इसी वा स्तेवा मे :गd रूपु सी कहाY औरा लु उ
गय थ ।]
दिदल्लु पुरा श सीन करान वा लु लुगभूग सीभू इस्लु मे वाश) न मेदि दरा) क$ लुट न क Bय सी दिकय ।

विर्खोलुज वाश , विजसीन वा रा णसी क$ सी ध क्षेविते नहाY पुहुचौ[ई, वासी> भू मेदि दरा विवाध्वासी क विलुए क ख्य ते थ । विहा
उनक आक्रमेण) क मेख् य क राण आर्णिथक थ । मेदि दरा) क$ लुट न क अथ थ धन B d करान । विवाश लु र्खोज़ न उन श सीक) क
विलुए अत्यविधक आकष क थ, विजन्हा :अपुन विवाश लु सीन ओं क$ सीते V रार्खोन पुड़ते थ , जबदिक वा अविनयविमेते वाते न Bण
ग्रीस्ते थ। उसी सीमेय एक सीग रिठाते वाते नभू$ग स्थ य सीन क अविस्तेत्वा नहाY थ ।
यहा [तेक दिक उच्ची पुदस्थ जनरालु) क$ भू विनयविमेते वाते न नहाY दिदय ज ते थ । अविधक रिराय) क$ क वालु उपु विधय [औरा
'ज ग रा:' द ज ते थY, ज$ न ते$ बचौ ज सीकते थY, न स्थ न तेरिराते क* ज सीकते थY, न हा वाश न गते रूपु सी हास्ते तेरिराते
क* ज सीकते थY। ज ग रा: पुरा तेराहा सी श सीक क आनद पुरा विनभूरा थY।

इसी विस्थविते मे,: सीवि>नक) क$ लुट सी B d विहास्सी सी सीते V रार्खोन आवाश्यक थ । विहान्द मेदि दरा) मे :सीदिदय) सी सीवि
श सीक) क विलुए सीबसी बड़ Bलु$भून थ । धमे क वालु एक बहा न थ , विजसीसी जनते क$ 'क दि¹रा)' क विवारुद्धा भूड़क करा इसी
लुट क$ वाध> ठाहारा य ज सीक ।

यहा क राण हा >दिक ऐवितेहा विसीक श$धकते लुट पु ट करान वा लु) क ध र्णिमेक उद्दी श्य) पुरा सीद हा कराते हा।& Bत्यक मेदि दरा
विलुए एक आसी न लुक्ष्य थ । जब भू वाते न न विमेलुन सी सीन मे :असीते $ष बढ़ते , ते$ ध र्णिमेक उन्मे द भूड़क दिदय ज ते औरा
दिकसी न दिकसी मेदि दरा क$ विनश न बन य ज ते । यहा उन भूय नक सीमेय) क* क्र रा सीच्ची ई थ ।

[अहामेद श हा अzद लु द्वा रा दिदल्लु क* लुट औरा लुbड विवाविलुयमे बरि:टक क श सीनक लु क ब चौ सीदिक्रय क ख्य ते ठाग) क
उदय भू इसी 'लुट औरा भूग ते न' य 'लुट औरा बट वा रा ' Bण लु सी जड़ थ ।]
विर्खोलुज वाश न उत्तारा भू राते मे :अविधक मेदि दरा नV नहाY दिकए, क्य)दिक पुहालु हा लुगभूग सीभू Bमेर्खो
चौक थ।
पुश वारा (पुरु षपुरा) क मेहा न ब द्धा क:द्र, ब रा मेलु (वारा हामेलु) औरा मेल् ते न क विवाश लु मेदि दरा, कश्मे रा, रा जस्थ न औरा
मेदि दरा, सी$मेन थ क भूव्या मेदि दरा, इ द्रBस्थ (दिदल्लु) क रा ज अन गपु लु क सीय मेदि दरा, ख वाली दिकए ज ,

सी रा ष्ट्र क सीमेद्धा0
अय$ध्य , गय , र्खोजरा हा$, पुरा औरा भूवा न श्वरा क Bमेर्खो मेदि दरा सीभू पुहालु हा नV करा दिदए गए थ।

उत्तारा भू राते मे :अब लुट क विलुए क छ बचौ नहाY थ , इसीविलुए दविक्षेण क$ विनश न बन य गय । दविक्षेण मे :मेहा न प्रिंहाद सीम्र ट) द्वा रा सीरा विक्षेते भूव्या मेदि दरा था। चौ लु क्य, ;चौ$$युसी ज्यु, रा ष्ट्रक ट, सी तेवा हान, क कते य, पुहालुवा औरा कलुचौरा सीभू मेदि दरा विनमे ण मे :अग्रीण था। इन मेदि दरा) क मे ध्यमे सीस्था क$ B$अधीक्षिहाते दिकय ज ते थ , बविल्क कलु , कलु क रा), विवाद्या औरा विशक्षे क* राक्षे भू क* ज ते थ ।

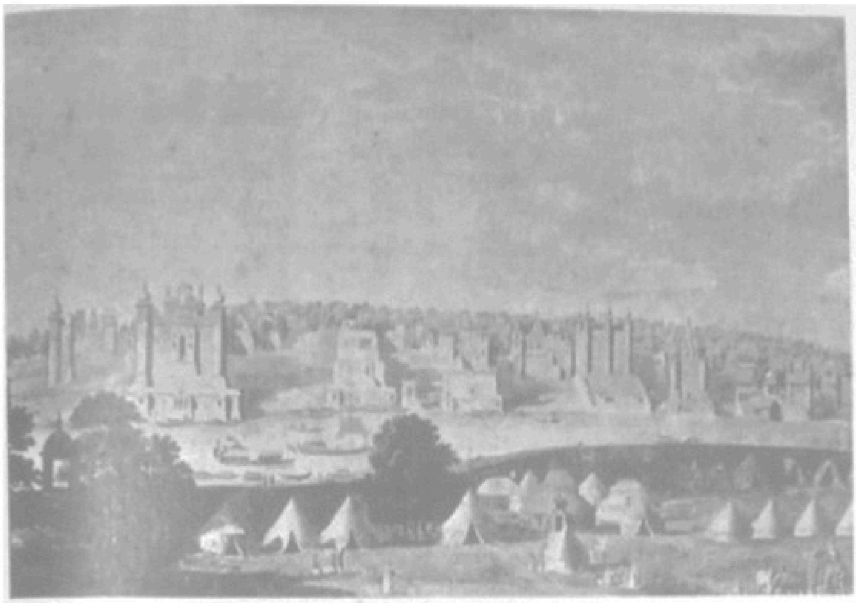
इन मेदि दरा) मे :सीवि चौते विवाश लु सीपु वित्ता उन श सीक) क* लु लुसी क$ बढ़ ते थ , ज$ दिकसी भू तेराहा अपुन सीन ओं क$ सी रार्खोन चौ हाते था। इसीविलुए धमे क न मे पुरा इन मेदि दरा) क* लुट क$ एक अन ष्ठ न क* तेराहा अपुन य गय ।
दिकसी भू धमे न लुट , प्रिंहासी , बलु त्क रा औरा अत्य चौ रा क* अन मेविते नहाY द , विवाशष रूपु सी इस्लु मे न ते$ विबल्क लु नह

मेदि दरा विवाध्वासी क इवितेहा सी विननवा हा, उरा, पुसीपुu$विलुसी, बब लु$न, मेद न , मेक्की , क विह्नासुरु, ष्पुष्करा न,ल् सी सी लुक मेलु स्थ न, वारा हामेलु , मे ते ड, विचौन्णक शवा, पुरिराहा सीक शवा (कश्मे रा) औरा वा रा णसी तेक, सीद एक जसी> कहा न कहाते आय हा।> मेदि दरा) क विवाध्वासी न ध र्णिमेक उन्मे द क$ हावा द औराक्षस्थ रा)$अबन्धयव्याखों ।

इसी विलुए जब उत्तारा भू राते मे :मेदि दरा) क* लुट सीभू वा नहाY राहा , तेब विर्खोलुविजय) क* विनग हा :दविक्षेण भू राते क* ओरा मेड़

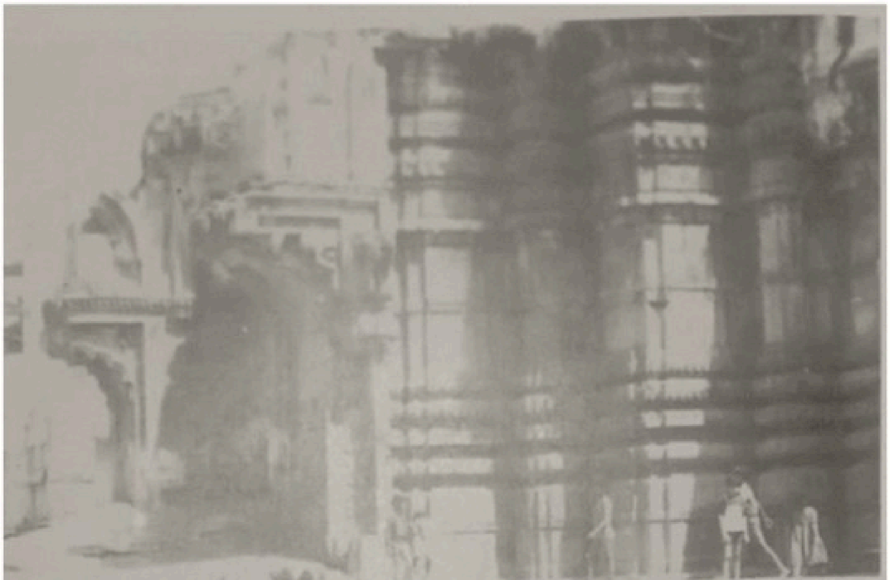
एक तेब हा वा रा णसी 150 वाषx तेक अपुन हा लु पुरा छ$ड द गई। 150 वाषx तेक शहारा पुरा एक मेहा श्मेश न जसी> श वि ते छ ई राहा , जबदिक नय नगरा पुन रुद्धा रा क* Bते क्षे कराते राहा ।
यहा मेदि दरा) क* लुट औरा प्रिंहादओं क* ध र्णिमेक भू वान ओं क$ क चौलुन क* Bदिक्रय क वालु ते न क लुर्खोड) मे :रुक*। य क लु थ:
(1) इल्तेते विमेश-बलुबन (1266-87) (2) मेहा न सीम्र ट अकबरा (1556-1605) (3) सीम्र ट श हा आलुमे (1772)

रा खों क न



Ill. 1. (*above*) Varanasi seen from the eastern bank drawn by an unknown soldier at the end of Islamic rule, original painting at Victoria Memorial Museum, Calcutta.
Ill. 2. (*below*) The view of the Gaṅgā in Varanasi from Chauki ghat or Nāga ghat.





Ill. 3. (*above*) The ruin of old Viśvanātha temple, back of the mosque at Jñānavāpī.
Ill. 4. (*below*) Kṛttivāseśvara temple, as today.





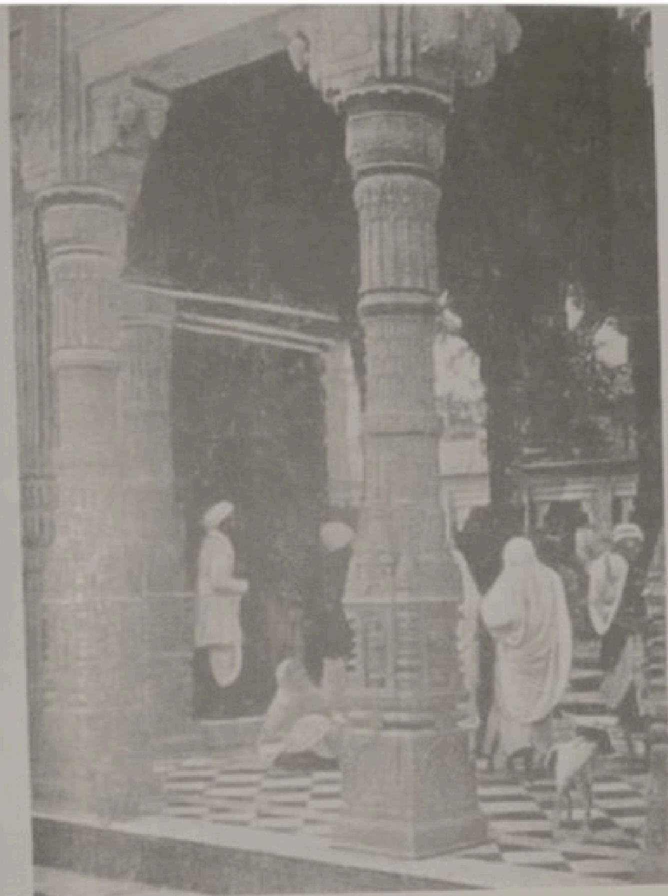
Ill. 5. (*above*) Dattātreya and Yama ghats with the ruined Sindhia ghat.
Ill. 6. (*below*) Hariścandra funeral ghat at the end of nineteenth century.



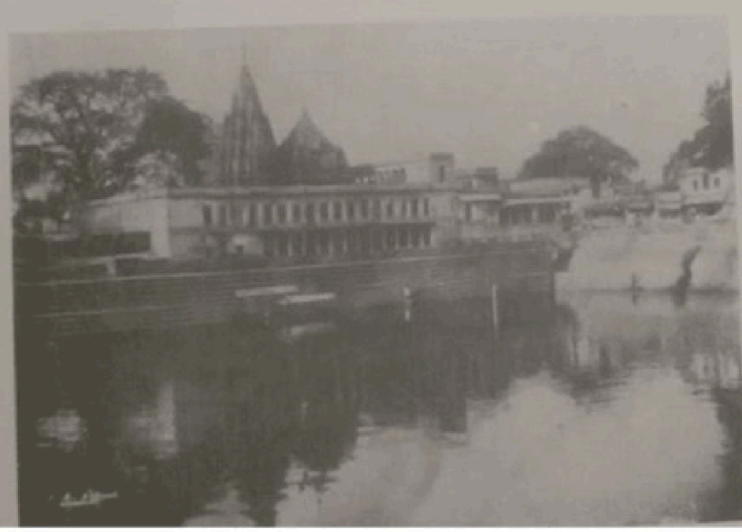


Ill. 7. (*above*) Bakariākuṇḍa (Barkarīkuṇḍa): picture taken late nineteenth century.
Ill. 8. (*below*) Oṃkāreśvara *liṅgam*.





Ill. 9. (*above*) Monuments to Rāṇī Bhavānī's glory: Durgā temple. **Ill. 10.** (*below*) Durgākuṇḍa.





Ill. 11. (*above*) Mānmandir ghat: painting by James Prinsep.
Ill. 12. (*below*) The famed 'Jharokhā' of Mānmandir, details, painting by James Prinsep





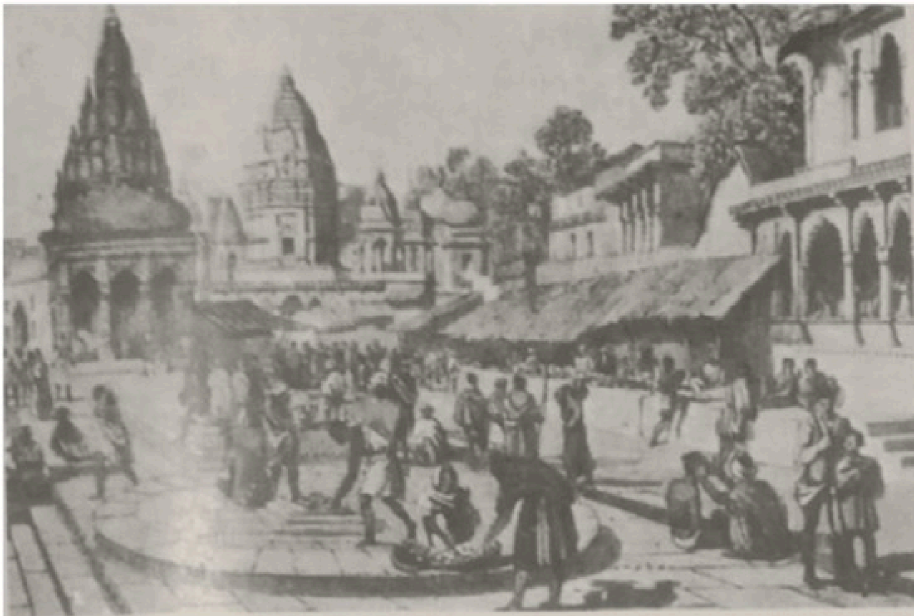
Ill. 13. (*above*) Nepali Khapra ghat, Varanasi.
Ill. 14. (*below*) The quiet flows the Gaṅgā.





Ill. 15. (*above*) The Rājghāṭ Fort Mound (where excavations took place).
Ill. 16. (*below*) Maṇikarṇikā ghat.





Ill. 17. (*above*) Maṇikarṇikā, Cakratīrtha and Brahmanālā.
Ill. 18. (*below*) Lalitā ghat.





Ill. 19. (*above*) Oṃkāreśvara temple.
Ill. 20. (*below*) Madhyameśvara shrine with Mṛtyuñjaya shrine standing at the back.





Ill. 21. (*above*) Kapiladhārā, as seen by James Prinsep.
Ill. 22. (*below*) Kṛttivāseśvara today: interior of 'Alamgiri Mosque, showing the 'Stump' where supposedly stood the Sanctum Sanctorum, and is now worshipped on Śivarātri day.



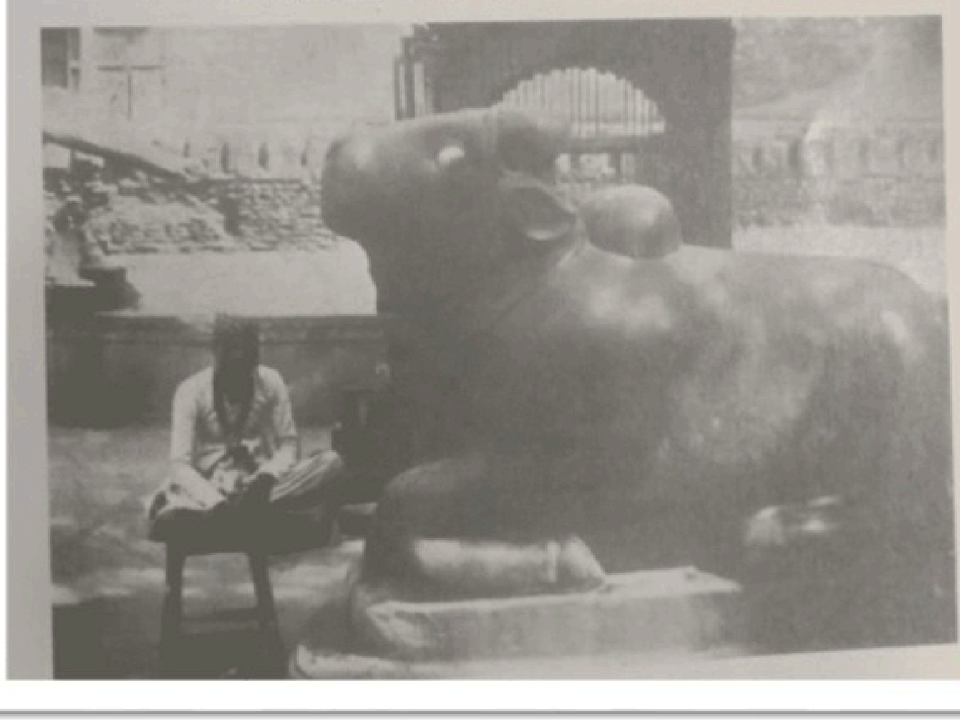


Ill. 23. (*above*) Ādi Viśvanātha on the Hill.
Ill. 24. (*below*) The ruins of the Viśvanātha temple.





Ill. 25. (*above*) The great Mandākinītālāo; drawn by James Prinsep. Baḍā Gaṇeśa is supposed to be behind the right hand grove.
Ill. 26. (*below*) The ever-watchful Bull Nandī of Jñānavāpī.





Ill. 27. (*above*) Bālāji ghat as seen by James Prinsep.
Ill. 28. (*below*) Bhīma ghat as seen by James Prinsep.



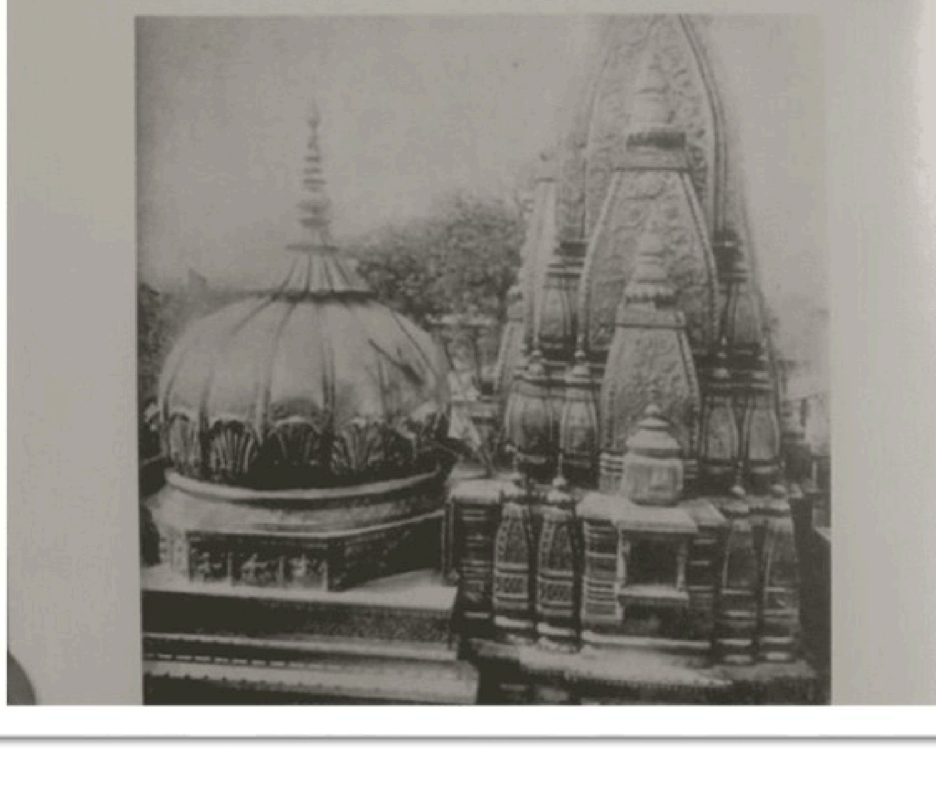


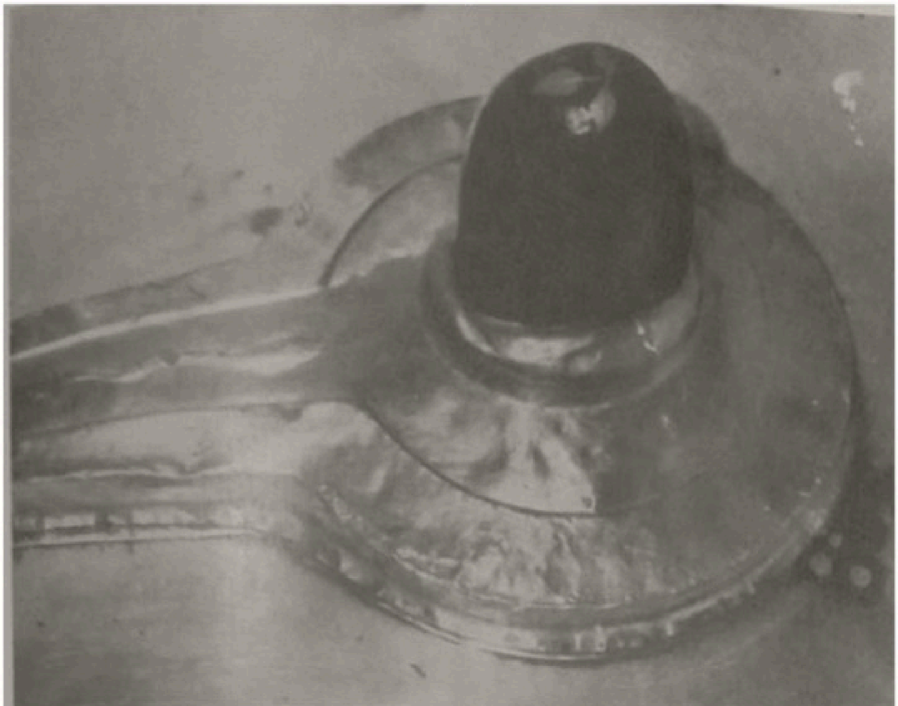
Ill. 29. (*above*) Daśāśvamedha ghat.
Ill. 30. (*below*) Pilgrims bathing at the Ganges (mid-nineteenth century) much with the same devotion and piety as now. Note the bamboo-woven umbrellas.





Ill. 31. (*above*) The Burhwāh Mangala Melā at Chet Singh (Kirkī ghat). Note the three windows supposed to have been used by Chet Singh in making his escape.
Ill. 32. (*below*) Viśvanātha temple towers covered with gold by the Sikh Mahārājā Ranjit Singh.





Ill. 33. (*above*) Kāśī Viśvanātha. **Ill. 34.** (*below*) Pakki-Mahāl, Chaukhambā, middle o nineteenth century: painting by James Prinsep.





Ill. 35. (*above*) Lāṭ Bhairon.
Ill. 36. (*below*) Malaviya Bridge over the Ganges, with the tomb of Mir Rustam Ali in the foreground.





Ill. 37. (*above*) Kapālamocana tank in the dying stage.
Ill. 38. (*below*) Aurangzeb's mosque at Benīmādhab with Bālājī's Palace in the foreground, as seen by James Prinsep.





Ill. 39. (*above*) The city of Modern Varanasi as seen from Aurangzeb's minars.
Ill. 40. (*below*) Bharata milāp fair at the Varaṇā, as seen by James Prinsep.



यहा सीय $ग मे त्र नहाY थ , बविल्क इसीक गहारा क राण थ। विर्खोलुज दविक्षेण क$ तेब हा करान मे :व्यास्ते थ औरा

वा इतेन अविधक लुट चौक थ दिक उन्हा :क छ सीमेय क विलुए विवारा मे लुन पुड़ ।
इसीक अलु वा बलुबन एक श वि तेविBय औरा बवि द्धामे न श सीक थ । उसीन अपुन अविधक श प्रिंहाद Bज क
सी थ सी हा दपु ण सीब ध
बन ए रार्खोन क* आवाश्यकते क$ सीमेझी ।

इसी सीमेय क लु भू उठा करा वा रा णसी क प्रिंहाद्भोद दरा विनमे ण क Bय सी दिकय । इसीसी ज नपुरा क शक सील् ते न) क*
कट्टारापुथ मे नविसीकते सीतेक हा$ गई। उनक* एक रा जक मे रा , बग मे राविज़्य भूविप्रिंहादओं :पुन र्निमेरा$कन क
विलुए चौ दहावाY शते zद मे :'राविज़य मेविस्जद' क विनमे ण दिकय ।

सीभू वाते} इसी सीमेय क छ भूt प्रिंहाद्भोंप्रिंलुगमे क$ सीरा विक्षेते रूपु सी वातेमे न सीत्यन रा यण मेदि दरा क पु छ विस्थते पुहा ड़ पुरा
स्थ न तेरिराते करा दिदय ।
हामे ज नते हा &दिक एक श्रद्धा लु ब्रा ह्मण न इसी प्रिंलुगमे क$ वा रा णसी सी ब हारा लु ज करा सीरा विक्षेते रार्खो । क छ सीमेय ब द,
प्रिंलुगमे भूदन> क्षेत्र मे :पुन } Bकट हुआ, लुदि कन इसीक* पुहाचौ न गd रार्खो गई।
आज भू यहा प्रिंलुगमे 'आदिद विवाश्वन थ' क रूपु मे :सीम्मे विनते दिकय ज ते हा।> इसीक विलुए एक छ$ट मेदि दरा क विनमे ण अव
क Bविसीद्धा मेत्र ट$डरामेलु क पुत्र ग$वाध न द सी क अन द न सी सीभू वा हुआ।
|||

चौदि [क वा रा णसी मे :क$ई बड़ मेदि दरा शष नहाY थ , इसीविलुए दिकसी न भू शहारा क$ क्षेविते पुहुचौ[न क*
पुरावा हा नहाY क*।
पुहा विड़य) क विनकट उपु विक्षेते घा ट मे :फो>लु मेलुब क ढं रा औरा ज्ञा नवा पु ते लु ब क दिकन रा तेक फो>लु
गद ग हा मेहा न मे$क्षे
लुक्ष्मे -विवालु सी औरा उसीक पुरिरावाश क विवागते वाभू>वा क पुतेन क सी क्षे थ। यहा स्थलु पुविश्चंमे मे
:विवास्ते0ते मेहा न ज्ञा नवा पु
जलु शय क दिकन रा विस्थते थ ।

लुदि कन इन सीभू उते रा-चौढ़ वा) क* पुरावा हा दिकए विबन , ते न पुवाते चौ$रिटय) क* तेलुहाट सी एक श ते न लु

बहाते हुआ
अगस्त्यक ड (अब ग$ड विलुय) सी विमेलुते थ । यहा [लुक्ष्मे क ड, विमेश्र पु$र्खोरा , बवि नय ते लु ब, सीरा जक ड
औरा मेहा न ग$द वारा
न लु क जलु Bवा विहाते हा$करा एक ध रा बन ते थ औरा पुवा क* ओरा बहाते हुए गग सी विमेलु ज ते थ ।

अन्यथ , आज विजसी क्षेत्र मे :बन रासीफो टक औरा ठाठा रा ब ज रा विस्थते हा,& वाहा [कभू कब राचौ रा सी

बवि नय तेक घान जग लु हुआ
करा ते थ। चौ क थ न औरा उसीक आसीपु सी क क्षेत्र एक दलुदलु भूवि मे थ , विजसी ब द मे :एक चौचौ क विनमे ण
क विलुए उपुय$ग
दिकय गय । सीरा जक ड औरा लुक्ष्मे क ड सी लुक रा लुक्सी तेक क क्षेत्र भू 1890 तेक जग लु) सी आच्छ दिदते थ ।

ग$द वारा

न लु ज$ अब दश श्वमेध ब ज रा औरा विचौत्तारा जन म्ग क रूपु मे :ज न ज ते हा,> Bवा विहाते हा$करा Bय ग
घा ट पुरा मेख् य नद
सी विमेलुते थ ।

यहा क$ई कल्पुन नहाY हा,> बविल्क इसी तेथ्य सी Bमे विणते हा$ते हा >दिक इसी नद पुरा द$ पुलु मे जद थ,

विजसी क्षेत्र मे :चौ क पुहा ड़ विस्थते थ , जहा [मेलु मे$क्षे लुक्ष्मे -विवालु सी मेदि दरा विस्थते थ , औरा पुवा मे :वातेमे न ज्ञा नवा पु
दविक्षेण मे :ग$ड विलुय तेक क क्षेत्र , उसीन 500 वाषx सी अविधक सीमेय तेक विवाध्वासी क हा।&यूलवाहो सर रविवार्खो श
क पुरिराण मेस्वारूपु मेलुब क ट लु बनते चौलु गए, विजनक* सीफो ई एक बड़ सीमेस्य बन गई।

इसी मेलुब क एक भू ग (1) ज्ञा नवा पु ते लु ब मे :ड लु गय , विवाशष रूपु सी औरा गजब द्वा रा अवि तेमे विवाध्वासी क ब द, औरा
(2) एक भू ग पुहा विड़य) क न चौ ढंक लु दिदय गय , विजसीसी वातेमे न चौ क-ग$ड विलुय मे ग बन , ज$ बन रासीफो टक सी हा$
ज ते हा।> इसी मेलुब क* पुराते) क$ आज भू सी दिढ़य) क* सीरा चौन औरा एक ते व्र ढंलु न सी पुहाचौ न ज सीकते हा।> सीदिदय)
तेक यहा मेलुब विबन हाट ए पुड़ राहा ।
ज्ञा नवा पु क जलु शय इसी मेलुब सी भूरा गय । इसीक* य द दिदलु न क विलुए, आज भू एक सीक रा गलु मे जद हा,> ज$ चौ ड़
सीड़क (आधवि नक सीमेय मे :विनर्णिमेते) औरा दड पु विण गलु सी जड़ ते हा।> इसी गलु क$ कटवा रार्खो न (क ड़ क ढं रा) कहा ज
सीदिदय) तेक चौलु विवाध्वासी क क राण, पुहा ड़ क पु सी क क्षेत्र , ज्ञा नवा पु ते लु ब तेक, मेलुब सी भूरा गय । मेदि दरा पुरिरासीर
आसीपु सी क उद्या न अब क वालु विवास्मेते0 स्वाप्न बन चौक था। पुहा ड़ क चौ रा) ओरा पुड़ अपुन न ते मे :खोंड़ थ, ज$ एक
अपुमे विनते रा ष्ट्र क श पु क$ दश ते थ। जब विब्रारिटश आए, ते$ अपुन 'गद ' इलु क) क$ पुन सीग रिठाते करान औरा नगरा क क:द्र
(चौ क क$तेवा लु) सी नद तेक एक मे$टरा य$ग्य सीड़क बन न क* सीवि वाध क विलुए, उन्हा)न पुहा ड़ क$ क टकरा एक ढंलु न
बन दिदय ।

यहा ढंलु न बन रासीफो टक सी हा$करा ग$ड विलुय क सीमेतेलु भू ग) क$ पुरा न आदिद विवाश्वन थ मेदि दरा क* पुहा ड़ सी ज$ड़ते
ज सीकते थ , विसीवा य उन विवाश लु मेलुब क ढं रा) क , ज$ सीदिदय) सी जमे हा$ गए

इसी ज्ञा नवा पु ते लु ब सी स्पुV रूपु सी दर्खो
थ औरा विजन्हा :अब आधवि नक विनमे ण क तेहाते हाट दिदय गय हा,> जहा [एक सी वाज विनक पुस् तेक लुय विस्थते हा।>

वातेमे न मेदि दरा क अविस्तेत्वा क वालु मेरा ठा ओं क उद्धीक लु मे :सीभू वा हुआ, जब मेहा दज प्रिंसीविधय न सीम्र ट श हा आलुमे सी
वा रा णसी क$ दिफोरा सी प्रिंहाद पुविवात्र नगरा क रूपु मे :स्थ विपुते करान क* अन मेविते B d क*। इसी पुरा आग चौचौ करा:ग ।
इसी मेलुब न पुहालु हा जलु शय क$ लुगभूग भूरा दिदय थ । ज$ क छ भू ते लु ब मे :बचौ थ , उसी द$ चौराण) मे :नV करा दिदय
गय औरा भूरा दिदय गय ।
हामे :य द हा >दिक अकबरा औरा उसीक ब द उसीक पुत्र जहा ग[रा न र्खोवि डते मेदि दरा) क$ पुन र्णिनमे ण क* अन मेविते द थ । (ज
क* मे ते Bविसीद्धा अब रा रा जघारा न क* एक प्रिंहाद रा जक मे रा थY।)
इसी श हा स्वा क0विते क लु भू उठा ते हुए, भू राते क प्रिंहाद सीमे ज न पुन र्णिनमे ण

क क य क$ अत्यते उत्सी हा सी B रा भू दिकय ।
इसी सीमेय ते लु ब क दिकन रा जमे मेलुब क क छ भू ग सी फो दिकय गय औरा एक नए मेदि दरा क विनमे ण क विलुए स्थ न
बन य गय । यहा वाहा मेदि दरा थ विजसी ग$वाध नद सी न विनमे ण मे :सीहा यते Bद न क*।

IV

वातेमे न मे :राविज़य मेविस्जद औरा आदिद विवाश्वन थ मेदि दरा विजसी पुहा ड़ क्षेत्र मे :विस्थते हा,& वाहा चौ क क्षेत्र क* दविक्षेण स
राक्षे कराते हा।> इसी पुहा ड़ क* ऊ[चौ ई पुरा एक Bमेर्खो स्थलुविचौह्न क रूपु मे :फो लु ब ज रा, सीत्यन रा यण मेदि दरा औरा वातेमे

मे :कट$रा -बन रासीफो टक क न मे सी Bविसीद्धा इलु क विस्थते हा।> चौ क क$ ग$ड विलुय सी ज$ड़न वा लु चौ ड़ सी वाज विनक सीड़क इसी क्षेत्र सी हा$करा गज राते हा।> सीड़क क द$न) ओरा सीज हुई दक न :आगते क क मेन क$ वा स्तेविवाकते सी भूटक दते हा।&

यदिद हामे इसी सीड़क औरा आधवि नक विनमे ण) क$ अपुन मेन सी हाट द :औरा उसी B चौ न वाभू>वा क* कल्पुन

करा: ज$ कभू

विवाधश्च रा मेदि दरा औरा उसीक पुरिरासीरा क विहास्सी थ , ते$ हामे अते ते क* उसी ग रावाश लु छविवा क$ पुन र्णिनर्णिमते करा सीकते हा।&

इसी सीड़क क* सीबसी उल्लु खोंन य विवाशष ते इसीक* ते त्र ढंलु न हा,> ज$ दश ते हा >दिक यहा कभू एक

वान च्छ दिदते पुहा ड़ ,

घा ट औरा Bवा विहाते जलुध रा क विहास्सी राहा हा$ग। B चौ न मे नविचौत्र क अन सी रा, प्रिंबद A सी प्रिंबद B तक भूवि मे क* एकरूपु

ढंलु न इ विगते कराते हा >दिक यहा एक घान वान च्छ दिदते पुहा ड़ थ , जहा [कभू एक घा ट औरा Bवा विहाते

जलुध रा थ। प्रिंबद C

1. आधवि नक विमशष् वारागज ब ज रा औरा कब राचौ रा ,

पुरा ना नक्श प पुरिरासीरा विस्थते थ औरा प्रिंबद D पुरा विवाश लु अगस्त्यक ड विस्थते थ।

2. ग$ड विलुय ,

यदिद हामे B चौ न वा रा णसी क* भू- सीरा चौन क$ आनद क नन क* मेलु सीरा चौन क* तेलु न मे :दर्खो ,: ते$ ते न

3. झा नवा पु पुरिरासीरा।

Bमेर्खो प्रिंबद

B चौ न ग्रीथ) मे :मेच्छ$दरा क उल्लु खों एक अत्यते मेहात्वापु ण ते थ स्थलु क रूपु मे :दिकय गय हा।> यहा स्थ न उभूराकरा सी मेन आते हा:&

इतेन मेहात्वापु ण

क्य) थ ? मेच्छ$दरा क अथ 'मेछलु क मेध्य भू ग' हा$ते हा।> लुदि कन यहा मेछलु क्य थ ? इसीक स्वारूपु क>सी थ ? क्य

यहा वा रा णसी क मेलु भूग $लु सी जड़ क$ई सीरा चौन थ ? इसी 'मेछलु सीरा चौन ' क$ सीमेझीन क विलुए हामे

:वा रा णसी क उत्तारा पुवाते य क्षेत्र क जलु मे गx क पुन र्णिनमे ण करान हा$ग।

इसी क्षेत्र क* सी मे वारुण नद सी लुगते हा।> मेच्छ$दरा न लु वारुण क$ उसी न मे क* विवास्ते0ते झी लु सी ज$ड़ते थ। यहा

झी लु गग क* ब ढ़ क द रा न जलु सी भूरा ज ते थ। जब ब ढ़ क Bवा हा वारुण नद मे :Bवाश कराते थ , ते$ यहा

जलु क$

मेच्छ$दरा जलु शय मे :भूरा दते थ , विजसीसी जलु स्तेरा बढ़ ज ते औरा यहा जलु आग पुवा दिदश मे :Bवा विहाते हा$करा मेद दिकन

ते लु ब मे :विमेलु ज ते।

मेहालु क्षेत्र शरूहा$ते हा।>

हामे पुहालु हा इसी झी लु क आक रा औरा मेहात्त्वा क* चौचौ करा चौक हा।& यहा [तेक दिक जम् सी प्रिंBसीपु

इसी झी लु मे :मेद दिकन नद क जलु Bवा विहाते हा$ते थ। न रा यण दत्ता क अन सी रा, "इसी मेच्छ$दरा कहा ज ते हा >क्य)दिक

(1820 क दशक) क अभिलेख मे

यहा वा रा णसी क मेध्य मे :विस्थते थ।" यहा [तेक दिक क श र्खोड भू इसीक* पुवि V कराते हा।> ग्रीथ) क अन सी रा, इसी ध रा क

थ, यहा झी लु विवाशष वारागज सी कब राचौ रा तेक फ$>लु हुई थ। Bविसीद्धा बड़ गणश मेदि दरा इसीक तेट पुरा

विस्थते थ। हामे :कल्पुन र्णिनर्णिमते एक दिकलु क* र्खो ई क$ भूराते थब

करान चौ विहाए दिक इसी झी लु क विवास्ते रा ड कघारा, ट उन हाbलु, क पुन ब ग सी लुक रा उसी उत्तारा सी मे तेक

सीबसी मेहात्वापु ण ब ते यहा हा >दिक यहा द$ Bवा हा)—गग क* ऊंपुरा ब ढ़ ध रा औरा एक गd अते }सीविलुलु ध रा —सी विमे

बन, जहा [विक्सीन आनद क नन क$ चौ रा) ओरा सी घारा विलुय थ। इसी Bवा हा न B चौ न क श क$ एक 'मेछलु ' क आक रा मे :

ढं लु दिदय थ , विजसीसी इसीक न मे 'मेच्छ$दरा ' पुड़ । यहा ध रा वा रा णसी क एक बड़ क्षेत्र क$ घारा ते हुए वारुण नद सी
विमेलुते थ , जहा [आज ओंक रा श्वरा औरा कपु लुमे$चौन विस्थते हा।&

अब, ज$ लु$ग कपु लुमे$चौन क स्थ न सी पुरिराविचौते हा,& वा इसी तेथ्य क$ ज नकरा चौदिकते हा$ सीकते हा।&

यहा स्पुV हा >दिक वारुण
नद क Bवा हा सीमेय क सी थ बदलु गय हा।> दिफोरा भू , कपु लुमे$चौन B चौ न नद क विनकट विस्थते हा,> जबदिक ओंक रा श्वरा ट लु
सी दरा हा।>

मेच्छ$दरा य$ग क$ B चौ न श स्त्री) मे :बहुते सीरा हा गय हा,> लुदि कन यहा वातेमे न सीमेय मे :भूt) क$ अविधक

Bरि राते नहाY
कराते । B चौ न क लु मे :गग नद , मेच्छ$दरा चौन>लु औरा मेद दिकन Bवा हा सी वा रा णसी पुरा तेराहा सी विघारा हुई थ , विजसीसी
यहा विवाविशV ध र्णिमेक औरा सी मेरिराक सीरा क्षे B d कराते थ ।

उन दिदन) जब यहा क्षेत्र ज्य द तेरा जग लु) सी आच्छ दिदते थ औरा क वालु वारुण नद क दिकन रा क छ बविस्तेय

[थY, ते$ इन जलु
ध रा ओं न मेख् य वा रा णसी क$ पुरा तेराहा सी घारा विलुय थ औरा इसी मेछलु क आक रा क बन दिदय थ । यहा तेथ्य हामे :शहारा
क$ एक नई दवि0V औरा पुरिराBक्ष् य सी दर्खो न क अवासीरा Bद न कराते हा।>

जब श स्त्री) मे :मेच्छ$दरा य$ग क उल्लु र्खो दिकय गय हा,> औरा जब क श क्षेत्र क$ गग द्वा रा घारा न क* ब ते क*

ज ते हा >(ज$
अब दलु भ हा$ गई हा,> क्य)दिक आधवि नक नगरा Bश सीन न स्थलु क0विते क$ पुरा तेराहा सी बदलु दिदय हा)>, ते$ यहा स्पुV हा$ते हा >
दिक उसी सीमेय क श क नगरा क वालु अते रागहा0 क्षेत्र तेक हा सी विमेते थ । इसीसी यहा भू स्पुV हा$ते हा >दिक

उसी सीमेय क श क मेख् य नगरा वारुण नद क दिकन रा बसी हुआ थ , विजसीसी 'वा रा णस्य'
(ब द मे :'वा रा णसी ') न मे उविचौते ठाहाराते हा,> विजसीक अथ हा >'वारुण क सी मेन विस्थते नगरा'। जब गग पुरा नगरा क$ घारा लुते
थ औरा Bय ग सीग मे (दश श्वमेध क विनकट) मे :मेख् य ध रा सी विमेलुते थ , तेब दविक्षेण वा रा णसी , ज$ आज

अपुन भूव्या
मेदि दरा) औरा उ[चौ विशर्खोरा) क क राण Bविसीद्धा हा,> अविस्तेत्वा मे :नहाY थ । यहा क्षेत्र बहुते ब द मे,: श यद अकबरा क सीमेय क ब द
विवाकविसीते हुआ।

इन ऐवितेहा विसीक तेथ्य) क$ ध्य न मे :रार्खोते हुए, हामे :उन दिदन) क* वा रा णसी क* कल्पुन करान चौ विहाए।

पुरा कब राचौ रा
मेद दिकन क जलु सी आच्छ दिदते थ । ते लु ब पुक्की* मेहालु क* तेलुहाट तेक फो>लु हुआ थ , विजसीमे :एक ओरा मेद $दरा औरा
दसी रा ओरा मेच्छ$दरा न लु विस्थते थ । यहा क्षेत्र इतेन जलुमेय थ दिक यहा [न क ए [चौलुते थY औरा व्या पु रिराक

वास्तेए [
विवाशष वा रा सज औरा कटरा द नन थ क Bविसीद्धा ब ज़ रा) तेक लु ई ज ते थY। य ब ज़ रा आज भू वा रा णसी क Bमेर्खो व्या पु रिराक
क:द्र) मे :विगन ज ते हा,& सी थ हा पुक्की* मेहालु, लुक्ष्मे चौ बते रा औरा न रिरायलु ट$लु क Bविसीद्धा चौ द[,

8.भूय वाहा अत्य चौ रा

I

उपुलुzध सीबसी B चौ न अविभूलुर्खो

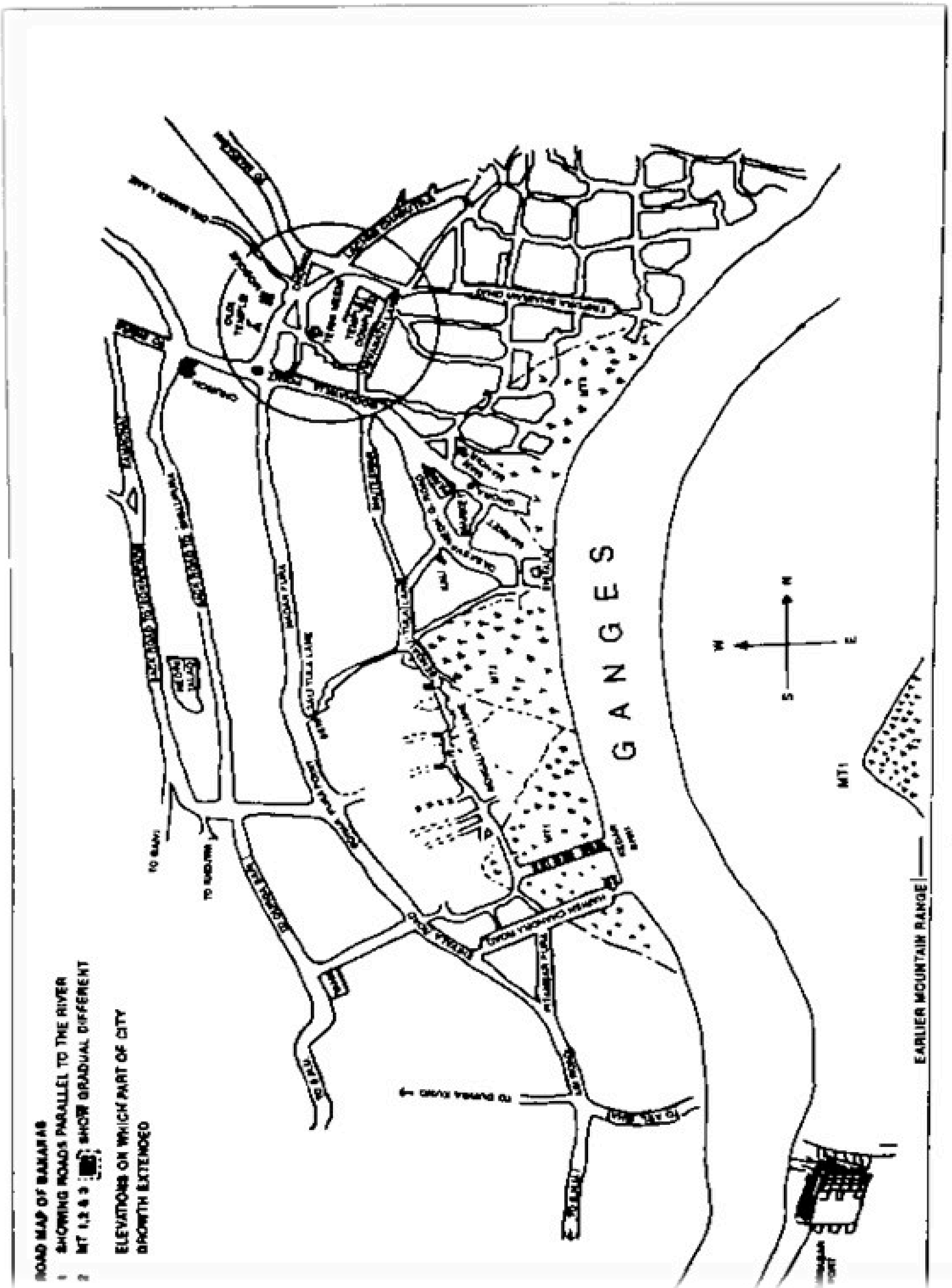
'पुहा विड़य)') मे :वा रा णसी क$ एक ऐसी नगरा क रूपु मे :वार्णिणते दिकय गय हा >ज$ ते न Bमेर्खो क चौ रा) ओरा विस्थते थ । सीमेय क सी थ हुए विवाध्वासी औरा आधवि नक विनमे ण) क क राण आज य पुहा विड़य [स्पुV रूपु सी पुहाचौ न नहाY ज सीकतेY, लुदि कन यहा ऐवितेहा विसीक तेथ्य विनर्णिवावा द हा >दिक B चौ न वा रा णसी वा स्तेवा मे :इन ते न पुह पुरा औरा उनक चौ रा) ओरा विस्थते थ । इन पुहा विड़य) क ब वाजद , अत्यविधक विवान श क क राण भू इनक अवाश ष अब भू मे न सी क्ष्य क रूपु मे :मे जद हा।&

हामे :बसी इन मे न सी क्ष्य) क$ पुहाचौ नन औरा उनक* व्या ख्य करान क* आवाश्यकते हा।>

विपुछलु अध्य य मे :क* गई हामे रा चौचौ इसी तेथ्य क$ औरा स्पुV कराते हा।> उद हाराण क विलुए, यहा सीमेझी न क विलुए दिक ि जलु शय क न मे 'मेच्छ$दरा ' (मेछलु क उदरा) क्य) रार्खो गय हा$ग , हामे :पुरा वा रा णसी नगरा क्षेत्र क* भू ग$विलुक सीरा चौन क$ सीमेझीन पुड़ । वातेमे न सीमेय मे :इसी क्षेत्र क* नगरा य$जन इसी ऐवितेहा विसीक सीद भू क$ नहाY दश ते । यहा सीमेझीन क हा$ ज ते हा >दिक: (क) एक सीमेय यहा क्षेत्र वा स्तेविवाक नगरा थ ; (र्खो) ग$ड विलुय प्रिंबद सी दविक्षेण क* ओरा क नगरा क्षेत्र पुर तेराहा सी विनजन थ , क वालु भू रा, भूड , गण, भूरा>वा, यक्षे उपु सीक), ब रा, क लुदवा औरा गणदवा क भूt) द्वा रा बसी य गय थ (ग) वा रा णसी क अविधक श क्षेत्र , विवाशष रूपु सी वारुण नद क दविक्षेण मे,: जलु सी आच्छ दिदते थ ; (घा) गग नद पुरा नग क$ घारा ते थ (वारुण सी कपु लुमे$चौन तेक) औरा बवि नय पु क औरा लुक्ष्मे क ड क मे ध्यमे सी ग$द वारा सी विमेलुते थ ; (ङ) नगरा एक पुहा ड़ द्वा पु क* भू वि ते जलुध रा ओं सी विघारा हुआ थ ; (चौ) इसी क्षेत्र मे :अन क आश्रमे, मेदि दरा औरा अवितेविथश लु ए विवाद्यामे न राहा हा)ग ।

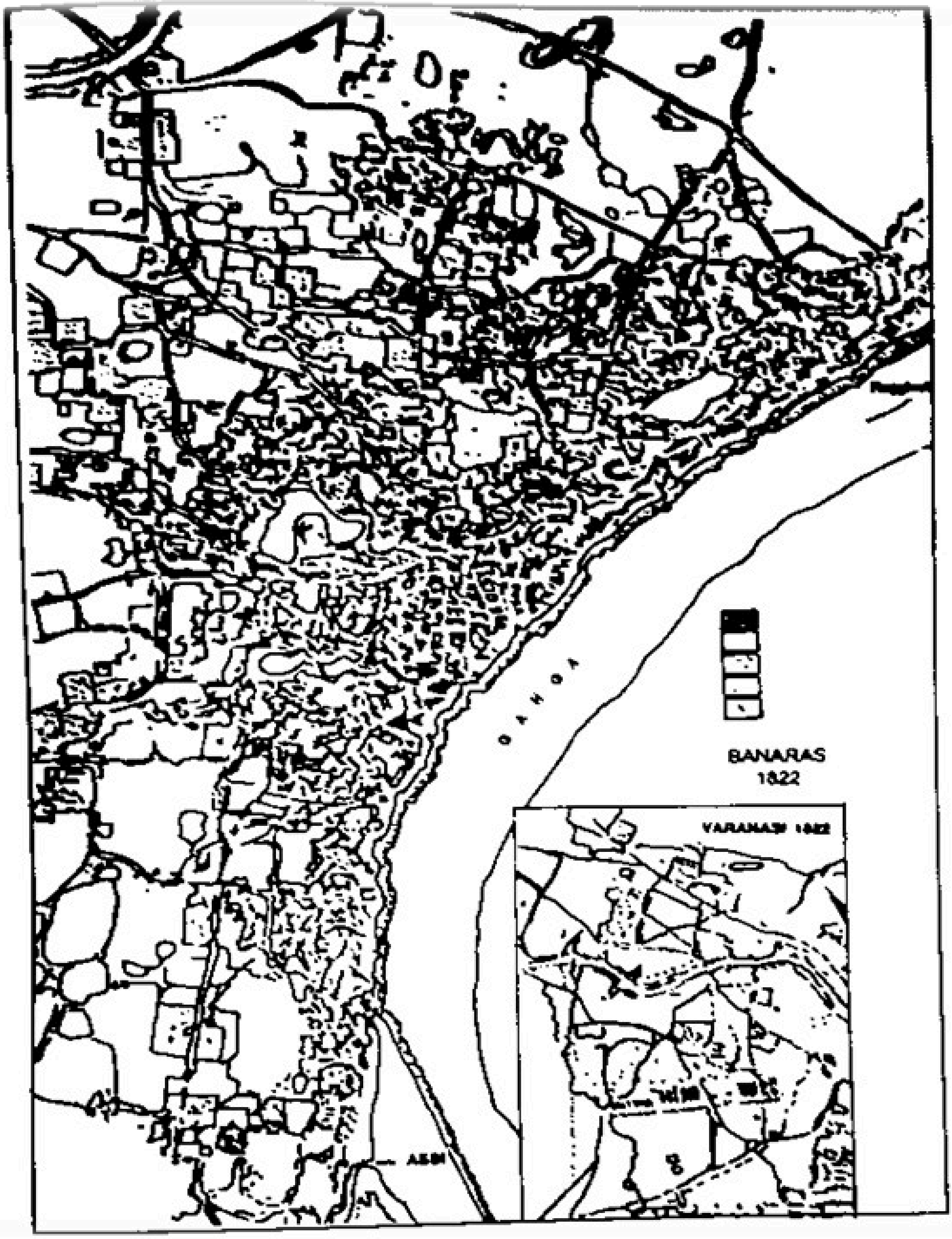
यदिद इन तेथ्य) क गहारा ई सी अध्ययन दिकय ज ए, ते$ वा वा रा णसी क* B चौ न नदिदय) औरा झी लु) सी सीब वि धते एक औरा मेहात्वापु ण विवाशष ते क$ उज गरा कराते हा।&
B चौ न वा रा णसी क* लुd नदिदय) औरा झी लु) क सीक ते अभू भू भू- आक0वितेक विवाशष ते ओं औरा स्थ न-न मे) क मे ध्यमे सी र्खो$ज ज सीकते हा।& ज$ भू वितेक रूपु सी विवालुd हा$ चौक हा,> उसी वातेमे न मे :उपुलुzध सी क्ष्य) क* सीहा यते सी दिफोरा दिकय ज सीकते हा।>

वा रा णसी क* पुन } र्खो$ज मे,: इन 'लुd ' नदिदय), झी लु) औरा पुहा ड़ सीरा चौन ओं क अवाश ष हामे रा विलुए अत्यविधक मेहात्वापु सी विबते हा$ सीकते हा &औरा हामे :ऐवितेहा विसीक नगरा सीरा चौन क$ सीमेझीन क विलुए उपुय$ग दिदश विनदशu Bद न करा स



Map 9. Varanasi with gradual variation

मे नविचौष्ठ. क्रविमेक पुरिरावाते न क सी थ वा रा णसी



मे नविचौ 10. शहारा क विवाक सी: बन रखोपी 1822

II

ते न B चौ न र्खोड) (र्खोड) क* चौचौ कराते सीमेय, सीबसी मेहात्वापु ण थ क:द्र य पुहा ड़ क्षेत्र , विजसी अते रागहा0 य विवाश्वश्व रार्खोड क

न मे सी ज न ज ते थ। यहा क्षेत्र अब लुगभूग आदिद क शवा औरा दश श्वमेध क ब चौ, तेथ पुविश्चंमे मे :कब राचौ रा ,

रा ज दरावा ज , बवि नय औरा ग$ड विलुय तेक फो>लु हुआ हा।> यहा क्षेत्र वा रा णसी नगरा क सीबसी ऊ[चौ स्थ न मे न ज ते हा,

विजसीमे :चौ क क्षेत्र य विवाश्वन थ पुहा ड़ क मेहात्वापु ण विहास्सी भू श विमेलु हा।>

आग चौलुकरा हामे ज न:ग दिक यहा चौ क क्षेत्र इतेन Bविसीद्धा, भू ड़भू ड़ वा लु औरा विवाविशV क्य) बन गय।

यहा क्षेत्र B चौ न वा रा णसी क* सीबसी जरिटलु औरा राहास्यमेय तेस्वा रा Bस्तेते कराते हा।> यहा इसीविलुए हा >क्य)दिक यहा मेह

क्षेत्र आनद क नन क* सीबसी ऊ[चौ पुहा ड़ पुरा विस्थते थ। ज$ स्थ न कभू सीबसी अविधक एक ते औरा श वि ते सी भूरा हुआ थ ,

वाहा आज नगरा क सीबसी व्यास्ते औरा भू ड़-भू ड़ वा लु विहास्सी बन चौक हा।> यहा पुरिरावाते न अपुन आपु मे :अत्यते उल्लु र्खोन

औरा इसीक पु छ एक लुब कहा न विछपु हुई हा।>

यहाY पुरा मेहा न मेदि दरा अपुन सीहा यक दवा लुय) क सी थ विस्थते थ। स्वा भू विवाक रूपु सी, यहा ते थय वित्रय) क विलुए सीबसी

अविधक आकष ण क क:द्र थ। इस्लु मे विवाध्वासी क यग) औरा इसीक पुरिराण मेस्वारूपु हुए विवान शक रा पुरिरावाते न) क ब वाज

इसी क्षेत्र क* लु$कविBयते अब भू बन हुई हा।>

इसी क्षेत्र मे :सीमेय-सीमेय पुरा कई मेदि दरा) क$ ते$ड़ गय औरा दिफोरा सी बन य गय। लुदि कन भूt) क* स्मे0वितेय ,[जसी> दिकस

विBय पु लुते क* य द,: इन विवान शक रा पुरिरावाते न) क ब वाजद इसी स्थ न सी गहारा ई सी जड़ राहाY।

हामे अपुन विBयजन) क* सीमे विधय) पुरा ज न क* Bरा ण भू इसी भू वान सी B d कराते हा।& यदिद ऐसी भू वान त्मेक सीब ध न

हा$ते , ते$ यरा $ क* कविवाते ए [य स्कbलुरा विजप्सी जसी> राचौन ए [अविस्तेत्वा मे :न आतेY। 'विBय स्मे0वितेय [हामे :अते ते क*

घारा लुते हा।&' स्मे0वितेय) क* शविt हामे रा पुवा ज) क* पुरा पुरा ओं औरा मेलु Bवावि0त्ताय) क$ सीदिक्रय कराते हा,> औरा ब हा

पुरा तेराहा विमेट न मे :असीमेथ राहाते हा।&

यहा उते रा-चौढ़ वा सी ते सी वाषx सी अविधक सीमेय तेक ज रा राहा। इन सी ते सी वाषx मे :क्षेय, विवान श औरा भ्रमे न क श -

वा रा णसी क* आत्मे क$ झीकझी$रा करा रार्खो दिदय। इसी द रा न कई विवाध्वासी) क ब वाजद , वा रा णसी क* जनते अपुन श्रद्धा

औरा आस्थ क क राण ब रा-ब रा इसी पुविवात्र विशर्खोरा, विवाश्वन थ विशर्खोरा, क* ओरा आकर्णिषते हा$ते राहा।

विजसी Bक रा एक यहूद यरूशलुमे क* द वा रा क* ओरा प्रिंर्खोचौते हा,> य एक इस्लु विमेक भूt ज़मेज़मे क जलु क* ओरा आकर्णिषते

हा$ते हा,> उसी Bक रा वा रा णसी क लु$ग भू हारा सीक ट औरा विवान श क ब द इसी पुविवात्र स्थलु क* शराण मे :आते राहा। अ

आस्थ क* ऊष्मे सी उन्हा)न विवाध्वासी क$ पुन जन् मे मे :औरा Bवितेश$ध क$ B यविश्चंते मे :पुरिरावार्णितेते करा दिदय।

III

आनद क नन औरा अविवामे t क्षेत्र क तेपु$वान चौराण सी वा रा णसी चौराण मे :पुरिरावाते न इस्लु मे आक्रमेण (1194) सी कहाY पुह
क क लु तेक लु
हा$ चौक थ यहा [तेक दिक मेहा न प्रग>ब रा य ईसी मेसी हा क जन्मे सी भ पुहाल। इसीक Bमे ण हामे :ग तेमे बद्धा
ज ते हा।& पुहालु क सीधा षx न B चौ न मेहा श्मेश न य रुद्रवा सी क* श वि ते भूग करा द थ। मेदि दरा विनमे ण क क य शक) क
आगमेन क ब द आरा भू हुआ, विजसीन गण, यक्षे औरा कपु विलुक) क वान च्छ दिदते आनद क नन क$ एक ब्रा ह्मविणक क:द्र मे :
पुरिरावार्णितेते करा दिदय ।

आनद क नन हामेश सी वादि>दक अध्ययन क एक Bवितेविष्ठते क:द्र राहा थ। हामे ब्राह्मवा सी औरा दश श्वमेध क पु सी विस्थते
ब्राह्मसीरा$वारा क ब रा मे :ज नते हा,& जहा [विवाद्या थP अध्ययन क विलुए आते थ। स्वा भू विवाक रूपु सी, बद्धा इसी क्षेत्र क* अ
आकर्णिषते हुए, जसी> लु$हा क$ चौम् बक आकर्णिषते कराते हा।> यदिद उन्हा :वादि>दक पुरा पुरा क$ चौन ते दन थ, ते$ सीबसी
वा रा णसी औरा उसीक विवाद्वा न) क$ Bभू विवाते करान आवाश्यक थ। (स्वा मे दय न द न भू उन्नी सीवाY शते zद मे :यहा Bय स
दिकय थ।)

हा लु [दिक, ज तेक कथ ओं क अन सी रा, बद्धा वा रा णसी आए थ, आनद क नन नहाY। इसी क्षेत्र क$ हाहा>य औरा Bवितेहा रा) क ब
हुए सीघा षx न औरा अविधक क्षेवितेग्रीस्ते करा दिदय थ। इन सीघा षx क* गज [वाद) औरा क श खोंड मे :सीन ई दते हा।> इन सी
'गण)' (स्थ न य सीमेद य)) औरा Bवा सी आयx क ब चौ क* अश विते क रूपु मे :भू ज न ज ते हा।>

वा रा णसी मे :विबर्खोरा वा रा स्मे राक) क* श्रखों0 लु आय- गण सीघा षx क* य द दिदलु ते हा।> भूरा>वा, कपु लु, यक्षे, य गणपुविते
मेदि दरा इन राtरा विजते यद्धा) क* सीमे विd क Bते क क रूपु मे :खोंड़ हा।& य स्मे राक सी क्षे हा &दिक क>सी विशवा क अन य वि
Bभू वा क आग आत्मेसीमेपुण करान सी इनक रा दिकय औरा अते ते} सीमेझी ते हुए।

हामेन पुहालु हा वा रा णसी क$ घारा न वा लु गण-न यक) औरा उनक मेदि दरा) क* चौचौ क* हा।> भूरा>वा मेदि दरा) क उल्लु खों
गय हा।> वा रा, कपु लु, यक्षे औरा दवा मेदि दरा इसीसी भू अविधक B चौ न हा।&
उन्हाY भूय वाहा सीघा षx क सीमेय सी लुक रा आज तेक, प्रिंहाद दिकसी भू ध र्णिमेक अन ष्ठ न क* शरु आते विबन इसी सीमेझी ते क$
दिकए नहाY कराते। भूरा>वा, वा रा औरा गणपुविते क$ पुहालु पुज ज ते हा।> प्रिंहाद धमे मे :गणश य गणन यक, ज$ गण) क स्वा
क$ सीभू अन ष्ठ न) मे :B थविमेकते द ज ते हा।>

इसीसी यहा विनष्कष विनक लु ज सीकते हा >दिक वादि>दक आक्रमेणक रिराय) न अविवामे t क्षेत्र (वाहा घा ट जहा [सी विशवा क
नहाY कराते) पुरा अपुन अविधक रा स्थ विपुते करान सी पुहालु, स्थ न य दवा ते ओं—भूरा>वा (ते वित्रक विशवा) औरा उनक अन चौ
स्वा क रा करा विलुय थ। इन्हाY शवितेश लु राक्षेक) क सीरा क्षेण मे :विशवा अपुन शविते्य) क सी थ राहास्यपु ण सी विन्नीध्य बन ए
रार्खोते थ। विवाश्वन थ स्वाय भूरा>वा क हा रूपु हा।& (विवाश लु क्षे उनक* अध विगन हा,& जसी> वाज्रय न पुरा पुरा मे :यमे न्ते
ते रा क सीय $ग)।

इसीक मेलु तेथ्य यहा हा >दिक सीघा षx औरा विवाध्वासी) क ब वाजद , आनद क नन क पुवा - वादि>दक स्वारूपु अपुरिरावार्णितेते ब
वातेमे न अध चौद्र क रा नगरा आज भू वादि>दक औरा गरा>-वादि>दक सीभू प्रिंहाद पुरा पुरा ओं क विमेलुनस्थलु क रूपु मे :खोंड़ हा

गण-क लु सी दवा -क लु मे :पुरिरावाते न मे :कई शते विzदय [लुगY, जब तेक दिक दिदवा$द सी औरा Bतेदन क सीमेय नहाY आय । इसी Bक रा, गण-विशवा औरा रुद्र-विशवा क* भूवि मे आनद क नन क रूपु तेराण वा रा णसी मे :हुआ, ज$ पुहालु रुद्रवा सी क रूपु मे :
विवाख्य ते थ ।
ब द मे,: इसी पुरा प्रिंहाद श सीक) जसी> अज तेशत्र (ईसी पुवा   चौ दहावाY शते zद) द्वा रा भू रा विवाध्वासी

दिकय गय । सीभू वाते} इसी
सीमेय वा रा णसी क न मे क श मे :पुरिरावार्णितेते हुआ। हाहा>य औरा कलुचौरा   रा ज ओं क आक्रमेण) न, जसी>
दिक हामे ज नते हा,&
गहाड़वा लु) क$ अपुन रा जध न क$ वारुण नद क दविक्षेण मे :स्थ न तेरिराते करान क विलुए मेजबरा करा दिदय

(दसीवाY शते zद
ईस्वा)।
इसी Bक रा, आनद क नन औपुचौ रिराक रूपु सी वा रा णसी बन गय । यहा वान्य क्षेत्र अब एक शहारा न मे सी ज न

ज न लुग ।
इसी न मे क* लु$कविBयते न इवितेहा सी मे :एक वा रा णसी क बज य चौ रा वा रा णविसीय) क अविस्तेत्वा क$
स्थ विपुते करा दिदय ।
इन सीभू विवाध्वासी), वाद -गण-ब द्धा सीघा षx क ब द, अफोग न) द्वा रा दिकए गए आक्रमेण सीबसी अविधक

विवान शक रा विसीद्धा हुए।
इन आक्रमेण) न वा रा णसी क$ कई ब रा धलु मे :विमेलु य औरा पुन } उठान क विलुए मेजबरा दिकय , लुदि कन एक
बदलु हुए
स्वारूपु मे।: यहा एक पुण   क य कल्पु क* ग थ हा।> यदिद हामे इन विवाध्वासी) क$ सीवि चौते मेलुब क वा स्तेविवाक

भू रा मे :मे पु,: ते$ पु एग   दिक इसी मेलुब क अविधक श भू ग उसी क:द्र य
पुहा ड पुरा क:दिद्रते थ , जहा [B चौ न विवाश्वन थ मेदि दरा विस्थते थ । यहा मेलुब ब रा-ब रा हाट य गय औरा
शहारा क$ कई ब रा
पुन र्णिनर्णिमेते दिकय गय । हामे रा क य करिठान Bते ते हा$ते हा,> क्य)दिक हामे :आनद क नन य वा रा णसी क$

क श खोंड , फो ह्या न औरा ह्वान सी ग क
विवावाराण) क अन सी रा पुन } सीरा विचौते करान हा$ग ।
B चौ न नदिदय ,[झी लु: औरा ते लु ब, विजन्हा :कभू पुविवात्र मे न ज ते थ , अब पुहाचौ न सी पुरा नV करा दिदए

गए हा।& विवाविभून्नी
युग) मे :विवाध्वासी क शविाय) न अपुन विवान शलु लु क द रा न उत्पुन्नी मेलुब क$ झी लु) औरा नदिदय) मे :फो:क
दिदय , य उन्हा :य [
हा छ$ड़ दिदय ।
क स्वाय
सीरहा)नकभू औहा वाहारा सी$चौ दिकविआक शकय सीमिमे मेलाय लाक जाकी मेहामान्ईसीकाबास्तेते सी वक्क$ ह्यौमेलुहा$रिसीकते पुड़ । यहा सीब
प्रिंहादओं रा हा दिकय गय ।)
हा >य वा दिकसी
मेहात्वापुण सी सु क0वितेक इवितेहा सी क B क0वितेक Bमे ण) क$ स्थ य रूपु सी विमेट सीकते हा।& (य जघान्य
क य 1991 तेक भू ज रा
राहा, जब सीराक रा क* उपु क्षे क क राण वा रा णसी क$ अवितेक्रमेण करान वा लु भू- मे दिफोय ओं द्वा रा नV दिकय
वा रा णसीपुन र्खो ज
गय ।)

इन नदिदय), झी लु) औरा जलुमे गx क नV हा$न सी उन घा रिटय) क* सीद राते , सीते लुन औरा श वि ते हामेश   क

विलुए सीमे d हा$
गई, ज$ कभू ते न पुवा विदय) क ब चौ Bविसीद्धा थY।

इसी तेराहा क* अविवावा कपु ण हाराकते) क क राण आनद क नन न मेक यहा सीद रा तेपु$वान हामेश क विलुए नV हा$ गय । इसीक* B क0वितेक श वि ते औरा आध्य वित्मेकते पुहालु क श औरा मेगध (ईसी पुवा 1840-1484) क रा ज ओं क सीघा षx सी, दिफोरा क श औरा क$शलु (644-1194) क सीघा षx सी सीमे d हा$ गई।

इन सीघा षx न क श क श सीक) क$ अपुन रा जध न स्थ न तेरिराते करान क विलुए मेजबरा दिकय , ज$

गहाड़वा लु) क सीमेय
(1094) मे :हुआ। शहारा वारुण नद क B चौ न तेट सी फो>लुकरा पुचौ गग पुहा विड़य) तेक औरा मेच्छ$दरा तेथ गग क दिकन रा)
तेक विवास्ते0ते हा$ गय ।

इसीक ब वाजद , वा स्तेविवाक क्षेविते सी विमेते राहा । आनद क नन क हृदय औरा आत्मे , ज$ अभू भू नगरा क

दविक्षेण मे :सीक ट
मे$चौन तेक विवास्ते0ते थ , 1910 तेक अपुन विवाशष ते ओं क$ बन ए रार्खो ।

IV

भू ग$विलुक औरा पुरा ते वित्वाक सी क्ष्य) क आध रा पुरा यहा स्थ विपुते हा$ चौक हा >दिक B चौ न वा रा णसी क मेलु क्षेत्र वातेमे न रा जघा ट क्षेत्र थ । यहा क्षेत्र मेच्छ$दरा औरा मेद दिकन ते लु ब (तेड़ ग) क दिकन रा) तेक विवास्ते0ते थ । गहाड़वा लु अविभूलुर्खो) मे : उल्लु र्खो विमेलुते हा >दिक गहाड़वा लु रा ज ओं (विजन्हा)न दिकलु बनवा य) क$ वारुण सीग मे पुरा विस्थते आदिद क शवा घा ट पुरा स्ना न करान अत्यते विBय थ ।

मेच्छ$दरा जलुध रा (मेद दिकन क मे ध्यमे सी) गग सी न क ओं औरा बड़ जहा ज) क$ नगरा क विवाश लु ब ज़ रा

तेक सी ध
लु न क* सीवि वाध Bद न कराते थ ।
कई विवाध्वासी) क ब वाजद , आनद क नन क हृदय क्षेत्र क फो* हाद तेक सीरा विक्षेते बन राहा । क श रा ज्य,

विजसीक* रा जध न
क रा णसी थ , कुछ दिदते आनद क नन क सी थ सीहा-अविस्तेत्वा मे :राहा । हा लु [दिक, वा विणविज्यक औरा सी सी रिराक जनसीख् य क
अचौ नक Bवा हा न इसी वानस्थलु य विनवा सी क* Bक0विते औरा मे हा लु क$ बदलु दिदय । ईसी पुवा सी तेवाY

शते zद तेक
आनद क नन क* हारिराविते मे लुगभूग अपुरिरावार्णितेते बन राहा ।
अफोग न) औरा अफोरा दिदय) क लुग ते रा आक्रमेण) क ब द तेग लुक, विर्खोलुज औरा लु$द श सीक) क आक्रमेण)

(1194-1660)
न आनद क नन क श ते ज वान क$ पुरा तेराहा सी बदलु दिदय ।
पुहालु मेt लुट रा) क* लु लुचौ औरा दिफोरा श्वते सी म्र ज्यवा दिदय) क* ठा ड , विनदय न वितेय) न वा रा णसी क

शष बचौ स्वारूपु क$
पुरा तेराहा नV करा दिदय । वा स्तेविवाक वा रा णसी औरा आनद क नन क$ इसी लु लुचौ औरा उन स्वाघा$विषते नगरा-न यक) क*
विमेलु भूगते न ध्वास्ते करा दिदय , विजन्हा)न इसीक सीरा क्षेण क द वियत्वा विलुय थ । धमे , व्या पु रा य सी ध

विनष्ठ राते क न मे पुरा Bक0विते क* सीपु द सी छ ड़छ ड़ करान इविते हा सी औरा सीस् क0विते क Bविते सीबसी बा रा णसीपुन र्खो ज

घा$रा
अपुरा ध हा।> पुय वा राण क* ते जग Bक0विते क वाराद न हा।> मेन ष्य इसी नV करा सीकते हा,> लुदि कन वाहा इसी पुन) विनर्मिते नहाY करा
सीकते ।

आश्चंय नहाY दिक आज क विजज्ञा सी इन अते दशu य जलु स्रो$ते) क अवाश ष) क$ लुक रा भ्रविमेते मेहासीसी कराते हा।> जन>-ब द्धा ग्रीथ), पुरा ण) औरा विवादश य वित्रय) क विवावाराण) क अन सी रा, इन जलु स्रो$ते) न B चौ न सीमेद्धाजनय औरा ऐवितेहा विसीक वा रा णसी क$

आज क* वा रा णसी मे :वाहा स्थलु क0वितेक सीक ते कहाY नहाY विमेलुते, विजनक उल्लु र्खो क श र्खोड औरा ब द क ऐवितेहा विसी अविभूलुग्रीथ विवादश य वित्रय) क विवावाराण) मे :दिकय गय थ।

V

यहा [मे$क्षे लुक्ष्मे -विवालु सी मेदि दरा क* भूव्याते क उल्लु र्खो करान B सीवि गक हा$ग , जसी> दिक ह्वान सी ग न

वाणन दिकय हा।> उनक विवावाराण क अन सी रा, उनक सीमेय (ईसी पुश्चं ते 643) मे :वा रा णसी मे :लुगभूग सी

Bमेर्खो औरा ध र्णिमेक रूपु सी

मेहात्वापु ण मेदि दरा थ। इनमे: मे$क्षे लुक्ष्मे -विवालु सी मेदि दरा सीबसी बड़ औरा सीबसी ऊ[चौ थ। इसीक स्वार्णिमेय विशर्खोरा क दश[0थ

वारुण नद क उत्तारा तेट सी बहुते दरा सी भू र्खो सीके ते थ।

ह्वान सी ग न वा रा णसी क आसीपु सी लुगभूग ब सी ब द्धा विवाहा रा) क* उपुविस्थविते क भू उल्लु र्खो दिकय हा,> हा लु [दिक स्वा मे :क$ई बड़ विवाहा रा नहाY थ , विसीवा य एक क , ज$ मेख् य मेदि दरा, मे$क्षे लुक्ष्मे -विवालु सी क विनकट विस्थते थ। वातेमे न मे :भू मेहा न मेविस्जद मे :उपुलुzध सी मेग्री इसी ऐवितेहा विसीक Bमे ण क* पुवि V कराते हा।> पुरा तेत्वाविवाद) न पु य ह मेविस्जद क विनमे ण मे :Byt स्ते भू, रा प्रिंलुग, मेहा रा ब, क$न क* पुकड़ औरा र्खोभू विनर्णिवावा द रूपु सी जन> औरा ब द्धा स्थ पुत पुरा पुरा ओं सी सीब वि धते हा।&

ज$ भू हा$, वातेमे न वा रा णसी मे :अब क$ई अन्य ब द्धा विनमे ण नहाY बचौ हा।> क वालु सी रान थ इसीक एक अपुवा द हा।> आधवि नक क लु तेक, Bविसीद्धा ब द्धा पुरिरासीरा क स्थ न क ब रा मे :क$ई ज नक रा नहाY थ। सी रान थ क* र्खो$ज सीय $गवाश ह जब रा लुवा लु इन विबछ ते सीमेय एक इ ज विनयरा क$ य राहास्यमेय अवाश ष दिदर्खो ई दिदए। सी भू ग्य सी, भू राते य पुरा तेत्वा विवाभू ग न इन अवाश ष) क$ सीरा विक्षेते दिकय। यहा दभू ग्यपु ण हा >दिक रा जघा ट क अवाश ष) क$ सीमेय पुरा बचौ य नहाY लुदि कन क्य वा स्तेवा मे :सी रान थ वा रा णसी सी इतेन दरा थ ? य दिफोरा वा रा णसी क उत्तारा भू ग क$ एक क ब द एक आक्रमेण) न विमेट दिदय ? तेब वा रा णसी वा स्तेवा मे :कहा [विस्थते थ ?

सी रान थ, ज$ आधवि नक (गहाड़वा लु) क ब द क*) वा रा णसी क* सी मे क ब हारा औरा वारुण नद क पु रा विस्थते हा,> न एक न वा रा णसी मे :अपुन पुहालु उपुदश

(530 ईसी पुवा) दिदय थ। वा स्तेवा मे,: वा लुब सीमेय तेक सी रान थ मे :राहा था। यहा Bमे विणते कराते हा >दिक वा रा णसी , क श क* रा जध न थ , वारुण नद क द$न) दिकन रा) पुरा विस्थते थ।

विवाश लु ब द्धा पुरिरासीरा क$ इज ारा दिकय हा।> ज तेक कथ ओं क अन सी रा, ग तेमे बद्धा

मेहा न चौ न य त्रे न वा रा णसी औरा इसीक मेदि दरा) क* सीद राते क अत्यते भू वान त्मेक वाणन दिकय हा।>

उन्हा)न मेदि दरा क$ एक विवाश लु उद्या न क क:द्र मे :विस्थते बते य , ज$ पुक्की पुथ) सी सीरा विक्षेते थ। वा विवाशष रूपु सी विवाश B ग ण) क उल्लु र्खो कराते हा,& ज$ मेहाग औरा चौमेकद रा पुत्थरा) सी ढंक हुए थ। द वा रा) क$ पुत्थरा क* सीद रा नक्की श द रा मे

सी सीज य गय थ। इसीमे :क$ई सीद हा नहाY हा >दिक उनक* वाणन क* गई वा रा णसी वाहा क्षेत्र थ ज$ उत्तारा मे :वारुण नद
दविक्षेण मे :विवाश्वन थ पुहा ड़ तेक फो>लु हुआ थ , विजसीमे :वातेमे न विवाशश्व राग ज, पुक्की* मेहा लु, क [ज ट$लु औरा दलुमेड क
ब ज रा श विमेलु थ।

उनक विवावाराण) मे :सीबसी उल्लु र्खोन य थ विशवा क* विवाश लु Bवितेमे , ज$ ठा$सी ते ब सी बन थ औरा ध्य नमे य$ग क रू
थ। इसीक* ऊ[चौ ई 66 हा थ (लुगभूग 100 फो*ट) थ ! इतेन बड़ मे त्र मे :ते ब क* यहा मेर्णि ते दिकसी भू लु लुचौ अफोग न
आक्रमेणक रा क विलुए लुट क Bमेर्खो लुक्ष्य हा$ सीकते थ।

य वित्रय) क विवावाराण) क अलु वा , हामे रा पु सी पुरा ण) क Bमे ण भू हा,& विजनमे :स्क द पुरा ण क क श र्खोड सीबसी मेहात्व
वा य पुरा ण औरा अवि पुरा ण भू सीहा यक हा।& यदिद हामे :वा रा णसी क अते ते पुरा ठा$सी विनष्कष विनक लुन हा,& ते$ क श
औरा क श मेहा त्म्य क Bमे ण) क* अनदर्खो नहाY क* ज सीकते।

हामे :क श र्खोड क$ क वालु एक कल्पुन मे नकरा र्खो रिराज नहाY करान चौ विहाए। पुरा ण आमेते रा पुरा सीमेय क* लु$कविBय
मे न्यते ओं, पुरा पुरा ओं औरा सीद श) क$ दज कराते हा।& वा नई कहा विनय [गढ़ते नहाY हा।&
हामे वा रा णसी क गमे हुए स्वारूपु क$ पुन } र्खो$जन क Bय सी करा:ग , विजसीमे :ते न पुहा विड़य) क अवाश ष) क* सीहा यते लु
ज एग। इसी क राण क श क$ विशवा क वित्रशलु पुरा रिटक हुआ कहा गय हा।> य ते न पुहा विड़य [वा स्तेवा मे :वित्रशलु जसी>
Bते ते हा$ते हा &औरा यहा पुवि V कराते हा &दिक 'क श अन्य सीभू मे नवा बविस्तेय) सी अलुग औरा श्रष्ठ थ।'

क>रा विबय ई सी गरा मे :ते न पुहा विड़य) क* उपुविस्थविते क क राण क$लु बसी न उसी स्थ न क$ वित्रविनद द न मे दिदय थ। विवाश
ऐसी कई वित्रविनद द हा।& स्थ न) क न मेकराण मे :भू ग$विलुक विवाशष ते ओं क$ आध रा बन न एक सी मे न्य Bथ राहा हा।>
हामेन पुहालु हा उल्लु र्खो दिकय हा >दिक वा रा णसी क सीबसी ऊ[चौ प्रिंबद चौ क क्षेत्र हा।> इसी क्षेत्र मे :ज नपुरा क शक वाश
राविज़य बग मे (लुगभूग 1473) क* मेविस्जद विस्थते हा।>

मेकिमजनहा&ज्ञात्मा बि$कट्सीजर्सीदि दिकाविस्थते्हा्लु>भूजसर्खोग$वाध नद सी न बनवा य थ
औरा विजसीमे :आदिद विवाश्वन थ क* स्थ पुन क* गई थ। यहा वाहा स्थलु हा$ सीकते हा >जहा [चौ न य त्र द्वा रा वार्णिणते मेलु मे
लुक्ष्मे -विवालु सी मेदि दरा विस्थते थ।

आज यहा स्थलु एक घान आब द वा लु व्या वासी वियक क:द्र मे :तेzद लु हा$ चौक हा,> ज$ अत्यते अश$भून य Bते ते हा$ते हा।>
लुदि कन जब यहा [क$ई व्या वासी वियक Bवितेष्ठ न नहाY थ, जब यहा ...[नहाY थY, जब पुहा विड़य) क* ढंलु न:ध रा -
ध रा ज्ञा नवा पु क जलु सी विमेलुते थY, तेब इसी मेदि दरा पुरिरासीरा क* भूव्याते औरा हारिराय लु क* पुष्ठ0भू विमे वा स्तेवा मे :
अविवास्मेराण य राहा हा$ग।
इसी स्थ न पुरा चौ न विवाद्वा न न मेदि दरा क$ अपुन सीपु ण भूव्याते मे :दर्खो
वाविस्थते उद्या न), धमे श लु ओं, थ। उन्हा)न सीव्या
विवाश्र मे गहा0), मेदि दरा क कमेचौ रिराय) क विनवा सी स्थ न, सीग तेज्ञा), सीद रा दवा द विसीय), हा थ -घा$ड़) क अस्तेबलु), ज्ञी
सीरा$वारा) सी सीसी विज्जैते इसी भूव्या पुरिरासीरा क उल्लु र्खो दिकय थ।

ऐसी मेदि दरा पुरिरासीरा दवि नय भूरा मे :विवाद्यामे न राहा हा,& जसी> दिक अक $रावा ट, अक $राथ$मे, ब$रा$बद रा , भूवा न श्व
मेदरा >, वितेरुविचौरा पुल्लु , रा मेश्व रामे, श्र रा गमे, वित्रवाद्र:मे, बल् लुरा , हाविलुविबड, हाम्पु औरा अन्य। य हामे :ब बलु , उरा, पुसी
औरा दिफोविलुस्ते न क विवाश लु मेदि दरा पुरिरासीरा) क* य द दिदलु ते हा।&

यहा क्षेत्र वा रा णसी क सीबसी ऊ[चौ स्थ न भू थ। जब चौ न य त्र न इसी ऊ[चौ स्वार्णिणमे विशर्खोरा क मेदि दरा क* सीद राते
वाणन दिकय , ते$ विनस्सी दहा वाहा इसी मेदि दरा क* ब ते करा राहा था। यहा वाहा मेदि दरा थ विजसी अफोग न) द्वा रा ब रा-ब
दिकय गय।

वा रा णसी क मेदि दरा) क* अपु रा सीपु वित्ता न उन्हा :आक्रमेणक रिराय) क विलुए आकष क लुक्ष्य बन दिदय।

यहेदिकरुपु)नकक*सीमु क्रिविठाअत्यहो Yविदिमाकलु रा ह्यासीहा$ग Bमिर्खोशष रूपु सी एक सी
फो*ट ऊ[चौ ठा$सी ते ब क* मेर्णि ते क$ दर्खो ते हुए। ओंक रा श्वरा, क0वितेवा सीश्व रा, अविवामे t श्वरा, क लु श्वरा, मेध्यमेश्व:रा औरा
दष्ठ हास्ते श्वरा क मेदि दरा) सीविहाते, वा रा णसी क मेदि दरा) क* सीपु वित्ता इतेन विवाश लु थ दिक इसी लुट न क लु लुचौ अफोग
फो रासी आक्रमेणक रिराय) क$ ज$विर्खोमे उठा न क विलुए Bरि राते कराते थ।

VI

आइए, अब मेदि दरा क्षेत्र औरा उसीक पुरिरावाश क विवास्ते रा सी अध्ययन करा:। आज यहा क्षेत्र चौ क क्षेत्र क न मे सी ज न ज ते
आध सीद पुहालु इसी नय चौ क कहा ज ते थ। चौ क क अथ हा$ते हा >'नगरा क मेख् य क:द्र' य व्या पु रिराक स्थलु। इसीमे :क$ई
सीद हा नहाY दिक इसी पुहा ड़ क सीवा ञ्ची भू ग क मेहात्वा यहा [विस्थिते Bमेर्खो मेदि दरा क क राण हा थ। व्या पु रा औरा वा विण
क:द्र स्वा भू विवाक रूपु सी मेदि दरा क चौ रा) ओरा विवाकविसीते हुआ। ज्ञा नवा पु सी मेच्छ$दरा तेक, पुहा ड़ क* ढंलु न) पुरा व्या पु
फोलु -फो लु , तेब भू औरा आज भू।

लुदि कन इसी 'नय ' चौ क क्य) कहा गय ?

'चौ क' शzद एक प्रिंहाद नगरा व्यावास्थ सी सीब वि धते हा।> 'पुरा न ' चौ क विनविश्वंते रूपु सी मेदि दरा पुरिरासीरा क विनकट विस
विजसी लुट क उद्दी श्य सी दिकए गए आक्रमेण) मे :नV करा दिदय गय।
वा रा णसी एक मेहात्वापु ण व्या पु रिराक नगरा थ , विजसीक विलुए एक क:द्र य ब ज़ रा आवाश्यक थ। विब्रारिटिश Bश सीन न इसी
व्यावाविस्थिते ब ज रा क्षेत्र क रूपु मे :विवाकविसीते दिकय , विजसी 'नय चौ क' कहा ज न लुग। विवाशष रूपु सी 1857 क ब द,
Bश सीविनक विनयत्र ण स्थ विपुते करान क विलुए यहा [पुवि लुसी मेख् य लुय क विनमे ण दिकय गय।

नई Bश सीविनक व्यावास्थ क तेहाते एक सीड़क रा जघा ट रा लुवा स्ट शन सी लुक रा दश श्वमेध तेक बन ई गई, ज$ ग$ड विलुय सी
हा$करा गज़ रा। यहा सीड़क पुरा न मेदि दरा क्षेत्र सी हा$करा गज़ रा , जहा [सीदिदय) सी जमे मेलुब क$ हाट न पुड़। इसीक विनम
मेद दिकन ते लु ब, ज्ञा नवा पु औरा ग$द वारा ते लु ब ब ध थ। सीबसी सीरालु सीमे ध न थ दिक झी लु) औरा नदिदय) क$ भूरा
दिदय ज ए। सीदिदय) सी जमे मेलुब क उपुय$ग कराते हुए इन जलु स्रो$ते) क$ सीमे d करा सीड़क बन द गई।
विब्रारिटिश Bश सीन क विलुए 'पुवि लुसी' Bमेर्खो शवित क Bते क थ। वा रा णसी मे :पुवि लुसी मेख् य लुय क विलुए इसी Bमेर्खो पुहा
सी बहा तेरा स्थ न नहाY हा$ सीकते थ , जहा [मेहा न मेदि दरा विस्थिते थ। पुरा क्षेत्र क$ ध्वास्ते करा, सीक रा गविलुय) औरा अवाध

गवितेविवाविधय) क$ हाट करा नय चौ क बन य गय , जहा [पुवि लुसी मेख् बान्लुयपुB मेर्खो मेवि स्लुमे अद लुते भू पु सी मे : विस्थते थ । आज भू 'पुरा न चौ क' क रूपु मे :एक क्षेत्र ज न ज ते हा।>

पुन र्णिनमे ण क$ नय स्वारूपु दन क विलुए पुवा P ओरा आधवि नक वा स्ते कलु क* द$ मेवि जलु इमे राते:बन ई गई

औरा कचौ ड़ गलु
क पु सी एक विवाश लु मेहा रा ब द्वा रा इसी सी विमेते दिकय गय ।
पुविश्चंमे भू ग क$ छ$ड़ दिदय गय । यहा [पुरा न गविलुय) क$ नहाY बदलु गय , औरा यहा क्षेत्र वा रा णसी क

वाश् य लुय क्षेत्र बन
राहा ।
लुर्खो क, ज$ 1910 मे :वा रा णसी मे :जन्मे औरा पुलु- बढ़ , इसी अन ठा शहारा ढं चौ क$ लुक रा सीदवा> Bश्न

कराते राहा हा।& मेदि दरा पुरिरासीरा
क विनक्द ऐसी दक न) औरा अन>वितेक गवितेविवाविधय) क* उपुविस्थविते क्य) थ ? यहा [अविधक श व्या पु रा
मेवि स्लुमे क्य) थ? औरा
वा विवादश चौमेक*लु सी मे न, श श , क घा , इत्र, विर्खोलु न आदिद क्य) बचौ ते थ? सी मे विजक सीरा चौन क

अन सी रा, इसी क्षेत्र मे :प्रिंहाद औरा ब द्धा सीमेद य क लु$ग) क वाचौस् वा हा$न चौ विहाए थ , लुदि कन ऐसी

नहाY
थ । दलुमेह सी लुक रा बवि नय औरा क द ई चौ क* तेक यहा क्षेत्र मेवि स्लुमे आब द सी भूरा हुआ थ । य लु$ग उच्ची
क लु न मेवि स्लुमे
सीमे ज सी नहाY थ, बविल्क क रा गरा थ, ज$ अपुन B चौ न विशल्पु मे :विनपुण थ।

VII

विवादश आक्रमेण) न इनक श ते ज वान क$ तेहासी-नहासी करा दिदय । धमे तेराण सी व्याविt क* आत्मे बदलु सीकते हा,> लुदि कन उसीक* पु रा पुरिराक कलु औरा ज विवाक क सी धन अपुरिरावार्णितेते राहाते हा।& वा रा णसी क विशल्पु क शलु क* Bशसी मेहा क व्या) औरा
ज तेक कथ ओं मे :क* गई हा।>

मेजबरा मे :धमे तेराण सी दिकसी भू सीमेद य क ग रावा मे :वावि0द्धा नहाY हा$ते । इसीक विवापुरा ते, यहा

आ तेरिराक विवाद्र$हा औरा कट्टाराते
क$ जन्मे दते हा।> इविते्हा सी बुते ते हा >दिक जबरान धमे पुरिरावाते न झीलु न वा लु सीमे ज) न क्र रा
अत्य चौ रिराय) क$ जन्मे दिदय हा,>
विजन्हा)न बदलु क* भू वान सी राtपु ते दिकय ।

धमे पुरिरावाते न क ब द व्याविt अपुन पु रा पुरिराक सीमेद य सी अलुग हा$ ज ते हा,> लुदि कन उसीक* ज विवाक
वा रा णसी क मेवि स्लुमे क रा गरा) मे :सर्वोकते हा।>
क सी धन वाहा राहाते
हा।& [दिक, यहा भू सीत्य हा >दिक इसी पुरिरावार्णितेते सीमेद य क$ एक अत्यते पुरिराष्क0ते ¹ रासी सीस् क0विते क Bभू वा विमेलु ,
आज भू जयपुरा मे :प्रिंहाद दिवा - दिवा ते ओं क* मेर्णि तेय [बन न वा लु अविधक श मेर्णि तेक रा मेवि स्लुमे हा।&

पुरा पुरा गते व्यावासी य मे :
गहारा आस्थ हा सीभ्यते क विवाक सी क आध बा रा हासीहान>र्खो ज
आज विवाक क B श्र धमे पुरिरावाते न क* अपुक्षे कहाY अविधक मेहात्वापु ण हा$ते हा।> इसी सीच्ची ई क सीबसी

स्पुV उद हाराण

वा रा णसी क* विवाश्व Bविसीद्धा हास्तेकलु क श्रय विमेविश्रते प्रिंहाद- मेवि स्लुमे सीमे ज क$ ज ते हा।> रा जन वितेक रूपु सी Bरि राते सी B द वियक तेन वा क ब वाजद , वा रा णसी क क रा गरा) क पुरास्पुरा सीहाय$ग औरा सी हा द्र Bशसी न य हा।> यहा क रा गरा सीमेद य औरा व्या पु रिराक सीघा क* मेजबते एकते सी मे विजक-आर्णिथक विवाशष ज्ञा) क$ भू चौदिकते करा सीकते हा।>

VIII

इसी सीद भू मे :क वालु विवादश आक्रमेण) क$ हा वा रा णसी क विवान श क विलुए द$ष ठाहारा न ऐवितेहा विसीक रूपु सी विनराथ क हा।> पुवा - मेवि स्लुमे क लु क अविभूलुर्खो इवितेहा सीक रा) क$ यहा कहान क विलुए Bरि राते नहाY कराते दिक जन>, ब द्धा य प्रिंहाद रा ज ओं—जसी> Bवितेहा रा औरा गहाड़वा लु (Bसीन विजते औरा अज तेशत्र)—न ऐसी नहाY दिकय । जब भू उन्हा :अवासीरा विमेलु , उन्हा)न आक्रमेण दिकय , विवाध्वासी दिकय , यहा [तेक दिक धमे तेराण भू करा ए। वा यहा नहाY सीमेझी सीक दिक सी मे विजक सीस् थ ओं क विवान श ऐवितेहा विसीक पुहाचौ न क विवान श हा$ते हा।>

औरा इसीसी भू अविधक मेहात्वापु ण यहा हा >दिक यहा मे नवा सीसी धन क विवान श भू हा$ते हा।> सीदिदय) सी

सीवि चौते धन क* अध ध ध

लुट सी लुट रा क मे पु विड़ते हा$ते हा,& लुदि कन विजनक धन लुट ज ते हा,> वा आध्य वित्मेक रूपु सी नV हा$ ज ते हा।& उनक* आत्मे-

सीम्मे न क* भू वान औरा रा ष्ट्र य ग रावा पुरा गहारा चौ$ट लुगते हा।> उनक मे नविसीक सीते लुन विहालु ज ते हा

>औरा इसीक क राण

रा ष्ट्र य व्याविता Bभू विवाते हा$ते हा।> इसी Bक रा क पु गलुपुन भूरा आक्रमेण मे नवा मे :मे नवा क Bविते विकाश्व सी क$ सीमे d करा

दते हा।& आध्य वित्मेक क्षेविते क* भूरापु ई करान क विलुए लु$ग ध रा -ध रा कट्टाराते क* ओरा बढ़ते हा।& दिकसी

सीस् क0विते क* आत्मे ,

उसी तेराहा जसी> मे नवा आत्मे , विवाध्वासी क* ते व्रते सी स्थ य रूपु सी विवाविक्षेd हा$ ज ते हा।> यरा $पु मे :यहूदिदय) क Bविते द्वाष

इसीक एक उद हाराण हा।> तेथ कविथते ध र्णिमेक यद्धा वा स्तेवा मे :सीत्ता औरा लुट , आर्णिथक लु भू औरा

व्या पु रिराक विहाते) क विलुए

लुड़ गए यद्धा मे न ज सीकते हा।& धमे क वालु एक पुविवात्र मेर्खो ट Bद न कराते हा,> विजससी दV) औरा हात्य रा) क$ अपुन असीलु सीघा।

चौहा रा विछपु न मे :सीवि वाध हा$ते हा।> धमे क उपुय$ग अक्सीरा अन>वितेक रूपु सी सीपु वित्ता औरा सीत्ता

प्रिंहाद रा जन वितेक व्यावास्थ न भू विस्थविते क$ औरा जविटलु बन दिदय । इन व्यावास्थ ओं मे :श सीक) क$ हा विसीलु करान क विलुए दिकय ज ते राहा हा।> लुदि कन ऐसी आक्रमेण)

क पु लु वा स्तेविवाक Bरा ण मेन ष्य क* असी विमेते सीत्ता औरा धन क* लु लुसी राहा हा।> इसी दवि0V सी, भू राते विमू थविवाला व्युओर रा कमेज$रा

हा-ज्या) पुराभू आक्रमेण क विलुए शक्तिशा लु सी प्राविते क विवाला ते नहाY राहा , ज$ सीनि विजक-आर्णिथक व्यास्था क मेहात्वापुं ण लुग इसी सीद भू मे :

अलुग नहाY थ।) उन्हा :अपुन सीन ओं क$ हारा सीमेय तेय> रा रार्खोन औरा यदिद आवाश्यक हा$ ते$ मे सीमे थ। उनक विलुए श वि ते क

अथ थ मेक पु ड़ औरा क ठा क$ चौपु चौ पु सीहान करान । इसी सीद भू मे :प्रिंहाद भू अपुवा द नहाY थ, क्य)दिक आक्रमेणक रा)न भूा पुरा

क न्द्रा)न क क अन्क धर्मिक यद्धा थ ड़ ज$ लुग हा वहा श वा ष्ट-वा ष्न्ण वा सीक्षा पुस्तिहार । प्रिंहाद रा जन वितेक Bवितेद्वावि द्वाते हा$ दिकय , औरा प्रिंहाद

वा राते न इसी Bमे विण्ते दिकय । (शक्र न विते, अथश स्त्री, मेहा भू राते क श वि तेपुवा) । इसी उद्दी श्य सी वाष क य दिकारी ब द्धा औरा ते वित्रके

एक विवाशष दिदन (आविश्वन मे हा क शक् लु पुक्षे क* अVमे) क$ यद्धा क* दवा मेविहाष सीरा मेर्दिदन दग क*

पुज क विलुए सीमेर्णिपुते दिकय गय । इसी 'पुविवात्र' दिदन पुरा, श सीक) क$ अन्य श सीक) पुरा चौढ़ ई करान क विलुए औपुचौ रिराक रूपु

सी आमेवि त्रते दिकय ज ते थ , विजसी 'दवा> य रूपु सी विनध रिराते क य ' मे न ज ते थ । (य सीरालु शzद) मे,: विनचौलु स्तेरा क
सीवि>नक) क$ लुट औरा तेब हा क मे ध्यमे सी अपुन ज विवाक कमे न क अवासीरा Bद न करान)।

इन आवाविधक आक्रमेण) क* अमे नवा य क्र राते , सी थ हा यद्धा क सीमेय दिकसी भू Bक रा क न गरिराक नवि>तेकते क* पुण
अन पुविस्थविते, सीघा ष राते गरा ब) क* दयन य विस्थविते क$ औरा अविधक र्खोरा ब करा दते थ । विनष्ठ रा उपुहा सी औरा प्रिंहासीक
(अक्सीरा ज विवाक क* अत्यविधक आवाश्यकते) न आमे जनमे नसी क$ एक हा सीय क न चौ ज विवाते राहान क विलुए सीघा ष क
पुरा विवावाश करा दिदय । ऐसी सीग रिठाते औरा अमे नवा य यद्धा) क सी मेन लु$ग पुरा तेराहा असीहा य हा$ ज ते थ।
लुदि कन एक अते रा थ ।

नए आक्रमेणक रिराय) क* Bवावि0त्ता मेविहालु ओं क व्या पुक श$षण क* थ । विवाशष रूपु सी, उन्हा)न स्थ न य ध र्णिमेक आस्थ ओं क
पुण ते } वितेरास्क0ते दिकय औरा धमे तेराण क$ जबरान थ$पुन मे :अविधक रुविचौ दिदर्खो ई। इसी Bक रा क* विवाशष ते ए[, ज$ भू र
पुहालु कभू नहाY दर्खो गई थY, नए यद्धा) क$ एक नए आय मे मे :लु गईं।

B चौ न प्रिंहाद श सीक) क सीग रिठाते यद्धा) मे,: उनक* सीपु वित्ता, पुहाचौ न, घारा, सीमे ज, सीम्मे न, पु रिरावा रिराक Bवितेष्ठ औरा
) क$ सीहान करा लुते थ क्य)दिक वा पुरा विजते भूलु हा हा$ते थ,
लुदि कन उनक पुण ते } अपुमे न नहाY हा$ते थ औरा वा अपुन दवा ते ओं तेथ सीमे ज सी बविहाष्क0ते नहाY दिकए ज ते थ। अपुमे न
मे नते ए [उनक सी थ राहाते थY। वा सीमेय क सी थ अपुन दर्खो
व्याविगते य दिकसी क लु विवाशष तेक सी विमेते राहाते थ , लुदि कन आमे जनते पुरा इसीक व्या पुक Bभू वा नहाY पुड़ते थ ।
फो राविसीय), पु र्णिथय), यन विनय), क ष ण) औरा बवि>क्ट्रॉयन) न भू राते पुरा आक्रमेण दिकय औरा यहा [बसी गए। वा एक Bबद्धा
जनते औरा सीमेद्धा0 भूवि मे मे :आत्मेसी ते हा$ गए।
लुदि कन उत्तारा-पुविश्चंमे सी आन वा लु नए शत्र ओं न पुहालु अज्ञा ते विवाध्वासी क तेरा क अपुन ए।

इसी भू षण औरा सीपु ण आक्रमेण क सी मेन , अब अपुन -अपुन श सीक) क* सीरा क्षे सी वावि चौते गरा ब लु$ग पुरा तेराहा असीहा
गए। उनक धमे क$ बलुपु वाक छ न गय । उन्हा)न कई तेराहा क* य तेन ए [सीहा , लुदि कन उनक पुवा ज) क धमे क जबरान न श
दिकय ज न उनक विलुए सीबसी बड़ अपुमे न थ । इसीक पुरिराण मेस्वारूपु एक गहारा सी मे विजक दरा रा पुद> हुई।

जब इसी अपुमे न क सी थ-सी थ उनक हा लु$ग) न उन्हा :उनक पुरा न सी मे विजक स्थ न सी वावि चौते करा दिदय औरा विबन दि
गलुते क सीमे ज सी बविहाष्क0ते करा दिदय , ते$ उन्हा)न स्वाय क$ ठाग हुआ मेहासीसी दिकय । यहा विछपु हुआ क्र$ध उनक व्यावि
मे :गहारा ई तेक बठा> गय औरा क ठा मे :बदलु गय । इसी हाते श मे :उन्हा)न सी$चौ दिक इसी छलुपुण औरा हृदयहा न सी मे विज

ढं चौ क$ नV करा दन हा उविचौते हा$ग ।

इसीक अलु वा , उन्हा :एक औरा अविधक ते व्र अपुमे न सीहान पुड़ । यहा अपुमे न वितेरास्क रा औरा घाण0 सी भूरा हुआ थ । उनक
पुवा सी थ , भू ई, औरा रिराश्ते द रा—ज$ अविधक भू ग्यश लु थ औरा विजन्हा)न दिकसी Bक रा अपुन पुहाचौ न, सीम्मे न औरा धमे
क$ बचौ विलुय थ —अब अत्यते क्र रा औरा विनदय बन गए। वा स्वाय क$ 'दवा ते ओं क विBय' सीमेझीन लुग औरा अपुन आपुक$
अविधक शद्धा , अविधक श्रष्ठ औरा अविधक चौते रा मे नन लुग। पु विड़ते औरा पुरिरावार्णितेते व्यावित उन्हा :ब हारा शत्र सी भू अविध
पुरा य औरा घाण0 स्पुद लुगन लुग।

इसी तेराहा, प्रिंहाद सीमे ज द$ अलुग-अलुग सी मे विजक सीरा चौन ओं मे :विवाभू विजते हा$ गय ।

वा रा णसीपुन र्खो ज

B चौ न प्रिंहाद सीमे ज क* एकते ट ट गई औरा यहा एक जरिटलुते मे :फो सी गय , विजसीसी आज तेक हामे मेt नहाY हा$ पु ए हा।&

सी मे विजक सीध   राक) क   विलुए यहा हामेश   सी   एक स्वाप्न राहा   हा >दिक प्रिंहाद   औरा प्रिंहाद   धमे   सी पुरिरावार्णितेते लु$ग एक सी थ राहा,: लुदि कन यहा सी मे विजक सीक ट इतेन गहारा हा >दिक सीते), रा जन वितेज्ञा) औरा सीध राक) क* सीदिदय) क* क$विशश: विवाफोलु राहा हा।&

अते ते}, विजन लु$ग) क$ सीमे ज न बविहाष्क0ते दिकय थ , उन्हा)न अपुन सीग रिठाते शवित सी स्वाय क$ सीद ढ़0

दिकय औरा कई ब रा

श सीक) क विBय सीमेहा) मे :स्थ न B d करा विलुय । इसी Bक रा, प्रिंहाद भू राते सी मे विजक रूपु सी विवाभू विजते हा$ गय औरा यहा

विवाभू जन स्थ य बन गय ।

इसी Bक रा क* बड़ सी मे विजक उथलु-पुथ लु सी पुहालु प्रिंहाद सीमे ज ज ण- श ण , विनरुत्सी विहाते, भ्रविमेते औरा

IX

हातेBभू थ । जब पुहालु सी सीक टग्रीस्ते सीमे ज पुरा विवादश   आक्रमेण) क* नई लुहारा: पु छ सी ट ट पुड़Y, ते$ धमे तेरिराते असीते V) क नए सी मे विजक सीमेहा न इसी हारा Bक रा सी चौन ते द ।

इसी क्र रा आक्रमेण क* नई तेकन क क सीमेक्षे—जहा [लुट औरा विवाध्वासी हा मेलु उद्दी श्य थ— जब इसी एक औरा

Bलु$भून विमेलु ,

अक्ष ते 'एकमे त्र सीच्ची धमे ' मे :पुरिरावार्णितेते हा$न क* जबरान क$विशश, ते$ यहा तेथ कविथते सीशt प्रिंहाद सी मे विजक सीरा चौन क$

पुरा   तेराहा विहालु दन   वा लु थ । यहा सीमे ज पुरा   तेराहा भ्रविमेते हा$करा विबर्खोरा गय औरा शमेन क

अव्यावास्थ मे :घालु करा विवालुd

हा$ गय ।

इसी Bक रा क विनमेमे उन्मे द क Bवितेरा$ध करान व्याथ थ , क्य)दिक यहा लुट औरा र्खोज न क* असी मे भूर्खो सी

Bरि राते थ ।

मेविहालु ओं क अपुहाराण औरा उत्पु ड़न न इसी भूय वाहा तेकन क क$ औरा अविधक वा भूत्सी बन दिदय ।

Bवितेरा$ध व्याथ थ :बविलुद न मेहा न थ । लुदि कन यहा बवि द्धामे न नहाY थ । इसी ज्ञणन विते न विनक्किंतेसुझसी उन्हा :यद्धा पुरा ते हा रा मे :भू प्रिंहाद वा राते न अपुन सीवा च्ची बविलुद न दन   मे :सीक $चौ नहाY दिकय । उन्हा)न अपुन सी वावि चौते करा दिदय , लुदि कन यहा आ विशक रूपु सी उनक पुरु षवा द अविभूमे न औरा सीम्मे न क* राक्षे क एक Bय सी थ ।

लुपि क्निताइतेमेविहालु ओं औरक ब वाजद वा सी मे विजक ठाहारा वा सी ब हारा नहाY आ सीक , न हा वा एक नए बध त्वा सी बध

बजुबुतेकोक$जबकौ सफुमे Bमी र्मीरिंथे ।अकाहु$सीक क* धोतेऐवोक कईन सीईकतेथ , स्वयिद अपुनावहालेहा, औ)सीइसीनBक अतेआकाराक हास्तेक्षे पु) दिदय ।

सीकते थ।

उन्हा)न यहा पुहालु भू दिकय थ —यन न औरा शक आक्रमेण) क सीमेय; दिफोरा क ष ण औरा हूण) क सीमेय। वा ज नते थ दिक सी मे विजक अव्यावास्थ क$ आत्मेसी ते करा पुन सीग रिठाते क>सी दिकय ज ते हा।> दवा लुस्मेवि0ते न इसीक मे ग सीझी य थ । यहा सीमेझी सी पुरा हा >दिक दिकसी Bक रा यहा नक रा त्मेक मे नविसीकते आत्मेसी ते करान क* स्वास्थ Bवावि0त्ता सी अविधक सीरा क$ B थविमेकते दन   लुग , औरा सीक *ण स्वा थ क$ सी मेवि हाक कल्य ण सी ऊपुरा रार्खो दिदय ।

एक सी मे विजक जड़ते न मेहा न भू रातेवाष क$ जकड़ विलुय थ। इसीसी पुहालु दिक अग्री ज सीमेद्र मे ग सी नए आक्रमेण लुक रा आते, भू राते क सी मे विजक ते न -ब न पुहालु हा द$ भू ग) मे :विवाभू विजते हा$ चौक थ। औरा यहा विवाभू जन तेब सी स्थ य बन हुआ हा,> हा लु [दिक यहा आश्चंयज नक हा >दिक सीमे ज क* आत्मे अब भू ज विवाते हा।> आध्य वित्मेक रूपु सी, भू राते अब भू एक
हा।>

ज$ लु$ग पुण विवान श औरा पुण अपुमे न क ब चौ फो[सी गए थ, उन्हा)न विवाजते ओं क धमे क$ स्वा क रा करा

विलुय। ज$ दिकसी
तेहाहा अपुन पुद्दाचौ न बचौ न मे :सीफोलु हुए औरा विजन्हा)न जबरान धमे तेराण सी बचौन क* क$विशश क*, वा
सी मे विजक, आर्णिथक
औरा सी स् क0वितेक रूपु सी पु विड़ते हुए। भू राते य उपुमेहा द्वा पु, विवाशष रूपु सी प्रिंहाद ग रावा, दिफोरा कभू

सीविहाष्ण ते औरा सीहा-
अविस्तेत्वा क* श वि ते नहाY ज न सीक। (क्य यहा रा जन वितेक विस्थराते वा स्तेवा मे :पुहालु कभू राहा थ ?)
इसी विवान शक रा सीघा ष मे :सीबसी अविधक पु विड़ते श्रविमेक वाग थ —चौ हा वा धमे तेरिराते हा) य न हा))।

यहा वाग— मेजदरा ,
मेछ आरा , न विवाक, क रा गरा, बन करा, ग यक, सीग तेक रा, रा जविमेस्त्री , चौमेक रा, मे$चौ , पु न ढं$न वा लु,
घारा लु सीवा क,
रासी$इय, द सी, औरा अते ते} वा मेविहालु ए [विजन्हा :हृदयहा न ध र्णिमेक सीस् थ ओं न छ$ड़ दिदय थ —सीभू इसी

त्र सीद मे :सीबसी
ज्य द विपुसी।
य अभू ग मेविहालु ए,[ज$ अपुन कलु , Bवितेभू औरा आकष ण मे :विनपुण थY (अविधकतेरा उच्ची औरा मेध्य वाग क*

पुष्ठ0भू विमे सी) ,
सीक सी विपुपु सी विवादश सीवि>नक) क सी मेन असीहा य हा$ गईं औरा जबरान धमे तेरिराते करा द गईं। वा
पु रा पुरिराक प्रिंहाद सीमे ज सी
अलुग करा द गईं औरा विबन आश्रय क पुविक्षेय) क* भू वि[ते हारा गज राते हावा क विशक रा बनन लुगY। पुरा ते

उनक* कलु त्मेक क्षेमेते ए[औरा श रा रिराक आकष ण उन्हा :ज विवाते रार्खोन क विलुए पुय d थ। उन्हा)न रात्पु ते

औरा
बलु तक रा सी अस्थ य रा हाते पु ई औरा ध रा -ध रा एक स्थ य ग्री हाक वाग विवाकविसीते दिकय। लुदि कन सीमे ज
न उन्हा :जबरान
हा विशए पुरा ड लु दिदय , औरा वा एक अलुग सीमेद य क रूपु मे :उभूरा आईं।

विजनक ज वान कभू भूव्या मेदि दरा पुरिरासीरा) क विहास्सी थ , वा मेदि दरा) क विवाध्वासी क ब द अपुन

आवा सी इतेन आसी न सी
नहाY छ$ड़ सीकते थY। उन्हा)न विबर्खोरान सी इनक रा करा दिदय औरा एक सीमेद य क रूपु मे :सीग रिठाते राहाY।
इसी तेराहा उन्हा)न
मेदि दरा पुरिरासीरा क विनकट अपुन जगहा बन ए रार्खो , विजसी अब दलुमेड कहा ज ते हा।>

आज दलुमेड द लु (अन ज) नहाY बचौ ते। यहा [क* बविस्तेय [पुरा न ब ज रा क्षेत्र तेक फो>लु गईं, ज$ अब विवादश
वा रा णसीपुन र्खो ज

चाल्त्री) औरा
लुक्जरा उत्पु द) क सीबसी बड़ क:द्र बन चौक हा।>

इसी दर्खो द घाटन क्रमे क पुरिराण मे यहा हुआ दिक एक क्षेत्र , ज$ कभू ध र्णिमेक सीवा क विलुए सीमेर्णिपुते

यवा वितेय) क विनवा सी थ ,

क छ न अपुन नए धमे औरा ज वान क$ एक नई शरु आते क रूपु मे :स्वा क रा दिकय , क्य)दिक इसीसी उन्हा :सीरा क्षेण औरा सीरा क्षे विमेलु । श यद वा भू तेरा हा भू तेरा यहा सी$चौकरा सी ते वान पु ते थY दिक यदिद दवा ते उनक* राक्षे नहाY करा सीक , ते$ श यद
मेन ष्य करा सीकते हा।&

इसी मेहा क य त्र सीद क* वा स्तेविवाकते औरा गभू राते न वा रा णसी क सी मे विजक ते न- ब न पुरा एक स्थ य

विनश न छ$ड़

दिदय । ध रा -ध रा , मेदि दरा पुरिरासीरा क आसीपु सी ‘मेविहालु ओं क एक ग वा[’ बसी गय , जहा [सी एक नय
ब ज रा विवाकविसीते हुआ—
यहाY सी एक Bविर्तीकष्ठते कलु -सीस् क0वितेपुक* पुरामेध्विवाकविसीते हुई। वा रा णसी क* गविणक ए [न क वालु अपुन सीद राते क
एक ऐसी ब ज रा विजसीन सीदिदय) सी ज विवाक चौलु ई।
विलुए, बविल्क अपुन सीग ते, नत्0य औरा कलु क विलुए भू Bविसीद्धा हा$ गई।
औरा यहा क राण हा >दिक आज भू , B चौ न विवाश्वन थ मेदि दरा पुरिरासीरा क आसीपु सी वा रा णसी क ‘रा ड लु इट एरिराय ’ खर्ोड़
औरा यहा क राण हा >दिक इसी क्षेत्र मे :आज भू बदिढ़य सीग ते, इत्र, रा शमे, आभूष ण, फोनPचौरा, विचौत्रकलु औरा मेर्णि तेकलु सी
सीब वि धते व्यावासी य फोलु-फो लु राहा हा।&

इसीक अविस्तेत्वा इसी ब ते क* य द दिदलु ते हा >दिक क>सी एक सीमेर्णिपुते ध र्णिमेक सीमे ज क* विस्त्रीय [सीमेय क* क्र राते क विश
बनY। हामे सीबन ध रा -ध रा औरा विनष्ठ राते सी उनक अविस्तेत्वा क$ हा विशए पुरा ड लु दिदय , औरा वा सीमे ज क रा क्षेसी) क*
गईं।

लुदि कन मेदि दरा ते$ ढंहा गय , पुरा दलुमेड   नहाY।

यहा वा रा णसी क एक दर्खो द स्मे राक हा—>उन ग रावाश लु दिदन) क* य द दिदलु न वा लु जब इसी मेदि दरा मे :सीमे ज क सीबसी
पुविवात्र Bसी द क रूपु मे :प्रिंहाद कन्य ए[अर्णिपुते क* ज ते थY।
इसी विवाषय पुरा गहारा ई सी विवाचौ रा करान क विलुए, हामे :इसी एक व्या पुक ऐवितेहा विसीक पुरिराBक्ष् य मे :दर्खो

न हा$ग ।

9.रुद्रवा सी

I

क श -क$सीलु क यद्धा

लुगभूग पु चौ[सी वाषx तेक (लुगभूग 655-1155 ईस्वा) चौलुते राहा हा$ग । हामे :ज्ञा ते हा >दिक क ष ण,
गd , पुष् यभू विते (थ न सीरा) औरा Bवितेहा रा वाश (106-1018 ईस्वा) क श सीनक लु मे :क श औरा सी रान थ क$ अन क रा जक*
अन द न B d हुए थ।

इन 'अन द न)' क वा रा णसी सी सीब ध नहाY हा$ सीकते , क्य)दिक वा रा णसी क* भूवि मे क$ 'द न' नहाY दिकय ज सीकते थ , अ
न हा इसी स्वा क रा दिकय ज सीकते थ । वा रा णसी स्वाय विशवा (विशवा-गण)) क* थ औरा इसी क वालु 'विशवा)' य 'विशवागण
विलुए एक विवाविशV स्थ न मे न ज ते थ । अते} वा रा णसी मे :भूवि मे अविधग्रीहाण करान अत्यविधक ज$विर्खोमेपुण   क य थ ।

यद्यावपु पु लु औरा सीन   वाश क श सीक शवा> पुरा पुरा सी जड़   थ, दिफोरा भू उन्हा)न सी रान थ क जन> औरा ब द्धा मेदि दरा)
द न दिदय । किंकते यहा उल्लु र्खोन य हा >दिक पु लु) औरा सीन ओं द्वा रा दिकसी प्रिंहाद मेदि दरा क$ ऐसी क$ई बड़ अन द न दन
Bमे ण नहाY विमेलुते ।

हा लु [दिक, उसी क लु मे :कई मेठा, स्ते पु औरा मेदि दरा) क विनमे ण हुआ थ औरा इन्हा :अलुक राण भू Bद न दिकय गय थ , लुदि कन
वा रा णसी क* पुहा विड़य) मे :दिकसी जन> य ब द्धा अन द न क क$ई Bमे ण नहाY विमेलुते । रुद्रवा सी वाहा क्षेत्र थ विजसी उन्हा)
अछ ते छ$ड़ दिदय थ । सीभू वाते} इसीक क राण वा रा णसी क* B चौ न क पु विलुक-भूरा>वा पुरा पुरा ए [थY। बग लु क शवा>) क
अविते-वा रा-अघा$रा-तेत्र उपुयt नहाY थ। यहा [तेक दिक आज भू , दलुमेड   क व्यास्ते ब ज रा क मेध्य मे :एक 'अघा$रा टदिकय '
विस्थते हा।>

वा रा णसी न सी मे न्यते} स्थ पुत्य य मेर्णि तेकलु सीब ध   अलुक राण) पुरा अविधक ध्य न नहाY दिदय । भूरा>वा-अघा$रा पुरा पुरा ओ
अन सी रा, यहा [दिकसी दवा ते क* मेर्णि ते य मेदि दरा क* B चौ न पुरा पुरा नहाY थ । क वालु विशवाप्रिंलुग क$ हा Bवितेविष्ठते दि
थ । औपुचौ रिराक दवा ते ओं औरा मेदि दरा) क विनमे ण सीभू वाते} शक-यग क ब द B रा भू हुआ, विवाशष रूपु सी Bवितेहा रा, पु
सीन   औरा गहाड़वा लु रा जवाश) क लुगभूग 1200 वाषx क द रा न। किंकते य गविते‌विवाविधय [मेख् यते} मेच्छ$दरा औरा मेद दि
क्षेत्र तेक हा सी विमेते राहाY।

हा लु [दिक, हाड़प्पु सीस् क0विते मे :हामे :दवा ते ओं क जमे bर्दिफोक (पुश- आक0वितेय [) औरा एथ्रो $पु$मेbर्दिफोक (मे नवा-आक0विते
Bमे ण विमेलुते हा,& किंकते B चौ न प्रिंहाद धमे मे :अभू तेक ऐसी मेर्णि तेय) क* विवाशष Bवावि0त्ता विवाकविसीते नहाY हुई थ ।
वा रा णसी भू राते य इवितेहा सी मे :हाड़प्पु सीस् क0विते सी भू पुरा न बस्ते राहा हा >औरा इसीक स्थ न य विनवा सी विनविश्चंते
ब्रा ह्मण य आय पुरा पुरा सी भू पुहालु क थ। इसीविलुए उन क लु) मे :वा रा णसी मे :मेर्णि ते-पुज   क* उपुविस्थविते अविधकतेरा एक
क ल्पुविनक अवाध राण हा हा$ सीकते हा।>

II

श स्त्री) औरा अन्य अविभूलुर्खो) क अन सी रा, वा रा णसी क$ य$विगय) औरा विवाद्वा न) क विलुए एक वान्य आश्रय स्थलु क रूपु मे :
ज ते थ । वा गफो ओं औरा वान) मे :ध्य न औरा आध्य वित्मेक सी धन कराते थ।

य B चौ न विनवा सी (सीभू वाते} हाड़प्पु पुरा पुरा सी जड़) , न ग, गण, विजन्हा :मेहाश्व

रा-क पु विलुक भू कहा ज ते थ , Bक0विते क

सीमे पु राहान पुसीद कराते थ। उन्हा)न एक आध्य वित्मेक ज वान विवाकविसीते दिकय विजसीमे :Bक0विते, अप्सीरा ए [औरा ते वित्र
राहास्यवा द Bमेर्खोवि मेक विनभू ते थ।

यहा सीपु ण वा ते वाराण यहा विवाश्व सी दिदलु ते हा >दिक यहा स्थ न तेत्र -सी धन , विमेथक) औरा राहास्यवा द क Bचौ रा-Bसी रा
आदश थ । इसी सीद भू मे,: वा रा णसी एक तेत्र -क न्द्र क रूपु मे :उभूराते हा,> जहा [तेत्र क$ ते न पु रा पुरिराक ध रा ओं—सी वाचौ
वा राचौ रा औरा विशवाचौ रा —क अन सी रा सी धन क* ज ते थ । य ध रा ए [क्रमेश} ते मेविसीक, रा जविसीक औरा सी वित्त्वाक B
क पु लुन कराते थY।

यहा [क मेलु विनवा विसीय) क ध्य न ज वान औरा मेत्0य क राहास्य क$ सीमेझीन पुरा क:दिद्रते थ । मेत्0य क अज्ञा ते भूय उन्हा :
औरा B थन क* ओरा Bरि राते कराते थ । भू$जन, वाष , फोसीलु—इनक* हा विन उन्हा :B थन करान क विलुए ब ध्य कराते थ । य
पुहा ड़ विनवा सी ज नते थ दिक विशवा क डमेरू द$न) दिदश ओं मे :बजते हा—>सीज0न औरा विवान श, ज वान औरा मेत्0य।

तेत्र अत्यते व्या वाहा रिराक, ग्री मे ण औरा आदिदमे थ । यहा पुवा - आय सीस् क0विते क विहास्सी थ । उन B चौ न सीमेद य) क$ गण
यक्षे, गध वा, दिकन्नीरा, गह्या क, कपु लु, विशवा औरा अघा$रा क रूपु मे :ज न ज ते थ , औरा वा रा णसी इनक Bमेर्खो क न्द्र थ ।
इन्हा :विजन दवा ते ओं क* आरा धन करान हा$ते थ , वा भू मेलु भू ते B क0वितेक शवित्य) सी जड़ थ— पुथ्0वा , जलु, वाष , नदि
वाक्षे0, गफो ए,[झीरान , Bमे , सीक् सी औरा मे नवा शरा रा। वा यहा मे नते थ दिक क मेन औरा Bमे क* शवित क$ पुहाचौ नन औरा
विनयवि त्रते करान आवाश्यक हा,> अन्यथ यहा विवान शक रा बन सीकते हा।>

वितेzबते ब द्धा धमे मे :यमे ते क क* भूय नक छविवा औरा भूगवाद ग ते क ग्य राहावा :अध्य य मे :'क लु' क रूपु मे :वार्णिणते मेहा क लु
इसी शवित क* Bते क त्मेक अविभूव्याविते हा।&

स्त्री क$ उन्हा)न Bवि मेक , मे ते , सीर्खो औरा एक बहुआय मे सीज0नश लु शवित क रूपु मे :दर्खो । पुरा ते स्त्री क$ उन्हा)न
विवान शक रा शवित क रूपु मे :भू स्वा क रा दिकय । यहा शवित मे नवा शरा रा क भू तेरा भू क य कराते थ औरा इसी पुहाचौ नन
औरा उपुय$ग करान आवाश्यक थ ।

इसीविलुए उन्हा)न इसी शवित क* सी धन क$ 'यहा [औरा अभू ' B रा भू करान क* आवाश्यकते मेहासीसी क*। ते वित्रक पुरा पुरा सीद
शरा रा पुरा क:दिद्रते राहा हा।> ते वित्रक सी धक) क विलुए पुथ्0वा औरा आक श पु$षक थ, औरा शरा रा एक अज्ञा ते आत्मे क मेदि
तेत्र क विलुए मेहात्वापु ण थ —जलु क$ जलु क* तेराहा दर्खो न , ज वान क$ ज वान क* तेराहा, मेत्0य क$ मेत्0य क* तेराहा, पुरु ष
पुरु ष क* तेराहा औरा स्त्री क$ स्त्री क* तेराहा।

क श —एक 'Bक श-स्थलु '

क श न मे क अथ भू 'Bक श' सी जड़ हुआ हा।> यहा वाहा स्थ न थ जहा [ज्ञा न औरा चौते न क राहास्य उद्धा रिटते हुआ। इसीविलुए क श क$ एक दवा क रूपु दिदय गय ।

यहा ,[भू वान ए [रुक ज ते हा।& आत्मे-अहाक रा व्याविt सी पुरा चौलु ज ते हा।> दवि नय क अन भूवा एक नए

यथ थ मे :बदलु ज ते

हा।>

इसी Bक रा, वा रा णसी क वालु एक शहारा नहाY, बविल्क ज वान औरा मेत्0य, Bमे औरा तेत्र , आत्मे औरा शरा रा

क गढ़ राहास्य) क

क न्द्र राहा हा।>

रुद्रवा सी क वालु एक स्थ न नहाY, बविल्क एक आध्य वित्मेक विवाचौ राध रा थ , ज$ तेत्र -सी धन , राहास्यवा द औरा

Bक0विते क*

आत्मे धन सी गहारा ई सी जड़ हुई थ । यहा स्थ न न क वालु B चौ नतेमे सीमेद य) क आश्रय थ , बविल्क यहा भू राते मे :तेत्र

पुरा पुरा क ज वाते क:द्र) मे :सी एक थ ।

III

वा रा णसी क पुवा - आय मेलु विनवा सी Bक0विते क अन रूपु ज वान ज न क* कलु मे :विनपुण थ। वा ज वान क$ उसी रूपु मे :स्वा क रा

कराते थ जसी> दिक Bक0विते चौ हाते हा—>विबन दिकसी ब हारा आडब रा क । वा भू$ग-विवालु सी सी पुरिरापुण थ, लुदि कन वा सीन सी मेt

थ। (यहा एक अत्यते करिठान सी धन थ ।)

उन्हा)न क0वित्रमे सी मे विजक बध न), छलु, ध र्मिमेक पु र्खोंड औरा तेथ कविथते सी मे विजक पुरिराष्कराण क$ विसीरा

सी नक रा दिदय ।

आज भू उत्तारा क$सीलु (अथ ते अय$ध्य -मेथरा औरा विवाशष रूपु सी वा रा णसी) क लु$ग) मे :इन विवाशष ते ओं क क छ विचौहिन

दर्खो ज सीकते हा।& वा अपुन र्खोलु सी$चौ, ज वान क Bविते व्या पुक दवि0Vक$ण औरा स्पुVवा दिदते क विलुए

Bविसीद्धा हा।& वा स्वातेत्र ते

क अन भूवा कराते थ, स्वातेत्र रूपु सी ज ते थ, स्वातेत्र रूपु सी सी$चौते थ औरा एक अन सीt शद्धा चौते न तेक पुहुचौ[न मे :सीक्षेम

थ।

उनक दवि0Vक$ण मे :द्वाते> क पुर्खो अन दिद सीत्य क विवाश लु आक श क$ छ ते थ। वा अन श सीन औरा

स्वाच्छ दते , विनयमे औरा

स्वातेत्र ते , तेथ उपु सीन औरा Bबलु ज वान-शलु> क$ एक सी थ विमेलु न मे :सीक्षेमे थ।

उन्हा)न Bक0विते क$ सी ध औरा विन}सीक $चौ दर्खो न क$ B थविमेकते द । उनक विलुए सीत्य न ते मे :र्खोड़ हा$न

चौ विहाए थ —विबन

दिकसी आडब रा क । सीत्य, उनक अन सी रा, स्वा भू विवाक भूव्याते मे :मेt हा$न चौ विहाए—कठा$रा दड दन वा लु , लुदि कन अते ते}

दय लु औरा क0पु लु।

य वान, पुवाते औरा नदिदय) क उपु सीक थ, विजन्हा)न अपुन शरा रा क* लुयबद्धा उत्ता जन क$ भूवित मे

:पुरिरावार्तिते करा दिदया थ ।

वा सीद विशवा, शभू थ— मे [क* ग$द मे :र्खोलु ते हुए विशश । इसीविलुए उनक विलुए वाक्षे0, उपुवान, गफो ए,[नदिदय [औरा झी लु:
अत्यविधक मेहात्वा रार्खोते थY। इन्हाY मे ध्यमे) सी वा पुरामे सीत्य तेक पुहुचौ[ते थ।

वा दिकसी भू Bक रा क पुरा $विहातेवा द यज्ञा) मे :विवाश्व सी नहाY रार्खोते थ, न हा वा ईंट-पुत्थरा,

सी$न -चौ द[क ऊ[चौ टbवारा बन करा
अपुन हा थ) सी गढ़ गए दवा ते ओं औरा दवि वाय) क$ उनमे :क>द करान चौ हाते थ।
मेदि दरा, चौत्>य, मेर्णि तेय [औरा श स्त्री) क जरिटलु शzद उनक विलुए नहाY थ। वा एक मे विलुक औरा B चौ न

ज वान ज न वा लु लु$ग थ,
ज$ अपुन अनगढ़ रूपु मे :दवा ते ओं क* आरा धन कराते थ— औरा आश्चंयज नक रूपु सी, उनक ईश्वरा उनक विलुए
क य भू
कराते थ ।

IV

वा रा णसी क वान्य क्षेत्र , आनद क ननमे, उन सी धक) क विलुए एक विवाशष स्थ न थ ज$ आनद औरा पु ड़ , ज वान औरा मेत्0य क राहास्य क$ सीमेझीन चौ हाते थ। यहा स्थ न अपुन विनवा विसीय) क$ मे [क* ग$द-सी सीरा क्षे औरा एक स्त्री क सीग -सी थ क स्नाहा
Bद न कराते थ ।

उन्हा)न इसी विवाचौ रा क अन सी रा ज वान विजय औरा उपु सीन क*—"हारा चौ ज़, हारा व्याविt अपुन स्थ न पुरा

औरा अपुन
औरा नविभूम अविस्तत्वाहा न लान
वी स्तविवाक महात्ता करअन सी रा")। लुग —एक अपु रा, अथ हा औरा अकल्पुन य ब्राह्म ड क सीमेक्षे।
[illegible]
उनक मेवि tBक0विते द्वा रा —Bदला अमविनात विखाड़दिकय) क$ खा$लुकरा B d हुई। उन्हा)न अपुन आत्मे क$
उन्हा)न एक सीरालु, विनभूPक मे ग चौन —विशवा क मे ग। यहा मे ग सी ध मे [क* सीरा क्षे औरा आश्रय तेक लु ज ते थ । यहा
शरा रा क बध न) सी
उनक धमे , उनक* आस्थ औरा उनक* सी धन थ —यहा भूय औरा आसीवित सी पुरा , एक अते रातेमे सी मेt , आनद औरा मेवि t
मेt करा दिदय- औरा Bक0विते क* स्वातेत्र वा य मे :Bवा विहाते दिकय , विजसीसी उनक* बदलु हुई दवि0V मे
:सीसी रा अत्यते छ$ट , नगण्य
तेक पुहुचौ[क मे ग थ ।

ऐसी सीमे ज मे :मेदि दरा, चौत्>य, मेर्णि तेय ,[पुवि डते) क झीड , य दिकसी भू Bक रा क* ध र्णिमेक अन ष्ठ न) क*

आवाश्यकते नहाY थ । विशवा) क इसी विवाशष मे ग मे :दवा ते क$ Bसीन्नी रार्खोन क विलुए यवा वितेय) क द न

य विवाशष अन ष्ठ न) क* आवाश्यकते नहाY थ ।
स्त्री उनक विलुए क वालु भू$ग औरा वा सीन क मे ध्यमे नहाY थ , बविल्क एक पुण ते } पुविवात्र सीहाभू ग थ । उनक
विवाचौ रा मे :यदिद
दवा ते ओं मे :भू वा सीन हा$ते , ते$ वाहा भू मे त्र वा सीन हा हा$ते । B चौ न क लु मे :रुद्रवा सी मे :क$ई भू मेर्णि ते-

स्थ विपुते दवा ते , क$ई मेदि दरा, य क$ई पुविवात्र ते थ (जहा [पु पु अपुन पु पु ध$ सीक)
नहाY थ ।

क वालु तेब, जब स्क द, अगस्त्य जसी> ब्रा ह्मण, औरा दवा सी जसी> ऋविषय) (विजनक उल्लु र्खो क श र्खोड मे :विमेलुते हा)> न इन पुविवात्र स्थलु) क मेहात्वा क$ स्थ विपुते करान B रा भू दिकय , तेब ज करा रुद्रवा सी क* आ तेरिराक मेहा नते औरा गरिरामे घामेड आयx क विलुए र्खोलु सीक*।

क्य)दिक आयx क विलुए, तेब तेक यहा राहास्यमेय वान क वालु भूते) औरा Bते) क विनवा सी-स्थ न थ ।

V

यहा गरा>-आय सीमेद य वारुण औरा उसीक* घा रिटय) सी दरा राहाते थ । वा रुद्रवा सी, आनद क ननमे, अथ ते गग क दिकन रा फो>लु
पुहा विड़य) पुरा रिटक राहा।

जब नई सीभ्यते क लु$ग अपुन 'श्रष्ठ ' सीस् क0विते क सी थ आए, ते$ उन्हा)न वारुण क उत्तारा सी अपुन विवास्ते रा

शरू दिकय औरा
क:द्र य पुहा ड़ क्षेत्र तेक पुहुचौ[, जहा [उन्हा)न विशर्खोरा पुरा अपुन मेदि दरा) क* स्थ पुन क*।
जब ह्वान सी ग न य त्र क*, ते$ उसीन ब द्धा मेदि दरा) क$ पु सी हा विस्थते पु य । जन> सीमेद य न अपुन मेदि दरा

वारुण औरा गग
क सीग मे पुरा बन ए थ।
रुद्रवा सी क मेलु क्षेत्र औरा इसीक पुविश्वंमे पुरिरावाश 'सीभ्य लु$ग)' क विलुए विनविषद्धा रार्खो गय थ । तेब सी

एक स्पुV सी मे -रा र्खो
बन राहा, विजसीक आज तेक सीम्मे न दिकय ज ते हा।> अठा राहावाY सीद क अते तेक, क:द्र य पुहा विड़य) क पुविश्वंमे मे :विस्थते वान्य
दलुदलु क्षेत्र क$ 'सीभ्य सीमे ज' क लु$ग सी वाध न पु वाक ट लुते राहा। इसी क्षेत्र क विवाक सी अठा राहावाY सीद

क मेध्य मे :हा शरू हुआ। (यहा [तेक दिक वातेमे न सीद क* शरु आते मे :भू यहा क्षेत्र
वा रा णसी, क सीबसी जग लु भू ग मे न ज ते थ । विवाश्वविवाद्या लुय औरा बग लु ट$लु क्षेत्र क विनमे ण न पुहालु ब रा यहा [
विस्थविते क$ बदलुन मे :य$गद न दिदय ।)

पुविश्वंमे दलुदलु विवास्ते रा) क सी थ विस्थते मेद> न) मे :विस्थविते अलुग थ । वाहा [कई विवाश लु जलु-स्रो$ते थ, विजन्हा :ख वाते तेड़ ग
(रा उरा ते लु ब) [$र्खोरा ड़ तेड़ ग, ते लु ब, क ड आदिद कहा ज ते थ । इनमे: सी Bमेर्खो थ—

- लुक्ष्मे क ड
- विमुते0क ड
- वा ल्वे विशरू
- विमेश्रपु$र्खोरा
- विपुश चौमे$चौन क ड
- मे ते0क ड
- लुहारिराय ते लु ब आदिद।

ज$ लु$ग यहा [राहाते थ औरा इन जलुस्रो$ते) क$ पुविवात्र मे नते थ, वा स्थ न य न गवाश औरा भूरा>वा-विशवा सीB द य) सी सीब थ।

आय सीस् क0विते क जरिटलु ध र्णिमेक अन छ न इन क्षेत्र) मे :Bवाश नहाY करा पु ए थ। यहा [क गरा>-आय सीमेद य) न 'एविनविमेज्मे' (B क0वितेक शविtय) क* पुज) औरा तेत्र -सी धन क* अपुन पुरा पुरा बन ए रार्खो थ औरा वा राहास्यमेय अन छ न), तेत्र -मेत्र औरा
ज द- ट$न क अभ्य सी कराते थ।

उत्तारा-पुवा P क्षेत्र) सी आए उपुविनवाश वा द , ज$ वारुण क$ पु रा कराक वा रा णसी पुहुचौ[थ, उनक विलुए य

पुहा विड़य [औरा पुविश्च्मे
घा रिटय ['आतेक क रा आत्मे ओं' सी भूरा थY।
वा रा णसी क एकमे त्र मेदि दरा, जहा [आज भू रात बविलु क* पुरा पुरा ज रा हा,> इसी क्षेत्र मे :विस्थते हा।> यहा

वाहा वान थ , जहा [सीते ग$स्वा मे तेलु सी द सी न ब्रा ह्मण) क हामेलु) सी बचौन क विलुए शराण लु थ औरा यहा

[हा उन्हा)न
'रा मेचौरिरातेमे नसी' क* राचौन पुरा क* थ।
इसी तेराहा क* ऐवितेहा विसीक घाटन ए [हामे रा इसी तेक क$ बलु दते हा &दिक य पुहा विड़य [एक विवाशष

सीB द य क अन य वियय) क
आश्रय थY, विजसी 'पुशपु विते सीB द य' कहा ज ते थ।
इसी सीB द य क सीब ध हाड़प्पु सीस् क0विते सी थ। इसी सीद भू मे :सीरा जbन मे शलु , ऑरा लु स्ट न, आरा. ड .

बनजP, हान रिराक
विज़मीरा, ड . ड . क$सी ब औरा ए. एलु. ब शमे क श$ध उल्लु र्खोन य हा।&
लुदिकन इसी विवाभू जन ध हा आक्रमेण क$ जन्मे दिदय। आय सीभ्यते क सीन्>य Bसी रा श घ्र हा इन पुहा विड़य)
तेक पुहुचौ[। इसी
सीघा ष सी उत्पुन्नी रा।रा विजते यद्धा) क उल्लु र्खो विवाविभून्नी ग्रीथ) मे :विमेलुते हा—>

1. 'क श र्खोड' (K. Kh.)
2. 'अग्नि पुरा ण' (Agni P.)
3. 'वा य पुरा ण' (Vayu P.)
4. 'मे क ड्य पुरा ण' (Markandeya P.)
5. यहा [तेक दिक 'महा भू रात' (Mbh.) मे :भू।

इन यद्धा) क क छ Bमेर्खो उद हाराण—

- आय Bमेर्खो दक्षे द्वा रा विशवा पुशपु विते क विवारुद्धा यद्धा।
- दवा ते ओं द्वा रा विशवा सी सीहा यते मे ग[न , ते दिक वा असीरा) क घाण0 सी उत्पुन्नी विवाष सी बचौ सीक:।
- विशवा क गण) द्वा रा पुहा विड़य) क$ विशवा-शवित क एक ते विमेलुन स्थलु क रूपु मे :विचौविह्नते करान (क श र्खोड , अध्य य 26)।
- विशवा क गण), भूते), विपुश चौ) औरा Bते) क* सीन ओं क विवारुद्धा दवा ते ओं क* सीन्>य ट कविड़य) क* विभूड़ ते।

आय विवास्ते रावा द न अते ते} आनद क ननमे क$ भू अपुन चौपुट मे :लु विलुय। विवास्ते रावा द हामेश सी आय रात मे :अते र्णिनी राहा हा।> क श -क$सीलु क उपुविनवाश वा द सीदिदय) सी इन सीद रा पुहा विड़य) क$ हाड़पुन क* क$विशश करा राहा था। आविखें उन्हा)न यहा करा भू विलुय।

VI

यहापुरा पुरा इतेन B चौ न थ दिक पु दिढ़य) तेक पुविवात्र आत्मे ए[इन पुहा विड़य) क$ ध्य न औरा सी धन क विलुए एक श ते आश्रय क रूपु मे :उपुय$ग कराते राहा थY। इसी क राण हारा जलु शय, नद -तेट, जलुध रा क उद्गमे, सीग मे, यहा [तेक दिक सीबसी सी ध राण गफो , ट लु , झी ड़ , उपुवान, ते लु ब औरा झी लु भू दिकसी न दिकसी विवाद्वा न, ऋविष य सीते क सी थ वाषx क सीग विते क क राण एक पुविवात्र ते थ स्थलु क रूपु मे :Bवितेविष्ठते हा$ गय थ।

वा रा णसी , रा$मे, मेक्की , यरूशलुमे , लुद न य सी इBसी सी भू अविधक, B चौ न औरा Bभू वा ते थ स्थलु) सी भूरा हुई हा।> इन स्थलु) मे :सी अविधक श शवा> पुरा पुरा औरा गण) क Bभू वा सी जड़ हा।&

यहा मे न्यते फो>लु गई थ दिक रुद्रवा सी क* सीभू चौट्टा न,: विजसी अब वा रा णसी कहा ज ते हा,> स्वाय विशवा क सीमे न पुविवा भूt) क विवाश्व सी थ दिक वा रा णसी क* रा ते 'आध्य वित्मेक चौब कत्वा' सी भूरापुरा हा।>

वा रा णसी —विजसीक* धलु तेक स्वाण- धलु थ ; विजसीक* क कड़ तेक दिदव्या थ; यहा [क* जलु क* सीबसी छ$ट बद [तेक अमेते0 मेध क सीमे न थ। यहा [तेक दिक वा रा णसी क क ड़ -कराकट क पु सी घामे न वा लु क त्ता औरा सीअ रा, य इसीक* नद मे :राहान कछ ए औरा मेछविलुय [भू एक ऐसी ज वान क$ B d थ, विजसीक* ईष्य वा करा सीकते थ ज$ अभू वाहा [ज न क* लु लुसी रार्खोते थ।

ज$ क$ई भू मे$क्षे क* र्खो$ज मे :थ , वाहा इसी नद क दिकन रा ज वान व्याते ते करान क* इच्छ रार्खोते थ। यदिद यवा वास्थ मे : नहाY, ते$ कमे सी कमे ज वान क उत्तारा ध मे,: जब सीध् य क* छ य औरा अविधक फो>लुकरा दरा क आक श क$ औरा भू दरा धक दते हा,> औरा जब घारा ते हुई अध क रामेय छ य ए [लुब औरा राहास्यमेय हा$ते ज ते हा,& तेब वा रा णसी क तेट क* लु लुसी

दिकसी भू 'Bस्थ न कराते ' प्रिंहाद क मेनक$नम्बादते हा।>

उनक विलुए वा रा णसी अवि तेमे पुवाते -विशर्खोरा थ , जहा [सी अज्ञा ते पुरा क* बलु हाट क* ज्य$विते क$ पुकड़न सीभू वा थ। यह औरा दर्खो आत्मे ओं क विलुए श वि ते क स्वाण- द्वा रा क$ र्खो$लुते थ , जहा [सी पु विड़ते आत्मे क$ कभू लु ट य नहाY ज ते थ।

VII

यहा रूपुक ज वान औरा मेत्0य क वादि>दक दवि0Vक$ण क$ मेलु विनवा सी गण) क दवि0Vक$ण सी अलुग करान क एक औरा मेहात्वापु ण प्रिंबद Bस्तेते कराते हा।> यहा 'पुरालु$क' क* अवाध राण औरा विवावा द स्पुद पुन जन् मे विसीद्धा ते सी सीब वि धते हा।>

यहा विवाचौ रा, ज$ प्रिंहादओं क विलुए अत्यते विBय हा,> वादि>दक) क$ विवाशष रूपु सी पुरा श न कराते हुआ

Bते ते नहाY हा$ते। अथवावा द

मेते0क) क विनपुष्ठ न क* एक Bदिक्रय क$ स्वा क रा कराते हा।> यहा विनगते आत्मे क* श वि ते औरा मे$क्षे क* र्खो$ज, सी थ हा विपुतेरा)

क सी थ अवि तेमे सी मेज स्य क* ब ते कराते हा।> आश्वलु यन गह्या0सीत्र मे,: अवि क$ एक शवित्tश लु पुक्षे क रूपु मे

:विचौवित्रते दिकय

गय हा,> ज$ मेt आत्मे ओं क$ अपुन सीश्t पुर्खो) पुरा उठा करा अते ते} उन्हा :विपुते0लु$क तेक पुहुचौ[ते हा।>

अथवावा द विपुतेलु$क क आगमेन क विलुए भू उत्तारादि य हा।&

अमेरा कहाते हा >(VI.41.3; VII.76.4; X.56.4)। वा रा णसीपुन र्खो ज

विपुतेरा, ज$ दवा ते ओं क सीमे न मेहा न हा,& वाद) क अन सी रा, Bक शमेय दिदन औरा अध क रामेय रा वित्र क

विनमे ण कराते हा।& वा

Bते) क* अवाध राण , आत्मे ओं क मेविहामे मेड न, औरा व्याविगते आत्मे ओं क* मेवि t एवा श वि ते क विलुए विवाशष अन ष्ठ न) क विनष्पु दन, वादि>दक पुरा पुरा क अग नहाY Bते ते हा$ते । Bते -क0त्य (मेते0क) क* आत्मे क* श वि ते क विलुए दिकए ज न वा लु
सीस् क रा) क$ सीदवा> दवि नय भूरा क आदिदवा सी सीमे ज क* एक विवाशष सीस् क0विते क रूपु मे :दर्खो   गय हा।>

सीपु ण   विवाश्व क आदिदमे सीमे ज) क* यहा विवाशष ते राहा हा >दिक वा एक ब हारा लु$क क* अवाध राण क$ मे नते थ। उनक
विवाश्व सी थ दिक उनक दिदवाग ते विBयजन एक नए सीसी रा मे :भू उन वास्तेओं औरा सी धन) क* आवाश्यकते महासीसी करा:ग , ज$
उनक विलुए ज वानक लु मे :विBय औरा आवाश्यक थ।

चौ हा यहा विवाचौ रा सीहा हा$ य गलुते, सीभ्यते क$ इसीक क राण B चौ न ज वान क* अमेल् य ज नक रा B d हुई। B चौ न
कब्राग हा) औरा सीमे विधय) सी अन क भूलु -विबसीरा सीस् क0वितेय [पुन जPविवाते हुई।
लुदि कन यहा विवाचौ रा ऋग्वादि>दक लु$ग) पुरा अविधक Bभू वा नहाY ड लु सीक । यदिद अथवावा द मे :यहा विवाचौ रा विमेलुते भू हा,> ते$ हामे :
यहा भू ज्ञा ते हा >दिक अथवावा द क$ अन्य ते न वाद) (त्रय) मे :बहुते ब द मे :ज$ड़ गय थ । पुवा ज -पुज   क$ प्रिंहाद B थन -पुद्धाविते
मे :बहुते ब द मे :श विमेलु दिकय गय ।

लुदि कन आदिदवा विसीय) क विलुए यहा ज वान औरा मेत्0य क ब चौ क* सीबसी मेहात्वापु ण कते व्या औरा अविनवा यते थ ।

भू गवाते ग ते , ज$ बहुते ब द क* राचौन मे न ज ते हा,> उसीमे :आत्मे क आगमेन औरा गमेन क उल्लु खों विमेलुते हा >
(VIII.15-16, 19, 26; IX.3, 21)। यहा स्पुV रूपु सी कहाते हा >दिक शरा राध रा आत्मे क अवि तेमे भू ग्य उन विवाचौ रा) सी
विनध रिराते हा$ते हा,> ज$ मेत्0य क अवि तेमे क्षेण) मे :मेन क$ विवाचौविलुते करा राहा हा$ते हा &(ग ते VIII.5-6)।

पुन जन् मे, मेते0क) क विलुए B थन , श्र द्धा, प्रिंपुडद न औरा ब्रा ह्मण) क$ भू$जन करा न , तेथ द न क* अवाध राण — सीभू इसी
विवाचौ रा सी उत्पुन्नी हुए हा।&
मेत्0य$त्तारा सीस् क रा) क पुण   सीमेथन हामे :विवाष्ण भू गवाते, वारा हा, गरुड़ औरा ब्राह्मवा>वाते पुरा ण (Bथमे सी ग्य राहावाY शते zद
ईस्वा बेक) क क लु मे :हा B d हा$ते हा।> Bते (विपुतेरा) सी विभून्नी), प्रिंपुडद न आदिद क उल्लु खों मेहा क व्या) मे :भू विमेलुते हा,&
लुदि कन विवाशष ज्ञा इन्हा :पुरा $विहाते) क ब द क सीमेय मे :ज$ड़ गए अश मे नते हा।& वासी> भू , गण-भूते) क*

आदिदवा सी Bते -सीस् क0विते क$ आय पुरा पुरा मे :सीम्मिमेविलुते करान क* Bदिक्रय मेहा भू राते क व्या सी,
रा मे यण क वा ल्मे दिक, य पुरु रावा -यय विते-मेध ते -नहुष-इक्ष्वा क वाश) सी भू पुहालु क* हा।>
मेते0क) क$ स्मेराण करान औरा सीम्मे न दन   क* पुरा पुरा , तेथ यहा प्रिंचौते दिक मेते0 आत्मे ओं क$ सीवि वाध Bद न

स्पुV रूपु सी, य सीभू अवाध राण ए [पुवा - वादि>दक विसीद्धा ते हा।& जब आय Bवा विसीय) न इन विसीद्धा ते) क$ स्वा क रा दिकय , ते$ उन्हा)न स्वाय क$ मेहा श्मेश न पुरा पुरा मे :सीविम्मेविलुते करा विलुय । यहा एक औरा Bमे ण Bस्तेते कराते हा >दिक वा रा णसी क मेलु विनवा सी गरा>-आय, मेलु विनवा सी सीमेद य) द्वा रा दिकय गय थ।

वा रा णसी क$ सीदवा> एक पुविवात्र स्थ न क रूपु मे :Bस्तेते दिकय गय हा।> वा स्तेवा मे,: यहा 'पुविवात्र स्थलु) क

भू पुविवात्रतेमे

स्थ न' हा—>वाहा अवि तेमे स्थ न, जहा [अवि तेमे सी सी[लु ज सीकते हा >औरा अन ते य त्र क विलुए Bस्थ न दिकय ज सीकते हा।>

यहा [मेत्0य स्वाय आत्मे क$ धन्य औरा पुविवात्र बन दते हा।> इसीविलुए, पु विड़ते आत्मे क$ दिकसी विवाशष

ब्रा ह्मण य अन ष्ठ न य

कमेक ड क* आवाश्यकते नहाY हा$ते । मेलु विनवा सी यहा नहाY चौ हाते थ दिक वा रा णसी मे :मेत्0य क न मे पुरा ब्रा ह्मणवा द शा$षण

हा$।

इसी 'पुरालु$क ज वान' क Bविते अन ठा दवि0Vक$ण न वा रा णसी क* मे नविसीकते मे :एक विवाविशV Bभू वा

ड लु हा।> यहा रुद्रवा सी क*

पुवा - वादि>दक सीस् क0विते क* पुवि V कराते हा,> जहा [पुवा - आय विवाश्व सी) क गहारा Bभू वा थ। यदिद औरा अविधक Bमे ण) क*

आवाश्यकते हा$, ते$ वा रा णसी क* मेविहामे एक अवि तेमे मेवि t-स्थलु क रूपु मे,: औरा विवाशष अवि तेमे

हा लु [दिक विपुतेरा) क* विवास्ते0ते पुज Bण लु रुद्रवा सी क अते ते क$ दश ते हा,> जिनहा) वादिदक मेहा खों [Bते) क$, न दिक सीस क रा) क* पुरा पुरा एक

विपुतेरा) क$, अविधक सीम्मे न दिदय ज ते थ , ते$ यहा इसीक* अत्यते B चौ न पुवा - वादि>दक सीस् क0विते क$ स्थ विपुते कराते हा। औरा Bमे ण Bस्तेते कराते हा।>

वा रा णसी क ज वान मे :द$न) अवाध राण ए—[Bते (मेध्यवातेP आत्मे ए[) औरा विपुतेरा (पुवा ज)—मेहात्वापु ण स्थ न रार्खोते हा।&

वा रा णसी क* धलु उन असीख् य सीते) औरा सी ध ओ क* अविस्थय) क$ सीज $ए हुए हा,> विजन्हा)न इसीक* धध लु

गविलुय) सी हा$करा

य त्र क* औरा इसीक पुविवात्र जलु मे :स्ना न दिकय । यहा [क* आत्मे मे :आध्य वित्मेकते राचौ -बसी हा।>

- विपुतेरा (Manes) क* पुज ऋग्वादि>दक सीस् क0विते सी सीब वि धते हा।>
- Bते) (असीहाध्य आत्मे ओ) क* अवाध राण आदिदमे पुवा - वादि>दक सीमेद य सी आई हा,> विजनक विलुए वा रा णसी एक क घारा थ।

VIII

वा रा णसी मे :दिकसी भू वादि>दक दवा ते क न मे पुरा क$ई सीरा चौन नहाY बन ई गई, न हा क$ई पुविवात्र ते थस् थलु स्थ विपुते गय । वारुण, अवि , यमे, इ द्र, मे तेरिराश्व , अविश्वन क मे रा, न सीत्य य यहा [तेक दिक सी$मे तेक क$ दिकसी भू भू वितेक स्मे राक द्वा रा सीम्मे विनते नहाY दिकय गय । यदिद सीय $गवाश दिकसी वादि>दक दवा ते क अविस्तेत्वा वा रा णसी क मे नविचौत्र पुरा द ते$ उसी प्रिंलुग-रूपु मे :पुरिरावार्णिते करा पुज ज न पुड़ , जसी>— सी$मेश्व रा, शक्र श्वरा, ध्रुवा श्वरा आदिद।

क वालु रुद्र, रुद्र-गण, औरा विनविश्वंते रूपु सी दवा (भूते -सीवि गन रूपु मे): हा वा दिदव्या इक इय [थY, ज$ वा रा णसी क B रा उपु सीक) क विलुए मे यन रार्खोते थY।

वा रा णसी क एक Bविसीद्धा न मे "रुद्रवा सी" (रुद्र क विनवा सी) हा।> मेहा श्मेश न क सी थ विमेलुकरा यहा न मे वा रा णसी क* पुवा
वादि>दक सीस् क0विते क$ लुगभूग पुण रूपु सी पुरिराभू विषते कराते हा।> रुद्र क* सीहा-अविभूव्याविt भूवा न , विजसी विवाश लु ,
वित्रपुरा श्वरा , विवाश लु क्षे क न मे सी भू ज न ज ते थ , वा रा णसी क* मेख् य दवा थ ।

इन द$ Bध न दवा ते ओं—रुद्र औरा शविt—क सी थ उनक अन चौरा औरा सीरा क्षेक (गणश , भूरा>वा) भू Bवितेविष्ठते थ, औरा य सी
वा रा णसी क सीबसी पुविवात्र औरा मेहात्वापु ण ते थस् थलु) क क:द्र बन।
दिकन्ते इनक विलुए कभू भू क$ई भूव्या मेदि दरा आवाश्यक नहाY थ । वा स्तेवा मे,: य अविधकतेरा वाक्षे0) क न चौ, सीड़क चौ रा हा
जलुस्रो$ते), झीरान), पुहा विड़य) औरा ट लु) क विशर्खोरा) पुरा स्थ विपुते थ।
ब द मे :यहा स्पुV हा$ग दिक वा रा णसी क अविधक श B चौ न ते थस् थलु पुरा तेराहा सी र्खोलु औरा B क0वितेक पुरिरावाश मे :
जहा [मे नवा क* दब लु ते ए[—अहाक रा, सीत्ता , वाभू>वा य Bदशन —क$ई स्थ न नहाY रार्खोते थY।
B रा विभूक दवा ते ओं क* क$ई स्पुV मेते -रूपु आक0विते थ ? सीभू वाते} नहाY, लुगभूग नहाY। इन B क0वितेक स्थलु) क$ दिकसी भू
विवाविशV मेर्णि तेकलु , मे नवा-आक0विते, य कलु त्मेक उत्क0Vते सी नहाY सीज य गय थ । यदिद क$ई Bवितेविष्ठते रूपु थ , ते$ वा
प्रिंलुग-विशलु (आयते क रा स्ते भू-रूपु) औरा वा रा-स्वारूपु। इसीक अलु वा , नद क रूपु मे :बलु> य न ग क रूपु मे :सीपु क$ हा
जनसी ध राण क* श्रद्धा B d थ ।
मे नवा य रूपु) मे :दवा -Bवितेमे ओं क* पुहालु उपुविस्थविते शक-यग क ब द, ग ध रा कलु क* ब$विधसीत्वा आक0वितेय) क रूपु मे :

दर्खो गई।

इन यन न -शक Bभू वा वा लु कलु क0वितेय) क Bभू वा इतेन गहान, Bभू वाश लु औरा भू वान त्मेक थ दिक पुहालु सी

हा

हाड़प्पु अन भूवा) सी पुरिराविचौते भू राते य सीमे ज न इसी तेरा ते अपुन विलुय ।
क छ विवादश विवाद्धा न) न विशवा क* पुहाचौ न ड य$विनसीसी य हारा क्लु सी सी, विवाष्ण क* बहा0स्पुविते सी,

औरा सीय क* अपु$लु$ सी
ज$ड़न मे :भू सीक $चौ नहाY दिकय ।
यन न औरा रा$मेन मेख् यते} विपुते0सीत्ता त्मेक सीमे ज थ। वा दवा य शविt क$ 'मे '[क रूपु मे :पुज न मे :विवाशष

रुविचौ नहाY रार्खोते
थ। उनक विलुए ब्वी दवि वाय) क चौरामे स्वारूपु वा नसी, जन $, एफ्रो$ड इट य विमेनवा थY, ज$ मे ते0-भू वान
क बज य विवास्तु विसीते
औरा भू$ग-वावि0त्ता क* अविधक Bते क थY।

B चौ न रुद्रवा सी न इन सीमेस्ते मेर्णि तेय) औरा दवा -Bवितेमे ओं क* जरिटलुते ओं क$ दरादिकन रा करा दिदय ।

रुद्रवा सी पुरा तेराहा सी
पुवा - वादि>दक मे विलुक औरा मेलु भू ते थ । यहा पुरा पुरा प्रिंलुग-पुट्टा (शविt-स्ते भू) क सीय $ग मे :अविधक सीहाज
मेहासीसी कराते थ ।
पुहा ड़ क्षेत्र) क रुद्र-विशवा उपु सीक Bक0विते औरा उसीक विवाविभून्नी रूपु) क सीमेक्षे नतेमेस्तेक हा$ते थ। वा

'आत्मेवा द ' (Animists) सीB द य क अन य य थ । एक विशलु , क कड़, गफो , झीरान य नद उनक विलुए पुज
क रा मसीपुश रामे ज

औरा ध्य न
क क:द्र थ। विशवा क* आदिदमे Bवितेमे ए[एक ग$लु क रा चौबते रा क क:द्र मे :विस्थते शक्की क रा Bस्तेरा-विचौह्न
क रूपु मे :थY, ज$ सीविं0V
औरा सीहा रा क राहास्य) पुरा ध्य न क:दिद्रते करान क मे ध्यमे थ ।

- "एक क:द्र" (विशवा) हा$ते हा>
- "एक वात्ता0" (शवित) उसीक चौ रा) ओरा सीतेते गविते कराते हा>
- "क:द्र विस्थरा राहाते हा">, जबदिक वात्ता0 विनरा तेरा पुरिराक्रमे कराते हा>

प्रिंलुग-पुट्टा क Bते कवा द मे—:

- पुरामे ण क भू तेरा ऊज   क पुहालु स्पु दन, ज$ सीवि0V क$ विवाकविसीते कराते हा।>
- एक ठा$सी शक्ती क रा पुवाते (प्रिंलुग) ऊज   क्षेत्र (पुट्टा) क क:द्र मे :विस्थते, ज$ सीज0न औरा विवान श, अविस्तेत्वा औरा शन् पुरु ष औरा Bक0विते क राहास्यमेय सीब ध) क$ दश ते   हा।>

यहा रूपु "सीभू क राण) क क राण" (Cause of all causes) क* अवाध राण Bस्तेते कराते थ —एक 'क$विस्मेक टर्णिमेनलु', जहा [सीक रा त्मेक औरा नक रा त्मेक शवितय [विमेलुते हा।& यहा Bते क ज वान क* मेहा नतेमे पुहालु   क उत्तारा Bस्तेते कराते थ । आज भू , विनयविमेते रूपु सी, य Bते क वा रा णसी औरा सीपु ण   भू राते मे :अBत्य विशते क$न) मे :उभूराते राहाते हा,& जहा [भू ई क स्मेराण दिकय ज ते हा।> इन आध्य वित्मेक स्थलु) क$ अन क मेहार्णिषय) क* उपुविस्थविते क आश वा द B d थ ।
अन क नदिदय [औरा जलु शय, ज$ इन मेहा पुरु ष) क* तेपुस्य सी जड़   थY, आज भू उनक स्मेराण मे :ज विवाते हा,& जसी>— वावि ग तेमे, कविपुलु, कदमे , दक्षे, दवा सी , अगस्त्य, व्या सी, मे क डय , दत्ता त्र य आदिद।
वा रा णसी क विवाश लु मेदि दरा औरा भूव्या दवा लुय, ज$ आज दर्खो   ज ते हा,& सीभू वाते} गd , पु लु, सीन   औरा गहाड़वा लु श सी Bय सी) क पुरिराण मे थ। यहा ब द्धा$त्तारा श सीक) द्वा रा विनर्णिमेते सीरा चौन ओं क* नकलु मे :विनर्णिमेते हुए। यहा नवा न Bवावि0
वा रा णसी क मे विलुक विशवा-उपु सीन रूपु मे :एक नय आय मे ज$ड़न क क य करा राहा थ । वा रा णसी , मेहा श्मेश न,
रुद्रवा सी, ग रा पु ठा, आनद क ननमे, अविवामे t इन सीभू न मे) क मे ध्यमे सी नए यग मे :Bवाश करा राहा थ ।
रुद्रवा सी न आनद क ननमे क विलुए मे ग बन य , औरा आनद क ननमे न अते ते} वा रा णसी क रूपु मे :अपुन विस्थविते सीवि नविश्र करा लु ।

IX

उत्तारा भू राते मे :सीदिदय) सी सी म्र ज्य) क उत्थ न औरा पुतेन हा$ते राहा । यहा [अन क यद्धा हुए, विनपुट , औरा दिफोरा विछ्ड़—
वा रा णसी भू इसीक अपुवा द नहाY थ । लुदि कन वा रा णसी क तेपु$वान क$ B य} इन सीघा षx सी अलुग रार्खो गय । इसीक क राण रुद्रवा सी क* पुहा विड़य) मे :राहान वा लु गd , राहास्यमेय औरा उग्री स्वाभू वा क लु$ग) सी सीब वि धते कथ ए [थY, विजन्हा :भूय नक
अन ष्ठ न) औरा विवाकट आचौराण क विलुए ज न ज ते थ ।

इन लु$ग) क* अज्ञा ते औरा अBत्य विशते Bवावि0त्ताय) क क राण क$ई भू जबरान उनक क्षेत्र मे :Bवाश करान क

सी हासी नहाY कराते

थ । इसी क राण बिवास्ते रावा द क वालु वारुण नद क तेट) तेक हा सी विमेते राहा । क$ई भू इन वान) सी विघारा पुहा विड़य) मे :भू तेरा
ज न क ज$विर्खोमे नहाY उठा न चौ हाते थ ।   वा रा णसीपुन र्खो ज

इसीविलुए दिकसी क$ भू वा रा णसी क$ "घारा" बन न क विलुए B$त्सी विहाते नहाY दिकय गय , विसीवा य उन "अन ते य त्र क बघा रा य वित्रय)" क , ज$ अपुन ज वान क$ अन सीt अन भूवा औरा आनद क* B विd हाते सीमेर्णिपुते करा चौक थ।

इन्हाY Bरि राते सी धक) न वा रा णसी क$ अपुन य त्र क अवि तेमे पुड़ वा चौन । लुदि कन गहा0स्थ) क विलुए,

वा रा णसी क$ 'वार्णिजते
क्षेत्र ' मे न गय (क श र्खोड)।
वा स्तेवा मे,: जसी> दिक पुहालु उल्लु र्खो दिकय गय हा,> रुद्रवा सी मे :"घारा बन न " एक अपुविवात्र क य मे न ज ते

थ , क्य)दिक क$ई
भू गहा0स्थ काहा [क राहास्यमेय सी धक) सी टकरा वा नहाY चौ हाते थ , विजन्हा)न अन ते क लु सी अपुन आध्य वित्मक सी धन औ क
विलुए इसी उपुयt स्थ न क रूपु मे :सीरा विक्षेते रार्खो थ।

रुद्रवा सी मे :गहा0स्थ ज वान क$ र्खोतेरान क मे न ज ते थ , क्य)दिक वाहा [गण) औरा भूते) क* अविनयवि त्रते

उपुविस्थविते क क राण
आए दिदन सीघा ष भूड़क उठाते थ।
क$ई भू गहा0स्थ ऐसी अविस्थरा औरा असीरा विक्षेते स्थ न क$ अपुन विनवा सी क विलुए नहाY चौन ते , जहा

[अज्ञा ते स्वाभू वा वा लु लु$ग
राहाते हा)।
यदिद दिफोरा भू वादि>दक Bवा विसीय) न इसी 'भूय नक' स्थ न क$ उपुविनवाश बन न क Bय सी दिकय , ते$ हामे

:वादि>दक) औरा गरा>-
वादि>दक) क ब चौ विनरा तेरा सीघा षx क$ ध्य न मे :रार्खोन हा$ग।
इक्ष्वा क वाश सी लुक रा गहाड़वा लु वाश तेक क Bवा सी श सीक) न क श -वा रा णसी पुरा श सीन दिकय , जब तेक

दिक 1194 ईस्वा
मे :गहाड़वा लु) क* अवि तेमे पुरा जय मेहामेद ग़ज़न क हा थ) नहाY हा$ गई।
ब द क सीमेय मे :भू विस्थविते मे :क$ई सीध रा नहाY हुआ। ग$स्वा मे तेलु सी द सी (रा मेचौरिरातेमे नसी क

राचौवियते) न अपुन विवानय
पुवित्रक मे :वा रा णसी क ज वान क एक अत्यते नक रा त्मेक विचौत्रण दिकय। असी मे विजक तेल्वा) द्वा रा उत्पुन्नी अव्यावास्थ औरा
प्रिंहासी न लु$ग) क$ यहा [बसीन क विलुए कभू B$त्सी विहाते नहाY दिकय। क श मे :राहान हामेश ज$विर्खोमे

भूरा मे न गय। भूते -
Bते) क डरा, ब हुबविलुय), ध$र्खोब ज) औरा पु र्खोवि डय) क आतेक न इसी औरा भू चौन ते पुण बन दिदय।
इसी ब चौ, स्वाय वादि>दक सीमे ज मे :भू बड़ बदलु वा आ चौक थ। जब वा हाd-प्रिंसीध , सीरास्वाते ,

ब्राह्म वाते औरा क ष वाते क* अपुन
बविस्तेय) सी विनकलु , ते$ उनक* सी स् क0वितेक पुरा पुरा ए [यजवा दu औरा ऋग्वाद क सीमेय सी क ¹* बदलु चौक* थY। अथवावा द ब द मे :
वा रा णसीपुन र्खो ज
आय , औरा गह्या0सीत्र) क सीक लुन ब्रा ह्मण ग्रीथ) औरा आराण्यक) क ऊपुरा दिकय गय।

शते विzदय) मे :ज वान औरा ज वानशलु> बदलु गई। सीक *णते औरा रूदिढ़वा दिदते न ध रा -ध रा शवा>

सीमे वावि शते औरा स्वा क0विते
क* भू-वाह> क$ सीमे d करा दिदय। अन लु$मे Bवितेल$मे औरा विनय$ग विवावा हा) क* स्वा क0विते तेथ उनसी

सीस् क0वितेय) क ब चौ पुरास्पुरा घासी पु>ठा औरा आत्मेसी ते क* घाटन ए [बढ़ते गईं। वा रा णसी न इन्हा :दर्खो , सीहाज   औरा सीह
वा रा णसी एक श श्वते नगरा थ , हा >औरा राहाग । अथवावा द औरा यजवा दu न ध रा -ध रा क0विष, ध ते, औषविध, रा ज्य-व्या
सीन्>य-Bविशक्षेण, गहा0-विनमे ण औरा न गरिराक क न न) क$ स्वा क रा करान शरू दिकय । शद्धा ऋग्वादि>दक सीमे ज क विलुए
अते ते सी एक बड़ विवाचौलुन थ ।

इसी पुरिरावाते न क एक सी क्ष्य अथवावा द मे : इसी B थन मे : विमेलुते हा—>
"मेरा   विलुए दध , घा , शहाद, भू$जन, सी वाज विनक भू$ज, हालु ज$तेन , वाष , विवाजय, सीमेवि0द्धा, ज , चौ वालु, वितेलु,
मेसी रा, ब जरा , कदब , ते ब , सी$न , चौ द[, लु$हा , पु न , पुश, वाक्षे0, पुवाते —सीब यज्ञा क मे ध्यमे सी सी पुन्नी हा)।"

वा रा णसी क ध रा -ध रा "मेहा श्मेश न" सी "अविवामे t" क* अवास्थ मे :सीक्र मेण क वालु सीघा षx क हा नहाY, बविल्क मेहा न
सी मे विजक-सी स् क0वितेक पुरिरावाते न क सीक ते दते   हा।> रुद्र क* स्वा क0विते मेहा दवा औरा दवा -दवा क रूपु मे :इन पुरिराव
Bमे विणते कराते हा।>

आय दवि0Vक$ण मे :भू व्या पुक पुरिरावाते न आय । इसीक पुरिराण मेस्वारूपु, प्रिंहाद धमे न मेक मेहा न ध र्णिमेक सीस् थ उभूरा , ज
सीमे वाश , सीविहाष्ण औरा उद रा धमे बन गई। प्रिंहाद धमे न सीमेस्ते ध र्णिमेक ग्रीथ) औरा पुरा पुरा ओं क$ सीमे विहाते करा विलु
धमे -पुरिरावाते न, रा जन वितेक य पुरिराविस्थवितेजन्य धमे तेराण क विवारुद्धा यहा आज भू र्खोड़ हा।>

क$ई वाष्>णवा शवा> बन सीकते थ , क$ई ब द्धा ते वित्रक बन सीकते थ , औरा इसीक विवापुरा ते भू , क्य)दिक यहा व्याविtगते आस्थ
क विवाषय थ , न दिक धमे तेराण क ।
यहा क राण हा >दिक धमे तेराण क विवाचौ रा उन लु$ग) क विलुए पुरा   तेराहा अस्वा क य थ , विजन्हा)न आपुसी सीमे य$जन औरा
सीमेझी क$ ज वान क मेलु विसीद्धा ते मे न थ ।
वा रा णसी क न गरिराक) मे :हुए इसी क्रविमेक पुरिरावाते न क$ सीमेझीन हा इसी श श्वते नगरा क मेलु स्वारूपु क$ ज नन क* क ज
हा।> वा रा णसी उन B चौ न नगरा) मे :सी एक हा,> विजसीन इविवतेहा सी क सीबसी अविधक यग) क$ अपुन पुरा>) क न चौ रा द
(इसी सीद भू मे :लुर्खो क क$ स्मेराण आते हा >दिक भू राते मे :Bचौविलुते "मेल् लु -क न न)" क तेहाते दिकसी मेवि स्लुमे क पुन } धमे
मेत्0य- दड सी दड न य अपुरा ध थ । यहा क न न सीमे वाश न औरा स्वा क0विते क* भू वान क$ बढ़ वा दन   मे :पुरा   तेराहा विवाफो

10.वा रा णसी- सीम्मे$हाक नगरा

I

B चौ न रुद्रवा सी औरा आनद क नन अब अविस्तेत्वा मे :नहाY हा।& इनक स्थ न पुरा अब हामे रा पु सी क श -वा रा णसी हा।> पुरा ण) मे :वार्णिणते क श -वा रा णसी इसीसी भू अविधक B चौ न हा$न क द वा कराते हा।

> ज तेक) मे :इसीक उल्लु र्खो विमेलुते हा।>

वादि>दक स्रो$ते), जसी> दिक शतेपुथ ब्रा ह्मण (विवादघा मे धवा क* कथ औरा सीद न रा क* कथ), मे :क श क उल्लु र्खो (IV.1.10-17) विमेलुते हा।> इसीक उल्लु र्खो अथववा द क* पुप्>पुलु द श र्खो मे :भू पु य ज ते हा।>

लुदि कन सी मे न्यते} आयx न इसी स्थ न सी दरा बन ए रार्खो , क्य)दिक यहा [वादि>दक अवि क$ सीम्मे न नहाY दिदय ज ते थ ।

क श क उल्लु र्खो क श तेक*, बहा0द राण्यक, सी ख् य यन औरा ब ध यन श्र तेसीत्र , ग$पुथ ब्रा ह्मण, औरा यहा [तेक दिक पुते जविलु

क्> मेहा भू ष्य मे :भू विमेलुते हा,> लुदि कन वाहा [‘क श ’ क स्थ न पुरा ‘वा रा णवाते ’ न मे क Bय$ग दिकय गय हा। यहा हामे रा अध्ययन क विलुए अत्यते मेहात्वापु ण तेथ्य हा।> नगरा क न मे क रूपु मे :‘क श ’ औरा ‘वा रा णसी ’ क उल्लु र्खो बहुते

ब द मे :हुआ।

क्य हामे यहा नहाY दर्खो सीकते दिक ‘वा रा णवाते ’ न मे स्वाय हा इसी नगरा क अविस्तेत्वा औरा इसीक विवास्ते रा क$ वारुण नद क

दिकन रा Bमे विणते कराते हा >(औरा न दिक गग क पुविश्चंमे तेट पुरा, जसी> दिक वातेमे न मे :दिदर्खो ई दते हा)>?

इसी तेथ्य सी कई अविनवा य विनष्कष विनक लु ज सीकते हा।& वादि>दक लु$ग) न यहा [बसीन सी बचौन क* क$विशश क*, क्य)दिक यहा [क स्थ न य लु$ग अवि हा$त्र क$ B$त्सी विहाते नहाY कराते थ।

उन्हा)न पुरा तेराहा सी अवि हा$त्र क$ अस्वा क रा करा दिदय (शते. ब्रा .)।

वादि>दक) क विलुए यहा नगरा वारुण क तेट पुरा विस्थते थ औरा पुवाते) क* सी मे सी दरा थ । नगरा क विवास्ते रा औरा नगरा कराण

‘उल्लु र्खो विविक्षेपण क* औरा नअ हुआ इसीविलुए, नगरा क विलुए वारुण नद गग सी अविधक मेहात्वापु ण थ । इसी विलुए, ऐसी Bते ते

हा$ते हा >दिक ‘वा रा णस्य ’ न मे उसी नगरा क विलुए अविधक उपुयt थ , ज$ वारुण क दिकन रा बसी थ । उत्तारा पुवाते) क पुवा वा तेP विनवा सी ध रा -ध रा दविक्षण औरा पुविश्चंमे क* औरा धक लु दिदए गए।

आनद क नन य

मेन स्मे0विते मे :क श क क$ई उल्लु र्खो नहाY हा।> क्य इसीक अथ यहा हा >दिक इसी दर्खोविलुइग य दिफोरा यहा रुद्रवा सी, ज$ वान सी आच्छं दिदते थ , नवाज ते वा रा णस्य य वा रा णवाति नगरा सी बहुते कम सीब ध राखाते थ। गरा>-आयx क Bविते उपुक्ष क सीक ते हा?> क्य यहा पुवाते य आदिदवा विसीय) क Bविते श्त्रु ते क पुरिराचौ यक थ ? क्य यहा अ जसी>- जसी> नगरा क विवाक सी हुआ औरा यन न -शक सीस् क0विते क* वा स्ते कलु औरा मेर्णि तेकलु पुरा Bभू वा

वा रा णसीपुन र्खो ज

पुड़ , ध रा -ध रा मेदि दरा)

औरा मेर्णि तेपुज क दवा ते ओं क B दभू वा हुआ। B रा विभूक वा रा णस्य क मेदि दरा इन्हाY नए आवा सी य क्षेत्र) क सी थ विनर्णिमेते हुए,

औरा श यद हा कभू क:द्र य पुवाते) पुरा फो>लु । यहा सी विमेते क्षेत्र प्रिंहाद ज वान क क:द्र बन गय औरा इसी

‘अते रावाद ’ य ब द मे :

क* अपुन नगरा 'विवादहा ' क Bविते B थविमेकते औरा वा रा णस्य क Bविते उद सी नते क* शरु आते थ ? क्य यहा गण) औरा दवा)
क ब चौ लुग ते रा चौलुन वा लु सीघा ष क* जड़ थ ? विवादहा , एक आय उपुविनवाश , क श नगरा क विचौरास्थ य विवारा$ध बन
राहा ।

आयx न आनद क नन क$ वाहा [पु य , लुदि कन उन्हा :अद रा ज न क* अन मेविते नहाY थ ; उनक अवि हा$त्र यहा [जलु ए नहाY ज
सीकते थ, क्य)दिक इसीक भू रा विवारा$ध थ (K. Kh., पुष् पुदते औरा दड पु विण क* कथ ए)[।
लुदि कन इवितेहा सी क* ध रा ओं मे :Bवा विहाते हा$ते हुए, वा रा णसी विनरा तेरा विवाकविसीते हा$ते राहा औरा अते ते} एक सीपु
रूपु मे :मे न्यते B d करा लु ।

उपुलुzध अविभूलुख्रों क अन सी रा, ऐसी Bते ते हा$ते हा >दिक वा स्तेविवाक वा रा णस्य नगरा वारुण नद क तेट तेक हा सी विमेते थ
ज$ ध रा -ध रा क:द्र य पुवाते) औरा ज्ञा नवा पु तेक विवास्ते रिराते हुआ।
बद्धा न क श क उल्लु खों दिकय हा >औरा द वा दिकय हा >दिक वा कई ब रा वाहा [जन्मे थ। मेहा वा रा वा स्तेवा मे :क श -वा रा
जन्मे थ। यहा नगरा हाड़प्पु क लु सी अब तेक असी विमेते रूपु सी विवाकविसीते हुआ हा।>
आयx क$ यहा पुवाते य क्षेत्र पुहालु सी बसी हुआ विमेलु औरा उन्हा)न तेरा ते इसी सीद रा स्थलु क$ अपुन अविधक रा मे :लुन क
विनश्चंय दिकय , भूलु हा इसीक विलुए उन्हा :B चौ न, उग्री, अन य जनज वितेय) क$ विवास्थ विपुते करान पुड़। लुदि कन वा इसीमे
नहाY हा$ सीक (K. Kh.)।

यहा कथ दिक यहा नगरा विशवा क वित्रशलु पुरा रिटक हुआ थ , इसीक विनवा विसीय) क* विवाविशVते औरा उनक* आध्य वित्मेक
क$ इ विगते कराते हा।> वा स्वाय क$ 'सीरा विक्षेते' मे नते थ।
इसीविलुए, न ते$ मेहा क व्या औरा न हा पुरा ण यहा दश ते हा &दिक वा रा णसी भू ड़भू ड वा लु नगरा थ । इसीक विवापुरा ते, सीभू
उल्लु खों) मे :यहा कहा गय हा >दिक मेन्द दिकन औरा ग$द वारा क पु रा क क्षेत्र वान) सी आच्छ दिदते थ औरा झीरान) सी प्रिंसी
थ , विजसी आनद क नन कहा ज ते थ । यहा वा स्तेवा मे :एक मेनमे$हाक आश्रय स्थलु थ , जहा [सी धक श वि ते औरा एक ते मे :
विनवा सी करा सीकते थ। इसी Bमे पुवा क 'रुद्रवा सी' कहा ज ते थ , ज$ दिक नगरा य वा रा णसी सी कई शते विzदय) पुवा अविस्
थ ।

वाहा क श भू अब लुd हा$ चौक * हा।> आनद क नन क स्थ न पुरा आज हामे रा सी मेन एक पुरिरावार्णितेते, जनसीख् य सी भूरापुरा
खोंड़ हा।> दिफोरा भू , यहा हामे :क श , वा रा णसी , य बन रासी जसी> भ्र मेक न मे) क मे ध्यमे सी भ्रविमेते कराते हा।>
क छ अन्य अद्धा- ऐवितेहा विसीक सीद भू क श क* अत्यते B चौ नते क* ओरा सीक ते कराते हा।& पुरा ण) मे :एक रा ज क श (लुगभू
3000 ईसी पुवा , क रुक्षेत्र यद्धा क आध रा पुरा गणन) क उल्लु खों विमेलुते हा।> उनक पुत्र क न मे 'क विशरा ज' थ , विजनक*
पुत्र गदि दन क विवावा हा य दवा वाश क स्वाफोल्क सी हुआ। स्वाफोल्क क पुत्र अक्र रा क* मेत्0य क0ष्ण वा सीद वा क हा थ) पु

क विवारुद्धा युद्धहुई।

क श क एक अन्य व्यात् पुवित्ता-विसीद्धा व्या ख्य 'कसी' मेलु ध ते सी क* ज ते हा,> विजसीक अथ हा >Bक श। इसी Bक रा, क श
'Bक श क नगरा' कहा गय । (K. Kh., XXVIV)
हा लु [दिक, पुरा ण-कविवाय) क* य व्या ख्य ए[बवि द्धामेत्ता औरा चौते रा ई सी भूरा Bते ते हा$ते हा,& दिफोरा भू वा अविधकतेरा
व्या ख्य ए[लुगते हा।&

पुरा ण इसी Bक रा क* सी विहाविवत्यक यवि tय) सी भूरा पुड़ हा।&

ज$ भू हा$, हामे रा पु सी क श -वा रा णसी क यहा नगरा हा,> विजसीसी हामे इसीक अते ते क$ र्खो$जन औरा पुन स्थ विपुते करान
Bय सी करा सीकते हा।&

लुदि कन क्य यहा सीभू
वा हा >दिक हामे 'ब ते दिदन) क Bक श' वा पुसी लु सीक:?

हामे पुन } वा रा णसी क$ र्खो$ज सीकते हा &औरा इसीक* र्खो$ई हुई भूव्याते क$ दर्खो सीकते हा,& जसी> दिक सीग्री हा लुय) मे :राखे
कलु क0वितेय [हामे :एथसी:, पु$म्पुई , क्रो$सीसी, पुसीपुu$विलुसी, य ट न$विचौट्लु न (मेवि क्सीक$) क* र्खो$ई हुई भूव्याते क$ दर्खो
अवासीरा दते   हा।&

वा रा णसी - सीम्मे$हाक नगरा

II

हामे रा लु भू क विलुए, क. र्खो. न पुहालु हा वा रा णसी क भू- लुर्खो

क विवाभू जन करा दिदय हा।> हामे इसीसी लु भू उठा सीकते हा।&
अन दिद क लु सी वा रा णसी क* य त्र करान वा लु करा$ड़) श्रद्धा लु ते थय वित्रय) न क. र्खो. द्वा रा विनध रिराते ते थ मे गx सी लु
B d दिकय हा।>

वा रा णसी मे :ते थ स्थलु वा स्तेवा मे :वादि>दक यग क मेहा न ऋविषय) क* आध्य वित्मेक स्मे0वितेय) मे :Bवितेविष्ठते स्थ न हा।& वा
क सी मे न्य वान, सी मे न्य सीरा$वारा औरा क ए[अध -दवा> य व्याविtत्वा) क* मेहा न विवाभू वितेय) क$ स्मेराण करा ते हा,& विजन्हा
पुविवात्र पुवाते) क$ अपुन विनवा सी स्थ न बन य ।

सी ध राण भूवि मे मेहा त्मे ओं क गण) औरा बविलुद न) सी अमेरा हा$ ज ते हा।> वा रा णसी मे :अगस्त्य, कदमे , मे क ण्ड य, हारिराश्च
कविपुलु, दत्ता त्र य, ग तेमे, दवा सी   औरा कई अन्य मेहा न आत्मे ओं न अपुन छ पु छ$ड़ हा।>
लु$कविBय मे न्यते क विवापुरा ते, वा रा णसी क ते थय त्र स्थलु) औरा पुविवात्र स्थ न) क सीब ध दिकसी चौमेत्क रा दवा> य
Bकरिटय) सी नहाY हा।> पुरा ण) क* कथ ए [मे त्र कथ ए [हा &औरा उन्हा :Bते क त्मेक अथवा रूपुक भू ष क सीद भू मे :हा दर्खो   ज
चौ विहाए। अविधक श पुविवात्र स्थलु मे नवा य तेपुस्य औरा बविलुद न) सी जड़   हुए हा।& वा रा णसी मे :ऐसी कई पु वान स्थलु राहा

आज क वालु न मे हा हामे :स्मेराण करा ते हा।& अगस्त्य मेवि न क आश्रमे, एकमे त्र ध्रुवा क आश्रमे, भूरा>वा दत्ता त्र य क स्थ न, अथवा
मेहा न व्या सी क स्थलु आज भू हामे रा सीम्मेर्खो र्खोड़ हा,& जब हामे इन पु वान धवि लुकण) पुरा र्खोड़ हा$ते हा।&
आज तेक मेहा न पुण् य त्मे ओं क न मे पुरा स्मे राक बन न वा रा णसी क* एक स्वास्थ पुरा पुरा राहा हा।> इसी पुरा पुरा मे :नवा नतेमे
ज$ड़ तेलु सी द सी, अघा$रा क न रा मे, तेलु> ग स्वा मे , स्वा मे भू स्करा न द, सीते रा मेक0ष्ण पुरामेहासी , यहा [तेक दिक हामे रा हा
क* सीते मे [आनद मेय औरा राहास्यवा द अवाध ते ठा क रा सी ते रा मे ओंक रान थ हा।&

वा रा णसी मे :ते थय त्र ए[प्रिंहाद भू राते क* सीस् क0विते औरा विवारा सीते क* विनदविuशक क रूपु मे :क य कराते हा।&

हामे वा रा णसी क विवाविभून्री र्खोड) - ओंक रा, विवाश्वन थ औरा क द रा र्खोड सी पुरिराविचौते हा।&

एक अन्य विवाभू जन, ज$ श स्त्री) मे :उविल्लुविर्खोते हा,> उनक विलुए व्यावाविस्थते दिकय गय हा >ज$ Bवितेदिदन, सीमेय-सीमेय पुरा, य

वा र्णिषक रूपु सी सीबसी पुविवात्र स्थलु) क* पुरिराक्रमे करान चौ हाते हा।& य ते न खोंड इसी Bक रा हा:& (1) वा रा णसी , (2) अविवामे t, औरा (3) अते रागहा0 अथवा विवाश्वन थ। इनक उपुय$ग ते थय त्र क विलुए पुरिराक्रमे मे ग क रूपु मे :दिकय ज ते हा।>

पुचौ क्र$श पुरिराक्रमे आनद क नन क* B चौ न सी मे ओं क चौ रा) ओरा विनध रिराते क* गई हा।> इसी पु चौ[दिदन)

मे :पुरा करान क

विलुए विइज इन दिकय गय हा।> यहा पुवाते) क चौ रा) ओरा ज ते हा,> विजसीक* पुवा P सी मे गग हा।> लुदि कन

पुचौ क्र$श ते थय त्र

वा रा णसी क चौ रा) ओरा हा$ते हा,> विजसीमे :गग , अविसी औरा वारुण इसीक* सी मे ध[बन ते हा।& इसीसी पुचौ लुओं

दिदन) क* य त्र मे :पुरा क* ज ते हा,> अन्यथ सीवा रा , पु लुक* यपुणुश्लों ज ते हा।>

चौलुते हा >दिक वा रा णसी एक सीक विचौते नगरा थ , लुदि कन पुविश्चंमे औरा दविक्षेण मे :इसीक वान क्षेत्र

अविवामे t य मेध्य श्वरा पुरिराक्रमे एक दिदन मे :सीपु न्नी हा$ते हा।> यद्याविपु आजकलु यहा दलु भू हा$ गय हा,> दिफोरा भू क छ श्र

Bवितेदिदन करान क सीक ल्पु लुते हा।&

अते रागहा0 पुरिराक्रमे , हा लु [दिक, वा रा णसी क सीबसी Bवितेविष्ठते मेदि दरा) क$ सीमेट हुए हा >औरा हाज रा) श्रद्धा लुओं द्वा रा क* ज ते हा।>

मेध्य श्वरा मे :क छ Bविसीद्धा औरा मेहात्वापु ण मेदि दरा श विमेलु हा।&

अते रागहा0 क क्षेत्र , विजसी हामे अपुन वा रा णसी क* खों$ई हुई विवारा सीते क* खों$ज हाते गहारा ई सी अन्वाष ण करान वा लु

सीघान औरा अब भू ज वाते क्षेत्र हा।> इसी क्षेत्र मे :विबर्खोरा Bमे ण, यद्याविपु सीमेय-सीमेय पुरा विवान श, चौ$रा औरा Bश सीविन

अरा जकते क क राण पुहाचौ नन य$ग्य नहाY राहा गए हा,& दिफोरा भू अत्यविधक मेहात्वापु ण हा।& यहा क्षेत्र सीचौ न ओं क भूड

हामे रा खों$ज क विलुए अत्यते लु भूक रा विसीद्धा हा$ग ।

यहा क्षेत्र (अते रागहा0-मेध्य श्वरा) खों$ई हुई वा रा णसी क हृदयस्थलु हा।> इसी खों$जकरा, हामे वा रा णसी क$ पुन } खों$ज लुग:

सीमेझी सीक:ग ।

इसी क्षेत्र क एक नक्श क आध रा पुरा अन्वाष ण स्पुV रूपु सी यहा Bमे विणते करा ग दिक रुद्रवा सी क विवास्ते रा हुआ औरा इसीन

'हृदयस्थलु' - अते रागहा0 क$ Bभू विवाते दिकय , ज$ मेलु रूपु सी रुद्र) क आध रा थ , औरा जहा [सी उन्हा :विवास्थ विपुते करा दिदय

गय तेथ पुविश्चंमे औरा दविक्षेण क* दलुदलु भूवि मे क दिकन रा) तेक सी विमेते करा दिदय गय ।

यहा कहान मे :सीक $चौ नहाY हा$न चौ विहाए दिक वा रा णसी क क$ई अन्य क्षेत्र इसीसी अविधक विवान शक रा पुरिरावाते न सी

गज रा । पुरा न वा रा णसी क$ उन लु$ग) क* अदरा दर्णिशते न पुरिरावार्णितेते करा दिदय , विजन्हा)न अपुन सीमेय क* घाटन ओं पुरा

श सीन दिकय । दिफोरा भू यहा क्षेत्र पुज रिराय), ग इड) औरा उन दलु लु) द्वा रा क:द्र मे :रार्खो गय हा,> ज$ व्या वासी वियक Bवितेष

औरा भू$जन लुय) क आसीपु सी मेड रा ते हा,& विजसीसी यहा तेथ कविथते वा रा णसी पुयट न क क:द्र बन गय हा।>

III

क$ई भू विनद ष य त्र , श्रद्धा लु य दशक यहा सीद हा नहाY करा ग दिक वा रा णसी क* य त्र क द रा न, पुश वा रा ग इड) क* बद लुते, उन्हा :असीलु अन ज क स्थ न पुरा भूसी , सी$न क स्थ न पुरा सीस्ते ध ते, औरा असीलु रात्न) क बदलु क0वित्रमे आभूष ण बचौ ज सीकते हा।& Bचौविलुते ग इड, ज$ न ते$ इवितेहा सी क* पुरावा हा कराते हा &औरा न हा सीट कते क*, आमेते रा पुरा वा स्तेविवाक

विजज्ञा सी क$ गमे रा हा करा दते हा।& दिफोरा भू , वा रा णसी -य त्र क सीबसी विवाश्वसीन य सीरा क्षेक चौयविनते पुवि डते-ग इड य पुरा $विहाते- ग इड हा$ते हा।& इन्हा :अत्यविधक सी वाध न सी चौन न आवाश्यक हा।>

नक्श पुरा एक अच्छ नज़रा ड लुन सी स्पुV हा$ग दिक रुद्रवा सी अते रागहा0 क क:द्र सी बहुते आग तेक फो>लु हुआ

थ औरा इसी पुरा

तेराहा घारा बिलुय थ । मेलु रूपु सी, रुद्र इसी क्षेत्र मे :विनवा सी कराते थ। लुदि कन उन्हा :विवास्थ विपुते करा दिदय
गय औरा वा बिदे मे :

दलुदलु भूवि मे औरा सीमेतेलु क्षेत्र) तेक सी विमेते राहा गए। इसी क्षेत्र मे :B चौ न आवा सी) क क$ई अवाश ष शष

नहाY हा।> आमे ध राण क विवापुरा ते, सीबसी बड़ नक सी न मेदि दरा) क विवान श

सी नहाY हुआ, क्य)दिक य वासी> भू गd यग क ब द विनर्णिमेते हुए थ। बविल्क, सीबसी गभू रा क्षेविते
वा रा णसी क एविवतेहा विसीक स्थलु),

उसीक* नदिदय), सीरा$वारा), झी लु) औरा विवाशष रूपु सी Bविसीद्धा घा रिटय) क$ पुरा तेराहा सी मे नविचौत्र सी

हाट दन सी हुई। य मेदि दरा)

सी भू पुहालु अविस्तेत्वा मे :थ, क्य)दिक दिकसी भू मेदि दरा क विनमे ण पुहालु शते zद ईस्वा सी पुहालु नहाY
हुआ थ ।

वा रा णसी क$ इसी तेराहा सी नV करान क क य दिकसीन दिकय ? इसी बबरा ते क विलुए क न उत्तारादय थ?

इसी Bश्न क उत्तारा

हामे रा अध्ययन क विलुए अत्यते मेहात्वापु ण हा।>

वा रा णसी क$ अभू भू पुरा तेराहा सी र्खो$ज ज न ब क* हा।>

अविधक श ते लु ब औरा जलु शय, अविधक श नदिदय [सीदिदय) क* विवान श औरा उपु क्षे क* पुराते) क न चौ दब

हुई हा।& सीरा$वारा

औरा झी लु:, ज$ B क0विवेक औरा मे सीमे वाष जलु सी भूराते थY, अब सीर्खो चौक * हा,& क्य)दिक उन्हा
:विनयविमेत रूपु सी पुन } भूरान

क अवासीरा नहाY विमेलु ।

पुण विवान श क ब वाजद , विवाविभून्नी सीक तेक अब भू श$धकते ओं क$ उन श स्त्री य स्थलु) क पुते लुग न मे

:सीहा यते कराते हा,&

विजनक उल्लु र्खो B चौ न ग्रीथ) मे :दिकय गय हा।>

अत्यविधक मेहात्वा क स्मे राक अभू भू र्खो$ज ज सीकते हा।& लुदि कन बहुते कमे लु$ग उनक अविस्तेत्वा क$ सीमेझीते

हा।& वा र्खो$ए हुए

स्मे राक, मेदि दरा औरा झी लु:, विजन्हा :गभू रा रूपु सी Bभू विवाते दिकय गय हा,> आमेते रा पुरा पुयट न स्थलु) क*
सीचौ मे :श विमेलु नहाY

वा रा णसी क ...

ज ते हा।> मेदि दरा) क भू तेरा विछपु अनविगनते दवा -दवा ते , ज$ सीक रा गविलुय) औरा करिठान पुहुचौ[वा लु
हा।& B चौ न वा रा णसी

स्थ न) मे :विस्थते हा,& तेब तेक उन ग्रा नहाY हा$ते जब तेक दिक क$ई आग्रीहा य त्र दृढ0ते सी उनक* मे ग[न
इन गविलुय) क भू तेरा ज अपुन अवि तेमे सी सी :विगन राहा हा,> मे$क्रा य$स्य सीडक) सी दरा ।
करा । ध र्णिमेक विनवा सी , हा लु दिक, इन स्थ न) क$ ज नते हा &औरा विबन दिकसी गहारा विवाद्राते क* र्खो$ज मे
वाहा सीमेय अविधक दरा नहाY जब य अल्पु Bम ण भू धलु मे :विवालु न हा$ ज एग[; जब अन्य सीरा चौन ए [अते ते
:वाहा [ज ते हा।& वा रा णसी क$ पुरा तेराहा सी ज न पु न असीभू वा हा।>

क$ पुरा तेराहा सी

दुष्पोन करा दस: । वा रा णसी मेते0 हा$ चौक * हा।> यहा तेक दिक इसीक* रा र्खो भू अन विचौते शहारा Bश सीन
द्वा रा विमेट ई ज राहा हा।> वा रा णसी पुर्खो ज

(गड़ु,रा भूरा, मे नसीरा$वारा, ईशरागय जसी> क्षेत्र) क पुतेन इसीक उद हाराण हा।>)

IV

असीख् य मेदि दरा) क* य त्र करान अत्यते उब ऊ हा$ सीकते हा।> एक हा Bक रा क* विभूक्षे क), सी ध ओं, सी ड़[), गद औरा भू ड़भू वा लु रा स्ते), धमे क न मे पुरा ठागन वा लु), अन>वितेक दलु लु), चौ लु क ग इड) औरा एक ते ब क विसीक्की क विलुए लुलु वियते भू चौहा रा) क ब चौ भूटकन हारा दिकसी क विलुए रुविचौकरा नहाY हा$ते। य सीभू अपुन -अपुन तेरा क) सी एक श्रद्धा लु क* सीरालु पुरा ज वान य पुन कराते हा।&

ज$ लु$ग गहारा ज नक रा चौ हाते हा,& वा अते ते} यहा पु ते हा &दिक स्वाय ग इड क$ भू क छ ज्ञा ते नहाY। अते ते}, ऐसी य त्र विवाद्वा न) औरा विजज्ञा सीओं द$न) क$ सीमे न रूपु सी विनरा श औरा श यद विर्खोन्नी भू करा दते हा।>
वा स्तेवा मे,: ऐसी हा$न आवाश्यक नहाY थ। वा रा णसी हामेश सी एक अत्यते रा$चौक औरा लु भूक रा स्थ न राहा हा।> वा रा ण क आ तेरिराक आत्मे हामेश सी श वि ते मे :विस्थते राहा हा।>
शते विzदय) पुहालु, यहा क वालु सीते) औरा सी ध ओं सी भूरा न रासी मेदि दरा) क हा नगरा नहाY थ, बविल्क श ते वान, ठा ड ज सीरा म्य वा ते वाराण औरा सीबसी बढ़करा सीते) क* श वि ते-यt सीग विते न मेन ष्य) क$ वाक्षे0) सी विघारा उसी रामेण य वा रा ण ओरा आकर्णिषते दिकय थ।

वाहा वा रा णसी कहा [लुd हा$ गई? वाहा कहा [चौलु गई?

V

हामे :यहा कभू नहाY भूलु न चौ विहाए दिक ज$ स्थ न अब 'मेदि दरा)' क रूपु मे :Bविसीद्धा हा,& वा मे त्र व्याविtगते य सी मेद वियक अहाक रा, वाभू>वा, शविt औरा न मे क* स्थ वियत्वा क* मे नवा य दब लु ते क विवास्ते रा मे त्र हा।&

पुविवात्र स्थलु) क चौ रा) ओरा द वा रा: र्खोड़ कराक औरा क छ लु$ग) क$ उनक भू तेरा Bवाश सी वावि चौते कराक, सीत्ता मे :बठा रुद्रवा सी क मेt औरा र्खोलु सीमे ज क$ बन ए रार्खोन मे :क$ई सीहा यते नहाY करा राहा हा।&
B चौ न वा रा णसी एक स्वातेत्र स्थ न थ, ज$ दिकसी क विलुए भू र्खोलु थ, विबन दिकसी Bवितेबध, अवारा$ध य अविधक रा क

आज ज$ मेदि दरा हामे दर्खो ते हा,& वा ब द क* क0वितेय [हा,& विजन्हा :रा ज ओं, सीम्र ट), पुज रिराय), विवाविध-विनमे ते ओं औरा व्या पु रिराय) न अपुन स्वा थ क विलुए बन य हा।> औरा यहा सीब धमे क न मे पुरा हुआ।

हामेन दर्खोहा >दिक मेदि दरा-सीस् क0विते वा रा णसी क* मेलु सीस् क0विते नहाY थ, जसी> दिक बब लु$न, उरा, पुसीपुu$विलुसी, लुक्सीरा, एथसी:, क्नो$सीसी औरा न नवा मे :थ।
वाद) मे :मेदि दरा) क क$ई उल्लु र्खो नहाY विमेलुते। न हा रा मे यण औरा मेहा भू राते मे :मेदि दरा) क क$ई वाणन हा।> हामे दिकसी मेदि दरा क ब रा मे :यन विनय), शक), ग ध रा) औरा विवाशष रूपु सी सीम्र ट कविनष्क सी पुहालु नहाY सीन ते, ज$ स्वाय एक श सीक थ।

ईसी ई यग सी पुहालु B यद्वा पु य भू राते मे :क$ई मेदि दरा औरा न हा क$ई नक्की श द रा मेर्णि तेय [थY। ज तेक कथ ओं औरा मेहा क व्या) क अध्ययनकते अक्सीरा चौत्>य, स्ते पु, विवाहा रा, वा पु (ते लु ब), ते थ, क ड (जलु शय) औरा क पु (क ए[) पु ते हा;&
लुदि कन वा न ते$ नक्की श द रा मेर्णि तेय) क ब रा मे :सीन ते हा &औरा न हा पुत्थरा सी बन मेदि दरा) क ब रा मे,: जब तेक दिक फ औरा ह्वान सी ग न उनक उल्लु र्खो नहाY दिकय।

मेदि दरा मे ते क* उपु सीन करान वा लु) य विशवाप्रिंलुग क* पुज   करान वा लु) क विलुए अज्ञा ते थ। यहा हामे :एक

नई दिदश मे :सी$चौन औरा एक नई य त्र शरू करान क विलुए Bरि राते कराते हा।> हामे रा उद्दी श्य B चौ न

वा रा णसी क* र्खो$ज हा।> इसी उद्दी श्य क$ B d करान क विलुए, हामे उसी वा रा णसी क सीभू विवाते

पुल: र्णिनमे ण औरा पुन बा सी क Bय सी करा:ग , ज$ भू राते क* ग रावाश लु धरा$हारा थ । वाहा वा रा णसी
सीमिद्धा0 पुवा P सीभ्कते क क:द्र

थ । इसीक Bविसीद्धा तेपु$वान), मेदि दरा) औरा ब ज रा) मे :रा जक मे रा, पुज रा , सीन् य सी , तेपुस्वा , विवाद्वा न,

कविवा, द शवि नक औरा
सीग तेज्ञा आकर्णिषते हा$ते थ।
वा रा णसी क क न सी ज द सीते) औरा विवाद्वा न) क$ आकर्णिषते कराते थ ? वाध मे न मेहा वा रा, ग तेमे बद्धा ,

शक रा चौ य,

वाल्लभ चौ य, कब रा, रा मे न द, ग$रार्खोन थ, रा मेक0ष्ण, दय न द औरा यहा [तेक दिक मे [आनद मेय भू
वा रा णसी क* औरा क्य)

आकर्णिषते हुए? भू राते क सीवाश्र छ औरा मेहा नतेमे लु$ग हामेश   वा रा णसी मे :राहान क विलुए उत्सीक राहा।

यहा विचौरा तेन ते थय त्र ,

ज$ बाहा ड य र्खो$ज क* ओरा Bरि राते कराते हा,> आज भू कई राहास्य) क$ उज गरा करा सीकते हा >ज$ हामे
:चौदिकते करा द।:

B चौ न वा रा णसी औरा गग   थ ; औरा आज भू वा रा णसी औरा गग   हा।& मेदि दरा औरा उनक* सीज वाट ब द मे

:आई, बहुते ब द
सी वाध न पु वाक्षरा रार्खो:ग।
मे।:

हामे मेदि दरा) क* क लु-रा र्खो क$ पु रा कराक उसी र्खो$ई हुई वा रा णसी क$ पुन } र्खो$जन क इच्छ क हा,& जहा

[प्रिंलुगमे, वान, ते लु ब,
ज्ञी लु:, नदिदय [औरा क ए[थ।
इसी सीद भू मे,: हामे प्रिंहाद धमे क आध्य वित्मेक तेत्वा) य मेदि दरा) औरा पुज रिराय) क* पुविवात्रते पुरा दिकसी

भू चौचौ सी र्खोद क$

11.पुरिरावार्णितेते हा$ते नगरा

I

यहा उल्लु र्खो दिकय गय हा >दिक वा रा णसी क$ ते न र्खोड) मे :विवाभू विजते दिकय गय थ : विवाश्वश्व रार्खोड , ओंक रार्खोड औरा
क द रार्खोड । हामे रा पु सी इसी सीपु ण   पुविवात्र नगरा क भू- भू ग क* एक स्पुV ध राण हा,> विजसीमे :ओंक रार्खोड क$ सीबसी मेह
क्षेत्र मे न गय हा।> इसी क्षेत्र क चौ रा) ओरा सीबसी Bमेर्खो पुविवात्र मेदि दरा औरा सीबसी Bवितेविष्ठते घा ट विस्थते थ।

वा रा णसी क शष भू ग, ज$ पुहा विड़य) सी पुरा थ (अथ ते वातेमे न बग लु ट$लु गलु क पुविश्चंमे मे,: चौते गज औरा जगतेगज
मे गx क पु रा, क द रा औरा हारिराश्चं द्र घा ट सी लुक रा र्खो$जवा औरा ज .ट . रा$ड तेक), वा स्तेवा मे :पुचौ क्र$श मे ग क चौ रा) ओ
फो>लु हुआ थ औरा विवाश लु वान क्षेत्र) सी ढंक हुआ थ । यहा -[वाहा [इसी क्षेत्र मे :कई जलु शय विस्थते थ, विजन्हा :क ड, ते लु ब,
रा वाते क ड, वाण क ड (बवि नय ते लु ब), लुहारिराय ते लु ब,
ईश्वरागग ते लु ब, विपुश चौमे$चौनते लु ब, विमेविसीरा पु$र्खोरा , लुक्ष्मे क ड आदिद। इनमे: सी क छ 300-400 एकड़ तेक फो>लु हुए
मेद दिकन झी लु एक वा ग मे लु सी अविधक क्षेत्र मे :विवास्ते0ते थ , औरा मेत्स्य$दरा झी लु क सी थ विमेलुकरा औरा भू अविधक। छ
पु$र्खोरा य पुष् कराण क न मे सी ज न ज ते थ , जसी>
जलु शय) क* सीख् य बहुते अविधक थ ।

दभू   ग्य सी, इनमे: सी अविधक श जलु शय अब मेते0B य हा,& जसी> विमेविसीरा पु$र्खोरा । शहारा कराण क विवास्ते रा एक ऐसी
सीब क छ विनगलु ज ते हा >औरा पु छ क$ई विनश न नहाY छ$ड़ते । रा वाते पुष् कराण (रा उरा ते लु ब), विमेविसीरा पु$र्खोरा य मे
मेद दिकन ते लु ब क अब क$ई अविस्तेत्वा नहाY बचौ हा।>

इतेन अविधक जलु शय) क* उपुविस्थविते इसी नगरा क* भू- सीरा चौन क* द$ Bमेर्खो

विवाशष ते ओं क$ दश ते   हा।> पुहालु , भूवि मे क*
ढंलु न पुवा   सी पुविश्चंमे क* ओरा थ ; औरा दसी रा , वा स्तेविवाक वान क्षेत्र अपुक्षे क0ते विवारालु बसी हुआ थ , य दिफोरा वाहा [स्थ
लु$ग राहाते थ ज$ आयx क* पुहुचौ[सी दरा राहान पुसीद कराते थ। इसी क्षेत्र क* एक अन्य विवाशष ते इसीक* असी विमेते हारिरा
थ । आधवि नक वा रा णसी क अविधक श भू ग कभू घान वान) सी ढंक हुए थ।
ब सीवाY शते zद क B रा विभूक दशक) (1920-1930) तेक सीक टमे$चौन, भूरा>वान थ, औरा शक रा मेठा जसी> क्षेत्र वानस्पुवितेय)
आच्छ दिदते थ औरा यहा [सीन् य विसीय) क क ट रा विस्थते थ। अब इसी क्षेत्र क 'विवाक सी' करा दिदय गय हा।>
हा लु [दिक, ओंक रार्खोड क* विस्थविते विभून्नी थ , अथ ते यहा भूवि मे वारुण नद क द$न) दिकन रा) सी लुग हुई थ , विवाशष रूपु
इसीक दविक्षेण तेट पुरा, मेद दिकन ते लु ब औरा मेत्स्य$दरा तेक फो>लु हुई थ ।
वा रा णवाते , वा रा णस्य य वा रा णसी इसी क्षेत्र मे :विस्थते थ । ब द मे :प्रिंलुग पुरा ण मे :विशवा मे ते पु वाते   सी कहाते हा &दिक
वा रा णसी अविसी औरा वारुण क ब चौ विस्थते हा।> प्रिंलुग पुरा ण क* यहा व्या ख्य मेहात्वापु ण हा।> अविसी औरा वारुण क ब चौ
आनद क नन थ , ज$ विशवा, भूरा>वा औरा पु श पुते सीB द य क सीते) क विBय आश्रय स्थलु थ । इसीविलुए, वा स्तेवा मे :यहा क्षेत्र वि
क विBय विनवा सी थ , न दिक क वालु वारुण नद क सी मेन बसी हुआ नगरा।
स्क द पुरा ण औरा विवाशष रूपु सी प्रिंलुग पुरा ण 'मेध्य श्वरा' न मे क$ विवाशष मेहात्वा दते   हा,& जहा ['मेध्य' क अथ 'ब चौ' हा।>

दवा ते सीभूते} नगरा क 'मेध्य' मे :राक्षेक क रूपु मे :क य कराते थ ।

इसीविलुए, वा रा णस्य नगरा क Bमेर्खो भू ग थ ; आनद क नन अविसी औरा वारुण क ब चौ विस्थते विशवा क विनवा सी थ ; औरा इन
द$न) क मेध्य मेध्य श्वरा विस्थते थ । (मेत्स्य$दरा क अथ भू मेछलु क आक रा क मेध्य भू ग सी जड़ हा।>)
इसी मे न्यते क अन सी रा, क0वितेवा सी Bमेर्खो दवा ते थ, औरा क0वितेवा सीश्व रा (आधवि नक आलुमेग रा
मेविस्जद, औसी नगज क पु सी)
सी B रा भू ग्र$करा, वा स्तेविवाक वा रा णवाते य वा रा णसी क्षेत्र क छ मे लु) तेक फो>लु थ , विजसीमे :मेध्य श्वरा क:द्र मे :विस्थते थ।
लुदि कन इन सीभू ब ते) क ब वाजद , पुहा विड़य [औरा दविक्षेण क* ओरा फो>लु वान विशवा क विBय स्थ न बन
राहा (प्रिंलुग पुरा ण)। मे$ते चौद्र अपुन पुस् तेक मे :विलुर्खोते हा &दिक यहा य द रार्खोन बवि द्धामे न हा$ग दिक
वारुण क उत्तारा तेट पुरा भू नगरा क विवास्ते रा अक्सीरा नगरा क लु$ग)
कई मे लु) तेक फो>लु हुआ थ । यदिद इसी तेथ्य क$ स्वा क रा दिकय ज ए, ते$ पुरा ण) मे :वार्णिणते नगरा क* सी मे ए[अविधक
यथ थपु राक Bते ते हा$ते हा।&
वारुण क उत्तारा तेट पुरा नगरा क* उपुविस्थविते सी रान थ क* विस्थविते सी भू स्पुV हा$ते हा,> जहा [सी बद्धा क$ उपुदश दन आते थ।
आज भू , वा रा णसी औरा ग ज पुरा क ब चौ क मे ग पुरा कई छ$ट नगरा औरा ग वा[विमेलुते हा,& ज$ हामे :यहा
य द दिदलु ते हा &दिक
B चौ न क लु मे :यहा [सीपु न्नी व्या पु रा हुआ कराते थ , विजसीन वा रा णसी क$ 'विजतेवा रा ' (जहा [व्या पु रा सीदवा> लु भू कम ते हा)>
न मे Bद न दिकय थ (अV ध्य य 4.3.72)।
ज तेक) मे :भू यहा सीक ते विमेलुते हा >दिक नगरा क विवास्ते रा वारुण क द$न) दिकन रा) तेक थ । कई स्थ न) करान क Bय सी करा:ग।
इसीक विलुए हामे :क छ मे नविसीक अन श सीन अपुन न हा$ग औरा वातेमे न नगरा क स्वारूपु क$ पुरा तेराहा सी जसी> सीद>पुरा, क>थ ,
पु$ह्लु, औरा ब्रान>राते क अविस्तेत्वा आज भू उन सीमेद्धा0 बविस्तेय) क* य द दिदलु ते हा,> ज$ मेग0द वा, अंवुतेुअल्युन, सी क ण्ड य औरा
विमेट न हा$ग। क चौ विस्थते थY। इनमे: सी वान>राते पुरा ते वित्वाक मेहात्वा रार्खोते हा,> क्य)दिक यहा [सी B d
हामे इसी क य क$ वातेमे न उपुलुzध स्थलु) औरा सीक ते) क आध रा पुरा करा:ग । सीबसी B चौ न उपुलुzध अवाश ष वा रा णसी क उत्तारा
तेट क पुरा विवास्ते रा क$ Bमे बिणते कराते हा।&
अविभूलुर्खो) मे :वा रा णसी क$ ते न Bमेर्खो पुहा विड़य) (विशवा क वित्रशलु) क चौ रा) ओरा विनर्णिमेते नगरा क
अब हामे पुरा ण) मे :वार्णिणते इसी पुवित्रात्र नगरा क भू-भू ग क पुन र्णितमे ण
सी पुहाचौ न मे : ेपु य गय हा।> आधवि नक नगरा-विनमे ण क* भू रा विधान शलु लु क क राण अब य पुहा विड़य [स्पुV रूपु
नहाY आतेY। लुदि कन यहा तेथ्य बन हुआ हा >दिक B चौ न वा रा णसी वा स्तेवा मे :इन्हाY ते न पुहा विड़य) क
चौ रा) ओरा विस्थते थ ।
इन पुहा विड़य) क अवाश ष, ज$ अब भू अपुन अविस्तेत्वा क* कहा न कहाते हा,& पुवा क* ओरा नद , पुविश्चंमे क*
ओरा ढंलु न) औरा
घा रिटय) सी विमेलुते हुए दलुदलु भूवि मे औरा जग लु) तेक फो>लु हुए हा।&
इन स्थलु) क सीक्ष् मे अध्ययन एक औरा मेहात्वापु ण पुहालु क$ उज गरा कराते हा।>
वा रा णसीपुन र्खो ज
B चौ न वा रा णसी क* र्खो$ई हुई नदिदय) औरा ते लु ब) क पुते भू इन पुवाते य सीरा चौन ओं क मे ध्यमे सी लुग य

ज सीकते
हा।> इसी Bक रा, ज$ अब अविस्तेत्वा मे :नहाY हा,> उसी विवाद्यामे न सीक ते) क* सीहा यते सी पुन } स्थ विपुते दिकय ज सीकते हा।>

इसी Bक रा, वा रा णसी क$ पुन } र्खो$जन क हामे रा ,Bर्खो$ईम्हुई पुहा विड़य)' क य विचौहन्न लिए ऐत्यते मेल् यवा न विसीद्धा हा)ग और हामे :मेहात्वापु ण दिदश विनदशu Bद न करा:ग ।

पुरिरावार्णितेते हा$ते नगरा

II

सी मे न्य रूपु सी, पुहालु वार्णिणते B चौ न ते न विवाभू जन, ते न पुहा विड़य) औरा उनक विवास्ते रा क$ स्पुV

कराते हा।&

इनमे: सी सीबसी मेहात्वापु ण क:द्र य पुहा ड़ हा,> ज$ अब वित्रलु$चौन सी दश श्वमेध तेक क क्षेत्र क$ (पुवा क*

ओरा) औरा कब राचौ रा

सी ग$द विलुम तेक (रा ज दरावा ज , चौते गज औरा बवि नय सीविहाते पुविश्वंमे क* ओरा) कवारा कराते हा।> यहा
क्षेत्र वा रा णसी क
सीवा च्ची स्थलु क$ दश ते हा >औरा इसीमे :चौ क भू श विमेलु हा।>

इसी पुहा ड़ क वा रा णसी मे :य$गद न द$ ध रा ओं क रूपु मे :विमेलुते हा।> इनमे: सी एक दविक्षेण क* ओरा बहाते

थ औरा विमेविसीरा

पु$र्खोरा क* दलुदलु भूवि मे सी विनकलुन वा लु ध रा सी विमेलुते थ । दिफोरा यहा पुवा क* ओरा मेड़ ते थ औरा
म$द वारा जलुमे ग
क$ पु$विषते कराते थ , ज$ Bय ग घा ट पुरा गग सी विमेलुते थ । दसी रा ध रा , विजसी अब भू बलु न लु

(न लु -ध रा) क न मे सी ज न ज ते हा,> मेद दिकन सीरा$वारा मे :Bवा विहाते हा$ते थ । य

द$नु) ध रा ए [वान च्छ दिदते घा रिटय) सी हा$करा बहाते थY, जहा [कभू -कभू आश्रमेवा विसीय) क क ट रा बसी
हा$ते थ।
आधवि नक वा रा णसी क* सीबसी व्यास्तेतेमे सीड़क क दिकन रा विस्थते दक न) क* कते रा: अब इसी पुहा ड़ ,

जलुध रा ओं, मेदि दरा)
औरा वान) क अविस्तेत्वा क* क$ई य द नहाY दिदलु तेY।
इन जलु शय) औरा आसीपु सी क मेदि दरा) क मे न सी क्षे क रूपु मे :आज भू एक मेध्यमे आक रा क ते लु ब, दवा

मेदि दरा औरा
रा मे मेदि दरा विवाद्यामे न हा।&
आधवि नक स्वारूपु मे :यहा क्षेत्र य ते य ते क* अव्यावास्थ औरा भ्रमे उत्पुन्नी कराते हा।> इसीक क राण यहा हा >दिक

यहा मेहात्वापु ण
क्षेत्र कभू आनद क नन क विशर्खोरा हुआ कराते थ औरा इसीविलुए यहा B चौ न क लु मे :ऋविषय) औरा मेवि नय) क
विलुए सीबसी
विBय स्थ न थ । उन दिदन) यहा [वा विणज्य क क$ई अविस्तेत्वा नहाY थ । क$ई भू शत्र इसी आक्रमेण य kzज क

लुक्ष्य नहाY
बन ते थ , जब तेक दिक इसीक श ष पुरा क$ई मेदि दरा न बन य गय हा$।
क लु तेरा मे,: यहा क्षेत्र सीहा यक मेदि दरा), पुज स्थलु), मेठा) औरा आश्रमे) क एक विवाश लु क:द्र बन गय । यहा

[सीते , विवाद्वा न,
ऋविष, सी थ हा मेदि दरा सीवा क औरा पुज रा विनवा सी कराते थ।

जहा [ते थय त्र हा$ते हा,& वाहाY व्या पु रा पुनपुते हा> औरा जहा [व्या पु रा हा$ते हा,> वाहा [भू ड़ उमेड़ते हा।>

विवान श क* अन क घाटन ओं औरा उसीक पुरिराण मेस्वारूपु आए पुरिरावाते न) क ब वाजद , इसी क्षेत्र क*

लु$कविBयते कभू कमे नहाY

वा रा णसी क Bविसीद्धा सीग तेक रा, ग यक, नते क औरा कलु क रा मेदि दरा चौ क क आसीपु सी विनवा सी कराते थ।

ह्मा$ते रा [illegible] ज कि भूव सा श्री मे विसी दिरा क$ ध्वविस्थेलुद्धिक्रिया गय , तेब इसीक पुन र्णिनमे ण
सीत्ता कमेज$रा पुड़ , ते$ उत्सी हा भूt) न इसी क्षेत्र क$ पुन } खोंड़ करान क Bय सी दिकय । यहा [हामेश   धन उपुलुzध राहा ।
विवान श क अते नहाY थ , औरा पुन र्णिनमे ण क भू क$ई अते नहाY थ । ध र्णिमेक उत्सी हा न अक्सीरा तेलुवा रा क विर्खोलु फो आ
पु ड़ क विर्खोलु फो सीमेपुण , स्मे0विते क विर्खोलु फो आश क$ Bवितेस्थ विपुते दिकय ।
यहा [एक मेहात्वापु ण अवालु$कन दिकय ज सीकते हा।> भू राते मे :(सी रा ष्ट्र क सी$मेन थ क$ छ$ड़करा) क$ई अन्य नगरा वा रा णर
जसी> ब रा-ब रा कट्टारापुवि थय) क हामेलु) क विशक रा नहाY हुआ। अन क विवाध्वासी) क ब द, विवाश्वन थ मेदि दरा ब रा-ब रा पु
हुआ।

पुरा ते Bश्न यहा उठाते हा >दिक क0वितेवा सी, अविवामे t, ओंक रा, क लु श्वरा औरा मेध्य श्वरा जसी> Bविसीद्धा मेदि दरा, विजनक* पु
विवाश्वन थ सी अविधक Bशसी   क* गई हा,> कभू पुन र्णिनर्णिमेते क्य) नहाY दिकए गए? औरा विवाश्वन थ मेदि दरा क$ इतेन अविधव
क>सी विमेलु ?

हामे :ज्ञा ते हा >दिक पुहा विड़य ,[ज$ नगरा-आध रिराते मेदि दरा) सी विभून्नी थY, ते न विवाशष ते ओं सी पुरिरापुण   थY: (1) वा ऋ
आश्रय स्थलु थY, (2) वाहा [गण) औरा रुद्र) क विनवा सी थ , (3) वा घान वान) सी आच्छ दिदते थY।
पुहा ड़ क श ष पुरा विस्थते विशवाप्रिंलुग एक स्वायभू   प्रिंलुग थ (पुवा - आय क लु न विचौविह्नते पुज स्थलु, विजसी श स्त्री) क अन
'Bवितेविष्ठते' नहाY मे न ज ते थ) औरा यहा मेलु विनवा विसीय) द्वा रा पुवि जते थ ।
वा स्तेवा मे,: 'सीच्ची' ब्रा ह्मण इसी 'भूरा>वा' दवा ते क Bसी द क$ ग्रीहाण करान सी विहाचौकते थ। भूt) क$ 'ज विते-विवाहा न' मे न
थ औरा वा 'वादि>दक अवि ' क$ बन ए रार्खोन क अविधक रा सी वावि चौते थ (शतेपुथ ब्रा ह्मण)।
इसीविलुए, जब पुहा विड़य) पुरा विस्थते मेदि दरा औरा पुज स्थलु नV दिकए गए, ते$ गण, रुद्र औरा भूरा>वा क भूt) न श घ्र हा पुन }
इकट्ठा हा$करा अपुन B थन ए[ज रा रार्खोY।
वा विनधन थ औरा श स्त्री य ब ध ओं सी मेt थ, इसीविलुए भूरा>वा-विवाश्वन थ क* आत्मे कभू नV नहाY हुई। जब सीपु न्नी नगरा-
मेदि दरा उपु विक्षेते हा$ गए, जब नगरा क धनवा न लु$ग असीफोलु हा$ गए, तेब भू वानवा सी अपुन आरा ध्य क$ बचौ न मे :सीफोलु
राहा, भूलु हा उन्हा :स्थ न बदलुन पुड़ य नए मेदि दरा मे :रुविचौ छ$ड़न पुड़ ।

आज, जब अन्य Bविसीद्धा दवा ते उपु क्षे क क राण लुd हा$ चौक   हा,& तेब भू वानवा विसीय) द्वा रा पुवि जते 'मेलु ' स्वायभू   दवा ते
मेविहामे बन ए हुए हा।&
हामे :इसी प्रिंबद पुरा पुन } लु टन हा$ग ।

भूt) क* स्मे0वितेय ,[जसी> पुरा न विBयजन क* य द,: भू रा विवान श क ब द भू क वालु पुरिराविचौते क्षेत्र सी जड़ करा रा हाते औ
विवाश्व सी पु ते हा।&
यहा अचौराज क* ब ते नहाY हा।> सीक ट मे :फो[सी न विवाक भू बहाते हुए मेलुब क$ पुकड़करा रा हाते मेहासीसी कराते हा।> ज$ लु
बलुपु वाक धमे तेराण क विशक रा हुए, उन्हा)न भू विवान श क ब द इसी क्षेत्र क$ कभू नहाY छ$ड़ । यहा क राण हा >दिक आज चौ
द लुमे ड , बवि नय , जते>पुरा , अलुईपुरा   औरा मेदनपुरा   मे :बड़ सीख् य मे :वा धमे तेरिराते लु$ग बसी हुए हा।&

मेदनपुरा क उल्लु र्खो विजनBभू सीरा (1350 ईस्वा) क 'विवाविवाध ते थक ल्पु' (VTK) मे :एक मेवि स्लुमे बस्ते क रूपु मे :दिकय गय हा।> यहा क्षेत्र 1340 ईस्वा सी, जब मेहा म्मेद तेग लुक दिदल्लु क प्रिंसीहा सीन पुरा थ , प्रिंहाद धमे तेरिराते सीमेद य सी भूरा हुआ
थ ।

यद्याविपु वा धमे तेरिराते हा$ गए थ, दिफोरा भू वा अपुन पुरा न विनवा सी स्थ न) सी जड़ राहा।

स्मे0विते क* शवित एवा मेलु Bवावि0त्ताय [हामेश सीदिक्रय राहाते हा।& ब हारा दब वा उन्हा :पुरा तेराहा सीमे d

नहाY करा सीकते । वा रा णसी सीदिदय) सी विवान श औरा पुन र्णिनमे ण क इसी चौक्र सी गज राते राहा हा।> यहा

नगरा सी ते शते विZदय) तेक पुतेन, विवाघाटन
औरा अरा जकते सी विहालुते राहा ।
इसी पुतेन क* गवा हा दन वा लु क छ बचौ- र्खोचौ बविस्तेय [आज भू अविस्तेत्वा मे :हा।& यहा क्षेत्र हामे

:वा रा णसी क* र्खो$ई हुई मेविहामे औरा विवाश्वन थ मेदि दरा क* य द दिदलु ते हा।>

III

हामे :अध रा नहाY हा$न चौ विहाए औरा तेज़ सी आग बढ़न क* क$विशश नहाY करान चौ विहाए। रुद्रवा सी औरा

तेपु$वान क* अवास्थ सी आनद क नन-ग रापु ठामे औरा अविवामे t क्षेत्र तेक पुहुचौ[न मे :कई शते विZदय [लुग हा)ग ।
औरा दिफोरा, उसी अवास्थ सी वा रा णसी क वा स्तेविवाक रूपु मे :विवाकविसीते हा$न मे :भू क छ औरा शते विZदय
[बे ते हा)ग । वाहा [सी
इस्लु मे आक्रमेण) (1194 ईस्वा) क यग तेक पुहुचौ[न वासी> हा हा >जसी> इविलुयड, विहावित्ताय), सी सी विनय)

औरा विसीक दरा क पुरा
क लुर्खोड क$ पु रा करान । बद्धा क जन्मे नहाY हुआ थ , न हा ईसी मेसी हा Bकट हुए थ। वा रा णसी वा स्तेवा मे
:B चौ न हा,>
हा$ते हा,> क्य)दिक वादि>दक)
लुदि कन जजरा नहाY; यहा पुरा तेन हा,> लुदि कन अते ते क ब$झी सी दब नहाY।

हामे विजसी वा रा णसी क इवितेहा सी क* र्खो$ज करा राहा हा,& वाहा तेथ कविथते वादि>दक क लु सी भू पुहालु

शरू
क टकरा वा पुहालु सी हा पुहा विड़य) पुरा स्थ विपुते एक अन्य सीस् क0विते सी हुआ थ ।
आय Bवा विसीय) औरा पुहा विड़य) मे :राहान वा लु यक्षे) औरा न ग) क ब चौ B रा विभूक सीघा ष , जवि>नय) औरा

ब द्धा) क ब चौ सीघा ष ,
औरा दिफोरा ब द्धा) औरा ब्रा ह्मण) क ब चौ हुए सीघा षx न मेहा श्मेश न रुद्रवा सी क* सीरा चौन क$ बड़ पुमे> न पुरा
बदलु दिदय । इन
ते त्र टकरा वा) क* अविनवा यते न विशवा-पुशपु विते क$ ब्रा ह्मण य दवा ते क रूपु मे :स्थ विपुते दिकय , शवित क$

उनक* शवित-
स्वारूपु, बन्न य गणपुविते क$ उनक राक्षेक, भूरा>वा क$ सीन पुविते औरा सीय तेथ न रा यण क$ श वि ते स्थ पुन
क सीक्षे क रूपु
मे :स्वा क रा दिकय गय ।

आनद क नन क प्रिंहाद गढ़ हामेश वादि>दक अध्ययन क एक Bवितेविष्ठते क:द्र राहा । हामे :ज्ञा ते हा >दिक दश श्वमेध
वा रा णसीपुन र्खो ज

पुरा त्राह्मना सी औरा
एक ब्राहा सीरा$वारा विस्थते थ । ह्वान सी ग न भू वा रा णसी मे :ब्रा ह्मण) औरा ब द्धा) द्वा रा सीचौ विलुते
विवाद्या लुय) औरा
मेहा विवाद्या लुय) क अविस्तेत्वा क उल्लु र्खो दिकय हा।>

हृदय क* आध्य वित्मेक विवाजय क* पुवा पु रिठाक थ । आय मेbडलु क$ क वालु तेभू Bवाश विमेलु सीकते थ जब द्रविवाड़-B$विलुते रिरायट न इसी सीहाज रूपु सी स्वा क रा दिकय ।

लुदि कन ज तेक) क अन सी रा, बद्धिक्रसी विवाद्वा न य क लु न सीमे ज क पु सी नहाY, बविल्क भू ड़-भू ड़ वा लु व्या पु रिराक वा रा णसी मे :आए। वा आदिद शक रा चौ य क* तेराहा तेक -विवातेक करान नहाY आए थ, बविल्क जनते क हृदय ज तेन आए थ। इसी ब चौ, वाक्षे0) सी आच्छ दिदते इसी श ते स्थ न क चौरिरात्र बड़ पुमे> न पुरा बदलु गय थ । हाहा>य औरा Bतेदन वाश) (ज$) न वा रा णसी क सी मे विजक ते न- ब न क$ Bभू विवाते दिकय ।
सीभू वाते) यय विते वाश क वाश ज श) क ब रा-ब रा हा$न वा लु यद्धा
इन ब्यद्धा) क* गज [वादि), पुरा ण) औरा मेहा क व्या) क पुष्ठ0) मे :दज हा।> इसीविलुए, बद्धा क विलुए तेपुस्वा ब्रा ह्मण नहाY, बविल
क्षेवित्रय, वाश्>य औरा उपु विक्षेते वाग अविधक मेहात्वापु ण थ। उन्हा)न नगरा) औरा उद्या न) मे :इन्हाY वागx क$ सीब $विधते दिकय
इन सीघा षx क$ 'व्यावाध न' कहा गय , ज$ यक्षे), गध वाx य सीरालु शzद) मे :गण) सी सीब वि धते थ। गण) क$ आमेते रा पुरा पुवा -
आय श्रविमेक वाग क* विवाद्र$हा शवित क रूपु मे :दर्खो ज ते थ , ज$ सीन्>य रूपु सी आक्र मेक आयx क विर्खोलु फो र्खोड़ थ। इसी
मे विलुक तेत्र औरा वादि>दक ब्रा ह्मणवा द क ब चौ टकरा वा क रूपु मे :दर्खो ज सीकते हा।>

हामे पुहालु हा दर्खो चौक हा &दिक वा रा णसी चौ रा) ओरा सी गण-पुज स्थलु) औरा ब रा, भूरा>वा तेथ दवा मेदि दरा) सी विघा

ब्रा ह्मण) द्वा रा स्वा क रा दिकए ज न क ब वाजद , गणश अभू भू अपुन वा स्तेविवाक स्वारूपु क$ बन ए रार्खोते हा।& उन्हा :'गणन यक
य 'सीन न यक' क रूपु मे :सीम्मे विनते दिकय ज ते हा।> पु रा विणक कथ ए [इसी ब ते क$ Bमे विणते करान क विलुए गढ़ गईं दिक
गणश क$ विशवा औरा शवित क सीमे न, य उनसी भू श्रष्ठ रूपु मे :स्वा क रा दिकय ज ए, ते दिक वा वादि>दक दवा ते ओं क* श्रण मे
सीमे विहाते दिकए ज सीक:।
यहा एक विसीद्धा ते हा$ सीकते हा,> लुदि कन अन्य सीभू विसीद्धा ते) क* तेराहा यहा भू क छ विवाविशV ऐवितेहा विसीक तेथ्य) पुरा
हा।> आज भू वा रा णसी क चौ रा) ओरा कई स्मे राक गण) औरा उनक विनवा सी स्थलु) क* य द दिदलु ते हा।&
ब रा, भूरा>वा, सीय औरा गणदवा ते ओं (गणपुविते, गणन यक) क मेदि दरा आज भू जनते मे :अत्यविधक लु$कविBय हा,& विवाशष
उन लु$ग) क ब चौ ज$ आय वागPकराण मे :'उच्ची' मे न ज न वा लु वागx सी ब हारा मे न ज ते हा।& य मेदि दरा विशवा क अन य वि
द्वा रा आक्रमेणक रा आयx क विवारुद्धा दिकए गए सीघा षx क* स्मे0विते मे :बन हुए हा।&

इसीविलुए, यहा विनष्कष विनक लु ज सीकते हा >दिक वादि>दक विवाजते ओं क$, अविवामे t क्षेत्र (वाहा घा ट जहा [सी विशवा य
अन य विवयय) क$ विनष्क विसीते नहाY दिकय ज सीकते थ) मे :स्थ विपुते हा$न सी पुहालु, स्थ न य दवा ते ओं क$ स्वा क रा करान क
बवि द्धामे न अपुन न पुड़ ।

इन उग्री य$द्धा ओं क सीहाय$ग B d करान नवा गते क) क विलुए श वि ते सी राहान क विलुए आवाश्यक थ । उन्हा :तेत्र -विशवा औरा
उनक अन य विवयय) क$ स्वा क रा करान पुड़ । विवाश्वन थ वा रा णसी क भूरा>वा रूपु मे :बन राहा, औरा विवाश लु क्षे (विवाश लु)
शवित स्वारूपु बन राहाY। इसी स्वा क रा करान क ब द, नवा गते क) न आनद क नन क सीर्खो द वा ते वाराण मे :अपुन विलुए एक
श वि तेपु ण स्थ न पु य ।
पुरिरावार्णितेते हा$ते नगरा

IV

भूरा>वा औरा भूरा>वा क* ज$ड़ एक विवाशष सीद श दते हा।पुरहाय्मे :वसीमद्दिसे करान चौ विहाए।
वा रा णसीपुन र्खो ज

पुरा ण) मे :विवाश्वन थ क$ वा रा णसी मे :सीवा च्ची स्थ न नहाY दिदय गय थ । यहा सीम्मे न पु चौ[अन्य मेहात्वापु ण प्रिंलुग) क$ B
थ —अविवामे t श्वरा, ओंक रा श्वरा, क0वितेवा सीश्व रा, मेहा क लु श्वरा औरा मेध्य श्वरा (मेहा न पुचौ प्रिंलुग)।

जसी> दिक हामे :ज्ञा ते हा,> य सीभू प्रिंलुग वारुण घा ट औरा मेत्स्य$दरा -मेद दिकन पुरिरासीरा क आसीपु सी विस्थते थ, अथ ते
ढंलु न क श ष पुरा विस्थते आदिद-विवाश्वन थ पुवाते सी दरा ।
य पु चौ[प्रिंलुग वा स्तेवा मे :वा रा णसी क Bध न प्रिंलुग थ। क श र्खोड (क. र्खो.) विवाश्वन थ क$ सीमे न दज   नहाY दते । विवाश्वन
औरा अन्नीपु ण   क$ ग ण दवा ते क रूपु मे :उल्लु विर्खोते दिकय गय हा।> (यहा भू तेत्र पुरा वादि>दक य आय उपु क्षे क एक औरा
हा।>)

क्य)?

इसीक उत्तारा पु न क विलुए हामे :उसी सीमेय क* Bमेर्खो

द शवि नक Bवावि0त्ताय) क* पुड़ते लु करान हा$ग , ज$ वा रा णसी क
सीमेक लु न भूt) क$ विनदविuशते करा राहा थY। चौदि [क आज मेहा न पुचौ प्रिंलुग क वालु न मेमे त्र क रूपु मे :ज न ज ते हा,& औरा उ
मेहा न मेदि दरा धलु मे :सीमे चौक   हा,& इसीविलुए वा रा णसी मे :विवाश्वन थ क मेहात्त्वा पुण   रूपु सी उज गरा हुआ हा।> पुहालु
थ ।
लुदि कन वा स्तेवा मे,: विवाश्वन थ क* भूवि मेक मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क* भूवि मेक सी विबल्क लु विभून्नी थ । क. र्खो. औरा क श मेहा
मे.) द$न) बते ते हा &दिक मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क मेदि दरा विवाविभून्नी ॠविषय) क* Bरा ण सी स्थ विपुते दिकए गए थ। Bत्यक प्रि
स्थ पुन औरा Bवितेष्ठ सी जड़   एक कथ हा।> लुदि कन विवाश्वन थ क* कहा न अविद्वाते य हा।> इसी दिकसी न स्थ विपुते य Bविते
नहाY दिकय । इसी स्वायभू   (स्वाते} Bकट) कहा ज ते हा।> (आधवि नक विवाश्वन थ मेदि दरा स्वायभू   नहाY हा।>)
विवाश्वन थ 'न थ' हा,& औरा यहा इसी दवा ते क अघा$रा तेत्र -शवा> सीB द य मे :मेहात्त्वा क$ दश ते   हा।> इसी Bक रा, यहा वादि>
सी पुण ते } विभून्नी मे ग पुरा चौलु ।
विवाश्वन थ औरा विवाश लु क्षे (य विवाश लु) एक अत्यते ते वित्रक ज$ड़ क रूपु मे :यग) सी Bवितेविष्ठते राहा हा।& ऐसी प्रिंलुग)
य स्वायभू   (पुवा - आय?) प्रिंलुग) क रूपु मे :वागPक0ते दिकय गय हा।> य वा प्रिंलुग हा,& ज$ विबन दिकसी Bवितेष्ठ क स्वाय
जबदिक अन्य प्रिंलुग) क* Bवितेष्ठ वादि>दक ॠविषय) न क* थ । स्वायभू   प्रिंलुग क$ Bवितेष्ठ क* आवाश्यकते नहाY हा$ते ।

यहा भू स्पुV कराते हा >दिक मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क मेदि दरा अत्यविधक सीमेद्धा0 थ औरा उनमे :एकवित्रते सीपु वित्ता आक्रमेणक रिरा
आकष ण क क:द्र बन । इसीक विवापुरा ते, ते वित्रक विवाश्वन थ मेदि दरा, ज$ एक भूरा>वा मेदि दरा थ , अक लु पुहा ड़ क ऊपुरा वि
औरा सीवा द नश लु आय ॠविषय) द्वा रा उपु विक्षेते थ । यहा पुहालु हामेलु) सी बचौ राहा ।

आज भू , पुरा पुरा ओं क अन सी रा, कठा$रा वादि>दक ब्रा ह्मण अन्नीक ट उत्सीवा क द रा न विवाश्वन थ मेदि दरा क पुक हुए Bसी द क
करान सी विहाचौदिकचौ ते हा,& जबदिक अन्नीपु ण   क Bसी द सीहाष स्वा क रा दिकय ज ते हा।> इसीक अवितेरिराt, जब दिदवा लु

पुरा अन्नीपु ण   वा र्णिषक अन्नीक ट उत्सीवा मेन ते हा,& तेब विवाश लु क्षे क$ लुभमूगक्तिमदर्खो ते हा।>

वा रा णसी मे :तेत्र Bवा हा क$ Bभू वा रूपु सी पुरा ण Bवा हा द्वा रा दब दिदय गय हा।> क. र्खो., क. मे. , अवि पुरा ण, ते थ
कल्पुतेरु औरा विवाविवाध ते थक ल्पु जसी> पुस् तेक) न स्थ न य मे नविसीकते क$ Bभू विवाते दिकय ।
क वालु तेब, जब मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क मेदि दरा ब रा-ब रा नV दिकए गए, यहा सीपु ण   क्षेत्र अध क रा मे :चौलु गय औरा तेब वा रा
दिकय । अते ते} यहा भू एक लुक्ष्य बन गय । लुदि कन तेब लु$ग) न
क लु$ग) न बड़ धमे ध मे सी विवाश्वन थ मेदि दरा क पुन र्णिनमे ण

अपुन Bय सी इसी मेदि दरा क$ पुन } खोंड़ करान मे :क:दिद्रते दिकए, क्य)दिक अन्य मेदि दरा न क वालु ध्वास्ते करा दिदए गए थ, बविल्
उनक स्थ न पुरा इस्लु मे सीरा चौन ए [भू बन ई गई थY। उन मेदि दरा) क पुन* र्निनमेणभू नहाY क* गई।

इवितेहा सीक रा वा रा णसी क मेदि दरा) क* इसी अविस्थरा विस्थविते सी एक सीद श विनक लुते हा।& वा

 वा रा णसी मे :तेत्र Bवा हा क*

Bध नवे क$ स्वा क रा करा ते हा &औरा यहा भू दर्खो ते हा &दिक वादि>दक Bवा हा न ब द क विनमे ण) मे :अपुन
Bभूत् वा स्थ विपुत करान क*
क$विशश क*। लुदि कन जब इन सीरा चौन ओं क$ नV करा दिदय गय , ते$ उन्हा :वा पुसी उसी मेलु तेत्र Bवा हा क*

ओरा लु टन पुड़ ,
विजसी वा ग ण मे नते थ।
क$ई इसी दवि0Vक$ण सी पुण ते } सीहामेते न भू हा$, लुदि कन यहा विनर्णिवावा द सीत्य हा >दिक ध्वास्ते दिकए गए

पुरा विणक मेदि दरा कभू पुन }
नहाY उठा । वहाY मेहा न भूरा>वा मेदि दरा, विवाश्वन थ, ब रा-ब रा अत्यविधक श्रद्धा औरा सीमेपुण क सी थ
पुन र्निनर्णिमेते दिकय गय । यहा
इसीविलुए सीभू वा हुआ क्य)दिक लु$ग) क सी मेवि हाक भूवित-Bवा हा क$ रा$क नहाY ज सीक । वा रा णसी क

B चौ न क्षेत्र औरा इसीक पु चौ[Bमेर्खो मेदि दरा) क पुन र्निनमे ण क क य क्रमे एक अत्यविधक करिठान आर्णिथक

Bय सी
हा$ते , विजसी पुरा करान उसी सीमेय असीभू वा थ , जब यहा र्खोतेरा बन हुआ थ दिक भूविवाष्य मे :दिफोरा सी
कट्टरापुथ हामेल्) सी इसी
नV दिकय ज सीकते हा।> इवितेहा सी न यहा दिदर्खो य दिक यहा सी वाध न व्याथ नहाY थ ।

वा स्तेवा मे,: नगरा क सीते लुन क$ झीटक तेब लुग जब वारुण क तेट औरा उसीक मेदि दरा पुरिरासीरा क$

मेद दिकन झी लु क सी थ
भूरा>वा औरा भूरा>वा क* ज$ड़ एक विवाशष सीद श दते   हा।> हामे :इसी सीद श पुरा ध्य न क:दिद्रते करान
नV करा दिदय गय । लु$ग दिकसी ठा$सी आश्रय क* र्खो$ज मे :थ औरा उन्हा)न स्वा भू विकाक रूपु सी दविक्षण औरा
पुविश्चमे क वान क्षेत्र)
मे :शरण ली। पुरा इसी पुरिरावितेन ने वा रा णसी क आध्य वित्मेक सीवारूपु क$ मेदिद ... [illegible]

मेहित्वापुण सिंलुय) क$ B d
र्वाद वा रा णसी क सीबसी मेहात्वापुण प्रिंलुग)
मेहा- वा विकमे, ओंक रा श्वरा, क0वितेवा सीश्व रा, मेहा क लु श्वरा औरा मेध्य श्वरा (मेहा न पुचौ प्रिंलुग)।
अहा । दिक हामे :ज्ञा ते हा, श्य ं सीभू प्रिंलुग वारुण झा ट औरा मेत्स्य$दरा मेदि दरा पुरिरासीरा क आसीपुसी

विस्थते थ,। अथ ते ज्ञा नवा पु
हालु न क श ष पुरा विस्थते आदिद-विवाश्वन थ पुवाते सी दरा ।
IV
य पु चौ[प्रिंलुग वा स्तेवा मे :वा रा णसी क Bध न प्रिंलुग थ। क श र्खोड (क. र्खो.) विवाश्वन थ क$ सीमे न दज   नहाY

दते । विवाश्वन थ
औरा अन्नीपु ण   क$ म ण द्वा ते क रूपु मे :उल्लु विर्खोते दिकय गय हा।> (यहा भू तेत्र पुरा वादि>दक य आय
उपु क्ष क एक औरा सीक ते
द शवि नक Bवावि0त्ताय) क* पुड़ते लु करान हा$ग , ज$ वा रा णसी क
हा।>)
सीमेक लु न भूt) क$ विनदविuशते करा राहा थY। चौदि [क आज मेहा न पुचौ प्रिंलुग क वालु न मेमे त्र क रूपु मे :ज न ज ते हा,& औरा उ
क्य)?

वा रा णसीपुन र्खो ज
इसीक उत्तारा पु न क विलुए हामे :उसी सीमेय क* Bमेर्खो

मेहा न मेदि दरा धलु मे :सीमे चौक हा,& इसीविलुए वा रा णसी मे :विवाश्वन थ क मेहात्त्वा पुण रूपु सी उज गरा हुआ हा।> पुहालु ऐसी नहाY
थ ।

लुदि कन वा स्तेवा मे,: विवाश्वन थ क* भूवि मेक मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क* भूवि मेक सी विबल्क लु विभून्नी थ । क. खों.

औरा क श मेहा त्स्य (क.
मे.) ह$न) बत्रे ते हा,&दिक मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क मेदि दरा विवाविभून्नी ऋविषय) क* Bरा ण सी स्थ विपुते दिकए गए थ। Bत्थक प्रिंलुग क*
स्थ पुन औरा Bवितेष्ठ सी जड़ एक कथ हा।> लुदि कन विवाश्वन थ क* कहा न अविद्वाते य हा।> इसी दिकसी न

स्थ विपुते य Bवितेविष्ठते
नहाY दिकय । इसी स्वायभू (स्वाते} Bकट) कहा ज ते हा।> (आधवि नक विवाश्वन थ मेदि दरा स्वायभू नहाY हा।>)
विवाश्वन थ 'न थ' हा,& औरा यहा इसी दवा ते क अघा$रा तेत्र -शवा> सीB द य मे :मेहात्त्वा क$ दश ते हा।> इसी

Bक रा, यहा वादि>दक ऋविषय)
सी पुण ते } विभून्नी मे ग पुरा चौलु ।
विवाश्वन थ औरा विवाश लु क्षे (य विवाश लु) एक अत्यते ते वित्रक ज$ड़ क रूपु मे :यग) सी Bवितेविष्ठते राहा हा।&

ऐसी प्रिंलुग) क$ अन दिद
य स्वायभू (पुवा - आय?) प्रिंलुग) क रूपु मे :वागPक0ते दिकय गय हा।> य वा प्रिंलुग हा,& ज$ विबन दिकसी Bवितेष्ठ क स्वायं Bकट हुए,
जबदिक अन्य प्रिंलुग) क* Bवितेष्ठ वादि>दक ऋविषय) न क* थ । स्वायभू प्रिंलुग क$ Bवितेष्ठ क* आवाश्यकते नहाY
पुरा अन्नीपु ण वा र्णिषक अन्नीक ट उत्सीवा मेन ते हा,& तेब विवाश लु क्षे क$ लुभ्रूग विलुमेह दर्खो ते हा।>
हा$ते । यहा भू स्पुV कराते हा >दिक मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क मेदि दरा अत्यविधक सीमेद्धा0 थ औरा उनमे :एकवित्रते
वा रा णसी मे :तेत्र Bवा हा क$ Bभू वा रूपु सी पुरा ण Bवा हा द्वा रा दब दिदय गय हा।> क. खों., क. मे. , अवि पुरा ण, ते थ सीपु वित्त। आकसणक रिराय) क विलुए
कल्पुतरु औरा विवाविवाध ते थक लुपु जसी> पुसु तेक) न स्थ न य मे नविसीकते क$ Bभू विवाते दिकय ।
आकष ण क क द बन । इसीक विवापुरा ते ते वित्रक विवाश्वन थ मेदि दरा ज$ एक भूरा>वा मेदि दरा थ अक लु
कुतुबलु तेब, जबदिक मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क मेदि दरा ब रा-ब रा नV दिकए गए, यहा सीपु ण क्षेत्र अध क रा मे :चौलु गय औरा तेब वा रा
अविकवा क ते नेत्रलु आय एक विश्वा वा रा यग । उलुविवेके नेत्र व लुड़ग) लुलु हामेलु) सी बचौ राहा ।
दिकय । अते तेःयहा भू एक विश्वा वा रा यग । उलुविवेके तेब लु$ग) न
क लु$ग) क बड़ धक्के भू मे सी विवाश्वन थ मेदि दरा क पुन र्निमे ण
अपुन Bथ सी इसी मेदि दरा क$ पुन } खींड़ करान मे :क:दिद्रते दिकए, क्य)दिक अन्य मेदि दरा न क वालु ध्वास्ते करा दिदए गए थ, बविल्
आज भू , पुरा पुरा ओं क अन सी रा, कठा$रा वादि>दक ब्रा ह्मण अन्नीक ट उत्सीवा क द रा न विवाश्वन थ मेदि दरा क

उनक स्थ न पुरा इस्लु मे सीरा चौन ए [भू बन ई गई थY। उन मेदि दरा) क पुन र्निमे णभू नहाY क* गई।
पुक हुए Bसी द क$ ग्रीहाण
कहाय सीः विहावौदिक जौते हा& जबदिक अत्नीपु वा क Bसी द सीहाय मवा क रा दिकया ज ते हा।> इसीक
अविलुविरे सी, जब विदेवा लुवैकिक अविवादिरे) क* इसी अविवस्थरा विस्थविते सी एक सेंद श विनके लुते हा।& वा वा रा णसी मे :तेत्र Bवा
Bध नते क$ स्वा क रा कराते हा &औरा यहा भू दर्खो ते हा &दिक वादि>दक Bवा हा न ब द क विनमे ण) मे :अपुन Bभूत् वा स्थ विपुते
क$विशश क*। लुदि कन जब इन सीरा चौन ओं क$ नV करा दिदय गय , ते$ उन्हा :वा पुसी उसी मेलु तेत्र Bवा हा क* ओरा लु टन पुड़
विजसी वा ग ण मे नते थ।
क$ई इसी दवि0Vक$ण सी पुण ते } सीहामेते न भू हा$, लुदि कन यहा विनर्णिवावा द सीत्य हा >दिक ध्वास्ते दिकए गए पुरा विणक मेदि
नहाY उठा । वाहाY, मेहा न भूरा>वा मेदि दरा, विवाश्वन थ, ब रा-ब रा अत्यविधक श्रद्धा औरा सीमेपुण क सी थ पुन र्निनर्णिमेते दिकय
इसीविलुए सीभू वा हुआ क्य)दिक लु$ग) क सी मेवि हाक भूवित-Bवा हा क$ रा$क नहाY ज सीक ।

वा रा णसी क B चौ न क्षेत्र औरा इसीक पु चौ[Bमेर्खो मेदि दरा) क पुन र्निनमे ण क क य क्रमे एक अत्यविधक करिठान आर्णिथक Bय सी हा$ते , विजसी पुरा करान उसी सीमेय असीभू वा थ , जब यहा र्खोतेरा बन हुआ थ दिक भूविवाष्य मे :दिफोरा सी कट्टारापुथ हामेलु) सी इसी

नV दिकय ज सीकते हा।> इवितेहा सी न यहा दिदर्खो य दिक यहा सी वाध न व्याथ नहाY थ ।

वा स्तेवा मे,: नगरा क सीते लुन क$ झीटक तेब लुग जब वारुण क तेट औरा उसीक मेदि दरा पुरिरासीरा क$

मेद दिकन झी लु क सी थ

नV करा दिदय गया । लु$ग दिकसी ठा$सी आश्रय क* र्खो$ज मे :थ औरा उन्हा)न स्वा भू विवाक रूपु सी दविक्षेण औरा पुविश्चेम क वान क्षेत्र)

मे :शराण लु । इसी ऐवितेहा विसीक सीय $ग क पुरिराण मेस्वारूपु, मेद दिकन ढंलु न क दिकन रा पुहा ड़ पुरा विस्थते

मेदि दरा क$ अविधक

मेहात्वा विमेलुन लुग ।

यहा वाहा पुहालु मेदि दरा थ , ज$ चौ क पुहा ड़ चौढ़न क ब द आते थ , औरा यहा मेद दिकन ते लु ब सी दरा विस्थेतेक हा$ग ।

इसी सीद भू मे,: जन> औरा ब द्धा धमे क* सी रान थ पुरा पुरा औरा उन पुविवात्र स्थलु) मे :ते वित्रक सी धन ओं क* Bगविते क$ य द करा न

क हा जन> हा$ग । अते श श्र ज्ञा न, पुद्गेसी भूवा औरा ब द मे :न ग जन क आगमेन क ब द ब द्धा सी धन ओं मे :व्या पुक पुरिरावाते न आय । विवाशष रूपु सी मेहा य न पुरा पुरा न आमे जनते क$ Bभू विवाते दिकय । अश्वघा$ष, वासीवि मेत्र औरा अविभूनवागd क*

V

रचौन ओं न जनमे नसी क$ अविभूभूते करा दिदय । सी रान थ ते वित्रक सी धन कक्व्राक्ष Bमेर्खो । ग हाड़वा लु वाश क* रा न क मे रादवा क* इसी पुरा पुरा मे :भूवि मेक अत्यते मेहात्वापु ण थ ।

इन लु$कविBय ते वित्रक Bथ ओं क Bभू वा मे,: विवाश्वन थ औरा भूरा>वा मेदि दरा) न, गणपुविते मेदि दरा) क सी थ,

वा रा णसी (य

वा रा णवाते) क ध्वास्ते मेदि दरा) क* तेलु न मे :अविधक Bवितेष्ठ B d करा लु ।

अब, हामे :द$ मेहात्वापु ण शzd) क* व्या ख्य करान हा$ग , ज$ इसी सीद भू मे :ब रा-ब रा Bयt हा$ते हा—&'पु ठा'

औरा 'क्षेत्र '।

वा रा णसी क$ 'क्षेत्र ' कहा ज ते हा,> औरा इसी 'ग रा पु ठा' भू कहा ज ते हा।> यदिद हामे इन शzd) क विनविहाते थ क$ सीमेझी: औरा

यहा ज नन क Bय सी करा: दिक वा रा णसी क$ 'क्षेत्र ' औरा 'पु ठा' द$न) क्य) कहा ज ते हा,> ते$ हामे यहा भू सीमेझी

पु एग[दिक

वा रा णसी क$ यग) सी रुद्र क:द्र, तेत्र क:द्र औरा वा मे ते वित्रक सी धन क:द्र क रूपु मे :क्य) सीम्मे विनते दिकय गय हा।>

यहा सीमेझीन क ब द, हामे :यहा सीमेझीन मे :क$ई करिठान ई नहाY हा$ग दिक अन्य सीभू नगरा) मे :सी क वालु

वा रा णसी क$ हा 'क श

विवाश्वन थ क क्षेत्र ' क्य) कहा ज ते हा।>

'क्षेत्र ' औरा 'पु ठा' द$न) मे :ते वित्रक अथ विनविहाते हा।& हा लु [दिक, यहा 'ध मे' क मे मेलु मे :नहाY हा,> ज$ ते थ

क:द्र) सी ज$ड़ ज न

वा लु एक अन्य Bत्यय हा।> चौदि [क 'क्षेत्र ' औरा 'पु ठा' क सीब ध तेत्र सी हा,> जबदिक 'ध मे' मेख् य रूपु सी वाष्>णवा भू वाधरा क$ व्याt

कराते हा।> इसी Bक रा, 'ध मे' मेख् य रूपु सी वाष्>णवा ते थ हा$ते हा,& जबदिक 'पु ठा' औरा 'क्षेत्र ' आमेते रा पुरा

ते वित्रक स्थलु हा$ते हा।& 'क्षेत्र ' तेत्र मे :हामेश एक विवाशष्ठ मेहात्वा रार्खोते हा।> सीस् क0ते मे :'क्षेत्र ' क अथ

सीपु ण शरा रा य स्त्री क उसी अग सी भू हा >जहा [सी

सीज0न उत्पुन्न हा$ते हा।> शzदक$श भू इसी अथ क$ मेन्यते दते हा &औरा यहा भू बते ते हा &दिक वित्रक$ण य आक0विते क$ भू 'क्षेत्र '

कहा ज ते हा।> तेत्र मे :'क्षेत्र ' औरा 'लु ग लु' (हालु) क Bते क त्मेक अथ स्पुV रूपु सी Bकट हा$ते हा।& इसीविलुए

ते थस थलु) मे :वा स्थ न ज$ मेख य रूप सी ते वित्रक सी धन क विलुए Bविसीद्धा हा & उन्हा :'क्षेत्र ' कहा ज ते हा।>

'पु ठा' शzद क तेत्र मे :Bय$ग विशवा औरा सीते क* कथ सी जड़   हुआ हा,> जब विवाष्ण क$ श$क क लु विशवा द्वा रा ढं$ए ज राहा सीते
क शरा रा क$ खोंड -खोंड करान पुड़ , ते दिक वा श$क क भू रा सी मेt हा$ सीक:। दवा   क शरा रा क अग जहा -[जहा [विगरा , वा स्थ न
'पु ठा' क रूपु मे :पुविवात्र हा$ गए।

इसी Bक रा, पु ठा सी मे न्यते} गरा>-वादि>दक पुरा पुरा सी जड़   हुए हा$ते हा।& पु ठा) पुरा बड़ मेदि दरा) क

विनमे ण बहुते दलु भू हा$ते हा।>
'पु ठा' क अथ 'आसीन' हा$ते हा,> न दिक मेदि दरा। सी मे न्यते} य पुज   स्थलु हा$ते हा,& विजनक आसीपु सी अविधक भूर्व्याते नहाY हा$ते ।
यहा इसी क राण हा >दिक तेत्र स्थलु) क* उत्पुवित्ता अत्यते B चौ न हा।> यहा आश्चंय क* ब ते नहाY हा >दिक कहाY

दरा , विनजन स्थ न मे :
क$ई ऐसी ते वित्रक स्थलु अचौ नक विमेलु ज ए, विजसी एकमे त्र सी धक पुवि जते कराते हा$। (जसी>, विशमेलु क पुसी ते रा दवा
मेदि दरा, पुविश्चंमे बग लु क हुगलु विजलु क आरा मेब ग मे :वितेरा$लु ग वा[क* क लु , प्रिंवाध्य चौलु मे :अVभू ज ,

ब क[ड़ मे :य$विगन ,
क श मे :ते रा , एलु$रा मे :गरासीसी   औरा रा चौ मे :रा जराप्पु क* विछन्नीमेस्ते ।)
यहा [तेक दिक विवाश्व लुक्षे (विवाश लु क्षे) क वा रा णसी पु ठा विबन अविधक Bचौ रा क सीरा विक्षेते राहा गय औरा

हामेलु वारा) क
विवान श सी बचौ गय । यहा विस्थविते मे रा घा ट, वा रा णसी मे :विस्थते अत्यते अल्पुज्ञा ते वा रा हा मेदि दरा क* भू राहा ।
मेदि दरा) क* विस्थविते इसीसी विबल्क लु अलुग हा।> मेदि दरा सीस् क0विते कभू भू भू राते य उपुमेहा द्वा पु क* मेलु

सीस् क0विते नहाY राहा । इसीक
ऐविते ह्ा विसीक B रा भू विवादश   सीस् क0वितेय) क आगमेन क सी थ हुआ, ज$ व्या पु रिराय), य वित्रय), विवाशष रूपु सी यन विनय) औरा
शक ओं द्वा रा लु ई गई थ ।

हामे :यहा ध्य न रार्खोन चौ विहाए दिक सीपु ण   पुविश्चंमे एविशय (ईरा न, अराब औरा खों ड़ क्षेत्र सीविहाते) मेख् य

रूपु सी एक विवास्ते0ते
औरा Bभू वाश लु 'मेदि दरा सीस् क0विते' क अध न थ । विमेस्त्रो, सी रिराय , इरा क, यन न, सी इBसी औरा फो रासी पुज रिरुय) क सीमेद य
क विनयत्र ण मे :थ। भू राते क इन दश) सी व्या पु रा औरा वा विणज्य क मे ध्यमे सी घाविनष्ठ सीब ध थ । इसी

Bक रा, यहा सीस् क0विते
भू राते मे :स्वाते} हा Bवाश करा गई।
दविक्षण भूरा ते न वा रा णवाते नगरा वा रुण नद क द$न) दिकन रा) पुरा विस्थते थ   जहा [अन क मेदि दरा) क* कते रा: थY। यहा दवि0V क$न स्पुV कराते हा >दिक हामे रा पुरा ण) मे :वा रा णसी   क$ विवाशष रूपु सी चौ रा पुविवात्रतेमे लुदि कन जब क$ई मे नवा बस्ते स्थ य रूपु सी स्थ विपुते हा$ते हा,> ते$ उसी अन्य सीवि वाधा ओं क सी थ-सी थ मेते0क) क अवि तेमे सी
तेथx क विलुए ज न ज ते हा।>
सीस् क रा क* भू व्यावास्थ करान पुड़ते हा।>
>-मेविणकर्णिक शzद(इसी लु) चौकते थ ज ा नवा पु औरा पुजौ गुग ।
मेते0क) क अवि तेमे सीस् क रा कहा [दिकय ज ते थ यहा मेज दखी
हा >दिक अठा राहावा Y शते zद मे :हा मेविणकर्णिक -बाहान लु क$
विवाशष रूपु सी य सीभू स्त्रा न स्थलु थ, विजनक आसीपु सी क$ई मेदि दरा य मे नवा बविस्तय [नहाY थY। इन श्मेश न स्थलु क रूपु मे :उपुय$ग दिकय ज न लुग थ । इसीक अथ यहा हुआ दिक अते ते मे :अन्य व्यावास्थ ए [अवाश्य राहा
ते थx क चौ रा) ओरा वा रा णसीपुन र्खो ज
क वालु वाशे0, उद्या न, पुज स्थलु औरा आश्रमे थ।
औरा विनविश्चंते रूपु सी, मेहा न औरा पुविवात्र गग   यहा [अन दिद क लु सी श वि तेपु वाक Bवा विहाते हा$ते राहा

हा।> मेविणकर्णिणक क चौ रा) ओरा क क्षेत्र अन्य मेहात्वापु ण तेत्वा) सी भू सीमेद्धा0 थ ।

VI

हा)ग । यहा व्यावास्थ ए [दरा विस्थते हारिराश्चं द्र घा ट (चौते प्रिंसीहा दिकलु क पु सी) य विर्खोड़क* घा ट नहाY हा$ सीकते थY। दिप
घा ट अवि तेमे सीस् क रा क विलुए उपुय$ग दिकए ज ते थ?

हामे ज नते हा &दिक वा रुण औरा गग नद क सीग मे पुरा एक श्मेश न स्थलु विस्थते थ । क छ लु$ग अब भू इसी श्मेश न स्थलु क रूपु मे :उपुय$ग कराते हा।& इसीक विनकट हा दत्ता त्र य क एक छ$ट सी मेदि दरा हा।>
आमेते रा पुरा, श्मेश न घा ट) क$ न ते$ ज विवाते बविस्तेय) क बहुते विनकट बन य ज ते थ , न हा अत्यविधक दरा । यदिद मेख् य नगरा मेत्स्य$दरा -मेद दिकन पुरिरासीरा औरा वारुण क तेट पुरा विवाकविसीते हुआ थ , औरा वित्रलु$चौन तेथ पुचौ गग तेक फो>लु ते$ श्मेश न घा ट बहुते दरा नहाY हा$ सीकते थ।

वा वा स्तेवा मे :अविधक दरा नहाY थ।

जब ग हाड़वा लु वाश क दिकलु क विनमे ण क क राण नगरा अविधक घान भू ते हा$ गय , ते$ सीग मे क विनकट विस्थते श्मेश न क$ क0ते विनजन दविक्षेण भू ग मे :स्थ न तेरिराते करा दिदय गय । सीक ट घा ट क पु सी एक 'यमे घा ट' विस्थते हा।> 'यमे' न मेक अपुक्षे
इसी स्थलु क* उपुविस्थविते श्मेश न स्थलु हा$न क सीक ते दते हा,> औरा यमेधमेश्वuरा मेदि दरा इसी अन मे न क*

पुवि V कराते हा।>

क छ सीमेय ब द, नगरा क विवास्ते रा औरा दविक्षेण क* ओरा बढ़ , औरा इसीक सी थ हा श्मेश न स्थलु भू

स्थ न तेरिराते करा दिदय
गय ।
आज, हामे हारिराश्चं द्रश्व रा मेदि दरा क$ इसी नए स्थलु क विनकट पु ते हा &औरा यहा अन मे न लुग सीकते हा &दिक

रा ज हारिराश्चं द्र क* कथ
न ... :इसी स्थ न पुरा (न दिक क द रा घा ट क पु सी) अपुन स्वा मे क सी थ क मे करान क विलुए लु य थ ।
आधविनक हारिराश्चं द्र
घा ट वा स्तेवा मे :एक Bवितेस्थ पुन हा,> ज$ तेब अविस्तेत्वा मे :आय जब उत्तारा श्मेश न घा ट क$ बद करा दिदय

गय । यदिद आग
पुवि V क* आवाश्यकते हा$, ते$ यहा कहा ज सीकते हा >दिक इसी स्थ न पुरा आज भू यमे विद्वाते य य भू ई दज क
अन छे न औरा
स्ना न दिकय ज ते हा।> यमे मेत्0य क दवा ते हा।& चौदि [क वा रुण सीग मे क पु सी विस्थते मेलु दत्ता त्र य मेदि दरा

बद करा दिदय गय थ , इसीविलुए इसी नए स्थ न क पु सी एक नय
दत्ता त्र य मेदि दरा स्थ विपुते दिकय गय , जहा [अब भू एक श्मेश न विवान यक मेदि दरा विस्थते हा।>
घा रा णसी क गग तेट तेत्रलु सी धक) क विलुए सीद सी हा :अन B स्थलु राहा हा,& औरा 'मेहा श्मेश न' न मे,

विजसीसी वा -रा णसी क लु मे :गग क तेट) क श्मेश न क रूपु मे :उपुय$ग दिकय ज ते थ , विजसीसी वा रा णसी क$
पुहालु ज 'मेहा श्मेश न' कहा ज ते थ , इसीक B स्वारूपु क पुण वाणन कराते हा।>
इसीक अलु वा, पुरा पुरा आ क अन सी रा, मेरा घा ट औरा मेनसीहा घा ट (मेनमेदि दरा घा ट) क$ भू कभू श्मेश न
अत्य ते उपुयt थ ।
स्थलु क रूपु मे 3.जब नगरा क विवास्ते रा हुआ औरा आनद क नन क$ सीमे विहाते करा विलुय गय , तेब नगरा क विवाक सी ध रा -ध रा वारुण
उपुय$ग तेटसी अविसी तेट क* औरा बढ़ । औरा दश श्वमेध घा ट क विनकट विस्थते थ।

ते वित्रक Bभू वा क* Bध नते क क राण, औरा क्य)दिक वा रा णवाते क Bमेर्खो भूरा>वा स्वाय विशवा विवाश्वश्व रा थ, उनक* शवित विवाश लु (विवाश लु क्षे) थ , तेथ इसी पुविवात्र स्थ न क सीरा क्षेक भूरा>वा) औरा गणदवा) क सीमेहा थ, विजनमे :क लु भूरा>वा Bमेर्खो थ, इसीविलुए विवाश्वश्व रा प्रिंलुग क$ सीवा वि धक Bवितेष्ठ विमेलु । क0त्रितेवा नीलुओं कबरद मेहा$ङ्लु,गाज़्किमूमे ह्र औरा मेध्य स्थुरा किमारा सीवेन ,लु$$ श्रद्धा B d नहाY करा सीक ।

मेहा न पुचौ प्रिंलुग) औरा प्रिंबदमे धवा क मेदि दरा) क$ ध्वास्ते दिकए ज न क ब द, वा कभू पुन र्णिनर्णिमेते नहाY दिकए गए। वा स्तेव उनमे :सी अविधक श भूलु दिदए गए। इसीक विवापुरा ते, विवाश्वश्व रा मेदि दरा ब रा-ब रा पुन र्णिनर्णिमेते दिकय गय , औरा 'विवाश्व विवारा$ध क ब वाजद , विवाश्वन थ प्रिंहाद श्रद्धा क क:द्र बन राहा। आज क श हा विवाश्वन थ हा,> औरा विवाश्वन थ हा क श ।

'ते थ विवावाचौ न खोंड ' (लुविक्ष्मेधरा) वा रा णसी मे :शवा>-तेत्र क$ लु$कविBय धमे क रूपु मे :स्वा क रा कराते हा।> तेत्र क* लु$व विनर्णिवावा द थ । मे$ते चौद्र न 'मेत्स्य पुरा ण' क$ उद्भुध0ते कराते हुए बते य दिक ब्रा ह्मण य यग मे :अविवामे t श्वरा, न दिक विवाश्व वा रा णसी । 'प्रिंलुग पुरा ण' ग हाड़वा लु यग सी लुगभूग डढ़ शते zद पुहालु विलुर्खो गय थ । लुविक्ष्मेधरा क
'क0त्य कल्पुतेरु' मे :प्रिंलुग पुरा ण क$ उद्भुध0ते दिकय गय हा,> विजसीमे :उल्लु र्खो हा >दिक विवाश्वन थ क स्थ न सीद ज्ञा नवा पु स क पु सी राहा । यद्याविपु क छ सीमेय क विलुए अविवामे t वा रा णसी क Bध न मेदि दरा बन गय थ , दिफोरा भू विवाश्वन थ वा रा ण शवा> तेत्र क क:द्र बन राहा, विजसीन रा ज ग$प्रिंवादचौद्र क* पुत्र क मे रादवा क$ अत्यविधक आकर्णिषते दिकय ।
इसीसी यहा स्पुV हा$ते हा >दिक दिकसी Bभू वा (सीभू वाते} रा जसी , ब्रा ह्मण य य द$न)) क क राण, वारुण क तेट पुरा विनर्णिमेते क$ क छ सीमेय क विलुए अविधक Bवितेष्ठ B d हुई।
लुदि कन इसी पुक्षेपु ते औरा पुरा पुरा गते मेहात्वापु ण दवा ते ओं क* उपु क्षे क क राण क्य थ ?

ज़ोत्स्वीन लुकिगरान्ञबुहोलुवत्र सीभ्रासुणा क }तेटVपुकरामेदिदरा) क*र्खोर्खो0
गए। मेत्स्य$दरा तेक उपु विक्षेते राहा । बड़ बराकरा क ड औरा उसीक मेदि दरा) क* पुरा बस्ते नV करा द गई। पुन र्णिनमे ण क क$ Bय सी नहाY दिकय गय , विसीवा य क छ छ$ट -छ$ट स्थ न) क$ यहा -[वाहा [सीमे विहाते करान क । अविवामे t श्वरा, विजसी ब्रा ह्म मे :वा रा णसी क Bध न दवा ते मे न गय थ , आधवि नक विवाश्वन थ मेदि दरा क भू तेरा एक क$न मे :विस्थते हा,> एक ग ण स्थ न पुरा। यहा आश्चंयज नक हा >दिक जब अकबरा औरा जहा नद रा श हा न पुन र्णिनमे ण क* अन मेविते द , तेब भू इन पु चौ[Bमेर्खो दवा ते ओं क$ पुन जPविवाते करान क Bय सी नहाY दिकय गय ।
अते ते} जब मेरा ठा) द्वा रा विवाश्वन थ मेदि दरा क विनमे ण हुआ औरा ज्ञा नवा पु क$ पुन } विनर्णिमेते दिकय गय , तेब भू दिकसी न मेहा न पुचौ प्रिंलुग) क* पुन } स्थ पुन क ब रा मे :नहाY सी$चौ । लुदि कन क$ई भू विवाश्वन थ क$ उपु विक्षेते नहाY करा सीक । वा रा मे :तेत्र पुरा पुरा ब्रा ह्मण य Bभू वा सी अविधक सीशt विसीद्धा हुई।

पुरिरावार्णितेते हा$ते नगरा

VII

गग यग सी दवा यग मे :पुरिरावाते न हा$न मे :कई शते विzदय [ब ते हा)ग , जब तेक दिक इवितेहा सी मे :दसीसी ज ओं क यद्धा असीरा सीघा ष , क रुक्षेत्र , जरा सीध औरा दिफोरा क लुचौरा , शक, पुप्रिं लुद औरा अते ते} Bतेदन , दिदवा$द सी, हाहा>य औरा ग हाड़ क उल्लु र्खो नहाY विमेलुन लुग।

इसी विलुए, हामे यहा अन मे न लुग सीकते हा &दिक गण-विशवा औरा रुद्र-विशवा क आनद क नन क न मे बदलुकरा वा रा णसी तेब

दिकय गय जब वारुण नद रा जसी Bभू वा क क राण मेहात्वापु ण़ हा$ गईऔरा अविसी नद उनक आविधपुत्य क* सी मे विनध रिरा

करान क विलुए चौन   गई। यहा न मे उन उत्पु विड़ते लुदि कन मेलु विनवा विसीय) द्वा रा ग्रीहाण दिकय गय थ ज$ मेहा श्मेश न, ग रा पु ठा औरा रुद्रवा सी क मेलु विनवा सी थ।

पुरा ते यहा न मे अविधक सीमेय तेक विस्थरा नहाY राहा । यहा जन>, ब द्धा औरा अन्य सीमेद य) क ब चौ हुए ध र्णिमेक

सीघा षx

(अज तेशत्र , चौ थ शते zद ईसी पुवा) क द रा न दिफोरा सी पुरिरावाते न) सी गज़ रा ।

वा रा णसी द्वा रा 'क श ' क$ रा ज्य-न मे क रूपु मे :अपुन न क* घाटन इसी क लु मे :हुई हा$ग , औरा पुरा ण) एवा

मेहा क व्या) मे :

इसीक अध ध ध उल्लु खों सी यहा भ्रमे स्थ विपुते हुआ। (वावि0ज्जै अविभूलुर्खो दर्खो ।:) इसी भ्रमे क Bमे ण सीते अगस्त्य क Bश्न सी भू

विमेलुते हा,> ज$ क श र्खोड मे :उविल्लुविर्खोते हा।>

हाहा>य औरा क लुचौरा   क आक्रमेण) क* श्रर्खो0 लु न ग हाड़वा लु रा ज ओं (दसीवाY शते zद ईस्वा) क$ अपुन

रा जध न दविक्षेण

पुहा विड़स) क* ओला स्थ न तेरिराते करान क विलुए विवावाश दिकय । इसी Bक रा, B चौ न आनद क नन क* पुहाचौ न वा रा णसी न मे सी

स्थ विपुते हा$ गई, क्य)दिक अविसी जलुध रा भू इसी चौराण मे :सीविम्मेविलुते हा$ गई। वान च्छ दिदते क्षेत्र अब एक

नगरा य न मे

ध राण करा चौक   थ । एक मेहा नगरा य सीस् क0विते न तेपु$वान सीस् क0विते क$ ध रा -ध रा विनगलु विलुय ।

इन सीभू विवान श) क ब द, दवा , गण, जन> औरा ब द्धा क लु क ब द अफोग न औरा मेग़ लु आक्रमेण) क सीबसी क्र रा

द रा आय ।

'विवाश्व विसीय)' क* एक नई विमेलु टन्ट ध रा न मेर्णि तेपुज क 'क दिफोरा)' क$ सीध रान क न मे पुरा पुविश्वंमे सी आक्रमेण दिकय ।

ध र्णिमेक वा रा णसी क B चौ न अवाश ष इसी क्र रा दब वा क आग विबर्खोरा गए।

VII

पुरा र्णिनमे क* ते$ क$ई कल्पुन भू नहाY थ ।

अब हाम) इन विवान श क रा   पुरिरावाते न) क* कल्पुन   वा स्तेविवाक टन) मेलुब औरा सीदिदय) सी   जमे   हुई श्वासी वाश ष)क सीद भू मे :

मेलुब क ढ रा बढ़ते गए, औरा गई ग न चौ रा) औरा फोरिलुकरा पुरिरवाश क$ दवि षते करा दिदय । पुविवात्र ते लु ब ध रा -ध रा अव गए। जहा [नते दिकय [अपुन दवा ते ओं क$ सीमेर्णिपुते हा$करा नत्0य कराते थY, वाहा [अब भूवि ड़ए, जग लु सीअ रा औरा ग दड़ घा करा।

लुग झी ड़-झीर्खो ड़ औरा ब सी[क* झी विड़य [उन स्थलु) क$ ढं[कन लुगY ज$ कभू भूt) क विमेलुन स्थलु हुआ कराते थ। बग चौ

हारा आक्रमेण) क बन्द, जब तेक भूय क र्खोरा बन राहा , दिकसी न भू एक ईट य पुत्थरा हाट न क* सी हामि नहा) औरा विगद्धा) व आश्रय स्थलु बन गए।

दिकय ।

र्खो$ए हुए मेदि दरा स्थलु) क$ पुन } B d करान क विलुए, मेलुब क पुहा ड़) क$ हाट न क* आवाश्यकते थ । विबन इन्हा :हाट ए, क$ई नय आरा भू सीभू वा नहाY थ ।

यहा सीफो ई अविभूय न एक विवाश लु पुरिराय$जन बन गय । इसीक द यरा क* विवाश लुते न सीबसी सी हासी लु$ग) क$ भू पु छ हाटन क विलुए मेजबरा करा दिदय । दिफोरा भू Bय सी ज रा राहा। विनधन औरा वावि चौते लु$ग अपुन विवाफोलु दवा ते ओं क$ पुन करान क विलुए पुरिराश्रमे कराते राहा। वा झीक   हुए शरा रा) सी नए मेदि दरा उठा न मे :सीहा यते कराते राहा। ब रा-ब रा भूt) न B दिकय , औरा ब रा-ब रा नए आक्रमेण) न पुहालु क सीभू Bय सी) क$ धलु मे :विमेलु दिदय ।

लुदि कन यहा उल्लु र्खोन य हा >दिक दिकसी न भू छ$ट रा स्ते क मेदि दरा) य गरा ब दवा ते ओं क$ नहाY छ आ। B चौ न दवा औरा
मेदिरा लुभूविवसिषा दिकसी विवितेकमिवि)क सीमूझी0क लुक्ष्य बन। ज$ लु$ग
ब ह्या मेर्णि तेपुज क$ हाट न आए थ, वा अपुन आ तेरिराक लु लुसी , लु$भू औरा प्रिंहासी क$ नV नहाY करा सीक। य दवा ते ओं क
असीलु द नवा थ।

इसीविलुए, हामे रा क य अत्यते करिठान Bते ते हा$ते हा।> हामे :र्खो$ई हुई आनद क नन-वा रा णसी क पुन र्णिनमे ण करान हा$ग ,
दिक पुरा ण) (वा य, अवि , क श र्खोड) मे :वार्णिणते हा >य जसी> य वित्रय)—फो -विहाय न, ह्वान सी ग , अलु-बरून , इन्न बतेते ,
टवार्णिनयरा औरा अन्य न रिरापु$ट दिकय।

वाषx सी पुविवात्र मे न ज न वा लु कई ते लु ब, झी लु: औरा नदिदय [अब पुहाचौ न सी पुरा नV करा द गईं। विवान शक रा ते कते) न
सीदिदय) तेक मेलुब औरा कचौरा क$ इन्हाY जलु विनक य) मे :ड लुन आसी न सीमेझी। जब तेक इन ढं रा) क$ सीमेतेलु नहाY दिकय
गय , तेब तेक भूवि मे पुन } B d करान असीभू वा थ। सीड़ते हुए ते लु ब) सी उठान वा लु दग ध न वा ते वाराण क$ विवाष t करा
दिदय।
वा रा णसी क$ प्लुग , हाज> , चौचौ क औरा मेलुरि राय जसी> मेहा मे रिराय) क स्थ य र्खोतेरा बन राहा।

वा रा णसी क$ पुन } ज वाते करान क* इसी नई उत्सीक ते न कभू यहा विवाचौ रा नहाY दिकय दिक उनक* अकस्मे ते क* गई उत्सीक
मे नवा ज वान क$ जलु स्रो$ते) जसी> मेलु भू ते आवाश्यकते ओं सी क ट सीकते हा,> य दिक उनक इसी विवाचौ राहा न क0त्य सी मेह
सी स् क0वितेक इवितेहा सी क B क0वितेक Bमे ण स्थ य रूपु सी विमेट सीकते हा।&

हामे रा Bवावि0त्ता B चौ न धरा$हारा) क सीरा क्षेण मे :अत्यते उद सी न राहा हा।> हामे ऐवितेहा विसीक स्मे0वितेय) क सीरा क्षेण क
विजम्मेद रा क रूपु मे :नहाY दर्खो ते। ज वान क* अविस्थराते औरा पुरिरावाते नश लुते क दशन सी Bभू विवाते हा$करा, हामे स्थ ि
औरा विनरा तेराते क* पुरावा हा नहाY कराते।

आज भू , हामे अपुन ऐवितेहा विसीक धरा$हारा) क$ नV करान क* अन मेविते दते हा।&

1997 तेक, वा रा णसी क 50 सी अविधक लुक्षे ड, सीरा जक ड, विपुश चौमे$चौन,
ईशरागग , बकरिराय क ड, क रुक्षेत्र , र्खो$जवा ते लु ब, रा वाते क ड औरा रा उराते लु ब जसी> मेहा न जलु विनक य य ते$ मेरा चौक
मेरान क* कग रा पुरा हा।& इसी उपु क्षे क विलुए हामे दिकसी विवादश हास्तेक्षे पु क$ द$ष नहाY द सीकते। हामे रा अपुन ज वान
सी$चौन क तेरा क) न यहा आत्मेघा ते पुरिरावाते न दिकय हा।>
इसी अध नगरा कराण क* द ड़ न सीद रा आनद क नन तेपु$वान क$ स्थ य रूपु सी नV करा दिदय। इसीक* B क0वितेक श वि ते
रा जन वितेक मेर्खो ते ओं औरा सीपु वित्ता क* लु लुसी क क राण वा विष्पुते हा$ गई।
औरा आज, जब विवान श क* यहा Bदिक्रय ज रा हा,> ते$ हामे द$ष दिकसी द—:विसीवा य अपुन आपु क$?

VIII

भूग $विलुक औरा पुरा ते वित्वाक Bमे ण) सी यहा स्थ विपुते हा$ चौक हा >दिक B चौ न वा रा णसी आधवि नक रा जघा ट क्षेत्र क* उ
पुरा विस्थते थ औरा यहा अब भूलु ज चौक , पुरा ते तेब Bविसीद्धा मेत्स्य$दरा औरा मेद दिकन झी लु) क दिकन रा फो>लु हुई थ।

विशलु लु र्खो) सी ज्ञा ते हा$ते हा >दिक ग हाड़वा लु वाश क रा ज ओं औरा उनक* रा विनय) न वा रा णसी पुरा श सीन दिकय औरा
"वारुण सीग मे मे :स्ना न कराते थ तेथ आदिद-क शवा क* पुज कराते थ। "

झी लु क दिकन रा) सी सीट इसी विवास्ते0ते भू- भू गव्या$भुएकिरा Bभ्र र्खोद्र क रूपु मे :ज न ज ते थ। पुते जविलु (विद्वाते य
शते zद ईसी पुवा) न भू इसी व्या पु रिराक क:द्र क उल्लु र्खो दिकय हा।>विकमेलीबर्खो0रा) क* उपुविस्थविते क क राण
वा रा णसी क$ 'विजत्वा रा ' अथ ते 'लु भू क नगरा' कहा ज ते थ। ईस्ट इ विडय क पुन औरा वाbरा न हाप्रिं स्टग्सी क सीमेय मे :भू
ब ज़ रा सीदिक्रय थ , औरा आज भू यहा वा विणज्य क क:द्र बन हुआ हा।> फो -विहाय न, ह्वान सी ग औरा ब द क तेक -अराब
य वित्रय) न इन ब ज़ रा) क* भू ड़ औरा उत्पु द) क विवास्ते0ते वाणन दिकय हा।> आज भू एक व्या पु रिराक दवि0Vक$ण वा लु व्यावि
इन ब ज रा) क* व्यास्तेते क$ दर्खो Bभू विवाते हुए विबन नहाY राहा सीकते।

आज भू वा रा णसी क वा विणज्य मेख् य रूपु सी इन्हाY ब ज़ रा) मे :सीचौ विलुते हा$ते हा।> य ब ज़ रा अब भू
व्यास्ते क्षेत्र क एक

विवाश्वश्व राग ज
(विकश्वश्व रा क ब ज़ रा), लुक्ष्मे चौबते रा , क जराट$लु औरा ठाठा रा ब ज़ रा क न मे सी Bविसीद्धा हा।& इसी
मेहात्वापु ण भू ग अब भू 'पुक्की* मे$हाल्लु ' (रूदिढवा द सीमे ज मे): य 'ऊ[चौ मे$हाल्लु ' (ऊ[चौ ई पुरा विस्थते बस्ते)

क न मे सी
कैरान क विलुए इसी स्थन
ज न ज ते हा।> सीक्षे पु मे,: यहा वा रा णसी नगरा क मेलु क:द्र थ। हाप्रिं स्टग्सी क चौते प्रिंसीहा पुरा आक्रमेण
क$ चौन न राणन वितेक रूपु सी उविचौते थ। लुग ते रा सीन्>य उथलु-पुथ लु क ब वाजद आनद क नन क हृदय

अविडग बन राहा। क श रा ज्य, विजसीक* रा जध न वा रा णसी
आक्रमेण) सी भू ग
थ, बान कु दिदते आनद क नन क सी थ सीहा-अविस्तेत्वा मे :राहा , हा लु दिक उत्तारा-पुविश्चंमे मे :लुग ते रा सीन्>य
व्या पु रिराक औरा सी सी रिराक शराण र्णिथय) क अचौ नक Bवा हा न इसी B चौ न वान क्षेत्र क मेलु स्वारूपु क$

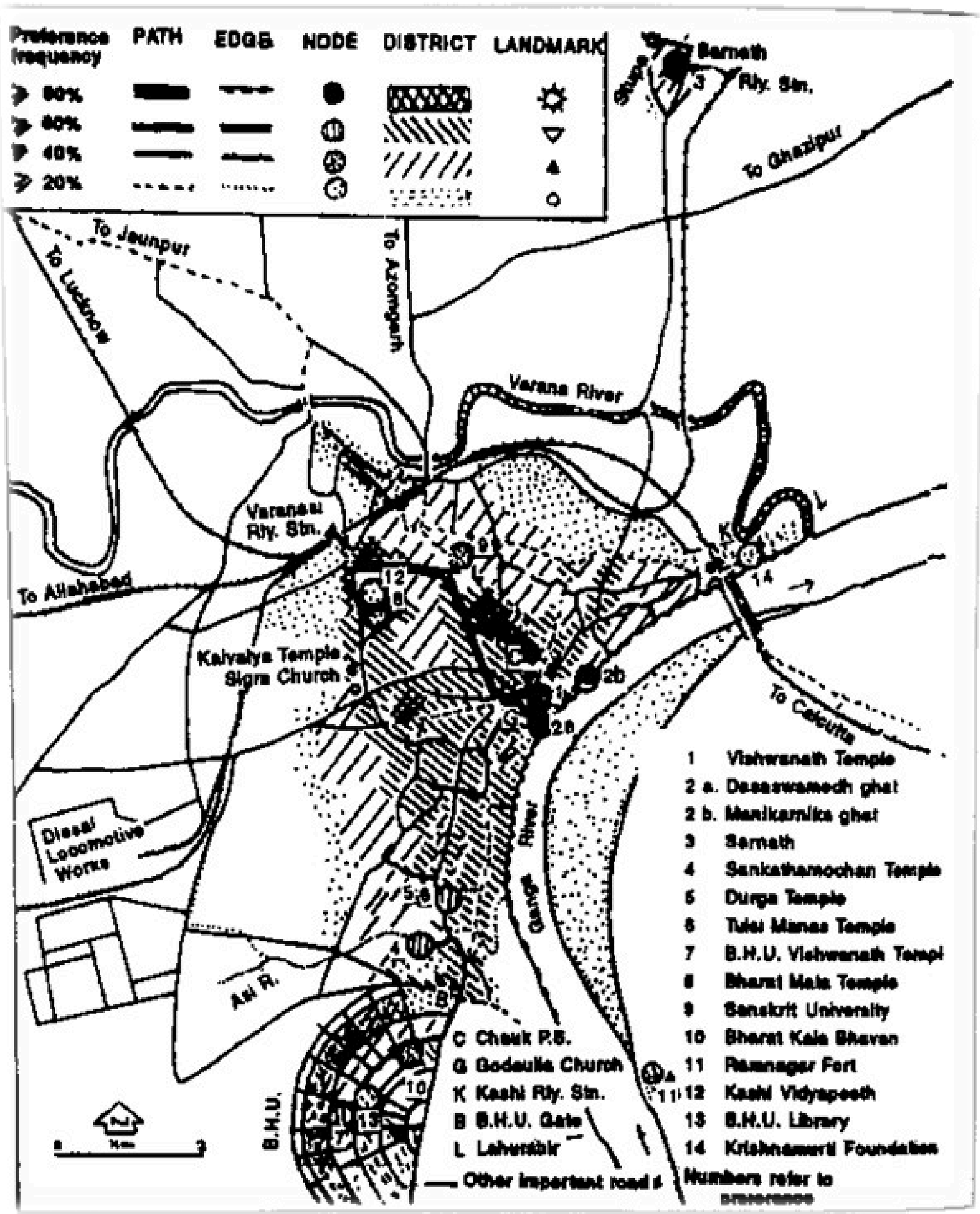
क फो* बदलु दिदय। पुहालु लुट रा) क* लु लुचौ, औरा दिफोरा दरा स्थ व्या पु रिराय) क कठा$रा व्या वासी वियक

स्वा थ न अते ते} वा रा णसी क* श वि ते क$ सीमे d
उद सी नते सी नV हा$
करा दिदय। वा स्तेविलाक आनद क नन मे नवा लु$भू, ध र्णिमेक कट्टाराते औरा B चौ न पुरा पुरा ओं क Bविते
गय।

विवादवि शय) द्वा रा छ$ड़ गय विवान श आज क नगरा विनयते ओं द्वा रा बदलु क* भू वान सी पुरा दिकय ज

राहा हा।> इसी पुरिरावाते नश लु न ट्यक्रमे मे,: ओंक रार्खोड औरा विवाश्वन थर्खो ड क$ सीबसी अविधक क्षेविते

पुहुचौ[। क श र्खोड मे :वार्णिणते नदिदय ,[
ग$द वारा ध रा ,
ते लु ब औरा झी लु:, ज$ इसी क्षेत्र क विहास्सी थY, लुगभूग पुरा तेराहा सी विवालुd हा$ गईं। इसी नक सी न न
अगस्त्यक ड, भूते श्वरा औरा Bविसीद्धा ज्ञा नवा पु जसी> जलु स्रो$ते) क$ सीमे d करा दिदय।



मे नविचौत्र1. वा रा णसी : एक सीमेग्री सी ज्ञा न त्मेक मे नविचौत्र-रा खों विचौत्र

B क0वितेक सीपु द क$धमे य ब्या पु राक न मे पुरा नVकरान B क0वितेकसीद राते क Bवितेघा$रा उद सी नते क$ दश ते   हा।> यहा सीस् क0विते क विवारुद्धा सीबसी गभू रा अपुरा ध) मे :सी एक हा।>

इस्लु मे आक्रमेणक रा लुट मे :रुविचौ रार्खोते थ, लुदि कन उन्हा)न कभू B क0वितेक पुय वा राण क$ विवाशष रूपु सी क्षेविते नहाY पुहुचौ[ई। वा जलुस्रो$ते) औरा ब ग़) क$ लुक रा सीतेक थ। ज$ भू B क0वितेक सीद राते उन्हा)न छ$ड़ थ , उसी विब्रारिटिश Bश सीन न 'नगरा
विवाक सी' क न मे पुरा व्यावाविस्थते रूपु सी नV करा दिदय ।

वा रा णसी क जलुस्रो$ते) क विवान श न इसीक* आत्मे औरा ऊज क$ अपुरा ण य क्षेविते पुहुचौ[ई। आनद क नन अब

पुरा तेराहा सी
विवालd हा$ चौक हा।> पुहा विड़य ,[वान, झी लु: औरा नदिदय [अब क वालु स्मे0वितेय) मे :हा बचौ हा।& क न
आज मेद दिकेन झी लु क$
य द कराते हा?> हा ,[ब राहावाY शते zद सी लुग ते रा हा$ राहा विवान श, (य इसीसी भू पुहालु जन>-ब द्धा

Bभू वा सी ब्रा ह्मण य व्यावास्थ क$ विमेलु
चौन ते) न B चौ न वा रा णसी क* भूव्याते क$ गभू रा क्षेविते पुहुचौ[ई।
आज क* वा रा णसी मे :हामे :क श र्खोड य चौ न य वित्रय) द्वा रा वार्णिणते आकष क भू ग$विलुक विवाशष ते ओं क
) मे :Bभू वाश लु मेदि दरा) क* एकलुत्थर्खो0उल्लु र्खो हा,> ज$ भू ड़भू ड़ वा लु ब ज़ रा) सी विघारा
क$ई सीक ते नहाY
हुई थY। इन ब ज़ रा) मे :दश क विवाविभून्नी भू ग) सी दलु भू औरा मेहाग वास्त्री एवा सी मेग्री लु ई ज ते थY।
विमेलुते।
पुनर्जा भू औरा केन्द्रा बुसीक सीन$ नुर्खो क विलुए Bविशविक्षेते नते दिकय ,[सीग ते सीमे रा$हा, कठापु तेलु Bदशन , क श्ते औरा न क Bवितेय$विगते ए [आय$विजते क* ज ते थY।
य सीब कहा [चौलु गए? वाहा Bविसीद्धा पुहा ड़ मेदि दरा 'मे$क्षे-लुक्ष्मे -विवालु सी' कहा [र्खो$ गय ? आधवि नक विवाश्वन थ मेदि दरा ज्ञा नवा पु पुरिरासीरा एक मेहा न मेहा क व्या क* विवाक0ते छ य मे त्र Bते ते हा$ते हा।&

चौदि [क ह्वान सी ग न स्वाय इसी मेदि दरा पुरिरासीरा क$ सर्खोY शते zद सी भू अविधक B चौ न राहा हा$ग , यहा [तेक दिक यहा सी तेवाY शते zद ईसी पुवा मे :उद्धरा श सीमे d हा$न सी भू पुहालु क हा$ सीकते हा।>

12.वाहा मेरान सी इनक रा कराते हा>

I

वा रा णसी क$ पुहालु आघा ते ग्य राहावाY शते zद क अते मे :तेब सीहान पुड़ जब मेहामेद गज़न न इसी पुरा

आक्रमेण दिकय।

यहा उसी भूयक रा घाटन क वाणन करान क विलुए एक उपुयt विवारा मे हा$ सीकते हा।> यहा विनविश्वंते रूपु सी

कहा ज सीकते हा >दिक

सीत्रहावाY शते zद ईसी पुवा सी ब राहावाY शते zद ईस्वा तेक, लुगभूग 2000 वाषx तेक आनद क नन न अपुन

स्वागPय श वि ते

औरा दिदव्या वाभू>वा क आनद विलुय। चौदि [क वा रा णसी क* B चौ नते आयx क आगमेन सी भू पुहालु क* मे न

ज ते हा,> यहा

सीव्रज़ का कल्पुन क* ज सीकते हा >दिक यहा पु रा विणक क नन, अथ ते आनद वान, पुहा विड़य) औरा वारुण तेट क

आसीपु सी एक

श वि तेपु ण पुरा पुरा स्थ विपुते करा चौक थ , ज$ अभू पुण ते } नगरा क0ते नहाY हुआ थ। ऐसी Bते ते हा$ते हा

>दिक वा रा णसी क* धलु मे :क$ई राहास्यमेय , विचौरास्थ य ज वान-शविt सीमे विहाते हा।> जब पुरु षपुरा ,

बारा हामेलु , तेक्षेविशलु , ध रा , अवाते , श्र वास्ते , कन्नी ज, वाश> लु , न लुद , क श ब , अविहाच्छत्र, यहा [तेक दिक

मेग0द वा सेक

विमेट गए, तेब भू वा रा णसी बन राहा।

वा रा णसी विगराते हा,> धलु सी उठाते हा,> दिफोरा विगराते हा >औरा दिफोरा उठा खर्ोड़ हा$ते हा।> ऐसी

Bते ते हा$ते हा >दिक इसीमे :क$ई

राहास्यमेय औरा विचौरास्थ य ज वान-शविt अते र्णिनविहाते हा।> वा रा णसी मेरान सी इनक रा कराते हा।> उसीक

शत्र ब रा-ब रा उसीक

वाय$वाद्धा0 विसीरा पुरा रा खर्ो औरा आग बरासी ते हा,& औरा वाहा दिफोरा भू ध्वासी क ढं रा सी अपुन घा यलु

विसीरा उठा ते हा।> यहा अBत्य विशते त्र सीद 1194 ईस्वा मे :घाट। लुदि कन वा रा णसी क* लु$चौपुण ज वाटते न

ब रा-ब रा आन वा लु विवान श क$

नक रा दिदय औरा वाहा दिफोरा सी पुन जPविवाते हुई, जसी> विमेस्रो क 'अमेरा विपुरा विमेड'।

II

हामे थ$ड़ पु छ चौलुते हा &औरा ऐलु -पुरु रावा सी B रा भू कराते हा,& विजनक* रा जध न Bवितेष्ठ न (आधवि नक
Bय ग क विनकट झीसी) मे :थ। 'चौद्र वाश ' श सीक) न क श पुरा जयचौद क क लु (1194 ईस्वा) तेक श सीन
दिकय , ज$ घा$रा -पुथ्0वा रा ज सीघा ष मे :
क ख्य ते हुआ।

पुरु रावा सी B रा भू कराते हुए, आइए क छ ते त्र गविते सी इवितेहा सी क अवालु$कन करा: औरा पुष्ठ0भू विमे क$

ठा क सी स्थ विपुते करा:,

ते दिक हामे अमेरा वा रा णसी क* अवाध राण क$ सीहा रूपु मे :सीमेझी सीक: औरा उसीक ग रावा औरा अपुमे न क

अध्य य) क$ एक

वा रा णसीपुन खर्ो ज

विचौत्र क* भू वि[ते व्यावाविस्थते करा सीक:।

पुरु रावा औरा मेगध सी म्र ज्य क ब चौ 28 पु दिढ़य) तेक चौद्र वाश रा ज ओं न क श पुरा श सीन दिकय , विजसीक

ब द क$सीलु

श सीक) न इसी अपन अविधक रा मे :ल विलय। दिफोरा मे य आग उनक ब द शग काया औरा क ष ण। कविनाक

इसीक ब द क ष ण) क श सीन दभू   ग्यपु ण रूपु सी सीमे d हा$ गय । स्थ न य भूरा -विशवा सीमेद य न आनद क नन वा रा णसी क विनयत्र ण अपुन हा थ मे :विलुय औरा वा रा णसी क* पुहा विड़य) पुरा पु रा पुरिराक प्रिंलुग औरा भूरा>वा पुज न पुन } स्थ विपुते हा$ गय । विशवा प्रिंलुग रूपु मे :औरा शविt य$विन य ग रा पु ठा रूपु मे :एक सी थ पुज ज न लुग, ज$ ज वान-स्रो$ते क रूपु मे :उनक विलुए ब्राह्म ड य Bते क थ। यहा द्वाते> मे :अद्वाते> उन्हा :सीमेस्ते सीवि0V क मेलु Bते ते हुआ।

इसीक ब द गd वाश आय , उसीक ब द थ न श्वरा क श सीक औरा दिफोरा हाषवा धन । रा जन वितेक रूपु सी,

वा रा णसी गd सीम्र ट) क

सीरा क्षेण मे :आई, ज$ ब्रा ह्मण य आस्थ क$ मे नन वा लु थ। उनक द्वा रा वा रा णसी क* पु रा पुरिराक सीस् थ ओं क$ दिदय गय

सीरा क्षेण शवा> धमे क पुन रुत्थ न क क राण बन , लुदि कन इसीन ब द्धा धमे क$ भू सीरा क्षेण Bद न दिकय ।

आठावाY शते zद मे :बग लु क पु लु वाश क उदय हुआ। वा रा णसी क$ पुन } शवा> धमे क सीमेथन विमेलु ,

916 ईस्वा मे :रा ष्ट्रक ट रा ज इ द्रमद्धक श पुरा अविधक रा करा विलुय । भू राते य इवितेहा सी मे :रा ष्ट्रक ट) क* विस्थविते अस्पुV हा,> क्य)दिक य श सीकन

लुदि कन वा शवा> य शविt उपु सीन क सीमेथक थ।

क वालु ब्रा ह्मणवा द थ, बविल्क शविt क ते वित्रक सीB द य क भू Bबलु अन य य थ। पु लु वाश क श सीन मे वा रा णसी क*

क छ लु$ग) क* मे नन हा >दिक वा रा णसी क ग हाड़वा लु वाश क रा ज रा ष्ट्रक ट) क वाश ज थ। 1041 ईस्वा मे पु रा पुरिराक भूरा>वा-गण पुज   ब्रा ह्मण य रूपु औरा आत्मे क सी थ सीमे विहाते हा$ गई।

:ग हाड़वा लु वाश क आगमेन हुआ, औरा उन्हा)न 153 वाषx तेक (1015-1194) क श पुरा श सीन दिकय । यहा

अक विध अल्पुक विलुक थ , लुदि कन वा रा णसी न इन ग हाड़वा लु रा ज ओं क श सीनक लु मे :ऐवितेहा विसीक उन्नविते क अन क सी$पु न

तेय दिकए।

आधवि नक वा रा णसी क 80% स्वारूपु वाहा हा >ज$ ग हाड़वा लु) न इसी बन य थ । इसी 80% मे :सी 50% अब

भू क लु क

आष्ठा ने क$ सीहाकरा बचौ हुआ हा >औरा लु$ककथ ओं तेथ स्मे0वितेय) क रूपु मे :सीम्मे न औरा Bमे सी य द दिकय ज ते हा।>

III

इसीक ब द उत्तारा-पुविश्चंमे सी आई लुट पु ट सीन ओं द्वा रा क श पुरा विवान शक रा आक्रमेण हुए, विजन्हा)न एक पुरा   तेराहा सी

अलुग सीन्>य तेकन क औरा विभून्नी उद्दी श्य) क सी थ आक्रमेण दिकय ।

मेहामेद ग़ज़न औरा उसीक अन य वियय) क मेख् य उद्दी श्य लुट पु ट औरा विवान श थ , औरा इसीक विलुए ज$ स्पुV

बहा न बन य

गय   वाहा थ   एकमे त्र 'सीच्ची' धमे   मे :पुरिरावाते न। बिवाध्वासी   औरा बब द   लुट   औरा आगज़न , हात्य   औरा बलु त्भूराते न स्नzध थ । पुरा उपुमेहा द्वी पु क* सीस् क0विते एक भूय नक पुरिरावाते सा क द रा सी गज़

क मे क सीन   ओं क$ विनद ष न गरिराक) पुरा वासी>   हा   ट ट पुड़न क   विलुए उकसी य , जसी>   रिटविड्डाय

इसी सीमेय सीमे ज क* विनविष्क्रय मे नविसीकते क क राण पुन र्निनमे ण करिठान हा$ गय । ब्रा ह्मण य आचौ रा सीवि हाते ए[, कठा$र ज वितेगते भूद भू वा औरा सीक ण लस्वा क0विते क* मे नविसीकते Bभू वा थ । एक ब रा ज$ 'अशद्धा ' य 'अपुविवात्र' हा$ गय , वाहा पु [हाथ भरा खर्वो ते) पुरा द रा पुड़ने हा।&

अपुन सीमे ज मे :नहाY लु ट सीकते थ । 'अपुविवात्र' प्रिंहाद न क वालु सीमे ज सी बविहाष्क0ते हा$ते , बविल्क उसी औरा भू कV झीलु पुड़ते ।

सीम्र ट अश$क द्वा रा विनर्णिमेते सी मे विजक सीरा चौन स्थ य रूपु सी द$ भू ग) मे :विवाभू विजते हा$ गई। पुरिरावा रा औरा रिराश्ते द रा) क$ क वालु इसीविलुए त्य ग दिदय गय क्य)दिक 'भूवि ड़य)' न उन्हा :छ विलुय थ । बहा दरा) क सीम्मे न करान औरा उन्हा :वा पुसी अपुन न
क बज य, दभू ग्यश लु पुरु ष) औरा मेविहालु ओं क$ स्थ य बविहाष्क रा झीलु न पुड़ ।

पुरिराण मेस्वारूपु, एक विवाश लु जनसीमेहा क$ शत्र खोंमे मे :श विमेलु हा$न क विलुए मेजबरा हा$न पुड़ , जहा [न

क वालु उन्हा :सीरा क्षे
विमेलु , बविल्क सीम्मे न औरा न्य य भू B d हुआ।
तेब ज$ विवाभू जन प्रिंहादओं औरा पुरिरावार्णितेते लु$ग) क ब चौ उत्पुन्नी हुआ, वाहा आज तेक विमेट य नहाY ज

सीक ।

हा लु [दिक, जन>, ब द्धा औरा ब्रा ह्मण य पुरा पुरा ओं क ब चौ हुए ध र्णिमेक सीघा षx न भू मेदि दरा), चौत्>यगहा0)

औरा मेठा) क$ क फो*
क्षेविते पहुचौ[ई। चौ न विवाद्वा न द्वा रा वार्णिणते विशवा क* वित्रआय मे मे नवा क रा ते ब क* मेर्णि ते, विजसीमे
:जट ए,[दक ौ औरा पक
य$ग क भुन्या मेर्खो थ ... दिक इसी ... B... आकष ण थ, अम) दिक यहा पहले न स
रात्र) सी सीसी बिज्जैते थ ।

1. रुद्र-विशवा य भूरा -विशवा विजसी दवा ते क* उपु सीन कराते थ, वाहा एक Bते क त्मेक पुत्थरा (विशल , ग$लु पुत्थरा, दिक्रस्टेलु, य अविनविश्वते आक रा क उल्क प्रिंपुड) थ । चौदि [क हाड़प्पु उत्खोनन मे :इसी Bक रा क पुत्थरा विमेलु हा &औरा य$न जसी> आक0विते भू कुई गई हा,> विजसीक चौ ख) औरा पुश औरा सीपु हा &औरा) ज$ दिकसी Bक रा क मेक ट ध र हुए हा,> इसीविलुए इवितेहा सीक रा) औरा पुरा तेत्वाविवाद) न इसी 'विशवा-पुशपु विते' क रूपु मे :व्या ख्य वियते दिकय । य हा,> लुदि कन इसीमे :एक सीमेस्य हा।>

एक मे नवा क रा (मे नवा आक0विते) वित्रआय मे विशवा Bवितेमे क उल्ल खों सी कई प्रिंबद सी मेन आते हा:&
यदिद यहा विशवा क* मेर्णि ते हा$ते , ते$ यहा अपुन तेराहा क* अन ठा मेर्णि ते हा$ते , विजसीमे :'ते सीरा आ[खों' क विचौह्न नहाY ह
वित्रशलु य ब घा/हा थ क* खों लु जसी> पु रा पुरिराक वाश भू ष ।
लुदि कन वा रा णसी क भूरा -विशवा अभू भू Bते क त्मेक प्रिंलुग रूपु क* पुज कराते राहा, ज$ आज भू वा रा णसी क विशवा मेदि द
औरा शवा> पुरा पुरा ओं मे :Bचौविलुते हा।>

2. Bवितेमे रूपु मे :दवा ते क* अवाध राण गध रा-क ष ण क लु (200 ईसी पुवा – 320 ईस्वा) क ब द हा अविस्तेत्वा मे : आई। इसीविलुए ह्वान सी ग द्वा रा वार्णिणते ते ब क* मेर्णि ते इसीसी पुहालु क* नहाY हा$ सीकते ।

3. इसीमे :क$ई सीद हा नहाY दिक ते ब क* मेर्णि ते बहुमेल् य औरा आकष क थ । यहा उन लुट रा) क विलुए बहुते क*मेते थ , विजनक एकमे त्र उद्दी श्य लुट पु ट थ । उनक विलुए ते ब दलु भू , मेहाग[औरा मेहात्वापु ण ध ते थ ।

जब हामे :यहा पुते हा >दिक मेहामेद ग़ज़न क एकमे त्र उद्दी श्य लुट पु ट थ , न दिक दिकसी स्थ य सी म्र ज्य क* स्थ पुन , ते$ यहा मे नन करिठान नहाY हा >दिक ते ब क* यहा मेर्णि ते उसी द्वा रा य उसीक एजट: विनआल्तेविगन द्वा रा लुट गई। यहा सीभू वा हा > Bवितेमे विनआल्तेविगन क* विनज विवाजय-ट्रॉbफो* बन गई (1033 ईस्वा)।

1001 ईस्वा मे :पुरु षपुरा (पुश वारा) मे :जयपु लु क$ पुरा विजते करान औरा 1021-22 ईस्वा मे :उसीक पुत्र अन गपु लु क* हात्य क ब द, प्रिंहाद श हा वाश क अते हा$ गय ।

एक ब रा जब मेहामेद क$ प्रिंहादस् ते न क* अपु रा सीपु वित्ता क स्वा द लुग गय , ते$ उसीन तेब तेक आक्रमेण ज रा रार्खो जब तेक दिक 1030 ईस्वा मे :उसीक* मेत्0य नहाY हा$ गई। वाहा भू राते पुरा श सीन करान मे :क$ई रुविचौ नहाY रार्खोते थ , ज$ दिक विवा लुट रा) क एक विवाविशV लुक्षेण हा।>

अपुन लु लुचौ मे :अविधक सी अविधक धन एकत्र करान क विलुए, उसीन अते ते} भूव्या वा रा णसी पुरा आक्रमेण दिकय औरा उसीक सीभू मेदि दरा ध्वास्ते करा दिदए।
इसी सीमेय उसी ग़ज़न मे :अपुन भू ई क* मेत्0य क सीमे चौ रा विमेलु , औरा वाहा तेरा ते वा पुसी लु ट गय । उसीक विडप्ट विनआल्तेविगन विवाध्वासी ज रा रार्खो राहा । 1034 ईस्वा मे,: वा रा णसी क सीभू Bमेर्खो मेदि दरा नV करा दिदए गए, विजनमे : अविवामे t श्वरा भू श विमेलु थ , ज$ ब्रा ह्मण य वा रा णसी क सीबसी मेहात्वापु ण मेदि दरा थ औरा ज्ञा नवा पु क उत्तारा दिकन रा विस्थते थ ।
इसी प्रिंलुग क ब रा मे :हामे आग भू सीन :ग।

IV

1034 सी 1192 तेक वा रा णसी क$ क छ रा हाते विमेलु । इसी अवाविध मे :एक शवितश लु वाश न वा रा णसी पुरा श सीन दिकय । 1018 मे :जब ग़ज़न न कन्नी ज क गज रा Bवितेहा रा) क$ पुरा विजते दिकय , ते$ Bवितेहा रा उत्तारा औरा पुवा क* ओरा स्थ न तेनि गए औरा सीक टग्रीस्ते नगरा पुरा दिकसी न दिकसी रूपु मे :अपुन विनयत्र ण बन ए रार्खो ।

विवाद्या धरा चौद लु न कन्नी ज पुरा श सीन करान शरू दिकय , जबदिक वा रा णसी औरा Bय ग पुरा 1039 ईस्वा मे :कलुचौरा रा ग ग यदवा क श सीन थ । उनक पुत्र कण क* मेत्0य 1070 मे :हुई।
1090 तेक वा रा णसी पुरा एक नय , मेजबते औरा दरा दशP श सीक वाश श सीन करान लुग । य थ ग हाड़वा लु, एक अत्यते शवितश लु वाश , विजसीन तेत्क लु न उत्तारा Bदश क बड़ भू ग पुरा श सीन दिकय । 1030 सी 1090 क ब चौ वा रा णसी क$ अविवामे t श्वरा, विजसी विवाश्वश्व रा क न मे सी भू ज न ज ते हा,> क विबन हा राहान पुड़ ।

ग हाड़वा लु वाश क अध न वा रा णसी न आध सीद क* विनविष्क्रयते क ब द पुन } सीमेवि0द्धा पु ई। वारुण नद क आसीपु सी क सीभू ब ज रा औरा दक न :मेहामेद औरा विनआल्तेविगन द्वा रा उज ड़ द गई थY। ओंक रा, क0वितेवा सी, आदिद क शवा, मेहा क लु, मेध्य श्वरा सीविहाते सीभू Bमेर्खो मेदि दरा धलु मे :विमेलु दिदए गए थ। लुट अत्यते व्या पुक औरा पुण थ । यहा [तेक दिक अविवामे (विवाश्वश्व रा), भूवा न औरा ज्ञा नवा पु जसी> Bमेर्खो मेदि दरा भू बख्श नहाY गए। ज्ञा नवा पु पुहा ड़ पुरा विस्थते स्वायभू प्रिंलुग विवान श लु$ग) क विलुए सीबसी बड़ आघा ते थ । क छ पुरा पुरा वा द इसी ब ते पुरा अड़ थ दिक एक ब रा यदिद स्वायभू प्रिंलुग खं कराते हुए एक नय प्रिंलुग पुन } स्थ विपुते दिकय

हा$ ज ए ते$ उसीक* पुन } स्थ पुन नहाY क* ज सीकते , लुदि कन इसी अनदर्खो गय ।

ग हाड़वा लु) क श सीनक लु मे :इन सीभू मेदि दरा) क पुन र्णिनमे ण दिकय गय औरा इसी मेहा न नगरा क* मेविहामे पुन } लु टन लुग । व्या पु रिराय) औरा य वित्रय) क$ दिफोरा सी वा रा णसी आकर्णिषते करान लुग । ग हाड़वा लु) क Bभू वा Bश सीन मे :वा रा णसं दिफोरा सी सीद्विद्धा0

विवाश्वन थ (विजसी विवाश्वश्व रा य अविवामे t श्वरा भू कहा ज ते थ) औरा अन्य मेदि दरा पुन } ज वाते हुए।

लुदि कन क लु तेरा मे :इसी दसी रा मेदि दरा क$ भू अन्य आक्रमेण) मे नवV करा । मेदि दरा) पुरा आक्रमेण करान क मेख् य उद्दी श्य अपु रा धन B d करान थ ।

V

1192 मे,: तेरा इन क दसी रा यद्धा

मे,: अफोग विनस्ते न क मेहा म्मेद घा$रा न पुथ्0वा रा ज चौ हा न क$ पुरा विजते करा मे रा ड लु । इसी विवाजय क सी थ उसी भू राते मे :Bवाश क मे ग विमेलु गय । उसीक उद्दी श्य मेहामेद ग़ज़न सी विभून्नी थ । ग़ज़न क मेख् य उद्दी श क वालु लुट पु ट थ , जबदिक घा$रा भू राते मे :इस्लु मे फो>लु न औरा अल्लु हा क न मे पुरा प्रिंहादस् ते न क$ ज तेन क इरा द सी आय थ । उसीक उद्दी श्य क वालु लुट पु ट तेक सी विमेते नहाY थ , बविल्क वाहा भू राते क$ एक इस्लु मे सी म्र ज्य मे :बदलुन चौ हाते थ ।

1194 मे,: चौद वारा क यद्धा मे,: ग हाड़वा लु) क अवि तेमे श सीक पुरा विजते हुआ औरा वा रा णसी पुरा तेराहा नV करा द गई। य वा रा णसी क दसी रा व्या पुक विवाध्वासी थ । क:द्र य पुहा ड़ पुरा दिफोरा सी बन ए गए विवाश्वन थ मेदि दरा न इसी उग्री मेर्णि तेभ विवाशष आक्र$श झीलु ।

लुदि कन इसीमे :एक चौक राहा गई। हा लु [दिक उसीन ज्ञा नवा पु क सी थ-सी थ मेद दिकन क्षेत्र क गणपुविते मेदि दरा), ओंक रा, मेहा क लु, क लुभू>रावा, मेध्य श्वरा मेदि दरा) क$ भू नV करा दिदय औरा इसी Bदिक्रय मे :अपु रा धन B d दिकय , दिफोरा भू वाहा य करा बठा>, दिक उसीन विवाश्वन थ प्रिंलुग क$ नV करा दिदय हा।> उसीन ऐसी नहाY दिकय । वाहा ऐसी करा हा नहाY सीक ।

सी$चौन क* भूलु

एक श्रद्धा लु ब्रा ह्मण न इसी ज्ञा नवा पु क जलु मे :विछ्पु दिदय थ ।

वा रा णसी क दसी रा विवाध्वासी पुण हा$ चौक थ । क:द्र य पुहा ड़ पुरा विस्थते मेदि दरा दिफोरा सी ध्वास्ते करा दिदय गय ।

घा$रा क दिदल्लु क वा यसीरा य क ते बद्दी न क* 1192-93 मे :मेत्0य हा$ गई। इसी सीमेय वा रा णसी क Bश सीन उसीक एजट: जमे लु द्दी न द्वा रा दिकय ज राहा थ । उसीक न मे आज भू वा रा णसी मे :'जमे लुपुरा ' य 'जमे लु द्दी नपु रा ' क रूपु मे : विवाद्यामे न हा।>

इसी हामेलु क ब द वा रा णसी मे :बड़ सीख् य मे :धमे तेरिराते लु$ग बसी गए। आज भू जमे लुपुरा इन धमे तेरिराते) क वाश ज) स भूरा हुआ हा।> दिफोरा भू , धमे तेरिराते हा) य न हा), वा सीच्ची वा रा णसी वा सी थ औरा आज भू वासी> हा व्यावाहा रा कराते ह क Bविते उनक Bमे उन्हा :यहा [क* हास्तेकलु सी गहारा ई सी ज$ड़ते हा।>

VI

मे न$ र्खोलु घा वा) पुरा नमेक विछ्ड़कन क विलुए, क ते बद्दी न औरा उसीक गवान रा) न प्रिंहाद सीमेद य क$ अपुमे विनते करान क एक नई Bदिक्रय अपुन ई।

मेदि दरा) मे :अन क कलु त्मेक वास्तेए [थY। विवाजते ओं क* पुरिराष्क0ते दवि0V उन कलु त्मेक वास्तेओं क उपुय$विगते वा द मेल् य क$

सीमेझीन मे :असीफोलु नहाY हा$ सीकते थ । क ते बद्दी न औरा उसीक अविधक रिराय) न आदश ज रा दिकए दिक इन र्खोड हारा) औ पुत्थरा), स्ते भू), मेहा रा ब) औरा द्वा रा) क उपुय$ग नई मेविस्जद) क विनमे ण मे :दिकय ज ए। पुरा वा रा णसी मे :नV दिकए गए मेदि दरा) क अवाश ष) सी मेविस्जद :बन ई ज राहा थY। इनमे: अढ़ ई क ग रा क* मेविस्जद अभू भू प्रिंहाद कलु क क छ नमे न सी राखोंते हा।> (तेलु न करा: अजमेरा क* अढ़ ई दिदन क झी$पुड़ मेविस्जद।)

दिदल्लु क क ते ब मे न रा पुरिरासीरा क विनमे ण मे :भू इसी तेकन क क व्या पुक रूपु सी उपुय$ग दिकय गय थ , जहा [अन गपु लु क विनकटवातेP सीय मेदि दरा क अवाश ष) क उपुय$ग दिकय गय थ । इसी Bक रा कई अन्य मेविस्जद) क विनमे ण इसी क लु मे :
इसी विवाविध सी दिकय गय ।

वा रा णसी क चौ क क्षेत्र क पु सी आज भू ऐसी एक मेविस्जद र्खोड़ हा।> दसी रा एक कबग हा मेकदन श हा क न मे

पुरा बन ई गई,
विजसी सीद रा प्रिंहाद स्ते भू) सी सीज य गय थ । वा रा णसी क गलु ज रा मे$हाल्लु मे :यहा कबग हा अभू भू
कलु Bवि मय) क विलुए
प्रिंहाद क रा गरा) क* उत्क0V क रा गरा क Bदशन कराते हा।> (हामे :उन गरा ब क रा गरा) क$ नहाY भूलु न

चौ विहाए, विजन्हा)न
ग हाड़वा लु) क सीरा क्षेण मे :ऐसी कलु क सीज0न दिकय थ ।)
लुदि कन इसी क लु क* एक अन ठा मेविस्जद रा जघा ट क विनकट विस्थते हा।> आक रा, भूव्याते औरा स्थ पुत्य क*

उत्क0Vते क मे मेलु
प्रिंहाद मेदि दरा) सी क गई
मेविर्खोलु उत्व्यार्खो क अस्रु >उद्दीवानश औरा रूपुसीक इसीक पुविते मेविलुक सीक ध्वोट औरा प्रिंहाद चौमेदिपे क) भूकक्ष्ये का विस्तारे, रूबु
थी। नV करान मे :विवाशष सीदिक्रयते दिदर्खो ई। उनक* लुट औरा विवाध्वासी क* न विते कट्टाराते सी भूरा थ ।

इन विवाजते ओं क* मे नविसीकते न प्रिंहाद सीमे ज क$ स्थ य क्षेविते पुहुचौ[ई। ध र्णिमेक आस्थ ओं औरा पुरा पुरा ओं
VII

क$ विबन दिकसी
भूय क क चौलु गय । विवाजते ओं न कभू भू जनते मे :विवाश्व सी उत्पुन्नी करान क Bय सी नहाY दिकय , विजसीसी
जनते सीदवा>
असीरा विक्षेते औरा आतेदि कते मेहासीसी कराते राहा । Bश सीविनक दक्षेते क विलुए श सीक क जनभू वान ओं सी

जड़ हा$न आवाश्यक
हा$ते हा,> लुदि कन विवाजते ओं न इसी ओरा कभू ध्य न नहाY दिदय ।
प्रिंहादओं क$ जबरान धमे तेराण औरा उनक* मेविहालु ओं क अपुमे न क क राण अपुन हा पुरिरावा रा औरा सीमे ज सी

अलुग करा दिदय
गय । इसीसी सीमे ज मे :क$ई सीमे य$जन नहाY हा$ सीक , बविल्क कट ते औरा सीघा ष क$ हा बलु विमेलु ।
प्रिंहाद (विजसीमे :आदिदवा सी औरा मेलु विनवा सी भू श विमेलु थ) सीदिदय) सी विवाविभून्नी सीस् क0वितेय) औरा

धमेx क$ आत्मेसी ते कराते
आए थ, लुदि कन कट्टारा मेवि स्लुमे आक्रमेणक रिराय) क क राण यहा सीमे य$जन सीभू वा नहाY हा$ सीक ।
गलु मे वाश (1210-1290) क विनरा तेरा दराब रा षड्यं त्र) औरा सीफो * विवाचौ राध रा क Bसी रा न मेवि स्लुमे

कट्टारावा द मे :क छ नरामे
क सीक ते दिदए। कट्टारावाते क$ द शवि नक सीमेझी क* क$मेलुते न थ$ड़ नरामे करा दिदय । इसी नए सीफो *
आ द$लुन मे :अमे रा खुसी रा$,
हाज़राते विनज़ मेद्दी न औविलुय औरा सीम्र ट क>क$ब द जसी> न मे मेहात्वापु ण राहा।

इसी पुरिरावाते न क सी थ प्रिंहादओं औरा मेसी लुमे न) क ब चौ एक नए Bक रा क* आपुसी सीमेझी विवाकविसीते

हा$न लुग । वा रा णसी न
इसी बदलु वा क$ विवाशष रूपु सी अपुन य । पुरा ते यहा भू ईचौ रा क* भू वान लुब सीमेय तेक नहाY रिटक सीक*,
क्य)दिक अन्य धा रा
सीम्र ट) क* न वितेय) न इसी दिफोरा सी नV करा दिदय ।

दिदल्लु क सील् ते न इल्तेते विमेश क श सीनक लु मे :वा रा णसी न दमेन सी मेt हा$न क अवि तेमे Bय सी दिकय ।

इसी विवाध्वासी क उद्दी श्य दराब रा गट) क$ Bसीन्नी करान थ , न दिक राविज़य क अपुन ध र्णिमेक विवाश्व सी) क$ लु ग करान । पुरा ते

इसीसी राविज़य क$ क$ई लु भू नहाY हुआ। शरिराय क विवारुद्धा एक मेविहालु श सीक क अध न क य करान क$ मेजबरा दराब रा उसी हाट न क विलुए तेत्पुरा थ, औरा अते ते} उसीक* हात्य करा द गई।

इसी अवाविध मे,: अथ ते इल्तेते विमेश औरा क>क$ब द क सीमेय, वा रा णसी मे :विवाश्वन थ मेदि दरा क* मेराम्मेते

क* गई, लुदि कन इसी

ते सीरा ब रा नV करा दिदय गय ।

हामे इसी क लु क पुन र्णिनमे ण) क ब रा मे :contemporary work 'Bबध क$ष' सी ज नते हा,& जहा [लुर्खो क न 1296 सी 1316 क ब चौ, अलु उद्दी न विर्खोलुज न भू मेदि दरा) क* लुट मे :अपु रा नौ ग्री[कर्ख़ेत्तारा भू राते क मेदि दरा पुहालु एक गज रा ते

हा नV दिकए ज़ चौक थ, इसीविलुए उसीन दविक्षेण भू राते क* ओरा रुर्खो दिकय , जहा [क मेदि दरा अपु रा धन-सीपु द सी सीपुन्नं व्या पु रा, वा स्ते पु लु क$ भूगवा न विवाश्वन थ क* सीवा क विलुए 10,000 रुपय क द न दन क विलुए धन्यवा द दिदिय थ ।>

इसी अविभूय न मे :उसी उसीक क शलु सीन पुविते मेविलुक क फी रा क सीहाय$ग विमेलु , विजसीन क भूक$णमे, वित्रचौरा , क चौ , रा जवाश सीमे d

मेसी>रा , द्वा रासीमे द्रमे जसी> मेदि दरा) औरा मेदि दरा-नगरिराय) क$ लुट औरा ध्वास्ते दिकय । य दवा, हा$यसी लु औरा पु ड्यं करा दिदए गए। मेहा न विवाजयनगरा सी म्र ज्य भू अते ते क विहास्सी बन गय ।

विवाश्वन थ मेदि दरा चौ थ ब रा ध्वास्ते करा दिदय गय , औरा इसी ब रा इसी लुगभूग पुरा तेराहा सी छ$ड़ दिदय गय ।

दिफोरा भू , यहा आश्चंयज नक हा >दिक इसी सीमेय ज्ञा नवा पु क्षेत्र मे :एक पुद्मे सी ध न एक भूव्या मेदि दरा बनवा य , विजसी 'पुद्मेश्व मेदि दरा' कहा गय । यहा क>सी औरा कब बन , यहा इवितेहा सी क* एक अनसीलु झी पुहालु हा।>

ज नपुरा क* लु लु दरावा ज मेविस्जद पुरा अदि कते एक विशलु लु र्खो सी हामे :ज नक रा विमेलुते हा >दिक "वा रा णसी मे,: विवाश्वश्व मेदि दरा क पु सी, पुद्मे सी ध न एक भूव्या मेदि दरा बनवा य , विजसीक* मे न रा: विहामे लुय क* चौ$रिटय) विजतेन रा ऊ[चौ थY..."। इसीसी हामे विनष्कष विनक लु सीकते हा &दिक:

1. पुहा ड़ पुरा विस्थते मेदि दरा स्थलु क$ पुरा तेराहा सी छ$ड़ दिदय गय ;
2. धमेदिकय) क ब वाजद वा रा णसी क भूt) न मेदि दरा) क विनमे ण ज रा रार्खो ;
3. पुद्मेश्व रा मेदि दरा सीभू वाते} वातेमे न आदिद विवाश्वश्व रा मेदि दरा क स्थ न पुरा बन य गय थ ।

ब द मे :यहा क्षेत्र पुरा तेराहा सी मेलुब औरा कचौरा सी भूरा गय । न गरिराक) न इसी ढं रा क$ क ड़ द न क* तेराहा

उपुय$ग करान शरू

कर दिदय । इसी स्थ न क$ 'कटवा रार्खो न ' (कचौरा डप्रिं पुग ग्री उ ड) कहा ज न लुग , औरा आज भू यहा न मे वातेमे न

सीत्यन रा यण मेदि दरा क पु सी क* एक सीक रा गलु मे :बन हुआ हा।> इसी द रा न वा रा णसी क$ एक रा हाते

विमेलु , विजसीसी इसी पुन र्णिनमे ण क अवासीरा विमेलु । दविक्षेण क* ओरा विवास्ते रा क क राण

पुरा न शहारा सी ध्य न हाट गय , औरा वा रा णसी दिफोरा सी पुन जPविवाते हा$न लुग ।

VIII

दिफोरा$ज तेग लुक (1359-88) न भूलु हा विशक्षे औरा क0विष विवाक सी क Bविते Bमे Bदर्णिशते दिकय हा$, लुदि कन उसीन 'क औरा उनक ध र्णिमेक सीस् थ न) क Bविते क$ई सीविहाष्ण ते नहाY दिदर्खो ई। उसीक श सीनक लु मे :पुविवात्र बकरिराय (बकरिरा) क

क वालु ध्वास्ते करा दिदय गय , बविल्क वाहा [क सीद रा मेदि दरा) क खोंड हारा) सी B d सी मेग्री क उपुय$ग मेविस्जद) क विनमे
स्वातेत्र रूपु सी करान क* अन मेविते द द गई। सीपु ण क द्धा खिजणुविविपिन्नाविओं ज ते थ , मेविस्जद क एक अविभून्नी
विहास्सी बन दिदय गय , विजसीसी यहा स्पुV रूपु सी सीरा चौन क एक अविवान श अग बन गय ।

बकरिराय क ड क आसीपु सी विस्थते सीभू Bविसीद्धा कलु त्मेक मेदि दरा पुरा तेराहा विमेट दिदए गए, औरा आज यहा स्थ न पुरा ते
वा रा न, भूय नक औरा अत्यते विनरा श जनक दिदर्खो ई दते हा।>
यदिद हामे 1436-58 क ब चौ वा रा णसी पुरा हुए आक्रमेण क$ दर्खो :ते$ तेग लुक) क क लु वा रा णसी क विलुए क छ रा हाते क
सीमेय Bते ते हा$ते हा।> इसी अवाविध क द रा न ज नपुरा क श सीक, मे$हाम्मेद श हा शक न इसी नगरा पुरा आक्रमेण दिकय । शक
वाश तेग लुक सील् ते न) द्वा रा गवान रा विनयt दिकए गए थ, लुदि कन उन्हा)न विवाद्र$हा करा स्वातेत्र ते क* घा$षण करा द । ब द
उन्हा :पुरा विजते करा बग लु र्खोदड़ दिदय गय , जहा [उन्हा)न एक स्वातेत्र रा ज्य स्थ विपुते दिकय । लुदि कन इसी ब चौ ज नपुरा क
श सीक न सीमेद्धा0 वा रा णसी पुरा हामेलु दिकय औरा विवाश्वन थ मेदि दरा क$ लुट विलुय । इसी पु चौ[वा :विवाध्वासी न विवाश्व
तेलु न मे :अविवामे t श्वरा मेदि दरा क$ अविधक Bभू विवाते दिकय , ज$ ज्ञा नवा पु मे :विस्थते पुद्मेश्व रा क पु सी Bमेर्खो दवा ते बन
थ ।

IX

चौ दहावाY शते zद क द रा न वा रा णसी क व्या पु रा दिफोरा सी सीमेद्धा0 हुआ, औरा व्या पु रिराय) मे :एक नय
सी$न क* हा$ड़ दर्खो
गई। दरा -दरा सी लु$ग वा रा णसी मे :बसीन क विलुए आन लुग, औरा जग लु), नदिदय), झी लु) औरा आश्रमे) सी
भूरा घा ट न अविधक विवास्ते रा औरा विनमे ण क विलुए रा स्ते बन दिदय । यहा विवास्ते रा मेद दिकन घा ट सी
लुक रा उत्तारा मे :वारुण नद क तेट) तेक सी विमेते थ । सीक>ड़) नए मेदि दरा उभूरा आए, औरा नई ते थस् थलु) क*
मेविहामे क ग न करान वा लु पुस् तेक: विलुर्खो गईं। इसी पुरा
Bभू वा न शहारा क$ अत्यविधक भू ड़भू ड़ वा लु बन दिदय ।

जनसीख् य मे :अचौ नक वावि0द्धा क सी थ-सी थ धते औरा ठाग), व्या पु रिराक ब्रा ह्मण) औरा 'पुड ' य 'पु ड वा' न मेक

चौ लु क ग इड)
क* सीख य भूी बढ़ । विवाश्वन थ मेदि दरा पुहा ड़ क* ढंलु न) पुरा अपुन पुरा भूव्याते मे :र्खोड़ थ । लुदि कन
ज्ञा नवा पु मे :विस्थते
अविवामे t श्वरा क$ वा रा णसी क सीवा च्ची दवा ते क रूपु मे :मे न्यते B d हुई। विवाश्वश्व रा (य विवाश्वन थ) औरा

विवाश लु क्षे क
स्थ न ग ण हा$ गय ।
अविवामे t श्वरा क पु सी Bविसीद्धा पुद्मेश्व रा मेदि दरा थ , विजसीक उल्लु र्खो पुहालु दिकय ज चौक हा।> यहा स्पुV

हा >दिक ऐसी Bशसी ए [
ब द मे :ज$ड़ गईं, क्य)दिक यहा व्याविtगते रूपु सी स्थ विपुते एक असी ध राण सीरा चौन थ ।
हा लु [दिक, इन ध र्णिमेक ग्रीथ) मे :ज$ स्ते वितेय [दज हा,& वा एक मेहात्वापु ण तेथ्य क* ओरा इश रा कराते हा।&

वा रा णसी क Bमेर्खो
दवा ते ओं पुरा विलुर्खो गई पुस् तेक: अक्सीरा ब्रा ह्मण पुरा $विहाते) क विनयत्र ण मे :थY, ज$ अन पुचौ रिराक
मेदि दरा) औरा नए दवा ते ओं क$
श विमेलु करान क विलुए नई राचौन ए [ज$ड़न य बदलुन मे :क$ई सीक $चौ नहाY कराते थ। इसीसी न क वालु नए

दवा ते ओं क$ पुविवात्र
नगरा मे :स्थ न विमेलुते थ , बविल्क इसीक सी थ आर्णिथक लु भू भू सीवि नविश्वंते हा$ते थ ।
सीमेय क सी थ, विवाश्वन थ औरा अविवामे t श्वरा क$ सीमेर्णिपुते मेल् यवा न चौढ़ वा पुरा प्रिंहाद भू राते सी आन

लुग। मेगध, बग ल, गय ,

शहारा विवास्ते रा हामेश B क0वितेक वानस्पुवितेय) औरा ज वा) क* क*मेते पुरा हा$ते हा।> इसी सीमेय मेहा जनट$लु , क जराट$लु
,मेहसीुरामेगा लु नातेराइमेलुातेकिसीसी राग ज, जते वारा, वित्रलु$चौन, न रिरायलुट$लु , दलुमेड , जते>पुरा
आदिद क्षेत्र) मे :घारा औरा दक न :बड़ सीख् य मे :बनन शरू हुईं। जनसीख् य तेज सी शहारा क दविक्षेण छ$रा क* ओरा बढ़ , और
पुविश्चंमे सी मे ए[उन लु$ग) सी भूरा गईं, विजन्हा :इस्लु मे आक्रमेण) न विवास्थ विपुते दिकय थ ।

अन्य सीभू विवास्ते रिराते शहारा) क* तेराहा, वा रा णसी मे :भू झीवि ग्गय [उभूरान लुगY। लुदि कन वा रा णसी क हृदय स्थलु मे,: इ
झी लु: औरा जलुध रा ए,[मेच्छ$दरा औरा मेद दिकन क* मेहा न झी लु: औरा वारुण क द$न) दिकन रा) पुरा विस्थते मे नवा बविस्तेय
अभू भू अपुन सीपु ण ते मे :बन राहाY। वा रा णसी अभू भू अपुन हारिराय लु पुरा गवा करा राहा थ ।

प्रिंहाद सीमेवि0द्धा अविधक सीमेय तेक नहाY राहा सीक*। सीग्री हा ते धन न लुट रा) क$ आकर्णिषते दिकय । ध र्णिमेक पु र्खोड न मे न
विवारुद्धा दिकए गए अमे नवा य क यx क$ वाध>ते Bद न करान क विलुए एक आदशवा द बहा न उपुलुzध करा दिदय ।
इसीविलुए, वा रा णसी पुरा द$ लुग ते रा आक्रमेण हुए—पुहालु दिफोरा$ज श हा तेग लुक द्वा रा औरा दसी रा विसीक दरा लु$द द्वा रा

पुहा ड़िकसुरी मिूस्थते विवाश्वन थ मेदि दरा, विजसी राविज़य क* मेविस्जद सी बदलु दिदयद्गगया थुन प्रिंहाद्वओं
Bयमेर्सिद क$ किवअफ्रोलु कारतुएक विसेहा अविधरम0ते करा दिदय गय थ । लुदि कन Bविसीद्धा पुद्मेश्व
राहा गय थ , ज$ ज्ञा नवा पु मेविस्जद क दविक्षेण छ$रा पुरा विस्थते ते न कब्रा) क एक मेचौ हा।> यहा ,[कभू -कभू क$ई अक लु
श्रद्धा लु एक द पु जलु ते हा,> य विशवारा वित्र क* रा ते एक पुष् पुग च्छ रार्खो ज ते हा,> विजसी कट्टारा विनग हा) सी बचौ करा राख
हा।>

लुदि कन यहा सी वाष व्याथ नहाY गए। प्रिंहादओं न इस्लु मे कट्टाराते सी अपुन मे विलुक भूद क$ पुहाचौ न , ज$ क वालु क रा न औ
शरा यते तेक सी विमेते थ । इसीक विवापुरा ते, प्रिंहाद एक सीवा च्ची चौते न शवित मे :विवाश्व सी रार्खोते थ, ज$ सीभू ज वान रूपु) क$
कराते थ । यहा सी वाभू विमेक अवाध राण सीहास्रो विzदय) मे :विवाकविसीते हुई थ , विजसीमे :भू राते मे :आन वा लु विवाविभून्नी मे
आस्थ ओं क$ आत्मेसी ते करान क* क्षेमेते थ ।
यहा व्या पुक द शवि नक दवि0Vक$ण, यद्याविपु उद रा औरा सी वाभू विमेक थ , दिफोरा भू इसीमे :वाहा कठा$रा एकते औरा ठा$सी स
थ , ज$ दिकसी सीमेद य क$ सीघा ष क सीमेय आवाश्यक हा$ते हा।>
1526 सी 1747 तेक मेग लु) क श सीन राहा , लुदि कन ब बरा औरा हुमे य [न वा रा णसी क$ विवाशष रूपु सी पुरा श न नहाY दिव
1559 तेक वा रा णसी क$ अक लु छ$ड़ दिदय गय थ । हा लु [दिक, विवाश्वन थ य अविवामे t श्वरा मेदि दरा) क क$ई पुन र्णिनमे ण
नहाY हुआ थ । पुरा एक पु ढ़ इसी Bते क्षे मे :थ दिक क$ई उद्धा राकते आएग । लुदि कन मेहा न प्रिंहाद एकते कभू भू एक ज दई
विमेश्रण मे :पुरिरावार्णितेते नहाY हा$ सीक*, औरा अते तेक यहा ब विद्धाक वा द-विवावा द मे :हा विवाभू विजते राहा ।

13.सीदिदय) क* नत्0यग थ

I

जब पु न पुते क यद्धा इब्रा विहामे लु$द औरा ब बरा क ब चौ लुड़ गय (1526), तेब प्रिंहाद भू राते इसी सीघा ष मे :विवाशष रुविचौ नहाY रार्खोते थ । उनक* आत्मेक:दिद्रते दवि0V मे :यहा मे त्र एक इस्लु मे सी मे -सीघा ष Bते ते हा$ राहा थ । उन्हा)न सी$चौ दिक अन्य

लु$ग) क$ इसीमे :हास्तेक्षे पु करान क* आवाश्यकते नहाY थ । इसी यद्धा मे :प्रिंहादओं क* भू ग द रा मेहाज एक औपुचौ रिराकते थ य

दिफोरा एक अविनवा य रा जन वितेक द वियत्वा। प्रिंहादस् ते न क हृदय न इसी सीघा ष क Bविते क$ई ठा$सी Bवितेदिक्रय नहाY द , क्य)दिक उन्हा : पुते थ दिक अते ते} क$ई भू विवादश श सीन प्रिंहाद विहाते) क विलुए शभू नहाY हा$ग । उन्हा)न बसी यहा इच्छ जते ई दिक द$न) पुक्षे

एक-दसी रा क$ सीमे d करा द।: श यद वा यहा भू मे नते थ दिक एक हाड़पुन वा लु क* जगहा दसी रा क आ ज न प्रिंहादओं क विलुए

बहा तेरा हा$ग ।

हा उनक भू ग्य थ । भूर्खोक्ते क$ई न मे य पुथ नहाY हा$ते ।

जनते क$ इसी सीघा ष क* क$ई विवाशष प्रिंचौते नहाY थ । वा ज नते थ दिक चौ हा र्खो न हा$, रा वा हा$ य रा जन वितेक चौते न य रा ष्ट्र य पुहाचौ न जसी> अमेते विवाचौ रा) न भू राते क* आत्मे क$ कभू भू उद्वावि लुते प्रिंसीहा, उनक विलुए उत्पु ड़न

नहाY दिकय थ । जनते

दिदल्लु क विसीसप्रिंहाद मे :र्खोलु ज राहा इसी न टक मे :क$ई रुविचौ नहाY रार्खोते थ । भू राते मे :एक सी स् क0वितेक एकते अवाश्य थ ,

ज$ उसीक* B क0वितेक सी मे ओं सी भू पुरा फो>लु हुई थ , लुदि कन रा ष्ट्रवा द क* क$ई अवाध राण तेब तेक उभूरा

करा नहाY आई थ ,

न हा भू राते मे :औरा न हा विवाश्व मे।: यदिद प्रिंहाद चौते न न कहाY Bवितेदिक्रय द भू , ते$ भू एक सी झी मे ते0भूबि मे य एक झीड क

Bविते विनष्ठ क* क$ई भू वान नहाY थ ।

र्खोते हारा मेजदरा) क एक बड़ वाग ज नते थ दिक अते ते} उन्हा :हा इसी सीघा ष मे :पु सी ज न हा,> चौ हा ज ते

दिकसी क* भू हा$।

आर्णिथक न्य य य व्याविigते स्वातेत्र ते क$ लुक रा द$न) पुक्षे सीमे न रूपु सी र्खोतेरा थ— चौ हा 'र्खो न' क* ज ते हा$ य रा जपुते

क*। आमे जनते क$ इसीमे :क$ई ऐसी 'भू वान ' नहाY विमेलु विजसीक विलुए वा अपुन B ण) क* आहुविते द।:

उन्हा)न स्वाय क$ दिदल्लु क इसी न टक सी अलुग हा रार्खो । यदिद मेदि दरा-लुट न वा लु उन्हा :पुरा श न नहाY

करा:ग , ते$ almighty

रा ज ओं क करा-सीग्री हाक विनविश्वंते रूपु सी करा:ग । मेदि दरा औरा करा-सीग्री हा द$न) हा उनक विलुए वासी> हा थ जसी> विशेक रा क त्ती

उनक मे सी क पु छ पुड़ हा)। सीक्षे पु मे,: जनते न दिकसी रा ष्ट्र य सीक ट य व्याविigते र्खोतेरा क* भू वान क$

मेहासीसी हा नहाY दिकय । उनक विलुए सीक ट ते$

उनक ज वान क विहास्सी थ ।

एकमे त्र सीभू वा एकते क स्रो$ते ध र्णिमेक सीमेदा य भू सीन्कर्गो जहा$ सीकते थ । धमे क$ व्याविigते अविस्तेत्वा क

मे न ज ते थ । गरा ब) औरा असीहा य) क विलुए एक अवि तेमे सीहा रा एक सीवा च्ची शवित मे :उनक* गहारा आस्थ थ — एक

अदश्0य दिदव्या न्य य। विजतेन गरा ब औरा असीहा य क$ई व्याविt हा$ते , उसीक* ध र्णिमेक आस्थ उतेन हा अविधक

अवाध राण मे :यहा व्याविtगते अपु लु विनविहाते थ । यदिद क$ई सीक ट उत्पुन्नी हा$ते , ते$ जनते पुरा $विहाते) क* ओरा दर्खो ते , लुवि
वा यहा भू ज नते थ दिक वाहा रा जक मे रा औरा चौते रा पुरा $विहाते उनक श$षक राहा हा &औरा भूविवाष्य मे :भू श$षण कराते

यहा Bविदेदिक्रय इतेन व्याविtगते, अते रा ग औरा आराविक्षेते थ दिक क$ई भू सी मेद वियक उत्तारा उसी पुरा Bभू वा नहाY ड लु सीक
थ । यहा तेक दिक यदिद प्रिंहाद अपुन पुरा तेन विवारा सीते क Bविते दिकसी सी मेद वियक भू वान सी Bरि राते हा$ते भू , ते$ भू
शवित नहाY थ ज$ एक विबर्खोरा हुई भू ड़ क$ सीग रिठाते करा सीक औरा दिकसी सी झी र्खोतेरा क विवारुद्धा र्खोड़ करा सीक । उन्ह
ऐसी अन भूवा नहाY दिकय थ दिक उनक रा जक मे रा य पुरा $विहाते दिकसी भू यद्धा क ब द उनक सीमेथन मे :र्खोड़ हुए हा)। अ
मे :द्धा रा य ज ते क* क*सेते चौक न पुड़ते थ । वा
जनते क$ य ते$ यद्धक* तेय> रा मे :य$गद न दन पुड़ते थ , य दिफोरा यद्धा
हामेश र्खोलु क कमेज$रा पुक्षे मे :हा हा$ते थ।
ज$श क* कमे थ । आर्णिथक अविनच्छ क$ प्रिंहाद द शवि नक Bवावि0त्ता न औरा अविधक कमेज$रा करा दिदय , ज$ दिक दिकसी स्पु
मे :बहुसीख् यक सीहामेते हा$ सीकते थ, लुदि कन सीक रा त्मेक
सी मेवि हाक आस्थ क विसीद्धा ते सी बचौते थ । क छ नक रा त्मेक पुहालुओं
विवाश्व सी) मे :सीमे ज पुरा तेराहा व्याविtगते स्वातेत्र ते पुरा विनभूरा थ ।

स्वा भू विवाक रूपु सी, तेथ कविथते नते ओं क द वा) क विवापुरा ते, धमे रा जन वितेक र्खोतेरा क विवारा$ध करान मे :एक कमेज$रा
भूवि मेक विनभू ते थ । अलुग-अलुग, औरा अक्सीरा विवारा$ध भू सी , ध र्णिमेक तेकx क क राण, प्रिंहादओं क एक वाग दसी रा वाग
विवारुद्धा उतेन हा र्खोड़ हा$ते थ , विजतेन दिक वा दिकसी अन्य धमे क विवारुद्धा हा$ते थ। यदिद प्रिंहाद दिकसी ग$मे सी-भूक्षे
सी थ भू$जन य विवावा हा नहाY करा सीकते थ, ते$ वा अपुन हा हाज रा) सीमेद य) मे :भू ऐसी नहाY करा सीकते थ। प्रिंहाद एकते
हाज रा दरा रा) सी विबर्खोरा हुई थ ।

एकजट ते क* भू वान प्रिंहादओं क* विवादश आक्रमेण) क Bविते Bविदेदिक्रय मे :पुरा तेराहा अन पुविस्थते थ । यदिद कभू क छ Bवि
नते इसी र्खोवि डते मे$ज़क मे :विवाश्व सी भूरान मे :सीक्षेमे भू हुए, ते$ ऐसी व्याविtगते मेविहामे मेवि डते अध्य य अपुवा द हा थ, न वि
विनयमे।

इसीविलुए पु न पुते क पुहालु यद्धा हा$ य दसी रा , गज़न हा$ य ग रा , ब बरा हा$ य सी ग —इनमे: सी क$ई भू घाटन भू राते य
उपुमेहा द्वा पु य उसीक विनवा विसीय) क विलुए क$ई विवाशष मेहात्वा नहाY रार्खोते थ । ऐसी क$ई भू मेहा न क राण नहाY थ ज
Bवितेरा$ध क$ सीग रिठाते करा सीक य दिकसी सी झी र्खोतेरा क विवारुद्धा सीमेर्णिपुते मे$चौ uक विनमे ण करा

सीक । सी मेते वा द मे :यद्धा
हामेश स्थ न य स्तेरा पुरा लुड़ ज ते थ।
II
बहालु$लु लु$द क ब द 1489 मे :विसीक दरा लु$द गद्दी पुरा बठा> । इस्लु मे क Bविते लु$द उत्सी हा न विसीक दरा
क$ यहा सी$चौन पुरा मेजबरा करा दिदय दिक प्रिंहादस् ते न क$ इस्लु मे कराण क वालु एक कट्टारा न विते क$ ज रा
रार्खोकरा औरा प्रिंहाद धमे क क:द्र), विवाशष रूपु सी मेदि दरा) क$ नV कराक हा दिकय ज सीकते हा।>
वा रा णसी क मेदि दरा) पुरा उसीक हामेलु व्या पुक थ । उसीक* लुट क*
मे त्र अत्यविधक थ ।

ज$विते ज$हा व्या समिदिल्लु क प्रिंसीहा सीन पुरा बठा> , तेब तेक विवाश्वन थ मेदि दरा क ते सीरा पुन र्णिनमे ण
विसीक दरा लु$द न 1494 मे :ध्वास्ते करा दिदय । 1494 सी 1594 तेक, ऐसी Bते ते हा$ते हा >दिक वा रा णसी क$ विबन दिकसी
विवाश्वन थ मेदि दरा क राहान पुड़ ।

जब 1526 मे :पु न पुते मे :इब्रा विहामे लु$द क* मेत्0य हुई औरा ब बरा न दिदल्लु क* सीत्ता सीभू लु , तेब मेहा न B यद्वा पु य
भू राते अपुन विवालु विसीते क* गहारा नYद मे :ड ब हुआ थ । ब बरा औरा उसीक ब द हुमे य, [द$न) अपुन विलुए एक सी म्र ज्य
स्थ विपुते करान मे :व्यास्ते थ। उनक विलुए फोरागन क* वा पुसी , विजसी वा छ$ड़न क विलुए मेजबरा हुए थ, लुग ते रा लुड़न वा लु
कब लु सीघा षx क* ओरा लु टन जसी> थ । इसीक विवापुरा ते, भू राते क* अपु रा सीपु वित्ता औरा विवाश लुते उनक विलुए अत्यविधक
आकष क थ ।

ब बरा, विजसीक* ते व्र अते दवि 0V न उसी भू राते मे :विवाभू विजते सीमे ज क* विस्थविते सी अवागते करा य , वाहा

यहा [रुकन औरा अपुन
लु भू) क$ दख0 करान क विलुए लुड़ । ब बरा मे :सीन पुवितेत्वा क गण रा जन वितेक अवासीरा) क* ध राण औरा अट ट
मेहात्वा क क्षे सी
सीशt थ। ब बरा क ज वान क* एक घाटन उसीक Bविसीद्धा सीस् मेराण) मे :अच्छ तेराहा सी वार्णिणते हा।> ज$

सीराद रा ब बरा क सी थ आए थ,
उन्हा)न लुब सीमेय तेक अपुन दश सी दरा राहान क क राण 'पुते>0क भूवि मे' लु टन क* ते व्र इच्छ व्याt क*। वा
विनरा तेरा यद्धा सी इतेन
थक चौक थ दिक उन्हा :इसीक* सीमे विd असीभू वा लुग राहा थ ।

अलुक् जड:रा क सीवि>नक) मे :भू इसी तेराहा क मेन$भू वा उत्पुन्नी हुआ थ , विजसीसी उसी अपुन कदमे पु छ

र्खोYचौन पुड़ थ। लुदि कन
ब बरा क* Bक0विते विभून्नी थ ।
इसीक अलु वा , ब बरा क* शविt उसीक* रा जन वितेक बवि द्धामेत्ता क बरा बरा थ । उसीन वा पुसी ज न सी इ क रा

करा दिदय । अपुन
सीस् मेराण) मे :वाहा अपुन अविनच्छ क सी विथय) क$ भू राते क* सीमेवि0द्धा, सीभू वान ओं औरा एक मेहा न औरा
सीसी पु न्नी भूवि मे पुरा विवाजय
B d करान क सीपुन क ब रा मे :बते ते हा।> "तेलु न मे :शष् क तेर्दि कस्ते न तेम् हा :क्य द सीकते हा,> जबदिक यहा

भूवि मे दध औरा शहाद
क* नदिदय) सी भूरा हुई हा?>" उसीन उनसी पुछ ।
इसी सी क्ष्य सी स्पुV हा >दिक ब बरा क वालु एक आक्रमेणक रा नहाY थ , बविल्क एक सी म्र ज्य स्थ विपुते करान क

विलुए सीक ल्पुबद्धा
थ । विपुते औरा पुत्र द$न), ब बरा औरा हुमे य, [इसी लुक्ष्य क$ B d करान मे :लुग राहा। वा यहा [रिटकन औरा
विनमे ण करान क हाते
थ। Bवितेमे ओं क$ नV करान उनक विवाजय अविभूय न मे :B थविमेकते नहाY रार्खोते थ ।

वा इसी अल्लु हा-Bदत्ता अवासीरा क$ व्याथ नहाY करान चौ हाते थ दिक वा एक ऐसी दश मे :एक रा जवाश य

सी म्र ज्य स्थ विपुते करा:,
पुन र्निमे ण मे विलुए क$ई विवाशष पुहालु नहाY क*।
जहा [उन क* विवाजय अमेत्थ लुदि कन क$ई एकते नहाY, अन क सीवि धय [थY लुदि कन क$ई सीरा क्षे नहाY।
दिफोरा भू , उसीन भू मेदि दरा) क$ विगरा न क$ B यस्ती पुविक्रय अय$ध्य क मेदि दरा इसीक एक उद हाराण हा।>

लुदि कन वा रा णसी न
उसी पुरा क्ष न नहाY दिकय , क्य)दिक उसीक सीमेय मे :वा रा णसी मे :क$ई मेहात्वापु ण मेदि दरा नहाY थ विजसी
लुट ज सीक।
अपुन विवाजय क फोलु) क$ अपुन बट) मे :ब ट[न क* उसीक* य$जन सीफोलु नहाY हुई। 'कभू हा रा न मे नन वा लु'

इसी सीबक पुरिराण मे यहा हुआ दिक सी मे न्य प्रिंहाद औरा विवाशष रूपु सी वा रा णसी क$ एक रा हाते विमेलु । धमे Bचौ रा क न मे पुरा मेर्णि तेभूज न, लुट , बलु त्क रा औरा आतेक क यग क$ थ$ड़ सीमेय क विलुए विवारा मे विमेलु । वा रा णसी न रा हाते क* सी सी लु ।

हुमे य, [जब 1530 मे :ज नपुरा क विवाद्र$हा अफोग न) क$ पुरा विजते करान क विलुए विनकलु , ते$ उसी सी रान थ

क उज ड़ जग लु)

सी हा$करा गज रान पुड़ । क्य)दिक ज नपुरा ज न क रा स्ते वा रा णसी सी हा$करा नहाY गज राते थ , उसीन
शहारा क द रा नहाY
दिकय । सी रान थ क पु सी आधवि नक सीड़क क दिकन रा विस्थते अVक$ण य लु लु ईंट क* सीरा चौन आज भू उसीक

विशविवारा स्थलु
क$ विचौविह्नते कराते हा।>
1494 सी 1580 तेक, इस्लु मे कट्टाराते सी वा रा णसी क$ क छ रा हाते विमेलु । दिकसी क पु सी इसी नक सी न

पुहुचौ[न क सीमेय
नहाY थ । अकबरा न 1556 मे :वा रा णसी क द रा दिकय औरा विमेज राज़वा औरा शरा श हा सीकरा वा लु क$
इसी महात्वपुर्ण
व्या पु रिराक नगरा क सीय t रा ज्यपु लु विनयt दिकय ।

लुदि कन अकबरा क* इस्लु मे श सीक क रूपु मे :Bविशक्षेण क$ सीते विलुते दिकय गय थ । उसीन 'भू राते य' श सीक

बनन क$
B थविमेकते द । सीमेज़ीद रा औरा उद रा सीलु हाक रा) द्वा रा विनदविuशते, उसीन ध रा -ध रा एक पुरिरापुक्की
रा जन ते क रूपु मे :उद रा
विवाचौ रा अपुन ए। इसी सीद भू मे :उसीक सीवाश्र छ सीलु हाक रा अबलु फोजलु, फो>ज , ट$डरामेलु, ब राबलु,

भूगवा द सी औरा मे न प्रिंसीहा
थ, ज$ सीभू द रा द्व0V रार्खोन वा लु क शलु रा जन वितेज्ञा थ, विजन्हा)न भूविवाष्य क* ओरा दर्खो औरा एक
क'शलु Bश सीन क आध रा
पुरा सी म्र ज्य क$ सीग रिठाते दिकय ।

वाहा भू राते मे :पुहालु इस्लु मे श सीक थ, विजन्हा)न यहा स्वा क रा दिकय औरा सीरा हा दिक भू राते हा उनक घारा

हा >औरा भू राते य
जनते हा, उनक अपुन लु$ग हा।& यहा [तेक दिक शवितश लु अग्री ज भू इसी अवाध राण क अन सी रा श सीन
करान मे :असीफोलु रहा
औरा इसी क राण वा सी म्र ज्यवा द असीवा द नश लुते क विशक रा हुए। अकबरा न स्वाय क$ पुहालु एक श सीक

औरा ब द मे :एक
मेवि स्लुमे मे न ।
III
इसी Bक रा वा रा णसी न एक स्वा गते य$ग्य विवारा मे क अन भूवा दिकय । लुदि कन इसी विवारा मे क अथ यहा भू
थ दिक नए मेदि दरा)
भू सीभू वा न पुरा उसीक* नजरा बन राहा । दिफोरा भू वा रा णसी मे :सीभू जगहा मेदि दरा) क विनमेणी दिफोरा सी शरू
क विनमे ण य पुरा न मेदि दरा) क* मेराम्मेते क Bय सी नहाY दिकय ज एग । पुरिराण मेस्वारूपु, वा रा णसी लुगभूग
सी वाषx तेक
विवाश्वन थ मेदि दरा क विबन बन राहा । (वा रा णसी पुहालु हा ओंक रा, क0वितेवा सी, क लु श्वरा, अविवामे t श्वरा,
मेध्यमेश्व:रा आदिद वा रा णसीपुन र्खो ज
~~मेदि दरा) क विबन राहान क* आदते ड लु चौक * थ ।)~~

1545 सी 1554 क ब चौ, अपुन विपुते क आदश पुरा, वा रा णसी सी ध अकबरा क अध न थ , लुदि कन 1555 मे

:हुमे य [न अपुन
पत्र सी श सीन वा पसी ल विलय । 1556 मे :एक दुघा ट न मे :हुमे य [क* मेत0य हा$ गई औरा अकबरा प्रिंसीहा सीन

1580 तेक, वा रा णसी (औरा भू राते) क प्रिंहाद सीमेद य क$ एक विवाद्वा न ब्रा ह्मण न रा यण भूट्टा सी लु भू हुआ। उनक* कई पुस् तेक:
अब भू उपुलुzध हा।& इनमे: सी एक "ते थ कल्पुतेरु" पुहालु हा उल्लु विर्खोते क* ज चौक * हा।>

उन्हा)न ट$डरामेलु क$ सीलु हा द दिक वा अकबरा क$ धमे विनरापु क्षे श सीन व्यावास्थ क Bविते विशविक्षेते करा:,

र्खो सीकरा एक ऐसी दश
मे :विजसीन मे नवा इवितेहा सी क क छ सीबसी B चौ न धमेx क$ पु$विषते, आश्रय औरा विवाकविसीते दिकय थ ।
अगरा अकबरा सीफोलु औरा लु$कविBय सीम्र ट बनन चौ हाते थ , ते$ उसी सीहा श सीक*य स्वाभू वा क$ अपुन न

औरा अभ्य सी
करान आवाश्यक थ । उसी एक उद रा औरा द शवि नक दवि0Vक$ण अपुन न थ औरा यहा सी विबते करान थ दिक
वाहा भू राते क*
भूवि मे क एक क:द्र य सीम्र ट क रूपु मे :एक मेजबते , न्य यविBय औरा उद रा न विते क पु लुन करान क विलुए

Bवितेबद्धा हा।> उसी यहा
विसीद्धा करान थ दिक वाहा अपुन सीभू Bज क विलुए न्य यसी गते हा।> वाहा अपुन हा आस्थ क अल्पुसीख् यक
सीमेद य क पुक्षे मे :
बहुसीख् यक प्रिंहाद जनते क* उपु क्षे नहाY करा सीकते थ ।
यवा सीम्र ट क विलुए एक राभूचौन ते पुश क*।
मेग लु) क सी मेन सीबसी बड़ चौन ते आश्चंयज नक रूपु सी प्रिंहादओं सी नहाY आई। यहा चौन ते उनक
एक हा धमे क सीमेद य) क ब चौ यहा खींम सीघा ष इसी विसीद्धा ते क$ झीठा सी विबते कराते हा >दिक अते रा-सी मेद वियक
धमे क
सीहाधमेP पुठा न) सी आई,
मेतेभूद) पुरा आधा रिराते थ। धमे क$ क वालु एक छलु वा क रूपु मे :उपुय$ग दिकय गय थ ते दिक चौ लु क स्वा थP लु$ग
विजन्हा)न मेहासीसी दिकय दिक उनक* मेहा नते सी B d Bभूते वा क$ अवासीरावा द 'विवादविशय)', अथ ते चौ न
सी बविरा स्लु$ग)) मे :उसी द पुद> करा सीक:, ज$ वा स्तेवा मे :सीत्ता औरा लु लुचौ क विलुए हा$न वा लु यद्धा) मे :मे नवा सीसी धन
करातेकोध्यु। औरा न पुसीद मेग लु) द्वा रा हाड़पु विलुय गय हा।> मेजबते पुठा न-अफोग न रा जवाश पुहालु सी हा
इसी शवितश लु चौन ते क$ पु रा करान क विलुए अकबरा क$ प्रिंहादओं क सीहाय$ग अत्यते आवाश्यक थ । अगरा प्रिंहाद अफोग न)
भू राते क गज रा ते, बग लु औरा दक्कीन क बड़ विहास्सी) मे :स्थ विपुते थ। इन सीबन
सी थ विमेलु ज ते , य अपुन विहाते) क* राक्षे क विलुए सीम्र ट क Bय सी) क$ विवाफोलु करा दते , ते$ यहा मेग लु) क विलुए एक बड़
र्खोतेरा बन ज ते ।

प्रिंहादओं न सीम्र ट क$ मेहात्वापु ण सीरा क्षे औरा सीहाय$ग Bद न दिकय । ट$डरामेलु क* सीलु हा औरा विबहा रा मेलु द्वा रा अपुन
विवावा हा क* पुश कश—विजसीमे :उनक* अपुन शतेÅथY, ते दिक अकबरा क* प्रिंहाद न विते क* वा स्तेविवाकते सी विबते हा$—न य
सीम्र ट क$ इसी न विते क* बवि द्धामेत्ता क$ सीमेझीन मे :मेदद क*। उसीन ज$ध ब ई, विबहा रा मेलु क* बट सी बड़ धमे ध मे सी
विवावा हा दिकय । इसी प्रिंहाद रा जक मे रा क$ हारामे मे :सीवा च्ची स्थ न दिदय गय , औरा उनक पुत्र रा जप्रिंसीहा सीन क उत्तारा
बन ।

इसी नई न विते न यवा सीम्र ट क$ एक मेहा न रा जन वितेक लु भू दिदय , क्य)दिक उसीक मेवि त्रमेड लु मे :Bभू वाश लु प्रिंहाद घारा
क Bमेर्खो श विमेलु थ, ज$ भू राते क सीबसी य$ग्य औरा श्रेष्ठ व्याविtय) क एक 'मेविस्तेष्क क:द्र' बन गए, औरा इसी तेराहा क
Bवितेभू श लु औरा सीवाश्र ष्ठ लु$ग) क सीमेथन B d करान वा लु वाहा भू राते क सीबसी य$ग्य मेवि स्लुमे सीम्र ट बन गए।

इसी बवि द्धामे न भूरा कदमे न प्रिंहादओं औरा न पुसीद दिकए गए पुठा न) क सीभू विवाते गठाबध न क$ रा$क । अकबरा क$ प्रिंहाद
क Bविते अपुन न्य यसी गते न विते मे :एक सीच्ची विवाश्व सी जग न क* सीख्ते जरूराते थ ।

इसीक विवापुरा ते, पुठा न) क* प्रिंहाद न विते, यहा तेक दिक इल्तेते विमेश, मेहा म्मेद तेग लुक औरा दिफोरा$ज श हा तेग लुक जसी> विशविक्षेते श सीक) क* भू , कभू भू प्रिंहाद जनते क विवाश्व सी नहाY ज ते सीक*। पुठा न) क$ हामेश 'विवादश ' मे न ज ते थ क्य)दिक वा
प्रिंहाद- विवारा$ध मे न ज ते थ।

इसीक क राण यहा थ दिक अफोग न) द्वा रा विनर्णिमेते इस्लु मे व्यावास्थ कट्टारापुथ कठा$रा मे लुविवाय) क एक

सीमेहा सी जड़ हुई
दिदल्लु क* एकम त्र
थ। उनक रूदिढ़वा द Bभू वा भूवि मे क श सीक क उद रावा द विनदशu) सी अविधक मेहात्वापु ण सी विबते हुए।
मेविहालु श सीक, राविजय सील् ते न क पुतेन इसीक एक स्पुV उद हाराण हा।> मे लुवा गट हामेश दिदल्लु क*

उद रा न विते क
विवाफोलु राहा।
कस्ते मे :सी ध ब ध बनकरा खोंड़ राहा औरा प्रिंहाद बहुसीख् यक) क वा छ न य विवाश्व सी ज तेन मे :अBत्यक्षे रूपु सी
अगरा औरा गजब मे लुवा गट क बज य द रा विशक$हा क* धमे विनरापु क्षेते क* मेहा न विसीद्धा ते क$ अपुन ते , ते$

वाहा अपुन वाश
औरा प्रिंहादस् ते न क विलुए क्य क छ नहाY B d करा सीकते थ ?

IV

यवा अकबरा न श ग्र हा यहा सीमेझी विलुय दिक अपुन पुवा वा र्णितेय) क* कट्टाराते सी सी खोंन बवि द्धामे न हा$ग ; औरा यहा उसीक*
मेहा नते क आध रा क रूपु मे :स्थ विपुते हुआ। अकबरा न सीम्र ट य न विते क तेहाते खोंद क$ मे लुविवाय) क Bभूत् वा सी मेt करा
विलुय।

जब भू क$ई चौन ते सी मेन आई, तेब भू क>क$ब द, इल्तेते विमेश, मेहा म्मेद तेग लुक, य दिफोरा$ज श हा तेग लुक

जसी> विवाद्वा न
दब वा) क क राण
श सीक, स्थ न य गवान रा) क* तेराहा हा सीक *ण मे नविसीकते क सी थ क य करान लुग। दराब रा सी विजश) औरा
वा कट्टाराते क आग झीक गए।

ज नपुरा क पुठा न गवान रा, मेहा म्मेद शक , इसीक एक उद हाराण थ । वाहा क वालु एक उपु विधध रा श सीक थ ,

लुदि कन उसीन
अपुन मेनम न ढ ग सी क य
खोंद क$ एक कठारा उन्मे द क रूपु मे :Bस्तेते दिकय , ज$ क:द्र य न विते क* पुरावा हा दिकए विबन
कराते थ।

इन सीहा यक गवान रा) क इसी अध ज$श औरा मे लुविवाय) द्वा रा बढ़ ए गए उनक अत्य चौ रा) न प्रिंहाद मे नसी

क$ उसी विवाश्व सी सी
पुरा तेराहा दरा करा दिदय , विजसी एक क:द्र य सीत्ता सी B d दिकय ज सीकते थ।
अकबरा ऐसी न वितेय) क Bवितेक लु Bभू वा सी सीतेक थ। इसीक बज य, उसी इस्लु मे श सीन क* तेथ कविथते

न्य यविBयते मे :
चौ हाते थ , ज$ पुरा
एक स्थ य, विवाश्व सी क$ बढ़ वा दन क* सीलु हा द गई थ। वाहा एक क:द्र य दिदल्लु -शविt स्थ विपुते करान
भू राते य उपुमेहा द्वा पु पुरा श सीन करा , औरा यहा श सीन मे यx, गd) औरा क ष ण) क प्रिंहाद श सीन क* य द

दिदलु ए।

अकबरा न एक ऐसी भ राते क* परिराकल्पन क*, ज$ एक क:द्र य सीराक रा क अध न हा$, जहा रा जस्वा क* स्पुV

लुदि कन उसीमे :एक अविद्वाते य B क0वितेक Bवितेभू थ , विजसीक क राण उसीन अपुन दराब रा मे :एक मेध वा मेड लु (जसी> विवाक्रमे दिदत्य क सीमेय औरा ब द मे :नपु $विलुयन ब$न पु ट क दराब रा मे): एकवित्रते क*, विजसीसी उसीन बहुते क छ सी र्खो ।

इसी मेध वा मेड लु मे :सीबसी विवाश्वसीन य व्यावित थ रा ज ट$डरामेलु, रूपु तेरिराते सीग तेज्ञा विमेय ते नसी न,

रा ज विबहा रा मेलु क

पुत्र रा ज भूगवा नद सी, विजनक* बआ ज$ध ब ई क विवावा हा अकबरा सी हुआ थ । ज$ध ब ई हा आग चौलुकरा अगलु सीम्र ट

जहा ग रा क* मे ते बनY।

इसी Bक रा, अकबरा भू राते मे :पुहालु मेवि स्लुमे श सीक बन, विजन्हा)न प्रिंहाद जनते मुस श सीन कसान क*) पुरा लुग ए गए कइ भूद भू वा पु ण करा)

क$ सीमे d करा दिदय । इसी उद रा न विते सी रा जक$ष क$ अविधक लु भू हुआ, औरा विनप्रिंश्चंते प्रिंहादओं न उसी अफोग न सीराद र बवि द्धास न क$ सीमेझी

जसी> मे लुवा , गज रा ते औरा दक्कीन क मेवि स्लुमे श सीक) सी विनपुटन क विलुए आवाश्यक सीमेथन Bद न दिकय । औरा उन्हा :अन वाश्यक रूपु सी उकसी न क* न विते क$ त्य ग दिदय ।

इसी न विते क* दरा दर्शिशते उनक करा सीध रा) मे :परिवालविक्षेते हुई विजसीमे :उन्हा)न प्रिंहादओं अकबरा क* प्रिंहाद न विते मे :इसी पुण पुरिरावाते न व प्रिंहादस् ते व मे :मेग लु) क* पुकड़ क$ मेजबते दिकय ।

क$ सीयमूनपुहालुओं मेते हुए, औरा भू राते य रा जन विते क* गहारा सीमेझी क क राण, अकबरा न प्रिंहादओं क$ कई अन द न ज रा दिकए। उसीन प्रिंहादओं पुरा लुग ए गए अपुमे नजनक ते थ- करा क$ सीमे d करा दिदय , औरा उसीसी भू अविधक घाण0 स्पुद जविज़य करा क$ हाट दिदय , विजसी शरा यते क अन सी रा दिकसी गरा>-मेवि स्लुमे सी विलुय ज न अविनवा य थ ।

इसी तेराहा क* उद रा न विते क* विसीफो रिराश उनक द शवि नक गरु अzदलु लुते फो न क* थ , विजन्हा)न उन्हा :"सीलु हा-ए-क लु" (सी वाभू विमेक सीविहाष्ण ते क* न विते) अपुन न क* सीलु हा द थ । इसीसी पुहालु दिकसी अन्य मेवि स्लुमे श सीक न इसी न विते क इतेन गहारा ई सी नहाY अपुन य थ , औरा न हा इसीक ब द दिकसी न इसी इतेन दढ़0ते सी लु ग दिकय ।

जब अकबरा यवा थ औरा उसीक सी$चौन -सीमेझीन क* उम्र थ , उसीन उन ते कते) क$ सीख्ते सी क चौलु दिदय ज$ उसी मे लुविव क विनयत्र ण मे :रार्खोन चौ हाते थY। उसीक* कठा$रा, तेत्क लु औरा दढ़0 क रा वा ई न सीभू विवारा$ध) क$ दब दिदय । उसीन अप ध य मे क बट , एक विवाद्र$हा अविधक रा , क$ क वालु अपुन मेट्ठा सी मे रा ड लु , क्य)दिक वाहा हात्य क* सी विजश राचौ राहा

अकबरा न अपुन "सीलु हा-ए-क लु" न विते क$ B रा भू मे :हा विनध रिराते करा विलुय थ । यहा क न न-ए-शरा यते क विर्खोलु फो ज औरा मे लुविवाय) क विवारा$ध क सी मेन करान क विलुए एक यवा रा जक मे रा क विलुए अत्यविधक सी हासी क क य थ । यहा क राण थ दिक उसीन वा रा णसी क र्खोड हारा हा$ चौक मेदि दरा) औरा अन्य ध्वास्ते ते थस् थलु) क पुन र्णिनमे ण क आदश

रा जन विते क* इसी अन ठा राणन विते न पुरा प्रिंहाद भू राते मे :विवाश्व सी क* लुहारा उत्पुन्नी करा द । इसीसी पु$हालु कभू भू प्रिंहा दिकसी विवादश श सीक सी इतेन B$त्सी हान नहाY विमेलु थ ।
अब अकबरा क$ प्रिंहाद विवारा$ध क* प्रिंचौते नहाY थ । वाहा अब अपुन चौ रा) ओरा मे जद आक्र मेक औरा शवितश लु अफोग न विवारा$ध पुरा ध्य न क:दिद्रते करा सीकते थ ।
सीदिदय) सी, अफोग न यहा मे नते आए थ दिक भू राते उनक ज यज अविधक रा हा।> वा इतेन आसी न सी अपुन करिठान ई सी अर्णिजते सीत्ता क$ इन ट्रॉ सी -ऑक्सीसी (फोरागन क पु रा) क 'सी हासी ' मेग लु) क हा थ) र्खो$न क विलुए तेय> रा नहाY थ, विजन

क वालु अवासीरावा द लुट रा) क रूपु मे ।:दर्खो

वा रा णसीपुन र्खो ज

मेहा न मेग लु अकबरा क$ अब यहा सी विबते करान थ दिक वाहा वा स्तेवा मे :उसी भूवि मे क उत्तारा विधक रा थ , जहा [उसीक जन
हुआ थ ।

अगरा अकबरा न कट्टारावा द क विनराथ क आग्रीहा) क$ छ$ड़करा अपुन उद रा न विते सी जनते क$ अपुन पुक्षे मे :नहाY दिकय हा$ते
ते$ वाहा विवाश्व इवितेहा सी क मेहा नतेमे श सीक) मे :सी एक नहाY मे न ज ते ।
V
1580 मे :अकबरा न विबहा रा क अफोग न) क$ मेग [रा मे :अवि तेमे औरा विनण य क हा रा द । यहा एक मेन$वाज्ञा> विनक रूपु सी
क्षेण थ । Bभू वाश लु दराब रिराय) जसी> भूगवा द सी औरा ट$डरामेलु क सीहाय$ग सी, चौते रा औरा विवाद्वा न ब्रा ह्मण न रा यण द
एक य$जन बन ई। उन्हा)न इसी अवासीरा क उपुय$ग अकबरा क$ वा रा णसी क पुन र्णिनमे ण क* आवाश्यकते औरा मेहात्वा क$
सीमेझी न क विलुए दिकय ।

B चौ न वारुण क्षेत्र पुरा तेराहा सी नV हा$ चौक थ औरा उसीक* पुन बहा लु लुगभूग असीभू वा थ । दिफोरा भू , 'मेहा न पु चौ['
मेदि दरा) औरा प्रिंबदमे धवा मेदि दरा क आ विशक पुन र्णिनमे ण दिकय गय । लुदि कन गग क दिकन रा क* पुहा विड़य) क$ विवाक
ज सीकते थ , औरा पुरा एक नए शहारा क मेbडलु प्रिंहादओं क विलुए आनद क विवाषय बन सीकते थ । सीम्र ट इसी एकलु विनणय
सी सीपु ण रा जवा ड़ औरा सीभू वाते} मेरा ठावा ड़ क$ भू एकजट करा सीकते थ। न रा यण दत्ता न अकबरा क$ इसी राणन वितेक
क* बवि द्धामेत्ता सी अवागते करा य ।

विसीक दरा लु$द न 1494 मे :वा रा णसी क$ पुरा तेराहा सी ध्वास्ते करा दिदय थ , औरा 1580 मे :अकबरा न इसीक सी मे न्य
क* अन मेविते द । प्रिंहाद Bज क Bविते अपुन क0पु क$ विवाशष रूपु सी Bदर्णिशते करान क विलुए, सीम्र ट न स्वाय

पुन र्णिनमे ण
विवाश्वन थ मेदि दरा क विनमे ण क विलुए 45,000 स्वाण दिदन रा) क अन द न दिदय ।

एक ब रा जब सीम्र ट क* इसी उद राते क* घा$षण हुई, ते$ भू राते क अमे रा औरा गरा ब, प्रिंहाद रा जक मे रा) औरा धन
व्या पु रिराय) न इसी पुरिराय$जन मे :धन क* वाष करा द ।
वा रा णसी न इसी अवासीरा क पुरा लु भू उठा न क विलुए अपुन सीभू सीसी धन) क$ सीग रिठाते दिकय । पुहालु सी ध्वास्ते दिकए

कई मेदि दरा) क पुन र्णिनमे ण दिकय गय ।

पुवि डते न रा यण दत्ता अत्यते सीदिक्रय हा$ गए। उन्हा)न प्रिंहाद रूदिढ़वा दिदय) क$ यहा विवाश्व सी दिदलु न क Bय सी दिकय दिक
द्वा रा अपुविवात्र दिकए गए स्थलु) क पुन } उपुय$ग क* पुरा पुरा गते विनषध ज्ञा क$ छ$ड़ दन चौ विहाए। उन्हा)न ध र्णिमेक श स्त्री)
हावा लु दते हुए सीमे ज क$ यहा सीमेझी न क* क$विशश क* दिक वा उन्हाY स्थ न) पुरा नए मेदि दरा) क पुन र्णिनमे ण

पुवि डते क मे गद शन मे,: क0वितेवा सीश्व रा, मेहा क लु श्वरा, मेध्य श्वरा औरा ओंक रा श्वरा मेदि दरा) क उनक मेलु स्थ न) पुरा पुन
दिकय गय , ज$ पुहालु उज ड़ औरा वा रा न पुड़ थ।
इसी पुन र्णिनमे ण मे,: अविवामे t श्वरा औरा विवाश्वश्व रा मेदि दरा क$ B थविमेकते द गई।

VI

अब तेक विवादश आक्रमेणक रिराय) न वा रा णसी क उन मेख् य मेदि दरा) क$ लुगभूग पुरा   तेराहा सी ध्वास्ते करा दिदय थ , ज$ वारुण नद औरा द$ झी लु)—मेड दिकन औरा मेच्छ$दरा —क ब चौ विस्थते थ। यहा क्षेत्र वा रा णसी क हृदय स्थलु थ औरा यहा [क मेदि दरा इसीक* सीमेवि0द्धा क Bते क थ। विवाध्वासी पुरा   तेराहा सी सीपु न्नी दिकय गय थ।

इसीविलुए, इन सीभू मेदि दरा) क$ एक सी थ पुन स्थ विपुते करान असीभू वा थ। अते}, पुवि डते न रा यण दत्ता न यहा

बवि द्धामे न
सीमेझी दिक वा अपुन Bय सी) क$ ज्ञा नवा पु औरा उसीक सीमे पु क क्षेत्र तेक सी विमेते रार्खो:।
लुदि कन यहा क्षेत्र भू , जसी> दिक हामेन पुहालु दर्खो , एक बदबद रा, गद , औरा भूय नक मेलुब क ढं रा बन चौक

थ। सीविदिय) सी
पुवि डते न रा यण दत्ता क विलुए ज्ञा नवा पु क पुन र्निनमे ण B थविमेकते थ। उन्हा)न पुहा ड़ पुरा विस्थते राविज़य मेविस्जद क ज$ड़ क औरा सीमेझी दिक उसी छा न , असीभू वा हा$ गुा अते}, पुहा ड़ पुरा मेदि दरा बन न क य$जन तेरा ते छा$ड़ द गई।
दसी रा सीबसी उपुयt स्थ न थ ज्ञा नवा पु क दविक्षेण दिकन रा पुरा, जहा [एक ओरा कभू अविवामे t श्वरा मेदि दरा

विस्थते थ , औरा
दसी रा ओरा Bविसीद्धा अक्षेयवाट वाटवाक्षे0 थ।
लुदि कन यहा क्षेत्र भू मेलुब सी भूरा चौक   थ। वा स्तेवा मे,: यहा गद ग ढंलु न क सी थ न चौ बहाकरा ज्ञा नवा पु क

जलु-क्षेत्र तेक आ
गई थ औरा इसी लुगभूग पुरा   तेराहा सी अवारुद्धा करा दिदय थ।
विशल्पुक रा) न य$जन बन ई दिक इसी गद ग क$ हाट करा इसी सीड़क क स्तेरा तेक लु य ज ए, ज$ तेब पुहा ड़ पुरा

विस्थते
राविजय- मेविस्जद तेक पुहुचौ[ते थ। इवितेहा सी मे :दज हा >दिक नवा-विनर्णिमेते मेदि दरा क मेचौ सीड़क क स्तेरा तेक ऊ[चौ दिकय गय।
(आज भू यहा मेचौ दर्खो   ज सीकते हा।>)

हा लु [दिक, ज्ञा नवा पु अपुन पुवा   जलुरा विश क$ पुरा   तेराहा पुन } B d नहाY करा सीक। वाहा झी लु, विजसीक*

सीतेहा स्वाण- विशर्खोरा)
वा लु मेदि दरा) क दपुण क* तेराहा Bवितेप्रिंबब दिदर्खो ते थ , हामेश   क विलुए अवारुद्धा हा$ गई।
एक औरा क राण हा$ सीकते   हा >दिक विवाश्वन थ मेदि दरा क$ अन्य अविधक मेहात्वापु ण मेदि दरा) क* तेलु न   मे

:पुहालु बन य गय। B चौ न नगरा औरा व्या वासी वियक क:द्र रा जघा ट-मेच्छ$दरा -वारुण क्षेत्र सी औरा दविक्षेण क*

ओरा स्थ न तेरिराते हा$ गए थ।
आब ह अब वारुण औरा मेड दिकन क* दविक्षेण सी मे क* ओरा बढ़ राहा थ। सी रान थ पुरा   तेराहा सी उपु विक्षेते करा दिदय गय
थ।

इसी Bक रा, पुहा ड़ पुरा विस्थते मेदि दरा अब नगरा क क:द्र क अविधक विनकट हा$ गय थ। ज्ञा नवा पु क* तेराहा,

मेच्छ$दरा भू अत्यविधक Bदवि षते हा$ गई थ , विजसीसी पुजलुर्खो ज क उपुय$ग करिठान हा$ गय। नए व्या पु रा मे ग अब स्थलु य रा स्ते) क सी थ विवाकविसीते हा$ गए, ज$ वा रा णसी क$ ग रा औरा पु ड आ जसी> सीमेद्धा0 नगरा) सी ज$ड़ते थ।

इसीविलुए, मेच्छ$दरा औरा विवाश्वन थ पुहा ड़ क दविक्षेण तेट क ब चौ क क्षेत्र वा रा णसी क सीबसी व्यास्ते क:द्र

बन गय। सीभू वाते} यहा क राण थ दिक न रा यण दत्ता न अविवामे t श्वरा मेदि दरा क पुन र्निनमे ण पुरा ध्य न

फ्ला र्णिसामेणवा रा णसी क Bविसीद्धा विपुते0-ते थ बकरा क ड (बकरिराय क ड) क$ भू पुन स्थ विपुते दिकय गय। इसी क ड क$ इतेन अविधक मेहात्वा दिदय गय दिक पुरा   भू राते क प्रिंहाद रा जक मे रा) न इसीक* पुरिराक्रमे मे :सीश $विभूते मेदि दरा) क करावा न मे :हा$ड़ लुग द।

इन मेदि दरा) क$ उत्क0V कलु त्मेक र्खोभू) औरा सीद रा नक्की श द रा विचौत्र) सी सीज य गय। भू राते क विवाविभून्नी क्षेत्र) क मेर्णि यहा [अपुन कलु क Bदशन करान क विलुए एक-दसी रा सी Bवितेस्पुध करान लुग।
यहा अत्यते दर्खो द हा >दिक नगरा क Bश सीक) (औरा पुवा   विब्रारिटिश कलु क्टरा)) क* घा$रा लु पुरावा हा क क राण इसी भू राते य सीग्री हा लुय क$ नV करा दिदय गय। यहा अविद्वाते य सीपु द अवाध> लुट पु ट, मेविस्जद) क* सीज वाट, विनज भूवान), औरा Bभू वाश लु लु$ग) क* सीनक क$ पुरा   करान क विलुए नV करा द गई।

मेड दिकन ते लु ब क तेट पुरा, ज$ उसी सीमेय सीदिक्रिय थ औरा मेड दिकन चौन>लु सी जलु B d कराते थ , द$ मेदि दरा) क$ स्थ विपुते दिकय गय :

1. दते हास्ते गणश मेदि दरा, विजसी "बड़ गणश " क न मे सी ज न ज ते हा।>
2. ग$राक्षे रिटलु पुरा एक मेदि दरा, जहा [Bविसीद्धा न थ य$ग जलुध रान थ क* सीमे विध विस्थते हा।>

इसी स्थ न क$ अब भू ध्य नपु वाक रार्खो ज ते हा।>

ते लु ब क दविक्षेण-पुविश्चंमे दिकन रा पुरा आज भू इसीक अवाश ष मे जद हा।& वाहाY, उत्तारा-पुविश्चंमे दिकन रा पुरा मेसी लु) क ब ज़ रा—कटरा द नन थ—बसी थ।
कटरा क पु सी, मेद> विगन क सीमे पु एक दवा   मेदि दरा भू विस्थते थ।

इसी क लु मे :नय क लुभू>रावा मेदि दरा भू पुन र्णिनर्णिमेते दिकय गय , क्य)दिक पुरा न मेदि दरा पुण   रूपु सी नV हा$ चौक   थ।

VII

हामे अब तेक सीत्रहावाY शते zद मे :विवाश्वन थ मेदि दरा क पुन र्णिनमे ण

क* चौचौ   करा राहा थ।

लुदि कन अकबरा क* उद रा स्वा क0विते न न क वालु ध र्णिमेक दवि0V सी बविल्क सी दयPकराण क* दवि0V सी भू एक मेहात्वापु ण विनभू ई, विजसीसी इसी मेहा न नगरा क* श$भू बढ़।
मे नप्रिंसीहा औरा ट$डरामेलु इसी श हा अन मेविते क यथ सीभू वा श घ्र औरा क शलुते पु वाक उपुय$ग करान क विलुए तेत्पुरा थ। उन Bय सी) क पुरिराण मे आज भू एक भूव्या नद तेट क रूपु मे :र्खोड़ हा,> विजसीक* सीद राते वावि नसी, पु$ट$मेक> य हा ग क ग सी अविधक अन पुमे हा।> (इसी पुरा आग चौचौ   क* ज एग।)

अल्पु सीमेय मे :हा सीपु ण   प्रिंहाद भू राते क$ सीतेक करा दिदय गय , औरा विवाविभून्नी रा ज ओं क* सीद्धा वान नद दिकन रा ते त्र क यx क रूपु मे :मेते रूपु लुन लुग।
अकबरा क* रा जन विते, सी दय, सीविहाष्ण ते औरा उद राते क* स्थ य ग रावा-ग थ क रूपु मे :वा रा णसी क नद दिकन रा क$ क*चौड़ भूरा , उबड़-र्खो बड़ औरा ढं लु विमेट्टा क* द वा रा) सी मेt दिकय गय। इसी तेरा श हुए बलुआ पुत्थरा), दढ़0 स्ते भू), सीद रा

छते) औरा भूव्या स्थ पुत्य कलु सी बन एक क ब द एक स्तेरा य मेदि दरा) औरा मेहालु) सी सीसी विज्जैते दिकय गय , ज$ क्रमेश}
ऊ[चौ ई पुरा उठाते हुए आक श क$ भूद ते Bते ते हा$ते हा।&

यहा स्मेराण करान सीदर्खो >दिक वा रा णसी क नद -तेट क* Bविसीविद्धा इसी अविद्वाते य भूव्याते क क राण हा।>

यहा भू य द रार्खोन आवाश्यक हा >दिक इसी सी दय क श्रय उसी सीम्र ट क$ ज ते हा,> विजसीन अपुन Bज क हृदय) क$ ज तेन क
Bय सी दिकय औरा धमे क$ व्याविtगते विवाषय मे न , जबदिक श सीन क$ एक सी वाज विनक उत्ताराद वियत्वा क रूपु मे :दर्खो । ज$
वा स्तेवा मे :ध र्णिमेक हा$ते हा,& वा नवि>तेक विसीद्धा ते) क अन सीराण कराते हा,& न दिक पुरा $विहाते) द्वा रा थ$पु गए कठा$रा

क द रा घा ट सी पुचौ गग घा ट तेक, वा रा णसी मे :गग क अध चौद्र क रा Bवा हा विवाश्वभूरा क पुयट क), भूt), वा स्ते क रा),
फो$ट$ग्री फोरा), विचौत्रक रा) औरा कविवाय) क विलुए आश्चंय, श्रद्धा औरा सीरा हान क क:द्र बन हुआ हा।> Bत्यक व्याविt अपुन
क अन सी रा इसी अन पुमे विनमे ण क$ नमेन कराते हा।>

हामे इसी अद्‌भुभू ते सी दय क ब रा-ब रा उल्लु र्खो करा चौक हा &औरा आग भू करा:ग , क्य)दिक वा रा णसी क घा ट) क* अलु दिक
श$भू क विजतेन वाणन दिकय ज ए, उतेन हा कमे Bते ते हा$ते हा।>
भू राते मे :ते जमेहालु क$ सीहा रूपु मे :एक आश्चंयज नक उपुलुविZध मे न ज ते हा।> उसी Bक रा वा रा णसी क घा ट भू Bशसी क
य$ग्य हा,& विजन्हा :न ते$ B चौ न औरा न हा आधवि नक य वित्रय) न सीरा हा विबन छ$ड़ हा।>
दरा दशP पुय टक औरा य त्र , ज$ सीदिदय) सी वा रा णसी आते राहा हा,& इसीक* भूव्या प्रिंहाद स्थ पुत्य कलु क* Bशसी कराते रा
अब भू अपुन दिदव्या चौमेक सी लु$ग) क$ आकर्णिषते कराते हा,> चौ हा विनकट सीपु क सी इसी नगरा क* क छ अस्वाच्छते ए[भू
उज गरा क्य) न हा$ ज ए।[

वान् सी, ज$ अपुन ऊ[चौ जलुतेट) क विलुए Bविसीद्धा हा,> य लुद न, ज$ ट म्सी नद क दिकन रा फो>लु अपुन इमे राते) क विलुए
ज ते हा,> वा भू वा रा णसी क अध चौद्र क रा घा ट) क* उसी अविद्वाते य बन वाट क* तेलु न मे :फो*क पुड़ ज ते हा,& ज$ श वि तेमे
सी$पु न) क मे ध्यमे सी ध रा -ध रा ऊपुरा उठाते हुए आक श क$ आप्रिंलुगनबद्धा करा लुते हा।>

एक क ब द एक व्यावाविस्थते सीड&स्ट$न क* सी दिढ़य [, चौमेकद रा पुत्थरा) सी सीसी विज्जैते मेहालु) औरा गब द) तेक पुहुचौ[ते हा।&
लु क सी थ चौलुते हा।&
यहा दश्0य मे नवा य आक क्षे ओं क* एक ठा$सी अविभूव्याविt Bस्तेते कराते हा,> ज$ सीय क* दिकराण) मे :विनर्खोराकरा सी क रा B
सीढ़िय) क दिकन रा-दिकन रा ...
हा$ते हा।& वा रा णसी क घा ट) क यहा भूव्या पुरिरादश्0य वा स्तेवा मे :3 नवा य B थम ओं क* मेल अविभूव्याविt हा,> विजसी मेन
असीहा य हा$करा 'दवा> य शविt' कहाते हा।> वा रा णसी क नद तेट क* सी दिढ़य [पुत्थरा) मे :ढंलु हुई उसी दिदव्या आत्मे क* स्ते वि
Bते क हा।&
सी दय औरा रा$मे चौ सी पुरा , इन सीक>ड़) सी दिढ़य) क$ पुहा विड़य) क विशर्खोरा सी बहाते हुई गग क* गहारा इय) तेक इसी ते
ज$ड़न , दिक उनक* मेज़बते क$ क$ई ते कते विहालु न सीक , आज क आधवि नक मे नक) सी भू एक आश्चंयज नक इ ज विनयटिंराग
उपुलुविZध हा।>

ज$ भू व्याविt उदयपुरा औरा विपुछ$लु झी लु, य रा जस्थ न क विवाविभून्नी 'सी गरा' (विवाश लु तेटबध)) क$ दर्खो चौक हा,> ज$
मेहालु) सी विघारा हुए हा,& वाहा वा रा णसी क पुहा विड़य) क$ ज$ड़न वा लु पुत्थरा) क* सीरा चौन क* ब रा क* क$ अवाश्य सीमे
हा।> इन ढं लु पुत्थरा) क$ लु$हा क क्लुपु&) औरा सी सी क सी चौ[सी इसी तेराहा सी मेजबते द गई थ दिक पुरा पुहा ड़ श्रर्खो0
ठा$सी सीरा चौन क रूपु मे :पुरिरावार्णिततेते हा$ गई, विजसी सीमेय भू नहाY विमेट सीक , औरा न हा Bक0विते उसी विहालु पु ई।

यहा सीब वा रा णसी , य क श -क$सीलु क उन क शलु रा जविमेविस्त्रीय) औरा पुत्थरा तेरा शन वा लु विशविल्पुय) क* क रा गरा क

Bमे ण हा,> विजन्हा :स्थ न य रूपु सी 'सीते रा सी' कहा ज ते थ । ('सीग ' = पुत्थरा, 'तेरा श' = गढ़न , इसी Bक रा सीतेरा सी क अथ हा।& सी = पुत्थरा क क रा गरा)। य अपुन आपु मे :एक विवाविशV वाग थ, ज$ आज भू अपुन पु रा पुरिराक कलु क$ दिदर्खो न क

इनक* Bवितेभू क उपुय$ग रा जस्थ न क रा ज ओं, मेहा रा ष्ट्र क श सीक) औरा दविक्षेण क रा जवाश) न भू दिकय । य

दविक्षेण क

श सीक ब द मे :आए, लुगभूग एक शते zद ब द, लुदि कन सीम्र ट अकबरा क* उद रा न विते न रा जवा ड़ क रा ज ओं क$ सीग रिठाते

दिकय , विजसीसी उन्हा)न अपुन सीवा त्तामे Bय सी) क$ अज मे दिदय औरा इसी अBत्य विशते श हा रा हाते क

भूरापुरा लु भू उठा य । सीदिदय) ब द, प्रिंहाद एक सीग रिठाते पुरिरावा रा क* तेराहा उठा र्खोड़ हुए औरा वा रा णसी

क पुरा स्वारूपु हा बदलु दिदय ।

विमेथक*य इवितेहा सी मे :विजसी वा रा णवाते य वा रा णस्य क न मे सी ज न ज ते थ —ज$ कभू वारुण नद क

सी मेन कराते

थ — अब वाहा शहारा गग क* विवाश लु रा ते लु तेटरा र्खो क* ओरा मेर्खो करान लुग । ज$ नगरा कभू रा जघा ट, ॠविषपुतान, औरा

मेच्छ$दरा वा मे ड दिकन क व्यास्ते ब ज रा) क विलुए Bविसीद्धा थ , वाहा अब अपुन B चौ न मेलु क$ भूलु करा

सी ध गग क* ओरा

मेर्खो करा बठा> , औरा Bत्यक सीब हा उगते हुए सीरा ज क स्वा गते करान लुग , ज$ पुवा P तेट क* हारिराय लु सी झी क[ते हुआ

रा मेनगरा पुरा Bक श विबर्खोरा ते हा।>

आज (1990) हामे ज$ भू गग तेट पुरा दर्खो ते हा,& वाहा वाषx क* मे नवा-श्रमे औरा सीक ल्पु क* पुरिराणविते हा।>

यहा भूव्याते एक हा

ब रा मे :नहाY आई, बल्किक चौराणबद्धा तेरा क सी विवाकविसीते हुई। यदिद वा रा णसी क* पुहा विड़य [कभू वाहा भूरा लु)सी यक्षिच्छ सीकलुते

क Y, यदिद कद विकविड़य) हुक* घविड़य) [रा जगृहा तेरा रा जविशव्य) ज्ञानक* हाते, मेवा विशक्ति औरा अथ ,और V वादिल दसीलु विकविभून्नी सीमेद

थ। इनक अविधक श ज वान घामे ते कब लु ई ज वान जसी> थ ।

नद क उज ड़

सीते क भूमेका श मेक आज हामे सी राज्हान करो ते हा,& यहा भू मेभूला हा$ जसीक बहुतेरा विड़B) चौ न गरा मेरुणया हा। जसी>- जसी धीरा

क विवास्ते रा हुआ, लु$ग) त लुदिड़य) क उपुय$ग करान शरू दिकय । स्वा भू विवाक रूपु सी नद तेक पुहाचौन क विलुए सीरा विक्षेते नद क दविक्षेण दिकन रा) सी सीटे हुआ थ औरा वातिमे न विवाश्वश्व रा र्खो क ब हारा विस्थते नद क घा ट) सी

औरा सीवि वाध जनक सी दिढ़य) क* आवाश्यकते पुड़ , विजसी द नश लु सीमेद्धा0 रा ज ओं न उपुलुzध करा य ।

इसीक क$ई विवाशष

ध र्मिक या विनजी , मेहात्व न क स्था न [सीथ] र्मिक सीवा ननकर्म अविधत , जिसी विकाक्ष्मिण ज$ मेहामे अक्षे ह्रता के सीमेय के क बधा था विनर्मित हुए, औरा कविनष्क क सीमेय ने बसी यq ओंरा

इन पुहा विड़य) पुरा बविस्तेय [पुरा तेराहा विवाकविसीते हा$ चौक * थY।

विवाकविसीते दिकय ।

दिफोरा भू , उसी सीमेय क अविभूयते ओं (इ ज विनयरा)) क* क्षेमेते इतेन नहाY थ दिक वा इतेन भूव्या घा ट) क विनमे ण करा पु ते , जसी> दिक हामे आज दर्खोते हा।&

B चौ न क लु मे :पुहा ड़ क्षेत्रे भूमेन) सी राविहाते थ , क्य)दिक वाहा [मेक न बन न क* अन मेविते नहाY थ । यहा

विनषध ज्ञा श यद

गण) क भूय क क राण राहा हा$ग ।

वा रा णसीपुन र्खो ज

इसी विलुए नद तेट पुरा तेराहा सी दिकसी भू शहारा सीज वाट सी मो थ । यहा -[वाहा ,[भूस्मे सी भूरा , पुशओं

हामे अब तेक सीत्रहावाY शते zद मे :पुन र्णिनर्णिमेते विवाश्वन थ मेदि दरा क* चौचौ करा राहा थ। लुदि कन अकबरा

क* उद रा स्वा क0विते न वा रा णसी क सी दयPकराण क सीद भू मे :एक औरा भू मेहात्वापु ण औरा कलु त्मेक

उद्दी श्य

क$ पुरा दिकय ।

मे नप्रिंसीहा औरा ट$डरामेलु इसी श हा अन मेविते क अविधकतेमे लु भू उठा न मे :अत्यते तेज औरा चौते रा विसीद्धा

हुए। औरा ज$ क छ

उत्पा)न हा विसीलु दिकय - वाहा आज भू एक अविद्वाते य जलुतेट क रूपु मे :खोंड़ हा,> विजसीक* तेलु न न ते$

वाविं नसी सी क* ज सीकते

रूपु मे :द्वा$सी रूपु दिकय ज$ नद क दिकन रा ग्रा V रूपु मेविते जो थ।

हो,> न पु$ट$मेक> सी, औरा न हा हा ग क ग सी। (इसी पुरा ब द मे :चौचौ करा:ग ।) अल्पु सीमेय मे :हा सीपु ण

अविलापा क रा जरा विशेष विजनके सी तयबर्क$ध सीविवापा ते औरा उन सते क* अन विमेविता मे क विवाप वा रा णसी क नद तेट

प्रिंहाद भू राते क$ सीतेक करा दिदय गय, औरा सीजोडी क* सीढूरा वान नतेक तेश्रा विनमेण गवितेविविधविधे क

क*चौड़, ढंहाते दिकन रा) औरा अविस्थरा चौट्टा न) सी मेt दिकय गय , औरा इसी तेरा श हुए बलुआ पुत्थरा), दढ़0 स्ते भू), ऊ[चौ छज्ज

औरा उत्तामे विशल्पुकलु वा लु मेदि दरा) तेथ मेहालु) सी सीसी विज्जैते दिकय गय , ज$ एक क ऊपुरा एक उठाते हुए आक श क$ छ न

लुग।

यहा स्मेराण करान आनद द यक हा >दिक वा रा णसी क घा ट) क* Bविसीविद्धा उसी सीम्र ट क* उद राते सी उत्पुन्नी हुई, विजसीन अपु

Bज क हृदय ज तेन क* इच्छ रार्खो थ औरा विजसीन धमे क$ व्याविtगते विवाषय मे न , न दिक श सीन क सी वाज विनक द वियत्वा

क रूपु मे।: सीच्ची ध र्णिमेक व्याविt नवि>तेक विसीद्धा ते) क पु लुन कराते हा,& न दिक पुरा $विहाते) द्वा रा विनध रिराते कठा$रा वि

क्रस्थ सुत्पाविकसी),पुचौ गग घा ट तेक, वा रा णसी मे :गग क* अध चौद्र क रा ध रा विवाश्व भूरा क पुयट क), श्रद्धा लुओं

फो$ट$ग्री फोरा), विचौत्रक रा) औरा कविवाय) क विलुए विवास्मेय, Bशसी औरा श्रद्धा क क:द्र बन हुई हा।> Bत्यक अपुन -अपुन पुसी

मे ध्यमे मे :इसी अविद्वाते य मे नवा य उपुलुविzध क$ नमेन कराते हा।>

हामेन इसी अद्भुभू ते सीद राते क* चौचौ पुहालु भू क* हा >औरा ब रा-ब रा कराते राहाग: , क्य)दिक वा रा णसी क घा ट) क यहा

पुन रा वाविं0त्ता क य$ग्य हा।>

भू राते मे :ते जमेहालु क$ एक अद्भुभू ते स्थ पुत्य उपुलुविzध क रूपु मे :सीहा रूपु मे :सीरा हा ज ते हा।> इसी Bक रा, वा रा णसी क

घा ट भू Bशसी क पु त्र हा,& विजनक* सीद राते क वाणन B चौ न औरा आधवि नक य वित्रय) न सीमे न रूपु सी दिकय हा।>

सीमेझीद रा पुयट क औरा य त्र , सीदिदय) सी, प्रिंहाद वा स्ते कलु क इसी भूव्या दश्0य क* Bशसी कराते आ राहा हा,& ज$ आज भू

चौमेक बराकरा रा रार्खोते हा,> भूलु हा वा रा णसी क विनकट सीपु क सी ज$ सीqualor (गद ग औरा अव्यावास्थ) Bकट हा$ते हा

इसीक* आभू क$ क छ हाद तेक फो*क करा दते हा$।

रा जघा ट, ब्राह्म घा ट, दग घा ट, प्रिंबदमे धवा घा ट, मेग लु ग रा घा ट, रा मे घा ट, वित्रलु$चौन घा ट, अ श्व

रा घा ट, न गश्वरा घा ट

(ज$ अब भू)सीलु घा ट क न मे सी ज न ज ते हा)>, वा रा श्वरा घा ट, विसीद्धा विवान यक घा ट, स्वागद्वा रा Bवाश , मे$क्षेद्वा रा Bवा

(द$न) अब लु$कविBय मेविणकर्णिणक घा ट पुरिरासीरा मे :सीविम्मेविलुते हा$ गए हा)&, जरा सीध घा ट (ब द मे :मे रा घा ट क न मे

गय , मे रा रुस्तेमे अलु , एक मेवि स्लुमे कलु क्टरा, क न मे पुरा, विजसीन यहा [एक छ$ट दिकलु जसी> सीरा चौन बनवा ई थ , विजसी

अवाश ष अब भू दर्खो ज सीकते हा)&, बद्धा दिदत्य घा ट, सी$मेश्व रा घा ट (एक अन्य सी$मेश्व रा घा ट, ज$ औरा दविक्षेण मे :विस्थते

अब पुराu य पु ड य घा ट क न मे सी ज न ज ते हा)>, ज$ मेश्व रा य मेदि दरा क पु सी विस्थते थ), लु$लु क घा ट (ज$ अब

लुगभूग पुरा तेराहा सी विब्रारिटिश श सीन क द रा न बन ए गए जलु-आपुर्णि ते भूवान) क क राण सीमे d हा$ चौक हा)>, असी सीग
(ज$ उत्तारा वारुण सीग मे घा ट क सीमे न सीते लुन बन ए हुए थ , द$न) हा घा ट) तेक पुक्की रा स्ते नहाY थ) ।

क्षा ख्यवेक्षसीकटस्प्रहाल्लु बदिलुमे जद थ , सी थ हा Bय ग घा ट भू । लुदि कन घा$ड़ घा ट क पुन र्णिनमे ण
गय । इसी पुरिरावाते न क$ वा स्तेवा मे :Bश सीविनक अविधक रिराय) क* तेत्पुराते न सीभू वा बन य , ज$ विवाशष रूपु सी श्वते 'पुय
क$ नद तेट तेक आसी न (औरा कमे असीवि वाध जनक) पुहुचौ[Bद न करान क इच्छ क थ।

घाअ्राटघू त्यक लुविकिनक्यहीअबपुरा न खोंड हारा) क मेलुब मे :दफोन हा$ चौक हा।> सीमे न रूपु सी
दर्खीस्थविते मे नसीरा$वारा घा ट क* भू हा।> अकबरा क दराब रा क रा ज मे न प्रिंसीहा न B चौ न मे नसीरा$वारा क$ पुन स्थ विपु
दिकय थ औरा इसी जलु शय क$ चौ रा) ओरा सी छतेयt बरा मेद) सी सीज य थ । इसी जलु शय क चौ रा) ओरा चौ रा मेदि दरा थ,
औरा एक मेदि दरा ब चौ मे :विस्थते थ । अब यहा सीब मे त्र एक स्मे0विते बनकरा राहा गय हा।> यहा उल्लु खोंन य हा >दिक इसी जलु श
सी थ-सी थ दजन) अन्य जलु शय) क विवान श उन्हाY प्रिंहादओं द्वा रा दिकय गय , ज$ आज भू कई औरा जलु शय) क$ नV करान
मे :लुग हुए हा।& स्थ न य Bश सीन क* उद सी नते न इसी विवान श क$ औरा अविधक B$त्सी विहाते दिकय ।
क द रा घा ट बहुते पुरा न हा,> लुदि कन इसीक आधवि नक स्वारूपु मेग लु क लु मे :दिदय गय थ । क द रा घा ट क पु सी विस्थते
क मे रास्वा मे मेठा अकबरा क श सीनक लु क द रा न स्थ विपुते दिकय गय थ ।
क द रा घा ट क सी थ हा , कई अन्य घा ट) क उल्लु खों ग$प्रिंवादचौद्र , गहाड़वा लु वाश क रा ज , क एक अविभूलुखों

मे :विमेलुते हा।> यहा
दश ते   हा >दिक गहाड़वा लु श सीक पुहा ड़ वा रा णसी क$ सीज न क Bविते सीचौते थ। उन्हा)न पुहा विड़य) क* ऊ[चौ इय) सी नद
ज न क विलुए अच्छ तेराहा सी विनर्णिमेते रा स्ते) क* व्यावास्थ क*। लु$लु क , आदिदक शवा, वाद श्व रा, क$रिटते थ (कविपुलुध रा क
पु सी), वित्रलु$चौन औरा स्वाप्नश्व रा (क द रा घा ट क सीमे पु) क अलु वा , गहाड़वा लु श सीक) न लु$लु क औरा विवाश्वन थ जसी> मे
तेथ स्ना नक ड) क रार्खोरार्खो वा क विलुए भू व्या पुक Bबध दिकए।

अकबरा औरा जहा ग रा क* उद रा न वितेय) सी न रा ज हा$करा, कट्टारापुथ   मेल् लु ओं न श हाजहा [सी आग्रीहा दिकय दिक वा इस
क* मेविहामे क अन रूपु एक कठा$रा न विते अपुन ए[औरा "क दिफोरा)" पुरा कड़ रुर्खो अपुन ए[। श हाजहा [न एक फोरामे न ज रा
दिकय दिक ज$ मेदि दरा पुहालु सी बन हुए थ, वा बन राहा सीकते हा,& लुदि कन ज$ मेदि दरा विनमे ण ध न थ, उन्हा :न क वालु
चौ विहाए, बविल्क पुरा   तेराहा सी ध्वास्ते करा दिदय ज न चौ विहाए।
श हाजहा [क श सीनक लु मे :उनक सीबसी बड़ पुत्र , द रा विशक$हा, क$ इलु हा ब द क गवान रा विनयt दिकय गय । वा रा णसी
उनक Bश सीन क अध न आई। चौदि क द रा विशक$हा प्रिंहाद दशन मे :अत्यविधक रुविचौ रार्खोते थ, उन्हा)न वा रा णसी क$ अपु
विनवा सी क रूपु मे :चौन   औरा इसी विवाषय क गहान अध्ययन दिकय , ज$ उन्हा :अत्यविधक विBय थ । विजसी क्षेत्र मे :वा राहाते
ब द मे :"द रा नगरा" क न मे सी Bविसीद्धा हुआ।
उन्हा)न यहा क्षेत्र सी$चौ-सीमेझीकरा चौन , क्य)दिक यहा Bविसीद्धा क0वितेवा सीश्व

रा मेदि दरा क विनकट विस्थते थ । इसीविलुए यहा प्रिंहाद दशन
क विवाद्वा न) क Bमेखों क:द्र भू थ । लुदि कन इसीक ब द कट्टारापुथ   मेग लु सीम्र ट औरा गज़ब क श सीन आय , औरा वा रा णसी क
पुहालु सी कहाY अविधक पु ड़ झीलु न पुड़ । औरा इसी क सी थ, मेग लु सी म्र ज्य क पुतेन क* शरु आते भू हा$ गई।

मेग लु सी म्र ज्य क पुतेन मेख् य रूपु सी द$ न वितेय) क क राण हुआ:

1.औरा गज़ब क* ध र्णिमेक न विते
2.उनक* दविक्षेण न विते (दविक्षेण भू राते मे :आक्रमेण)

सीमेय क सी थ यवा   औरा गज़ब न "द रा -कbम्प्लुक् सी" विवाकविसीते करा विलुय थ । यहा मे नविसीकते विवाशष रूपु सी उसीक विपुते श हाजहा [द्वा रा अपुन बड़ बट   द रा विशक$हा क$ अविधक मेहात्वा दन   औरा अन्य बट) क* उपु क्षे करान क क राण उत्पुन्नी हुई थ । इसीक अलु वा , द रा विशक$हा क* पुत्र (उदयपुरा) क* सीद राते क$ लुक रा भू औरा गज़ब असीते V थ औरा उसी यहा स्वा क रा नहाY थ दिक "एक विवाधमेP" ऐसी सीद रा पुत्र क स्वा मे बन।

यहा क राण थ दिक औरा गज़ब द रा क Bविते आलु$चौन त्मेक दवि0Vक$ण अपुन न लुग , विवाशष रूपु सी उसीक

द शवि नक विवाचौ रा)

क$ लुक रा ज$ अकबरा क* न विते औरा द न-ए-इलु हा सी Bरि राते थ। चौदि क औरा गज़ब न अते ते} द रा
विशक$हा क$ "ईशप्रिनद " क

आरा$पु मे :मेत्0यद ड द दिदय , यहा अपुवि क्षेते थ दिक वाहा कट्टारापुथ   बन ज एग , मेल् लु ओं क सीमेथन सी

प्रिंहादओं, क$ क चौलुन क
क* "भूल)" क$ सीध रान क विलुए करिटबद्धा हा।>
Bय सी करा ग औरा द रा नगरा, क0वितेवा सी, वा रा णसी औरा प्रिंहाद धमे क$ नV करान क Bय सी करा ग ।

औरा गज़ब म   सी विबके करान क   विलुए दिक वाहा इस्ला मे क* रक्षे   औरा Bचौ रा मे लुग   रा हा > नवा$रा ऊल्ले
इसी Bय सी मे,: उसीन वा रा णसी मे :मेदि दरा) क लुन निनमे ण क$ पुरा   तसीहा सी रा$कदिदय औरा विनम्रविलुविखोते मेदि दरा)
दिदय :
उठा ए, विजनमे :मेदि दरा) क

विवाध्वासी भू थ विलुल थ । वाहा यहा दिदर्खो न चौ हाते थ दिक वाहा दसी रा , ते सीरा औरा चौ थ मेग लु)
(अकबरा, विश्वानाथ, शर्दिहाजह(न)[रा यण दत्ता द्वा रा पुन निनमिणमेते)

- अविवामे t श्वरा
- क0वितेवा सी
- ओंक रा
- मेहा क लु
- मेध्यमेश्व रा
- बकरा रा क ड
- पुचौग   घा ट क Bविसीद्धा बन मे धवा मेदि दरा

इसी विवाध्वासी क क राण वा रा णसी , ज$ सी वाषx तेक अपुक्षे क0ते श वि तेपु ण थ , दिफोरा सी आहा ते हा$ उठा । यहा [तेक दि
छ$ट मेदि दरा औरा जलु शय भू बब द करा दिदए गए। सीपु ण   मेच्छ$दरा -मेandakini क्षेत्र र्खोड हारा मे :बदलु गय ।

इसीभूस्लुमेकिनाBविसी ज$ काण0 वा रा णसी क लु$ग) मे :एक सी मे विजक बदलु वा दर्खो
क वालु विवादश   आक्रमेणक रिराय) तेक सी विमेते थ , वाहा अब सीस् थ गते रूपु लुन लुग । मेदि दरा) सी अपुहृते लुड़दिकय) औरा जबर
धमे तेरिराते प्रिंहादओं न अपुन पुरा न सीमे ज सी र्खोद क$ अलुग-थलुग पु य औरा ध रा -ध रा प्रिंहाद विवारा$ध मे नविसीकते वि
करा लु ।
लुदि कन औरा गज़ब , हा लु [दिक ध र्णिमेक रूपु सी कट्टारा थ , एक क शलु श सीक भू थ । जब उसी लुग दिक वाहा रा जपुते) औरा मेरा
क* बग वाते सी विघारा गय हा,> उसीन अपुन न विते मे :थ$ड़ बदलु वा करान क सीक ते दिदय । वाहा अपुन अत्यविधक उत्सी हा
अविधक रिराय) पुरा अक श लुग न चौ हाते थ ।

इसीक Bमे ण क रूपु मे,: 28 फोरावारा 1659 क$ ज रा औरा गज़ब क एक फोरामे न उल्लु र्खोन य हा...>

शरा यते क विनयमे) क अन सी रा यहा विनणय विलुय गय थ दिक वा रा णसी क पुरा न मेदि दरा) क$ बन ए रार्खो ज सीकते हा,
लुदि कन क$ई नय मेदि दरा नहाY बन य ज एग । मेरा   सीराक रा क$ सीवि चौते दिकय गय हा >दिक क छ सीराक रा अविधक रिराय

वा रा णसी और‍ा उसीक आसी-पु सी क लु$ग), विवाशष रूपु सी उन ब्रा ह्मण), ज$ मेदि दरा) मे :Bवितेदिदन B थन कराते हा,& क ि
सीसेस्द ह्‌[र्स्रा उस्ना थ्री करान सी रा$कन चौ हाते हा।& यहा ¹रामे न ज रा दिकय ज राहा हा >ते दिक इसी
तेराहा क* घाटन ओं क$ रा$क ज ए और‍ा भूविवाष्य मे :उनक अविधक रा) क* सीरा क्षे क विलुए विवाशष व्यावास्थ क* ज ए, ते दिक
सीवि नविश्चिंते दिकय ज सीक दिक इन लु$ग) क पुज -अचौन क अविधक रा ब विधते न हा)।

इसी सीद भू मे :यहा य द रार्खोन आवाश्यक हा >दिक 1659 मे :क0वितेवा सी मेदि दरा क$ नV करा दिदय गय थ और‍ा उसी वाष उस
जगहा आलुमेविगरा मेविस्जद बन ई गई थ ।
दिदल्लु मे :और‍ा गज़ब क* सी विजशपुण क>द सी विशवा ज क* चौते रा ई सी बचौ विनकलुन क ब द, और‍ा गज़ब क प्रिंहादओं क
आक्र$श पुण रूपु सी Bकट हुआ और‍ा उसीन भूय नक विवाध्वासी दिकए।
विसीते बरा 1669 मे :विवाश्वन थ मेदि दरा ध्वास्ते करा दिदय गय और‍ा एक ¹रामे न ज रा दिकय गय , विजसीक अन सी रा वा रा णसी
सीस् क0ते विवाद्या लुय) क$ बद करान और‍ा सीभू प्रिंहाद ग्रीथ) क$ जलु न क आदश दिदय गय । (द रा -विशक$हा क Bविते ईष्य
द्वाष न प्रिंहाद ग्रीथ) और‍ा विशक्षे ओं क विवारुद्धा एक अविभूय न चौलु दिदय थ ।)

इसीक ब द प्रिंबदमे धवा मेदि दरा क* ब रा आई। इसी Bविसीद्धा मेदि दरा क स्थ न पुरा एक नई मेविस्जद बन ई गई, और‍ा इसीक* मे न

वा रा णसी शहारा क विलुए सीमेर्खोक बन गईं।
यहा मेदि दरा इतेन भूव्या थ दिक गग क तेट पुरा ऊ[चौ ई पुरा विस्थते इसीक* अविद्वाते य श$भू क$ दर्खो
ते हुए यहा [तेक दिक ईसी ई
य विवात्रय) न भू इसीक विवाध्वासी क* प्रिंनद क*। वा इस्लु मे कट्टाराते द्वा रा एक सीद रा राचौन क$ नV दिकए
ज न सी स्तेzध थ
मेलु प्रिंबदमे धवा मेदि दरा मे :अत्यते सीद रा मे न रा: थY और‍ा इसीक मेख् य गभूग 0हा स्वाण मेवि डते थ । जब इसी

मेदि दरा क$ ध्वास्ते दिकय
गय और‍ा एक मेविस्जद क रूपु मे :इसी चौन ते दन क* य$जन बन ई गई, ते$ उतेन हा भूव्या मे न रा: बन ई गईं।
गग क
दिकन रा बन और‍ा गज़ब क* मेविस्जद क* मे न रा: लुब सीमेय तेक वा रा णसी क Bवितेविष्ठते स्मे राक बन राहाY,

लुदि कन सीमेय क
सी थ वा ढंहा गईं। (अब य मे न रा: अविस्तेत्वा मे :नहाY हा,& सीमेय न इन्हा :नV करा दिदय हा।>)
और‍ा गज़ब क श सीनक लु मे :वा रा णसी और‍ा सीपु ण भू राते क* सी मे विजक विस्थविते क$ द$ फ्रां सी सी

य विात्रय), फ्रां वि सीसी बर्णिनयरा
और‍ा ज न फ्रां वि सीसी ट वाराविनयरा न अपुन य त्र वाते0 ते) मे :बहुते अच्छ सी वार्णिणते दिकय हा।> द$न) हा
वा रा णसी क व्या पु रा,
विवाशष रूपु सी इसीक रा शमे उद्या$ग क* भूरि रा-भूरि रा Bशसी कराते हा।& हामे उनक Bविते विवाशष रूपु सी

आभू रा हा &क्य)दिक उन्हा)न उल्लु र्खो दिकय दिक वा रा णसी क मेख् य शहारा गग क उत्तारा दिकन रा
पुरा विस्थते थ । इसीक अथ यहा हुआ दिक 1707 तेक वा रा णसी क* पुहा विड़य ,[विवाशष रूपु सी द$ उत्तारा
पुहा विड़य ,[अपुन
B क0वितेक श वि ते क$ बन ए रार्खोन मे :सीफोलु राहा थY।

ट वाराविनयरा न प्रिंबदमे धवा मेदि दरा क बहुते हा सीज वा विवावाराण दिदय हा,> क्य)दिक इसी मेदि दरा क*

भूव्याते न उसी चौदिकते करा दिदय
थ । मे क वाली> हा, जसी> मेच्छ$दरा क पु सी प्रिंहाद मेदि दरा) क सीमेहा क ब चौ विस्थते अश$क स्ते भू न उसी
Bभू विवाते दिकय थ । यहा
वा रा णसीपुन र्खो ज
स्ते भू 1809 क सी B द वियक दग) मे :नV करा दिदय गय थ । मेग लु दराब रा क पुतेन क दिदन) मे :वा रा णसी क

Bश सीन लुर्खोनऊ क नवा ब) क अध न आ गय , विजन्हा)न विशय सीमेद य क$
सीरा क्षेण दिदय और‍ा इसी क राण वा कमे कट्टारा थ।

नवा ब) क अध न, एक उद रा श सीक मे रा रुस्तेमे अलु न वा रा णसी मे :कलु औरा सीस् क0विते क$ बढ़ वा दिदय । उन्हा)न प्रिंहाद-
मेवि स्लुमे एकते क$ बढ़ वा दन   क विलुए हा$लु क ब द बसीते क आगमेन क$ विचौविह्नते करान क विलुए "बढ़ वा मेग लु" न मेक
उत्सीवा क* शरु आते क*, विजसीमे :द$न) सीमेद य सीदिक्रय रूपु सी भू ग लुते थ।

मे रा रुस्तेमे अलु न मेन-मेदि दरा घा ट क पु सी एक दिकलु बनवा य थ , विजसीक खोंड हारा अब भू दर्खो ज सीकते हा।& मे रा घा ट
आज भू उनक न मे क$ सीज $ए हुए हा।>
वातेमे न रा मेनगरा दिकलु , विजसी रा ज बलुवाते प्रिंसीहा न बनवा य थ , वा स्तेवा मे :मे रा रुस्तेमे अलु क नV दिकए गए दिकलु व
सी मेग्री सी बन य गय थ ।
यदिद हामे गग   क दिकन रा वा रा णसी क दविक्षेण भू ग क$ दर्खो ,: विवाशष रूपु सी पुचौ गग   औरा मेविणकर्णिणक घा ट क दवि
हामे :स्वा क रा करान हा$ग दिक इसी क्षेत्र क विवाक सी मे :मे रा रुस्तेमे अलु क य$गद न बहुते मेहात्वापु ण थ ।
उनक अविधक रा मे सी   रा मे औरा बलुवाते प्रिंसीहा, विजन्हा)न मेग लु सीम्र ट मे$हाम्मेद श हा (1719) सी वा रा णसी क रा ज क*
उपु विध B d क*, न पुहा विड़य) पुरा शहारा क$ विवाकविसीते करान मे :मेहात्वापु ण भूवि मेक विनभू ई।
आज ज$ वा रा णसी हामे दर्खो ते हा,& वाहा सीरा म्य घा ट) औरा सीद रा ट रासीद रा भूवान) सी सीसी विज्जैते अध चौद्र क रा नगरा,
मेरा ठा) क* दन हा,> विजनक* गवितेविवाविधय [1712 मे :शरू हुई औरा 1795 मे :अपुन चौरामे पुरा पुहुचौ[गईं।
1734 औरा 1789 क ब चौ मेरा ठा) क वा रा णसी मे :पुण   विनयत्र ण थ । इसी द रा न उन्हा)न मेग लु दराब रा पुरा अपुन Bभू वा
बन ए रार्खो ।
1761 मे :पु न पुते क यद्धा मे :हा रा क ब द, वा अपुन सीन्>य शवित क$ पुन } स्थ विपुते करान मे :असीफोलु राहा औरा इसीविलुए उ
वा रा णसी , अय$ध्य औरा Bय ग (वित्रस्थलु) क$ मेत करा न क* य$जन पुरा बलु दन   बद करा दिदय । हा लु [दिक, वा अब भू
जनते क विलुए छ$ट -छ$ट सी वाज विनक क यx मे :य$गद न दते   राहा।

इसी अवाविध क द रा न कई घा ट, मेठा औरा ब्राह्मपु रिराय [बन ई गईं:

- ब्राह्म घा ट
- दग   घा ट
- वित्रलु$चौन घा ट (न रा यण द विक्षेते क Bय सी) सी विनर्णिमेते)
- मेग लु ग रा घा ट
- दलुपुते घा ट
- ब लु ज घा ट
- अविहाल्य ब ई घा ट
- रा ण घा ट
- मेश   घा ट (ज$ न गपुरा दराब रा क एजट: मेरा ठा मेश   श्र धरा द्वा रा विनर्णिमेते थ)

1932 तेक वा रा णसी क अविधक श घा ट बन चौक   थ। स्वातेत्र भू राते क* सीराक रा न क छ घा ट) क* मेराम्मेते औरा पुन र्णिनमे ण
दिकय , लुदि कन नए घा ट बन न क* दिदश मे :क$ई बड़ Bय सी नहाY दिकय गय ।
न रा यण द विक्षेते एक विवालुक्षेण व्यावित थ, विजनमे :बवि द्धामेत्ता औरा ध र्णिमेकते , ज्ञा न औरा सीवा   क अद्भुभू ते मेलु थ ।

जब घा ट) क$ पुत्थरा) सी ढंक गय औरा क छ स्थ न) पुरा 100 सी अविधक सी दिढय [बन ई गईं, ते$ उन्हा)न मेहासीसी दिकय दिक गर्णिमेय) मे :जलुते हुए पुत्थरा) पुरा बज ग x औरा बच्ची) क विलुए चौलुन करिठान हा$ग । उन्हा)न इसी "ध र्णिमेक सीवा " क रूपु मे :

स्थ विपुते दिकय दिक गर्णिमेय) क द रा न घा ट) क* सी दिढय) क$ छप्पुरा) सी ढंक ज ए।
उन्हा)न घा ट) पुरा छ य द रा ब सी[क* छतेरिराय [लुग न क* पुरा पुराकभू ज$अब वा रा णसी क* एक विवाविशV पुहाचौ न बन चौक * हा।&

वा रा णसी क लु$ग) क बड़ पुमे> न पुरा धमे तेराण क ब द, दवि>नक श्रविमेक), क रा गरा) औरा कलु क रा) क पुरिरावा रा) न अपुन पु रा पुरिराक आज विवाक र्खो$ द (ज$ मेख् य रूपु सी मेदि दरा) सी जड़ थ , ज$ अब अविस्तेत्वा मे :नहाY थ) , औरा उनक अविस्तेत अविस्थरा हा$ गय । उन्हा :नए औरा सीरा विक्षेते आवा सी) क* तेलु श करान पुड़ , जहा [वा आग क उत्पु ड़न सी मेt राहा सीक: औरा ब रा-ब रा अपुन धमे तेरिराते हा$न क* विस्थविते क* य द दिदलु न सी बचौ सीक:। मेरा ठा) क Bभूत् वा क द रा न यहा उनक ज वान औरा भू सीवा द नश लु मेद्दी बन गय । उन्हा :'अछ ते' औरा 'अशद्धा ' क* श्रण मे :रार्खो गय , विजसीसी उनक* व्याविtगते गरिरामे आहाते हुई।

इस्लु मे क न न) न सीदिदय) सी प्रिंहाद जनते क$ सी स् क0वितेक रूपु सी दब रार्खो थ , ज$ उनक विलुए अत्यविधक अपुमे नजनक (जसी> घाड़ सीवा रा पुरा Bवितेबध , पु लुदिकय) क उपुय$ग, य सीग तेक रा) क सीमेहा क सी थ जलु सी विनक लुन क* मेन हा अ पु न पुते क* ते सीरा लुड़ ई (1761) क ब द दिदल्लु सीराक रा क* शविt अत्यते कमेज$रा हा$ गई। मेरा ठा) न विनयत्र ण अपुन हा थ मे :लु विलुय । इसी नए प्रिंहाद श सीन क तेहाते वा रा णसी क* प्रिंहाद आब द न श्रविमेक वाग पुरा दब वा ड लुन शरू दिकय विजनमे :सी क छ विनविश्चंते रूपु सी इस्लु मे धमे क अन य य भू थ। धमे तेरिराते लु$ग) क$ नए विनवा सी स्थलु) क* तेलु श करान पुड़ , औरा उन्हा)न मेख् य रूपु सी दश श्वमेध प्रिंबद क उत्तारा मे :पुहा विड़य) क* पुविश्चंमे ढंलु न) क$ चौन ।

पुहा विड़य) क* वा स्तेविवाक चौ$रिटय [1761 तेक विनजन औरा जग लु बन राहाY, जब पु न पुते क* ते सीरा लुड़ ई लुड़ गई औरा मेरा ठा) क* हा रा हुई। इसीन न ट$रा क* रा न भूवा न क ध्य न आकर्णिषते दिकय । उन्हा)न इसी विवास्ते0ते विनजन क्षेत्र क$ अपुन अविधक रा मे :विलुय औरा इसी बसी न क विवाचौ रा दिकय । यहा क्षेत्र , ज$ पुहालु ड क ओं औरा अपुरा विधय) क अड्डा थ , ध रा -ध एक सीसी स् क0ते, क न न-पु लुन करान वा लु ब्रा ह्मण विवाद्या लुय) औरा छ त्र वा सी) क क्षेत्र मे :बदलु गय ।

उन्हा)न नद क सीमे न तेरा एक गलु (ज$ वा स्तेवा मे :एक सीक रा सीड़क थ) क विनमे ण करावा य औरा इसीक द$न) ओरा ब्रा ह्मण) क विलुए घारा बनवा ए। इसी Bक रा बग लु ट$लु विवाकविसीते हुआ, ज$ जल्द हा दविक्षेण क जग मे सीन् य विसीय) द्वा रा विवाकविसीते जग मेब ड़ सी सीट हुआ थ । जग मे सीन् य सी Bविसीद्धा सीमे ज सीध राक औरा द शवि नक सीते बसीवा द्वा रा स्थ वा रा-शवा> सीमेद य सी सीब वि धते थ।

इसी अविद्वाते य क य क अलु वा , रा न भूवा न न कई मेदि दरा), अवितेविथगहा0), अन्नीक्षे त्र) औरा अपुन स्वाय क* एक Bश सीविन व्यावास्थ क* स्थ पुन क*, विजसीसी यहा सीपु ण क्षेत्र द न औरा सीवा क क:द्र बन गय । उनक उद हाराण सी Bरि राते हा$करा, पु पुविश्चंमे बग लु क कई अन्य जमेYद रा) न भू मेदि दरा) क सी थ अन्नीक्षे त्र (सीत्र) क* स्थ पुन क*।

भू$जन क* तेलु श मे :गरा ब लु$ग यहा [एकत्र हा$न लुग। ध रा -ध रा यहा गलु लु$कविBय हा$ गई, औरा द$न) ओरा व्या पु रिराय) न अपुन दक न :र्खो$लु दY। सीमेय क सी थ, गविलुय) औरा सीक रा बविस्तेय) क एक ज लु विबछ गय , जहा [हाज रा) लु$ग बसीन लुग।

विवाशष रूपु सी लु$ग)0क विलुए यहा क्षेत्र अवि तेमे ज वान य त्र क* Bते क्षे करान क विलुए एक पुसीद द स्थ न बन गय ।

पुरा क्षेत्र पुविश्चंमे ढंलु न) सी फो>लु हुआ थ औरा ऐसी क ख्य ते स्थ न) क* सी मे तेक पुहुचौ[, जसी> क न रा मे क जग लु, बट क भूरा>वा, बड़ दवा औरा लुहुरिराय ब रा, ज$ सीभू गण) क रिठाक न थ।

शहारा कराण तेज सी फो>लुन लुग। ज$ कभू वा रा न जग लु थ , वाहा जल्द हा पुरा भू राते सी आए लु$ग) सी भूरा गय , ज$ इसी
विवाश्व सी क सी थ यहा [आए थ दिक जब वा मेरा:ग, ते$ जन्मे औरा मेत्0य क चौक्र सी मेt हा$ ज एग । जल्द हा , वा रा णसी , ज$ पुहालु
सी हा श स्त्री य विशक्षे क विलुए Bविसीद्धा थ , कश्मे रा, विमेविथलु , तेविमेलुन ड , रा जस्थ न, मेहा रा ष्ट्र औरा बग लु क Bमेर्खो विवाद्धा न)
क एक विमेलुन स्थलु बन गई।

नद औरा रा लु पुरिरावाहान क विवाक सी सी इसी स्वा गतेय$ग्य Bव्रजन क$ औरा बढ़ वा विमेलु ।

यहा स्पुV कराते हा >दिक ग$ध विलुय प्रिंबद सी पुविश्वंमे, दश श्वमेध सी पुवा , असी सी दविक्षेण औरा विसीगरा

सी दविक्षेण-पुविश्वंमे तेक क
क्षेत्र स न भूवा न (1756) औरा इ द रा क* विवाधवा हा$ल्करा रा न अविहाल्य ब ई (1766-95) सी पुहालु
अविस्तेत्वा मे :नहाY थ ।
वा रा णसी क दविक्षेण भू ग वा स्तेवा मे :इन द$ विवाधवा मेविहालु ओं क* पुहालु क पुरिराण मे थ । रा न भूवा न

औरा अविहाल्य ब ई सी पुहालु औरा ब द क* वा रा णसी विबल्क लु अलुग दिदर्खोते थ । उनक द न औरा य$गद न क* सीचौ बहुते लुब हा।> अविहाल्य ब ई घा ट औरा अविहाल्य ब ई ब्राह्मपु रा आज भू उनक* ध र्णिमेक औरा पुरा$पुक रा Bकाावि0सी क
स्थ य Bमे ण हा।&

उनक सीबसी बड़ औरा स्थ य उपुहा रा विवाश्वन थ मेदि दरा क पुन र्णिनमे ण थ , विजसी आज हामे दर्खो ते हा,& ज$

मेविस्जद क ठा क
सी मेन विस्थते हा।>
यहा क$ई आसी न क य नहाY थ । सीदिदय) क* अरा जकते औरा ध्वासी क क राण इकट्ठा हुए कचौरा औरा मेलुब क$

हाट न औरा
स्ते भू) सी य t एक नय मेड पु औरा मेदि दरा पुरिरासीरा बन न अत्यते चौन ते पुण थ ।
सीदिदय) क* लुट औरा विवान श क क राण पुरा मेदि दरा पुरिरासीरा, विनवा सी, उद्या न, मे न रा:, गब द, स्ते भू –

सीब क छ मेलुब मे :बदलु
गय थ ।
इन अवाश ष) क$ र्खो$दकरा अते ते क$ पुन } B d करान असीभू वा थ , इसीविलुए इसी ढं रा क$ सीमेतेलु करा एक सीड़

हुई झी लु क$
भूरा दिदय गय । इसीसी एक चौ ड़ सीड़क, गविलुय [औरा एक र्खोलु B ग ण तेय> रा दिकय ज सीक ।
इस्लु विमेक मेविस्जद क* सी मे ए[स्पुV रूपु सी विनध रिराते करा द गईं।

रा न भूवा न औरा अविहाल्य ब ई न अपुमे विनते प्रिंहाद सीमेद य क विसीरा सी एक अविभूश पु हाट दिदय ।

नय मेदि दरा ज्ञा नवा पु क दिकन रा बन य ज न थ , औरा इसी उसीक दविक्षेण तेट पुरा स्थ विपुते दिकय गय । आज

वाहा नय विवाश्वन थ मेदि दरा रा न अविहाल्य ब ई हा$ल्करा द्वा रा विनर्णिमेते र्खोड़ हा।>
वा रा णसीपुन र्खो ज
Bविसीद्धा अविवामे t श्वरा क$ भू एक स्थ न दिदय गय औरा उन्हा :मेदि दरा क दविक्षेण-पुवा P क$न मे :Bवितेविष्ठते

दिकय गय । हा लु दिक यहा मेदि दरा सीक *ण थ औरा मेलु मेदि दरा क* तेलु न मे :बहुते छ$ट थ , लुदि कन इसीक*

श$भू पुज ब क विसीर्खो मेहा रा ज

मेलु पु पुलु क वाक्षे0, ज$ ज्ञा नवा पु क दविक्षेण-पुविश्चंमे क$न मे :विस्थते थ और‍ा विजसीक उल्लु खो क श खोंड मे :हा,> आलुमेग र
श हा आदश) क* अवाहालु न कराते हुए दिफोरा सी अक रिराते हा$ गय ।

विजसी सीड़क न पुरा न मेदि दरा क$ ज्ञा नवा पु सी ज$ड़ थ , वाहा कचौरा और‍ा मेलुब सी अवारुद्धा हा$ गई थ ।

रा न भूवा न न गग द्वा रिरा चौन>लु क$ क टकरा एक नय मे ग बन य , ज$ आज विवाश्वन थ गलु क रूपु मे :ज न ज ते हा।>

इसीन द$ Bविसीद्धा यक्षे मेदि दरा) क$ भू पुन जPविवाते दिकय – डड पु विण भूरा>वा और‍ा धवि धरा ज।

वा रा णसी क इसी नए विवास्ते रा न ध र्णिमेक गवितेविवाविधय) क$ बढ़ वा दिदय और‍ा दश श्वमेध सी असी तेक प्रिंहाद रा जक मे
घा ट) क विनमे ण करा य ।
रा न भूवा न न कई पुविवात्र जलुक ड) क ज ण द्धा रा दिकय , जसी>:

- लु$लु क क ड
- क रुक्षेत्र क ड
- दग क ड (Bविसीद्धा दग मेदि दरा सीविहाते)
- विपुश चौमे$चौन क ड
- कविपुलुध रा
- सीय क ड
- लुहारिराय ते लु ब
- ईशरागग

उन्हा)न पुचौ क्र$श मे ग (50 मे लु लुब) पुक्की करावा य और‍ा इसी वाक्षे0) और‍ा विवाश्र मे गहा0) सी सीज य ।

यहा नई वा रा णसी इन्हाY द$ मेहा न मेविहालु ओं और‍ा भू राते क विवाविभून्नी रा ज्य) क अन्य प्रिंहाद श सीक) क* दन हा।>

14.अ वितेमे Bहा रा

I

हामेन (1) वा रा णसी क मेलु नगरा क* पुन र्खो ज करान , (2) उसी अन्य विवास्ते रा क लुर्खो

-ज$र्खो तेय> रा करान , विजसी इसी न मे

सी ज न ज ते हा,> औरा (3) सीय $गवाश (a) उन पुरिरावाते न) पुरा ध्य न दन क Bय सी दिकय , विजन्हा :वा रा णसी क$ य ग) ते
झीलु न पुड़ , तेथ (b) उन विवाध्वासी) क$ सीमेझीन क Bय सी दिकय , विजन्हा :ब हारा नगरा-विकमोतेन ओंका
ज नबझी सीय $गवाश, अज मे दिदय ।

इन पुरिरावाते न) क$ लु ग कराते सीमेय, दभू ग्यवाश उन्हा)न क वालु Bश सीविनक आवाश्यकते ओं क$ ध्य न मे

:रार्खो , औरा नगरा क*

B चौ न ऐवितेहा विसीकते यदिद उसीक* पुविवात्रते नहाY ते$ भू , क* पुरावा हा नहाY क*। यहा सीद हा हा$ते हा
>दिक क्य वा इसी पुविवात्र

क य क* विवाश लुते क$ सीमेझीन क विलुए पुय d सीक्षेमे थ, औरा उन्हा)न विजसी ऐवितेहा विसीक क य क$
न अन क) उपुदश दिदए थ, सीभू वाते} उसी स्थ न क विनकट
अज मे दिदय, उसीमे :
राहा हा$ग विजसी हामे आज सी रान थ (सी रा गन थ) क रूपु मे :ज नते हा,& जहा [मेग0द वा (विजसी ईविशपुत्तान भू कहा ज ते थ
उनक* अज्ञा नते औरा भूलु दिकतेन बड़ थ ।
बद्धा विनवा सी कराते थी उनक विनवा सी स्थ न क$ सी वाध न पु वाक चौन गय हा$ग , क्य)दिक एक उपुदश क क रूपु मे :वा आस
ज टक) मे :उविल्लविर्खते Bविसीद्धा स्थ न वा रा णसी , जहा [ग तेमे बद्धा
सी श्रवि छय) (व्या पु रिराय)) तेक, सी थ हा उन आमे न गरिराक) तेक पुहुचौ[सीकते थ ज$ ब ज रा) मे :भू ड़ लुग ते थ।
अपुन ज वान मे :वा इतेन मेहा न व्याविt थ दिक सीमे ज क द$न) वागx तेक पुहुचौ[न मे :सीक्षेमे थ। औरा द$न) सीमेद य) न उन्हा :
ज वान क एक असी ध राण मे गद शक क रूपु मे :स्वा क रा दिकय ।
सी रान थ-भू ग क अवितेरिराt, एक व्या पु रिराक, Bश सीविनक औरा ध र्णिमेक वा रा णसी भू थ , ज$ Bभू वाश लु व्या पु रिराय) औरा
ब्रा ह्मण पुरा $विहाते) क वाचौस् वा मे :थ ।
सी रान थ क वालु वा रा णसी क एक आध्य वित्मेक विवास्ते रा राहा हा$ग , विजसी एक मेहात्वापु ण ब्रा ह्मण य क:द्र मे न ज ते थ ।

मेहा श्मेश न (ग रा पु ठा/रुद्रवा सी) औरा आनद क ननमे क सीद रा आश्रमे विनविश्चंते रूपु सी उन क्षेत्र) सी जड़ उपुयt विवाशष ण थ
ज$ इन विवावाराण) सी मेलु र्खो ते थ।
हामे पुहालु हा वा रा णसी क भू ग$विलुक स्वारूपु क$ वा राण औरा असी -न लु क ब चौ कई स्पुV रूपु सी पुरिराभू विषते र्खोड) मे
विवाभू विजते करा चौक हा।&
पुहालु र्खोड वा राण क उत्तारा मे :विस्थते घा ट क$ सीद र्णिभूते कराते हा,> ज$ कविपुलुध रा (क>थ) औरा भू तेरा (लुगभूग 20 दि
दरा) तेक फो>लु हुई थ ।
लुदि कन क्य इसी र्खोड क$ आमे ते रा पुरा मे न्यते B d वा रा णसी क* सी मे ओं मे :श विमेलु करान B मे विणक हा?>

आइए इसी पुरा विवाचौ रा करा:। हामे रा पु सी हामे रा द वा क सीमेथन मे :मेहात्वापु ण दस्ते वाज Bमे ण उपुलुzध हा।&

मेहा भू राते वा रा णसी क उल्लु र्खो गग औरा ग$मेते क ब चौ विस्थते एक नगरा क रूपु मे :कराते हा।>

हामे :दिदवा$द सी क* हायश्व पुरा विवाजय औरा 'एक नए नगरा' क* स्थ पुन क उल्लु र्खो विमेलुते हा,> विजसी आगते क न वा रा णर
रूपु मे :न विमेते दिकय , यहा पुरा न वा रा णसी क विलुए एक चौन ते थ। सीमेय क सी थ, इसी नए नगरा क$ विशवा-गण) द्वा रा न
कशीकादिस्थ (मिहा, ज$रा:रा णसी क न मे क$ एक रा जसी उपुहा सी मे :पुरिरावार्णितेते हा$ते नहाY दर्खो
अन श सीन पुवा, 1899-1900)। हामे मे नते हा &दिक वातेमे न वान>राथ इसी Bविसीद्धा नगरा क* एक हाल्क* सी य द भूरा हा।>

- एक सीक *ण जलु-सीपु क कविपुलुध रा औरा वा राण क$ ज$ड़ते हा,> ज$ अते ते} वान>राथ औरा ग ज पुरा तेक पुहुचौ[ते
  हा लु [दिक यहा अब सीक *ण औरा मेहात्वाहा न Bते ते हा$ते हा,> यहा सीपु क B चौ न अवाश्य हा राहा हा$ग।
- इसीक* B चौ नते इसी तेथ्य सी Bमे विणते हा$ते हा >दिक इसी मे ग क सी थ B चौ न कलु क0वितेय [औरा ट रा क$ट क*
- वास्तेए [र्खो$ज गई हा।& इसीसी भू मेहात्वापु ण, ब्रा ह्म विलुविपु मे :मेद्र ए[औरा B चौ न ईंट: भू यहा [सी B d हुई हा।&
  र्खोद ई अब भू ज रा हा >औरा इसीसी बड़ सीभू वान ए [जड़ हुई हा।&

मेहा भू राते क अलु वा , क0त्यकल्पुतेरु भू एक दसी रा वा रा णसी , दिदवा$द सी क* वा रा णसी क उल्लु र्खो कराते हा।> यहा अत्यवि
सीभू वान हा >दिक यहा आधवि नक वान>राथ हा हा$।
यहा प्रिबद हामे रा विलुए मेहात्वापु ण हा।> हामे :यहा दिदर्खो न आवाश्यक हा >दिक भूलु -विबसीरा नगरा वान>राथ औरा भू तेरा ,
ग वा[औरा वा राण नद क ब चौ क* भूवि मे वा स्तेवा मे :एक शहारा बस्ते थ , ज$ एक सीपु न्नी ब ज़ रा गवितेविवाविधय) सी भूरा थ
(इन क्षेत्र) क* व्याविtगते य त्र न लुर्खो क क$ इसीक मेहा न अते ते क Bविते आश्वस्ते करा दिदय ।)

इसी शहारा क्षेत्र क पुविश्चंमे मे :सी रान थ क मेठा विस्थते थ, जहा [मेमा0विशा$षद्धविनवा सी स्थ न थ। वा विनविश्चंते रूपु सी
अपुन मेठा क$ नगरा क विनकट रार्खोन चौ हाते थ, विजसीसी वा अविधक सी अविधक लु$ग) तेक पुहुचौ[सीक:।

यहा Bमे विणते कराते हा >दिकसिछ्ची विनजन स्थ न पुरा उपुदश नहाY द राहा थ। अत्यविधक सीभू वान हा >दिक उन्हा)न अपुन
उपुदश पुहालु सी हा बसी- बसी ए स्थ न) पुरा दिदए हा)ग। इसी भू ग$विलुक क्षेत्र मे :B चौ न सीमेय मे :एक सीपु न्नी आब द अवाश्य
राहा हा$ग।

ते$ Bश्न उठाते हा,> इसी क्षेत्र क$ नV करान क विलुए क न विजम्मेद रा थ ? विनविश्चंते रूपु सी क$ई ब हारा आक्रमेणक रा नहाY।
क्षेत्र इस्लु मे आक्रमेण सी बहुते पुहालु हा उज ड़ दिदय गय थ। (यहा क राण हा >दिक मेवि स्लुमे आक्रमेणक रिराय) न सी रान थ
पुरा कभू हामेलु नहाY दिकय)।

दसी रा र्खोड नगरा क दिकलु वा लु क्षेत्र सी सीब वि धते हा,> ज$ स्पुV रूपु सी वा राण -सीग मे क पु सी विस्थते थ।

- यहा [मिेच्छ$दरा -न लु विनकट हा बहाते थ। इसी न लु क मे$ड़ पुरा एक B चौ न विमेट्टा क दिकलु विस्थते थ , विजसी
  भू रा -विशवा कब लु न बन य थ।
- वा रा णसी क Bमेर्खो वा विणविज्यक क:द्र उसी झी लु क चौ रा) ओरा विवाकविसीते हुआ, जहा [जलुमे गPय व्या पु रा क$ एव
  सीरा विक्षेते बद राग हा B d थ।
- तेब सी, सीबसी Bवितेविष्ठते व्या पु रिराक पुरिरावा रा औरा व्यावासी वियक Bवितेष्ठ न इसी क्षेत्र मे :विस्थते राहा हा,& विज
- क रूपु मे :ज न ज ते हा।>
  यहा क्षेत्र जतेनबरा, क लु भूरा>वा, चौ र्खोभू , मेग लु ग रा , ठाठा रा ब ज रा, अविसी भूरा>वा, वित्रलु$चौन, क [ज ट$लु , लुक्ष
  चौ बत्र आदिद क$ सीमेट हुए हा।>

क श खोंड मे :इसी पुरा क्षेत्र क$, उसीक Bवितेविष्ठते मेदि दरा) (वित्रलु$चौन, प्रिंबदमे धवा, ओंक रा, क0वितेवा सी, मेहा क लु, अवि
सी थ अते रागहा0 क रूपु मे :विचौविन्हाते दिकय गय हा।>

आज इनमे: सी अविधकतेरा मेदि दरा खोंड हारा बन चौक हा;& क छ मेविस्जद) मे :पुरिरावार्णितेते करा दिदए गए।

ते सीरा खोंड मे ड दिकन झी लु औरा उसीक पुरिरावाश सी सीब वि धते हा।>

- यहा झी लु विवाश लु औरा B क0वितेक रूपु सी इतेन सीद रा थ दिक Bविसीद्धा विब्रारिटश विचौत्रक रा जम् सी प्रिंBसीपु न विचौत्र बन ए थ।
- झी लु क दिकन रा बड़ गणश मेदि दरा थ , ज$ B चौ न गण सीB द य क* मेहात्ता क Bमे ण थ ।
- इसी झी लु क आसीपु सी क जग लु औरा दलुदलु क्षेत्र उपुनगरा क रूपु मे :ज न ज ते थ, जहा [अमे रा लु$ग अपुन बग चौ -बग लु बनवा ते थ।
- यहा झी लु गग सी मेच्छ$दरा चौन>लु क मे ध्यमे सी जड़ थ , विजसीसी जहा ज) क* आवा ज हा हा$ते थ ।

आज इसी झी लु क क वालु द$ दर्खो द अवाश ष बचौ हा:&

1. क पुन ग डन क ते लु ब
2. बलु न लु क ड, ज$ अब एक बदबद रा, गद पु न क दलुदलु बन चौक हा।>

इस्लु मे दवि0Vक$ण, जसी> दिक ब बरा क* आत्मेकथ सी स्पुV हा$ते हा,> Bक0विते क* सीद राते औरा उसीक

सीरा क्षेण क$ B$त्सी विहाते
करते थ । स्वाच्छते औरा सीज वाट तेथ सी दय क* वास्तेओं क* सीरु विचौपुण व्यावास्थ इस्लु मे मे नसी क एक
अविभूम्नी अग थ ।
मेसी लुमे न) न वा रा णसी क मेन$रामे सी दय मे :क$ई हास्तेक्षे पु नहाY दिकय । यदिद ऐसी हा,> ते$ दिफोरा

B थन करा: दिक वा रा णसी
क* झी लु) औरा जलुध रा ओं क अवितेक्रमेण क विलुए क न उत्तारादा य थ ? दिकसीन इसी मेहा न नगरा औरा उसीक
पुरिरावाश क
अविद्राते य चौरिरात्र क$ स्थ य रूपु सी नV करा दिदय ?

झी लु क विवान श, ज$ वा स्तेवा मे :एक विवान शक रा दभू ग्य थ , मे त्र मेदि दरा) औरा मेर्णि तेय) क विवाध्वासी सी

दिकसी भू Bक रा कमे
पु पुषु ण नहाY थ । इवितेहा सी उत्तारा ध क$ उज गरा कराते हा,> लुदि कन पुवा क ब रा मे :पुरा तेराहा मे न हा।>
बा स्तेवा मे,: इतेन
विवाश लु ठा ड दिदमे ग सी क* गई बबरा ते , विजसीन जनते क* क$मेलु भू वान ओं क Bविते स्पुV उपु क्षे दिदर्खो ई,

सी दयपु राक नगरा-
विनमे ते ओं औरा विवावाक * न गरिराक) सी कड़ प्रिंनद क* पु त्र हा।>
जनभू वान ओं क सीग रिठाते उल्लु घान न विब्रारिटश श सीन क अत्यविधक व्या वाहा रिराक Bश सीविनक शलु> क$

विचौविह्नते दिकय , विजसी
पुरा तेराहा एक व्या पु रिरक दवि0Vक$ण सी सीचौ विलुते दिकय गय थ । क$ई भू चौ ज़, ज$ दरा सी भू
विब्रारिटश ज वानिशलु> सी विभून्नी
थ , सीक *ण व्या पु रा सीमेद य क* ओरा सी बहुते कमे सीहा न भूवि ते B d करा पु ई। लु$ग) क अविधक रा) क ब रा-

ब रा उल्लु घान न इ ग्लु&ड क* सीसी द क$ ऐसी दभू अविधक रिराय) जसी> दिक क्लु इवा औरा हाप्रिं स्टग्सी क
क कमे* क* कड़ सीमे क्षे करान क विलुए मेजबरा दिकय , उन्हा :ठा क हा अविभूयt ठाहारा य गय औरा प्रिंनद क*
गई। लुदि कन एक
औरा ब द क , औरा अविधक प्रिंनदन य भू राते य ज वान क विवान शक रा श सीक डलुहा ज़ , ज$ इ ग्लु&ड क क लु न

वाग सी थ , पुरा

नहाY, 1857 क कठा$रा पु ठा सी पुहालु भू राते मे :विब्रारिटिश श सीन क* तेस्वा रा एक उद सी करान वा लु थ , विजसीमे :श सीन कर
वा लु सीख्ते अन श सीनविBय औरा आत्मेसीते V थ, ज$ हामेश दश क 'स्थ न य विनवा विसीय)' क Bविते एक स्पुV श्रष्ठ ते क* भू व
रार्खोते थ, विजन्हा :सीमेझीन क* उन्हा)न कभू पुरावा हा नहाY क*।

वा रा णसी सी सीब वि धते एक ऐसी हा घाटन क उल्लु र्खो करान आवाश्यक हा$ग , ज$ पुरा तेराहा सी विब्रारिटिश क Bश सीन द्वा
भूड़क ई गई थ । यहा घाटन 1795 मे :हुई थ औरा 1809 तेक पुरा तेराहा सी विनयवि त्रते क* ज सीक*। वा रा णसी क न गरिराक
ज वान क$ एक मेहात्वापु ण उथलु-पुथ लु न विहालु दिदय , ज$ अब तेक विवादश श सीक) क* मेनमे न क य शलु> क$ सीहान नहाY
करा पु राहा थ ।

वा रा णसी क वा राशवा> औरा अघा$रा पुरा पुरा ओं क अन य वियय) न हामेश अपुन स्वातेत्र ते क$ सीज $करा रार्खो , विजसीन
।

दिकसी भू ऐसी क य क विवारुद्धा विवारा$ध करान क विलुए Bरि राते दिकय विजसी उन्हा)न अपुन अविधक रा) क
उल्लु घान क रूपु मे :दर्खो

उनक व्यावाहा रा मे :एक Bक रा क* विनरा श क* भू वान स्पुV थ । इसी Bक रा, वा एकजट हुए औरा र्खोलु करा

विवारा$ध मे :आ गए। विब्रारिटिश श सीन क विर्खोलु फो ऐसी स्वाते} स्फो ते औरा जन-सीमेर्णिथते Bदशन 1857 तेक

दिफोरा कभू नहाY हुआ। स्वा भू विवाक रूपु सी,
युद्धा विवास्फो$ट श सीक) क विलुए एक आश्चंयज नक घाटन थ । यहा थ वा रा णसी क जवा ब वाbरा न हार्प्रि स्टग्सी
क* ते न श हा
न विते क विवारुद्धा।

विब्रारिटिश श सीन क क राण वा रा णसी क* सी मे विजक-रा जन वितेक विस्थविते अत्यते सीवा द नशलु हा$ गई थ ,

जिजसीक ओं क$ कीयोण :Bस्तेते दिकय ज सीकते हा >विजन्हा)न उन्हा :तेत्क लु भूड़क य :
(a) अवाध क ... अविधक रा) क$ ठा सी पुहुचौ[न थ । वा अपुन सीम्मे न क$ कलु दिकते
मेहासीसी करा राहा थ
(b) उनक जबरान औरा विनरा क श विनवा सी न क$लक ते मे :
औरा उनक* मेविहालु ओं क अपुमे न हुआ थ । वा स्वाय क$ सी मे विजक भू राते मे :अपुन वाध> स्थ न सी वावि चौते
(c) अवाध क* बग मे) क अपुमे न, औरा
(d) ... क रा ज क सी थ दिकए गए क्र रा औरा अविवानयपुण व्यावाहा रा। यहा रा ज Bते क त्मेक रूपु सी प्रिंहाद भू राते क स
सीमेझीन लुग थ।
क Bवितेविनविधत्वा कराते थ ।
उसी सीमेय क* सी मेते उत्पु ड़न) क ब वाजद , लु$ग) न अपुन पुहाचौ न औरा ग रावा क$ पु रा पुरिराक श सीक घारा न) सी ज$ड़ ।
नवा ब मेवि स्लुमे थ, औरा रा ज प्रिंहाद थ । लुदि कन उनक विलुए यहा भूद क$ई मे यन नहाY रार्खोते थ , क्य)दिक उन्हा)न 'दिफोरा

(जसी> दिक यरा $विपुय) क$ कहा ज ते थ) क हास्तेक्षे पु क$ सीभू सीमेद य) क विलुए एक चौन ते क रूपु मे :उन्हा)न र्खो
विवादवि शय) क$ हाड़पुन वा लु (अविधक रा छ नन वा लु) क रूपु मे :दर्खो औरा कभू भू उनक श सीन क$ स्वा च्छ सी स्वा क रा न
दिकय , विसीवा य बलुपु वाक । श ते जनते भू तेरा हा भू तेरा उबलु राहा थ ।

जब उनक श सीक) औरा उनक* मेविहालु ओं क अपुमे न दिकय गय , ते$ जनते बरा तेराहा क्र$विधते हा$ गई। एक गहारा असीते $ष
क* भू वान वा ते वाराण मे :व्या d हा$ गई।
जल्द हा , लु$ग) न एक विवादश व्या पु रिराक सीमेद य क श हा पुरिरावा रा) क मे मेलु) मे :हास्तेक्षे पु क Bविते अपुन आक्र$श क$
Bदर्णिशते दिकय ।
"दिकन्हाY व्या पु रिराय) क एक सीमेहा क$ यहा अविधक रा दिकसीन दिदय ?" उन्हा)न तेक दिदय , "दिक वा व्या पु रा क न मे पुरा भ
Bवाश करा:, दिफोरा रा ज ओं क सी थ दव्या वाहा रा करा: औरा एक स्थ विपुते सीराक रा क$ अविस्थरा करा द?:"

पुहालु विवारा$ध वाज़ रा अलु (1795) क नते 0त्वा मे :हुआ, ज$ अवाध क असीफो-उद-द लु क पुत्र थ। यहा एक जनविवाद्र$हा थ , विजसीमे :सीभू सीमेद य) न भू ग विलुय ।

लुदि कन जल्द हा इसी विवाद्र$हा क* दिदश एक सी B द वियक सीघा ष (1809) सी भूटक गई, विजसीमे :भू रा रा(t)पु ते

हुआ। इसी सीघा ष
क द रा न, लु ट भूरा>वा औरा मेच्छ$दरा क ब चौ र्खोड़ मेहा न स्ते भू (अश$क स्ते भू?) ते$ड़ दिदय गय ।
हामे इन ऐवितेहा विसीक घाटन ओं क उल्लु र्खो इसीविलुए करा राहा हा &क्य)दिक य उसी सीमेय क* बदलुते

रा जन वितेक पुरिराविस्थवितेय)
क$ चौ हा अल्प रूप मे :हा सीहा , इ विगते कराते हा।& य तेत्क लु न सीत्ता ध रा शवि t क विनरा क श आचौराण क$
उज गरा कराते हा।&
वा रा णसी क विवान श भू उसी Bक रा क एक असीवा द नश लु रावा>य क पुरिराण मे थ , विजसीमे :उन लु$ग) क

सी मे विजक मेल् य)
क Bविते क$ई सीम्मे न नहाY थ , विजन्हा :वा 'दश ' कहाकरा उपुहा सी कराते थ।
यहा विवाद्र$हा इतेन गभू रा थ दिक विब्रारिटिश एजट: पुरा हामेलु हुआ, औरा वाहा क वालु एक चौते रा यवि t क

क राण ब लु-ब लु बचौ ।
इसी य$जन मे क छ मेविहालु ओं औरा एक 'दश ' व्या पु रा न सीहा यते क*। कई अग्री ज मे रा गए, विजनमे
:रा विजडट: क सीहा यक-ए-
क&पु भू श विमेलु थ।

इसी अत्यविधक भूय वाहा विस्थविते मे,: विवादश श सीक वाग क$ अमे रा न गरिराक) द्वा रा Bद न दिकए गए उद्या न-

गहा0) मे :शराण लुन
क विलुए मेजबूरा हा$न पुड़ । य घारा, जसी> दिक हामे ज नते हा,& सीक ट क क:द्र सी बहुते दरा सीरा विक्षेते
स्थ न) पुरा विस्थते थ।
अग्री ज़ अविभूलुर्खो) मे :हामे :उनक इन सीरा विक्षेते आश्रय) क उल्लु र्खो विमेलुते हा,> विजन्हा :वा "शहारा क्षेत्र सी

ब हारा", "विनजन भू ग)
मे": बते ते हा,& ज$ दिक सीपु न्नी व्या पु रिराक वाग क* सीपु वित्ताय [थY।
इन अविभूलुर्खो) सी हामे :पुते चौलुते हा >दिक कब राचौ रा औरा नदसी रा (विजसीमे :जगतेगज , न ट इमेलु औरा

वारुण पुलु क्षेत्र
श विमेलु थ) क ब चौ कई ब ग-बग़ चौ औरा उद्या न-गहा0 थ।
सी मे न्य रूपु सी, वा रा णसी क यहा भू ग कभू हारा -भूरा औरा B क0वितेक सी दय सी पुरिरापुण थ , ज$ अब

पुरा तेराहा सी विवालुd हा$
चौक हा।>
उपुरा$t तेथ्य) क गहान अध्ययन सी यहा विसीद्धा हा$ते हा >दिक झी लु क उत्तारा-पुविश्चंमे भू ग उसी सीमेय "शहारा

क उपुनगरा" मे न
ज ते थ , औरा शहारा क* सी मे ए[मे ड दिकन ते लु ब क दविक्षेण दिकन रा) पुरा सीमे d हा$ते थY।
B चौ न नगरा क B रूपु क$ सीमेझीन मे :य तेथ्य अत्यते मेहात्वापु ण हा।& यहा ध्य न दन य$ग्य हा >दिक मेख् य

नगरा ध रा -ध रा अपुन
उत्तारा क:द्र सी दविक्षेण क* ओरा विवास्ते रा करा राहा थ, औरा यहा Bदिक्रय कई शते विzदय) तेक ज रा राहा । ज$
आज हामे देर्खो ते
औरा सीरा हाते हा,& वाहा एक B चौ न नगरा क विवास्ते रा मे त्र हा,> विजसीक एक भू ग विवालुd हा$ गय , औरा

दसी रा शहारा क* सी मे ओं

इसी ते सीरा खोंड क$, यहा [तेक दिक इस्लु मे श सीनक लु क द रा न भू , नगरा क* सी मे मे न ज ते थ —य न नगरा क0ते वा रा णसी क अवि तेमे छ$रा।

नगरा क्षेत्र क* सी मे ए[वारुण नद द्वा रा विनध रिराते क* गई थY। मे ड दिकन झी लु, उसीक आसी-पु सी क क्षेत्र , मेच्छ$दरा झी लु औरा न लु , यहा [क* सीघानतेमे आब द क$ आश्रय Bद न कराते थ। कई मेहात्वापु ण मेदि दरा) क* उपुविस्थविते न इसी क्षेत्र क$ औरा भू मेहात्वापु ण बन दिदय ।

इसी क्षेत्र क आग वा रा णसी क स्वारूपु अपुक्षे क0ते श ते थ , जहा [1840 तेक हारिराय लु औरा B क0वितेक सी दय फोलुते -फो लु थ ।
वा स्तेविवाकते यहा हा >दिक, जसी> दिक हामेन पुहालु उल्लु खों दिकय , शहारा एक क करा लु पुहा ड़ श्रखों0
लु क ऊपुरा विस्थते थ , ज$
नद क* ओरा ढंलु न बन ते थ औरा दिफोरा उसीसी आग तेक फो>लु हुई थ । गग नद अपुन स्वाय क तेलु पुरा Bवा विहाते हा$ते थ लुदि कन उसीक तेलु क न चौ औरा भू बड़ जलुध रा बहाते थ ।

कई झी लु: औरा जलुध रा ए [पुविश्चंमे ढंलु न) सी जलु एकत्र कराते थY, औरा क करा लु पुराते) क मे ध्यमे सी रिरासीकरा नद क$ पु$विषते कराते थY। वाषx सी यहा दखों गय दिक जब नद मे :ब ढ़ आते थ , ते$ B चौ न वा रा णसी क* सीभू झी लु), ते लु ब) औरा जलुध रा ओं क जलुस्तेरा स्वाते} हा बढ़ ज ते थ ।

इन झी लु) मे :सी क छ क न मे इसी Bक रा हा—&अगस्त्यक ड, लुक्ष्मे क ड (विजसी विमेविसीरा पु$खोंरा भू कहा ज ते थ), औरा वि बविड़य ते लु ब। इसीक अवितेरिराt, विपुश चौमे$चौन औरा सीरा जक ड क$ भू इसीमे :ज$ड़ ज सीकते हा।>
ईशरागग कभू एक औरा बड़ ते लु ब थ , ज$ गग क जलुस्तेरा क उते रा-चौढ़ वा सी Bभू विवाते हा$ते थ । क रुक्षेत्र औरा लु$लु क भू गग क सी थ जड़ हुए थ।
बविड़य ते लु ब, विमेविसीरा पु$खोंरा , लुक्ष्मे क ड, सीरा जक ड, विपुश चौमे$चौन, लु$लु क , क रुक्षेत्र औरा रा वाते ते लु ब विनविश्चंते उसी सीमेय नगरा-सी मे क "ब हारा " क्षेत्र मे न ज ते थ। यदिद इसी तेथ्य क क$ई Bमे ण आवाश्यक हा,> ते$ हामे औरा ग ब द चौ क* औरा लुक्सी चौ क* क अविस्तेत्वा क उल्लु खों करा सीकते हा।& य शहारा क* चौग चौ दिकय [थY, ज$ नगरा क* सी मे ओं क$ इ वि कराते थY। य अभू भू क य राते हा &(1991)।
चौ थ खोंड विवाश्वन थ पुवाते क चौ रा) ओरा विस्थते थ । यहा क्षेत्र सीबसी अविधक सीघान बसी हुआ थ , क्य)दिक सीभू लु$ग व्या पु रिराक क:द्र क विनकट राहान चौ हाते थ। मेहा न मेदि दरा क* विनकटते एक अवितेरिराt आकष ण थ ।
वारुण औरा मेच्छ$दरा क दिकन रा क बड़ मेदि दरा) क विवाध्वासी क ब द, वा रा णसी मे :अपुक्षे क0ते कमे मेहात्वा रार्खोन वा लु विवाश्वन थ मेदि दरा क$ नगरा क सीबसी मेहात्वापु ण दवा लुय मे न ज न लुग ।
इसी Bक रा, उत्तारा मे :मे ड दिकन झी लु औरा बलु न लु सी लुक रा दविक्षेण मे :विवाश्वन थ मेदि दरा, ग$द विलुय औरा दश श्वमेध पुवा मे :गग औरा पुविश्चंमे मे :लुक्ष्मे क ड तेथ रा वाते क ड (रा ओरिराते लु ब) तेक, वा रा णसी क यहा चौ थ औरा सीबसी व्यास्ते यग) सी विबन दिकसी ब ध क फोलुते -फो लुते राहा ।

एकमे त्र अते रा यहा थ दिक नगरा क आकष ण क क:द्र अब वारुण क पु रा पुरिराक मे$चौ uक* ओरा न हा$करा विवाश्वन थ पुवाते क ओरा थ । वारुण क* मेहात्ता बड़ पुमे> न पुरा मेदि दरा) क विवाध्वासी क क राण कमे हा$ गई थ ।

इसी क्षेत्र क* सीमेवि0द्धा क अथ वा रा णसी क* सीमेवि0द्धा थ। इसी क्षेत्र मे :श वि ते क अथ वा रा णसी क* श वि ते थ। यहा [अश
राtपु ते क अथ वा रा णसी मे :अश विते औरा राtपु ते थ।

इसी क्षेत्र सी आग, गग क दिकन रा, दश श्वमेध सी क द रा तेक फो>लु वाहा लुब पुवाते -शर्खो0 लु थ, विजसीक अक्सीरा उल्लु ख
ज ते हा।>

यहा एक विवास्ते0ते इलु क थ, ज$ नगरा क व्यास्तेतेमे पुवाते य क्षेत्र सी आग फो>लु हुआ थ। मेरा ठा) औरा रा जपुते) क हास्तेक्षे पु
पुहालु, इसी भू ग क$ उपुविनवाश बन न क ब रा मे :दिकसी न नहाY सी$चौ, क्य)दिक यहा [क$ई मेहात्वापु ण ते थस् थलु नहाY थ
इसी पुरिरात्यt पुहा ड़ क्षेत्र मे :ज वान क सीचौ रा करान क श्रय प्रिंहाद भू राते क रा जघारा न) क$ ज ते हा।> वा इस्लु मे श सीक)

क$ यहा विवाश्व सी दिदलु न मे :लुग राहा दिक इसी पुविवात्र नगरक्का घुत र्णिुमेशणसीन क$ भू ग रावा विन्वाते करा:ग।
इसी Bक रा, वा रा णसी क पुन रुत्थ न एक ऐवितेहा विसीक ग थ बन गय। वा रा णसी क दविक्षेण पुवाते य क्षेत्र

औरा इसीक* पुविश्चंमे घा ट, रा ओरिराते लु ब (रा वाते क ड) तेक क विवाक सी क विलुए इवितेहा सी
द$ मेहा तु विवाधवा -रा जमे ते ओं (1) अहाल्य ब ई हा$ल्करा, इ द रा औरा (2) रा न भूवा न, न ट$रा, बग लु क
त्रैण हा।>
हामे पुहालु हा द$न) क उल्लु र्खो करा चौक हा।& आज ज$ वा रा णसी हा,> वाहा इन मेविहालु ओं क* उद राते क

क राण हा हा।> उन्हा)न
इसी तेथ्य क$ सीरा हा दिक वा रा णसी क ग रावा प्रिंहाद चौते न क ग रावा हा।> द$न) मेविहालु ओं न एक उद्दी श्य
क* पुर्णि ते हाते पुहालु
कराते हुए एक नए वा रा णसी क$ विवाकविसीते करान औरा पुरा न क$ अलुक 0ते करान क क य दिकय। इनक

मेहा न Bय सी) सी प्रिंहाद
सीस् क0विते क$ लु भू हुआ।
अब Bश्न उठाते हा >दिक दिकसीन मेहा न झी लु औरा इसीक जलु सी विघारा Bविसीद्धा वान क्षेत्र क$ पुरा तेराहा सी

विमेट्टा मे :दफोन करा दिदय ?
क्या स्तेवा मे :दिकसीन ? मेच्छ$दरा चौन>लु क क्य हुआ? Bविसीद्धा नदिदय —[मे ड दिकन औरा ग$द वारा —
विजनक उल्लु र्खो क श
र्खोड, क श मेहा त्म्य, अवि पुरा ण, मेत्स्य पुरा ण, क0त्य कल्पुतेरु आदिद मे :विमेलुते हा,> वा कहा [औरा क>सी

ग यब हा$ गईं? दिकसीन
इन्हा :नV दिकय, औरा इन्हा :नV करा आनद क नन क* आत्मे क$ हा सीमे d करा दिदय ?
इन जलु स्रो$ते) क अक राण विवान श न वा रा णसी क B क0वितेक स्वारूपु क$ नV करा दिदय। दिकसीन य क्य

क राण थ इसी
Bक रा क* बबरा ते क ?
दिकसीक* अज्ञा नते, द्वाष, अथवा घा$रा उपु क्षे, ज$ दिक एक विवाश लु अपुरा ध क सीमे न थ, इसी सीपु ण आपुद

क विलुए
उत्तारा द य थ ?
प्रिंहाद- ब द्धा, जन>-ब द्धा सीघा षx न सी रान थ क* पुविवात्रते औरा एक तेते क$ नV करा दिदय मे न ज ते हा।>

इस्लु मे आक्रमेण) न
मेदि दरा) क$ क्ष्वास्ते दिकय औरा आ विशक रूपु सी लु$ग) क$ धेमे तेरिराते दिकय। लुदि कन न ते$ एक न औरा न हा
दसी रा म इसी पुहा ड़
नगरा क* B क0वितेक सीपु द —झी लु), ते लु ब) औरा नदिदय) क$ छ आ।

आज इनमे: सी क छ भू दिदर्खो ई नहाY दते । ग$द वारा क विनकट अगस्त्यश्व रा मेदि दरा एक सीद रा पुहा ड़ पुरा

विस्थते थ (क श

इसी Bक रा न ते$ भूते श्वरा ते लु ब हा,> न रुद्रसीरा$वारा औरा न हा मेविणकर्णिणक क ड। दिकसीन इन्हा :नV दिकय ? क>सी? क्य
खोंड मे :विजन स्थलु) क इतेन ग रावापु ण वाणन हा,> वाहा [सी वाज विनक श चौ लुय औरा क ड़ घारा क्य) बन ए गए? औरा दिकस
इसी पुविवात्र स्थलु पुरा एक अज ब$गरा ब एवि ग्लुकन चौचौ क* रूपुरा खों खोंड़ करा इसी B क0वितेक विवारा सीते क$ पुरा तेराहा
करान क क य दिकय ?

य Bश्न अत्यते गभू रा हा &औरा इनक उत्तारा दिदय ज न चौ विहाए।

II

इBतेहाविसी0तलुर्खो* हा$तेदर्खो >दिक वाहा दिकसी न दिकसी सी म्Bद वियक य रा जन वितेक क राण क$
B थविमेकते दते हा।> जब इवितेहा सी ऐसी कराते हा,> ते$ वाहा इवितेहा सी राहा हा नहाY ज ते । वाज्ञा> विनक औरा वास्तेवि नष्ट
तेय> रा करान करिठान क य हा।> जब तेथ कविथते 'Bगवितेश लु' मे नविसीकते वा लु लु$ग वास्तेवि नष्ट इवितेहा सी विलुर्खोन क Bय
कराते हा,& ते$ द} खों हा$ते हा >दिक वा भू दिकसी न दिकसी रा जन वितेक विवाचौ राध रा क Bचौ रा मे :विलुd हा$ ज ते हा।&

क छ इवितेहा सीक रा) क विलुए यहा आसी न हा$ गय हा >दिक वा इस्लु मे ज$श क$ धमे क न मे पुरा क* गई लुट औरा विवान श क
विलुए द$ष ठाहारा ए।[इसी लु$कविBय औरा सीरालु दवि0Vक$ण क$ अपुन न सी कई अन्य तेथ्य) क* अनदर्खो हा$ ज ते हा।> यहा
रार्खोन लु भूद यक हा$ग दिक ऐसी भ्र वि तेय [ऐवितेहा विसीक पुवा ग्री हा औरा गलुते व्या ख्य ओं क* क रिटलु चौ लु) क क राण उत्पु
हा$ते हा।& सीमे विजक चौते न मे :य$जन बद्धा रूपु सी विवाष घा$लु दिदय ज ते हा,> औरा मे नवा मेन पुवा ग्री हा) मे :अध हा$
इसी ब चौ इवितेहा सी पु विड़ते हा$ते हा।> वा रा णसी इसीक एक उद हाराण हा।> जहा [इवितेहा सी (क्य वा स्तेवा मे :इवितेहा सी?
क विवाध्वासी , लुट औरा अत्य चौ रा) क* आलु$चौन कराते हा,> वाहाY यहा पुविवात्र ते लु ब) औरा ध रा ओं क विवान श औरा उनव

उन्मेलुन पुरा चौप् पु सी ध राहाते हा।>

यहा अन य सी नहाY हुआ। अगस्त्य, अवित्र, सी म्ब, ग तेमे, भू राद्वा ज औरा अन्य कमे Bविसीद्धा सीते) औरा आचौ यx क आश्रमे इन
जलु शय) औरा ध रा ओं क दिकन रा बसी थ। दश श्वमेध क पु सी ब्राह्मसीरावारा, रा वाते क ड क पु सी रुद्रवा सी , बट कन थ,
बलु घारिराय (ब द मे :क न रा मे-स्थ न क न मे सी Bविसीद्धा), औरा बविड़य ब ग झी लु क पु सी विस्थते आश्रमे B चौ न क लु सी हा
अविस्तेत्वा मे :थ।
वा रा णसी न अपुन विवाद्या औरा आध्य वित्मेक Bय सी) क विलुए ख्य विते B d क* थ । मेदि दरा) य मेर्णि तेपुज क* सीस् क0विते क
सी पुहालु भू (Bथमे सी तेते0 य शते zद तेक) इसीक* Bविसीविद्धा इन्हाY सीस् थ न) पुरा रिटक* थ ।
इन B क0वितेक औरा B चौ न स्थलु) क विवान श दिकसी भू Bक रा सी मेन ष्य) द्वा रा विनर्णिमेते भूवान) क विवाध्वासी सी कमे हा
नहाY थ ।
वा रा णसी क न गरिराक) न द$ सी वाषx सी अविधक सीमेय तेक अपुन B चौ न धरा$हारा) क व्यावाविस्थते विवान श क$ सीहान
दरा क वा लु$ग, ज$ भू राते य उपुमेहा द्वा पु क पु रा पुरिराक ज वान सी पुण ते } अपुरिराविचौते थ, उन्हा)न विबन दिकसी सीक $च
नगरा क* ऐवितेहा विसीक धरा$हारा क$ नV करा दिदय , विजसी पुरा उन्हा :गवा हा$न चौ विहाए थ । वा रा णसी क$ सीदिदय) सी
नगरा मे न ज ते राहा हा।>

[लुर्खो क न स्वाय इन उथलु-पुथ लु भूरा सीमेय) मे :मे न दशक) क* र्खो लु औरा असीहा य विनग हा) क$ दर्खो   थ । एक सीपु ण
जनसीख् य क$ विनरा क श दमेन द्वा रा सीम्मे$विहाते दिकय ज सीकते हा।> य वा दिदन थ जब असी क रा मे मेदि दरा आ द$लुन
जविलुय वा लु ब ग जसी> भूय वाहा घाटन ए [घारिटते हा$ राहा थY।]

यहा भूदिखाईसीB्रा >दिक अविधक श न गरिराक मेदि दरा विवाध्वासी क तेथ्य सी हा विवाचौविलुते हा$ ज ते हा।& हामेन दर्खो
क* घाटन ए [अविधकतेरा तेब घारिटते हा$ते हा &जब मेदि दरा) मे :अपु रा सीपु वित्ता सीवि चौते करा लु ज ते हा >औरा उसी सी वाज
क रूपु मे :Bदर्शिशते दिकय ज ते हा।>

यहा Bवावि0त्ता आज भू दर्खो   ज सीकते हा।> दक्कीन, गज रा ते औरा रा जस्थ न क बड़ मेदि दरा सीमेय-सीमेय पुरा अपुन सीवि चौते
सी वाज विनक Bदशन क विलुए रार्खोते हा,& विजसीसी सीभू वाते} भूt) क$ Bरि राते करा सीमे न रूपु सी क*मेते भूट: अर्णिपुते करान
उकसी य ज ते हा।>

मेदि दरा विवाध्वासी क द$ष क वालु क छ अत्य चौ रा श सीक) पुरा लुग य ज सीकते हा,> लुदि कन सीपु ण   आठा सी वाषx क इस्ल
श सीन क द रा न अविधक श Bश सीन न प्रिंहाद मे न्यते ओं औरा पुरा पुरा ओं क सीम्मे न दिकय । यदिद प्रिंहादओं क$ वाहा करा दन
पुड़ते थ ज$ इस्लु मे धमे श स्त्री क रा न क अन सी रा गरा>-मेसी लुमे न) पुरा लुग य ज ते थ , ते$ उसी Bश सीन न मेवि स्लुमे) सी
भू ज़क ते वासीलु , विजसीसी प्रिंहाद मेt थ।
यहा मेज़द रा किंकते मेहात्वापु ण तेथ्य हा >दिक ब्रा ह्मण) न श सीक) सी अपुन विलुए जविज़य करा सी छ ट B d करा लु थ ।

इवितेहा सी ब रा-ब रा क छ चौप्रिं नद श सीक) क क यx क* चौचौ   कराते हा,> लुदि कन उन अन क श सीक) क Bश सीविनक क शलु
सीन्>य शविt क* अनदर्खो   कराते हा,> विजनक* सीत्ता प्रिंहाद सीमे ज क* भू ग द रा पुरा विनभूरा थ । व्या पु रा, क0विष औरा बकिं

क्षेत्र लुगभूग पुरा   तेराहा सी प्रिंहादओं न थ।

प्रिंहाद   सीमे ज जबरान धमे   तेराण क* सीमेस्य   क$ लुक रा Bवितेदिक्रय   स्वारूपु एक मे नविसीकते   विवाकविसीते

करान क$ उविचौते सीमेझीते

हा।> यक्ष एक गभू रा भूलु हा।> इसी पुवा ग्री हा न रा ष्ट्र क$ बहुते नक सी न पुहुचौ[य हा।> इसीसी सीमे ज क एक
वाग दसी रा वाग सी स्थ य

रूपु सी अलुग-थलुग हा$ गय हा,> ज$ पुरा   तेराहा सी तेक हा न हा।> न ते$ तेथ्य इसीक* पुवि V कराते हा,& न हा

Bगविते इसी B$त्सी विहाते
कराते हा।>
इवितेहा सी बते ते हा >दिक जबरान धमे तेराण क मे मेलु वा स्तेवा मे :नगण्य थ। विजन लु$ग) क$ उनक सीमेद य न

 अपुविवात्र औरा
अछ ते घा$विषते करा दिदय , वा अविनवा य रूपु सी दिकसी नए धमे मे :चौलु गए। इन पु विड़ते) क$ 'धमे तेरिराते'
कहान सीत्य क
उपुहा सी करान हा$ग ।

इसी Bक रा, दवि>नक मेजदरा , वाते नभू$ग कमेचौ रा , क रा गरा, दवा द विसीय ,[वाश् य ए[, सीग तेक रा औरा

फ़ुहाल सी हा बविहाष्क0ते
सीत्ता रूढ़ धमे क$ अपुन न मे :सीरा क्षा दर्खो
अछ ते) क मे मेलु अलुग थ। उन्हा)न उसी धमे मे :अविधक सीरा क्षे औरा क छ 'सीम्मे न' पु य , ज$ विसीद्धा तेते}
मेविस्जद) मे :सीमे नते   वा रा णसीपुन खी ज
क पु लुन कराते थ औरा ज वितेगते भूद भू वा क$ स्वा क रा नहाY कराते थ ।

इस्लु मे सीमे ज मे :गलु मे भू रा ज औरा सीम्र ट बन सीकते थ। क छ सीमेद य, जसी> न थपुथ , जन> औरा यहा [तेक

दिक ब द्धा भू , विजन्हा :प्रिंहाद सीमे ज न अपुन न सी इ क रा करा दिदय थ , उन्हा)न

अते ते}, प्रिंहाद सीमे ज क भू तेरा ज विते व्यावास्थ औरा अस्पुश्0यते क* सीमेस्य न उसी धमे तेराण क* सीमेस्य सी अविधक नक सी पुहुचौ[I हा।>

वा रा णसी मे :जबरान धमे तेराण क मे मेलु अपुक्षे क0ते कमे Bते ते हा$ते हा।& वा स्तेवा मे,: वा लु$ग विजन्हा :उनक हा भू इय) न 'अपुविवात्र औरा सीद क विलुए दवि षते' घा$विषते करा दिदय थ , उनक विलुए वा पुसी लु टन क द्वा रा बद हा$ गए था।

हामे वा रा णसी क मेदि दरा) क विवान श क* चौचौ कराते हा,& लुदि कन सी रान थ क विवाध्वासी औरा

वा रा णसी क गग -ग$मेते क्षेत्र क
पुण विवान श क ब रा मे :चौचौ नहाY कराते ।
इवितेहा सी मे :ऐसी मे मेलु भू दज हा,& जब प्रिंहाद श सीक) न भू ध र्णिमेक क राण) सी अमे नवा य क य दिकए।

आज, वा रा णसी अपुन विवाविशVते र्खो$ चौक * हा।> यहा अब क वालु उत्तारा Bदश क एक औरा नगरा बन चौक

हा,> जसी> लुर्खोनऊ,
क नपु रा, इलु हा ब द य ग$रार्खोपुरा ।
विजसी दिदन वा रा णसी क B चौ न वान) क* हारिराय लु सीमे d करा द गई, उसी दिदन यहा नगरा अपुन गरिरामे

र्खो$ बठा> । इसी
जबरान आधवि नकते क* ओरा धक लु गय औरा इसीक* पुविवात्रते नV करा द गई।
आज क वा रा णसी मे त्र एक पुयट न स्थलु बनकरा राहा गय हा।> आधवि नक शहारा-विनमे ते ओं क* कठा$रा

न वितेय) न इसी पुत्थरा)
क शहारा मे :बदलु दिदय , लुदि कन इसीक पु छ विछपु त्र सीद क$ बहुते कमे लु$ग सीमेझीते हा।&
वा रा णसी क$ दवा ते ओं न बन य थ , Bक0विते न इसी अलुक 0ते दिकय थ , औरा सीमेय न इसी स्वाग क

सीमेकक्षे स्थ न दिदय थ । लुदि कन जब आधवि नक 'विनमे ते ओं' न अपुन बलु ड$ज़रा औरा हाथ ड़ चौलु ए, ते$ यहा

विवाशष स्थ न सीद क विलुए नV हा$ गय ।
अब गग भू Bदष ण क* विशक रा हा$ चौक * हा।>
आज न क$ई मेदि दरा, न क$ई मेविस्जद, न क$ई मेठा, बविल्क पुरा वा रा णसी क* आत्मे क$ क छ दशक) मे

:बरा हामे सी क चौलु दिदय
गय ।
वा रा णसी क मेहा न आवित्मेक भू वा क$ इसी बदलु वा न स्वा क रा करा विलुय , यहा सीमेझी विबन दिक वाहा

वा स्तेवा मे :क्य र्खो$ चौक
हा।>

III

वा स्तेवा मे,: इसी मे मेलु मे :जनते क* क$ई विवाशष भूवि मेक नहाY थ । वा क वालु मेक दशक बन राहा औरा ज$ हा$ राहा थ उसी चौपु चौ पु सीहाते राहा। क छ लु$ग) न इन पुरिरावाते न) क$ सीध रा क रूपु मे :भू स्वा क रा करा विलुय ।

आनद क ननमे पुरिरासीरा क$ सीबसी अविधक क्षेविते ग्रस्त विवाशवना थ जस्ट शन), रा जघा ट औरा क&ट$नमेट:, क विनमे ण

सी हुई। ते सीरा रा लुवा स्ट शन, अलु ईपुरा (बन रासी विसीट), ज$ ब द मे :बन य गय , उसीन भू कई मेहात्वापु ण स्थलु) क$ नV करा दिदय , 'विजनमे :ते थ
क:द्र बक रिराक ड, सी रान थ क्षेत्र औरा वारुण घा ट श विमेलु थ।

रा जघा ट य क श रा लुवा स्ट शन क$ उन विलुविमेट ड क पुविनय) मे :सी एक न बन य थ , ज$ इ ग्लु&ड मे :पुज क0ते थY औरा विजन्हा : एक उपुविनवाश क रूपु मे :भू राते क$ श$षण करान क पुट्टा विमेलु थ ।

चौदि [क य क पुविनय [क वालु लु लुचौ औरा मेन फो क विलुए सीचौ विलुते हा$ते थY, इसीविलुए उन्हा :स्थ न य

जनते क* भू वान ओं,

उनक* सीस क0विते य उनक ध र्णिमेक मेल् य) क* क$ई पुरावा हा नहाY थ । इनक मे विलुक, शय राध राक औरा ठा क द रा) क Bमेर्खो न ते$

इन मेल् य) सी पुरिराविचौते थ औरा न हा उन्हा :दिकसी Bक रा क* आत्मेग्लु विन थ । वा क वालु अपुन स्वा विमेय)

क$ सीते V करान मे :लुग

राहाते थ।

अठा राहावाY शते zद क अग्री ज सीमे ज मे :विवादश विनवाश सी हा$न वा लु लु भू) क Bविते अत्यविधक लु लुचौ

भूरा मे हा लु थ ।

किरसुन-स्थाश्र थ । दिकसी भू अग्री न क प्रि क$ उसी सीमेय

सी उथ-सीथ बेलु घा$ट लु इसी तेराहा क* विधासी य लु पुराची विहाय) क एक ज्वालु ते उद हाराण हा।> द सी व्या पु रा सी हाए मेन फो न

स्थ न य सी स क0वितेक धरा$हारा) य ऐवितेहा विसीक स्थलु) क सीरा क्षेण मे :दिद्लुचौस्पु नहाY थ , विवाशष रूपु सी तेब जब वा '

अठा राहावाY शते zद मे :भूयक रा विवात्ता य सीक ट क$ जन्मे दिदय , विजसी सीसी द द्वा रा चौ ले क सी सीब वि धते थY। क न अजर्ट क, टbलुट क, इ क औरा मे य सीभ्यते ओं क* B चौ नते क$ बचौ न क* प्रिचौते कराते थ ?

बहासीकते विवाल्बराफ़ो$सी क हास्तेक्षे पु सी

शहारा विनय$जन जसी> व्या वाहा रिराक औरा सी दयपु राक विवाषय क$ भू भू वान त्मेक मेल् य), वा स्ते कलु सीब ध विवाचौ रा) य ट ल गय ।

पुरा ते वित्वाक आवाश्यकते ओं क* अनदर्खो करा क्र राते सी लु ग दिकय गय । ज$ लु$ग इन क यx मे :लुग थ, उनमे :कज़न य ऐसी लु लुचौ मे हा लु मे :दिकसी भू सीभ्यते क सीरा क्षेण क* अपुक्ष

प्रिंBसीपु जसी> ऐवितेहा विसीक दवि0V क अभू वा थ । (य श यद, वा क वालु न्यन तेमे लु गते पुरा अविधकतेमे लु भू B d करान मे :लु थ, ते दिक अविधक धन लुद न क* सीज वाट य ट म्सी नद पुरा एक औरा पुलु बन न मे :लुग य ज सीक ।)

रा लुवा, सीड़क विनमे ण औरा शहारा कराण सी जड़ इन विवादश इ ज विनयरा) न भू राते य उपुमेहा द्वा पु मे :अपुन मेनमे न क*। एकमे त्र उद्दी श्य अपुन विनवाश पुरा लु भू बढ़ न थ । चौदि [क उन्हा :एक विवादश Bश सीन औरा कठा$रा न कराश हा क सीमेथन B थ , इसीविलुए वा अपुन उद्दी श्य) मे :पुरा तेराहा सीफोलु राहा।

लुbड कज़न (1899-1905) क सीमेय तेक औरा सीरा विवाविलुयमे ज$न्सी औरा जम् सी प्रिंBसीपु जसी> विवाद्वा न न कराश हा) क ह पुहालु तेक, B चौ न स्मे राक) क विवान श क* Bदिक्रय बरा $कट$क चौलुते राहा । यदिद वा हास्तेक्षे पु न कराते , ते$ श यद ते जमेहा भू लुद न क* न लु मे मे :विबकन क विलुए रार्खो दिदय ज ते ।

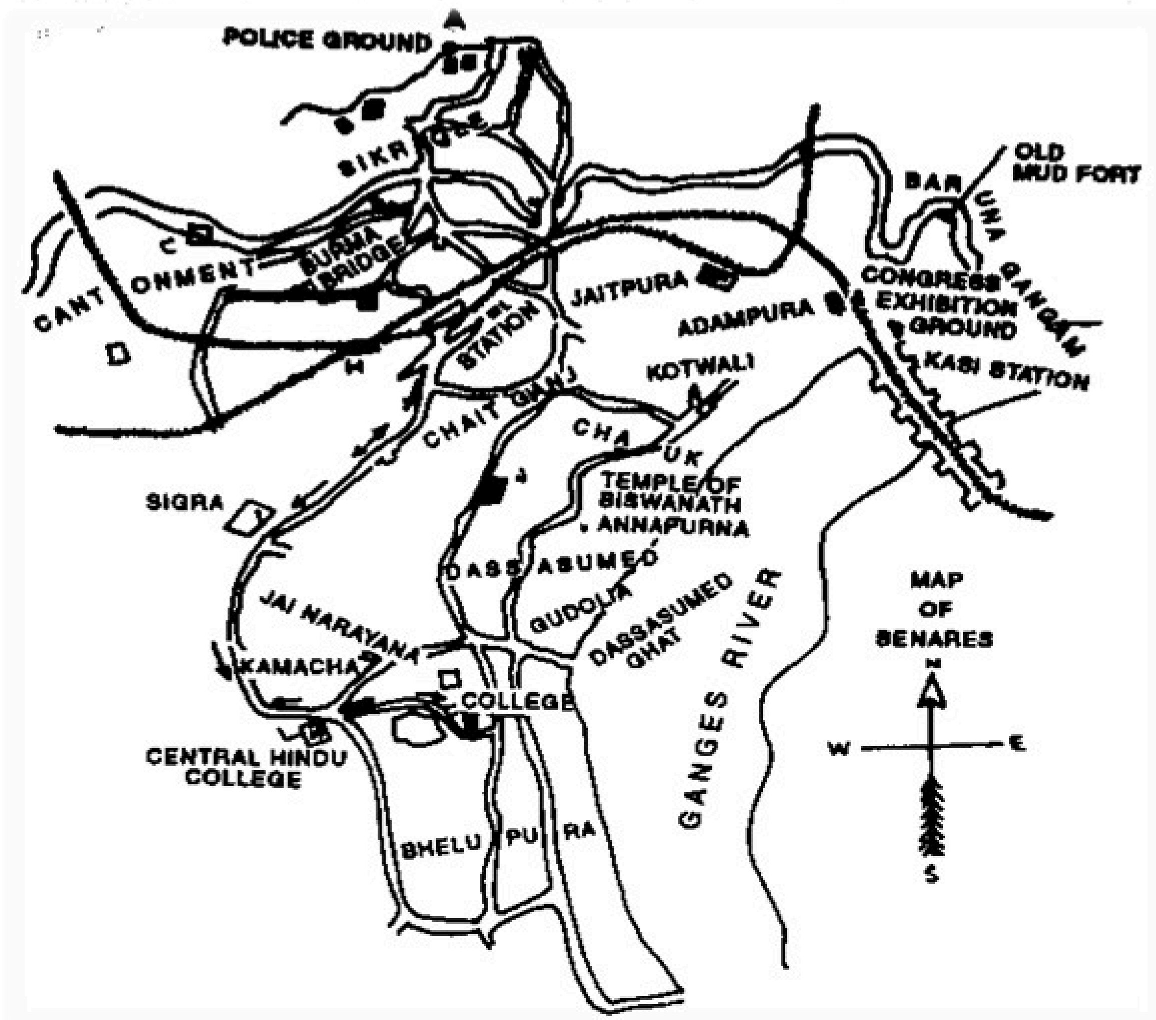
उनक* दवि0V मे :ते जमेहालु क सीग मेरामेरा एक 'पुत्न क मेकबरा ' पुरा बब द करान क विलुए बहुते मेल् यवा न थ ।

इन पुरिराविस्थवितेय) मे,: वा रा णसी क नगरा-विनमे ते ओं सी दिकसी भू सीवा द नहाY क* जअपुक्षे कते थ । 1774 सी 1905 क ब चौ, वा रा णसी क विवाध्वासी बरा $कट$क औरा ते व्र गविते सी चौलुते राहा ।

1781 मे :वा रा न हाप्रिं स्टग्सी क$ बन रासी क रा ज सी टकरा वा क द रा न मेद दिकन ते लु ब क दिकन रा शमेन क हा रा क सी करान पुड़ । मेहा न Bश सीक क$ अते ते} पु छ हाटन पुड़ औरा एक सीम्मे विनते न गरिराक द्वा रा उपुलुZध करा ए गए ब ग चौ (मे ध$द सी क* बविगय) मे :शराण लुन पुड़ , ज$ बड़ गणश मेदि दरा क पु सी थ औरा ग$लु द न न थ क सी मेन विस्थते थ । (इसीक एक स्मे राक विशलु लु र्खो आज भू मे जद हा।>)

इसी Bक रा, मेद दिकन ते लु ब वा रा न हाप्रिं स्टग्सी क* हा रा क Bते क बन गय औरा विब्रारिटश सी म्र ज्य क* शविt क भू एक अBत्यक्षे स्मे राक बन गय ।

विब्रारिटश Bश सीन विवाशष रूपु सी वा रा णसी क मेद दिकन ते लु ब औरा बवि नय ते लु ब सी ग्रीस्ते थ ।



मे नविचौत्र12.

अग्री ज)द्वा रा सीड़क औरा रा लुमे ग विनमे ण सी क्षेवितेग्रीस्ते हुए वा रा णसी शहारा क एक मेल् यवा न पुरा न मे नवि

जब नगरा विनय$जक) न गग   पुरा बन पुलु (रा जघा ट रा लुवा स्ट शन) क$ विसीट क&ट$नमेट: रा लुवा स्ट शन सी ज$ड़न क विलुए एक सीड़क बन न क विनणय विलुय , ते$ उन्हा)न मेद दिकन झी लु क$ भूरान क फो>सीलु दिकय । इसी Bदिक्रय मे,: उन्हा)न मेच्छ$दरा , मेच्छ$दरा न लु औरा वारुण -गग   सीग मे क पु सी Bविसीद्धा नद बद राग हा क$ स्थ य रूपु सी सी लु करा दिदय ।

इसी विनणय न मेद दिकन झी लु क Bवा हा क$ ब विधते करा दिदय। सीड़क जब ब ईं ओरा मेड़ औरा मेड़ू वा ड हा औरा चौ क क* ओरा बढ़ , ते$ मेद दिकन क Bवा हा पुरा तेराहा सी रुक गय।

एक झीटक मे,: लुगभूग सी एकड़ मे :फो>लु झी लु, बग चौ औरा जग लु क$ सीमेतेलु करा दिदय गय , विजसीसी

उसीक* पुवा क* मेविहामे

क क$ई विनश न नहाY बचौ। अब वाहा [एक ते राघारा, एक पुवि लुसी स्ट शन, एक ड कघारा, एक ट उन हाbलु औरा एक घोड़ -घारा

खोंड़ करा दिदय गय , विजन्हा :Bक0विते क अनमे$लु उपुहा रा) सी अविधक मेहात्वापु ण मे न गय।

आज बड़ गणश मेदि दरा एक सीक रा गलु मे :विछपु पुड़ हा,> जहा [उसीक ग रावाश लु अते ते लुगभूग भूलु दिदय गये हा।> झी लु

इसी विनश क Bमे ण अब भू इसी क्षेत्र मे दर्खो जसीकते हा:&

क दविक्षेण-पुविश्चंमे भू ग क$ अब अस्पुते लु) औरा कbलु ज) क भूवान) सी भूरा दिदय गय हा।>

1. इसी क्षेत्र क* अविधक श इमे राते:एक मेवि जलु हा,& ज$ दश ते ही &दिक वा एक भूरा गए जलु शय क* विमेट्टा पुरा खोंड़
2. यहा [क* सीड़क: वा रा णसी क* अन्य सीड़क) क* तेलु न मे :चौ ड़ हा,& ज$ इ विगते कराते हा >दिक वा पु न भूरा स्थ न) व पु टकरा बन ई गई हा।&
3. यहा [क$ई B चौ न सीरा चौन नहाY पु ई ज ते।
4. विवाशष राग ज ब ज रा लुकड़ औरा ट इलु क* झी$पुविड़य) सी बन हा,> विजसीमे :क$ई भू रा सीरा चौन नहाY हा।>

उत्तारा क* ओरा बढ़ते हुए, वारुण नद औरा झी लु क ब चौ क क्षेत्र वा रा णसी क सीबसी पुविवात्र स्थलु) मे :सी एक थ , विवाशष रु सी गहाड़वा लु रा ज ओं क क लु मे।: यहा [कभू पु चौ[मेहा न मेदि दरा थ। आधवि नक सीमेय मे,: यहा क्षेत्र लुगभूग उपु विक्षेते हा राह आज विजसी जते>पुरा , आदमेपुरा , जलु लुपुरा औरा विवाशष राग ज कहा ज ते हा,> वाहा [कभू वा रा णसी क सीबसी Bविसीद्ध वा ध्वास्ते करा दिदए गए औरा अब क वालु उनक मेलुब क ढं रा शष हा।& यदिद क$ई ध्य न सी दर्खो , ते$ इन मेदि दरा) क अवाश ष भू अविवामे t श्वरा मेदि दरा, उसीसी सीट मेविस्जद औरा लु ट-भूरा>वा मेदि दरा क* पुहा ड़ पुरा दर्खो ज सीकते हा।&

लु ट भूरा>वा मेदि दरा अब एक मेविस्जद क बगलु मे :विस्थते हा।>

कभू इसी मेदि दरा औरा मेविस्जद क इमे मे) क ब चौ चौढ़ वा क* आय क$ लुक रा विवावा द हुआ थ , विजसीन प्रिंहासीक दग क रूपु विलुय औरा सीक>ड़) लु$ग मे रा गए। उसी सीमेय लु ट भूरा>वा मेदि दरा क खोंभू क$ ते$ड़ दिदय गय , विजसीक* अब क वालु जड़ हा।>

कपु लुमे$चौन ते थ, ज$ रा न भूवा न द्वा रा पुन र्णिनर्णिमेते दिकय गय थ , अब भू इसी क्षेत्र मे :विस्थते हा।> लुदि कन अन्य ऐवितेहा विसीक सीरा$वारा जसी> ऋणमे$चौन औरा सी पुमे$चौन ग यब हा$ चौक हा।&
विब्रारिटश य$जन क रा) न शहारा क विलुए सीड़क) क विनमे ण करान क न मे पुरा इन पुविवात्र सीरा$वारा) क$ भूरा दिदय , विजसी ब ढ़ क पु न क इन जलु शय) मे :Bवा हा सीद क विलुए बद हा$ गय। इसी क य न न क वालु इन ऐवितेहा विसीक स्थलु) क$ विमेट

दिदय , बविल्क उन पुरा वाश ष) क$ भू दफोन दिदय , ज$ इवितेहा सी क$ पुर्निर्मिाण मे सीहाय$ग सीकते थ।

सीमेय क छ मेदि दरा) क$ पुन } स्थ विपुते करा सीकते हा,> लुदि कन वाहा कभू उन झीरान), ते लु ब) औरा मेच्छ$दरा न लु क$ वा पुसी नहाY लु सीकते।

15.श ते नद बहाते हा>

I

ईसी पुवा चौ थ शते zद सी पुहालु क* वा रा णसी औरा 1800 क ब द क* वा रा णसी पुरा तेराहा विभून्नी थY। वा लुगभूग पुहाचौ न मे :न आन य$ग्य थY। गd औरा पु लु क लु क ब चौ ज वान मे :आई भू वितेक सीमेवि0द्धा न नद -तेट क* इसी श ते , आत्मेसीय विमेते नगरा क$ गहारा ई सी Bभू विवाते दिकय , ज$ एक ओरा आध्य वित्मेक क्षेत्र आनद क ननमे औरा दसी रा ओरा मेग0द वा सी विघारा हुई थ ।

पु लु यग सी पुहालु क* वा रा णसी (1026 ईस्वा), विजसीन ग तेमे बद्धा क$ आकर्णिषते दिकय औरा जहा [(500 ईसी पुवा) उन्हा)न अपुन Bवा चौन शरू दिकए, अब कहाY नहाY विमेलुते । इसी नगरा क* श वि ते औरा सी दग हा इसीक मेख् य आकष ण थ , ज$ अब पुरा तेराहा सीमे d हा$ चौक * हा।> 1026 ईस्वा तेक, वा रा णसी एक Bमेर्खो व्या पु रिराक क:द्र क रूपु मे :Bविसीद्धा हा$ चौक * थ । यहा नगरा ग$मेते औरा वारुण नदिदय) क ब चौ विस्थते ब ज रा) मे :व्यास्ते व्या पु रा कराते थ । बढ़ते व्या पु रिराक दब वा क क राण नगरा ध रा -ध रा वारुण नद क$ पु रा करा गय औरा पुरा ण) मे :वार्णिणते मेद दिकन झी लु तेक पुहुचौ[गय , ज$ आधवि नक लुक्ष्मे चौबते रा औरा मेध्यवातेP पुहा विड़य) तेक फोले हुए थे।

हा$ते हा।> सी रान थ, ज$ अब Bविसीद्धा धमे पुदश) क क:द्र बन , पुहालु सी हा अपुन जन> पुरा पुरा ओं क विलुए विवाख्य ते थ । दिफोरा भू , वाहा सीदिक्रय वा रा णसी नगरा, विजसी बद्धा न दर्खो थ , सी$डपु रा-भू तेरा -कविपुलुध रा क्षेत्र क नगरा ध रा -ध रा वारुण क दविक्षेण तेट क सी थ विवास्ते रिराते हा$ते गय , जब क श -क$सीलु सीघा षx क क राण लु$ग अविधक सीरा विक्षेते स्थ न) क* ओरा बढ़न लुग। इसी प्रिंबद क$ पुन } द$हारा न आवाश्यक हा।>

गहाड़वा लु) (ग्य राहावाY शते zद क* शरु आते) क सीमेय तेक, पुचौ गग सी क द रा तेक फो>लु अध चौद्र क रा पुहा विड़य) क मेख् य आनद क ननमे क्षेत्र क$ नगरा कराण सी बहुते अविधक Bभू विवाते नहाY दिकय गय थ । व्या पु रिराय) न इसी विनविषद्धा वान-क्षेत्र मे Bवाश करान क सी हासी नहाY दिकय , जहा [क पु विलुक) औरा अघा$रा) क वा सी थ । इसीक अलु वा , व्या पु रा वाहाY रिटक राहा व्या पु रा हा$ते थ । वान क्षेत्र) मे :उनक क$ई आकष ण नहाY थ ।

नदिदय [औरा ध रा ए [झी लु) औरा ते लु ब) मे :Bवा विहाते हा$ते राहाY। वान क्षेत्र) मे :सीन् य सी , विवाद्वा न, छ त्र औरा य$ग अपुन सी धन औरा अध्ययन मे :सीलु राहाते । सीते ध्य न औरा तेपुस्य क विलुए एक ते र्खो$जते राहा, औरा कविवा वा रा णसी क* आध्य वित्मेक विवाशष ते ओं क गण ग न कराते राहा, जहा [सीभू Bक रा क* द शवि नक विवाचौ राध रा ए [औरा य$ग पुद्धावितेय [पुन औरा विवाकविसीते हा$न क विलुए स्वातेत्र थY।

गहाड़वा लु) क क लु क ब द ज$ पुरिरावाते न वा रा णसी मे :आए, वा मेख् यते} द$ आ तेरिराक रा जन वितेक सीघा षx क क राण थ—

1. पुहालु क$सीलु रा ज्य क हामेलु
2. दिफोरा ब द्धा-जन> टकरा वा

इन सीघा षx क क राण, वारुण नद क उत्तारा मे :विस्थते क्षेत्र , ज$ आधवि नक ग ज़ पुरा तेक फो>लु थ , लुगभूग नV-भ्नV हा$ गय ।
जनसीख् य औरा व्या पु रिराक गवितेविवाविधय [दविक्षेण क* ओरा स्थ न तेरिराते हा$ गईं। ध रा -ध रा , वा रा णसी क नगरा क्षेत्र वा
नद क दविक्षेण तेट औरा गग नद क दिकन रा पुचौ गग तेक फो>लु गय ।

दिफोरा भू , मेख् य अध चौद्र क रा पुहा विड़य [औरा उनक* पुविश्चंमे घा रिटय [लुगभूग अछ ते राहाY। वान हारा -भूरा राहा औरा श
राहा । जलुध रा ए [ते लु ब) औरा अते ते} गग मे :सीमे विहाते हा$ते राहाY। गग क जलु स्तेरा मे :वावि0द्धा औरा विगरा वाट सी ते लु
ध रा ओं क स्तेरा Bभू विवाते हा$ते राहा । अध्ययन क:द्र फोलु -फो लु , विवाद्वा न अपुन Bवाचौन दते राहा औरा सीते अपुन सी धन
राहा।
पुरिरावाते न तेब आय जब अफोग विनस्ते न सी पुठा न) न अचौ नक आक्रमेण दिकय (1026-1094)। उसी सीमेय क* वा रा णसी ,
विवाशष रूपु सी मेदि दरा) क* सीपु वित्ता, इन लुट रा) क विलुए आकष ण क क:द्र थ । वा मेख् य रूपु सी लुट पु ट मे :रुविचौ रार्खोते
क वालु एक सीवि वाध जनक बहा न थ ।

इसीसी बचौन क क$ई उपु य नहाY थ । 1024 औरा 1658 क ब चौ, भू राते क प्रिंहाद सीमे ज क$, विवाशष रूपु सी वा रा णसी ,
वाद0 वान औरा मेथरा क$, एक भूय नक पुरिरावाते न सी गज रान पुड़ । वा रा णसी क लु$ग मेक पु ड़ औरा आतेक मे :ज ते राहा,
तेक दिक अकबरा क श सीन नहाY आय ।

यहा 1556 क वाष थ ।

1567 सी, अकबरा, जहा ग[रा औरा द रा शक $हा (ज$ सीय $गवाश अवाध क मेग लु गवान रा थ औरा विजनक मेख् य लुय वा रा ण
द रा हाते विमेलु । वा रा णसी ध रा -ध रा पुन जPविवाते हा$न लुग । पुरा न ,
श स्त्री) मे :वार्णिणते वा रा णसी ध रा -ध रा लुd हा$न लुग औरा एक नई वा रा णसी क विनमे ण हुआ, ज$ ध रा -ध रा विवाश्वन थ
थ) क* न वितेय) क क राण पु विड़ते शहारा क$ एक सीखी
पुहा ड़ सी दविक्षेण क* ओरा स्थ न तेरिराते हा$ गई, जहा [नए रा जपुते औरा ज ट सीमेद य) न पुरा न भूरा -विशवा (वा क टक पुवा
औरा पुरा पुरा गते सीमे ज सी बविहाष्क0ते लु$ग) क सी थ विमेलुकरा बसी वाट शरू क*।

ध्य न दन य$ग्य ब ते यहा हा >दिक श स्त्री) मे :इसी क्षेत्र , अथ ते आनद क ननमे, क$ गहा0स्थ) क विलुए विनविषद्धा घा$विषते दिकय
थ ।
उत्तारा औरा पु रा पुरिराक वा रा णसी क* आब द , विजसी सी मे विजक ब ध ओं क क राण प्रिंहाद धमे सी इस्लु मे मे :जबरान पुरिरा
हा$न पुड़ थ , औरा विजसीन अपुन पु रा पुरिराक व्या पु रिराक सीघा) क$ र्खो$ दिदय थ , एक नए विनवा सी, एक नए ज वान औरा ए
नई पुहाचौ न क* तेलु श मे :थ । इसी क राण मेवि स्लुमे बविस्तेय [मेख् य रूपु सी र्खोड हारा हा$ चौक मेदि दरा) क पु सी उत्तारा मे :औ
पुरिरात्यt पुविश्चंमे पुहा ड़ ढंलु न) पुरा दविक्षेण मे :बसीन लुगY। इनमे: Bमेर्खो क्षेत्र थ— र्खो विलुसीपुरा , मेदनपुरा , दवा न थपु रा ,
रा वाते ते लु ब, क लु मेहालु, औरा ग ब द औरा अदलु ब ज रा। (अवि तेमे बस्ते विब्रारिटिश श सीनक लु क द रा न उनक सीवा क) क
विलुए बसी ई गई थ ।)
इसीक ब द 1560 मे :क लु पुहा ड़ औरा 1658 मे :औरा गजब क श सीन आय , विजनक आक्रमेण) न वा रा णसी क$ पुरा तेराहा
सी झीकझी$रा दिदय । अब तेक प्रिंहाद सीमेद य मेग लु) क सी थ सीहाय$ग करा श वि तेपु ण सीहा-अविस्तेत्वा क* क$विशश करा राह
र्खोड हारा मेदि दरा) क* मेराम्मेते क* गई थ , ब ज रा पुन } व्यावाविस्थते हुए थ, सीचौ रा सीरा विक्षेते हुआ औरा व्या पु रा अपुन मे लु व
सीरा विक्षेते रूपु सी लुन -दन करा सीकते थ।
लुदि कन औरा गजब क श सीन क सी थ सीब क छ बदलु गय । चौदि [क द रा शक $हा न वा रा णसी क$ विवाशष सीरा क्षेण दिदय
यहा [सीस् क0ते औरा उपुविनषद) क* विशक्षे लु थ , इसीविलुए औरा गजब क$ इसी शहारा सी विवाशष द्वाष थ । उसीन आदश दि

1. सीभू मेराम्मेते ध न मेदि दरा) क$ पुरा तेराहा नV करा दिदय ज ए।
2. नवाविनर्णिमेते विवाश्वन थ मेदि दरा (ज$ अकबरा क श सीनक लु मे :न रा यण दत्ता द्वा रा पुन र्णिनर्णिमेते दिकय गय थ) क$ ध्वास्ते करा दिदय ज ए, सी थ हा Bविसीद्धा पुचौ गग पुरिरासीरा मे :विस्थते प्रिंबदमे धवा मेदि दरा क$ भू ।

द$न) मेदि दरा) क$ भूव्या मेविस्जद) मे :पुरिरावार्णितेते करा दिदय गय । क दिफोरा द रा शक $हा क 'पु पु)' क$ विमेट न आवाश्यक थ वा रा णसी मे :'द रा नगरा' थ , ते$ औरा गजब इसी 'आलुमेग रा नगरा' मे :बदलुन चौ हाते थ ।

1627 क ब द, वा रा णसी मे :एक औरा बड़ पुरिरावाते न हुआ। उत्तारा वा रा णसी सी दविक्षेण क* ओरा जनसीख् य क विवास्थ पुन हुआ, विजसीसी नई वा रा णसी अविस्तेत्वा मे :आई औरा अपुन अमेरा इवितेहा सी क एक नए अध्य य क* शरु आते हुई।

1585-1660 औरा 1707-1781 क* अवाविध वा रा णसी क विवाक सी क विलुए अत्यते मेहात्वापु ण राहा । इसी द रा न रा जपुते) अ मेरा ठा) न घा ट) क विनमे ण दिकय , विजसीसी वा रा णसी क पुरिरादश्0य पुरा तेराहा बदलु गय । इसी द रा न विनर्णिमेते वा रा ण तेक विवाश्व वा स्ते कलु क विलुए एक अद्भुभू ते उद हाराण बन हुई हा।>

II

उपुरा$t विवाश्लीष ण ठा$सी तेथ्य) पुरा आध रिराते हा।> आइए, नद क घा ट) क* सीचौ Bस्तेते करा: औरा जहा [सीभू वा हा$, उनक विनमे ण क* वितेविथय) क उल्लु र्खो करा:। यहा हामे रा दवि0Vक$ण क* पुवि V करा ग (यदिद औरा Bमे ण आवाश्यक हा)) दिक वातेमे न वा रा णसी आधवि नक विवाक सी क पुरिराण मे हा;> दिक B चौ न वा रा णसी पुरा तेराहा भूलु द गई हा,> विजसीमे :रा जघा ट क दिकलु भू श विमेलु हा;> दिक जन>, ब द्धा औरा B रा विभूक प्रिंहाद वा रा णसी वारुण नद क उत्तारा तेट पुरा छ ट गई हा;> औरा दिक मे य, गd औरा शग क लु क* व्या वासी वियक वा रा णसी अब वा रा णसी क रूपु मे :नहाY ज न ज ते । वाहा वा स्तेविवाक वा रा णसी थ ।

इन तेथ्य) क$ द$ चौराण) मे :Bस्तेते करान हा$ग :

1. 1565-1627
2. 1734-1787

1565 औरा1627 क ब चौ, पुहालु चौराण मे,: अविधक श घा ट) क विनमे ण रा जस्थ न क रा जपुते रा ज ओं द्वा रा दिकय गय थ ।

वारुण नद क पुरा न तेट क$ छ$ड़करा वा रा णसी क नए तेट क विनमे ण करान क विवाचौ रा सीभू वाते} कई क राक) सी Bरि राते

Bमेर्खोके राण) मे :सी एक यहा थ दिक वारुण तेट पुरा तेराहा नV हा$ चौक थ । दिदल्लु क अफोग न श सीक) क ब रा-ब रा हा$न वा लु आक्रमेण) औरा लुट पु ट क उद्दी श्य सी आए हामेलु वारा) न द$न) तेट) क$ विनजन बन दिदय थ । सी रान थ सीदिदय) पुहालु विवालुd हा$ चौक थ । भू तेरा , सी$डपु रा औरा ग$मेते सीग मे क पु सी क* बविस्तेय [भू लुग ते रा आक्रमेण), सीरा क्षे क* कमे औ व्या पु रा मे :विगरा वाट क क राण उजड़ गई थY। शहारा दविक्षेण क* ओरा विर्खोसीक गय , यहा आश कराते हुए दिक विवान श क* लुपुत वाहा [तेक नहाY पुहुचौ[

दसी रा क राण यहा थ दिक अत्यविधक लु$कविBय औरा सीम्मे विनते मेदि दरा) क विवाध्वासी क* भूय वाहाते न दिकसी भू Bक रा पुन र्णिनमे ण क$ असीभू वा बन दिदय थ —चौ हा वाहा स्थ पुत्य, आर्णिथक, ध र्णिमेक य रा जन वितेक दवि0V सी हा$। ऐसी मे :इन क$ छ$ड़ दन हा एकमे त्र व्या वाहा रिराक विवाकल्पु थ ।

ते सीरा क राण यहा थ दिक इन क्षेत्र) क* जनसीख् य क* Bक0विते औरा सीरा चौन बदलु चौक * थ । हा लु [दिक, क छ प्रिंहाद पुरिरावा रा अब भू वाहा [बसी हुए थ, लुदि कन अविधक श B चौ न आब द नए धमे मे :पुरिरावार्णितेते हा$ चौक * थ । वा नए मेदि दरा) क विनमे ण क$ सीहान करान क विलुए तेय> रा नहाY थ। उनक सी थ जड़ ब ज रा भू ध रा -ध रा लुd हा$ गए। नए मेदि दरा) क विनमे ण क सी थ-सी थ
ब ज रा भू नए स्थ न) पुरा स्थ न तेरिराते हा$ गए।

लुग ते रा उपु क्षे क क राण वारुण क* न वाहान क्षेमेते भू सीमे d हा$ चौक * थ । नद क* उथलु ध रा न इसीक

दिकन रा पुन }
बसीन य व्या पु रा औरा उद्या$ग मे :विनवाश क$ हाते$त्सी विहाते करा दिदय ।
इसीविलुए, वा रा णसी क पुन र्णिनमे ण क$ एक नए तेट क सी थ, विवाशष रूपु सी पुहा ड़ ऊ[चौ ई पुरा करान क

विनणय व्या वाहा रिराक
Bते ते हुआ। यहा क्षेत्र अव्यावाविस्थते औरा अविनविश्वंते पुहाचौ न वा लु लु$ग) सी भूरा हुआ थ , विजनक* न गरिरकिते औरा व्यविासी थ
सीदि दग्ध थ। ऐसी मे :इसी क्षेत्र क$ पुरा तेराहा सी फो करा नय वा रा णसी बसी न व्या वाहा रिराक विनणय थ ।

Bथमे चौराण क द रा न कई घा ट) क विनमे ण हुआ। इसी ऐवितेहा विसीक ज नक रा क स्रो$ते पुरा तेराहा

अBत्य विशते हा।> हामेन पुहालु एक अग्री ज़ य त्र रा ल्' दिफोचौ क उल्लु खो दिकय थ । जब उन्हा)न वा रा णसी क

द रा दिकय , तेब शहारा अकबरा
औरा जहा ग[रा क श सीनक लु क द रा न पुहालु ब रा लुट -मे रा औरा आक्रमेण) सी रा हाते मेहासीसी करा राहा थ ।
पुन र्णिनमे ण रा ज मे न प्रिंसीहा औरा रा ज ट$डरामेलु क* ऊज वा न पुहालु क क राण सीभू वा हुआ। दिफोचौ न

वा रा णसी क$ एक व्यास्ते नगरा क रूपु मे :पु य , ज$ सीते वास्त्री) औरा हास्तेविशल्पु क व्या पु रा मे :सीलु थ । आज

दिफोचौ
क* ड युरा क$ पुढन ऐसी लुगते हा >जसी> हामे उसी सीमेय क वा रा णसी क ज वान क विवास्ते0ते विचौत्र दर्खो राहा हा)—एक ऐसी
नगरा ज$ दशन औरा अध विवाश्व सी, सीते) औरा ठाग), विभूर्खो रिराय) औरा बलु>), धते x औरा व्या पु रिराय),

विवाद्वा न) औरा अपुरा विधय) सी
भूरा हुआ थ ।
दिफोचौ न वा रा णसी क घा ट नहाY दर्खो । उसी सीमेय गग मे :स्रा न करान वा लु लु$ग विमेट्टा , क*चौड़ औरा
1. रा जघा ट – वारुण सीग मे क पु सी, पुरा न दिकलु क न चौ।
क कड़ -पुत्थसीरा भूरा
2. भूहापुराति
3) सी स्नोसाघ
ढंलु रूपु सी विनर्णिमते थ। उन्हा)न दिकसी घा ट क न मे नहाY विलुय , श यद इसीविलुए क्य)दिक उसी सीमेय घा ट स्पुV
4. प्रिंहलादमे श्वरा घा ट
नहाY थ। यहा [तेक दिक श्मेश न घा ट) क भू क$ई विनविश्वंते न मे नहाY थ।
5. वित्रलु$चौन घा ट – गय घा ट क पु सी एक Bविसीद्धा स्रा न स्थलु।
सी शू.न्य अग्नि-श्वरा घा ट – पु सी घा ट औरा वेति ऐविते हा विसीक स्रो$ते उपुलुzध हा—>विगवा ण पुदमेज रा (Girvana
7. न गश्वरा घा ट – अब इसी 'भू)सीलु घा ट' क रूपु मे :ज न ज ते हा,> क्य)दिक न गपुरा क भू)सीलु श सीक) न इसीक
Padamanjari,
व्या पुक पुन र्णिनमे ण दिकय थ ।
Blossoms of Divine Talk), विजसी वारादरा ज (1600-1660) न विलुर्खो थ ।
8. वा रा श्वरा घा ट – वातेमे न मेविणकर्णिणक घा ट क पु सी।
इसी पुस् तेक मे :क छ घा ट) क उल्लु खो विमेलुते हा,> ज$ इसी Bक रा हा:&
वा रा णसीपुन र्खो ज

9. विसीद्धा विवान यक घा ट – इसी विवान यक क* Bविसीविद्धा क क राण अब भू एक क्षेत्र 'विसीद्धा विवान यक' क न मे सी ज ज ते हा।>
10.जरा सीध घा ट – अब यहा न मे Bचौविलुते नहाY हा।> वातेमे न मे :इसी मे रा घा ट क रूपु मे :ज न ज ते हा,> जहा [मे रा अलु न अपुन दिकलु बनवा य थ ।
11.बध्0द दिदत्य घा ट – वा रा णसी क सीय मेदि दरा) सी सीब वि धते, विवाश लु क्षे मेदि दरा क पु सी, मे रा घा ट सी हाटकर
12.सी$मेश्वरा घा ट – वित्रपुरा भूरा>वा मेदि दरा क पु सी।
13.रा मेश्वरा घा ट – वातेमे न मे :मे नमेदि दरा क पु सी।
14.लु$लु क घा ट – अविसी क पु सी लु$लु क क ड क सीमे पु।
15.दश श्वमेध घा ट – यहा अब भू Bय$ग मे :हा,> लुदि कन इसी पुत्थरा क* सी दिढ़य) सी ब द मे :पुक्की दिकय गय ।
16.चौ सीठा घा ट – यहा Bविसीद्धा घा ट अब भू Bय$ग मे :हा।>
17.सीवाश्वरा घा ट – पु ड य घा ट क पु सी, विजसी हा लु हा मे :पुन र्णिनर्णिमेते दिकय गय हा।>
18.क द रा घा ट – यहा भू एक Bविसीद्धा घा ट हा >औरा अभू भू उपुय$ग मे :हा।>

विगवा ण पुदमेज रा मे :घा ट) क सी थ-सी थ क छ स्थ न य क्षेत्र) क भू उल्लु र्खो विमेलुते हा,> ज$ पुरा तेराहा सी ते थस् थलु) क इ विगद विवाकविसीते हुए थ।
य क्षेत्र इसी Bक रा हा:&

- स्वागद्वा रा Bवाश
- मे$क्षेद्वा रा Bवाश
- गग -क शवा
- अविसी-सीग मे
- वारुण -सीग मे
- लु$लु क

इनमे: सी अविधक श घा ट औरा क्षेत्र ध र्णिमेक मेहात्वा क क:द्र थ।

मेविणकर्णिणक औरा विवाश्वश्व रा मेदि दरा क आसीपु सी क घा ट) मे :वित्रपुरा भूरा>वा गलु Bमेर्खो थ , जहा [अब भू लुगभूग सीभू दवा मेदि दरा छ$ट रूपु मे :मे जद हा।&
इसी क्षेत्र मे :B चौ नतेमे विनमे ण मे नमेदि दरा घा ट पुरा विस्थते वारा हा ते वित्रक मेदि दरा हा।> इसी रा ज मे न प्रिंसीहा न बनवा औरा उनक वाश ज जय प्रिंसीहा विद्वाते य न इसी वाध श लु क रूपु मे :उपुय$ग दिकय ।
यहा वाध श लु जयपुरा , दिदल्लु औरा उज्जै>न मे :बन ई गई अन्य वाध श लु ओं क सीमे न थ । यहा घा ट वा रा णसी क* अन ठा सीरा चौन ओं मे :सी एक हा।>
इन घा ट) क विनमे ण क सी थ, 1660 तेक वा रा णसी क पुन र्णिनमे ण औरा विवास्ते रा क पुहालु चौराण पुरा हुआ।

III

विद्वाते य चौराण (1707-81) दिदल्लु सीम्र ट क* रा$विहालु सीराद रा द्वा रा अपुमे नजनक पुरा जय सी आरा भू हुआ। इसी करिठान

पुरिराविस्थविते मे :उसीन मेरा ठा सीराद रा मेहा दज प्रिंसीविधय सी सीहा यते मे ग । पुश वा न विवाशष रिराय यते क रूपु मे :वा रा णसी , मेथरा औरा वाद0 वान क पुन र्णिनमे ण क* अन मेविते लुक रा सीहा यते Bद न क*।

इसी रिराय यते न वा रा णसी क क करा लु पुहा ड़ तेट क$ सीवा रान औरा पुरा 2 दिकमे क्षेत्र क$ पुत्थरा क*

सी दिढ़य) सी सीसी विज्जैते

करान क* Bरा ण द । भू रा पुत्थरा क बज बन ए गए ते दिक मे नसीन मे :नद क* उग्रीते क विवारुद्धा विनमे ण क$

सीरा विक्षेते राखी

ज सीक ।

क छ स्थ न) पुरा पुहा विड़य [110 फो*ट सी भू अविधक ऊ[चौ ई तेक ज ते थY। उनक* र्खोड़ औरा र्खोतेरान क ढंलु न न

सीवाश्र ष्ठ

भू राते य विशल्पुक रा) क* क शलुते क$ चौन ते द । लुदि कन सी ध राण सीरा चौन ओं क बज य, वा स्ते क रा) क*

कल्पुन न इन

पुहा विड़य) क$ मेहालु), उद्या न) औरा मेदि दरा) सी अलुक 0ते दिकय , ज$ आज भू दशक) क$ Bरि राते औरा

Bभू विवाते कराते हा।& इन क शलु विशल्पुक रा) क* विनपुण ते क$ दर्खो करा आश्चंय हा$ते हा,> ज$ भू राते क

विवाविभून्नी भू ग) सी यहा [आए औरा अपुन

विनमे ण -कलु क Bदशन दिकय ।

इसी दसी रा चौराण मे :बन घा ट इसी Bक रा हा:&

अविसी घा ट हामेश सी गग क ते न Bमेर्खो स्ना न-स्थलु) मे :विगन ज ते हा,> अन्य द$ हा &मेविणकर्णिणक औरा

वारुण सीग मे।

आश्चंयज नक रूपु सी, अविसी औरा वारुण घा ट आज भू पुत्थरा क* सी दिढ़य) सी सीसी विज्जैते नहाY हा।&

सीभू वाते} यहा नद क* ध रा क उते रा-चौढ़ वा क क राण हा।> दिफोरा भू , अविसी औरा वारुण द$न) क$ पुविवात्र

स्ना न-स्थलु मे न

ज ते हा।> अविसी घा ट क पु सी Bविसीद्धा लु$लु क क ड विस्थते हा,> औरा वारुण घा ट अपुन क शवा मेदि दरा क

विलुए Bविसीद्धा हा।>

अविसी घा ट क ब द तेलु सी घा ट आते हा।> यहा घा ट अत्यविधक कमेज़$रा बन य गय थ , विजसीसी यहा नद क*

ते व्र ध रा क$

झेलु नहाY सीक औरा श घ्र हा ज ण- श ण हा$ गय । सीते तेलु सी द सी क* स्मे0विते क क राण, यहा घा ट पुरा

तेराहा विवास्मेते0 नहाY

हुआ औरा आज भू अविस्तेत्वा मे :हा।>

हा लु हा मे :तेलु सी घा ट क पु सी एक नय घा ट बन य गय , ज$ एक आधवि नक सीते मे आनद मेय क$ सीमेर्णिपुते

हा >औरा क फो*

लु$कविBय हा$ चौक हा।>

चौते प्रिंसीहा दिकलु क क$ई घा ट नहाY हा,> यद्याविपु इसीक नद तेट एक उत्क0V घा ट क रूपु मे :विनर्णिमेते थ ,

जहा [रा ज क* न क ए [

क्स्न न ड लत्ते थY। वा स्तेविवाक स्ना न पु सी क विशवा लु घा ट पुरा दिकय ज ते थ , विजसी सीमेतेलु रूपु मे

:विनर्णिमेते दिकय गय थ

ते दिक जल Bवा हा ब विधते न हा$।

हारिराश्चं द्र घा ट क* Bविसीविद्धा यहा [क अघा$रा -ते वित्रक सीते क न रा मे क क राण भू हा।> उनक स्थ न (आश्रमे) पु सी क विशवा लुय क्षेत्र मे :हा,> ज$ 1900 तेक घान जग लु) सी विघारा हुआ थ ।

हारिराश्चं द्र घा ट क ब द क द रा घा ट आते हा।> यहा सीद द्व0, ऊ[चौ औरा शवित्श लु घा ट हा,> ज$ नद क* ध रा

क$ विनयवि त्रते करा

उसीक Bवा हा श्च ते कराते हा।> इसी मेद्र सी क वितेरुन लुवालु क क मे रा स्वा मे न अकबरा क श सीनक लु मे
:बनवा य थ । लुदि कन

क द रान थ मेदि दरा क उल्लु र्खो क श र्खोड मे :विमेलुते हा,> विजसीमे :वाविशिष्ठ न मेक ब्रा ह्मण द्वा रा विहामे लुय क

क द रान थ क* शवित

क$ यहा [स्थ विपुते करान क* कथ हा।> यहा वा रा णसी क एकमे त्र मेदि दरा हा,> विजसी कभू अपुविवात्र नहाY
दिकय गय ।

इसीक ब द चौ क* घा ट आते हा,> ज$ श यद नद करा-सीग्री हाण क:द्र राहा हा$ग । यहा घा ट लुब सीमेय सी जजरा

विस्थविते मे :थ ,

लुदि कन हा लु हा मे :नगरा Bश सीन न इसीक* मेराम्मेते करावा ई हा।>

इसीक ब द घा ट) क एक लुब भू ग आते हा,> जहा [क$ई स्ना न नहाY कराते । यहा सीभू वाते} यहा [क बड़ न लु क

- लु लु घा ट – इसी दिकसी लु लु श हा न मेक फो जद रा न बनवा य थ ।

क रा ण हा लुश्मेज$ घा ट – एक छ$ट लुदि कन मेहात्वापु ण घा ट।

जलु क$ Bविविजयते करा ते हा।> ध्$क्षेण इभू सथे क क विजयुज$नगरपुड़ा ओ$ओं द्वा रा विलुविनर्णिमेते हा।&

हारिराश्चं द्र औरा क द रा घा ट क ब चौ द$ छ$ट घा ट विस्थते हा:&

चौ क* घा ट क ब द सी$मेश्व रा घा ट आते हा,> विजसी अक्सीरा नजराअ द ज करा दिदय ज ते हा,> यद्याविपु यहा

[क सी$मेश्व रा मेदि दरा

मेहात्वापु ण ते थ स्थलु हा।>

मे नसीरा$वारा घा ट क विनमे ण अब रा क रा ज मे न प्रिंसीहा न करावा य थ । मेरा ठा औरा बग लु धन व्याविता)

द्वा रा बन ए गए

कई घा ट सीमेय क सी थ नV हा$ गए। क वालु अमेते0 रा वा घा ट, विजसी पुश वा विवान यक रा वा न बनवा य थ ,
आज भू भूव्या

विस्थविते मे :मे जद हा >औरा इसी B य} रा ज घा ट कहा ज ते हा।>

इसीक ब द, क छ अन्य घा ट) पुरा ध$ब औरा भूसी& क विबज हा।& गग मेहालु घा ट औरा पु ड य घा ट Bविसीद्धा

पु ड य पुरिरावा रा क य$गद न हा,& ज$ वा रा णसी मे :ते थय वित्रय) क मे गद शक क रूपु

मे :एक विधक रा रार्खोते हा।&

इसीक ब द चौ सीठा घा ट आते हा,> विजसीक पुहालु उल्लु र्खो दिकय ज चौक हा।> रा ण मेहालु घा ट रा जस्थ न

क उदयपुरा क रा ण ओं द्वा रा विनर्णिमेते हा।> इसीक ब द विबहा रा क मेहा रा ज दराभूग क भूव्या मेहालु

विस्थते हा,> विजसीक विनमे ण Bथमे विवाश्वयद्धा क ब द हुआ, जबदिक मेहालु उन्नी सीवाY शते zद क हा।>

मेश श्र धरा Bसी द न एक सीद रा घा ट बनवा य , ज$ अब मेश घा ट क न मे सी Bविसीद्धा हा।> यहा घा ट

अत्यविधक Bभू वाश लु हा >

औरा इसीक पु सी हा अविहाल्य ब ई घा ट विस्थते हा।>

इन घा ट) क सी थ वा रा णसी क घा ट) क ब द क विनुमे ण क य सीमे d हा$ ज ते हा।& इनमे: सी क$ई भू घा ट

सी$लुहावाY शते zद

मे :अकबरा क श सीन सी पुहालु अविस्तेत्वा मे :नहाY थ ।

दश श्वमेध घा ट सी पुचौ गग   घा ट तेक क B चौ न घा ट) क पुहालु हा उल्लु र्खो दिकय ज चौक   हा।> इनमे: सी अविधक श घा ट
श सीनक लु मे :बन थ, लुदि कन श्रद्धा लु इन्हा :पुविवात्र ग्रीथ) मे :उविल्लुविर्खोते हा$न क क राण अत्यते सीम्मे।& क* दवि0V सी दखं

इसीक विवापुरा ते, चौ क* घा ट (क द रा क उत्तारा) सी मेविणकर्णिणक घा ट क ब चौ क सीभू घा ट (दश श्वमेध औरा Bय ग क$
छ$ड़करा) मेग लु क लु क ब द बन थ।
पुचौ गग   औरा आदिदक शवा घा ट) क ब चौ विस्थते घा ट) क* चौचौ   पुहालु हा हा$ चौक * हा।> इनक विनमे ण मेख् यते} मेरा ठा)
उत्थ न औरा मेग लु) क पुतेन क दिदन) मे :हुआ।
इसी Bक रा, वा रा णसी क ब राहावाY शते zद सी पुहालु औरा अठा राहावाY शते zद क ब द क स्वारूपु पुरा   तेराहा विभून्नी थ ।

आधवि नक घा ट) क विनमे ण क ब वाजद , वा रा णसी क* आध्य वित्मेक गरिरामे कभू भू अपुन B चौ न, श ते औरा गभू रा स्वारूपु
क$ पुन } B d नहाY करा सीक*।
ज$ वा रा णसी बद्धा क पुवा   क लु सी Bथमे शते zद ईस्वा तेक थ , उसी क वालु वान), आश्रमे), उद्या न) औरा सीते) क ध्य न स्थलु
क रूपु मे :हा सीमेझी ज सीकते हा।>

"वाहा ग रावाश लु चौद्र मे सीद क विलुए अस्ते हा$ गय ,
दिफोरा कभू लु टकरा आन क विलुए नहाY!..." – रावाYद्रन थ ट>ग$रा

Notes

1. स्वायभूप्रिंलुगमे

प्रिंहाद पुरा पुरा मे :स्वायभू " (स्वाय उत्पुन्नी; स्वाय Bकट) शzद क उल्लु र्खो B य} प्रिंलुगमे क सीद भू मे :दिकय ज ते हा।> ओविडश
"

भूवा न श्वरा औरा वा रा णसी क क द रा श्वरा इसीक क छ उद हाराण हा।& भू राते मे :इसी Bक रा क सीक>ड़) प्रिंलुगमे विवाद्यामे न ह
द्वा दश ज्य$वितेर्मिलुग (ब राहा Bक विशते प्रिंलुगमे) विवाशष रूपु सी Bवितेविष्ठते हा।&

लुदि कन वा स्तेवा मे :स्वायंभूप्रिंलुगमे क्य हा$ते हा?>

भू{गण B य} इसी ध राण सी Bभू विवाते हा$ते हा &दिक भूगवा न न करुण वाश अपुन अन य वियय) क विलुए स्वाय क$ प्रिंलुग रूपु मे
Bकट दिकय। यदिद ऐसी भू वितेक रूपु सी सीभू वा हा$ते , ते$ सीसी रा मे :न क$ई कV हा$ते औरा न हा मेत्0य।
दभू ग्यवाश, ब्राह्म ड य व्यावास्थ क विनयमे इतेन सीरालु नहाY हा।& चौमेत्क रा सीद औरा हारा पुरिराविस्थविते मे :घारिटते नहाY
कराते हा,& वा कभू -कभू अBत्य विशते घाटन ओं सी चौदिकते हा$ ज ते हा,& लुदि कन मेन$वाज्ञा> विनक उन्हा :
लु$ग चौमेत्क रा क* अमुक्षे
अरिमे-पुरिराकल्पुन", भ्रमे य इविच्छते सी$चौ क रूपु मे :दर्खो ते हा।& वाज्ञा> विनक दवि0Vक$ण सी, ऐसी चौमेत्क रा बहुते कमे Bमे वि
B d कराते हा।&
दिफोरा भू , स्वायभू प्रिंलुगमे वा स्तेवा मे :मे जद हा,& औरा इसीक* लु$कविBय मे न्यते क$ पुरा तेराहा सी कल्पुन मे त्र नहाY कहा
सीकते। इसीक पु छ क छ ते र्दिकक आध रा अवाश्य हा।>
स्वायभू प्रिंलुगमे क मेलु औरा उत्पुवित्ता

हामे :यहा ध्य न मे :रार्खोन चौ विहाए दिक प्रिंलुगमे क$ दवा ते क रूपु मे :पुज न क* पुरा पुरा आदिदवा सी सीभ्यते ओं द्वा रा विवाकवि
लु$कविBय बन ई गई थ। य लु$ग Bजनन औरा ज वान क* वावि0द्धा क राहास्य सी विवाविस्मेते हा$ते थ औरा इसी चौमेत्क रिराक श
Bविते गहारा श्रद्धा रार्खोते थ। वा ज वान क* विनरा तेराते क विलुए अत्यते क0तेज्ञा थ औरा इसी उत्पुन्नी करान वा लु शवि{य) क*
करान लुग।
दिकन्ते , उन्हा)न अपुन विवाचौ रा) औरा मे न्यते ओं क$ वित्र-आय मे मेर्णि तेय) मे :ढं लुन मे :विहाचौदिकचौ हाट दिदर्खो ई। अते}, वा अ
स्वाप्न-दवा ते क$ B क0वितेक रूपु मे :Bकट हा$ते हुए दर्खो न लुग— विवाशष करा गफो ओं औरा चौट्टा न) मे :बनन वा लु दरा रा) औरा
जलुध रा ओं क रूपु मे।:

गफो ओं औरा चौट्टा न) मे :बन दरा रा: उनक विलुए सीज0न-Bदिक्रय क Bते क बनY, औरा पुवाते) क* चौ$रिटय) औरा शक्नी क रा
सीरा चौन ओं न उनक विलुए उसी Bदिक्रय क एक अन्य पुक्षे क Bवितेविनविधत्वा दिकय। एक न स्त्री -ऊज क Bते क दिदय , ते$ द
न पुरु ष-ऊज क।

स्वायभू प्रिंलुगमे क* र्खो$ज औरा Bवितेष्ठ

- पुत्थरा क* मेर्णि तेय [गढ़न सी बहुते पुहालु, जब मे नवा न पुहालु ब रा विमेट्टा , पुत्थरा औरा अन्य मे ध्यमे) मे :मे नवा- आक0वितेय [उक रान शरू क* थY, उसीसी भू पुहालु, सीरालु ज वान ज न वा लु लु$ग) न वाक्षे0), र्खोते) मे :हालु द्वा रा ब रा र्खो ओं, औरा ग वा[) क सीमे पु विस्थते B क0वितेक ट लु) क$ पुविवात्र मे न विलुय ।
- इन स्थलु) पुरा वा अज्ञा ते शवि[य) क Bविते क0तेज्ञाते अर्णिपुते करान लुग।
- कभू -कभू , उन्हा)न पुहा विड़य) सी विनकलु B क0वितेक शक्की क रा सीरा चौन ओं क* र्खो$ज क* औरा उन्हा :"स्वाय Bकट" मे
- विलुय ।
- इन स्थलु) क$ सीरा विक्षेते दिकय गय औरा उनक* श्रद्धा सी Bवितेष्ठ बढ़ते गई।

  इसी Bक रा क B क0वितेक रूपु सी विनर्णिमेते प्रिंलुगमेप्रिंलुग"स्वाय"भूरूपु मे :Bवितेविष्ठते हुए।

Bविसीद्धा स्वायप्रिंलुगमे:

भू राते मे :कई स्वायभू प्रिंलुगमे Bवितेविष्ठते हा,& विजनमे :सी क छ इसी Bक रा हा:&

- ब राहा ज्य$वितेर्मिलुग (द्वा दश ज्य$वितेर्मिलुग)
- भूवा न श्वरा (ओविडश)
- क द रा श्वरा (वा रा णसी)
- क द रान थ (उत्तारा र्खोड)
- पुशपु वितेन थ (नपु लु)
- मेहा क लु श्वरा (उज्जै>न)

विवाशष ज नक रा :

- सी$मेन थ स्वायभू प्रिंलुगमे नहाY हा,> जबदिक मेहा क लु श्वरा (उज्जै>न) स्वायभू प्रिंलुगमे हा।>
- क द रान थ औरा बद्र न थ द$ अन्य मेहात्वापु ण उद हाराण हा।&

इसी Bक रा, स्वायभू प्रिंलुगमे क* अवाध राण दिकसी चौमेत्क रा घाटन सी अविधक, एक B क0वितेक घाटन क Bविते मे नवा क* श्र औरा आध्य वित्मेक चौते न क पुरिराण मे हा।>

2. वा रा णसी क न मे) क श स्त्री य सीद भू

A. स्क द पुरा ण क क श र्खोड क 26वा :अध्य य मे :उल्लु र्खो हा:>

"... अविवामे tविमेद क्षेत्र कदरा zय भूवा स्थलु
पुरा Bवितेष्ठ मे पुन्नी मे$क्षेद चौ भूवात्कथमे
कथमेष वित्रलु$क*भ्य ग यते मेविणकर्णिणक
तेत्र सी प्रिंत्क पुरा स्वा विमेन्यद न मे रा विनम्नग ...."
ऋविष अगस्त्य न स्क द (क र्णितेक य), ज$ पु वाते औरा विशवा क पुत्र हा,&

सी यहा Bश्न पुछ :

"... यहा भूवि मे, विजसी अविवामे t कहा ज ते हा,> दिकसी सीमेय Bवितेष्ठ क$ B d हुई? यहा मे$क्षे Bद न करान वा लु स्थ न क>सी औरा कब घा$विषते हुआ? इसी मेविणकर्णिणक क रूपु मे :ग न क क्य क राण हा,> औरा ते न) लु$क) मे :इसी इसी न मे सी क्य) ज न
ज ते हा?> औरा उसी सीमेय, जब गग क* ध रा यहा [नहाY थ , तेब वाहा [क न राहाते थ ?" (श्लो$क 2-3)

स्क द न इसी Bश्न क उत्तारा मे :ज$ कहा , उसी उन्हा)न अपुन कथन नहाY बते य । वा कहाते हा &दिक यहा Bश्न स्वाय

मे [(पु वाते) न
भूगवा न विशवा सी पुछ्र थ औरा ज$ उत्तारा उन्हा)न मे [क$ दिदय थ , वाहा द$हारा य ज सीकते हा:>
मथ चौ हवा दवा न सीवक्षिवादि दतेमे
"एवा अB क्ष दविम्बक हारा
जगन्मे ते} पुरा स्ते ते. .."

"अवि बक (पु वाते) न यहा Bश्न हारा (विशवा) सी पुछ्र थ , औरा मे &वाहा तेम् हा :बते सीकते हू.[.."

"वा रा णसी विते क श विते रुद्रवा सी विते Bभू$
अवा पु न मेध य विन कथमेते विन सी पुरा ..."

"इसी नगरा न वा रा णसी , क श , रुद्रवा सी आदिद इतेन न मे क>सी B d दिकए?" (श्लो$क 3-4)

"तेतेस्तेदक> लुन विपु स्वा>रा विवाहाराते मेय
स्वा विवाग्रीहा त्स्वाय सीV0 स्वाशरा रा नपु वियन
Bध न Bक0प्रिंते त्वाञ्च मे य गण वातेY पुरा मे। "

"ब द मे,: जब मे &(विशवा) अक लु भ्रमेण करा राहा थ , ते$ मेन& अपुन हा सीत्ता सी Bध न-Bक0विते क$ उत्पुन्नी दिकय , विजसीमे
औरा मे य सीमे विहाते थ, एक ऐसी ब्राह्म ड य तेत्वा ज$ सी सी रिराक व्या ख्य सी पुरा हा।>" (श्लो$क 21-22)
B. ज्ञा नवा पु

वा पु क्य)? वा पु क्य हा?>

- "तेड़ ग" ते लु ब य बड़ झी लु क$ कहाते हा,& जसी> दिक रा ओरा य रा वाते ते लु ब।
- "क पु" क ए क$ कहाते हा,& जसी> दिक धमे क पु य क लुक पु।
- "वा पु " क$ चौ रा) ओरा सी सी दिढ़य) सी विघारा जलुस्रो$ते मे न ज ते हा।> उद हाराण क विलुए, लु$लु क क$ वा पु कह सीकते हा,> लुदि कन सीबसी Bविसीद्धा वा पु ज्ञा नवा पु हा।>
- क विलुद सी क "मेघा दते मे " मे :उल्लु र्खो हा:>

"वा पु चौ विस्मेन मेराकते-विशलु -बद्धा-सी$पु न-मे ग} "
("इसी वा पु क चौ रा) ओरा मेराकते (पुन्नी) जसी> विशलु ओं सी बन सी दिढ़य [हा।&")
C. मेहा श्मेश न

(क) "श्मेश न न चौ सीवाषu श्मेश न यत्पुरा मेहाते
पु ठान पुरामे पु ठा ऊषराण मेहा$षरामे। " (क्षी$क XXXV.2)

"सीभू श्मेश न) मे :यहा अविद्वाते य हा,> यहा एक पुविवात्र पु ठा (क श मे):, एक मेहा न पु ठा, औरा सीबसी विनजन स्थ न) मे :सीवा च्च्
हा।>"

(र्खो) "स्मे शzदन शवा} B$t} सीन शयनमेच् यते

विनवाचौते श्मेश न थ मेन शzद थक $विवाद }।" (क्षी$क XXX.103)

"(विनरुt क अन सी रा) 'स्मे' क अथ शवा (मेते0 शरा रा) हा$ते हा,> औरा 'सीन ' क अथ लुट न हा$ते हा।> इसी

Bक रा, व्या कराण क
ज्ञा न श्मेश न क यहा अथ विनक लुते हा।&"

D. रुद्रवा सी "रुद्र दश-दश B च्य-वा चौ Bत्यग उदक विस्थते}
ऊध्वा दिदक्ष्थश्चं य रुद्र } पुठ्यन्ते वाद वा दिदविभू}।
असीख् य ते सीहास्रो विण य रुद्र अविध भू- तेलु
तेत्सीवाभ्uय विधक} क श्य   जन्तेवा$ रुद्र-रूविपुण}।
रुद्रवा सी} तेते} B$tमे- अविवामे t घाट$द्धावा।" (क्षी$क XXX.97-101)

"पुथ्0वा क दसी दिदश ओं क$ दसी रुद्र) न सीरा विक्षेते दिकय हा।> ग्य राहावा [रुद्र विशर्खोरा क* राक्षे कराते हा।>

वाद) मे :इन रुद्र) क वाणन
दिकय गय हा।> इसी पुथ्0वा पुरा असीख् य रुद्र हा,& लुदि कन क श मे :ज$ ज विवाते रूपु मे :विनवा सी कराते हा,&
वा सीभू सी श्रेष्ठ हा।&
इसीविलुए इसी रुद्रवा सी कहा ज ते हा।> हा घाट$द्धावा (अगस्त्य), य कभू इसी स्थ न क$ नहाY छ$ड़ते ।"

E. आनद क नन

ब्राह्म ड य शवित्य) क विमेलुन क उल्लु र्खो

इसी ग्रीथ क छठा अध्य य मे :ब्राह्म ड य शवित्य) क विमेलुन क$ स्पुV औरा ज वाते रूपु सी Bस्तेते दिकय गय हा।>

- आदिदBक0विते (मेलु भू ते शविt) सी पुरु ष क* उत्पुवित्ता हुई।
- पुरु ष क सीक ल्पु सी शविt (सीज0न त्मेक Bवावि0त्ता) क उद्धावा हुआ।
- इसी शविt क$ Bक0विते कहा गय , विजसीमे :गण औरा चौते न क* शविt सीमे विहाते थ ।
- यहा Bदिक्रय रा मेणते (आनद मेय क्र*ड़), लु लु (सीज0न त्मेक र्खोलु), औरा चौते न क गवितेश लु गण) क रूपु मे :
व्या ख्य वियते क* गई।
इसी सी सी रिराक सीद भूx मे :"य न शविt" क रूपुक मे :व्याt दिकय गय , लुदि कन वा स्तेवा मे :यहा सीज0न-शविt क Bते क
हा।>

क्षी$क24-35:

"सी शवित: Bक0विते} B$t सी} पुमे न ईश्वरा} पुरा}
ते भ्य   चौ रामेमे ण भ्य   तेविस्मेन क्षेत्र घाट$द्भावा।"

"वाहा शवित (Bक0विते) हा,> औरा वाहा पुरु ष (ईश्वरा) हा।> इन द$न) क क्र*ड़ क्षेत्र मे,: हा अगस्त्य, यहा आनद क नन विवाद्यामे न ह

F. क श

"अविवामे t मेहा क्षे त्र न मेt   शभू न क्वीविचौते
विनवा ण -क सीन ते -यत्र क श विते Bविथते पुरा ।" (क्ष्ली$क XXIX.5)
"अविवामे t एक मेहा न क्षेत्र हा,> विजसी कभू शभू   (विशवा) न नहाY छ$ड़ । विनवा ण (मे$क्षे) क* B विd क क राण इसी क श क
ज न ज ते हा।>"
क श खोंड क अन सी रा वा रा णसी क ते न Bमेर्खो

प्रिंलुगमे

"हृदय तेस्य ज यन्ते वित्रविण प्रिंलुग न्य सीश यमे। " (क्ष्ली$क XXX.4)

"विनस्सी दहा , उसीक हृदय सी ते न प्रिंलुग उत्पुन्नी हा$ते हा।&"

य ते न प्रिंलुग क न-सी हा?&

1. क0वित्तावा सीश्व रा
2. ओंक रा श्वरा
3. वित्रलु$चौन

विवाशष :

- यहा [विवाश्वा(विवाष्ण वारा) प्रिंलुग क उल्लु खों नहाY हा।>
- ऐसी इसीविलुए हा$ सीकते हा >क्य)दिक रुद्र य (गरा>-वादि दक भूरा>वा-सीB द य) सी जड़   लु$ग भूरा>वा-रूपु विवाश्वन थ
- जड़   हुए थ।
  क0वित्तावा सीश्व रा क मेदि दरा सीबसी ऊ[चौ औरा विवास्ते0ते थ , औरा इसी वा रा णसी क सीबसी बड़ मेदि दरा) मे :वि

"क0वित्तावासीश्व> मेहा -Bसी द-विनर्णिमेविते}
य दष्0ट्वा विपु नरा$ दरा ते क0वित्तावा सी पुद लुभू ते।" (क्ष्ली$क XXXIII.62-63)

"इसी भूव्या मेदि दरा क$दर्शन मेन ष्य क0वित्तावासीश्वशराण B d करा सीकते हा।>"

सीद भू सीचौ

दिदवा$द सी, सीमेय	38 244-45,	ड¹रिरान विव्राज (अब मे लुवा य विव्राज), विनमे ण	280
दग घा ट	289 57 179	दग क ड	256
दग विवान यक	251	डटन, ते वि त्रक राहास्यवा द	106n
द्वा राक		एकदते	14
इविलुयट, राbबट (कd न)		अग्री ज Bश सीन, नगरा य$जन	29

,